# इलियाड

# इलियाड

## Table of Contents


होमर की इलियड

- प्रस्तावना।
- पांचवें संस्करण के लिए टिप्पणी।

तर्क।

- पुस्तक I.
- तर्क।
- पुस्तक II.

तर्क।

- पुस्तक III.
- तर्क।
- पुस्तक IV.
- तर्क।
- पुस्तक V.
- तर्क।
- पुस्तक VI.
- तर्क।
- पुस्तक सात।
- तर्क।
- पुस्तक VIII.
- तर्क।
- पुस्तक 9.
- तर्क।
- पुस्तक X.

तर्क।
पुस्तक 11.
तर्क।
पुस्तक XII.
खंड II.
तर्क।
पुस्तक XIII.
तर्क।
पुस्तक चौदह।
तर्क।
पुस्तक पंद्रह।
तर्क।
पुस्तक सोलह।
तर्क।
पुस्तक सत्रहवीं।
तर्क।
पुस्तक 18वीं।
तर्क
पुस्तक XIX.
तर्क।
पुस्तक XX.
तर्क।
पुस्तक XXI.
तर्क।
पुस्तक XXII.
तर्क।
पुस्तक XXIII.
तर्क।

पुस्तक XXIV.
खंड II का अंत।
फ़ुटनोट

होमर द्वारा रचित 'द इलियड' का प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग ईबुक, एडवर्ड अर्ल ऑफ डर्बी द्वारा अनुवादित। होमर द्वारा रचित हमारी श्रृंखला का #7 भाग।
विश्वभर में कॉपीराइट कानून बदल रहे हैं। प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग की इस या किसी अन्य ईबुक को डाउनलोड करने या पुनर्वितरित करने से पहले अपने देश के कॉपीराइट कानूनों की जांच अवश्य कर लें।
प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग फ़ाइल को देखते समय सबसे पहले यही हेडर दिखाई देना चाहिए। कृपया इसे न हटाएं। लिखित अनुमति के बिना हेडर में कोई बदलाव या संपादन न करें।
कृपया इस फ़ाइल के अंत में दिए गए "कानूनी नियम और शर्तें" और ईबुक तथा प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग से संबंधित अन्य जानकारी पढ़ें। इसमें आपके विशिष्ट अधिकारों और फ़ाइल के उपयोग पर लगी पाबंदियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। आप प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग को दान देने और इसमें शामिल होने के तरीके के बारे में भी जान सकते हैं।
**मुफ्त सरल इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्ट संदेशों की दुनिया में आपका स्वागत है**
**1971 से मनुष्य और कंप्यूटर दोनों द्वारा पठनीय ई-पुस्तकें**
*****ये ई-पुस्तकें हजारों स्वयंसेवकों द्वारा तैयार की गई हैं!*****
शीर्षक: इलियड
लेखक: होमर, अनुवादक: एडवर्ड, अर्ल ऑफ डर्बी
प्रकाशन तिथि: जुलाई, 2004 [ईबुक #6150] [हाँ, हम निर्धारित समय से एक वर्ष से अधिक आगे हैं] [यह फ़ाइल पहली बार 19 नवंबर, 2002 को पोस्ट की गई थी]
संस्करण: 10
भाषा अंग्रेजी
*** गुटेनबर्ग की ईबुक 'द इलियड' परियोजना का शुभारंभ ***

ऐनी सोलार्ड, चार्ल्स फ्रैंक्स और ऑनलाइन डिस्ट्रीब्यूटेड प्रूफरीडिंग टीम द्वारा निर्मित।

# होमर की इलियड

**अंग्रेजी मुक्त छंद में अनुवादित। द्वारा**
**एडवर्ड अर्ल ऑफ डर्बी।**

## प्रस्तावना।

सन् 1862 की वसंत ऋतु में, कुछ निजी मित्रों के अनुरोध पर, मैंने केवल निजी वितरण के लिए "प्राचीन और आधुनिक कविताओं के अनुवाद" का एक छोटा सा संग्रह प्रकाशित करवाया, जिसमें इलियड का पहला भाग भी शामिल था। इस प्रयास की सफलता के बारे में कुछ योग्य समीक्षकों द्वारा व्यक्त की गई राय, जिसमें "मूल कृति की भावना और सरलता को लगभग शाब्दिक अंग्रेजी अनुवाद में समाहित करने का प्रयास किया गया था," [पाद टिप्पणी: अप्रकाशित संग्रह की प्रस्तावना] इतनी अनुकूल थी कि मुझे अपने आरंभिक कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिला। अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के अंतराल में, इसने मुझे रुचि का एक अटूट और निरंतर बढ़ता हुआ स्रोत प्रदान किया है; और अपने कार्य के पूर्ण होने पर खेद और इसकी सफलता के प्रति गंभीर संशय के साथ, मैं अपने श्रम के परिणाम को सार्वजनिक आलोचना के लिए प्रस्तुत करने का साहस कर रहा हूँ।

इस अनुवाद की कमियों के बावजूद, कई कारणों से मैं इसकी व्यापक लोकप्रियता की उम्मीद नहीं कर सकता। पहला कारण यह है कि शास्त्रीय साहित्य के प्रति रुचि और सराहना में भारी गिरावट आई है; दूसरा, जिन्होंने शास्त्रीय अध्ययन जारी रखा है और मूल पाठ को पढ़कर उसका आनंद ले सकते हैं, वे केवल अनुवाद में रुचि नहीं लेंगे; वहीं, ग्रीक भाषा से अपरिचित अंग्रेजी पाठक स्वाभाविक रूप से पोप के अनुवाद की सुरीली छंद रचना और परिष्कृत चमक को पसंद करेंगे; जो कि होमर की कहानी का अंग्रेजी कविता की भावना के अनुरूप एक सुखद रूपांतरण है, और मैं इसके साथ प्रतिस्पर्धा करने का साहस नहीं रखता। लेकिन, पोप का इलियड कितना भी प्रशंसनीय क्यों न हो, इसे होमर का इलियड कहना मुश्किल है; और कुछ ऐसे भी हो सकते हैं जिन्होंने मूल भाषा से अपनी पुरानी परिचितता खो दी हो, यदि मैं अपने प्रयास में थोड़ा भी सफल हुआ हूँ, तो उन्हें उन धुनों की धुंधली सी गूंज याद आ सकती

है जिन्होंने उनके पुराने दिनों को आनंदित किया था, और वे मूल संगीत की कुछ हल्की सी झलक पहचान सकते हैं।

इलियड या उसके कुछ हिस्सों के अनुवादक असंख्य रहे हैं, और उनके द्वारा चुने गए छंद भी लगभग उतने ही विविध रहे हैं: सामान्य तुकबंदी वाला दोहा, स्पेंसरियन छंद, ट्रोकाइक या बैलेड छंद, सभी के अपने-अपने समर्थक रहे हैं, यहाँ तक कि तथाकथित अंग्रेजी हेक्सामीटर के उस "हानिकारक विधर्म" के भी; एक ऐसा छंद जो हमारी भाषा की प्रकृति के बिल्कुल विपरीत है; जिसे केवल छंदशास्त्र के हर नियम का उल्लंघन करके ही अपनाया जा सकता है; और जिसके बारे में, इसे स्वाभाविक बनाने का प्रयास करने वाले प्रख्यात व्यक्तियों के प्रति मेरे सम्मान के बावजूद, मैं दस पंक्तियाँ भी पढ़े बिना कैनिंग की यादों में खोए बिना नहीं रह सकता।

"क्या तुम इन्हें डैक्टिलिक्स कहते हो? भगवान तुम्हारी मदद करे, मूर्ख!"

लेकिन इस कार्य की प्रगति के दौरान, मैं अपने उस मत पर और भी दृढ़ होता गया जो मैंने इसकी शुरुआत में व्यक्त किया था, कि (चाहे मेरी व्यक्तिगत विफलता कितनी भी हो) "यदि महान कवि की सहज प्रवाह और राजसी सादगी के साथ न्याय करना है, तो वह केवल वीर छंद में ही संभव है।" मैंने अन्य छंदों में उनके कुछ अंशों का उत्कृष्ट अनुवाद देखा है; और ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें पंक्ति-दर-पंक्ति और दोहे-दर-दोहे का अनुवाद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होता है, और जिनमें कभी-कभी अनैच्छिक तुकबंदी से बचना कठिन होता है; लेकिन होमर शैली की सभी बारीकियों के अनुरूप ढलने में सक्षम छंद ही मुझे प्रतीत होता है; अनेक उपमाओं से परिपूर्ण कविता से लेकर, जिसमें हर स्पर्श प्रकृति का है और कुछ भी अतिरंजित या बढ़ा-चढ़ाकर नहीं कहा गया है, कथा के कुछ भागों की सरल, लगभग घरेलू शैली तक। किसी भी अन्य छंद से उन विभिन्न भाषणों की भावना और स्वतंत्रता का पूर्ण न्याय नहीं हो सकता, जिनमें पुराने योद्धा बिना किसी छिपाव या संकोच के अपनी सभी प्रबल और सच्ची भावनाओं को व्यक्त करते हैं। इन्हें दोहे और तुकबंदी के बंधन में बांधना इनके मूल गुणों के लिए उतना ही विनाशकारी होगा जितना कि मिल्टन की 'पैराडाइज लॉस्ट' या शेक्सपियर की त्रासदियों पर ऐसी ही प्रक्रिया लागू करना; वास्तव में इसका प्रभाव शेक्सपियर के कुछ उत्कृष्ट भाषणों की तुलना उन कुछ दोहों से करने पर देखा जा

सकता है जिन्हें उन्होंने किसी दृश्य या अंक के अंत में, प्रथा के अनुसार जोड़ना अनिवार्य समझा था।
मैंने कुछ हिचकिचाहट के साथ, मूर्तिपूजक देवताओं के लिए यूनानी के बजाय लैटिन नामकरण को अपनाया है। ऐसा करने का कारण दोनों को एक साथ मिलाने की स्पष्ट असंगति है; और यह तथ्य भी है कि यद्यपि अंग्रेजी पाठक ज़्यूस, एफ़्रोडाइट या पोसीडॉन के नामों से परिचित हो सकते हैं, हेरा, एरेस, हेफ़ेस्टस या लेटो के नाम उनके लिए शायद ही कोई निश्चित अर्थ स्पष्ट कर पाएं।
मेरा उद्देश्य हमेशा से अनुवाद करना रहा है, न कि उसका संक्षिप्त रूप देना; ऐसा अनुवाद नहीं जो हर शब्द के संदर्भ में सटीक विद्वत्ता की कठोर आवश्यकताओं को पूरा करे; बल्कि ऐसा अनुवाद जो हर अंश और हर पंक्ति के भाव और आत्मा को निष्पक्ष और ईमानदारी से व्यक्त करे; कुछ भी न छोड़े, न ही उसका विस्तार करे; और जहाँ तक हमारी भाषा अनुमति देती है, हर उस विशेषण का यथासंभव पालन करे जिसका उस विशेष अंश में कोई विशेष और विशिष्ट अर्थ हो। इस उद्देश्य को पूरा करने में आई कई कमियों से मैं भलीभांति अवगत हूँ; मैं इसमें कितना सफल हुआ हूँ, यह उन पाठकों के निष्पक्ष निर्णय पर निर्भर करता है जो इस कृति को पढ़कर इसे सम्मानित करेंगे।
**डी।**
**नोस्ले, अक्टूबर, 1864**

## पांचवें संस्करण के लिए टिप्पणी।

इस कृति के प्रथम संस्करणों को मिली अनुकूल प्रतिक्रिया, मेरी अत्यधिक आशाओं से कहीं अधिक, इस बात का संतोषजनक प्रमाण है कि मैंने अपनी प्रस्तावना में शास्त्रीय साहित्य के प्रति रुचि और सराहना में आई गिरावट का कितना अधिक अनुमान लगाया था। मुझे आशा है कि यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि कुछ त्रुटियाँ और अशुद्धियाँ उस अनुवाद में आ गई हैं, जिसे मैंने, मैं स्वीकार करता हूँ, कुछ जल्दबाजी में और उस परिश्रम की कमी के साथ किया है जो मुझे इस पर करना चाहिए था, यदि मैंने इसके इतने व्यापक प्रसार की उम्मीद की होती। इसलिए, मैं उन आलोचकों का आभारी हूँ, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से या निजी तौर पर मेरा ध्यान उन अंशों की ओर दिलाया है जिनमें लेखक के भाव को गलत या अपूर्ण रूप से व्यक्त किया गया है। मैंने

इन सभी अंशों की जाँच की है और उनके सुधार के लिए दिए गए कई सुझावों का उपयोग किया है। संपूर्ण कार्य की सावधानीपूर्वक समीक्षा और मूल कृति के साथ पुनः तुलना करने से मुझे अन्य दोषों का पता लगाने में मदद मिली है, जिन्हें दूर करने से, मुझे उम्मीद है, वर्तमान संस्करण, विशेष रूप से शास्त्रीय विद्वानों की दृष्टि में, अपने पूर्ववर्तियों को प्राप्त सम्मान के कुछ अधिक योग्य बन जाएगा।

**डी।**

सेंट जेम्स स्क्वायर, मई, 1885।

# तर्क।

**अकिलीज़ और एगामेम्नन का विवाद।**

ट्रॉय के युद्ध में, यूनानियों ने आसपास के कुछ शहरों को लूटा और वहाँ से दो सुंदर बंदी, क्राइसेस और ब्रिसेस को बंदी बना लिया। उन्होंने क्राइसेस को एगामेम्नन को और ब्रिसेस को अकिलीज़ को सौंप दिया। क्राइसेस के पिता और अपोलो के पुजारी क्राइसेस, उसे छुड़ाने के लिए यूनानी शिविर में आते हैं; इसी से कविता की कहानी शुरू होती है, घेराबंदी के दसवें वर्ष में। पुजारी को मना कर दिया जाता है और एगामेम्नन द्वारा अपमानजनक ढंग से विदा किया जाता है। पुजारी अपने देवता से प्रतिशोध की प्रार्थना करते हैं, जो यूनानियों पर महामारी फैला देते हैं। अकिलीज़ एक सभा बुलाते हैं और कल्चस को इसका कारण बताने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो इसका कारण क्राइसेस के इनकार को बताते हैं। राजा को अपनी बंदी को वापस भेजना पड़ता है और वह अकिलीज़ के साथ भयंकर युद्ध में उतर आते हैं, जिसे नेस्टर शांत करते हैं; हालाँकि, सेना पर पूर्ण नियंत्रण होने के कारण, वह बदला लेने के लिए ब्रिसेस को पकड़ लेते हैं। असंतुष्ट होकर अकिलीज़ अपने और अपनी सेना को यूनानियों के युद्ध से वापस बुला लेता है; और थेतिस से शिकायत करते हुए, वह बृहस्पति से विनती करती है कि ट्रोजन को विजय दिलाकर उसके पुत्र के साथ हुए अन्याय का उन्हें एहसास दिलाए। बृहस्पति उसकी विनती मान लेता है, जिससे जूनो क्रोधित हो जाती है और उनके बीच तीखी बहस होती है, जो अंततः वल्कन के आग्रह पर समाप्त होती है।

इस पुस्तक में बाईस दिनों का समय व्यतीत होता है; नौ दिन महामारी के दौरान, एक दिन राजकुमारों की सभा और उनके झगड़े में, और बारह दिन बृहस्पति के

इथियोपियाई लोगों के बीच रहने में व्यतीत होते हैं, जिनके लौटने पर थेतिस अपनी याचिका प्रस्तुत करती है। कहानी यूनानी शिविर से शुरू होती है, फिर क्रिसा में स्थानांतरित होती है, और अंत में ओलंपस में।

# पुस्तक I.

हे देवी, पेलियस के पुत्र, अकिलीज़ का गुणगान करो, उस गहरे और घातक प्रतिशोध का; जिससे ग्रीस में अनगिनत विपत्तियाँ आईं; और कई शक्तिशाली योद्धाओं की आत्माओं को असमय मृत्यु प्राप्त हुई; वे युद्ध के मैदान में बिना दफ़नाए पड़े रहे, भूखे कुत्तों और गिद्धों का शिकार; परन्तु बृहस्पति ने यही निश्चय किया था, उस दुखद दिन से जब पहली बार शाब्दिक युद्ध में, मनुष्यों के राजा, शक्तिशाली एगामेम्नन का सामना पेलियस के देवतुल्य पुत्र से हुआ।

तो फिर बताओ, किस देवता ने इस घातक संघर्ष को उकसाया? जूपिटर और लैटोना का पुत्र; वह क्रोध से भरा हुआ था,

राजा के विरुद्ध, घातक महामारी से शिविर को पीड़ित किया, और लोग मर गए,

अपने पुजारी क्राइसिस के कारण, जिसे एट्रेस के पुत्र ने

तिरस्कार के साथ विदा किया था, जब वह यूनानी जहाजों पर

अपनी बंदी पुत्री को छुड़ाने आया था,

भारी फिरौती देकर; और अपने हाथ में

अपने ईश्वर का पवित्र पट्टा,

और सोने का डंडा लिए हुए था; उसने सभी से विनती की, लेकिन मुख्य रूप से एट्रीयस के पुत्रों, सेना के जुड़वां सेनापतियों से: "हे एट्रीयस के पुत्रों, और हे सुगठित यूनानियों, हे ओलंपस पर निवास करने वाले महान देवताओं, हे तुम्हें उस शत्रु नगर को नष्ट करने की शक्ति दो, और तुम सुरक्षित घर लौट आओ; परन्तु मेरी संतान, हे प्रार्थना, उसे लौटा दो; उसकी भेंट की गई फिरौती स्वीकार करो, और उसके पुरोहित में प्रकाश के स्वामी का आदर करो।"

फिर पंक्तियों के बीच सहमति की फुसफुसाहट दौड़ी,

पुजारी का आदर करो, और फिरौती लो:

ऐसा नहीं एट्रीड्स; वह, अभिमानी भाव और कड़वी वाणी के साथ, कांपते हुए पिता ने कहा: "बूढ़े, मैं तुझे चेतावनी देता हूँ कि अगर तू हमारे जहाजों के पास न मिले, न ही यहाँ ठहरे, न ही वापस लौटते हुए; कहीं ऐसा न हो कि तेरा सुनहरा डंडा और तेरे ईश्वर का पट्टा व्यर्थ हो जाए। मैं उसे तब तक नहीं छोड़ूँगा जब तक उसकी जवानी चली न जाए; आर्गोस में, मेरी दीवारों के भीतर, घर से दूर, उसका भाग्य तय है, उसे घरेलू

काम करने हैं, और स्वामी के साथ बिस्तर साझा करना है। तेरे लिए, चले जा! मुझे परेशान मत कर।" कहीं ऐसा न हो कि अब तुम्हारा बुरा हाल हो जाए।
उसने कहा: बूढ़ा आदमी कांप उठा, और आज्ञा मान ली;
अनेक लहरों वाले सागर के किनारे
वह चुपचाप चला गया; और एकांत में, उसने प्रार्थना की
महान अपोलो से, सुंदर लैटोना के पुत्र से:
"हे चांदी के धनुष के देवता, मेरी प्रार्थना सुनो! जिसकी देखरेख क्रिसा और सिलिया की सुंदर घाटी करती है; जिसका प्रभुत्व टेनेडोस पर है; हे स्मिन्थियस, मेरी प्रार्थना सुनो! यदि कभी मेरे द्वारा अर्पित उपहार तेरी दृष्टि में स्वीकार्य हुए हों; यदि कभी मैंने तेरे लिए बैलों और उत्तम बकरियों की चर्बी जलाई हो, तो मुझे यह वरदान दे—यूनानी सेना पर तेरे अचूक तीर मेरे आँसुओं का बदला लें।"
इस प्रकार जब वह प्रार्थना कर रहा था, अपोलो ने उसकी प्रार्थना सुनी:
ओलंपस की ऊँचाइयों से वह गुजरा, उसका हृदय
क्रोध से जल रहा था; उसके कंधों के पीछे
उसका धनुष और विशाल तरकश लटका हुआ था; उसकी पीठ पर
घातक तीर उसके चलने पर खड़खड़ा रहे थे;
रात के बादल की तरह वह गुजरा, और दूर से
उसने जहाजों पर प्रहार किया, और तीर चलाया;
और भयंकर और घातक रूप से चांदी का धनुष बज उठा।
पहले खच्चरों और कुत्तों पर, अंत में मनुष्य पर,
तीरों का तूफान बरसा; और शिविर के बीचोंबीच, निरंतर और असंख्य, अंत्येष्टि की अग्नि प्रज्वलित होती रही।
नौ दिनों तक दिव्य धनुर्धर ने सैनिकों पर अपने भयानक बाण बरसाए; दसवें दिन, एकत्रित यूनानियों को अकिलीज़ ने परिषद में बुलाया; श्वेत भुजाओं वाली देवी जूनो से प्रेरित होकर, जिन्होंने दया भरी निगाहों से यूनान की नष्ट होती सेनाओं को देखा। जब सभी एकत्रित हो गए और चारों ओर घनी भीड़ जमा हो गई, तब तेज कदमों वाला सरदार उठा और इस प्रकार शुरू हुआ:

"एट्रियस के महान पुत्र, मेरे विचार से, यदि हम मृत्यु से बचना चाहते हैं, तो एक ही रास्ता है, अपने कदम पीछे हटाकर घर लौटना: क्योंकि यहाँ युद्ध और महामारी ने हमारी सेनाओं को तुरंत नष्ट कर दिया है। लेकिन पहले हमें किसी नबी या पुजारी, या किसी बुद्धिमान द्रष्टा (क्योंकि दर्शन भी बृहस्पति से ही आते हैं) की तलाश करनी चाहिए, जो उस कारण को समझा सके, जिसके कारण अपोलो इतना घातक क्रोध भड़का रहा है: यदि उपेक्षित बलि या प्रार्थनाओं के लिए वह हमें दोषी ठहराता है; या यदि मेमनों और बकरियों की चर्बी उसके क्रोध और महामारी को शांत कर सकती है।" शांत करना।"

यह कहकर वह बैठ गया; और थेस्टर का पुत्र उठा, कैल्चस, जो द्रष्टाओं का प्रमुख था, जिसे वर्तमान, भविष्य और अतीत का ज्ञान था; जिसने अपनी रहस्यमयी कला, अपोलो के वरदान से, यूनानी बेड़े को इलियम के तट तक पहुँचाया। उसने सावधानीपूर्वक बोलते हुए उत्तर दिया; "हे स्वर्ग के प्रिय अकिलीज़, तू मुझसे कह रहा है कि इस विनाशकारी राजा को इतना क्रोधित क्यों किया? इसलिए मैं बोल रहा हूँ; परन्तु तू वचन और शपथ ले कि तू मुझे हानि नहीं पहुँचाएगा। क्योंकि मैं भली-भांति जानता हूँ कि मेरी वाणी किसी न किसी को अवश्य ही आहत करेगी, आर्गिव प्रमुख को, जो सभी यूनानियों में सर्वोच्च है; और निम्न वर्ग के लोगों के लिए राजा का क्रोध भयानक होता है; क्योंकि यद्यपि वह कुछ समय के लिए अपना क्रोध छुपाए रखता है, फिर भी अपने हृदय में उसे तब तक संजोए रखता है जब तक समय न आ जाए; तो कहो, क्या तुम मेरी रक्षा करोगे, यदि मैं बोलूँ?

तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उसे इस प्रकार उत्तर दिया: "जो कुछ भी तुम्हारी कला कह सकती है, उसे निडर होकर कहो; क्योंकि मैं अपोलो की कसम खाता हूँ, जिसकी तुम सेवा करते हो, हे कल्चास, और जिसे तुम्हारे शब्द प्रेरित करते हैं, कि जब तक मैं जीवित रहूँ और स्वर्ग का प्रकाश देखूँ, तब तक कोई भी यूनानी तुम पर हमारे जहाजों के पास हानिकारक हाथ डालने का साहस नहीं करेगा: नहीं, चाहे वह स्वयं एगामेम्नन ही क्यों न हो, जो हमारे योद्धाओं में सबसे आगे होने का दावा करता है।"

इस प्रकार उत्साहित होकर, अचूक पैगंबर ने कहा: "उपेक्षित बलि या प्रार्थनाओं के लिए नहीं, बल्कि अपने पुजारी के लिए, जिसका अगमेमन ने तिरस्कार किया, न ही उसकी फिरौती ली, न ही उसके बच्चे को लौटाया; इसी कारण से विनाशक यह

महामारी भेजता है, और भेजता रहेगा; और हम उसके भारी हाथ को महसूस करना बंद नहीं करेंगे, जब तक कि हम उसके पिता को उस चमकीली आँखों वाली लड़की को, बिना बिके, बिना फिरौती लिए, और क्रिसा के तट पर एक गंभीर बलि का संदेश नहीं दे देते; यह हो गया, ईश्वर प्रसन्न हो गया, उसका क्रोध शांत हो सकता है।
यह कहकर वह बैठ गया; और एट्रेस का देवतुल्य पुत्र, शक्तिशाली सम्राट, एगामेम्नन, उठा, उसकी काली आत्मा क्रोध से भर गई, और उसकी आँखें आग की लपटों की तरह चमक रही थीं; उसने सबसे पहले कल्चस पर एक तीखी नज़र डाली, और इस प्रकार बोला;
हे बुराई के पैगंबर! तू मुझसे कभी भी अशुभ संकेत ही नहीं देता; तेरी आत्मा को तो बुराई की भविष्यवाणी करने में ही आनंद आता है, पर तूने कभी भी किसी अच्छी बात का वादा नहीं किया और न ही उसे पूरा किया। अब तू यूनानियों के बीच अपनी झूठी भविष्यवाणियाँ फैला रहा है कि ये सारी बुराइयाँ उस विनाशक से आई हैं, क्योंकि मैंने अपने प्यारे इनाम की फिरौती ठुकरा दी, और उसे अपने पास रखना बेहतर समझा, जो मेरे लिए क्लिटेम्नेस्ट्रा से कम नहीं थी, मेरी कुंवारी विवाहित पत्नी। पत्नी; न ही रूप, चेहरे या बुद्धि के उपहारों में कम सुशोभित। फिर भी, यदि ऐसा ही होना है, तो मैं उसे वापस दे दूंगा; मैं अपने लोगों की सुरक्षा चाहता हूं, उनकी मृत्यु नहीं। लेकिन मुझे तुरंत कोई और लूट का माल ढूंढो, कहीं ऐसा न हो कि मैं सभी यूनानियों में अकेला खाली हाथ दिखाई दूं; क्योंकि यह शोभा नहीं देगा; और तुम देख सकते हो कि मैं अपना वर्तमान हिस्सा कैसे खो रहा हूं।
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "हे सबसे अभिमानी और सबसे लालची व्यक्ति! हमारे वीर यूनानी तेरे लिए कोई और लूट कैसे लाएँगे? हमारे पास संचित खजानों का कोई साझा कोष नहीं है; जो कुछ हमने अपने हथियारों से जीता है, वह पहले ही बाँट दिया गया है, और अब हम आवंटित लूट को पुनः प्राप्त नहीं कर सकते। ईश्वर की आज्ञाकारी कन्या को लौटा दो! और यदि स्वर्ग चाहे कि हम ट्रॉय की मजबूत दीवारों को ध्वस्त कर दें, तो हमारे योद्धा तुम्हें तिगुना भेंट करेंगे।" चौगुना प्रतिफल आवंटित करें।"
जिस पर सम्राट एगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "हे अकिलीज़, चाहे तू कितना भी वीर और देवतुल्य क्यों न हो, मुझे इस प्रकार धोखा देने की मत सोच; तू मुझे इस प्रकार न

मना सकता है, न ही मुझे धोखा दे सकता है। क्या तू लूट का अपना हिस्सा अपने पास रखना चाहता है, जबकि मैं खाली हाथ विनम्रतापूर्वक बैठा रहूँ? तूने मुझे उस तेजस्वी कन्या को लौटाने का आदेश दिया है; यदि वीर यूनानी मेरे लिए कोई अन्य लूट, कोई उचित मुआवजा खोजें, तो ठीक है: अन्यथा, मैं अपने दाहिने हाथ से..." क्या कोई दूसरा सरदार, शायद तुझसे, या अजाक्स या यूलिसिस, अपना शिकार छीन लेगा; और उस पर धिक्कार हो, जिस पर भी मैं पुकारूँ! परन्तु इसे हम भविष्य के परामर्श के लिए स्थगित करते हैं: तो चलो अब हम अपनी गहरे रंग की नाव को जल्दी से रवाना करें, एक उपयुक्त दल इकट्ठा करें, और पवित्र हेकाटोम्ब को सवार करें; फिर अंत में सुंदर क्राइसेस को सवार करें; और मुख्य कमान में हमारे सलाहकारों में से किसी एक को नियुक्त किया जाए, अजाक्स, यूलिसिस या इडोमेनियस, या तुम, सबसे महत्वाकांक्षी। उन सब में से,
ताकि हमारे अनुष्ठान क्रोधित ईश्वर को शांत कर सकें।"
जिस पर अकिलीज़ ने तिरस्कार भरी नज़र से देखा; "ओह, निर्लज्जता के वस्त्र पहने! ओह, नीच आत्मा! तुम कैसे आशा कर सकते हो कि कोई यूनानी तुम्हारे लिए यात्रा या युद्ध की कठिनाइयों को सहन करेगा? तुम भली-भांति जानते हो कि ट्रॉय के वीर पुत्रों के साथ मेरा कोई झगड़ा नहीं था, जो मुझे यहाँ हथियारों के साथ लाए थे; उन्होंने कभी मेरा बुरा नहीं किया; उन्होंने कभी मेरे मवेशियों या घोड़ों को नहीं भगाया; कभी फथिया के उपजाऊ, जीवनदायी खेतों में फसलों को बर्बाद करने की कोशिश नहीं की; क्योंकि हमारे बीच छायादार पहाड़ और दूर तक फैले हुए थे।" गर्जना करता समुद्र। हे लज्जाहीन! तेरे साथ हम चले थे, मेनेलास और तेरे लिए, कृतघ्न, ट्रोजन शिखरों पर गौरव और प्रसिद्धि पाने के लिए। तू यह सब भूल गया है, या तिरस्कार किया है; और अब मुझसे वह पुरस्कार छीनने की धमकी दे रहा है जिसे जीतने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की थी, और जो यूनानियों ने दिया था। और मेरा हिस्सा कभी तेरे बराबर नहीं होता, जब हमारी सेना किसी घनी आबादी वाले शहर पर हमला करती है; सफल युद्ध; संघर्षपूर्ण लड़ाई में, परिश्रम का बड़ा हिस्सा मेरा; लेकिन जब बंटवारे का दिन आएगा, तब सबसे समृद्ध लूट तुम्हारी होगी; जबकि मैं, वास्तव में, अपने सारे युद्ध परिश्रम के बदले कुछ तुच्छ पुरस्कार पाकर ही संतुष्ट रहूँगा। अब मैं फथिया जा रहा हूँ; बेहतर है कि मैं अपने घर की ओर मुड़ जाऊँ और तुम्हें यहाँ छोड़

दूँ। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए अपमानजनक होगा कि मैं युद्ध की लूट से तुम्हारे खजाने भर दूँ।
इस पर मनुष्यों के राजा अगामेम्नन ने उत्तर दिया: "यदि तेरा यही मन है तो भाग जा! मैं तुझे मेरे कारण रुकने के लिए नहीं कहता; दूसरे लोग हैं जो मेरी प्रतिष्ठा की रक्षा करेंगे और मेरे पक्ष में प्रतिशोध लेंगे: और सबसे बढ़कर, परामर्श के स्वामी, बृहस्पति! स्वर्ग में जन्मे सभी राजाओं में, तू ही वह व्यक्ति है जिससे मुझे सबसे अधिक घृणा है;
क्योंकि तुझे युद्ध और कलह के सिवा किसी और चीज में आनंद नहीं आता: मैं तेरी वीरता को स्वीकार करता हूँ; फिर भी, याद रख, यह स्वर्ग का उपहार है। तो अपने जहाजों के साथ लौट जा, यदि तू विल्ट,
और अपने अनुयायियों के साथ घर लौट जाओ; और वहाँ अपने मर्मिडोंस पर प्रभुत्व जमाओ! मैं तुम्हारी परवाह नहीं करता!
मुझे तुम्हारे क्रोध की परवाह नहीं! मेरी धमकी सुनो:
जब से फोएबस ने क्राइसेस को मेरी बाहों से छीन लिया है,
मैं अपने ही जहाज में, और अपने ही अच्छे दल के साथ,
उसे भेजता हूँ; और, उसके बदले में, मेरा मतलब है,
तुम्हारे तम्बू से ही, मैं स्वयं, तुम्हारा इनाम,
सुंदर ब्रिसिस को ले जाने के लिए; ताकि अब से तुम जान लो
कि मैं तुम्हारा स्वामी कितना हूँ; और यह कि, तुम्हारे उदाहरण से,
दूसरे भी मुझसे प्रतिस्पर्धा करने और मेरे सामने चुनौती देने से डर सकते हैं।
इस प्रकार जब वह बोल रहा था, अकिलीज़ क्रोध से उबल रहा था; और उसके वीर हृदय में विरोधाभासी विचार चल रहे थे—कि क्या वह अपनी शक्तिशाली तलवार निकाल कर एकत्रित भीड़ पर प्रहार करके उस अपमानजनक राजा को मार डाले; या अपने मन को शांत करके अपने क्रोध को नियंत्रित करे। परन्तु जब वह मन और आत्मा से यही विचार कर रहा था, और उसने अपनी तलवार आधी म्यान से बाहर निकाल ली थी, तभी स्वर्ग से जूनो द्वारा भेजी गई श्वेत भुजाओं वाली रानी मिनर्वा नीचे आई, जिसका प्रेम और स्नेह दोनों सरदारों को समान रूप से प्राप्त था। वह पीछे खड़ी थी, और अपने पीले बालों से उसने पेलियस के पुत्र को थामे रखा था, जो केवल उसे ही दिखाई दे रहा था, बाकी सभी को दिखाई नहीं दे रहा था। अकिलीज़ आश्चर्यचकित

होकर मुड़ा, और तुरंत ही उसने नीली आँखों वाली पल्लास को पहचान लिया; उसकी निगाहें भयानक थीं; जिसे सरदार ने पंखों वाले शब्दों में संबोधित किया:
"हे ढाल धारण करने वाले बृहस्पति के पुत्र, तू क्यों आया है? अत्रेस के पुत्र का अहंकार देखने? परन्तु मैं यही कहता हूँ, और अपने वचनों को सिद्ध करूँगा, यह धृष्टता उसे शीघ्र ही उसकी जान ले लेगी।"
नीली आँखों वाली देवी ने इस प्रकार उत्तर दिया: “मैं स्वर्ग से आई हूँ, यदि तुम सुनोगे तो, तुम्हारे क्रोध को शांत करने के लिए; श्वेत भुजाओं वाली रानी जूनो द्वारा भेजी गई, जिसका प्रेम और देखभाल तुम दोनों समान रूप से प्राप्त करते हो। इसलिए, इन झगड़ों को बंद करो, और इस प्रकार अपनी तलवार मत निकालो; शब्दों में, तुम उस पर जैसे चाहो आक्रमण करो। लेकिन मैं यह वादा करती हूँ, और इसे पूरा करूँगी, वह समय आएगा, जब इस उद्दंडता के लिए तुम्हें तीन गुना प्रतिफल मिलेगा; केवल मेरी बात मानो, और अपने क्रोध को नियंत्रित करो।” क्रोध।"
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "देवी, मुझे आपके आदेशों का पालन करना ही होगा, चाहे मैं कितना भी क्रोधित क्यों न होऊं—क्योंकि यही सर्वोत्तम है; जो देवताओं की सुनता है, उसकी प्रार्थना सुनी जाती है।"
उसने कहा: और उसने चांदी की मूठ पर अपना शक्तिशाली हाथ टिकाया, और अपनी विशाल तलवार को मिनर्वा के वचन का पालन करते हुए म्यान में वापस डाल दिया। आज्ञाकारी होकर, वह अपने स्वर्ग की ओर चल पड़ी, ताकि बृहस्पति के निवास में अमर लोगों से मिल सके। परन्तु पेलेउस के पुत्र ने अपने क्रोध को कम न करते हुए, एट्रीड को कड़वे शब्दों में संबोधित किया:
हे मूर्ख, कुत्ते जैसी आँखों और हिरण जैसे हृदय वाले! तुम कभी सशस्त्र युद्ध में नेतृत्व करने का साहस नहीं करते, न ही इकट्ठी सेना का, न ही कुछ चुने हुए सैनिकों का, गुप्त घात लगाने का—क्योंकि तुम मृत्यु को देखने से डरते हो—निःसंदेह यह कहीं अधिक आसान है, अपनी सेना से घिरे हुए, उसके अधिकार को लूटना, जो कोई भी तुम्हारी इच्छा का विरोध करने का साहस करे! एक अत्याचारी राजा, क्योंकि तुम दासों पर शासन करते हो! यदि ऐसा न होता, तो यह अपमान तुम्हारा अंतिम होता। परन्तु मैं यह कहता हूँ, और शपथपूर्वक पुष्टि करता हूँ, यह मेरा शाही डंडा है, जो अब कभी पत्ता या टहनी नहीं उगाएगा, जब से इसने पर्वत की ढलान पर अपनी मूल शाखा

छोड़ी है, और न ही खिलेगा; क्योंकि चारों ओर कुल्हाड़ी ने पत्ते और छाल दोनों काट डाले हैं, और अब यह न्याय का प्रतीक है, जिसे यूनान के पुत्र धारण करते हैं, जो कानून के पवित्र मंत्रालय की रक्षा करते हैं, बृहस्पति के सामने! एक शक्तिशाली शपथ! वह समय आएगा, जब यूनान के सभी पुत्र अकिलीज़ की हानि पर शोक मनाएंगे; और तुम उस समय, हृदय विदारक होकर, पूरी तरह से शक्तिहीन हो जाओगे। सहायता, जब योद्धा-हत्यारे हेक्टर के हाथों कई गिरेंगे; और तब तेरी आत्मा शोक मनाएगी ग्रीस के सबसे बहादुर योद्धा पर हुए अपमान के लिए।"
इस प्रकार पेलिड्स ने कहा; और उसने सोने के जड़े हुए डंडे को जमीन पर फेंक दिया, और बैठ गया; दूसरी ओर, क्रोध में, एट्रीड्स जल रहा था; लेकिन नेस्टर ने हस्तक्षेप किया; नेस्टर, पाइलियन सेना का नेता, वह मृदुभाषी सरदार, जिसके प्रभावशाली होठों से शहद से भी मीठी वाणी बहती थी। मनुष्य के पुत्रों की दो पीढ़ियाँ उसके लिए बीत चुकी थीं, जो उसके साथ ही पाइलोस के सुंदर तट पर पैदा हुए और पले-बढ़े थे, और अब तीसरी पीढ़ी पर उसका राज था। उसने इस प्रकार विवेकपूर्ण शब्दों में सरदारों को संबोधित किया:
हाय, हाय! यह ग्रीस के लिए कितना बड़ा दुख है! प्रियम और उसके पुत्रों के लिए कितना आनंद है! ट्रॉय के लोगों के लिए कितना उल्लास है, यह सुनकर कि तुम, सभी यूनानियों में से, आपस में झगड़ रहे हो! सलाह में भी प्रथम और लड़ाई में भी प्रथम! फिर भी, मेरी बात सुनो, मैं प्रार्थना करता हूँ; कम से कम कुछ वर्षों में, तुम दोनों को मेरे अधीन होना होगा; और अतीत में, मैं ऐसे लोगों के साथ रहा हूँ, और उन्होंने मुझे तुच्छ नहीं समझा, जो सलाह देने में तुमसे अधिक सक्षम और तुमसे कहीं अधिक महान थे। ऐसे लोग मैंने कभी नहीं देखे, और न ही कभी देखूँगा। पिरिथस और ड्रायस, बुद्धिमान और बहादुर, कोएनियस, एक्सैडियस, देवतुल्य पॉलीफेम, और थीसियस, एजियस का अलौकिक पुत्र। वे मनुष्यों में सबसे शक्तिशाली थे; वे सबसे शक्तिशाली थे, और वन के जानवरों में भी, उन्होंने सबसे शक्तिशाली से संघर्ष किया और उनके क्रोध को शांत किया। दूर देशों से, पाइलोस के तट से, मैंने अपनी सेनाएँ उनसे मिलाईं और उनकी पुकार मानी; मैंने उनके साथ अपनी भूमिका निभाई; उनके साथ, पृथ्वी पर अब कोई भी नश्वर प्राणी लड़ने का साहस नहीं करेगा। फिर भी उन्होंने मेरी सलाह सुनी, मेरी आवाज़ सुनी। आज्ञा का पालन किया; और तुम भी सुनो, क्योंकि मेरे वचन

बुद्धिमान हैं। हे महानतम होते हुए भी, अकिलीज़ को उसके पुरस्कार से वंचित करने का प्रयास मत करो, बल्कि उसे यूनानियों द्वारा सौंपा गया लूट का माल रखने दो; हे पेलिड्स, राजा से प्रतिद्वंद्विता मत करो; क्योंकि राजदंडधारी राजा को कभी भी बृहस्पति ने एट्रीड्स के समान शक्तियाँ नहीं दी हैं; हे वीरतम और देवी-पुत्र होते हुए भी, वह अधिक शक्तिशाली है, क्योंकि उसका प्रभुत्व व्यापक है। हे एट्रीड्स, लगाम लगाओ। तेरा क्रोध! जबकि मैं अकिलीज़ से विनती करता हूँ कि वह संयम बरते; जिसमें यूनानी प्रतिकूल युद्ध से अपना महान रक्षक देखते हैं।
जिस पर सम्राट एगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "हे पिता, तेरे वचन ज्ञान से परिपूर्ण हैं; परन्तु यह अभिमानी सरदार सब पर प्रभुत्व जमाना चाहता है; सब पर शासन करना चाहता है, सब पर राज करना चाहता है, सब पर हुक्म चलाना चाहता है; जो मैं सहन नहीं करूँगा। हे ईश्वर, क्या उन्होंने उसे युद्ध-शक्ति दी है? क्या उन्होंने उसकी ज़ुबान को बेलगाम कर दिया है?"
इस पर अकिलीज़ ने बीच में ही टोकते हुए कहा: "मैं सचमुच कायर और गुलाम कहला सकता हूँ। क्या मैं तेरे वचन को अपना कानून बना सकता हूँ? दूसरों को तेरे आदेश मानने के लिए मजबूर हो जाऊँ? मुझसे हुक्म मत चलाओ, क्योंकि मैं अब तेरा अनुसरण नहीं करता। लेकिन मेरी बात सुनो और जो मैं कहता हूँ उस पर विचार करो। मैं उस सुंदर लड़की के लिए नहीं लड़ता (क्योंकि तुमने खुद ही इनाम छीन लिया है) न तुमसे, न किसी और से; लेकिन बाकी सब कुछ जो मेरी काली, तेज़ नाव में मेरी इच्छा के विरुद्ध है, उस पर तू बिना किसी दंड के अपना दोष नहीं लगाएगा।"
हाथ।
यदि तुम चाहो तो परीक्षण करो, ताकि ये जान सकें;
तुम्हारा खून जल्द ही मेरे भाले पर बहेगा।"
इस उग्र और क्रोधपूर्ण भाषण के बाद, सरदार उठ खड़े हुए और सभा तितर-बितर हो गई।
अपने अनुयायियों और मेनोएटियस के पुत्र के साथ, अकिलीज़ अपने तम्बुओं और जहाजों में लौट गया। लेकिन एट्रेस के पुत्र ने एक तेज़ गति से चलने वाला जहाज़ रवाना किया, जिसमें बीस नाविक थे, और पवित्र हेकाटोम्ब को सवार किया; फिर अंत

में सुंदर क्राइसेस सवार हुईं, और मुख्य कमान में लेर्टेस के पुत्र, ऋषि यूलिसिस को नियुक्त किया गया। वे तेज़ी से जलमार्ग पर आगे बढ़े।
इसके बाद, शिविर में यह घोषणा की गई कि सेना को शुद्ध किया जाए; और समुद्र में, वचन का पालन करते हुए, उन्होंने शुद्धिकरण किया; फिर अपोलो के लिए पवित्र अनुष्ठान किए गए, जिसमें बैलों और बकरियों की निर्दोष बलि दी गई, जलमयी बंजर भूमि के किनारे पर; और धुएं से घिरी हुई सुगंध स्वर्ग तक पहुंची।
इस प्रकार शिविर पर कब्जा करके, राजा ने अपनी प्रतिशोध की धमकी भरी योजना को आगे बढ़ाया; अपने साथ ताल्थिबियस और यूरीबेट्स को, दूतों और वफादार अनुयायियों को बुलाकर, उसने इस प्रकार कहा:
"जल्दी से अकिलीज़ के तम्बू में जाओ, और अपने हाथ में सुंदर ब्रिसिस को वापस ले आओ: यदि वह उसे भेजने से इनकार करता है, तो मैं स्वयं पर्याप्त बल के साथ उसे वहाँ से ले आऊँगा, जिससे शायद उसे नुकसान हो।"
राजा ने ऐसा कहा और कठोर आदेश से उन्हें विदा कर दिया; वे अनिच्छा से जलमग्न बंजर भूमि के किनारे-किनारे चलते रहे, जब तक कि वे तंबुओं और जहाजों तक नहीं पहुँच गए, जहाँ युद्धप्रिय मर्मिडोंस लेटे हुए थे। उन्होंने उनके सरदार को अपने तंबू और गहरे रंग के जहाज के पास बैठे हुए पाया। अकिलीज़ ने उनके आने को देखा, लेकिन वह प्रसन्न नहीं हुआ: व्याकुल चेहरे और राजा से भयभीत होकर वे खड़े रहे, और उनसे बात करने का साहस नहीं किया। लेकिन उन्होंने स्वयं ही उनके उद्देश्य का पता लगाया और उनसे इस प्रकार कहा:
हे देवताओं और मनुष्यों के दूतों, आपका स्वागत है! हे दूतों! सुरक्षित रूप से प्रवेश करें; मेरा उचित अपराध आपके साथ नहीं, बल्कि एट्रीड्स के साथ है, जिसने सुंदर ब्रिसिस के लिए आपको यहाँ भेजा है। तो जाओ, पेट्रोक्लस, उस कन्या को लाओ, और उसे उनके हाथों में सौंप दो; परन्तु तुम साक्षी दो, धन्य देवताओं और मनुष्यों के समक्ष, और उस क्रूर राजा के सामने, जब उसे अपने अनुयायियों को शर्मनाक हार से बचाने के लिए मेरी भुजा की आवश्यकता होगी; अपने क्रोध से अंधा होकर, वह न तो अनुभव की परवाह करता है। अतीत की परवाह नहीं करता, न ही भविष्य की, दूरदर्शी सोच से अपने बेड़े और सेना को शत्रु से कैसे बचाए रखे।

उसने कहा: अपने मित्र और मुखिया के प्रति आज्ञाकारी होकर, पैट्रोक्लस सुंदर ब्रिसिस को आगे ले गया, और उसे उनके हाथों में सौंप दिया; वे जहाजों की ओर लौट गए, और उनके साथ वह सुंदर लड़की अनिच्छा से चली गई: इस बीच, अकिलीज़ गहरे शोक में डूबा हुआ, अपने दल से अलग होकर, धूसर समुद्र के किनारे पर बैठा, गहरे नीले रंग की लहरों को निहार रहा था; और अपनी देवी-माता से उसने लंबे समय तक प्रार्थना की, फैले हुए हाथों से, "हे माँ! क्योंकि तेरा पुत्र नियति द्वारा शीघ्र मृत्यु के लिए अभिशप्त है, मैं आकाश में गर्जना करने वाले पर सवार हो सकता था, ओलंपियन जूपिटर सम्मान के साथ मेरा स्वागत करता।" मेरा छोटा सा स्थान ताजपोशी से वंचित था; लेकिन अब मुझे अपमान का सामना करना पड़ रहा है; क्योंकि व्यापक शासन करने वाले राजा एगामेम्नन ने मुझसे मेरा पुरस्कार छीन लिया है और अभी भी उसे अपने पास रखे हुए है।

रोते हुए वह बोला; उसकी देवी-माता ने सुना, जहाँ वह अपने वृद्ध पिता के पास बैठी थी, गहरे सागर की गुफाओं में: तेज़ी से ऊपर चढ़ते हुए, अंधेरी लहरों के बीच, धुंधले बादल की तरह, वह अपने बेटे के पास खड़ी थी; और जब वह रो रहा था, उसने धीरे से उसे अपने हाथ से छुआ और कहा, "मेरे बेटे, तुम क्यों रो रहे हो? और तुम्हारे दुख का कारण क्या है? बोलो, ताकि मैं सुन सकूँ और तुम्हारे दर्द में शामिल हो सकूँ।"

इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने कराहते हुए उत्तर दिया, "तुम जानते हो; तुम्हें सब कुछ बताने का क्या फायदा? हम थेब्स पर चढ़ाई करके गए, जो एटियन का पवित्र नगर था, और हमने दीवारों पर धावा बोल दिया, और यहाँ लूट का माल लेकर आए। यूनानियों ने लूट का माल आपस में बराबर बाँट लिया; और एट्रीड्स के हिस्से में बूढ़े क्राइसिस की सुंदर पुत्री आई। अपोलो के पुजारी क्राइसिस, अपनी संतान को छुड़ाने के लिए, पीतल के कवच वाले यूनानियों के शिविर में आए, और भारी फिरौती लेकर आए; और अपने हाथ में अपने ईश्वर का पवित्र पट्टा लिए वह अपने हाथ में लिए, और सोने का डंडा लिए वह सबसे विनती करता था, परन्तु विशेष रूप से एट्रीयस के पुत्रों, सेना के जुड़वां सेनापतियों से। फिर पंक्तियों में सहमति की फुसफुसाहट फैल गई, पुजारी से आदर करने और फिरौती लेने के लिए: एट्रीस ने ऐसा नहीं किया; उसने घमंडी भाव और कड़वे शब्दों से कांपते हुए पिता को विदा कर दिया। बूढ़ा व्यक्ति दुःख में मुड़ गया; परन्तु उसकी प्रार्थना अपोलो फोएबस ने सुनी, जो उससे बहुत प्रेम

करता था। उसने यूनानियों के विरुद्ध अपनी घातक तलवार उठाई। धनुष, और लोग तेजी से गिर पड़े; चारों ओर से, पूरे शिविर में आकाशीय तीर चले; एक कुशल द्रष्टा ने अंततः कारण प्रकट किया कि धनुर्धर देवता इस प्रकार क्रोधित क्यों हुए; तब मैंने, सबसे पहले, उनके क्रोध को शांत करने के लिए परामर्श दिया। जिस पर क्रोध से भरे एट्रीड्स उठे, और धमकियाँ दीं, जिन्हें उन्होंने अब पूरा कर दिया है। क्योंकि क्राइसिस की पुत्री को उसके जन्मस्थान पर, तेज-तर्रार जहाज में, तेज निगाहों वाले यूनानियों ने कीमती भेंटों के साथ भेजा है। ईश्वर:
परन्तु यूनानियों द्वारा मुझे सौंपी गई, ब्रिसेस की सुंदर पुत्री, अभी-अभी मेरे तम्बू से दूत उसे ले जा रहे हैं। तब, हे देवी,
यदि तुझमें शक्ति है, तो अपने घायल पुत्र की रक्षा कर।
ओलंपस में, बृहस्पति के चरणों में जा,
और उससे प्रार्थना कर, यदि उसके हृदय पर, वचन या कर्म से, तेरा वास्तव में कोई अधिकार हो।
क्योंकि मुझे याद है, अपने पिता के घर में,
मैंने अक्सर तुझे यह अभिमान करते सुना है कि तू अकेली ही, सभी में से, हे अमर देवों, शनि के बादलों से घिरे पुत्र को तूने घोर अपमान से बचाया, जब शेष सभी, जूनो, नेपच्यून और मिनर्वा ने मिलकर उसे जंजीरों से बांध दिया; तब, हे देवी, तूने उसे मुक्त किया, उसकी सहायता के लिए सौ भुजाओं वाले को पुकारा, जिसे ब्रियारियस अमर देवता और मनुष्य एजियन कहते हैं। वह अपने पिता से भी अधिक शक्तिशाली होकर, शनि के बगल में, अपनी शक्ति के गौरव के साथ बैठा: सभी देवताओं में भय छा गया, और वे ऐसा करने का साहस नहीं कर सके। अपने राजा को बांधने के लिए: अब उसे इसकी याद दिलाओ, और उसके घुटने टेककर उसकी सहायता की याचना करो, ट्रॉय के बहादुर योद्धाओं के लिए, ताकि पराजित यूनानियों को नरसंहार के साथ उनके जहाजों की ओर वापस धकेला जा सके; ताकि सभी अपने राजा की मूर्खता का स्वाद चख सकें, और एगामेम्नन का अभिमानी मन ग्रीस के सबसे बहादुर योद्धा के अपमान पर शोक मनाए।
इस प्रकार वह; और थेतिस, रोते हुए, इस प्रकार बोली: "हाय, मेरे बच्चे, कि मैंने तुझे जन्म ही क्यों दिया! काश तू अपने जहाजों के पास ही रह पाता, दुःख और अपमान से

मुक्त! क्योंकि भाग्य ने तुझे थोड़े ही वर्ष दिए हैं, और वह भी लंबा नहीं; तू शीघ्र मृत्यु और दुःखों के लिए अभिशप्त है, जो मनुष्य के भाग्य में नहीं है! मैंने तुझे बुरे समय में जन्म दिया! लेकिन महान ओलंपस की बर्फ से ढकी ऊँचाइयों पर, बृहस्पति के सिंहासन पर, जो गर्जन का स्वामी है, मैं तेरी शिकायतें सहती हूँ। तू अपने जहाजों के पास ही रह जाता है," इस बीच, यूनानियों के विरुद्ध, अपने क्रोध को शांत करो और लड़ाई से दूर रहो। क्योंकि बृहस्पति एक भव्य भोज के लिए समुद्र पार, इथियोपिया के तट पर कल रात से गए हैं; और उनके साथ सभी देवता भी हैं। बारहवें दिन उन्होंने लौटने का निश्चय किया है; उच्च ओलंपस पर; तब मैं वहाँ जाऊँगा और उनके चरणों में अपनी प्रार्थना करूँगा; और मुझे लगता है कि वे मेरी प्रार्थना को अस्वीकार नहीं करेंगे।
यह कहकर वह गायब हो गई; और उसे वहीं छोड़ गई। वह गुस्से में उस सुंदर रूप पर विचार कर रहा था। टॉम को जबरदस्ती उसकी बाहों से दूर ले जाया गया।
इसी बीच, यूलिसिस अपने पवित्र माल के साथ क्रिसा के तट पर पहुँच गया; और जब उसका जहाज गहरे समुद्र की खाड़ी के आश्रय में पहुँच गया, तो उन्होंने अपने पाल समेट लिए और उन्हें नीचे रख दिया; रस्सियों को ढीला कर दिया और जल्दी से मस्तूल को हटा दिया; फिर उन्होंने अपने बल्ले से तट की ओर खींचा और अपने लंगर डाले, और उसे रस्सियों से किनारे से बांध दिया। फिर वे खुद कंकड़ वाले तटबंध पर उतरे, और महान अपोलो को पवित्र बलि चढ़ाई; और अंत में क्राइसेस को। यूलिसिस उसे सीधे वेदी पर ले गया, बुद्धिमानों ने सलाह दी; उसके पिता के हाथ में, उसने कन्या को रखा और उससे इस प्रकार कहा: "हे मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन से, मैं तुम्हें तुम्हारी पुत्री लौटाने आया हूँ; और यूनानियों की ओर से तुम्हारे परमेश्वर को बलिदान अर्पित करने आया हूँ, यदि संभव हो तो हम उसके क्रोध को शांत कर सकें, जो अब क्रोधित होकर हमारे समस्त जनसमूह को घोर पीड़ा दे रहा है।" फिर उसने उसे उसके पिता को सौंप दिया; उसने आनंद से अपनी संतान को ग्रहण किया; पवित्र बलि ईश्वर के लिए सुसंगठित वेदी के चारों ओर
उन्होंने उचित क्रम में रखा; फिर उन्होंने अपने हाथ धोए,
और नमक की रोटी तैयार की गई, उन सबके सामने
हाथ ऊपर उठाकर क्रिसेस ने ज़ोर से प्रार्थना की:

"हे चांदी के धनुष के देवता, मेरी प्रार्थना सुनो! जिसकी देखरेख क्रिसा और सिला की सुंदर घाटी करती है, और जिसका प्रभुत्व टेनेडोस पर है! तूने एक बार मेरी प्रार्थना सुनी, मेरे कर्मों का बदला लिया, और यूनानी सेना पर अपना क्रोध बरसाया। एक बार फिर सुन, और जो मैं अब मांगता हूँ, वह प्रदान कर; अपना दंडात्मक हाथ हटा ले, और इस विपत्ति को रोक दे।"
इस प्रकार, जब वह प्रार्थना कर रहा था, अपोलो ने उसकी प्रार्थना सुन ली। उनकी प्रार्थना समाप्त हुई, और नमक की रोटी पीड़ितों के सिर पर बिखेर दी गई, फिर उन्हें पीछे खींच लिया गया, और उन्हें मार डाला गया और उनकी खाल उतार दी गई; फिर जांघों से उत्तम टुकड़े काटकर, उन्हें दोहरी परतों में वसा से ढककर, उनके ऊपर उचित मांस के टुकड़े रखे गए; फिर वृद्ध पुजारी ने लकड़ी जलाई, और लाल शराब का अर्पण किया; पांच कांटेदार दांतों से लैस
उसके बगल में सेवक मंत्री खड़े थे।
आग से झुलसी जांघें, भीतरी अंग
उन्होंने पहले चखा; बाकी बचे हुए को ध्यान से भूनकर आग से उतार लिया गया। उनका काम समाप्त हुआ और दावत तैयार हो गई। उन्होंने साथ मिलकर भोजन किया और उन्हें किसी चीज की कमी नहीं हुई। प्यास और भूख शांत हुई और सेवकों ने प्यालों में पेय पदार्थ भर दिए। उन्होंने सभी को उचित क्रम से प्याले परोसे। दिन भर वे ईश्वर की कृपा की प्रार्थना करते रहे, फ़ोबस की महिमा के गीत गाते रहे और उनकी स्तुति करते रहे। फ़ोबस प्रसन्न हुआ और उसने उनकी प्रार्थना सुनी। लेकिन जब सूरज ढल गया और अंधेरा छा गया, तो रात
आसमान में फैली, रेतीले समुद्र तट पर
अपने जहाज के पास वे आराम करने के लिए लेट गए।
और जब गुलाबी उंगलियों वाली सुबह दिखाई दी,
वे शिविर की ओर अपने घर की ओर चल पड़े।
दूर-विध्वंसक ने एक अनुकूल हवा भेजी:
उन्होंने मस्तूल लगाया, और बर्फीली पाल फैलाई:
बीचोंबीच फूली हुई पाल ने ग्रहण किया
वीर हवा; और पोत के अग्रभाग के चारों ओर, काली लहरें ज़ोर से गरज रही थीं, जैसे

ही वह आगे बढ़ी, समुद्र को चीरती हुई, और अपना जलमार्ग काटती हुई। वहाँ पहुँचे जहाँ यूनान की विशाल सेना थी, उन्होंने अपने काले रंग के पोत को किनारे पर खींचा, रेत पर ऊँचा उठाया, और उसे मजबूती से सहारा दिया; फिर शिविर से होते हुए वे अपने-अपने रास्ते चले गए।
इसी बीच, जहाजों के पास अकिलीज़ बैठा था, पेलेउस का स्वर्ग से जन्मा पुत्र, तेज कदमों वाला, दमित क्रोध से व्याकुल; अब उसने न तो सम्मानित परिषद की तलाश की, न ही युद्धक्षेत्र की; बल्कि उसने अपनी आत्मा को युद्ध के भयंकर आनंद और कोलाहल में लीन कर लिया। लेकिन जब बारहवाँ परिक्रमा दिवस आया, तो अमर देवता, जिनमें बृहस्पति प्रमुख थे, सभी एक साथ ओलंपस की ऊँचाइयों पर लौट आए। तब थेतिस, अपने पुत्र के अनुरोध को याद करते हुए, सागर की लहरों से उठी और शीघ्रता से ऊँचे ओलंपस और स्वर्ग के दरबारों की ओर चल पड़ी। वहाँ उसने शनि के सर्वज्ञ पुत्र को देखा। वह मिली
अनेक चोटियों वाले ओलंपस के सबसे ऊंचे शिखर पर अलग बैठी हुई थी; उसके चरणों में
वह बैठी थी, और अपने बाएं हाथ से उसके घुटनों को थामे हुए, अपना दाहिना हाथ उसकी दाढ़ी के पास ले गई, और इस प्रकार याचना करते हुए
उसने शनि के शाही पुत्र से प्रार्थना की:
हे पिता, यदि मैंने कभी अमर देवताओं के बीच वचन या कर्म से आपकी सच्ची सेवा की हो, तो मेरी प्रार्थना सुन! मेरे अभागे पुत्र का बदला ले, जो अल्पकाल भोगने वाला है और जिसका अपमान शक्तिशाली अगामेम्नन, मनुष्यों के राजा द्वारा किया गया है, और जिसके युद्ध के वैध लूट के माल को छीन लिया गया है। परन्तु हे ओलंपियन, परामर्श के स्वामी बृहस्पति, आप उसका बदला ले; और ट्रोजन सेना को ऐसी शक्ति और सामर्थ्य प्रदान कर, जिससे यूनानी जान सकें कि उन्हें मेरे पुत्र की कितनी आवश्यकता है, और उसे सम्मान दे। देय।"
उसने कहा: बादल-संयोजक ने कोई उत्तर नहीं दिया, बल्कि चुपचाप बैठा रहा; तब थेतिस ने उसके घुटनों को पकड़ लिया, और उससे लिपट गई, और उसने फिर से विनती की:

मुझे अपना पक्का वादा और अपनी कृपापूर्ण सहमति दो, अन्यथा इनकार कर दो (क्योंकि तुम्हें किसी से डरने की ज़रूरत नहीं है), ताकि मैं सभी अमर देवताओं में से यह जान सकूँ कि तुम्हारी दृष्टि में मैं कितना नीचा हूँ।
तब, बहुत विचलित होकर, बादल-संयोजक बोला: "तुम मुझे जूनो की इच्छा का विरोध करने के लिए कहकर बड़ा दुखद कार्य कर रहे हो, जब उसके कड़वे शब्द मुझ पर हमला करते हैं; क्योंकि देवताओं के बीच वह अक्सर मेरा उपहास करती है कि मैं ट्रोजन पक्ष का समर्थन करता हूँ। लेकिन तुम लौट जाओ, ताकि जूनो तुम्हें न देखे, और अपनी विनती को आगे बढ़ाने का काम मुझ पर छोड़ दो। देखो, तुम्हारे विश्वास की पुष्टि करने के लिए, मैं अपना सिर हिलाता हूँ; और अमर देवताओं के बीच मेरी उस प्रतिज्ञा का गंभीर अर्थ भली-भांति ज्ञात है: मेरा वादा कभी धोखा नहीं देगा, न ही टूटेगा, और न ही उसे वापस लिया जा सकेगा, यदि एक इशारे से इसकी पुष्टि हो जाए।
उसने कहा, और अपनी छायादार भौंहों से सिर हिलाया; अमर सिर पर अमृतमय लटें लहराईं, और उसके इशारे से सारा ओलंपस कांप उठा। वे इस प्रकार विदा हुए:
उज्ज्वल ओलंपस की ऊंचाइयों से देवी अपनी सागर-गुफाओं की ओर दौड़ीं, और बृहस्पति अपने महल की ओर; उसके प्रवेश पर सभी अपनी सीटों से उठ खड़े हुए; किसी ने भी उसके आने की प्रतीक्षा करने का साहस नहीं किया, बल्कि उससे मिलने के लिए आगे बढ़े। फिर वह अपने सिंहासन पर बैठा; लेकिन अछूता नहीं था
जूनो की नज़र में परिषद आयोजित की गई थी
चांदी के पैरों वाली रानी के साथ गुप्त रूप से,
वृद्ध सागर-देवता की पुत्री;
और उसने तीखे शब्दों में अपने स्वामी को इस प्रकार संबोधित किया:
"मुझे बताओ, छल करने वाले, वह कौन थी जिसके साथ तूने हाल ही में परामर्श किया था? यह तो तेरी आदत है कि तू मुझसे अलग रहकर अपनी गुप्त योजनाएँ बनाता है, और तू मुझसे खुलकर अपने विचार भी साझा नहीं करता।"
जिस पर देवताओं और मनुष्यों के पिता ने उत्तर दिया: "हे जूनो, मेरे सारे विचार जानने की अपेक्षा मत करो; तू मेरी पत्नी है, फिर भी ऐसा ज्ञान तेरे लिए बहुत अधिक होगा; जो कुछ मैं उचित समझूं, वह तेरे सामने न तो ईश्वर और न ही मनुष्य सुनेगा; परन्तु जो मैं गुप्त रूप से योजना बनाऊं, उसे जानने की न, न ही जिज्ञासावश पूछो।"

स्वर्ग की हिरण जैसी आँखों वाली रानी ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे शनि के भयानक पुत्र, तुम क्या कह रहे हो? मैंने कभी तुम्हारे गुप्त विचारों को जानने की कोशिश नहीं की, न अब, न पहले कभी; जो तुम उचित समझो, मैं तुम्हारी कृपापूर्ण इच्छा सुनने की प्रतीक्षा कर रही हूँ। फिर भी, मुझे अपने मन में डर है कि तुम थेतिस, चांदी के पैरों वाली रानी, वृद्ध सागर-देवता की पुत्री, के छल से बहक गए हो; क्योंकि वह तुम्हारे साथ बचपन में थी, और तुम्हारे घुटनों को गले लगाया था, और मुझे लगता है कि उसने तुम्हारा वादा किया है।" ज़रूर, तुम अकिलीज़ का बदला लोगे, और यूनानी सेना पर विनाशकारी नरसंहार करोगे।
जिस पर बादल-संयोजक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "अहंकारी, तू अपने व्यस्त विचारों को बहुत अधिक स्वतंत्रता दे रहा है, और मेरे सभी कार्यों पर नजर रख रहा है; फिर भी तू सफल नहीं होगा, बल्कि इस प्रकार मेरे हृदय से विमुख हो जाएगा - तेरे लिए और भी बुरा होगा! यदि ऐसा है, तो यह मेरी सर्वोपरि इच्छा है। लेकिन अब, चुप रहो, और मेरे शब्दों का पालन करो, कहीं ऐसा न हो कि सभी अमर विफल हो जाएं, यदि मैं क्रोधित हो जाऊं, तो तुझे अपने अजेय हाथ से छुड़ाने के लिए।"
उसने कहा, और हिरण जैसी आँखों वाली रानी भयभीत हो उठी: वह चुपचाप बैठी रही, अपने मनोबल को दबाती रही, और सभी देवता करुणा और शोक में डूबे रहे।
कुशल शिल्पकार वल्कन ने तब सबसे पहले मौन भंग किया, और शांत शब्दों में अपनी माता, स्वर्ग की श्वेत भुजाओं वाली रानी जूनो को संबोधित किया: "यह वास्तव में दुखद और सहन करना कष्टदायक होगा, यदि तुम दोनों नश्वर मनुष्यों के खातिर क्रोधित भावनाओं को भड़कने दो, और स्वर्ग में कलह उत्पन्न होने दो; तो हमारे साथ भी ऐसा ही होना चाहिए।" दावत
बुरे प्रभाव से इसकी सारी मिठास गायब हो गई है।
मैं अपनी माँ को सलाह दूँ (और मैं जानती हूँ
कि उनकी अपनी बुद्धि मेरे शब्दों को स्वीकार करेगी)
कि वह मेरे पिता से मधुरता से बात करें; कहीं ऐसा न हो कि वह फिर से
क्रोध में उत्तर दें, और हमारी दावत खराब हो जाए।
क्योंकि बृहस्पति, बिजली का स्वामी, यदि उसकी यही इच्छा हो,
तो वह हमें हमारी सीटों से गिरा सकता है (उसकी शक्ति इतनी महान है),

लेकिन तुम उससे कोमल शब्दों में ही बात करो;
तो उसकी कृपा शीघ्र ही फिर से हमारी हो जाएगी।
यह कहकर वह उठा और अपनी माँ के हाथ में दो प्याले रखकर बोला: “धैर्य रखो, मेरी माँ! यद्यपि तुम बहुत विवश हो, फिर भी अपने मन को संयमित रखो, कहीं ऐसा न हो कि ये आँखें, जो तुम्हें प्रिय मानती हैं, तुम्हें लज्जित होते हुए देखें; और मैं, यद्यपि हृदय से दुखी हूँ, तुम्हें बचाने में असमर्थ हो जाऊँ; क्योंकि बृहस्पति से लड़ना कठिन है। जब मैं तुम्हारी सहायता के लिए पहले आया था, तब उसने मुझे पैर से पकड़कर स्वर्ग की ऊँची दहलीज से नीचे फेंक दिया था; सारा दिन मैं गिर पड़ा, और डूबते सूरज के साथ, लेम्नोस द्वीप पर, लगभग अधमरा अवस्था में, वहीं पाया गया, और सिंटियन लोगों ने दयालुता से मेरी देखभाल की।
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, श्वेत भुजाओं वाली देवी मुस्कुराई, और मुस्कुराते हुए उसके हाथ से प्याला ले लिया। फिर उसने सभी अमर देवताओं को, उचित क्रम में, सेवा की और मदिरादान से रसीला अमृत उंडेला; जबकि देवताओं के बीच, विशाल हॉल में वल्कन को लड़खड़ाते हुए देखकर, अनियंत्रित हंसी गूंज उठी।
इस प्रकार उन्होंने सूर्यास्त तक उत्सव के घंटे बिताए; न तो भोज में इंद्रियों को प्रसन्न करने वाली किसी चीज की कमी थी, न ही फोएबस द्वारा छुए गए मधुर वीणा की ध्वनि की, न ही म्यूज़ की आवाज़ की, जो बारी-बारी से प्रतिध्वनित होती थी: लेकिन जब सूर्य अस्त हो गया, तो प्रत्येक अपने घर के लिए प्रस्थान कर गया, जहाँ प्रत्येक के लिए, अद्वितीय वास्तुकार, अपंग वल्कन ने अद्भुत कौशल से एक भव्य घर का निर्माण किया था।
अपने ही पलंग पर, जहाँ वह प्राचीन काल से जाया करते थे, जब उन्हें कोमल नींद आती थी, तो वे विश्राम करने के लिए जाते थे; ओलंपियन जूप वहाँ आरोहित हुए, और वहाँ सो गए, और उनके बगल में स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान रानी थीं।

## तर्क।

**सेना का परीक्षण और बलों की सूची।**

थेतिस के अनुरोध पर, बृहस्पति ने एगामेम्नन को एक भ्रामक दर्शन भेजा, जिसमें उसे सेना का नेतृत्व करने के लिए राजी किया गया ताकि यूनानियों को अकिलीज़ की कमी

का एहसास हो सके। सेनापति, जो अकिलीज़ की सहायता के बिना ट्रॉय पर कब्जा करने की आशा में डूबा हुआ था, लेकिन यह डरते हुए कि अकिलीज़ की अनुपस्थिति और हाल ही में फैली महामारी के साथ-साथ लंबे समय के कारण सेना हतोत्साहित हो गई है, उनकी मनोवृत्ति की परीक्षा लेने के लिए एक चाल चली। उसने सबसे पहले परिषद में बैठे राजकुमारों को अपनी योजना बताई कि वह सैनिकों के सामने वापसी का प्रस्ताव रखेगा, और यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाए तो उन्हें इसे रोक देना चाहिए। फिर उसने पूरी सेना को इकट्ठा किया, और ग्रीस लौटने पर, सभी सर्वसम्मति से सहमत हो गए, और जहाजों को तैयार करने के लिए दौड़ पड़े। उन्हें यूलिसिस के प्रबंधन द्वारा रोक दिया गया, जिसने थेरसाइट्स के दुस्साहस के लिए उन्हें दंडित किया। सभा का स्मरण किया जाता है, इस अवसर पर कई भाषण दिए जाते हैं, और अंत में नेस्टर की सलाह मानी जाती है, जिसमें युद्ध से पहले सैनिकों की एक सामान्य सूची तैयार करने और उन्हें उनके विभिन्न राष्ट्रों में विभाजित करने का सुझाव दिया गया था। इससे कवि को यूनानियों और ट्रोजन की सभी सेनाओं का विस्तृत विवरण देने का अवसर मिलता है।

इस पुस्तक में वर्णित समय पूरी तरह से एक दिन का नहीं है। दृश्य यूनानी शिविर और समुद्र तट पर आधारित है; अंत में यह ट्रॉय में स्थानांतरित हो जाता है।

# पुस्तक II.

अन्य देवता और योद्धा रात भर नींद में विश्राम करते रहे; परन्तु बृहस्पति की आँखें मीठी नींद में नहीं सोईं, वे मन ही मन सोचते रहे कि अकिलीज़ का बदला कैसे लिया जाए और यूनानी सेना पर विनाशकारी नरसंहार कैसे किया जाए। इस प्रकार, जब वे विचार कर रहे थे, तो सबसे बुद्धिमानी का मार्ग यही प्रतीत हुआ कि एट्रीयस के पुत्र को भ्रामक दृष्टि से गुमराह किया जाए। और पंखों वाले शब्दों से, उसने एक प्रेत रूप को आदेश दिया: "हे भ्रामक दृष्टि, जल्दी करो, ग्रीस के शिविर और जहाजों में, एगामेम्नन के तम्बू में; वहाँ, बिना कुछ बदले, जैसा मैं तुम्हें आदेश देता हूँ, बोलो। उसे आदेश दो कि वह लंबे बालों वाले यूनानियों को शीघ्रता से युद्ध के लिए तैयार करे; क्योंकि अब वह ट्रॉय की चौड़ी सड़कों पर कब्जा कर सकता है; क्योंकि अमर देवता अब उसकी रक्षा नहीं करते; जूनो की प्रार्थनाओं से सब कुछ प्राप्त हो चुका है; और ट्रॉय पर विपत्तियाँ मंडरा रही हैं।"

उसने कहा: दिव्य दृष्टि ने सुना, और तुरंत आज्ञा का पालन किया: वह तेज़ी से आगे बढ़ा, और यूनानी जहाजों तक पहुँचा, और एट्रेस के पुत्र को ढूँढा; उसे उसने पाया, अपने तम्बू में, अमृतमय नींद में लिपटा हुआ; उसके सिर के ऊपर वह नेलियस के पुत्र, नेस्टर की तरह खड़ा था, जिसे एगामेम्नन सभी बुजुर्गों में सबसे अधिक आदर देता था; उसकी छवि में वस्त्र पहने हुए। इस प्रकार दिव्य दृष्टि ने कहा; "हे एट्रीयस के पुत्र, हे वीर योद्धा, साहसी घुड़सवार, क्या तू सो रहा है? रात भर सोना एक सरदार को शोभा नहीं देता, जिस पर जनता के कल्याण और राज्य की जिम्मेदारियों का भार है। अब मेरी बात सुन; मैं तेरे पास आया हूँ, बृहस्पति का दूत, जो ऊपर से तुझ पर दया भरी निगाहों से देखता है। वह तुझे आदेश देता है कि तू लंबे बालों वाले यूनानियों को शीघ्रता से युद्ध के लिए तैयार करे; क्योंकि अब तू ट्रॉय की चौड़ी सड़कों पर कब्जा कर सकता है; क्योंकि अमर देवता उसकी रक्षा करते हैं।" और अधिक; सभी को जूनो की प्रार्थनाओं से लाभ हुआ है; और ट्रॉय पर विपत्तियाँ मंडरा रही हैं। इसे याद रखना; और जब नींद से जाग जाओ, तो मेरे शब्दों को अपनी स्मृति से मत मिटाना। यह कहकर वह गायब हो गया; और राजा चला गया, ऐसे विचारों से प्रेरित होकर जो कभी पूरे नहीं होंगे। क्योंकि उस दिन उसने व्यर्थ ही प्रियम के नगर पर कब्जा करने की आशा की थी। वह इस बात से अनभिज्ञ था कि बृहस्पति ने गुप्त रूप से क्या

योजना बनाई थी, या क्या विपत्तियाँ, क्या आहें, और उस हठी लड़ाई में क्या लंबा परिश्रम अभी ट्रोजन और यूनानियों के लिए क्या इंतज़ार कर रहा था। वह नींद से जागा; लेकिन उसकी इंद्रियों पर अभी भी दिव्य वाणी छाई हुई थी। वह सीधा बैठा; उसने अपनी उत्तम, नवनिर्मित वस्त्रधारी बनियान पहनी; फिर उसके ऊपर अपना विशाल चोगा डाला और अपने सुशोभित पैरों में अपनी सुंदर सैंडल बाँधीं; और अपने कंधों पर चांदी के स्टड से सजी अपनी तलवार डाली; और अपने हाथ में अपने खानदानी शाही डंडे को लिए हुए, पीतल के कवच वाले योद्धाओं के जहाजों की ओर चल पड़ा।

अब ऑरोरा महान ओलंपस की खड़ी ढलानों पर उठ रही थी, अमर देवताओं के लिए शुद्ध प्रकाश फैला रही थी; जब एट्रीड्स ने स्पष्ट आवाज वाले दूतों को सभा में बुलाने का आदेश दिया; उन्होंने आदेश दिया, और तुरंत ही हर तरफ से उत्सुक भीड़ उमड़ पड़ी। लेकिन सबसे पहले, सभी बुजुर्गों में से, नेस्टर के जहाज के किनारे, वृद्ध पाइलियन सरदार, एगामेम्नन ने एक गुप्त सभा बुलाई; और, विवेकपूर्ण होकर, चुने हुए कुछ लोगों ने इस प्रकार संबोधित किया: "मेरी बात सुनो, मेरे मित्रों! रात के शांत घंटों में, मैंने अपने सपने में एक दिव्य दर्शन देखा: कद, रूप और चेहरे में वह आदरणीय नेस्टर जैसा प्रतीत होता था; वह मेरे सिर के पास खड़ा था, और उसने ये शब्द कहे। उसने मुझसे कहा—'क्या तुम सो रहे हो, एट्रीयस के पुत्र, वीर योद्धा, साहसी घुड़सवार? रात भर सोना एक सरदार को शोभा नहीं देता, जिस पर जनता की भलाई और राज्य की जिम्मेदारियाँ हैं। अब मेरी बात सुनो: मैं तुम्हारे पास आया हूँ, बृहस्पति का दूत, जो ऊपर से दया भरी नज़रों से तुम्हें देख रहा है। वह तुम्हें आदेश देता है कि तुम लंबे बालों वाले यूनानियों को युद्ध के लिए जल्दी से हथियारबंद करो: क्योंकि अब तुम ट्रॉय की चौड़ी सड़कों पर कब्जा कर सकते हो; क्योंकि अमर हे देवताओं, अब उसकी रक्षा मत करो: जूनो की प्रार्थनाओं से सब कुछ प्राप्त हो चुका है, और ट्रॉय पर विपत्तियाँ मंडरा रही हैं। मेरी बातों को याद रखना। इस प्रकार बोलते ही वह गायब हो गया; और मीठी नींद मेरी आँखों से ओझल हो गई। तो चलो, हम तुरंत यूनानियों को हथियारबंद करें: परन्तु पहले, जैसा कि हमारी प्रथा है, मैं स्वयं सेना का मनोबल सिद्ध करूँगा; और उनके घर वापसी के मार्ग का सुझाव दूँगा; तुम सब, पूरे शिविर में, उनका साहस बढ़ाओ, और उन्हें भागने से रोको।

ऐसा कहकर वह बैठ गया; और फिर पाइलोस के रेतीले तट का मुखिया नेस्टर उठा। उसने विवेकपूर्ण शब्दों में उत्तर दिया, और कहा: "हे मित्रों, यूनान के मुखियाओं और सलाहकारों, यदि किसी और ने यह दर्शन देखा होता, तो हम इसे झूठा मानते और इस व्यर्थ कहानी का उपहास करते; परन्तु अब यह प्रकट हो चुका है, हमारी सारी सेना के, सबसे आगे वाले सैनिक तक: तो आइए हम तुरंत यूनान के पुत्रों को हथियारबंद करें।"
उन्होंने कहा, और परिषद से आगे बढ़े। राजदंडधारी सम्राट उठे, और अपने नेता के आह्वान का पालन किया, और उनके चारों ओर भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे मधुमक्खियों के झुंड, जो किसी खोखली चट्टान की दरार से निरंतर धारा में बहते हैं, कभी झुंड बनाते हैं, और फिर वसंत के फूलों के बीच, कुछ यहाँ, कुछ वहाँ, व्यस्त संख्या में उड़ते हैं; वैसे ही अनगिनत जनजातियाँ अपने तम्बुओं और जहाजों से सभा में उमड़ पड़ीं; उनके बीच, बृहस्पति द्वारा प्रज्वलित अफवाह ने उन्हें उकसाया। शोरगुल बहुत था; और जैसे ही विशाल जनसमूह बैठ गया, उनके नीचे की ठोस धरती कराह उठी; नौ दूतों ने अपनी आवाज बुलंद की, ताकि जुबानों के तूफान को शांत किया जा सके, और शोरगुल करने वाली भीड़ को शांत रहने और स्वर्ग से जन्मे राजाओं की बात सुनने का आदेश दिया।
अंततः वे सब बैठ गए, और कुछ देर बाद उनका शोरगुल शांत हो गया; फिर सम्राट एगामेम्नन उठे, उनके हाथ में उनका शाही डंडा था, जो वल्कन की कलाकृति थी; जिसे वल्कन ने शनि के पुत्र को दिया था; उसने हर्मेस को, जो स्वर्ग का दूत था; हर्मेस ने उसे, जो अतुलनीय सारथी था, पेलोप्स को दिया; पेलोप्स ने उसे एट्रेस को दिया; एट्रेस ने अपनी मृत्यु पर उसे थाइस्टेस को वसीयत में दिया, जो असंख्य झुंडों का धनी स्वामी था; अंत में थाइस्टेस ने उसे एगामेम्नन को सौंप दिया; उसके प्रभुत्व का प्रतीक पूरे आर्गिव तट और पड़ोसी द्वीपों पर।
इस पर झुकते हुए राजा ने इस प्रकार कहा:
"मित्रों, यूनानी नायकों, मंगल के मंत्रियों!
भीषण और अप्रत्याशित है वह आघात
जो बृहस्पति ने मुझे दिया है; उसके वादे से प्रेरित होकर
मैंने ट्रॉय की मजबूत दीवारों को ध्वस्त करने की आशा की थी,

और सुरक्षित घर लौटने की; लेकिन ऐसा लगता है
उसने अपने वचन को झूठा साबित कर दिया है, और अब मुझे आदेश दे रहा है
आर्गोस लौटने का, मेरी आशा टूट गई है,
अपमानित होकर।" और भारी जनहानि के साथ। अब ऐसा प्रतीत होता है शनि के पुत्र की सर्वोपरि संप्रभु इच्छा; जिसने कई ऊंचे शहरों के सिर धूल में मिला दिए हैं, और अभी भी मिलाएगा; क्योंकि उसका हाथ शक्तिशाली है। यह वास्तव में शर्म की बात है कि आने वाली पीढ़ियां सुनें कि हमारी जैसी इतनी महान, इतनी बहादुर सेना, इस प्रकार पराजित हो गई, जबकि हम लड़ रहे हैं, अपनी संख्या से बहुत कम संख्या के विरुद्ध, और हमारे सभी युद्ध प्रयासों का कोई अंत नहीं देखते। क्योंकि यदि हम शर्तों के आधार पर चुनाव करें तो... हमने युद्धविराम किया, ट्रोजन और यूनानियों ने हमारी सेना की गिनती की; ट्रोजनों में से, वे सभी जो शहर में रहते हैं, और हम, दस-दस की संख्या में, प्रत्येक दस के लिए, हमारे प्यालों को भरने के लिए, एक ट्रोजन नियुक्त करेगा, कई दस प्याले कोई भी प्यालाधारक नहीं ढूंढ पाएगा: यूनानियों की संख्या शहर में रहने वाले सभी से अधिक है; लेकिन उनकी सहायता के लिए, आसपास के सभी शहरों से साहसी योद्धा आते हैं, जो मुझे बहुत परेशान करते हैं, और ट्रॉय की मजबूत दीवारों पर आक्रमण करने की मेरी आशा को व्यर्थ कर देते हैं। अब तक नौ थका देने वाले वर्ष बीत चुके हैं। गुजर चुके हैं; हमारे जहाजों की लकड़ियाँ सब सड़ चुकी हैं, रस्सियाँ गल चुकी हैं; इस बीच हमारे घरों में हमारी पत्नियाँ और असहाय बच्चे व्यर्थ ही बैठे हैं, हमारे लौटने की प्रतीक्षा में; और जिस काम के लिए हम यहाँ आए थे, वह अभी भी अधूरा है। तो मेरी सलाह सुनो; हम सब सहमत हों, घर लौटने का निश्चय करें, क्योंकि यहाँ हम व्यर्थ ही ट्रॉय की सुदृढ़ दीवारों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, गुप्त सभा की बातें न सुनने वाली भीड़ उसके शब्दों से विचलित हो उठी; भीड़ इस प्रकार डोलने लगी, मानो जब इकारियन सागर की विशाल लहरों पर स्वर्ग के बादलों से यूरस और नोटस अपना क्रोध उंडेलते हैं; या जैसे लहराते हुए अनाज के किसी गहरे खेत में, जब पश्चिम की ओर से बहती हुई हवा झुकती हुई बालियों को हिलाती है; वैसे ही सभा में हलचल मच गई; और वे शोरगुल भरी खुशी के साथ जहाजों की ओर दौड़ पड़े; उनके पैरों के नीचे धूल के बादल उठे,

जबकि एक दूसरे को पुकार रहे थे कि जहाजों को पकड़कर उन्हें समुद्र में खींच लें। उन्होंने नहरों को साफ किया, और "घर" के नारों के साथ, जो स्वर्ग तक पहुंचे, उन्होंने किनारों को तोड़ दिया। तब यूनानी शर्मनाक पलायन में पीछे हट जाते, यदि जूनो ने पल्लास से इस प्रकार विनती न की होती: "हे स्वर्ग! कवच धारण करने वाले बृहस्पति के वीर पुत्र, क्या यूनानी इस प्रकार अपमानजनक पलायन में, विशाल समुद्र के ऊपर अपने घर की ओर यात्रा करेंगे, और अपने पुत्रों के लिए एक ट्रॉफी के रूप में ट्रॉय के आर्गिव हेलेन को छोड़ दो, जिसके कारण,
अपने घर से दूर, इतने सारे वीर यूनानियों ने
अपने प्राण त्याग दिए? तुम जल्दी जाओ
पीतल के कवचधारी यूनानियों के बीच, और एक-एक करके
उन्हें प्रेरक शब्दों से संबोधित करो, और उन्हें
अपने सुसज्जित जहाजों को गहरे समुद्र में उतारने की अनुमति न दो।"
उसने कहा, और मिनर्वा ने आज्ञा का पालन नहीं किया, लेकिन ओलंपस की ऊंचाइयों से तेजी से उतरते हुए, वह तीव्र उड़ान से यूनानी जहाजों तक पहुँच गई। लार्टेस का पुत्र, परिषद में बृहस्पति के समान बुद्धिमान, उसे वहाँ खड़ा पाया; उसने अपने काले जहाज पर हाथ नहीं रखा था, क्योंकि उसका हृदय घोर दुःख से भरा हुआ था। नीली आँखों वाली कन्या पास आई, और उसने उससे कहा: "महान लेर्टेस के पुत्र, यूलिसिस, परिषद के विद्वान, क्या यह संभव है कि तुम, यूनानियों, इस प्रकार अपने तीव्र जहाजों पर सवार होकर, अपमानजनक पलायन में, विशाल समुद्र पार करके अपने घर लौटोगे, और ट्रॉय के पुत्रों के लिए एक ट्रॉफी के रूप में आर्गिव हेलेन को छोड़ जाओगे, जिनके कारण इतने सारे वीर यूनानियों ने अपने घरों से दूर अपने प्राण त्याग दिए? तुम जल्दी से भीड़ में जाओ, और एक-एक करके लोगों को बचाओ।" मनुष्य को प्रेरक शब्दों से संबोधित न करें, और न ही उन्हें अपने सुसज्जित जहाजों को गहरे समुद्र में उतारने की अनुमति दें।
उसने कहा; यूलिसिस दिव्य वाणी को पहचान गया; वह तुरंत, मार्ग की ओर उछलते हुए, एक तरफ हट गया, और अपने दूत और सेवक, इथाका के यूरीबेट्स को अपना वस्त्र फेंक दिया; फिर एट्रीडेस की ओर तेजी से बढ़ा, और उसके पास से गुजरा, अपने पैतृक शाही दंड से सुसज्जित, ग्रीस के जहाजों के बीच से तेज कदमों से गुजरा।

प्रत्येक राजा या नेता को, जिसे वह पाता, वह इस प्रकार उत्साहवर्धक शब्दों से प्रोत्साहित और संयमित करता: "हे वीर मित्र, तुम्हारे लिए हार मानना, तुच्छ लोगों की तरह घबरा जाना उचित नहीं है; बल्कि शांत बैठो, और भीड़ को नियंत्रित करो। अभी तक तुम एट्रीड्स के गुप्त मन को नहीं जानते: वह अब हमारी परीक्षा ले रहा है, और जल्द ही हमें फटकार सकता है। परिषद में उसके शब्द हम सभी तक नहीं पहुँचे: देखो, वह हमें कोई नुकसान न पहुँचाए; क्योंकि उसका क्रोध भयंकर है; और परामर्श के स्वामी, बृहस्पति, जिनसे सभी सम्मान प्राप्त होता है, उससे प्रेम करते हैं।
लेकिन आम लोगों में से जो भी उसे शोर मचाता हुआ मिलता, वह उसे लाठी और धमकी भरे शब्दों से रोक देता: "हे मित्र, चुप रहो और दूसरों की बातें सुनो, अपने से कहीं श्रेष्ठ लोग हैं: क्योंकि तुम किसी काम के नहीं हो, परिषद या लड़ाई में तुम्हारा कोई महत्व नहीं है। यहाँ सभी संप्रभु नहीं हैं: उस राज्य का बुरा हाल होता है जहाँ अनेक स्वामी शासन करते हैं; एक ही स्वामी हो, एक ही सर्वोच्च राजा; जिसे बुद्धिमान शनि के पुत्र ने अपनी संप्रभु शक्ति के प्रतीक के रूप में राजदंड का अधिकार और विधि का कार्य सौंपा है।"
जब वह पंक्तियों के बीच से गुज़रा, तो उसके शब्द कुछ इस प्रकार थे:
वे जहाजों और तंबुओं से फिर से
सभा में इतनी गहमागहमी से उमड़ पड़े, जैसे जब समुद्र की अनेक लहरें
किनारे से टकराती हैं और झागदार समुद्र बनाती हैं।
बाकी सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए थे:
केवल थेरसाइट्स, अपने अथाह शब्दों के साथ,
जिनका उसके पास सरदारों को आंकने के लिए अच्छा भंडार था,
जो बहुत अधिक अशोभनीय नहीं थे, बल्कि जिनसे वह
भीड़ को हँसाने के लिए सोचता था, ज़ोर से चिल्लाया।
सबसे बदसूरत आदमी क्या वही था जो ट्रॉय आया था:
तिरछी आँखों और एक विकृत पैर के साथ,
उसके कंधे गोल और छाती में धंसे हुए थे,
उसका संकरा सिर, कम बालों के साथ।
उसकी घृणा मुख्य रूप से अकिलीज़ और यूलिसिस की ओर मुड़ी हुई थी; उन पर

उसका जहर उंडेल दिया गया था;
फिर, उसने एगामेम्नन पर ही हमला किया,
अपनी तीखी अश्लीलता; वह जानता था कि उसके खिलाफ
जनता का मन क्रोधित था; और जोर-जोर से चिल्लाते हुए, [1]
उसने अपमानजनक शब्दों में राजा को इस प्रकार संबोधित किया:
"हे एट्रियस के पुत्र, तुझे और क्या चाहिए?
तेरे तंबू पीतल से भरे हैं; और उन तंबुओं में
अनेक सुंदर स्त्रियाँ हैं, जिन्हें हम यूनानी, जब भी किसी समृद्ध नगर पर कब्जा करते हैं,
सबसे पहले चुनते हैं और तेरे लिए अलग रखते हैं।
या क्या तुझे सोने की प्यास है, जो शायद यहाँ
कोई ट्रोजन अपने पुत्र की फिरौती के रूप में लाए, जिसे मैंने या किसी अन्य यूनानी ने बंदी बनाया था?
या किसी अन्य नई लड़की, अपनी वासना को संतुष्ट करने के लिए, क्या तुमने उसे अपने लिए अलग रखा है? एक नेता, तुम्हें यूनान के पुत्रों को बुराई की ओर नहीं ले जाना चाहिए। हे दासों! हे कायर आत्माओं! यूनान की स्त्रियों! मैं तुम्हें पुरुष नहीं कहूँगा! हम अपने जहाजों के साथ घर क्यों नहीं जाते, और इस शक्तिशाली सरदार को अपने खजाने पर घमंड करने और यह पता लगाने के लिए छोड़ देते हैं कि क्या वास्तव में उसे हमारी सहायता की आवश्यकता है या नहीं; जिसने अपने से कहीं श्रेष्ठ अकिलीज़ पर घोर तिरस्कार किया है और उसका पुरस्कार छीन लिया है, जिसे वह अपने पास रखता है? अकिलीज़, ज़रूर, वह उग्र नहीं है, बल्कि सौम्य स्वभाव का है; अन्यथा, एट्रीयस के पुत्र, यह अपमान तुम्हारा अंतिम होगा।
सेनापति अगामेम्नन पर, थेरसाइट्स ने ऐसे शब्दों से अपना द्वेष उंडेला; लेकिन तुरंत उसके पास यूलिसिस प्रकट हुआ, और तिरस्कार भरी नज़र से कठोर फटकार लगाते हुए बोला: "हे बकवास करने वाले मूर्ख, थेरसाइट्स, वाक्पटु, अपनी जीभ को रोको, और अकेले ही राजाओं की निंदा करने का साहस मत करो; तू, एट्रिडे के साथ ट्रॉय आने वालों में सबसे नीच है। यह शोभा नहीं देता कि तेरे जैसा व्यक्ति राजाओं के विरुद्ध अपनी आवाज़ उठाए।" गाली-गलौज और घर की बकवास से भरी बातें। ये

मामले कैसे समाप्त होंगे, यह हम अभी नहीं जानते; और न ही यह कि हम कैसे, अच्छे या बुरे, लौटेंगे। इसलिए, हे मनुष्यों के राजा, एट्रीड्स के विरुद्ध अपना द्वेष मत बरसाओ, क्योंकि वीर यूनानियों ने तेरे अपमान के बावजूद, उसे अधिकारपूर्वक लूट का एक बड़ा हिस्सा दिया है। परन्तु मैं तुझे यह बताता हूँ, और इसे पूरा करूँगा, यदि कभी तुझे अभी की तरह मूर्खता करते हुए पाऊँ, तो ये कंधे इस सिर को तोड़ दें। सहन करो, और मेरा बेटा टेलीमाकस मुझे अपना पिता न माने, अगर मैं तेरा लबादा और तेरे वस्त्र न उतारूँ, हाँ, तेरा नंगापन उजागर न करूँ, और तुझे जहाजों तक कोड़े न मारूँ, चीखते हुए और अपमानजनक कोड़ों से तड़पाते हुए।
इस प्रकार जब वह बोल रहा था, थेरसाइट की गर्दन पर
और उसकी भारी लाठी वापस नीचे आ गिरी; वह दुष्ट
प्रहार से सिहर उठा, और उसकी आँखों से जलते हुए आँसू बहने लगे।
जहाँ सोने की जड़ा हुआ डंडा लगा था, वहाँ एक खून का निशान दिखाई दिया:
थेरसाइट्स काँप उठा, और
दर्द से थरथराते हुए बैठ गया, और भयानक मुँह बनाकर बहते आँसुओं को पोंछने लगा।
यूनानी, अपने क्रोध के बावजूद, ज़ोर से हँसे,
और एक दूसरे से कहा, "सच में, यूलिसिस ने जितने भी काम किए हैं, उनमें से सबसे अच्छा काम किया है, वह सलाह में बुद्धिमान है, लड़ाई में सबसे आगे है, उसने कभी भी ऐसा काम नहीं किया है अब की तुलना में बेहतर है, जब वह इस बदतमीज़ बकवास करने वाले को चुप करा देता है। मुझे लगता है कि उसका जिद्दी स्वभाव जल्द ही उसे फिर से राजाओं की निंदा करने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।
इस प्रकार सेनापति की आवाज आई: परन्तु, हाथ में लाठी लिए, यूलिसिस उठ खड़ा हुआ; मिनर्वा उनके साथ थीं, एक दूत के रूप में, उन्होंने भीड़ को चुप रहने का आदेश दिया, ताकि यूनानी, शुरू से अंत तक, उनके शब्दों को सुन सकें और उनकी सलाह पर विचार कर सकें। इस प्रकार उन्होंने विवेकपूर्ण शब्दों में अपना भाषण शुरू किया: "हे एट्रियस के महान पुत्र, हे राजा, तेरे नाम पर पूरे विश्व में कलंक लगेगा, यदि यूनानी अपना वादा भूल जाएं, और तुझसे ली गई प्रतिज्ञा को पूरा न करें, जब हम आर्गोस के घास के मैदानों से यहाँ तक आए थे, तो हमारे लौटने से पहले, तुझसे बनी

हुई दीवारों को ध्वस्त करने के लिए।" ट्रॉय। लेकिन अब, असहाय विधवाओं या शिशुओं की तरह, वे अपने क्रूर भाग्य पर शोक मनाते हैं और घर के लिए तड़पते हैं। पराजित होकर लौटना वास्तव में कठिन है; नाविक बड़बड़ाता है, अगर पत्नी और घर से, एक महीने के लिए भी, उसका अच्छी तरह से बना जहाज रुका रहे, सर्दियों की हवाओं और तूफानी समुद्र से जूझता रहे; लेकिन नौवां घूमता हुआ वर्ष हमें अभी भी यहाँ ठहरे हुए देखता है: इसलिए मैं अपने वीर यूनानियों को दोष नहीं दे सकता, अगर जहाजों से मैं उनकी बड़बड़ाहट सुनता हूँ; फिर भी यह होगा निश्चित रूप से सबसे बुरा यह है कि लंबे समय तक रहना व्यर्थ है, और लौटना भी व्यर्थ है। मेरे मित्रों, धैर्य रखें, कुछ देर रुकें और देखें कि कल्चास ने सचमुच भविष्यवाणी की है या नहीं। क्योंकि यह आप सभी ने देखा है, और आप स्वयं भी गवाही दे सकते हैं, वे सभी जो अभी तक भाग्य से बचे हैं। कुछ समय पहले, जब ग्रीस के जहाज औलिस में मिले थे, ट्रॉय के लिए बुरे माल से लदे हुए, और हम, एक फव्वारे के चारों ओर, देवताओं के लिए, अपनी वेदियों को निर्दोष बलि चढ़ाकर, एक सुंदर चिनार के पेड़ के पास, जहाँ चमकीला पानी देखो, एक अद्भुत दृश्य! ओलंपियन बृहस्पति ने प्रकाश में एक साँप भेजा, चमकीले शल्कों वाला, भयानक रूप वाला, वेदियों के नीचे से निकलकर सीधे चिनार के पेड़ पर जा पहुँचा। वहाँ, सबसे ऊपरी शाखा पर, पत्तियों के नीचे, दुबके हुए, गौरैया के नन्हे बच्चे लेटे थे; आठ बच्चे और नौवाँ बच्चा, माँ। आठों बच्चे चीखते हुए रो रहे थे, और साँप उन्हें निगल गया; और माँ अपने बच्चों पर विलाप करते हुए उड़ गई। गोल-गोल घूमते हुए, कुंडली खोलते हुए, उसने चीखती हुई चिड़िया को पंख से पकड़ लिया। फिर, जब चिड़िया के बच्चे और खुद चिड़िया को साँप ने निगल लिया, तो उस ईश्वर की कसम, जिसने सबसे पहले उसे प्रकाश में भेजा, एक चमत्कार हुआ: क्योंकि शनि के पुत्र, बृहस्पति ने उसे पत्थर में बदल दिया; हम खड़े होकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन जब यह चमत्कार हमारे अनुष्ठानों में घटित हुआ, तो स्वर्ग से प्रेरित कल्चास ने बोलना शुरू किया: 'हे ग्रीस के लंबे बालों वाले पुत्रों, तुम इस प्रकार क्यों खड़े हो?' मौन विस्मित? हमारे लिए ओलंपियन जूपिटर, जिनकी अनंत प्रशंसा हो, यह संकेत प्रदान करते हैं, देर से भेजा गया, देर से पूरा हुआ: जैसा कि तुमने देखा, साँप ने गौरैया और उसके बच्चों को खा लिया, आठ चूजे, और नौवां माता-पिता पक्षी: इस प्रकार, इतने वर्षों से, हम निष्फल युद्ध लड़ने के लिए अभिशप्त हैं; लेकिन दसवें वर्ष

में, विशाल शहर अंततः हमारा होगा। इस प्रकार उन्होंने भविष्यवाणी की थी, और अब समय आ गया है। तो यहाँ, हे अच्छी तरह से कवचधारी यूनानियों, सब यहीं रहो, प्रियम के समृद्ध शहर हमारा अपना हो।
उसने कहा, और यूनानियों ने ज़ोर से जयकार की—और सभी खोखले जहाजों से ज़ोरदार जयकार वापस आई—यूलिसिस के भाषण की प्रशंसा में। इसके बाद गेरेनियन नेस्टर ने बोलना शुरू किया: "बच्चों की तरह, यूनानी योद्धाओं, तुम बहस करो; उन शिशुओं की तरह जिन्हें शस्त्र विद्या का ज्ञान नहीं है। तो फिर अब हमारे गंभीर अनुबंध कहाँ हैं, हमारी प्रतिज्ञाएँ कहाँ हैं? चलो, हम आग में झोंक दें, हमारी सभाएँ, हमारे योद्धाओं की परिपक्व योजनाएँ, हमारे पूर्ण वचन और हमारी प्रतिज्ञाएँ, जिनमें हमारा भरोसा इसी पर टिका था; क्योंकि इस प्रकार व्यर्थ ही हम शब्दों में झगड़ते हैं, और चाहे हम यहाँ कितने ही समय तक रहें, हमें कोई समाधान नहीं मिलता। एट्रीड्स, तुम अपनी आदत के अनुसार अपने मत को अटल रखो; क्योंकि यूनानियों को हठपूर्वक युद्ध के लिए तैयार करो; और उन कुछ लोगों, सेना में से उन दो या तीन लोगों का विनाश हो जाए, जो अपनी अलग राय रखते हैं—(परिणाम उन पर निर्भर नहीं करता!)—बजाय इसके कि वे आर्गोस लौट जाएँ, इससे पहले कि हम यह साबित कर सकें कि क्या बृहस्पति वास्तव में अपने वादे को तोड़ेगा, या नहीं। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि जिस दिन हम यूनानियों ने पहली बार ट्रॉय की ओर अपना मार्ग अपनाया, रक्त और मृत्यु के दूतों ने, शनि के सर्वशक्तिमान पुत्र ने, हमारे दाहिनी ओर, अपनी बिजली चमकाकर, शुभ संकेत के साथ, हमें अपनी कृपा का आश्वासन दिया; इसलिए घर के विचार मन में न आने दें, इससे पहले कि ट्रोजन पत्नियाँ, जो हमारे योद्धाओं को दी गई थीं, हेलेन के कारण हमारे द्वारा किए गए अन्याय का बदला चुकाएँ। लेकिन जो कोई भी तरसता है, यदि ऐसा कोई वहाँ है हे राजा! अपने घर वापसी के लिए, वह अपनी सुसज्जित नाव लेकर जाए; बाकियों से पहले मृत्यु के भाग्य का सामना करने के लिए! परन्तु हे राजा! तुम स्वयं अच्छी तरह से सलाह लो, और दूसरों का मार्गदर्शन करो; क्योंकि जो शब्द मैं कह रहा हूँ, उनका तिरस्कार नहीं किया जाना चाहिए; हे अगामेमन! अपनी सेनाओं को इस प्रकार व्यवस्थित करो कि एक जनजाति दूसरी जनजाति की सहायता करे, और एक गोत्र दूसरे गोत्र की। यदि तुम ऐसा करोगे, और यूनानी तुम्हारे वचन मानेंगे, तो तुम देखोगे, सरदारों और सभी

सैनिक, अच्छे और बुरे, अपने हित में ही लड़ेंगे; और यदि तुम असफल हो जाओ, तो जान जाओगे कि तुम्हारी असफलता ईश्वर की इच्छा है, या मनुष्य की चूक और युद्ध के प्रति अज्ञानता।
जिस पर सम्राट एगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "हे यूनान के पुत्रों की सभा में, हे पिता, तेरे समान कोई नहीं हो सकता; और काश मेरे पास तेरे जैसे दस ही सलाहकार होते! तब तो राजा प्रियम का नगर शीघ्र ही गिर जाता, हमारे विजयी हाथों से छीन लिया जाता और नष्ट कर दिया जाता। परन्तु अब मेरे ऊपर शस्त्र धारण करने वाले बृहस्पति, शनि के पुत्र ने व्यर्थ परिश्रम थोपा है, और कष्टदायक झगड़े किए हैं; क्योंकि एक लड़की के विषय में वाकयुद्ध में, अकिलीज़ और..." मैं स्वयं युद्ध में संलग्न हो गया; और हाय! संघर्ष शुरू हो गया: क्या हम फिर से मित्र बन सकते हैं, बिना किसी देरी के, इलियम के अंतिम विनाश का समय कितना भी कम क्यों न हो। लेकिन अब नाश्ते का समय है, इससे पहले कि हम युद्ध छेड़ें। प्रत्येक अपना भाला तेज करे, अपनी ढाल तैयार करे, प्रत्येक अपने उग्र घोड़ों को चारा दे, प्रत्येक अपने रथ की जाँच करे, ताकि दिन भर हम बिना थके युद्ध की लहर को रोक सकें; क्योंकि कोई विश्राम नहीं होगा, चाहे वह कितना भी कम क्यों न हो, जब तक रात युद्ध के तूफान को रोक न दे। रुक जाओ। हर योद्धा की छाती पसीने से तर हो जाएगी; ढाल के नीचे चमड़े की बेल्ट; और भारी भाला चलाने वाले हाथ दुखेंगे; हर योद्धा के रथ को खींचने वाले घोड़े पसीने से तर हो जाएंगे; लेकिन जिसे भी मैं चोंचदार जहाजों के पास मंडराता हुआ पाऊँगा, उसके लिए गिद्धों और कुत्तों से बचना मुश्किल होगा।
उसने कहा; और ग्रीस की तालियाँ बजाती हुई पंक्तियों से एक ज़ोरदार आवाज़ उठी, मानो समुद्र की लहर, किसी ऊँचे समुद्र तट पर दक्षिणी हवा से धकेली जाती हुई, किसी प्रमुख चट्टान से टकराती है, जो चारों ओर गरजते हर तूफान के झोंकों के सामने उजागर होती है। फिर विद्रोह हुआ, और शिविर में फैलकर वे अपने-अपने रास्ते चले गए, और अपने तम्बुओं के पास आग जलाई और भोजन तैयार किया; और प्रत्येक ने अमर देवताओं में से किसी एक को अपनी भेंट चढ़ाई, ताकि आने वाले युद्ध में वह कड़वी नियति से बच सके। मृत्यु।
लेकिन शनि के सर्वोपरि पुत्र, बृहस्पति,
एक बलवान बैल, अच्छी तरह से मोटा, पाँच वर्ष का,

एट्रीड्स ने मार डाला; और भोज में ग्रीस के वृद्ध सरदारों और सलाहकारों को बुलाया गया; प्रथम नेस्टर, राजा इडोमेनियस, उसके बाद दोनों अजेस और टाइडियस का पुत्र, छठे यूलिसिस, जो परिषद में ऋषि के रूप में बृहस्पति के समान थे। लेकिन बिना बुलाए मेनेलास आया, यह जानते हुए कि उसके भाई पर क्या चिंताएँ हावी थीं। वे बैल के चारों ओर खड़े हो गए, और उसके सिर पर नमक का केक छिड़का गया; फिर उन सबके बीच, सम्राट एगामेम्नन ने ज़ोर से प्रार्थना की: "हे महान, हे सबसे महिमावान बृहस्पति! जो स्वर्ग में निवास करते हैं, बादलों और अंधकार में छिपे हुए, हे प्रभु, यह वरदान दीजिए कि इससे पहले कि यह सूर्य अस्त हो जाए और रात पृथ्वी पर छा जाए, मैं प्रियम के महल की अभिमानी दीवारों को धूल में मिला दूँ; और उसके ऊँचे द्वारों को आग से जला दूँ; और हेक्टर के सीने से उसकी तलवार से छलनी हुई कमीज़ उतार दूँ, जबकि उसके शव के चारों ओर कई बहादुर साथी, ज़मीन पर लेटकर, धूल चाटें।"

इस प्रकार उसने; लेकिन शनि के पुत्र ने उसकी प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया; उसे उसकी भेंट तो मिली, लेकिन उसके कष्ट बढ़ गए। उनकी प्रार्थना समाप्त हुई, और नमक की रोटी बलि के सिर पर बिखेर दी गई, फिर उन्होंने उसे पीछे खींचा, और उसकी हत्या कर दी, और उसकी खाल उतार दी; फिर जांघों से उत्तम टुकड़े काटकर, उन्हें दोहरी परतों में वसा से ढककर, उनके ऊपर उचित मांस के टुकड़े रखे; इन्हें उन्होंने पत्ती रहित लकड़ी के लट्ठों से जला दिया; और भीतरी अंग, सबसे पहले चखे जाने थे, आग पर उन्हें रखा गया था।

जांघें आग से भस्म हो गईं, भीतरी अंग

उन्होंने सबसे पहले चखे; बाकी बचे हुए को ध्यान से भूनकर आग से उतार लिया गया। उनका काम समाप्त हुआ और दावत तैयार हो गई। उन्होंने साथ मिलकर भोजन किया और उन्हें किसी चीज की कमी नहीं हुई। प्यास और भूख शांत होने पर गेरेनियन नेस्टर ने अपना भाषण शुरू किया: "हे सर्वशक्तिमान एगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, महान एट्रेस के पुत्र, अब और देर न करें। स्वर्ग की शक्तियों ने जिस कार्य को हमारे हाथों में सौंपा है, उसे तुरंत पूरा करने का आदेश दें। आप तुरंत दूतों को घोषणा करने का आदेश दें।" बनाओ, और शिविर में पीतल के कवचधारी यूनानियों को

बुलाओ; और एक समूह में, फैली हुई पंक्तियों के बीच से हम गुजरें, और उनके युद्धोन्माद को उत्तेजित करें।
उसने कहा; और मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन ने, उनकी सलाह का पालन करते हुए, आदेश दिया कि युद्ध के लिए सुस्पष्ट स्वर वाले दूतों को बुलाया जाए, लंबे बालों वाले यूनानियों को: उन्होंने आदेश दिया, और तुरंत ही हर तरफ से उत्सुक भीड़ उमड़ पड़ी। स्वर्ग से जन्मे राजाओं ने, एट्रेस के पुत्र को घेर लिया, सैनिकों ने निरीक्षण किया: नीली आँखों वाली कन्या, पल्लास, सरदारों के सामने अपना शानदार कवच लिए खड़ी थी, समय से अछूती, अमर: चारों ओर सौ झालरें लटकी हुई थीं, कला की दुर्लभ कृतियाँ, सभी सोना, प्रत्येक सौ बैलों की कीमत का।
इसके साथ ही देवी सैनिकों के बीच से गुजरीं,
सभी को उत्साहित करते हुए; और प्रत्येक हृदय में
अथक युद्ध करने का दृढ़ संकल्प स्थापित किया;
और घर की यादों या वापसी की इच्छा से भी अधिक उनके दिलों को प्रिय, युद्धक्षेत्र बन गया।
जैसे पहाड़ों की चोटियों पर विनाशकारी आग जलते हुए जंगलों को अपनी चपेट में ले लेती है, दूर से तेज रोशनी दिखाई देती है; वैसे ही, जैसे ही वे आगे बढ़े, उनके चमकीले हथियारों की तेज चमक स्वर्ग की ओर जगमगा उठी।
जैसे जब पक्षियों का एक विशाल झुंड, या हंस, या सारस, या लंबी गर्दन वाले हंस, एशियाई मैदानों पर, कैस्टर की धारा के किनारे, कभी यहाँ, कभी वहाँ, खेलते हुए अपने पंख फड़फड़ाते हैं; फिर शोरगुल के साथ बैठ जाते हैं, जिससे सारा मैदान गूंज उठता है; उसी प्रकार स्कैमंडर के मैदान में, तंबुओं और जहाजों से, अनगिनत जनजातियाँ उमड़ पड़ीं; दृढ़ धरती घोड़ों और सशस्त्र पुरुषों के पदचिन्हों के नीचे कराह उठी। स्कैमंडर के फूलों से भरे मैदान पर वे खड़े थे, वसंत के पत्तों और फूलों की तरह असंख्य।
या जैसे मक्खियों के असंख्य झुंड, जो वसंत ऋतु में पशुओं के बाड़ों के चारों ओर उमड़ पड़ते हैं, जब बाल्टी में गर्म दूध झागदार हो रहा होता है: मैदान पर असंख्य, सजे हुए, ट्रॉय के विनाश के लिए, लंबे बालों वाले यूनानी खड़े थे। और जैसे अनुभवी बकरी चराने वाले, जब उनके झुंड चरागाह में मिल जाते हैं, तो अपने अलग-अलग

समूहों को अलग करते हैं, वैसे ही सरदारों ने युद्ध के लिए अपनी टुकड़ियों को तैयार किया; जब बीच में ही शक्तिशाली सम्राट एगामेम्नन ने गति की: उसकी आंखें और ऊंचा माथा, गर्जन के देवता बृहस्पति के समान थे; उसकी कमर में मंगल ग्रह और नेपच्यून की विशाल छाती थी। जैसे झुंड में बछियों के बीच, एक शानदार बैल गर्व से खड़ा होता है; वैसे ही, बृहस्पति की इच्छा से, उस दिन कई नायकों के बीच, एट्रेस का देवतुल्य पुत्र खड़ा था।
अब कहो, हे नौ देवियों, जो ओलंपस पर निवास करती हो, (क्योंकि तुम देवियाँ हो, और तुम उपस्थित थीं, और सब कुछ जानती हो: हम स्वयं केवल अफवाहों से सुनते हैं, और कुछ नहीं जानते), जो ग्रीस के प्रमुख और शक्तिशाली स्वामी थे। लेकिन क्या मैं उन सभी का नाम लेने का प्रयास करूँ? नहीं, चाहे मेरी दस जीभें हों, दस मुख हों, मेरी आवाज अक्षय हो, और मेरा हृदय पीतल का हो। मैं तब तक सफल नहीं हो पाऊँगी, जब तक कि, हे ओलंपियन कन्याओं, कवच धारण करने वाले बृहस्पति की संतानों, तुम उनके नाम दर्ज न करो, जो ट्रॉय आए।
अब मैं सरदारों और सभी जहाजों का पूर्वाभ्यास करता हूँ।
पेनेलियस के नेतृत्व में बोओटिया की सेनाएँ, लेइटस और साहसी प्रोथोएनोर, आर्सेसिलस और क्लोनियस: वे जो हाइरिया में और औलिस के चट्टानी तट पर, स्कोएनस और स्कोलस और एटियोनस की उच्चभूमि में रहते थे; थेस्पेया की घाटी में, ग्रैया में, और माइकेलेसस के विस्तृत मैदानों में: और जो हरमा और इलेसियम में रहते थे, और एरिथ्रे में, और इलियोन में, हाइले में, और पेटेऑन में, और ओकालिया में, कोपे में, और मेडियन के सुनिर्मित किले में, यूट्रेसिस में, थिस्बे के कबूतरों से भरे जंगलों में, और कोरोनका में, और हेलियार्टस के घास के मैदानों में; और प्लाटिया का मैदान, ग्लिसा में, और निचले थेब्स की तलहटी में, और नेपच्यून के पवित्र उपवन एंचेस्टस में; और जो लताओं से घिरे आर्ने में निवास करते थे, और मिडिया में, और निस्सा के सुंदर स्थल में, और एंथेडन की अंतिम सीमाओं में। इनके साथ पचास पात्र आए; और प्रत्येक में सौ युवक थे, बोओटिया का सबसे उत्तम फूल।
जो एस्पलडॉन में और मिन्यास के राज्य में रहते थे, ओरेहोमेनस, मंगल के दो पुत्र, एस्कालाफस और साहसी इयालमेनस, उनकी आज्ञा मानते थे; अभिनेता के घर में, एज़ियस का पुत्र, सुंदर एस्टियोचे से जन्मा, जो एक पवित्र कन्या थी, जब तक कि

ऊपरी कक्ष में, जहाँ वह सो रही थी, बलवान मंगल ने चुपके से उसके कुंवारी बिस्तर पर हमला नहीं किया: इनमें से तीस जहाज उचित क्रम में आए।
स्केडीयस और एपिस्ट्रोफस द्वारा, महान इफिटस के पुत्र, नौबोलस के पुत्र, फोसियन सेनाओं का नेतृत्व किया गया था; ये वे थे जो साइपारिसस और पायथन की चट्टान और क्रिसा के सुंदर मैदान में निवास करते थे; और जो डौलिस और पैनोप में, एनेमोरिया और इयामपोलिस में, और सेफिसस के पवित्र जल के किनारे निवास करते थे, या लिलिया में, सेफिसस के झरनों के पास। उनके नेतृत्व में चालीस गहरे रंग के जहाज आए थे। ये फोसियन दलों के नेता थे, और बोओटिया के बाईं ओर उनका शिविर लगा हुआ था।
ओइलियस के पुत्र एजैक्स का नेतृत्व लोक्रियनों ने किया; तेज कदमों वाला, एजैक्स टेलमोन से छोटा, कद में छोटा, लिनन के कवच से सुसज्जित: लेकिन हेलास या अचैया में रहने वाले सभी लोगों पर भाला फेंकने में कुशल: ये थे: सिनोस, ओपस और कैलियारस से, बेसा, स्कार्फा और सुंदर औगाया से, टार्फा और थ्रोनियम से, बोग्रियस की धारा के किनारे से। यूबोइया के पवित्र द्वीप के पार से, लोक्रियनों के चालीस गहरे रंग के सैनिक उसके पीछे आए। जहाज.
दृढ़ साहस के साथ, अबांटियन सेना, जो यूबोइया और चाल्किस से आई थी, या जो अंगूर की लताओं से ढके हिस्टिया में रहती थी, एरेट्रिया और समुद्री सेरिंथस में रहती थी, और जिन्होंने डियम के ऊंचे किले पर कब्जा कर रखा था, और कैरिस्टस और स्टायरा में रहती थी: इन सभी का नेतृत्व एलीफेनोर ने किया, जो मंगल ग्रह का सच्चा वंशज था, चालकोडोन का पुत्र, बहादुर अबांटियन सरदार। लंबे काले बालों से सुशोभित, साहसी अबांटियनों ने उसका अनुसरण किया: कुशल भालाधारी, जो दुश्मनों के कवच को भली-भांति भेदते हुए, उसने राख के भाले को दृढ़ता से पकड़ रखा था। उसके आदेश में चालीस गहरे रंग के जहाज थे।
एथेंस के सुगठित शहर में रहने वाले, नेक आत्मा वाले इरेक्टियस की विरासत; उपजाऊ मिट्टी की संतान, पल्लास द्वारा पाला-पोसा गया, बृहस्पति की पुत्री, जिसने उसे एथेंस में रखा, अपने समृद्ध मंदिर में; वहाँ बैलों और मेमनों के रक्त से, प्रत्येक वर्ष, एथेंस के युवक उसे बलिदान करते हैं; ये मेनेस्थियस, पीटियस के पुत्र द्वारा लाए गए थे। कोई भी नश्वर मनुष्य उसकी तुलना नहीं कर सकता था, युद्ध के लिए उचित

क्रम में रथों और ढालों से सुसज्जित पुरुषों के साथ। नेस्टर अकेले ही शायद उसका प्रतिद्वंद्वी बन सकता था, जो उससे कहीं बड़ा था। उसके नेतृत्व में पचास गहरे रंग के जहाज थे।
सलामिस से एजैक्स के साथ बारह जहाज आए, और वे एथेंस की सेना के साथ पंक्तिबद्ध हो गए।
जो आर्गोस से, और टायरिन्स के सुदृढ़ किलेबंद शहर से, और हर्मियोनी से, और खाड़ी में बसे एसिन से, और ट्रोएज़ीन और इयोन से, और अंगूर की लताओं से ढके एपिडॉरस से, और वे युवक जो मासेस और एजीना के द्वीप में निवास करते थे, इन सभी पर वीर डायोमेड का शासन था, और दूर-दूर तक प्रसिद्ध कैपेनियस के प्रख्यात पुत्र स्टेनेलस का। इनके साथ, तीसरा, एक देवतुल्य योद्धा आया, यूरियलस, मेसिस्टियस का पुत्र, तालौस का शाही पुत्र। इन सब पर सर्वोच्च वीर डायोमेड था। उनके नेतृत्व में अस्सी गहरे रंग के जहाज आए।
माइसेना के सुदृढ़ किले में कौन निवास करता था, और धनी कोरिंथ, और सुंदर क्लियोन, ओर्निया, और दिव्य अराएथुरे, और सिसिओन, जहाँ प्राचीन काल में एड्रास्टस का शासन था, और गोनोएसा का खड़ी चट्टानी किनारा, और हाइपेरेसिया, और पेलेने की चट्टान; एजियम में, और बिखरे हुए शहर जो उसने समुद्र तट के किनारे बसाए थे, और विस्तृत हेलिस; इनमें से सौ जहाज शक्तिशाली एगामेम्नन, एट्रेस के पुत्र के शासन का पालन करते थे। सबसे बड़ी और सबसे बहादुर सेना। वह उसका था; और वह स्वयं, चमकीले कवच में लिपटा हुआ, सभी वीरों में सबसे श्रेष्ठ, अपनी उच्च स्थिति पर गर्व करते हुए आगे बढ़ा, सबसे बड़ी सेना का स्वामी और सरदारों का सरदार।
जो लेसेडेमोन के निचले मैदानों में रहते थे, और जो स्पार्टा और फारे में निवास करते थे, और जो मेस्सा की कबूतरों से भरी चट्टानों पर, ब्रायसिया और एगेया की सुंदर घाटी में, और एमीक्ले में, और हेलोस, ओएटिलस और लास के समुद्र से घिरे किले में निवास करते थे; उनके वीर भाई मेनेलास ने साठ जहाजों के साथ उनका नेतृत्व किया; लेकिन वे अलग-अलग पड़े थे। उनका सरदार, स्वयं युद्ध के जोश में साहसी होकर, दूसरों को प्रेरित कर रहा था, हेलेन के बलात्कार और अपने साथ हुए अन्याय का बदला लेने की तीव्र इच्छा से भरा हुआ था।

जो लोग पाइलोस और एरेन में निवास करते थे, और अल्फ़ियस की धारा के घाट पर थिरम में, साइपरिसस और एम्फ़िजीन में, प्टेलियन में, और ऊँचे ओएपस के सुनिर्मित किले में, हेलोस में, और डोरियम में, जहाँ म्यूज़ मिलती थीं, और थ्रेसियन थामिरिस को चुप करा दिया, जैसे ओएकेलिया से, शाही घराने से, यूरिटस के घर से वह आया था; वह अति-अभिमानी होकर, गीत में स्वयं को सर्वोपरि बताता था, यहाँ तक कि ओलंपियन जूपिटर की पुत्रियाँ, देवियाँ, उसकी प्रतिद्वंद्वी थीं: उन्होंने क्रोधित होकर उसकी दृष्टि और गीत की शक्ति दोनों छीन लीं और उसे वीणा भूलने का आदेश दिया। गेरेनियन नेस्टर द्वारा इन सभी का नेतृत्व किया गया, अस्सी जहाजों में, क्रमानुसार।

वे अर्कोडिया के निवासी, और वह राज्य जो सिलने के ऊँचे पर्वत के नीचे स्थित है, योद्धा जाति एपिटस की कब्र के आसपास; फेनियस और ओर्कोमेनस के लोग प्रचुर झुंडों में; जो रिपा में रहते थे, स्ट्रैटिया में, और एनीस्पे की हवादार ऊँचाई में, या टेगेआ में, और सुंदर मंतिनिया में, स्टाइम्फालस और पर्रासिया में; इनका नेतृत्व बहादुर अगापेनोर, एंचियस के पुत्र, ने साठ जहाजों में किया; प्रत्येक में बलवान अर्कोडियन युवकों का एक विशाल दल था, जो युद्ध के लिए प्रशिक्षित थे। जिन जहाजों से उन्होंने गहरे नीले समुद्र को पार किया, वे एट्रेस के पुत्र, मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन द्वारा दिए गए थे; क्योंकि अर्कोडियन युवकों को समुद्री गतिविधियों का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया था।

जो बुप्रैसियम और एलिस में निवास करते थे, हाइर्मिन तक, और मायर्सिनस की चरम सीमाओं तक; और वह सारा राज्य जो एलीसियम और ओलेनियन चट्टान के बीच स्थित है; इन सभी का नेतृत्व चार प्रमुखों द्वारा किया गया था; और दस तीव्र पोत, साहसी एपियनों द्वारा संचालित, प्रत्येक प्रमुख ने आज्ञा का पालन किया।

एम्फिमाचस और थाल्पियस पहले थे,
दो भाइयों के पुत्र, एक था सीएटस,
दूसरा यूरिटस, जो एक्टर का पुत्र था;
इसके बाद अमरिनसियस का पुत्र, साहसी डायोरेस;
चौथा पॉलीक्सेनस, औगेस के शाही उत्तराधिकारी, अगास्थेनेस का देवतुल्य पुत्र।

दुलिचियम और पवित्र द्वीपों के लोग, इकिनाडेस, जो समुद्र के उस पार से एलिस के तट की ओर मुख किए हुए हैं, मेगेस द्वारा निर्देशित किए गए थे, जो फाइलियस का पुत्र था, जो बृहस्पति का प्रिय था, शस्त्रों में, मंगल के समान वीर; जिसने अपने पिता से झगड़ा करते हुए, अपना घर छोड़ दिया था और दुलिचियम आया था: उसके पास चालीस गहरे रंग के जहाज थे।
जो लोग युद्धप्रिय सेफालोनिया से आए थे,
और इथाका, और हरे-भरे नेरिटस,
और क्रोसिलियम; ऊबड़-खाबड़ एगिलिप्स,
और सामोस, और ज़ैकिंथस, और मुख्य भूमि का तट, अपने विपरीत द्वीपों के साथ;
इन बारह जहाजों में, लाल रंग से रंगे धनुषों के साथ,
यूलिसिस ने नेतृत्व किया, सलाह में बृहस्पति के समान बुद्धिमान।
एंड्रेमोन के पुत्र थोआस ने एटोलियनों का नेतृत्व किया; प्लूरॉन, पाइलोन, ओलेनस, समुद्री चाल्किस और चट्टानी कैलिडॉन से: ओएनियस का वंश समाप्त हो गया था; वह स्वयं, और सुनहरे बालों वाला मेलेगर, दोनों मर चुके थे: इसलिए एटोलिया का सारा शासन उस पर आ गया। उसकी कमान में चालीस गहरे रंग के जहाज थे।
क्रीट के राजा इडोमेनियस का नेतृत्व करते हुए, नोसस, गोर्टिना के सुदृढ़ किलेबंद शहर, मिलेटस, लिकास्टस की सफेद पत्थर की चट्टानों, लिक्टस, फेस्टस, राइटियम और शेष सभी स्थानों से क्रीट ने अपने सभी सौ शहरों से इन लोगों को भेजा: इन सभी की कमान उनके राजा, कुशल भाला चलाने वाले इडोमेनियस ने संभाली; और मेरियोनेस, जो युद्ध में रक्तरंजित मंगल ग्रह के समान भयंकर था, उनके नेतृत्व में अस्सी गहरे रंग के जहाज आए।
वीर और लंबा, हरक्यूलिस का पुत्र, टलेपोलेमस, रोड्स से नौ जहाज लाया गया, वीर रोडियनों द्वारा संचालित, जो त्रिपक्षीय रूप से बसे हुए थे, और इयालिसस में निवास करते थे, लिंडस और कैमेइरस की सफेद पत्थर की पहाड़ियों में। इन सभी प्रसिद्ध टलेपोलेमस ने आज्ञा का पालन किया, जो हरक्यूलिस की शक्ति के लिए पैदा हुआ था, सुंदर एस्ट्योचे से। उसकी बंदी वह, जब उसने कई अच्छे शहरों को अपने हथियारों से नष्ट कर दिया था, उसे एफ़िरा से सेलेस की धारा के रास्ते लाया गया था। शाही घर में पला-बढ़ा, टलेपोलेमस, जिसने अपनी युवावस्था में अपने पिता के चाचा, लिसिम्नियस

को मार डाला था; फिर उसने जल्दी में एक बेड़ा बनाया, और एक विशाल सेना इकट्ठा की। और समुद्र के रास्ते भाग गया,
हरक्यूलिस के अन्य पुत्रों और पोतों के प्रतिशोध की धमकी से।
लंबे समय तक भटकने और कठिनाइयों और खतरों को सहने के बाद, वह रोड्स आया; उसके अनुयायी, अपनी-अपनी जनजातियों के अनुसार,
तीन जिलों में विभाजित होकर रहने लगे; और इस प्रकार विभाजित होकर, वे बृहस्पति, देवताओं और मनुष्यों के राजा के प्रिय,
जिन्होंने उन पर असीम धन का भंडार बरसाया।
नीरियस, साइम से तीन सुसज्जित जहाज लाया; नीरियस, चारोप्स का पुत्र जिसे एग्लाइया ने जन्म दिया था; नीरियस, सभी यूनानियों में सबसे सुंदर पुरुष, जो पेलियस के अद्वितीय पुत्र के अलावा ट्रॉय आया था: लेकिन उसकी प्रसिद्धि कम थी, और उसके नेतृत्व में सैनिकों की संख्या भी कम थी।
जो निसिरस, कार्पेथस, कोस (यूरिपिलस का किला), और कैसियन और कैलिडनियन द्वीपों में रहते थे, उन्हें फिडिप्पस और एंटीफस (एल्सीड्स के पुत्र थेसालस के दो पुत्र) द्वारा नेतृत्व किया गया था; उनके साथ तीस जहाज उचित क्रम में आए थे।
इसके बाद वे जो पेलसगियन आर्गोस में रहते थे, और जो एलोस, और एलोप, ट्रैकिस, और फथिया, और हेलास में सुंदर महिलाओं के लिए प्रसिद्ध थे; इनमें से, विभिन्न नामों से जाने जाने वाले, अचियन, मायर्मिडन, हेलेन्स, पचास जहाजों में, अकिलीज़ प्रमुख था। लेकिन ये सभी युद्ध-संघर्ष से दूर रहे, क्योंकि उनकी सेना का नेतृत्व करने वाला कोई नहीं था। क्योंकि पेलेउस का देवतुल्य पुत्र, जो पैरों में तेज था, अपने तम्बू में आलस्य से पड़ा था, ब्रिसेस की सुनहरे बालों वाली बेटी के खोने का शोक मना रहा था। जिसे उसने स्वयं चुना था, अपने समस्त युद्ध परिश्रम का पुरस्कार, जब उसने लिरनेसस और थेब्स की दीवारों को ध्वस्त कर दिया, और माइन्स और एपिस्ट्रोफस को मार गिराया, दोनों ही बहादुर योद्धा, एवेनस के पुत्र, सेलेपियस के शाही उत्तराधिकारी; क्रोध में आकर वह उससे दूर रहा, परन्तु शीघ्र ही फिर प्रकट हुआ।
पिरहासस के पुष्पमय मैदान में, सेरेस की प्रिय शरण में, जो वहाँ निवास करती थी; फ़िलेस में, इटोन में, जो झुंडों से समृद्ध था, और समुद्र के किनारे, एंट्रोन में, और ऐलियन के घास से ढके मैदानों में; ये सभी लोग प्रोटेसिलॉस का नेतृत्व करते थे, जो

शस्त्रों में प्रसिद्ध था, जब तक वह जीवित था; अब वह मिट्टी के नीचे दफ़न है। फ़िलेस में उसकी रोती हुई पत्नी और आधा बना हुआ घर रह गया था; उसे, किनारे पर उछलते हुए,
यूनानियों में से पहले, एक डार्डन योद्धा को मार डाला।
न ही उसके सैनिक, उनके नेता, हालांकि वे शोक मना रहे थे,
नेताहीन रह गए; उच्च कमान का पद
पोडार्सेस ने अधिकारपूर्वक दावा किया, मंगल का सच्चा वंशज,
इफिक्लस का पुत्र, धनी फिलासिडेस;
वह प्रोटेसिलॉस का भाई था,
उम्र में छोटा, लेकिन प्रसिद्धि में बराबर नहीं;
फिर भी सेना को एक प्रमुख की कमी महसूस नहीं हुई,
यद्यपि उन्होंने अपने वीर नेता की मृत्यु पर बहुत शोक व्यक्त किया।
उसकी कमान में चालीस गहरे रंग के जहाज आए।
जो लोग फेराए से आए, बोएबीस झील के किनारे आकर, ग्लाफिराए में बस गए, बोएबे में और इओल्कोस के सुगठित किले में, यूमेलस ने ग्यारह जहाजों में इनका नेतृत्व किया, जिन्हें पेलियास की पुत्री, अपनी जाति में सबसे सुंदर, देवी एल्सेस्टिस ने एडमेटस से जन्म दिया।
जो मेथोन और थाउमासिया में रहते थे, मेलिबोइया और ओलिज़ोन की चट्टान में; इन फिलोक्टेट्स, कुशल धनुर्धरों का नेतृत्व करते थे। उनके सात जहाज थे, और प्रत्येक जहाज में पचास नाविक थे, सभी कुशल धनुर्धर थे। लेकिन उनका सरदार दर्द से तड़प रहा था, लेम्नोस के पवित्र द्वीप पर। वहाँ वह विवश पड़ा रहा: विषैले सर्प के घाव से पीड़ा में: वह वहाँ व्यथा व्याकुल पड़ा रहा: और यूनानियों को राजसी फिलोक्टेट्स की आवश्यकता का एहसास होने में अधिक समय नहीं लगा। हालाँकि वे अपने नेता के लिए शोक मना रहे थे, फिर भी उसकी सेनाएँ मौजूद थीं: ओइलियस का नाजायज पुत्र, मेडोन, जो राइन में जन्मा था, अपनी पंक्तियों में सज गया था।
ओएचेलिया में, यूरिटस के राज्य में, त्रिक्का में, और उबड़-खाबड़ इथोम में कौन रहते थे, पोडालिरियस और माचोन ने इनका नेतृत्व किया, एस्कुलैपियस के दो कुशल पुत्र, जो एक-दूसरे के पुत्र थे। इनमें से तीस जहाज क्रमानुसार आए।

जो ओर्मेनियम और एस्टेरियम में निवास करते थे, हाइपेरिया के स्रोत के पास और टाइटनम की सफेद चोटियों की ऊंचाइयों पर, उनमें से प्रमुख यूरिपिलस था, जो यूएमोन का वीर पुत्र था; उसके नेतृत्व में चालीस गहरे रंग के जहाज थे।
जो अर्गिसा और गर्टोना में रहते थे, ऑर्था, एलोन और ओलूसन के सफेद दीवारों वाले शहर में, पॉलीपोएट्स ने नेतृत्व किया; पिरिथस का पुत्र, बृहस्पति का वंशज, एक साहसी योद्धा; सुंदर हिप्पोडामिया उसे पिरिथस के पास ले गई, जब उसने खुरदरे सेंटॉर का वध किया, और पेलियन की ऊंचाइयों से असभ्य एथिस के बीच शरण लेने के लिए भगा दिया। वह अकेला नहीं था; उनके साथ ट्रॉय में मंगल ग्रह का एक सच्चा वंशज, लियोन्टियस, कुलीन कुल के कोरोनस का उत्तराधिकारी, कैनियस का पुत्र, आया। उनके नेतृत्व में चालीस गहरे रंग के जहाज आए।
गौनेयस बाईस जहाजों के साथ साइथस से आया; वह एनीन्स का नेतृत्व करता था, और पेराएबियन की युद्धप्रिय जनजातियों का, और उन लोगों का जो डोडोना की बर्फीली ऊँचाइयों के आसपास रहते थे, या टाइटारेसियस के सुंदर किनारों पर खेती करते थे, जो पेनेयस को अपनी निर्मल धारा का जल अर्पित करता है; फिर भी पेनेयस की चांदी जैसी लहरों में नहीं मिलता, बल्कि सतह पर तेल की तरह तैरता है, जिसका स्रोत स्टिक्स है, जिसके भयानक नाम पर देवता और मनुष्य दोनों पवित्रतम शपथों से बंधे हैं।
मैग्नेशिया की सेना, जो पेनेयस की धारा के किनारे निवास करती थी, या पेलियन की पत्तों से घिरी छाया के नीचे, तेज कदमों वाले प्रोथस के नेतृत्व में, जो टेन्थ्रेडन का पुत्र था; उसके नेतृत्व में चालीस गहरे रंग के जहाज आए।
ये थे ग्रीस के नेता और सरदार: हे देवी, इनके बारे में कहो, जो एट्रिडे के साथ आए थे, घोड़े और पुरुष, जिन्होंने सर्वोच्च प्रशंसा प्राप्त की। घोड़ों में, सबसे बहादुर और श्रेष्ठ वे थे जिन्हें एडमेटस के पुत्र यूमेलस ने चलाया था: दोनों पक्षियों की तरह तेज, उम्र और रंग में एक जैसे, पीठ के ऊपर से नापने पर ऊँचाई में समान; दोनों घोड़ियाँ, चांदी के धनुष वाले फोएबस द्वारा पिएरिया में पाली गई, युद्ध की वज्र। पुरुषों में, जब तक कि अकिलीज़ ने अपना क्रोध,
सबसे शक्तिशाली एजैक्स टेलामोन था।
क्योंकि अकिलीज़ और उन घोड़ों के साथ जो

पेलियस के अद्वितीय पुत्र को ले जा रहे थे, कोई भी प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता था:
लेकिन अपने चोंचदार समुद्री जहाजों के बीच,
वह एट्रेस के पुत्र, एगामेम्नन के साथ लेटा हुआ था,
क्रोधित; जबकि उसकी सेना समुद्र तट पर,
क्वॉइट्स और भाले से दिन बिता रही थी,
और तीरंदाजी के करतब दिखा रही थी; उनके घोड़े, जबकि कमल घास और दलदली भूमि में उगी अजमोद चर रही थी, प्रत्येक अपने रथ के पास खड़ा था; अच्छी तरह से निर्मित रथ योद्धाओं के तंबुओं में उपेक्षित पड़े थे; वे अपने देवतुल्य सरदार के लिए आंतरिक रूप से तड़पते हुए, उदासीन होकर इधर-उधर भटक रहे थे, और युद्ध में शामिल नहीं हुए।
वह सेना इतनी विशाल थी कि भस्म कर देने वाली आग की तरह, धरती पर फैल गई; उनके नीचे की धरती कराह उठी: जैसे गर्जन के देवता, अपने क्रोध में, अरिमी में धरती की नींव हिला देते हैं, जहाँ कहा जाता है कि टाइफियस गहराई में दफन है; वैसे ही उनके आने पर, उनके पैरों के नीचे धरती कराह उठी, जैसे वे तेजी से मैदान पर फैल गए।
कवचधारी बृहस्पति द्वारा ट्रॉय को भेजे जाने पर, तूफ़ानी आइरिस भयानक समाचार लेकर आई। प्रियम के द्वार पर, एक गंभीर सभा में, सभी ट्रोजन, युवा और वृद्ध, एकत्रित हुए थे। तेज़ आइरिस उनके बीच खड़ी थी, और प्रियम के पुत्र पोलिट्स की आवाज़ गूंज रही थी, जो ट्रोजन जासूस था, जिसने अपनी गति पर भरोसा करते हुए, प्राचीन एसुएट्स के टीले की चोटी पर तैनात होकर, यूनानी सैनिकों के अपने जहाजों से निकलने तक निगरानी रखने के लिए तैनात था। इस प्रकार देवी ने कहा: "हे बूढ़े, शांति के समय की तरह, अब भी तुम शब्दों के संघर्ष से प्रेम करते हो; परन्तु भयंकर युद्ध निकट है। मेरी आँखों ने युद्ध की पंक्ति में अनेक सेनाएँ देखी हैं; परन्तु ऐसी शक्ति, इतनी विशाल और इतनी ताकतवर, मैंने कभी नहीं देखी: पत्तों या रेत के समान असंख्य, वे मैदान पार करके नगर पर आक्रमण करने आ रहे हैं। तो, हे हेक्टर, मैं विशेष रूप से तुमसे बात कर रही हूँ, ऐसा करो; तुम जानते हो कि हमारे सहयोगी कितने विविध हैं, विभिन्न प्रकार के..." राष्ट्र और असंगत भाषाएँ:
तो प्रत्येक उन पर शासन करे जिन पर वह राज करता है,

और अपने देशवासियों को शस्त्रों से सुसज्जित करे।"
उसने कहा; और हेक्टर ने दिव्य वाणी को पहचान लिया,
और सभी, परिषद भंग करके, हथियारों की ओर दौड़ पड़े,
द्वार चौड़े खुल गए; भीड़ उमड़ पड़ी,
पैदल और घुड़सवार दोनों; और कोलाहल ज़ोर से उठने लगा।
शहर के सामने एक ऊँचा टीला खड़ा है, मध्य मैदान में, खुले स्थान से घिरा हुआ; मनुष्य इसे बाटिया कहते हैं; लेकिन देवता इसे तेज मिरिन्ना का मकबरा मानते हैं; वहाँ ट्रोजन और उनके सहयोगी अपनी सेनाओं को इकट्ठा करते हैं।
चमकते हेलमेट वाले शक्तिशाली हेक्टर, प्रियम के पुत्र, ने ट्रोजन सेना का नेतृत्व किया: वे सबसे बड़ी और सबसे बहादुर टुकड़ी थे, सभी साहसी भालाधारी, जो हथियारों से लैस होकर उनके पीछे चले।
एंकीसेस के वीर पुत्र, एनियास ने डार्डन्स का नेतृत्व किया; इडा की उभरी हुई चोटियों के बीच, अमर वीनस ने एंकीसेस को जन्म दिया, एक ऐसी देवी जो एक नश्वर के प्रेम के आगे झुक गई: उसके साथ, युद्ध में निपुण आर्चीलोचस और अकामास, एंटनोर के वीर पुत्र थे।
जो ज़ेलिया में, इडा के चरणों में निवास करते थे, ट्रोजन वंश के एक धनी कबीले के लोग, जो एसेपस के अंधकारमय जल का सेवन करते थे, उनका नेतृत्व लाइकाओन के कुलीन पुत्र पंडारस द्वारा किया गया था, जिन्हें स्वयं अपोलो ने धनुष चलाना सिखाया था।
जो अद्रास्ते और अपैसस के राज्य से, पिटिया और ऊँची पहाड़ी टेरेयन से, लिनेन के कवच पहने, अद्रास्तस और एम्फियस के साथ आया; पर्कोटे के मेरोप्स के दो पुत्र; वह भविष्यवाणी में गहन रूप से पारंगत था; और युद्ध से अपने पुत्रों को बचाना चाहता था; लेकिन भाग्य ने उन्हें आसन्न मृत्यु के लिए अभिशप्त कर दिया, और उसकी चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया।
जो प्रैक्टियम और परकोट से आए, और जो सेस्टोस और एबिडोस में निवास करते थे, और सुंदर अरिस्बा में; उन्हें असियस ने नेतृत्व किया, हर्टाकस का पुत्र, वीरों का प्रमुख; हर्टाकस का पुत्र असियस, जो सुंदर अरिस्बा से आया, अद्वितीय आकार और शक्ति वाले उग्र घोड़ों द्वारा, सेलेस की नदी से।

हिप्पोथस ने साहसी पेलसगियन जनजातियों का नेतृत्व किया, जो समृद्ध लारिसा की उपजाऊ भूमि में निवास करते थे, हिप्पोथस और पाइलियस, लेथस के पुत्र, और पेलसगियन प्रमुख ट्यूटमस के पुत्र थे।
थ्रेसियन लोगों ने तेज बहने वाली हेलेस्पोंट नदी के किनारे बहादुर अकामास और पिरोस को घेर लिया; भाला चलाने में कुशल सिकोनेस का नेतृत्व यूफेमस ने किया, जो ट्रोजेनस का पुत्र और सेउस का उच्च कुल का पुत्र था।
दूरस्थ एमीडॉन से पाइरेकम्स ने विशाल एक्सियस के किनारों से पेऑन तीरंदाजों को लाया; एक्सियस, पृथ्वी पर बहने वाली सबसे चमकीली धारा।
महान पाइलेमेनीस की बलिष्ठ शक्ति। पैफ्लेगोनियन एनेटी से आए थे (जहाँ से खच्चरों की हठी जाति सबसे पहले प्रकट हुई थी), जिन्होंने साइटोरस और तिल में, और पार्थेनियस के जलक्षेत्र के आसपास अपना घर बनाया था; जो क्रोम्ने और एगियालस में, और ऊँची एरिथिनियन चट्टान पर निवास करते थे।
होडियस और एपिस्ट्रोफस द्वारा चांदी अयस्क के समृद्ध स्रोत, दूरस्थ एलीबे से एलिज़ोनियन टोलियों को लाया गया था।
क्रोमिस, मिसियन और एनोमस का नेतृत्व कर रहा था; एक कुशल शगुनदाता, लेकिन उसका शगुन उसे घोर मृत्यु से नहीं बचा सका; पेलेउस के पुत्र द्वारा नदी में मारा गया, जहाँ कई अन्य ट्रोजन ने उसकी भुजा का वार सहा।
सुदूर अस्कानिया की झील से, फोरसिस के साथ, अस्कैनियस की दिव्य उपस्थिति ने फ्रिगियनों को, खड़े होकर लड़ने में निडर बना दिया।
लिडिया से पाइलेमेनस के दो पुत्र आए, जो गाइगेयन झील से जन्मे थे; एंटिफस और मेस्थल्स; इन दोनों ने मैओनिया की सेनाओं का नेतृत्व किया, जो टमोलस की पहाड़ी के तलहटी के आसपास निवास करते थे।
नास्तेस के नेतृत्व में कैरियन सैनिक आए, जो बर्बर भाषा बोलते थे; जो मिलेटस में रहते थे, और फथिरा की पहाड़ी के घने उलझे हुए जंगल की छाया में, और माइकेल की ऊँची चोटी पर, और मेएंडर की धारा के किनारे; ये नास्तेस और एम्फीमैकस के साथ आए; एम्फीमैकस और नास्तेस, नोमियन के पुत्र; बचकानी मूर्खता के साथ युद्ध में आए, सोने के भंडार से लदे हुए; फिर भी उसका सोना उसे मृत्यु के भाग्य से नहीं

बचा सका; पेलेउस के पुत्र ने उसे नदी में मार डाला; और अकिलीज़ उसकी सारी संपत्ति छीन ले गया।
अंत में सर्पेडन और वीर ग्लौकस ने लाइसिया के दूरस्थ तट से लाइसियाई सेनाओं का नेतृत्व किया, ज़ैंथस की भंवरदार धारा के किनारे।

# तर्क।

**मेनेलास और पेरिस का द्वंद्वयुद्ध।**

सेनाओं के युद्ध के लिए तैयार होते ही, हेक्टर के हस्तक्षेप से मेनेलास और पेरिस के बीच एक एकल युद्ध का निर्णय हुआ। युद्ध का फैसला करने के लिए आइरिस को हेलेन को बुलाने के लिए भेजा गया। वह हेलेन को ट्रॉय की दीवारों तक ले गई, जहाँ प्रियम अपने सलाहकारों के साथ नीचे मैदान में यूनानी नेताओं को देख रहे थे। हेलेन ने उनमें से प्रमुख के बारे में उन्हें जानकारी दी। दोनों पक्षों के राजाओं ने युद्ध की शर्तों के लिए शपथ ली। द्वंद्वयुद्ध शुरू हुआ, जिसमें पेरिस हार गया और वीनस उसे एक बादल में उठाकर उसके कमरे में ले गई। फिर उसने हेलेन को दीवारों से बुलाया और प्रेमियों को मिलाया। यूनानियों की ओर से एगामेम्नन ने हेलेन की वापसी और शर्तों के पालन की मांग की।
इस पुस्तक में तेईसवें दिन की कहानी लगातार जारी रहती है। दृश्य कभी ट्रॉय के सामने के मैदान में, तो कभी ट्रॉय शहर में ही घटित होता है।

# पुस्तक III.

जब उनके अनेक सरदारों द्वारा सैनिकों को पंक्तिबद्ध किया गया, तो पक्षियों के झुंड की तरह शोर और कोलाहल के साथ, ट्रॉय के लोग आगे बढ़े; जैसे सारस, सर्दियों के तूफानों से उड़ते हुए, ऊँचाई पर अपनी बेमेल चीखें भेजते हैं, जबकि समुद्र की धारा के ऊपर वे अपना मार्ग तय करते हैं, और अपने पंखों पर पिग्मीयन जाति के लिए युद्ध और मृत्यु लाते हैं।

दूसरी ओर, यूनानी चुपचाप आगे बढ़ रहे थे, दृढ़ साहस से भरे हुए, एक-दूसरे की सहायता करने के लिए तत्पर। जैसे जब दक्षिणी हवा पहाड़ों की चोटियों पर कोहरे का घना आवरण फैलाती है, जो चरवाहों के लिए अभिशाप है, और केवल रात के चोर के लिए मित्रवत है, तो दृष्टि की सीमा एक पत्थर फेंकने जितनी ही रह जाती है; वैसे ही धूल का बादल उठा, जैसे कतारों में वे तेजी से मैदान पार कर रहे थे। लेकिन जब विरोधी सेनाएँ पास आईं, तो एक पैंथर की खाल उसके कंधों पर पड़ी थी, धनुष और तलवार से लैस होकर, सबके सामने, देवतुल्य पेरिस आगे बढ़ा; उसके हाथ में पीतल की नोक वाले दो भाले थे, और उसने यूनान के सभी सरदारों को घातक युद्ध के लिए चुनौती दी।

जब योद्धा मेनेलास ने भीड़ से घमंडी कदमों से आगे बढ़ते हुए देखा; जैसे कोई भूख से व्याकुल शेर किसी शक्तिशाली शिकारी जानवर, या सींग वाले हिरण, या पहाड़ी बकरी को देखता है, और उल्लास से उछलकर अपने शिकार को मार गिराता है, और भौंकते कुत्तों और उत्सुक युवकों से अछूते शव को खाता है: वैसे ही मेनेलास ने भयंकर आनंद के साथ देवता समान पेरिस को देखा; क्योंकि उसने सोचा कि अब उसका बदला निकट है; और अपनी कार से, हथियारों से लैस होकर, वह मैदान पर कूद पड़ा। लेकिन जब देवतुल्य पेरिस ने उसे देखा, तो वह कांपते हुए हृदय से, पंक्तियों से बेखौफ होकर कूद पड़ा, और मृत्यु के भय से अपने साथियों की शरण में वापस चला गया। जैसे किसी यात्री ने पहाड़ की ढलान पर अपने रास्ते में कुंडली मारकर बैठे एक घातक सांप को देखा, तो वह तुरंत पीछे हट गया, उसके सारे अंग कांप रहे थे और उसका चेहरा पीला पड़ गया था; ठीक वैसे ही वह एट्रीयस के पुत्र, देवता समान पेरिस से डरकर पीछे हट गया, जो ट्रोजन सेना के बीच खड़ा था।

हेक्टर ने कठोर फटकार लगाते हुए कहा: "हे अभागे पेरिस, यद्यपि दिखने में इतने सुंदर हो, हे स्त्री के दास, पुरुषत्व के नकली! काश तू पैदा ही न हुआ होता, या कम से कम अविवाहित ही मर गया होता; तो यह सबके लिए कहीं बेहतर होता, इस प्रकार कलंक और निंदा का जीवन जीने से। लंबे बालों वाले विजयी यूनानी गर्व से शेखी बघार सकते हैं, जो तुझे तेरे बाहरी रूप से हमारे योद्धाओं में श्रेष्ठ समझते हैं; परन्तु वास्तव में तुझमें न तो मानसिक शक्ति है, न ही युद्ध में साहस। कैसे?" क्या तुम कभी ऐसा नहीं कर सकते थे? एक कुलीन दल को, समुद्री जहाजों में, दूसरे देशों के लोगों के साथ, समुद्र पार करने के लिए, सौहार्दपूर्वक घुलमिलकर, और वहाँ से एक सुंदर चेहरे वाली स्त्री को, विवाह बंधन से बंधी हुई, योद्धाओं के एक वंश से, अपने पिता को, अपने राज्य को, अपनी प्रजा को, अंतहीन दुःख का कारण, अपने शत्रुओं की विजय और तुम्हारे प्रति तिरस्कार का कारण बना सकते थे? क्या तुमने युद्धप्रिय मेनेलास से मिलने का साहस किया? तुम्हें अपने कर्मों से उसकी शक्ति का ज्ञान होना चाहिए था, जिसकी दुल्हन को जन्म देने से तुम नहीं डरे। दूर:
तब तुम्हें अपना वीणा व्यर्थ ही मिलेगा,
या वीनस के सौंदर्य और अनुग्रह के उपहार,
या धूल में कुचले हुए तुम्हारे लहराते बाल।
परन्तु ट्रॉय के पुरुष बहुत सहनशील हैं;
अन्यथा तुम्हारे द्वारा राज्य पर किए गए कष्टों के लिए,
इससे पहले कि तुम्हारा शरीर पत्थर में ढल जाता।"
जिस पर देवतुल्य पेरिस ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हेक्टर, मुझे तुम्हारी निंदा को उचित मानना ही होगा, और यह अनुचित भी नहीं है; तुम्हारा निडर साहस न तो रुकता है और न ही थकता है; बल्कि एक कुल्हाड़ी की तरह, जो एक बलवान व्यक्ति के हाथ में, जो किसी नौसैनिक लकड़ी को बिना धार तराशे, दृढ़ लकड़ी को चीरता है और प्रहार करने वाले की शक्ति बढ़ाता है; तुम्हारी योद्धा आत्मा भी उतनी ही अदम्य है। फिर भी मुझे सुनहरी वीनस के उपहारों के लिए दोष मत दो: स्वर्ग के उपहारों को तुच्छ नहीं समझा जाना चाहिए, जो स्वर्ग ने दिए हैं..." दे तो सकता है, पर मनुष्य आज्ञा नहीं दे सकता। लेकिन यदि तू चाहता है कि मैं युद्ध का साहस करूँ, तो आदेश दे कि सभी ट्रोजन और यूनानी जमीन पर बैठ जाएँ; और बीच में योद्धा मेनेलास और मैं

आमने-सामने खड़े हों, हेलेन और युद्ध की लूट के लिए; और जो कोई भी संघर्ष में श्रेष्ठ सिद्ध हो, वह स्त्री और विजय की लूट को घर ले जाए; जबकि तुम, शेष, शांति और मित्रता की शपथ लेकर, उपजाऊ मैदानों पर अपना अधिकार बनाए रखोगे। ट्रॉय; और वे अपने मूल आर्गोस लौटते हैं,
जहाँ वे उत्तम घोड़ों और सुंदर महिलाओं के लिए प्रसिद्ध हैं।"
उसने कहा, और हेक्टर को उसकी बात सुनकर आनंद हुआ: वह बीच में आगे बढ़ा, और अपने भाले से, जिसे उसने कमर से पकड़ा हुआ था, ट्रोजन सेना को रोक दिया। लंबे बालों वाले यूनानियों ने उस पर अपने धनुष ताने, तीरों और पत्थरों से हमला करने के लिए तत्पर; लेकिन सम्राट एगामेम्नन की आवाज जोर से सुनाई दी; "रुको, आर्गिव्स, रुको! हे यूनान के पुत्रों, गोली मत चलाओ! क्योंकि चमकते हेलमेट वाले हेक्टर को, ऐसा लगता है, कोई संदेश देना है।"
उसने कहा; उन्होंने अपने हाथ थाम लिए और चुपचाप प्रतीक्षा करते रहे, जब तक कि हेक्टर ने उन दोनों से इस प्रकार कहा: "अब सुनो, हे ट्रोजन और हे कवचधारी यूनानियों, पेरिस के शब्द, जो इस सारे युद्ध का कारण है। वह मेरे माध्यम से यह मांग करता है कि ट्रॉय की सारी सेना और यूनानी योद्धा अपने चमकीले हथियार जमीन पर रख दें; जबकि बीच में योद्धा मेनेलास और वह स्वयं हेलेन और युद्ध की लूट के लिए आमने-सामने खड़े हों; और जो कोई भी संघर्ष में श्रेष्ठ सिद्ध हो, वह "महिला और विजय के साथ लूट का माल घर ले आओ, जबकि हम बाकी लोग दृढ़ शांति और मित्रता की शपथ लेते हैं।"
इस प्रकार हेक्टर बोला; बाकी सब चुपचाप सुनते रहे; परन्तु मेनेलास, जो युद्ध में साहसी था, ने उत्तर दिया: “अब मेरा उत्तर सुनो; इस झगड़े में मैं सबसे बड़ा हिस्सा पा सकता हूँ; और अब मुझे आशा है कि ट्रोजन और यूनानी उस अंतिम परिणाम को देख सकेंगे जो तुमने इतने लंबे समय तक सहन किया है, मेरे साथ हुए अन्याय का बदला लेने के लिए, जो पेरिस के हाथों हुआ था। और हम दोनों में से जो भी मृत्युदंड का भागी हो, उसे मरने दो! बाकी सब शांति से चले जाओ। फिर दो मेमने लाओ, एक सफेद, दूसरा काला, टेलस और सोल के लिए; हम अपने भाग
शनि के देवता जोव के लिए एक और लाएगा:
और प्रियम की महिमा भी

प्रकट हो, स्वयं हमारी शपथों को पवित्र करने के लिए,
(क्योंकि उसके पुत्र लापरवाह और विश्वासहीन हैं,)
ताकि कोई भी जोव की शपथ का उल्लंघन करने का साहस न करे।
क्योंकि युवाओं की आत्माएं बहुत जल्दी उत्तेजित हो जाती हैं;
लेकिन आदरणीय आयु द्वारा नियंत्रित परिषदों में,
भविष्य और अतीत दोनों का समान रूप से मूल्यांकन किया जाता है,
और सभी हितों के लिए उचित प्रावधान किया जाता है।"
उसने कहा, और यूनानियों और ट्रोजनों ने खुशी से सुना, थका देने वाले युद्ध से राहत की आशा में। उन्होंने रथों को पंक्तियों में लगाया; और वे स्वयं नीचे उतरकर अपने हथियार उतारकर रख दिए, एक दूसरे के बिल्कुल पास, थोड़ी-थोड़ी दूरी पर। हेक्टर ने शहर में दो दूत भेजे, मेमनों को लाने और बूढ़े प्रियम को बुलाने के लिए; जबकि एगामेम्नन को खोखले जहाजों में, मेमनों को लाने के लिए, जल्दी से तल्थिबियस को भेजा गया: उसने सुना, और तुरंत राजा की बात मान ली।
इसी बीच सफेद भुजाओं वाली हेलेन के पास आइरिस तेजी से आई, मानो स्वर्ग की दूत हो: रूप से वह अपने पति की बहन जैसी लग रही थी, जिसे एंटनोर के पुत्र, वीर हेलिकॉन ने पत्नी बनाया था, प्रियम की सभी बेटियों में सबसे सुंदर चेहरे वाली लाओडिस: उसने अपने कक्ष में उसे पाया जिसे वह खोज रही थी: उसने दोहरे ताने और चमकीले रंगों का एक विशाल जाल बुना; जिस पर अनेक कठिन संघर्ष आपस में गुंथे हुए थे, ट्रोजन योद्धाओं और पीतल के कवचधारी यूनानियों के, जिनका सामना मार्स के हाथों हुआ था। उसके पास आइरिस खड़ी थी, और उसने कहा: "आओ, प्यारी बहन, और देखो ट्रोजन योद्धाओं और पीतल के कवचधारी यूनानियों के गौरवशाली कारनामे। जो पहले युद्ध के लिए अधीर थे, युद्ध की दुखद लहर को मैदान पर बहा ले गए थे, अब चुपचाप बैठे हैं, युद्ध का तूफान शांत हो गया है, अपनी ढालों और भालों पर आराम कर रहे हैं।" उनके बगल में उज्ज्वल रूप से खड़ा था; जबकि बीच में पेरिस और योद्धा मेनेलास, तुम्हारे लिए लंबे भाले के साथ तैयार खड़े थे; तुम स्वयं विजय का पुरस्कार और विजेता की पत्नी थी।
जैसे ही हेलेन बोली, उसके हृदय में अपने पूर्व स्वामी, अपने घर और माता-पिता की प्यारी यादें उमड़ आईं; उसने अपने सिर पर एक बर्फीला घूंघट डाल लिया; और

कोमल आँसू बहाते हुए वह आगे बढ़ी, अकेली नहीं; क्योंकि उसके साथ पिटियस की संतान सुंदर एथ्रा और उसकी दो दासियाँ, हिरण जैसी आँखों वाली क्लीमेन भी थीं। वे जल्दी ही स्केयन द्वार पर पहुँच गईं।
वहाँ वृद्ध प्रियम की सेवा में नगर के बुजुर्ग बैठे थे; पैंथस, लैम्पस और थाइमेट्स; क्लिटियस, साहसी आइसेटन और उकालेगॉन, साथ ही बुद्धिमान एंटनोर, जो सलाह-मशविरे में दोनों ही थे: ये सभी स्केयन द्वार पर एकत्रित थे; उम्र के कारण युद्ध से मुक्त, परन्तु चर्चा में प्रचुर मात्रा में, जैसे झिंगुर, जो जंगल के वृक्षों की सबसे ऊँची शाखाओं से अपना मधुर संगीत भेजता है; इलियम के मीनारों पर ट्रॉय के बुद्धिमान सरदार और सलाहकार बैठे थे। उन्होंने हेलेन को मीनार की ओर आते देखा; और एक ने दूसरे से कहा, "इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वीर ट्रोजन और सुगठित यूनानी ऐसी सुंदरता के लिए युद्ध की कठिनाइयों को लंबे समय तक सहन कर सकते हैं; क्योंकि वह देवी जैसी दिखती है; और फिर भी, उसकी सुंदरता के बावजूद, उसे जाने दो, और हम पर और हमारे बेटों पर अभिशाप न लाओ।"
इस प्रकार वे चले गए; परन्तु वृद्ध प्रियम ने हेलेन को पुकारा: "यहाँ आओ, मेरी संतान, और मेरे पास बैठो, जहाँ से तुम अपने पूर्व स्वामी, उनके रिश्तेदारों और अपने मित्रों को पहचान सकती हो (मैं तुम्हें दोष नहीं देती, परन्तु इस दुखद युद्ध के लिए मैं देवताओं की ऋणी हूँ), मुझे उस पराक्रमी सरदार का नाम बताओ, जो यूनानियों में एक वीर और बलवान योद्धा है: कद में दूसरे उससे कहीं अधिक हैं; परन्तु मेरी आँखों ने ऐसा महान रूप पहले कभी नहीं देखा, न ही इतना भव्य; वह सचमुच एक राजा है!"
हे स्वर्गिक सौंदर्य की देवी हेलेन ने उत्तर में कहा: "हे प्रिय पिता, मैं आदर और लज्जा से आपकी ओर देखती हूँ: काश, मैं उसी दिन मर गई होती जब मैं आपके पुत्र के साथ यहाँ आई थी, और अपने पति, मित्रों और प्रिय बच्चे को, और अपने यौवन के सभी प्रिय साथियों को छोड़कर चली गई थी: काश, मैं न मरी होती, मैं दुःख से व्याकुल हो रही हूँ। परन्तु आपके प्रश्न का उत्तर मैं सत्य-सत्य बताऊँगी; वह सरदार एगमेमन है, एट्रेस का पुत्र, विशाल शासन वाला, शक्तिशाली सम्राट, अच्छा शासक, और वीर योद्धा; मेरे पति के नाम पर, मैं खोई हुई हूँ, फिर भी मैंने एक बार उन्हें भाई कहा था।
उसने कहा: बूढ़ा आदमी प्रशंसा भरी निगाहों से देखता रहा और चिल्लाया, "हे धन्य एट्रीडेस, सौभाग्यशाली संतान, स्वर्ग की कृपापात्र! कितने ही महान यूनानी तेरे शासन

का पालन करते हैं! एक बार अंगूर की लताओं से ढके फ्रिगिया में मैंने फ्रिगियाई योद्धाओं की सेना को अपने तेज घोड़ों पर सवार होते देखा; और उनके साथ, ओट्रियस और देवतुल्य राजा माइगडन के सभी दल भी थे, जो संगारियस नदी के किनारे डेरा डाले हुए थे: मैं भी उनके साथ उस दिन शामिल था, जब मैं उनसे युद्ध के मैदान में मिला था।" अमेज़न महिलाएं, वे महिला योद्धा थीं; लेकिन उनकी सारी सेनाएँ तेज निगाहों वाले यूनानियों की संख्या तक नहीं पहुँच पाईं।
इसके बाद यूलिसिस ने बूढ़े व्यक्ति को देखा और पूछा, "प्यारे बच्चे, मुझे फिर से बताओ, यह कौन हो सकता है, कद में एट्रेस के शाही बेटे से छोटा, लेकिन चौड़े कंधों और चौड़ी छाती वाला। उसकी भुजाएँ उपजाऊ मैदान पर फैली हुई हैं, लेकिन वह स्वयं पंक्तियों के बीच से गुजर रहा है, एक पूरी तरह से ऊन से लदे मेढ़े की तरह निरीक्षण कर रहा है, जो बर्फ जैसी सफेद भेड़ों के झुंड के बीच राजसी ढंग से चलता है।"
जिस पर बृहस्पति की संतान हेलेन ने इस प्रकार उत्तर दिया: "वह बुद्धिमान यूलिसिस, लेर्टेस का पुत्र: यद्यपि बीहड़ इथाका में पला-बढ़ा, फिर भी प्रत्येक रणनीति और गहरी युक्ति में पारंगत था।" "हे स्त्री," तब ऋषि एंटनोर ने कहा, "मैं तुम्हारे इन शब्दों की सत्यता की पुष्टि कर सकता हूँ; क्योंकि जब तुम्हारे कारण यहाँ पर वीर मेनेलास और यूलिसिस आए, तो मैंने उन्हें अपने घर में ठहराया और उन दोनों से प्रेम किया, और उनके स्वभाव और बुद्धि का अच्छी तरह अध्ययन किया।" प्रत्येक। जब वे सामाजिक वेशभूषा में ट्रोजनों के साथ घुलमिल गए, जब दोनों खड़े थे, तो अपने साथी से ऊँचा, चौड़े कंधों वाला मेनेलास खड़ा था; बैठे हुए, यूलिसिस अधिक गरिमामय था: फिर, महान सभा में, जब उन्होंने सभी के सामने अपना सार्वजनिक भाषण और तर्क प्रस्तुत किया, मेनेलास धाराप्रवाह भाषा में बोला, यद्यपि शब्द कम थे, फिर भी स्पष्ट थे; यद्यपि वह कम उम्र का था, वह शब्दों का अनावश्यक बखान करने वाला नहीं था: लेकिन जब कुशल यूलिसिस बोलने के लिए उठा, वह उदास चेहरे के साथ खड़ा रहता, उसकी आँखें जमीन पर झुकी रहतीं; वह अपने हाथ में पकड़ी हुई छड़ी को न तो पीछे हिलाता, न आगे, बल्कि एक अनपढ़ की तरह उसे स्थिर रखता; जो कोई उसे देखता, वह कहता कि वह पागल है या बुद्धिहीन है; लेकिन जब उसकी छाती से गहरी आवाज निकलती, सर्दियों की बर्फ के टुकड़ों की तरह गिरने वाले शब्दों के साथ, तो

कोई भी नश्वर यूलिसिस से तुलना नहीं कर सकता था: तब हम उसके बाहरी दिखावे पर जरा भी ध्यान नहीं देते थे।
एजैक्स को देखते ही बूढ़े व्यक्ति ने पूछा, “वह दूसरा योद्धा कौन है, बहादुर और बलवान, जो अपने चौड़े सिर और कंधों से सबसे ऊपर खड़ा है?”
हे स्वर्गिक सौंदर्य की देवी हेलेन ने उत्तर देते हुए कहा: "विशालकाय एजैक्स, जो यूनान का आधार था; और उसके बगल में क्रीट का इडोमेनियस, क्रीट के सरदारों से घिरा हुआ, देवतुल्य खड़ा है। जब वह क्रीट से आता था, तो योद्धा मेनेलास अक्सर हमारे महल में उसका स्वागत करता था। अब मैं अन्य सभी तेज निगाहों वाले यूनानियों को देखती हूँ, जिन्हें मैं एक समय जानती थी, और अब नाम से पुकार सकती हूँ; लेकिन दो को मैं याद करती हूँ, सेना के दो कप्तान, मेरे अपने दो भाई, और मेरी माँ के पुत्र, कैस्टर।" और पोलक्स; कैस्टर, सारथी
अद्वितीय, पोलक्स, बेजोड़ मुक्केबाज।
क्या वे लैकेडेमोन में ही रह गए हैं?
या ऐसा हो सकता है कि वे समुद्री जहाजों में आए हों, लेकिन योद्धाओं की लड़ाई में शामिल होने से कतरा रहे हों, शर्मिंदगी और गहरे अपमान के डर से, जो मेरे नाम पर लगता है?
इस प्रकार वह; लेकिन वे घनी आबादी वाली धरती के नीचे, लैकेडेमोन में, अपनी जन्मभूमि में स्थित थे।
इस बीच, शहर भर में दूतों ने देवताओं को संधि भेंटें अर्पित कीं; मेमने, और मिट्टी की उपज से बनी उत्तम शराब, बकरी की खाल की बोतलों में: साथ ही एक चमकदार सुराही, और सोने के प्याले, इडेयस लाया, और बूढ़े राजा के बगल में खड़ा हो गया, और इस प्रकार बोला: "लाओमेडोन के पुत्र, उठो! ट्रोजन योद्धाओं और पीतल के कवचधारी यूनानियों के सरदार युद्ध के मैदान में तुम्हारी उपस्थिति की मांग कर रहे हैं, युद्धविराम की शपथ लेने के लिए; जहाँ बीच में पेरिस और योद्धा मेनेलास हेलेन और उसके लिए लंबे भाले के साथ तैयार खड़े हैं।" युद्ध की लूट का माल, ताकि जो कोई भी युद्ध में श्रेष्ठ सिद्ध हो, वह विजय के साथ स्त्री और लूट का माल घर ले जा सके; जबकि हम, शेष लोग, शांति और मित्रता की शपथ लेकर, ट्रॉय के उपजाऊ मैदानों पर अपना अधिकार बनाए रखेंगे; और अपने मूल आर्गोस लौटेंगे।

उसने कहा; बूढ़ा उसके शब्दों से कांप उठा:
लेकिन उसने तुरंत अपने साथियों को आदेश दिया।
अपने रथ को जोतने के लिए; और उन्होंने उसकी बात मान ली।
प्रियम ऊपर चढ़ते हुए लगाम समेट ली,
और एंटनोर के साथ, दोनों
अपने तेज घोड़ों को लेकर स्केयन द्वार से होकर निकल गए।
लेकिन जब वे विरोधी पंक्तियों के बीच आए, रथ से उतरकर वे पैदल ही आगे बढ़े, ट्रोजन और यूनानी सेनाओं के बीच। तब मनुष्यों के राजा एगामेम्नन उठे, ऋषि यूलिसिस उठे; आगे की ओर, दूत देवताओं को भेंट लेकर आए, और उन्होंने मदिरा को मदिरा में मिलाया, और राजाओं के हाथों पर पवित्र जल उंडेला। फिर एट्रेस के पुत्र ने अपना खंजर निकाला, और जैसा कि प्रथा थी, उसे अपनी बड़ी तलवार के मूठ के पास लटका दिया। और उसने पीड़ित के सिर से पवित्र लट काट दी, जिसे ट्रॉय और ग्रीस के सरदारों को दूतों ने बांटा था। फिर उसने हाथ ऊपर उठाकर ज़ोर से प्रार्थना की: "हे पिता बृहस्पति! जो इडा की ऊँचाई से शासन करते हो, हे महान! हे महिमावान! और हे सूर्य, जो सब कुछ देखते और सुनते हो! नदियों! और हे पृथ्वी! और हे, जो मृत्यु के बाद पृथ्वी के नीचे अपने प्रतिशोध से झूठे लोगों की आत्माओं को दंडित करते हो, तुम सब साक्षी हो, और यह हमारी वाचा है।" रक्षक।
यदि मेनेलास पेरिस के हाथों मारा जाए,
तो उसे हेलेन और लूट का माल दोनों रखने दो,
जबकि हम अपने जहाजों में अपने घर की ओर प्रस्थान करें;
यदि पेरिस मेनेलास द्वारा मारा जाए,
तो ट्रॉय हेलेन और लूट का माल सौंप देगा,
ग्रीस को देय मुआवजे के साथ, ताकि
भविष्य के दिनों के लिए एक अभिलेख बना रहे।
लेकिन, यदि पेरिस मारा जाए, और प्रियम और उसके पुत्र
वादा किया गया मुआवजा रोक लें,
तो यहाँ, युद्ध में अपने अधिकारों का दावा करने के लिए,
मैं अंत तक रहूँगा।

इस प्रकार जैसे ही वह बोला, उसने पीड़ितों के गले पर निर्दयी तलवार खींची, और उन्हें जमीन पर हांफते हुए लिटा दिया, जैसे ही जीवन की धारा बह निकली, तलवार ने उनकी शक्ति को वश में कर लिया। फिर, उन्होंने सुराही से शराब निकाली; और शाश्वत देवताओं से प्रार्थना की; और इस प्रकार ट्रोजन और यूनानियों से संयुक्त याचिका उठी; हे बृहस्पति! हे महानतम! हे स्वर्गिक शक्तियों! कृपा करो, जो कोई भी इस पवित्र संधि को भंग करेगा, ठीक उसी प्रकार जैसे हम यह मदिरा उंडेलते हैं, उनके हृदयों का उत्तम रक्त, उनका और उनके बच्चों का, पृथ्वी पर बहाया जाए, और अजनबी उनकी पत्नियों को अपने अधीन कर लें!
इस प्रकार उन्होंने प्रार्थना की; परन्तु बृहस्पति, अटल, ने उनकी प्रार्थना सुन ली।
अनुष्ठान संपन्न होने पर, वृद्ध प्रियम बोले:
"मेरी बात सुनो, हे ट्रोजनों, और हे कवचधारी यूनानियों!
मैं अब इलियम की हवादार ऊँचाइयों पर लौटता हूँ,
क्योंकि मेरी आँखें यह दृश्य सहन नहीं कर पाएँगी
युद्धप्रिय मेनेलास और मेरे पुत्र को
घातक युद्ध में लगे हुए; इन दोनों में से किसे मृत्युदंड दिया जाएगा, यह केवल बृहस्पति और स्वर्ग की अमर शक्तियों को ही ज्ञात है।"
इस प्रकार देवतुल्य राजा ने कहा; और रथ पर उसने पवित्र किए गए मेमनों को रखा; स्वयं रथ पर चढ़कर उसने लगाम समेटी, और एंटनोर को अपने साथ लेकर दोनों इलियम की दीवारों की ओर अपने घर की ओर लौट गए।
फिर प्रियम के पुत्र हेक्टर ने, ऋषि यूलिसिस के साथ मिलकर, निर्धारित स्थान का मापन किया; इसके बाद, पीतल से बंधे हेलमेट में पर्ची डाली गई, यह तय करने के लिए कि दोनों में से कौन पहले भाला फेंकेगा। भीड़ ने, हाथ ऊपर उठाकर, देवताओं से प्रार्थना की, ट्रोजन और यूनानी दोनों ने, "हे पिता बृहस्पति! जो इडा की ऊँचाई से शासन करते हैं, हे महान! हे महिमावान! कृपा करें कि जिसने भी हमारी दोनों सेनाओं पर यह उथल-पुथल मचाई है, उसे मृत्यु का दंड मिले, और हम, शेष, दृढ़ शांति और स्थायी मित्रता की शपथ लेते हैं।
इस प्रकार वे; चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर,
आँखें फेरकर, हेलमेट हिलाया; और आगे

पेरिस का भाग्य निकला; ज़मीन पर
बाकी सब पंक्तियों में लेट गए, जहाँ प्रत्येक के पास
उनके फुर्तीले घोड़े और चमकते हथियार रखे थे।
फिर अपने कंधों पर सुनहरे बालों वाले हेलेन के स्वामी,
देवतुल्य पेरिस ने अपना चमकीला कवच पहना:
पहले उसने अपने पैरों पर अच्छी तरह से गढ़े हुए ग्रीव्स लगाए,
जो चांदी के क्लिप से बंधे थे; उसकी चौड़ी छाती पर एक कवच था, जो उसके भाई लाइकान द्वारा उधार दिया गया था, लेकिन जो उसके शरीर पर अच्छी तरह से फिट बैठता था। उसके कंधों पर उसकी तलवार लटकी हुई थी, पीतल की धार वाली, चांदी से जड़ी हुई; फिर उसकी ढाल, भारी और मजबूत; और उसके दृढ़ सिर पर एक हेलमेट था, जो अच्छी तरह से गढ़ा हुआ था, घोड़े के बालों के पंख से सजा हुआ था, जो उसके माथे पर भय से लहरा रहा था; उसके हाथ में उसका परिचित भाला था। वह शत्रु योद्धा समान रूप से तैयार खड़ा था।
वे भीड़ से अलग होकर अपने कवच धारण करके बाहर आए: और एक दूसरे को घृणा भरी निगाहों से देखते हुए, उन्होंने एक दूसरे को देखा: आश्चर्य और प्रशंसा से ट्रोजन योद्धा और सुगठित यूनानी, मानो मापी हुई भूमि के केंद्र में आमने-सामने खड़े हों, और अपने कांपते भाले तैयार किए। पहले पेरिस ने अपना भारी भाला फेंका, और एट्रीड्स की ढाल के ठीक बीच में प्रहार किया, लेकिन उसे भेद नहीं पाया; उस कठोर ढाल पर भाले की नोक मुड़ गई; तब मेनेलास ने अपना हथियार फेंकते हुए बृहस्पति से प्रार्थना की: "हे महान राजा, जिसने मुझ पर अकारण अन्याय किया है, पेरिस को मेरी भुजा से उचित दंड प्राप्त करने की शक्ति दें; ताकि आने वाले दिनों में लोग अपने मेजबान को चोट पहुँचाने से डरें और उसके आतिथ्य सत्कार का बदला धोखे से चुकाएँ।"
उसने कहा, और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका:
ठीक बीचोंबीच ढाल पर लगा;
मजबूत भाला ढाल के आर-पार निकल गया,
और शानदार कवच को भेदते हुए, और अंदर से

लिनेन की बनियान को चीरता हुआ निकल गया; लेकिन पेरिस, पीठ झुकाकर, झुक गया, और मृत्यु के भाग्य से बच गया।
फिर एट्रीड्स ने अपनी चांदी जड़ी तलवार को ऊँचा उठाया और पेरिस के हेलमेट पर एक जोरदार प्रहार किया; लेकिन उसके हाथ में कांपते हुए, अनगिनत टुकड़ों में बिखर गई वह विश्वासघाती तलवार। फिर आकाश की ओर आँखें उठाकर, एट्रीड्स ने बृहस्पति से विलाप किया: "हे पिता बृहस्पति! सभी देवताओं में, तू सबसे शत्रुतापूर्ण है! पेरिस के सिर पर मैंने उसके सभी अपराधों का बदला लेने की आशा की थी; लेकिन मेरी पकड़ में मेरी विश्वासघाती तलवार चकनाचूर हो गई है, और मेरा भाला व्यर्थ ही मेरे हाथ से निकल गया है, और मेरे शत्रु तक नहीं पहुँचा है।" फिर घोड़े के बालों के पंख को पकड़कर वह आगे बढ़ा। शत्रु का हेलमेट, और चारों ओर मरोड़ते हुए, अच्छी तरह से कवचधारी यूनानियों के बीच मुख्य बल द्वारा घसीटा गया। कढ़ाईदार पट्टा, जो उसकी दाढ़ी के नीचे से गुजरा, हेलमेट को थामे हुए था, योद्धा का गला दबा हुआ था: तब एट्रीड्स उसे मैदान से घसीटकर ले गया, और अनंत प्रसिद्धि प्राप्त की; लेकिन शुक्र की संतान वीनस ने अपने प्रियतम के खतरे को तुरंत भांप लिया। और उसने बैल की कठोर खाल की कसने वाली पट्टी तोड़ दी। उसके चौड़े हाथ में खाली हेलमेट रह गया। उनके योद्धा ने ट्रॉफी को अच्छी तरह से कवचधारी यूनानियों के बीच घुमाया, और उसके उत्साही साथियों ने उसे छीन लिया; जबकि वह क्रोधित होकर प्रियम के पुत्र पर जानलेवा इरादे से टूट पड़ा; लेकिन प्रेम की रानी ने (जैसा कि केवल देवता ही कर सकते हैं) उसे मैदान से एक धुंधले बादल में लपेटकर ले गई। और एक सोफे पर, मीठी खुशबूएँ साँस ले रही थीं, उसने उसे धीरे से लिटा दिया; फिर हेलेन की तलाश में चला गया; उसे उसने पाया, इलियम के टॉवर पर, ट्रोजन महिलाओं से घिरी हुई: देवी ने उसे उसके हवादार वस्त्र से थामे रखा, और एक वृद्ध महिला के रूप में, जिसने अक्सर उसके लिए, स्पार्टा में रहते हुए, कई सुंदर ऊन बुने थे, और उससे बहुत प्यार किया था, उससे इस प्रकार कहा: "आओ, हेलेन, अपने घर; आओ, पेरिस तुम्हें बुला रहा है; अपने कक्ष में वह तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है, आलीशान पलंग पर आराम करते हुए, कीमती वस्त्रों में, मर्दाना सुंदरता से सुशोभित: नहीं क्या तुम इसे योद्धाओं का युद्ध मानोगे? वह देर से आया था, लेकिन नृत्य की तैयारी के लिए, या नृत्य के सुखद परिश्रम से विश्राम करने के लिए।

उसने कहा, और हेलेन की आत्मा उसके भीतर हिल उठी; और जब उसने देवी की सुंदर गर्दन, उनके प्यारे वक्ष और उनकी चमकती आँखों को देखा, तो वह आश्चर्य से देखती रही और उनसे इस प्रकार बोली: "हे महान देवी, मुझे इस प्रकार अपना खेल क्यों बना रही हो? क्या तुम मुझे यहाँ से बहुत दूर ले जाना चाहती हो? किसी सुंदर फ्रिगियन या मेओनियन नगर में, यदि वहाँ किसी मनुष्य ने तुम्हारा अनुग्रह प्राप्त कर लिया हो? या, क्योंकि मेनेलास ने युद्ध के मैदान में पेरिस को हरा दिया है, और अभी भी चाहता है कि मैं, उसकी अभिशाप, उसे अपने घर लौट जाना चाहिए;
यहाँ तुम फिर से अपनी चालें चलने के लिए पाई जाती हो!
तो तुम स्वयं जाओ! अपने देवत्व का त्याग करो!
ओलंपस का त्याग करो! उस पर अपनी दया और देखभाल लुटाओ! हो सकता है वह तुम्हें अपनी पत्नी—कम से कम अपनी प्रेमिका—बल्कि बना ले!
परन्तु मैं वहाँ नहीं जाऊँगी! यह घोर शर्म की बात होगी
फिर से उसके बिस्तर को साझा करना; ट्रॉय की स्त्रियाँ मुझे एक कहावत के रूप में याद रखेंगी; और अभी भी
मेरी आत्मा अंतहीन दुःख से ग्रस्त है।"
क्रोधित होकर स्वर्गिक वीनस ने उससे कहा: "मुझे क्रोधित मत करो, मूर्ख! कहीं ऐसा न हो कि मैं क्रोध में आकर तुझे पूरी तरह त्याग दूं, और जैसा मैंने पहले प्रेम किया है, वैसे ही तुझे अपनी घृणा का पात्र बना दूं; और ट्रोजन और यूनानियों के बीच ऐसे भयंकर झगड़े भड़का दूं, जो दोनों तुझ पर लाएंगे।"
उसने कहा; और कांप उठी हेलेन, बृहस्पति की संतान; वह चुपचाप उठी; बर्फ़ जैसे सफ़ेद घूंघट में, पूरी तरह चमकती हुई, ढकी हुई; देवी के नेतृत्व में, वह ट्रोजन महिलाओं द्वारा अनदेखी करते हुए गुज़री। लेकिन जब वे पेरिस के शानदार घर में आईं, तो उसके चारों ओर उमड़ पड़ीं, उसकी परिचारिकाओं ने अपनी कर्तव्यपरायण सेवा दी; ऊंचे हॉल से होकर, रानी जैसी गरिमा के साथ, देवी समान स्त्री गुज़री।
हँसमुख देवी ने पेरिस के बगल में एक आसन रखा। वहाँ हेलेन बैठी थी, कवचधारी बृहस्पति की संतान, झुकी हुई आँखों से, फिर भी उसने अपने स्वामी को तीखे शब्दों में संबोधित किया: "युद्ध से लौट आए? काश तुम वहाँ एक योद्धा की भुजाओं के नीचे मर गए होते, जिसे मैंने कभी अपना पति कहा था! तुमने पहले व्यर्थ ही अपनी भुजा,

अपने निडर साहस और अपने भाले पर घमंड किया था कि वह योद्धा मेनेलास को वश में कर लेगा! अब फिर जाओ और योद्धा मेनेलास को युद्ध के लिए चुनौती दो। सावधान रहो! मैं तुम्हें चेतावनी देती हूँ, रुक जाओ, इससे पहले कि तुम पागल हो जाओ।" तू सुनहरे बालों वाले मेनेलास से मुकाबला करने का साहस कैसे कर सकता है! जल्द ही तू उसके विजयी भाले के नीचे गिर जाएगा।
जिस पर पेरिस ने इस प्रकार कहा: "इस प्रकार मेरी आत्मा को तीव्र निंदाओं से मत निचोड़ो: अब, पल्लास की सहायता से, मेनेलास ने विजय प्राप्त कर ली है; परन्तु मेरा दिन भी आएगा: मैं भी अपने रक्षक देवताओं पर गर्व कर सकता हूँ। परन्तु अब हम प्रेम और प्रेम के आनंद की ओर मुड़ें; क्योंकि तुम्हारी सुंदरता ने मेरी इंद्रियों को कभी इतना प्रज्वलित नहीं किया; न तब जब मैं तुम्हें पहली बार लैकेडेमोन से अपने समुद्री जहाजों में ले गया था, और क्रैने द्वीप पर तुम्हारे प्रेम में मग्न था, जैसा कि अब यह मेरी आत्मा को प्रेममयी इच्छा से भर देता है।"
उसने कहा, और उसे विवाह पलंग पर ले गया; वह अपने स्वामी के पीछे-पीछे गई; और जब वे वहाँ उस बहुमूल्य जड़ाऊ पलंग पर लेटे थे, तभी एट्रीड्स, एक पराजित शेर की तरह, भीड़ के बीच दौड़ पड़ा, मानो उसे देवदूत पेरिस मिल जाए। लेकिन ट्रोजन और उनके बहादुर सहयोगियों में से कोई भी योद्धा मेनेलास की खोज में उसकी सहायता नहीं कर सका; ऐसा नहीं था कि प्रेम के कारण कोई भी जानने वाला उसे उसके क्रोध से बचा पाता, क्योंकि वे सभी उसे मृत्यु की छाया के समान घृणा करते थे: तब महान एगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, ने कहा: "मेरी बात सुनो, हे ट्रोजन, डार्डन और सहयोगियों! यह स्पष्ट है कि योद्धा मेनेलास विजय का पुरस्कार लेकर बैठा है: तो तुम सब आर्गिव हेलेन और लूट का माल सौंप दो।" युद्ध, ग्रीस को देय मुआवजे के साथ, ताकि भविष्य के दिनों के लिए एक रिकॉर्ड बना रहे।
इस प्रकार उसने ऐसा किया; यूनानियों ने सहमति जताते हुए उसकी बातों का उत्साहवर्धन किया।

## तर्क।

**युद्धविराम का उल्लंघन और पहला युद्ध।**

ट्रोजन युद्ध के संबंध में देवताओं ने परिषद में विचार-विमर्श किया: उन्होंने युद्ध जारी रखने पर सहमति जताई, और बृहस्पति ने संधि भंग करने के लिए मिनर्वा को भेजा। उसने पंडारस को मेनेलास पर तीर चलाने के लिए प्रेरित किया, जिससे मेनेलास घायल हो गया, लेकिन माचोन ने उसका उपचार किया। इसी बीच ट्रोजन सेना के कुछ सैनिकों ने यूनानियों पर हमला कर दिया। एगामेम्नन एक कुशल सेनापति के सभी गुणों से परिपूर्ण था; उसने सैनिकों का निरीक्षण किया और कुछ नेताओं को प्रोत्साहित किया, कुछ की प्रशंसा की और कुछ को फटकारा। नेस्टर अपनी सैन्य अनुशासन के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध था। युद्ध शुरू हुआ और दोनों पक्षों से भारी संख्या में सैनिक मारे गए।

इस पुस्तक में भी वही दिन जारी रहता है, जैसा कि पिछली पुस्तक में था; यही सिलसिला अगली दो पुस्तकों में भी जारी रहता है, और लगभग सातवीं पुस्तक के अंत तक चलता है। पूरा दृश्य ट्रॉय के सामने के मैदान में घटित होता है।

# पुस्तक IV.

सुनहरे फुटपाथ पर, बृहस्पति के मंच के चारों ओर, देवता एकत्रित थे; बीच में हेबे ने मीठा अमृत उंडेला; वे, सोने के प्यालों में, एक दूसरे से प्रतिज्ञा करते हुए, ट्रॉय की ओर नीचे देख रहे थे। फिर बृहस्पति ने तीखे शब्दों और उपहास भरे लहजे में, जूनो के क्रोध को भड़काना शुरू किया: "दो देवियाँ मेनेलास के लिए लड़ रही हैं, हे जूनो, आर्गोस की रानी, और तेरे साथ मिनर्वा, योद्धाओं की ढाल; परन्तु तुम दोनों, दूर बैठी, मानो प्रसन्न होकर देख रही हो; जबकि हँसमुख वीनस, पेरिस के बगल में खड़ी होकर, उसके भाग्य को टालती है, और जब वह उसे बचाती है, अब, मृत्यु की प्रतीक्षा करते हुए।

हम योद्धा मेनेलास के पक्ष में फैसला सुनाते हैं,
कि उसे जीत प्राप्त होगी; लेकिन अब हम विचार करें कि परिणाम क्या होगा; क्या हम फिर से भयंकर युद्ध और कलह का नाम रोशन करेंगे,
या दोनों पक्ष शांति और मित्रता में शामिल होंगे।
मेरे लिए, यदि आपकी सामान्य राय इस प्रकार है,
तो प्रियम का शहर बना रहे, और हेलेन को योद्धा मेनेलास के पास वापस लाया जाए।"

ऐसा देवता ने कहा; लेकिन बगल-बगल बैठीं जूनो और पल्लास की निगाहें आपस में मिल गईं, जो ट्रॉय के लिए अशुभ संकेत था; पल्लास वास्तव में चुप बैठी रही; और यद्यपि वह भीतर ही भीतर बृहस्पति से क्रोधित थी, फिर भी उसने एक शब्द भी नहीं कहा; लेकिन जूनो का हृदय क्रोध से भर उठा और उसने कहा: "हे शनि के भयानक पुत्र, तू क्या कह रहा है? तू मेरे परिश्रम और घोड़ों की मेहनत को व्यर्थ और फलहीन कैसे करना चाहता है, लोगों को भड़काकर, और स्वयं प्रियम और उसकी संतान पर विपत्ति लाकर? जैसा तू चाहे वैसा कर! लेकिन हमारी सहमति के बिना नहीं।"

क्रोध में आकर बादल-संयोजक ने उससे कहा: "प्रतिशोधी! प्रियम और उसके पुत्रों ने तुझे इतना गहरा आघात कैसे पहुँचाया कि तू इस प्रकार अदम्य क्रोध से पीछा कर रहा है, जब तक कि तू ट्रॉय की मजबूत दीवारों को ध्वस्त न कर दे? क्या तू द्वार तोड़कर अंदर प्रवेश कर सकता है, और प्रियम के क्षत-विक्षत शरीर, उसके पुत्रों और सभी ट्रोजनों का रक्त भोज बना सकता है? शायद अंततः तेरा क्रोध शांत हो जाए।

परन्तु अपनी इच्छा पूरी कर, अन्यथा भविष्य में ऐसा न हो।" कभी-कभी मेरे और तेरे बीच फिर से कलह का कारण बनता है। फिर भी मेरी बात सुनो और जो मैं कहता हूँ उस पर विचार करो: यदि भविष्य में कभी मेरी इच्छा किसी ऐसे शहर को नष्ट करने की हो, जिसमें तेरे प्रिय लोग बसे हों, तो मेरे क्रोध को टालने की कोशिश मत करना, बल्कि मेरे समान ही झुक जाना, सहमति से, परन्तु ऐसे हृदय से जो सहमत न हो; क्योंकि सूर्य और तारों भरे आकाश के नीचे, नश्वर मनुष्यों के निवास स्थान, सभी सुंदर शहरों में से, पवित्र ट्रॉय जैसा कोई भी मेरी आत्मा को प्रिय नहीं था। प्रियम स्वयं और प्रियम का योद्धा वंश। क्योंकि पेय-अर्पण और मेमनों की चर्बी से, मेरी वेदी को उनके हाथों से भोजन मिलता रहा है; ऐसा सम्मान हमें सदा से मिलता रहा है।
हिरण जैसी आँखों वाली जूनो ने इस प्रकार उत्तर दिया: "तीन नगर हैं, जो मेरे हृदय के सबसे प्रिय हैं; आर्गोस, स्पार्टा और समृद्ध माइसेना की विशाल सड़कें; उन पर अपनी इच्छा पूरी करो; यदि वे तुम्हारे क्रोध को भड़काएँ तो उन्हें नष्ट कर दो; मैं न तो हस्तक्षेप करूँगी और न ही तुम्हें रोकूँगी; मैं उनके लिए शोक मनाऊँगी; अनिच्छा से उनका पतन देखूँगी, परन्तु विरोध नहीं करूँगी; क्योंकि तुम्हारी इच्छा सर्वोपरि है। फिर भी क्या मेरा सारा परिश्रम व्यर्थ नहीं जाएगा; क्योंकि मैं भी एक देवी हूँ; मेरा रक्त तुम्हारा है; सबसे बड़ी होने के नाते सम्मान के योग्य हूँ।" गहरे इरादे वाले शनि और तेरी पत्नी से जन्मी; हे समस्त अमरों पर परम आधिपत्य रखने वाली तेरी पत्नी। परन्तु हम एक दूसरे के अधीन हो जाएँ, मैं तेरे अधीन और तू मेरे अधीन; अन्य सभी देवता हमारे द्वारा शासित होंगे। तब पल्लास को आदेश दे कि वह ग्रीस और ट्रॉय के युद्धक्षेत्र में शीघ्र जाए और ऐसी योजना बनाए कि ट्रोजन पहले संधि तोड़ दें और यूनानी आक्रमण करें।
उसने कहा: देवताओं और मनुष्यों के पिता ने आज्ञा का पालन किया, और इस प्रकार पंखदार शब्दों में पल्लास से कहा: "जल्दी से ग्रीस और ट्रॉय के युद्धक्षेत्र में जाओ, और ऐसी योजना बनाओ कि पहले ट्रोजन संधि तोड़ दें, और यूनानी आक्रमण करें।" उसके शब्दों ने पलास के उत्साह को नई प्रेरणा दी, और वह ओलंपस की ऊंचाइयों से जल्दी से निकल पड़ी; एक उल्कापिंड की तरह, जो गंभीर शगुन का संदेश देता है, युद्धरत सेनाओं या समुद्री यात्रियों के लिए, गहरे इरादे वाले शनि का पुत्र भेजता है, चमकीली, चारों ओर बिखरती हुई अग्नि चिंगारियाँ, नीली आँखों वाली देवी पृथ्वी पर

उतरी, और बीच में प्रकाशमान हुई; ट्रोजन योद्धा और कवचधारी यूनानी आश्चर्यचकित रह गए; और एक-दूसरे की ओर देखकर बोले, "इस संकेत का क्या अर्थ है? क्या फिर से भयंकर युद्ध छिड़ेगा? या हम बृहस्पति से सौम्य शांति की आशा कर सकते हैं, जो मानवजाति को शांति और युद्ध दोनों प्रदान करता है?" यूनानियों और ट्रोजनों के बीच यही बातचीत चल रही थी। इसी बीच, ट्रोजन सेना के बीच, एंटनोर के पुत्र, लाओडोकस, एक बलवान और बहादुर भालाधारी योद्धा के वेश में, पल्लास इधर-उधर खोज रही थी, शायद उसे कुछ मिल जाए। उसने पाया कि देवतुल्य पंडारस; लाइकॉन का पुत्र, कुलीन वंश और बलवान रूप वाला, अपने मजबूत दल से घिरा खड़ा था, जो एसेपस के अनुयायियों से बना था। वह उसके बगल में खड़ी हुई और उससे इस प्रकार बोली:
"क्या तू मेरे अधीन रहना चाहता है, लिकॉन के पुत्र? यदि तू मेनेलास पर अपना पंखयुक्त बाण चला पाता, तो तेरी प्रसिद्धि महान होती, और ट्रॉय के लोगों में तेरा अनुग्रह बढ़ता, और विशेष रूप से पेरिस में; उसके हाथों तुझे भरपूर पुरस्कार मिलता, जब वह सुनता कि वीर मेनेलास तेरे बाण से पराजित होकर चिता पर रखा गया है। तब तू एट्रीयस के गौरवशाली पुत्र पर अपना धनुष तान, जिसने लिसिया के संरक्षक फोएबस से प्रतिज्ञा की थी।" हे भगवान, धनुर्धर राजा, प्रथम मेमनों का भुगतान करने के लिए, एक बड़ा बलिदान, जब घर लौटा, ज़ेलेया के पवित्र नगर में सुरक्षित। इस प्रकार उसने कहा; और, मूर्ख, उसने उसकी बात सुनी। उसने तुरंत अपना चमकीला धनुष निकाला, उसका लूटा हुआ माल, एक पहाड़ी आइबेक्स से जीता हुआ, जिसे उसने स्वयं, घात लगाकर, छाती में तीर से मारा था, अपने लक्ष्य पर अडिग, जैसे किसी चट्टान के पीछे से, वह दिखाई दिया; वह चट्टान पर औंधा गिर पड़ा;
उसके सिर पर सोलह ताड़ के सींगों का मुकुट था;
इन्हें एक कुशल कारीगर ने बड़ी कुशलता से गढ़ा था,
और चिकना पॉलिश किया था, और सिरों पर सोना चढ़ाया था।
वह झुका, और अपने धनुष को जमीन पर टिकाकर,
उसे फिर से प्रत्यंचा चढ़ाया; उसके वफादार साथियों ने उसके सामने अपनी ढालें थामे रखीं, कहीं ऐसा न हो कि यूनान के पुत्र उसके तीर के एट्रेस के पुत्र, योद्धा मेनेलास तक पहुँचने से पहले ही हमला कर दें। फिर उसने अपना तरकश खोलकर,

बड़ी सावधानी से एक तीर चुना, जो पहले कभी नहीं चलाया गया था, पंखों से सजा हुआ, पीड़ा और मृत्यु का संदेशवाहक; चुभने वाले तीर को कमान में लगाया, और लिसिया के संरक्षक देवता, धनुर्धर राजा फोएबस से वादा किया कि घर लौटने पर वह मेमनों की एक बड़ी बलि चढ़ाएगा। ज़ेलेया के पवित्र नगर में सुरक्षित लौट आया। उसने तुरंत ही अपनी नस और खांचा खींचा; नस को अपनी छाती से और लोहे के सिरे को धनुष से जोड़ा; फिर, जब शक्तिशाली धनुष को एक वृत्त में घुमाया गया, तो सींग तेज़ी से बजा, और नस ज़ोर से बज उठी, जैसे भीड़ की ओर घातक गति से उत्सुक तीर चला।

और, मेनेलास, तब तुम्हारी सुरक्षा देवताओं द्वारा अनदेखी नहीं की गई थी; बृहस्पति की पुत्री, पल्लास, सबसे पहले तुम्हारे सामने खड़ी हुई और उसने नुकीले तीर को मोड़ दिया। उसने उसे इस तरह मोड़ दिया जैसे कोई माँ अपने शिशु के गाल से, मीठी नींद में लिपटे हुए, मक्खी को झाड़ती है; उसने उसका रास्ता इस तरह मोड़ा कि वह ठीक वहीं लगा जहाँ सोने के हुक बेल्ट को रोके हुए थे, और जहाँ दोहरी कवच ने उसकी ताकत को रोक रखा था। तीर कसकर बंधी बेल्ट पर लगा; वह अद्भुत कारीगरी वाली बेल्ट को भेदते हुए, समृद्ध रूप से गढ़ी हुई कवच को भेदते हुए, और उसके नीचे पहने हुए कवच को भेदते हुए, उसकी सबसे गहरी सुरक्षा और सर्वोत्तम बचाव को रोकने के लिए, आगे बढ़ गया। शत्रुतापूर्ण हथियारों की ताकत; फिर भी आगे बढ़ते हुए, तीर चला और वीर के शरीर को छूता हुआ निकल गया। घाव से लाल रक्त बह निकला। जैसे किसी कैरियन या मेओनियन दासी ने हाथीदांत को लाल रंग से रंगकर, किसी योद्धा के घोड़े के गाल पर लगाने के लिए बनाया हो, जिसे कई वीर घुड़सवार पाने की लालसा रखते हों, जैसे घर में रखा हो, किसी राजा का गर्व, घोड़े की शोभा और घुड़सवार का गौरव: वैसे ही, मेनेलास, तेरी सुंदर जांघें, घुटने और टखने तेरे रक्त से लथपथ हो गए। dy'd.

महान अगमेमन कांप उठा जब उसने घाव से बहते हुए खून की बूंदों को देखा; योद्धा मेनेलास स्वयं कांप उठा; लेकिन जब उसने देखा कि कांटा और नसें उसके शरीर में नहीं धंसी हैं, तो उसकी आत्मा वापस आ गई।

तब गहरी पीड़ा से कराहते हुए, एगामेम्नन बोला, "मेनेलास का हाथ थामे हुए, और उसके साथी भी उसके साथ कराह रहे थे: 'प्रिय भाई, मैंने तुम्हारी मृत्यु तब करवाई

जब हाल ही में, शपथ लेकर, मैंने तुम्हें अकेले ग्रीस में युद्ध के लिए भेजा था; ट्रोजन द्वारा घायल, जिन्होंने अपने वचनबद्ध विश्वास को रौंद डाला; लेकिन पवित्र प्रतिज्ञाएँ और मेमनों का रक्त व्यर्थ नहीं हैं, संधि की मदिरा उंडेली गई, और हाथ मिलाया गया वचन दिया गया, जिसमें लोग अपना विश्वास रखते हैं; यदि तुरंत नहीं, तो...'" फिर भी देर-सवेर बृहस्पति अपना दावा अवश्य जताएगा; और झूठे वचन मानने वालों को भारी दंड भुगतना पड़ेगा, अपने खून से, अपने बच्चों के खून से और अपनी पत्नियों के खून से। इसलिए मैं अपने अंतर्मन में भली-भांति जानता हूँ कि वह दिन अवश्य आएगा जब यह शाही ट्रॉय, प्रियम का वंश और प्रियम का राजसी स्वरूप, एक ही विनाश में पराजित हो जाएगा; और स्वयं शनि का पुत्र, उच्च सिंहासन पर विराजमान बृहस्पति, जो स्वर्ग में निवास करता है, उनके चेहरों पर अपना अंधकारमय और भयानक कवच चमकाएगा, इस विश्वासघाती कृत्य का बदला लेगा; यह निश्चित रूप से आएगा।
लेकिन, मेनेलास, मेरा दुःख गहरा होगा, यदि तुम्हारा यही हश्र हो, और तुम इस भाग्य को प्राप्त कर लो, तो मैं प्यासे आर्गोस लौट जाऊँगा; क्योंकि तुम्हारे पतन से, यूनानी अपने वतन को याद करेंगे; और ट्रॉय के पुत्रों के लिए एक ट्रॉफी के रूप में आर्गिव हेलेन को छोड़ देंगे; इस बीच तुम्हारी हड्डियाँ यहाँ एक विदेशी मिट्टी के नीचे सड़ जाएँगी; तुम्हारा काम व्यर्थ हो जाएगा; और अपमानजनक तिरस्कार के साथ कोई घमंडी ट्रोजन, कूदकर... महान मेनेलास की समाधि पर, इस प्रकार लिखा होगा:
'अपने सभी शत्रुओं पर एगामेम्नन अपना क्रोध इस प्रकार उतारे, जिसने यूनानियों की एक विशाल सेना को यहाँ व्यर्थ ही लाया; और व्यर्थ ही खाली जहाजों के साथ घर लौट गया, और वीर मेनेलास को पीछे छोड़ दिया;' इस प्रकार जब लोग बोलें, तो मुँह खुला रखो, धरती में धँस जाओ, और मेरी शर्म छुपा लो।'
सुनहरे बालों वाले मेनेलास ने उनसे उत्साहवर्धक शब्दों में कहा: "स्वयं से मत डरो, न ही सैनिकों को भयभीत करो: तीर ने किसी भी महत्वपूर्ण अंग को स्पर्श नहीं किया है: चमकती कमरबंद ने पहले उसे हटा दिया है, उसके ठीक नीचे कवच और कवच, जो शस्त्रकार के हाथों की कारीगरी है।"
जिस पर सम्राट एगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "प्रिय मेनेलास, तुम्हारी बातें सच हों! जोंक तुम्हारे घाव की देखभाल करेगी और उस पर मरहम लगाएगी ताकि दर्द कम हो।"

उसने पवित्र दूत को पुकारते हुए कहा, “जल्दी करो, तल्थिबियस! पूरी तेज़ी से एस्कुलैपियस के पुत्र, अद्वितीय परजीवी, माचोन को बुलाओ; उसे यहाँ आने का आदेश दो ताकि वह यूनानियों के सरदार, योद्धा मेनेलास से मिल सके, जिसे किसी कुशल योद्धा, चाहे वह ट्रोजन हो या लाइसियन, के तीर से चोट लगी है; जो उनके लिए गर्व का कारण है, हमारे लिए दुःख का।”
उसने कहा, न ही दूत ने आज्ञा मानी, फिर भी वह ग्रीस की पीतल से ढकी पंक्तियों के बीच से गुजरा, बहादुर माचोन की तलाश में; उसे वह ढालधारी योद्धाओं से घिरा हुआ मिला, जो त्रिका के घास के मैदानों से उसका पीछा करते हुए आए थे। वह उसके पास खड़ा हुआ और उससे इस प्रकार बोला: "उठो, एस्कुलैपियस के पुत्र! एट्रेस के पुत्र, पराक्रमी सम्राट तुम्हें यूनानियों के प्रमुख, योद्धा मेनेलास से मिलने के लिए बुलाता है, जो किसी अनुभवी योद्धा, चाहे वह ट्रोजन हो या लाइसियन, के तीर से घायल हो गया है; जो उनके लिए गर्व का कारण है, हमारे लिए दुःख का।"
इस प्रकार वह; और अविचलित माचोन ने सुना:
वे भीड़ के बीच से, और दूर-दूर तक फैली सेना के बीच से,
एक साथ आगे बढ़े; लेकिन जब वे वहाँ पहुँचे
जहाँ सुनहरे बालों वाला मेनेलास, घायल खड़ा था,
उसके चारों ओर ग्रीस के सर्वश्रेष्ठ लोग एक घेरे में थे,
और बीच में स्वयं देवतुल्य सरदार,
उसने अपनी कमरबंद से बाण निकाला,
नुकीले कांटों को तोड़ते हुए; उसने चमकती हुई बेल्ट ढीली की, और उसके नीचे का कवच, और कवचधारी के हाथों का बना कवच। लेकिन जब घाव दिखाई दिया, जहाँ चुभने वाला तीर लगा था, तो उसने जमे हुए खून से उसे साफ किया, और कुशलता से उपचार करने वाली जड़ी-बूटियाँ लगाईं, जो चिरोन ने पहले अपने पिता को मित्रतापूर्ण वेश में प्रदान की थीं।
जब वीर मेनेलाउस के चारों ओर वे इस प्रकार व्यस्त थे, तब ट्रोजन सेना आगे बढ़ी: उन्होंने अपने हथियार धारण किए और युद्ध के लिए तैयार हो गए। तब एगामेम्नन में सुस्ती या आलस्य का कोई निशान नहीं दिखा, न ही युद्ध से पीछे हटने का, बल्कि वह पूरे जोश के साथ युद्ध के मैदान में दौड़ पड़ा। उसने अपने घोड़े और पीतल से सजे

रथ को वहीं छोड़ दिया (टॉलेमी के पुत्र, पीरियस के पुत्र, यूरिमेडोन द्वारा चरते हुए घोड़ों को अलग रखा गया था), लेकिन बार-बार हमला करने के लिए तैयार था। निकट ही, परिश्रम से क्षीण होकर, अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए उसके अंग जवाब दे दें। स्वयं पैदल ही योद्धाओं की पंक्तियों को व्यवस्थित किया; उत्साहवर्धक शब्दों से उन्हें संबोधित करते हुए, वह जोश से युद्धक्षेत्र के लिए तैयार हो रहे थे: "हे वीर मित्रों, अपने युद्ध परिश्रम में शिथिल न पड़ें; क्योंकि बृहस्पति कभी भी झूठ का साथ नहीं देगा; और जो सबसे पहले अपनी शपथों की अवहेलना करते हुए संधि तोड़ेंगे, वे अपने शरीर के साथ गिद्धों का भोजन बनेंगे, जबकि हम, उनके शहर को ध्वस्त करके, उनकी पत्नियों और असहाय बच्चों को सहेंगे।" दूर।"
लेकिन जो लोग युद्ध से पीछे हट रहे थे और डर रहे थे, उन्हें उसने तीखी फटकार के साथ इस प्रकार घेर लिया; "हे अभागे यूनानियों, अपने देश पर कलंक लगाने वाले, क्या तुम्हें शर्म नहीं आती? तुम इस प्रकार क्यों खड़े हो? डरपोक हिरणों की तरह, जो शिकार में भाग जाते हैं, घबराए हुए, निर्बल और शांत खड़े हो? अब भी ऐसे ही खड़े हो, और लड़ाई का सामना करने की हिम्मत मत करो। क्या! तुम ट्रोजनों के निकट आने का इंतजार करोगे, जहाँ समुद्र तट पर, बर्फीले गहरे समुद्र के किनारे, हमारे सुंदर जहाज खड़े हैं, और देखोगे कि क्या..." क्या बृहस्पति अपना सुरक्षात्मक हाथ आप पर बढ़ाएगा?
इस प्रकार जब राजा ने पंक्तिबद्ध सैनिकों का निरीक्षण किया, तो वह वहाँ पहुँचा जहाँ अपने कुशल सरदार इडोमेनियस के चारों ओर क्रेते के योद्धा दल युद्ध के लिए हथियार उठा रहे थे; इडोमेनियस, जंगली सूअर के समान दृढ़ साहस के साथ, सबसे आगे की पंक्तियों को व्यवस्थित कर रहा था; मेरियोनेस सबसे पीछे के दस्तों का नेतृत्व कर रहा था; राजा एगामेमन ने खुशी से देखा, और इस प्रकार इडोमेनियस ने मधुर लहजे में संबोधित किया:
"इडोमेनियस, हे सभी यूनानियों में श्रेष्ठ, युद्ध में और अन्य सभी स्थानों पर, मैं तेरा आदर करता हूँ; और भोज में, जहाँ सबसे उत्तम व्यंजन मिलते हैं, वहाँ केवल सरदारों के लिए ही लाल मदिरा आरक्षित होती है, यद्यपि अन्य लोग भी अपना भाग पीते हैं, फिर भी तेरे पास तेरा प्याला, मेरे प्याले की तरह, हमेशा भरा रहता है, जब चाहे पी लो। तो उठो, युद्ध में जाओ, और अपने आप को वह योद्धा साबित करो जो तू है।"

क्रीट के राजा इडोमेनियस ने उनसे कहा: "हे एट्रीडेस, मुझमें तुम सदा पाओगे, जैसा कि मैंने पहले वादा किया था, मेरे सच्चे साथी; परन्तु जाओ और अन्य लंबे बालों वाले यूनानियों को शीघ्र युद्ध के लिए प्रेरित करो; क्योंकि ट्रोजन अब संधि तोड़ चुके हैं; और जो अपनी शपथ तोड़ चुके हैं, उन्हें हार और मृत्यु अवश्य मिलेगी।"
उसने कहा, और एगामेम्नन खुशी मनाते हुए अपने रास्ते चला गया; वह भीड़ के बीच से गुजरा और वहाँ पहुँचा जहाँ अजेस खड़े थे; उन्हें हथियारबंद करते हुए, उसने पैदल सेना के एक समूह के बीच खुद को पाया; और जैसे कोई बकरी चराने वाला अपनी चौकी की चट्टान से समुद्र के ऊपर बढ़ते हुए बादल को देखता है, जो हवा के झोंके से प्रेरित है; जैसे दूर से देखता है, वह बादल घना काला है, और गहरे समुद्र के ऊपर से बहता हुआ आता है, और अपने साथ बारिश का तूफान लाता है; वह कांपते हुए देखता है, और अपने झुंड को आश्रय देने वाली गुफा के नीचे ले जाता है: इतना घना और अंधेरा, आसपास हलचल मची हुई, युद्ध के लिए अधीर, बलवान युवक, काले समूह, भाले और ढाल से सजे हुए।
बहुत प्रसन्न होकर, सम्राट एगामेम्नन ने उन्हें देखा, और इस प्रकार संबोधित किया: "वीर सरदारों, पीतल के कवच वाले यूनानियों के नेताओं, मैं तुम्हें कोई आदेश नहीं देता; क्योंकि तुम अपनी सेनाओं को निडर साहस के कार्यों के लिए प्रेरित करना भली-भांति जानते हो; काश, बृहस्पति, पल्लास और अपोलो, तुम्हारे जैसा साहस पूरे शिविर में पाया जाता; तब प्रियम का भव्य नगर शीघ्र ही गिर जाता, हमारे विजयी हाथों द्वारा छीन लिया जाता और नष्ट कर दिया जाता।"
ऐसा कहकर वह उन्हें छोड़कर आगे बढ़ गया। प्लीयन सरदार नेस्टर, जो मीठी ज़ुबान वाला था, उसने सैनिकों को पंक्तिबद्ध होते और वीरतापूर्ण कार्यों के लिए अपने मित्रों को प्रोत्साहित करते हुए पाया; बलवान पेलागॉन, एलास्टोर, क्रोमियस, योद्धा राजकुमार हेमन, और साहसी बायस, जो अपनी प्रजा का पक्का रक्षक था। उसने रथों और घोड़ों के साथ सबसे आगे की पंक्ति में रथों पर सवार योद्धाओं को रखा। पीछे, असंख्य और बहादुर पैदल सैनिकों का एक समूह, सघन रूप से एकत्रित होकर, युद्ध की लहर को रोकने के लिए, दोनों के बीच उसने कमतर सैनिकों को रखा, जिन्हें अपनी इच्छा के विरुद्ध भी लड़ना ही था। उसने सबसे पहले घुड़सवारों पर हमला किया और उन्हें आदेश दिया कि वे अपने घोड़ों को अच्छी तरह से नियंत्रण में रखें,

और कोलाहल के बीच बेतहाशा न दौड़ें। उसने कहा, "देखो, कौशल या वीरता में अति आत्मविश्वास से भरा कोई भी अपने साथियों से आगे न बढ़े, और न ही अकेले पीछे हटे; क्योंकि ऐसा करने से तुम्हारी रक्षा पंक्ति आसान हो जाएगी।" मजबूर;
लेकिन प्रत्येक शत्रु रथ के बगल में पंक्तिबद्ध होकर,
अपने भालों से वार करो; क्योंकि यही बेहतर तरीका है;
ऐसे अनुशासित पुरुषों द्वारा, पुराने दिनों में
ऊँची दीवारें और किलेबंद शहर नष्ट कर दिए गए थे।"
इस प्रकार, प्राचीन युद्धों में अनुभवी, सम्राट एगामेम्नन प्रसन्न होकर उससे बोले, "हे वृद्धजन, काश तुम्हारी आत्मा की तरह तुम्हारी शक्ति और अंगों में भी उतनी ही शक्ति होती; परन्तु अब वृद्धावस्था, मनुष्यों का सामान्य भाग्य, तुम्हें बोझिल कर रही है; काश मैं तुम्हारी जगह किसी और को देख पाता, और तुम अभी भी युवाओं में गिने जाते!" जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "एट्राइड्स, मैं भी उस शक्ति को पुनः प्राप्त करना चाहता हूँ जो मेरे पास कभी थी, जब मैंने देवतुल्य एरेउथेलियन का वध किया था; परन्तु देवता मनुष्य को अपने सभी वरदान एक साथ नहीं देते; मैं तब युवा था, और अब वृद्धावस्था से व्याकुल हूँ, फिर भी रथों के साथ आगे बढ़ सकता हूँ, और बुद्धिमानी भरी सलाह दे सकता हूँ: क्योंकि वृद्धावस्था का अधिकार और विशेषाधिकार भाला फेंकने का है, जो मेरे बाद पैदा हुए युवा पुरुषों का है, जो अपनी शक्ति पर गर्व करते हैं।" अक्षतिग्रस्त।"
उसने कहा; और एगामेम्नन आनंदित होकर अपने मार्ग पर चला गया; इसके बाद वह मेनेस्थियस के पास पहुँचा, जो पीटियस का पुत्र और प्रसिद्ध रथचालक था; उसने उसे एथेंस की सेनाओं से घिरा हुआ पाया, जो युद्धघोष कर रही थीं; ठीक बगल में ऋषि यूलिसिस खड़े थे, उनके चारों ओर प्रसिद्ध सेफालोनियाई सैनिक थे: युद्ध की आवाज उनके कानों तक नहीं पहुँची थी; क्योंकि हाल ही में यूनानी और ट्रोजन सेनाएँ सक्रिय हुई थीं; वे प्रतीक्षा करते हुए खड़े रहे, जब तक कि अन्य यूनानी टुकड़ियाँ आगे न बढ़ें, ट्रोजनों पर आक्रमण करें और युद्ध को पुनः आरंभ करें।
एट्राइड्स ने देखा और इस प्रकार, निंदा करते हुए बोला: "हे पेटियस के पुत्र, स्वर्ग से अवतरित राजा! और तुम भी, सभी छल-कपट कलाओं के स्वामी, क्यों, इस प्रकार एकांत में खड़े होकर प्रतीक्षा कर रहे हो? दूसरों के आने का? तुम्हें युद्ध के भयंकर

आक्रमण का सामना करने वाला पहला होना चाहिए; क्योंकि जब भी हम सम्मानित भोज तैयार करते हैं, तो तुम्हें ही सबसे पहले मेरा निमंत्रण स्वीकार करना होता है। और तुम्हें स्वादिष्ट मांस खाना अच्छा लगता है, और अपनी इच्छा से लजीज मदिरा के प्याले खाली करना भी। अब तुम यहाँ खड़े रहो, और बेपरवाह होकर देखो कि तुम्हारे सामने से दस टुकड़ियाँ युद्ध के लिए निकल रही हैं।
यूलिसिस ने कठोर दृष्टि से उनसे कहा: "एट्रीड्स, तेरे होठों की बाधा को पार करने वाले शब्द क्या हैं? युद्ध के उत्साह की कमी के कारण तू हमें कैसे दोष दे सकता है? जब यूनानी फिर से भयंकर युद्ध छेड़ेंगे, तो तू (यदि तू देखना चाहे तो) ट्रॉय की सेनाओं के बीच टेलीमाकस के पिता को सबसे आगे देखेगा: तेरे शब्द व्यर्थ हैं।"
एट्राइड्स ने उसे चिढ़ते हुए देखा, और मुस्कुराते हुए उसने अपने पुराने शब्दों को याद किया: "हे ऋषि यूलिसिस, लेर्टेस के उच्च कुल के पुत्र, मैं तुम्हें बहुत अधिक दोष या आदेश नहीं देता; क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारा मन सौम्य सलाहों की ओर झुका हुआ है; तुम्हारे विचार मेरे विचारों से एक हैं; तो अब से सब ठीक रहेगा; और यदि कोई जल्दबाजी में कही गई बात हो, तो ईश्वर उसे अनकही ही माने।"
ऐसा कहकर वह उन्हें छोड़कर आगे बढ़ गया। टाइडियस का पुत्र, वीर डायोमेड, अपने युद्धक घोड़ों और सुगठित रथों के बीच खड़ा मिला; उसके बगल में कैपेनियस का पुत्र स्टेनेलस था। एट्राइड्स ने देखा, और उसने निंदा भरे शब्दों में उससे कहा: "हाय! हे टाइडियस के पुत्र, बुद्धिमान और साहसी, क्यों भयभीत होकर दुबके हो? क्यों इस प्रकार भयभीत होकर युद्ध के मार्ग का अवलोकन कर रहे हो? टाइडियस तो कभी ऐसे दुबका नहीं था; उसका हाथ अपने शत्रुओं से अपने साथियों की रक्षा के लिए सदा तत्पर रहता था; कम से कम वे तो यही कहते हैं जिन्होंने उसके परिश्रम को देखा था; मैं स्वयं उससे कभी नहीं मिला, न ही उसे देखा; परन्तु सुना है कि तेरा पिता पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ था। एक समय वह माइसेना में अजनबी था।" वे आए,
देवतुल्य पॉलीनीस के साथ; युद्ध के लिए नहीं,
बल्कि थेब्स की पवित्र दीवारों के सामने डेरा डाले सैनिकों के लिए सहायता की तलाश में;
उन्होंने सुदृढीकरण के लिए गंभीरता से विनती की;
उनकी माँगी गई वरदान उन्हें प्रदान किया गया, लेकिन बृहस्पति ने

अशुभ संकेतों से उन्हें वापस भेज दिया।
अपनी यात्रा पर आगे बढ़ते हुए, जब वे
एसोपस के घास के किनारों और गहरे सरकंडों तक पहुँचे,
यूनानियों ने टाइडियस को एक मिशन पर भेजा:
वह गया; और वहाँ उसने कई थेबन लोगों को दावत करते हुए पाया। एटियोक्लेस के शाही महल में: उन सबके बीच, एक अजनबी और अकेला, वह निडर खड़ा था, और उसने सबको चुनौती दी कि वे उससे कुश्ती लड़ें, और आसानी से उसे हरा दिया: पल्लास की सहायता इतनी शक्तिशाली थी। इस पर क्रोधित होकर, उसके लौटने पर, उन्होंने पचास चुने हुए युवकों का घात लगाया; उनमें से दो नेता थे; हेमन का देवतुल्य पुत्र, मैऑन, और ऑटोफोनस का पुत्र, बहादुर योद्धा लाइकोफोंटेस; और ये भी टाइडियस के हाथों बुरी तरह हार गए; उन सभी को मार डाला:
केवल मैओन, देवताओं के प्रति आज्ञाकारी,
उसने उसे बख्श दिया, और उसे घर पर समाचार ले जाने का आदेश दिया।
टाइडियस ऐसा था: यद्यपि वाद-विवाद में श्रेष्ठ,
उसका पुत्र कभी भी शस्त्र-युद्ध में उसका प्रतिद्वंदी नहीं होगा।"
उसने कहा: वीर डायोमेड ने चुपचाप सुना, सम्राट की कठोर फटकार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए; तब कैपेनियस के पुत्र ने इस प्रकार उत्तर दिया: "अत्राइड्स, झूठ मत बोलो: तुम अच्छी तरह जानते हो कि हम अपने पूर्वजों से कहीं आगे हैं। सात द्वारों वाले शहर, थेब्स को हमने मंगल की दीवार के नीचे कम बल के साथ जीता, आकाशीय संकेतों पर भरोसा करते हुए और बृहस्पति का पक्ष लेते हुए, जहाँ वे अंधे, अभिमानपूर्ण मूर्खता से असफल रहे; इसलिए हमारे पूर्वजों के कार्यों की तुलना हमारे कार्यों से मत करो।"
इस प्रकार डायोमेड ने कठोर दृष्टि से कहा: "हे पिता, चुप रहिए; मेरी बात सुनिए: मैं मनुष्यों के राजा एगामेम्नन को दोष नहीं देता, जो इस प्रकार सुगठित यूनानियों को युद्ध के लिए प्रेरित करता है: यदि हम वीर ट्रोजनों पर विजय प्राप्त कर लें और उनके नगर पर कब्जा कर लें, तो महिमा उसी की होगी; यदि वे हम पर विजय प्राप्त कर लें, तो उसकी भी भारी हानि होगी: तो आइए, हम भी युद्ध की तैयारी करें।"

उसने कहा; और रथ से हथियार लेकर नीचे कूद पड़ा:
योद्धा के सीने पर कवच की भयंकर गड़गड़ाहट हुई,
जिससे सबसे साहसी हृदय भी भय से कांप उठता।
जैसे पश्चिम की हवा से प्रेरित होकर, समुद्र की लहरें
दूर तक गूंजते किनारे पर टकराती हैं,
लहर दर लहर; पहले उबड़-खाबड़ समुद्र
सफेद चोटियों के साथ लहरें बनाता है; फिर गड़गड़ाहट के साथ
यह समुद्र तट पर टूटता है, और चट्टानों से
पीछे हटते हुए विशाल वक्रों में अपना सिर
ऊपर उछालता है, और जंगली समुद्री फुहार को ऊँचा उछालता है:
स्तंभ दर स्तंभ, वैसे ही ग्रीस की सेनाएँ
निरंतर युद्ध में उतरती रहीं; प्रत्येक को सरदारों ने
अपने आदेश दिए; शेष लोग मौन में गतिमान रहे: और तुम यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि उस विशाल समूह को बोलने की शक्ति प्राप्त थी, क्योंकि वे अपने महान सेनापतियों के भय में इतने मौन रूप से गतिमान थे: उनके चारों ओर दूर-दूर तक उनके कवच की चमक दिखाई दे रही थी।
दूसरी ओर, ट्रोजन, जैसे किसी धनी स्वामी के आँगन में अनगिनत झुंड दुहने के समय खड़े होते हैं, लगातार मिमियाते रहते हैं, मानो वे अपने मेमनों की आवाज़ सुन रहे हों; वैसे ही उनका मिश्रित शोर शिविर में गूंज उठा; क्योंकि वहाँ न तो एक भाषा थी और न ही एक बोली, बल्कि दूर देशों से अनेक राष्ट्रों ने पुकारा था: ये मंगल ग्रह द्वारा प्रेरित थे, और वे नीली आँखों वाली कन्या द्वारा; और भय, पलायन और कलह शांत नहीं हुए, रक्त से सने मंगल ग्रह की बहन और मित्र: "विनम्रता के साथ पहले शिखा, फिर उसका सिर, "जब तक वह धरती पर कदम रखती है, आकाश को चुनौती देती है। उसने बीच में युद्ध का झंडा फेंका, भीड़ के बीच से गुजरी, और मनुष्यों पर विपत्ति ला दी। जब वे बीच में आए, तो एक साथ दौड़े, ढाल और भाले, और कवचधारी योद्धाओं की प्रचंड शक्ति; ढाल पर ढाल, संघर्ष में खड़खड़ाहट; शोर तेज हो गया। फिर पुरुषों के मिले-जुले चीख और कराहें भी उठीं, मारने वाले और मारे गए; धरती खून से लाल हो गई।

जैसे जब, पहाड़ की चोटी से उतरते हुए,
दो बर्फीली धाराएँ, अपने प्रचुर स्रोत से
संकरे दर्रे की ओर बहती हैं, जहाँ
उनका मिला हुआ पानी किसी गहरी खाई में मिलता है,
बाढ़ का भार; दूर पहाड़ की ओर
चरवाहा गर्जना सुनता है; इतनी ज़ोर से उठी
उन मिश्रित भीड़ की चीखें और चिल्लाहटें।
सबसे आगे की पंक्तियों के बीच में एंटिलोचस ने एक ट्रोजन योद्धा, एचेपोलस को मार डाला, जो थैलेसियस का कुलीन पुत्र, एक मुकुटधारी सरदार था। उसके घोड़े के बालों से बने पंख वाले हेलमेट के शिखर के नीचे तेज भाला लगा; उसके माथे में गहराई तक धंस गया और हड्डी को भेद गया; फिर अंधकार ने उसकी आँखों को ढक लिया, और एक मीनार की तरह, भीड़ के बीच वह गिर पड़ा। बहादुर अबांटियन सरदार एलीफेनोर, चालकोडोन के पुत्र ने, उसे पैरों से पकड़कर, भालों के नीचे से घसीटते हुए, जल्दी से उसका कवच उतारने के लिए दौड़ा; लेकिन यह प्रयास अल्पकालिक था; क्योंकि साहसी एजेनोर ने उसे देख लिया जब उसने शव को एक तरफ खींचा, और अपने पीतल की नोक वाले भाले से, उसके ढाल के पास, बिना सुरक्षा के, झुकते हुए उसके पार्श्व भाग में वार किया; और मृत्यु में उसके अंग शिथिल पड़ गए।
आत्मा निकल गई; परन्तु उस पर भयंकर रूप से मंडरा रहा था।
यूनानियों और ट्रोजनों का युद्ध; भेड़ियों के समान भयंकर।
वे लड़े, मनुष्य मनुष्य से हाथ मिलाकर संघर्ष कर रहा था।
तब एजैक्स ने एक बलवान युवक, एंथेमियन के पुत्र सिमोइसियस, टेलमोन को मार डाला; जिसकी माता ने उसे सिमोइस के तट पर जन्म दिया था, जब वह अपने माता-पिता के साथ इडा की ऊंचाइयों से नीचे अपनी भेड़ों को चरा रही थी; वहीं से उसका नाम सिमोइसियस पड़ा: वह अपने माता-पिता की प्रारंभिक देखभाल का ऋण चुकाने के लिए नसीब नहीं था; उसका जीवनकाल छोटा था, जिसे उसने दैत्य एजैक्स के शक्तिशाली भाले से वश में कर लिया। आगे बढ़ते हुए, एजैक्स ने उसकी छाती पर, दाहिने निप्पल पर वार किया; आर-पार, आगे से पीछे तक, पीतल की नोक वाला भाला घुसा दिया गया, कंधे से होते हुए; धूल में लोटते हुए वह गिर पड़ा; जैसे दलदली

घास के मैदान में उगा कोई लंबा चिनार का पेड़, चिकने तने वाला, जिसकी शाखाएँ ऊपर की ओर पतली होती जाती हैं; जिसे पहिया बनाने वाला अपनी तेज कुल्हाड़ी से काटता है, अपनी अच्छी तरह से बनी गाड़ी के किनारों को मोड़ने के लिए; रसहीन, नदी के किनारे पड़ा हुआ पेड़; वैसे ही युवा सिमोइसियस, गिरा हुआ पड़ा था, ईश्वरीय अजाक्स के हाथों। फिर, प्रियम के पुत्र, एंटिफस ने चमकीले कवच में लिपटे हुए, भीड़ के बीच से अपना भाला फेंका; उसका निशाना चूक गया; लेकिन उसने यूलिसिस के वफादार मित्र, ल्यूकस को कमर में छेद कर मारा, मानो उस युवा मृत को ले जाना चाहता हो; वह लाश पर गिर पड़ा, और मरते हुए, उसने मृत शरीर पर अपनी पकड़ ढीली कर दी। अपने साथी के वध पर भयंकर क्रोध ने यूलिसिस के हृदय को भर दिया; चमकीले कवच में लिपटा हुआ वह आगे बढ़ा; और पास खड़े होकर, चारों ओर से उसने देखा, और अपने चमकते भाले को ऊपर उठाया: उसके निशाने के नीचे ट्रोजन पीछे हट गए; भाला व्यर्थ नहीं गया; प्रियम के एक नाजायज बेटे, डेमोकून ने वार का सामना किया: वह एबिडोस से आया था, अपनी उच्च नस्ल की घोड़ियों को वहाँ चरने के लिए छोड़ गया था; यूलिसिस, अपने प्रिय साथी की मृत्यु पर क्रोध से भरकर, उसके सिर पर प्रहार किया; नुकीला भाला दोनों मंदिरों से होकर गुजरा, और अंधकार ने उसकी आँखों को ढक लिया। गरजते हुए वह गिरा, और उसके कवच की गड़गड़ाहट तेज हो गई। इस पर ट्रोजन सरदारों और स्वयं हेक्टर ने पीछे हटना शुरू कर दिया: यूनानियों ने खुशी से चिल्लाते हुए मृतकों को पकड़ लिया और आगे बढ़ने लगे। इलियम की ऊँचाइयों से क्रोध से भरे अपोलो ने नीचे देखा और ट्रोजनों को जोर से पुकारा: "उठो, वीर ट्रोजनो! यूनानियों के सामने रास्ता मत दो; उनके शरीर पत्थर, न ही लोहा, जो तुम्हारी तीक्ष्ण तलवारों का सामना कर सके; और महान अकिलीज़, सुनहरे बालों वाली थेतिस का पुत्र, युद्ध नहीं करता, बल्कि अपने क्रोध पर एकांत में चिंतन करता है। इस प्रकार नगर से दिव्य वाणी पुकारी गई; इस बीच, यूनानियों ने, सर्व-गौरवशाली पल्लास को प्रज्वलित किया, कोलाहल के बीच गतिमान हुए, और पिछड़ने वालों को जगाया।

फिर डायोरेस, अमरिनसियस का पुत्र, गिर पड़ा: एक चट्टान के खुरदुरे टुकड़े ने उसके टखने और दाहिने पैर को कुचल दिया; एनोन से थ्रेसियन सरदार, पिरोस, इम्ब्रासस का पुत्र, जिसने इसे फेंका था, आया; नसें और हड्डियाँ दोनों, विशाल पिंड

चकनाचूर हो गया; धूल में पीछे की ओर गिर पड़ा, दोनों हाथ अपने दोस्तों की ओर फैलाए, अपनी जान गंवाते हुए; फिर जल्दी से उठा जिसने वार किया था, और अपने भाले से उसकी नाभि में छेद कर दिया; घाव से उसकी आंतें बह निकलीं और उसकी आँखों में अंधेरा छा गया।
लेकिन आगे बढ़ते हुए, एटोलियन सरदार थोआस ने उसकी छाती पर, निप्पल के ऊपर वार किया; और भाला उसके फेफड़ों में घुस गया। थोआस पास आया, और उसकी छाती से मजबूत भाला निकाला, और अपनी तेज धार वाली तलवार से उसकी कमर पर घातक प्रहार किया: फिर भी उसकी भुजाओं को छू नहीं सका; क्योंकि चारों ओर थ्रेसियन योद्धा, अपने गुच्छेदार मुकुटों के साथ, अपने लंबे भाले अपने सामने पकड़े हुए, उसे, हालांकि वह हट्टा-कट्टा, बलवान और वीर था, रोके रखा; मजबूरी में उसने आत्मसमर्पण कर दिया; और इस प्रकार थ्रेसियन और एपियन सरदार, दोनों एक साथ लेट गए; और उनके चारों ओर कई वीर सैनिक लेटे हुए थे।
उस दिन किए गए कारनामे उसकी प्रशंसा के पात्र अवश्य ही होंगे, जो उस रक्तरंजित मैदान से तलवार या भाले से अछूते होकर गुजरे, और पल्लास के हाथों से हथियारों के वार से सुरक्षित रहे; क्योंकि उस दिन अनेक ट्रोजन और अनेक यूनानी धूल में एक-दूसरे के बगल में पड़े थे।

## तर्क।

**डायोमेड के कार्य।**

पलास की सहायता से डायोमेड ने आज के युद्ध में चमत्कार दिखाए। पंडारस ने उसे तीर से घायल कर दिया, लेकिन देवी ने उसे ठीक कर दिया, उसे देवताओं और मनुष्यों में अंतर करने की क्षमता प्रदान की, और उसे वीनस को छोड़कर किसी भी देवता से लड़ने से मना किया। ऐनियास पंडारस का विरोध करने के लिए उसके साथ शामिल हो गया, पंडारस मारा गया, और ऐनियास गंभीर खतरे में था, लेकिन वीनस की सहायता से वह बच गया; वीनस अपने बेटे को युद्ध से हटाते समय डायोमेड के हाथों हाथ में घायल हो गई। अपोलो ने उसकी मदद की और अंततः ऐनियास को ट्रॉय ले गया, जहाँ पेर्गमस के मंदिर में उसका इलाज हुआ। मार्स ने ट्रोजन सेना को एकजुट किया और हेक्टर को मोर्चा संभालने में सहायता की। इसी बीच ऐनियास युद्ध के

मैदान में वापस आ गया और उन्होंने कई यूनानियों को पराजित किया; उनमें से टलेपोलेमस को सर्पेडन ने मार डाला। जूनो और मिनर्वा मार्स का विरोध करने के लिए नीचे उतरीं; मार्स ने डायोमेड को उस देवता के विरुद्ध जाने के लिए उकसाया; वह उसे घायल करता है और उसे कराहते हुए स्वर्ग भेज देता है।
इस पुस्तक में पहली लड़ाई का सिलसिला जारी है। दृश्य पहले भाग जैसा ही है।

# पुस्तक V.

तब पैलास ने टाइडियस के पुत्र डायोमेड को ऐसी शक्ति और साहस प्रदान किया, जिसने सभी यूनानियों के बीच अपने नाम की महिमा का परिचय दिया। उसके हेलमेट और ढाल से एक प्रचंड प्रकाश निकला, जो शरद ऋतु के तारे की तरह चमक रहा था, जो समुद्र स्नान से निकलने के बाद सबसे तेज चमकता है। इस प्रकार योद्धा के सिर और कंधों से वह प्रचंड प्रकाश चमका, और वह अपने उग्र आक्रमण के बीच में, जहाँ घनी आबादी लड़ रही थी, आगे बढ़ा।

ट्रोजन सेना में एक डारेस था, जो वल्कन का पुजारी, धनी और निष्कलंक था। उसके दो वीर पुत्र थे, इडेयस और फेगियस, जो युद्ध कला में निपुण थे। भीड़ से अलग होकर योद्धा ने इन दोनों से मुलाकात की। वे अपने रथ पर सवार थे, जबकि वह पैदल आगे बढ़ा। जब वे पास आए, तो फेगियस ने पहले अपना भाला फेंका। टाइडाइड्स के बाएं कंधे के ऊपर से भाले की नोक निकल गई और लक्ष्य से चूक गई। उसके भारी भाले ने टाइडाइड्स को भी घायल कर दिया। फेंका, और व्यर्थ नहीं; यह फेगियस की छाती पर लगा, ठीक बीचोंबीच, और उसे रथ से नीचे फेंक दिया। इडेयस सुगठित रथ से कूदा, और भाग गया, और अपने भाई के शव की रक्षा करने का साहस भी नहीं किया। वह मृत्यु के भाग्य से बच भी नहीं पाया, लेकिन वल्कन उसे सुरक्षित रूप से मैदान से ले गया, अंधेरे में छिपाकर, ताकि उसका वृद्ध पिता अपने पुत्रों से पूरी तरह वंचित न हो जाए। टाइडाइड्स ने रथ अपने साथियों को दे दिया, और उन्हें घोड़ों को जहाजों तक ले जाने का आदेश दिया।

अब जब ट्रोजन डेरेस के पुत्रों ने देखा, एक भाग रहा था, दूसरा मृत्यु की अवस्था में पड़ा था, तो उनके प्राण कांप उठे; परन्तु पल्लास ने मार्स का हाथ थाम लिया और देवता से इस प्रकार कहा: “हे मार्स, हे मार्स, तू मनुष्यों का नाश करने वाला, रक्तरंजित स्वामी, नगरों का विनाशक, हम यूनानियों और ट्रोजनों को क्यों न लड़ने दें, और देखें कि समस्त का जनक किसे विजय दिलाएगा; जबकि हम पीछे हटकर बृहस्पति के क्रोध से बच निकलें?”

इस प्रकार उसने मंगल को युद्ध से बाहर निकाला, और उसे स्कैमंडर के ऊंचे किनारों पर रख दिया।

यूनानियों ने ट्रोजन सेना को खदेड़ दिया; सरदारों ने अपने-अपने शिकार को मार डाला; सबसे पहले एगामेम्नन ने, पराक्रमी सम्राट ने, अपने रथ से हलीजोनियन सरदार होडियस को नीचे फेंक दिया, जैसे ही वह मुड़ा, भाला उसकी पीठ पर लगा और उसकी छाती में जा घुसा; वह गरजते हुए गिरा और उसके कवच की तेज आवाज हुई।
बोरस के पुत्र, मैओनियन सरदार फेस्टस पर, जो टार्ना के उपजाऊ मैदानों से आया था, तभी इडोमेनियस उछल पड़ा; और जैसे ही वह अपने रथ पर चढ़ने लगा, क्रेटन राजा ने उसके दाहिने कंधे में नुकीला भाला घोंप दिया; वह गिर पड़ा; मृत्यु की छाया उसकी आँखों पर छा गई, और उसके अनुयायियों ने उसके शव से हथियार छीन लिए।
एट्रियस के पुत्र, मेनेलास ने स्ट्रोफियस के पुत्र, स्कैमांड्रियस को मार डाला, जो एक कुशल शिकारी था, और वनकला में निपुण था; क्योंकि उसके अभ्यासित हाथों को स्वयं डायना ने पर्वतीय वन में पाए जाने वाले प्रत्येक शिकार के जानवर को मारना सिखाया था। लेकिन उस समय धनुर्धारी रानी डायना की सलाह और दूर के निशाने पर उसकी शेखी बघारने वाली कला उसके किसी काम नहीं आई। जैसे ही वह भागा, एट्रीयस के योद्धा पुत्र मेनेलास का भाला उसकी गर्दन के पीछे, कंधों के बीचोंबीच, उसकी उड़ान को रोकते हुए, उसकी छाती में घुस गया। वह सिर के बल गिर पड़ा, और उसके कवच से ज़ोरदार आवाज़ निकली।
फेरेक्लस को मेरियोनेस ने मार डाला, हारमोनाइड्स का पुत्र, जिसका कुशल हाथ अनेक कलाकृतियों को गढ़ने में माहिर था; पल्लास का प्रिय; उसने पेरिस के लिए जहाज बनवाए, जो विपत्ति का मूल कारण थे, और ट्रॉय के लोगों और स्वयं उसके लिए, जो स्वर्ग के नियमों को नहीं जानता था, बुराई से भरे हुए थे। अपनी तेज उड़ान में, मेरियोनेस ने उसका पीछा किया और अपने भाले से उसके दाहिने हिस्से को भेद दिया। हड्डी के नीचे भाला घुसा और उसे भेद दिया: घुटनों के बल गिरते हुए, कराहते हुए वह गिर पड़ा और मृत्यु ने उसकी पलकें बंद कर दीं।
मेगेस पेडेयस ने एंटनोर के पुत्र को मार डाला, जो जन्म से नाजायज था, लेकिन थियानो द्वारा कोमल देखभाल से पाला-पोसा गया था, और अपने पति की खातिर अपने बच्चों के साथ अपने बेटे की तरह बड़ा हुआ था। फाइलियस के योद्धा पुत्र को

पास आते देख, उसने उसके सिर और गर्दन के जोड़ में भाला घोंप दिया; जीभ के नीचे भाला उसके दांतों से टकराकर चकनाचूर कर दिया; धूल में पड़ा हुआ वह पीतल की नोक को दांतों से कुचलने लगा।
यूरिपिलस, यूएमोन का कुलीन पुत्र, हाइप्सनोर ने उसे मार डाला, जो बहादुर डोलोपियन का योग्य वंशज था; स्कैमंडर का पुजारी, जिसे लोग देवता के समान पूजते थे: जब वह उसके सामने से भाग रहा था, तो पीछे से यूरिपिलस, यूएमोन के कुलीन पुत्र, ने तलवार से उस पर प्रहार किया; और कंधे के बल से उसकी बलवान भुजा काट दी; खून से लथपथ हाथ जमीन पर गिर पड़ा; मृत्यु और कठोर नियति की काली छाया ने उसकी पलकें बंद कर दीं।
इस प्रकार वे उस भयंकर लड़ाई के बीच परिश्रम करते रहे; परन्तु टाइडाइड्स के बारे में कोई नहीं कह सकता था कि उसकी भुजा किसकी थी, या वह ट्रॉय या ग्रीस की सेनाओं के साथ लड़ाई में शामिल हुआ था: वह मैदान में इधर-उधर दौड़ता रहा, एक बर्फीली धारा की तरह, जो उफान पर आकर अपनी बाधाओं को तोड़ देती है; न कोई सुगठित पुल बाढ़ को रोक सकता है, न कोई बाड़ उपजाऊ खेतों की रक्षा कर सकती है, क्योंकि यह नीचे गिरती है, स्वर्ग से बरसती बारिश से उफनती अपनी अचानक धारा के साथ, और कई सुंदर कृतियों को नष्ट कर देती है। मनुष्य विनाश करता है: इस प्रकार टाइडाइड्स की शक्ति के सामने ट्रॉय की घनी सेनाएँ पीछे हट गईं, न ही प्रतीक्षा करने का साहस किया,
उनकी संख्या के बावजूद, उसके प्रचंड आक्रमण का।
जब लाइकाओन के महान पुत्र ने मैदान पर दौड़ती हुई, कतारबद्ध पंक्तियों को अपने आगे बढ़ाते हुए देखा, तो टाइडियस के पुत्र पर शीघ्रता से हमला करते हुए, उसने अपना धनुष झुकाया; और जैसे ही वह आगे बढ़ा, दाहिने कंधे पर, कवच के जोड़ के पास, चुभने वाला तीर लगा; वह ठीक उसके बीच से गुज़रा, और अपना रास्ता बनाए रखा, जिससे कवच खून से सन गया। तब लाइकान के महान पुत्र ने ज़ोर से पुकारा: "हे वीर ट्रोजनो, उठो, तुम जो अपने तेज़ घोड़ों को उकसाते हो; यूनानियों में सबसे बहादुर घायल हो गया है, और मुझे लगता है कि वह मेरे हथियार का लंबे समय तक सामना नहीं कर सकता, अगर मैं वास्तव में फोएबस की सलाह पर लिसिया के तट से युद्ध में शामिल हुआ हूँ।"

इस प्रकार वह, अहंकारी; लेकिन इस प्रकार शांत नहीं हुआ; वह देवतुल्य सरदार पीछे हट गया, और अपने रथ के पास खड़ा हो गया, और इस प्रकार कैपेनियस के पुत्र स्टेनेलस से कहा: "हे कैपेनियस के सज्जन पुत्र, रथ से नीचे उतरो, और मेरे कंधे से इस चुभने वाले तीर को निकालो।" उसने कहा, और स्टेनेलस रथ से कूद गया, और उसके पास खड़ा हो गया; और जैसे ही उसने बाण खींचा, खून बह निकला और मुड़े हुए कवच को रंग दिया। तब टाइडियस के वीर पुत्र ने इस प्रकार प्रार्थना की: "हे कवच धारण करने वाले बृहस्पति के पुत्र, मेरी प्रार्थना सुनो, अजेय! यदि इस घातक युद्ध में मेरे पिता को कभी तेरी मित्रतापूर्ण सहायता मिली हो, तो मुझे भी तेरा अनुग्रह प्राप्त हो; और कृपा कर कि मेरी भाले की पहुँच और दायरे में वह व्यक्ति स्वयं को पा ले, जिसने अनजाने में मुझे घायल किया है, और व्यर्थ ही घमंड करते हुए सोचता है कि मैं मृत्यु के प्रकाश को अधिक समय तक नहीं देख पाऊँगा।" दिन।"
इस प्रकार मुखिया ने प्रार्थना की, और पल्लास ने उसकी प्रार्थना सुनी;
उसके सभी अंगों को, पैरों और हाथों को समान रूप से,
उसने नई शक्ति प्रदान की; और पंखदार शब्दों में,
उसके बगल में खड़ी होकर, उसने उसे इस प्रकार संबोधित किया:
"निडर होकर आगे बढ़ो, डायोमेड, ट्रोजन सेनाओं का सामना करने के लिए; क्योंकि मैंने तुम्हारे हृदय में तुम्हारे पिता का निडर साहस भर दिया है, जैसा साहस प्राचीन काल में टाइडियस की गोद में रहता था, एक साहसी घुड़सवार, ढालधारी; और तुम्हारी आँखों से मैंने वह धुंधलापन दूर कर दिया है, ताकि तुम देवताओं और मनुष्यों के बीच अच्छी तरह से अंतर कर सको। यदि कोई देवता तुम्हारी शक्ति की परीक्षा ले, तो अन्य अमर देवताओं से मत लड़ो; लेकिन यदि बृहस्पति की पुत्री वीनस चुनौती दे तो..." तुम्हें उस पर अपना भाला चलाने से कतराने की आवश्यकता नहीं है।
यह कहते ही नीली आँखों वाली देवी गायब हो गईं। फिर तुरंत ही टाइडाइड्स अग्रिम पंक्ति में फिर से शामिल हो गया; पहले की तरह ही जोश से उसका मन ट्रोजन के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रज्वलित था, अब वह तीन गुना क्रोध के साथ युद्ध में उतरा। जैसे कोई भूखा शेर भेड़शाला पर कूद पड़ता है; झुंड के रक्षक ने उसे घायल किया है, अक्षम नहीं किया है; अपने घाव से
क्रोधित होकर, लेकिन भागने के लिए विवश नहीं,

वह बाड़े में प्रवेश करता है, कांपती हुई भेड़ों को डराता है,
जो एक दूसरे से सटकर, कसकर झुंड बनाकर,
फिर अपने शिकार पर झपटता है, और बाड़ फांदता है:
इस प्रकार टाइडाइड्स ने ट्रोजन सेना पर झपट्टा मारा।
फिर उसने एस्टिनस और हाइपिरोन को मार डाला,
अपने लोगों के रक्षक; एक के सीने में उसने अपना भाला घुसा दिया, और अपनी शक्तिशाली तलवार से दूसरे की कॉलरबोन पर वार किया, जिससे कंधा गर्दन और पीठ से अलग हो गया। फिर उसने उन्हें वहीं पड़ा छोड़ दिया; उसके बाद अबास और पोलियडस उनका पीछा करने लगे, जो यूरीडामस के पुत्र थे, एक वृद्ध द्रष्टा, जिनके दर्शन उन्हें रोक नहीं पाए। लेकिन दोनों का ही अंत निश्चित था। वीर डायोमेड के हाथों मारे जाने के लिए। फिर नायक ने ज़ैंथस और थून को मार डाला, जो फ़ेनोप्स के पुत्र थे, उसकी उम्र के बच्चे। उम्र से थके होने के कारण, उसने कोई और पुत्र उत्पन्न नहीं किया, जो उसकी संपत्ति के उत्तराधिकारी हों। वे दोनों एक साथ गिर पड़े, और अपने पिता के लिए दुःख का बोझ छोड़ गए, कि वे युद्ध से घर नहीं लौटे, और दूर के रिश्तेदारों ने उनकी सारी संपत्ति बाँट ली। इसके बाद वह क्रोमियस और एचेमोन पर गिर पड़ा, जो प्रियम के दो पुत्र थे और एक रथ पर सवार थे; और जैसे एक शेर झुंड पर झपटता है, और जंगल में चर रही बछिया या बैल की गर्दन तोड़ देता है; उसी तरह के एक झटके से इन दोनों ने व्यर्थ प्रतिरोध करते हुए, टाइडाइड्स को उनके रथ से फेंक दिया। फिर उन्होंने अपने हथियार उतार दिए और अपने अनुयायियों को अपने घोड़ों को जहाजों तक ले जाने का आदेश दिया।
जब ऐनेस ने उसे सैनिकों की पंक्तियों के बीच देखा, तो उसने विनाश करते हुए, लड़ाई और भीड़ के बीच भाले चलाए, इस उम्मीद में कि शायद उसे मिल जाएं, देवता तुल्य पंडारस; लाइकॉन के पुत्र ने, जो कुलीन वंश और बलवान शरीर वाला था, उसे पाया और उसके सामने खड़ा होकर उससे इस प्रकार कहा: “हे पंडारस, तेरे पंखदार बाण कहाँ हैं? तेरा धनुष और वह सुप्रसिद्ध कौशल कहाँ है, जिसमें यहाँ कोई भी तुझसे मुकाबला नहीं कर सकता? और न ही लिसिया अपने विशाल मैदानों में इससे बेहतर लक्ष्य का दावा कर सकती है? तो अपने हाथ बृहस्पति के सामने उठा, और अपने बाण से इस सरदार को मार गिरा, चाहे वह कोई भी हो, जो इस प्रकार हमारी

सेना में भयंकर तबाही मचा रहा है, और अनेक योद्धाओं के अंगों को निष्क्रिय कर रहा है?" मृत्यु:
यदि वह वास्तव में ईश्वर नहीं है, तो उपेक्षित अनुष्ठानों के कारण ट्रोजनों के विरुद्ध क्रोधित होगा;
क्योंकि ईश्वर का प्रतिशोध भयानक होता है।
इस पर लाइकाओन के महान पुत्र ने उत्तर दिया: "एनेस, ट्रॉय का प्रमुख और सलाहकार, टाइडियस के पुत्र से हर तरह से मिलता-जुलता है; वह दिखता है; मैं उसकी ढाल और विदार हेलमेट को जानता हूँ, और उसके घोड़े भी; क्या वह स्वयं ईश्वर है, मैं नहीं कह सकता; लेकिन यदि वह वास्तव में वही व्यक्ति है, तो मैं उसे टाइडियस का वीर पुत्र मानता हूँ, वह स्वर्ग की सहायता के बिना इस प्रकार नहीं लड़ता; बल्कि उसके बगल में, उसके कंधे बादलों से ढके हुए हैं, कोई देवता उसके कदमों की निगरानी करता है, और उस तीर को मोड़ देता है जो अभी-अभी उस तक पहुँचा है।" उसे; क्योंकि अभी भी मैंने एक बाण चलाया, जो कवच के जोड़ से होकर उसके दाहिने कंधे को भेद गया: मुझे पूरा यकीन था कि उस बाण ने उसे मृत्यु के घाट उतार दिया होगा, फिर भी वह मरा नहीं; यह निश्चित रूप से किसी क्रोधित देवता का काम है। न मेरे पास घोड़ा है, न रथ जिस पर मैं सवार हो सकूँ; परन्तु मेरे पिता लाइकॉन के समृद्ध घर में ऊँचे सुंदर रथ खड़े हैं, सभी नए बने हुए, प्रत्येक अपने आवरण के साथ; प्रत्येक के बगल में राई और सफेद जौ पर दो घोड़े चरते हैं; और उसके सुगठित जब मैं यहाँ आया, तब बूढ़े योद्धा लाइकॉन ने मुझे बार-बार आग्रह किया कि मैं घोड़ों और ऊँचे रथों के साथ, ट्रोजनों का नेतृत्व करते हुए इस कठिन लड़ाई में आगे बढ़ूँ; मैंने उसकी बात नहीं मानी—अगर मैंने मान ली होती तो बेहतर होता—फिर भी मुझे डर था कि कहीं मेरे घोड़े, जो भरपूर और बिना किसी रोक-टोक के चरते थे, सैनिकों की ज़रूरतों के कारण अपने नियमित चारे से वंचित न हो जाएँ; मैंने उन्हें वहीं छोड़ दिया और पैदल यहाँ आया, और अपने धनुष पर भरोसा किया: व्यर्थ ही भरोसा लगता है; मैंने पहले ही दो सरदारों को मार गिराया है, टाइडियस और एट्रेस के पुत्रों ने सही निशाने से दोनों का खून बहाया, फिर भी उनका क्रोध और बढ़ गया। वह घड़ी दुखद थी जब मैंने अपने धनुष को नीचे उतारा और देवतुल्य हेक्टर की सहायता के लिए यहाँ पहुँचा; परन्तु यदि मैं कभी लौटकर अपनी जन्मभूमि, अपनी

पत्नी, अपने भव्य महल को फिर देखूँ, तो किसी अजनबी की तलवार मेरा सिर काट दे, यदि इन हाथों से मैं उस धनुष को न तोड़ूँ और न जलाऊँ जिसने मेरी आवश्यकता के समय मेरा साथ छोड़ दिया।
ट्रॉय के सरदार ऐनेस ने उसे इस प्रकार उत्तर दिया: "तुम ऐसा मत कहो; हमारा भाग्य तब तक नहीं बदलेगा जब तक तुम और मैं, रथ और घोड़े के साथ, इस सरदार से मुकाबला करके और उसकी वीरता को साबित न कर दें; फिर मेरे रथ पर सवार हो जाओ और देखो मेरे घोड़े कितने तेज हैं। इधर-उधर, पीछा करते हुए या भागते हुए, ट्रॉस के वंशजों से मैदान को छान मारो। इस प्रकार यदि टाइडियस के पुत्र डायोमेड को बृहस्पति द्वारा विजय प्राप्त हो जाए, तो भी हम सुरक्षित रूप से ट्रॉय की दीवारों तक पहुँच सकते हैं।" तुम चाबुक और लगाम थामे रहो, जबकि मैं पैदल लड़ने के लिए नीचे उतरता हूँ; या तुम मुखिया बनो, और रथ की कमान मुझे सौंप दो।
इस पर लाइकोन के महान पुत्र ने उत्तर दिया: "ऐनेस, अपने घोड़ों और रथ का भार तुम संभालो; अपने अभ्यस्त नेतृत्व में, वे रथ को और अधिक दृढ़ता से खींचेंगे, यदि हमें टाइडियस के पुत्र से भागना पड़े; और घबराहट में आकर, और तुम्हारी आवाज़ अनसुनी रह जाए, तो हमें युद्ध के मैदान से ले जाने से इनकार मत करो; ऐसा करने पर हम स्वयं मारे जाएँगे, और टाइडियस का पुत्र विजय के साथ अपने घोड़ों को जहाजों की ओर ले जाएगा। परन्तु तुम अपने घोड़ों और रथ का मार्गदर्शन करो, जबकि मैं अपने भाले से उस पर आक्रमण करूँगा।" प्राप्त करें।"
ऐसा कहकर वे दोनों रथ पर सवार हो गए और अपने उत्साही घोड़ों को टाइडियस की ओर दौड़ाया। उन्हें कैपेनियस के महान पुत्र स्टेनेलस ने देखा और टाइडियस से कहा, "हे टाइडियस के पुत्र, मेरे प्रियतम, मैं दो ऐसे पुरुषों को देखता हूँ, जिनकी शक्ति अजेय है, जो तुमसे युद्ध करने के लिए उत्सुक हैं; पंडारस, जो तीरंदाजी में निपुण है, लाइकॉन का पुत्र; उसके साथ एनेस, महान एंचीसेस का पुत्र, जो अमर वीनस से जन्म लेने का दावा करता है। तो चलो, हम समय पर रथ की ओर चलें।" पीछे हटो, कहीं ऐसा न हो कि इस प्रकार अग्रिम पंक्तियों के बीच आगे बढ़ते हुए, तुम्हारी बहादुरी तुम्हारे जीवन की कीमत चुकाए।"
वीर डायोमेड ने कठोर दृष्टि से कहा: "भागने की बात मत करो! मैं तुम्हारी परवाह नहीं करता! छिपकर, छल-कपट से और कायरतापूर्ण ढंग से पीछे हटकर लड़ना मेरे

स्वभाव में नहीं है; मेरी शक्ति अभी भी अटूट है; रथ पर चढ़ने में मुझे शर्म आएगी; लेकिन मैं आगे बढ़ूंगा इन सरदारों का सामना करने के लिए; क्योंकि मेरी आत्मा को पल्लास भय के स्पर्श से बचाती है। न ही उनके घोड़ों की गति दोनों को सुरक्षित वापसी दिला पाएगी, भले ही एक मेरी बाहों से बच जाए। मैं यह भी कहता हूं, और अपने शब्दों को कायम रखता हूं।" ध्यान रखें; पल्लास की सलाह से, यदि मेरा भाग्य ऐसा हो कि मैं उन दोनों को मार डालूँ, तो मेरे घोड़ों को यहीं छोड़ दो, लगाम रथ की पटरी से बाँध दो, और उन्हें पकड़कर ट्रोजन से जहाजों तक ले जाओ, ऐनेस के रथ में घोड़ों को भगा दो; उन घोड़ों में से, जो सर्वज्ञ बृहस्पति ने अपने पुत्र गैनीमेड के लिए ट्रोस को दिए थे: सूर्य के नीचे कोई भी उनसे तुलना नहीं कर सकता। हे मनुष्यों के राजा, एंचीसेस ने चतुराई से यह नस्ल प्राप्त की थी, घोड़ों को भेजकर। घोड़ियों से लाओमेडोन की जानकारी के बिना।
इस प्रकार छह बछड़े पैदा हुए: इनमें से चार को उसने अपने अस्तबल में पाला; बाकी दो को उसने भय उत्पन्न करने वाले सरदार ऐनेस को दे दिया:
यदि हम इन्हें जीत लेते, तो हमारी प्रशंसा वास्तव में बहुत बड़ी होती।
जब वे इस प्रकार बातचीत कर रहे थे, तब वे दोनों पास आए, उनके घोड़े तेजी से दौड़ने लगे; फिर इस प्रकार शुरू हुआ, लाइकाओन के कुलीन पुत्र डायोमेड से:
"टाइडियस के महान पुत्र, वीर और कुशल योद्धा, ऐसा लगता है कि मेरा बाण तेरे जीवन तक पहुँचने में विफल रहा है; अब देखते हैं कि मेरे भाले का क्या होता है।" उसने कहा; और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका, और टाइडाइड्स की ढाल पर प्रहार किया; ढाल के आर-पार तेज हथियार चला गया, और कवच तक पहुँच गया। तब लाइकान के महान पुत्र ने जोर से चिल्लाया: "तेरे पार्श्व में भाला लगा है, और तू इस प्रहार को लंबे समय तक सहन नहीं कर सकता; अब महान गौरव मेरा है।" जिस पर वीर डायोमेड ने अविचलित होकर कहा: "तेरा लक्ष्य तो विफल हो गया, पर मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा; और अब मैं मानता हूँ कि हम तब तक यहाँ से विदा नहीं होंगे जब तक तुममें से कोई एक अपने रक्त से उस अतृप्त युद्ध स्वामी को तृप्त न कर दे।"
उसने कहा: पल्लास द्वारा निर्देशित भाला, नासिका छिद्र के पास, आँख के नीचे लगा; दाँतों को चीरता हुआ, जीभ को चीरता हुआ जबड़े के कोने के नीचे से निकला: वह रथ

से नीचे गिर गया; और ज़ोर से गूंजी उसकी चमकती भुजाएँ: चौंके हुए घोड़े इधर-उधर उछल पड़े: उसके अंगों से आत्मा निकल गई। एनेस भाला और ढाल हाथ में लिए नीचे कूदा, वीर मृतकों की रक्षा के लिए यूनानियों के विरुद्ध; और एक शेर की तरह, अपनी शक्ति में निडर, वह शव के चारों ओर इधर-उधर घूमता रहा, अपना भाला और ढाल अपने सामने पकड़े हुए, जो भी उसके पास आने का साहस करता, उसे मौत की धमकी देता, भयानक चीखों के साथ; फिर टाइडीस ने एक चट्टानी टुकड़े को उठाया, एक विशालकाय पिंड, जिसे मुश्किल से दो आदमी उठा सकते थे, जैसा कि अब आदमी उठाते हैं: लेकिन उसने बिना किसी सहायता के इसे आसानी से उठा लिया। इससे उसने एनियास को कमर के पास मारा, जहाँ कूल्हे में लगी जांघ की हड्डी, जोड़ में घूमती है; उस ऊबड़-खाबड़ पिंड ने जोड़ को कुचल दिया, और दोनों नसें टूट गईं, और मांस को चीर दिया: घुटनों के बल, फिर भी अपने हाथ पर टिका हुआ, नायक गिर पड़ा; और उसकी आँखों पर अंधकार छा गया। तब मनुष्यों के राजा एनेस मारे गए होते, यदि उनकी माता, बृहस्पति की पुत्री वीनस, न होतीं, जिन्होंने नायक को एंचीसेस के पास, जहाँ वह अपने झुंड चराता था, उसकी संकट की घड़ी में जल्दी से देखकर उसे ले गईं: उन्होंने अपने बेटे के चारों ओर अपनी बर्फीली बाहें डाल दीं, और उसे एक मोटे घूंघट से लपेट दिया। चारों ओर, शत्रुतापूर्ण भालों से उसकी रक्षा करने के लिए, कहीं ऐसा न हो कि कोई यूनानी उसकी छाती को भेदकर उसकी जान ले ले। इस प्रकार उसने अपने बेटे को युद्ध से दूर कर दिया; और कैपेनियस के बेटे ने भी टाइडाइड्स द्वारा दिए गए सख्त आदेश की अवहेलना नहीं की; उसने अपनी लगाम रथ की रेलिंग से बांध दी, युद्ध के शोर से दूर रुककर अपने तेज घोड़ों को छोड़ दिया। फिर तेजी से आगे बढ़ते हुए, उसने पकड़ लिया, और ट्रोजनों से शिविर की ओर भगा ले गया, एनेस के रथ के चिकने-चमड़ी वाले घोड़े। उसने ये घोड़े अपने चुने हुए मित्र, डीपिलस को दिए, जो उसके सभी साथियों में सबसे सम्मानित था, और सबसे समझदार था, ताकि वह जहाजों की ओर चला जाए। फिर, अपने रथ पर सवार होकर, उसने लगाम पकड़ ली, और अपने उग्र घोड़ों को उत्सुकता से आगे बढ़ाया, टाइडाइड्स की तलाश में; इस बीच, वह वीनस का पीछा करते हुए आगे बढ़ता रहा। वह उसे जानता था
एक कमजोर, युद्धप्रिय देवी नहीं, उन देवियों में से नहीं

जो भयंकर बेलौना या पल्लास की तरह युद्ध के रक्तरंजित मैदानों में विचरण करती हैं।
भीड़ में खोजते हुए, अंततः उसने उसे पा लिया, और आगे बढ़कर, अपने नुकीले भाले से, उसके कोमल हाथ पर घाव कर दिया। दिव्य आवरण को भेदते हुए, भाले ने उसकी कलाई के नीचे हथेली को छू लिया। घाव से अमर धारा बह निकली, शुद्ध मदिरा, धन्य देवताओं की जीवनधारा; वे रोटी नहीं खाते, वे लाल शराब नहीं पीते, और रक्तहीन होकर अमर हो जाते हैं। देवी जोर से चीखी और अपने बेटे को गिरा दिया; लेकिन उसके अपोलो उसे घने बादल में लपेटकर ले गया, कहीं कोई यूनानी उसकी छाती में भाला मारकर उसकी जान न ले ले। बहादुर टाइडीस भागते हुए जोर से चिल्लाई: "हे बृहस्पति की पुत्री, युद्ध के मैदानों से दूर हो जाओ; कमजोर स्त्री, इतना बहलाना तुम्हारे लिए काफी है; यदि तू युद्ध चाहती है, तो तुझे जो सबक मिलेगा, उसे सुनकर ही तुझ कांप उठेगी।" उसने ऐसा कहा; लेकिन बेचैन और बेहद पीड़ा से व्याकुल होकर, देवी भाग गई: आइरिस, हवा की तरह तेज गति से, कोलाहल से दूर बह गई, दर्द से रोते हुए, उसकी सुंदर त्वचा खून से लथपथ थी।
युद्धक्षेत्र के बाईं ओर मंगल ग्रह को उसने देखा, उसका भाला उसके बगल में पड़ा था, और बादलों में उसका रथ और उड़ने वाले घोड़े थे। घुटने टेककर उसने अपने भाई से विनती की कि वह उड़ने वाले घोड़ों को उधार दे, जिन पर सोने के मुकुट लगे थे: "प्रिय भाई, मुझे यहाँ से ले चलो, और अपना रथ मुझे ओलंपस, देवताओं के निवास स्थान तक ले जाने के लिए दे दो; मुझे डायोमेड, एक नश्वर मनुष्य, से मिले घाव से बहुत पीड़ा हो रही है, जो अब स्वयं बृहस्पति से लड़ने का साहस करता है।"
उसने घोड़ों को सुनहरे मुकुटों से सुसज्जित करके उधार दिया;
गहरे संकट में वह रथ पर सवार हुई:
उसके बगल में आइरिस खड़ी थी, और उसने लगाम पकड़ी,
और घोड़ों को प्रेरित किया; वे बिना किसी हिचकिचाहट के दौड़े,
और शीघ्र ही देवताओं के निवास स्थान, उच्च ओलंपस पर पहुँचे: तेज आइरिस ने वहाँ घोड़ों को रोक दिया,
रथ से मुक्त किया, और उनके सामने
अमृतमय चारा रखा: अपनी माँ की गोद में,

डियोन, वीनस गिर पड़ी; उसने अपनी बाहों में भरकर उसे गले लगाया और अपने हाथों से सहलाते हुए कहा: "हे मेरी बच्ची, स्वर्ग की किस शक्ति ने तुझे इस प्रकार अन्याय किया है, तुझे किसी खुलेआम शर्मनाक काम का दोषी ठहराया है?"
हँसमुख रानी ने इस प्रकार उत्तर दिया: “टाइडियस के अभिमानी पुत्र डायोमेड ने मुझे चोट पहुँचाई है, क्योंकि मेरे प्रिय पुत्र एनियास को मैं युद्ध के मैदान से ले आई थी। अब यूनानियों और ट्रोजनों के बीच लड़ाई नहीं है, बल्कि यूनानी स्वयं देवताओं से लड़ रहे हैं।” स्वर्ग की देवी डियोन ने इस प्रकार कहा: “प्रिय बालक, धैर्य रखो; यद्यपि तुम बहुत विवश हो, अपने क्रोध को नियंत्रित करो: हम, जो स्वर्ग में निवास करते हैं, मनुष्यों से बहुत कुछ सहते हैं; और स्वयं भी।” अक्सर एक-दूसरे पर दुख का बोझ रहता था। मार्स को भी कष्ट सहना पड़ा; एलोयस के पुत्रों, ओटस और एफियाल्टेस द्वारा, जिन्हें मजबूती से बांधा गया था, वह तेरह महीने तक पीतल की बेड़ियों में जकड़ा रहा: और उसने युद्ध के देवता को वहीं जकड़ कर रखा था। अतृप्त मार्स, अगर उनकी सौतेली माँ, सुंदर एरिबोआ ने हेमीज़ की सहायता न मांगी होती; तो हेमीज़ ने चुपके से देवता को मुक्त कर दिया, जो अपनी कष्टदायी जंजीरों से बुरी तरह थक गया था। जूनो को भी कष्ट सहना पड़ा, जब एम्फिट्रियन के पुत्र ने... उसके दाहिने स्तन में तीन कांटों वाला तीर लगा:
उसने भयानक और अभूतपूर्व पीड़ा सहन की।
महान प्लूटो ने स्वयं उस चुभते तीर को महसूस किया,
जब कवच धारण करने वाले बृहस्पति के उसी पुत्र ने
नरक के द्वार पर ही उस पर आक्रमण किया,
और उसे तीव्र पीड़ा दी; दर्द से व्याकुल होकर
उच्च ओलंपस, बृहस्पति के दरबार में,
कराहते हुए वह आया; कड़वा तीर उसके कंधे में गहराई तक धंसा रहा, और उसकी आत्मा को दुखी करता रहा।
लेकिन जल्द ही पेऑन के सुखदायक मलहमों से हाथ से घाव भर गया (क्योंकि मृत्यु उस पर शक्तिहीन थी)। वह शापित था, अति-दुस्साहस का, बुरे कर्मों की परवाह न करने वाला, जिसने अपने धनुष से ओलंपस पर निवास करने वाले देवताओं पर आक्रमण किया। नीली आँखों वाली पल्लास, मैं भली-भांति जानती हूँ, ने टाइडाइड्स

को तुझ पर आक्रमण करने के लिए उकसाया है; मूर्ख और अंधे! वह नहीं जानता कि उसका जीवन कितना छोटा है, जो देवताओं के विरुद्ध लड़ता है! उसके लिए कोई बच्चा नहीं, जो घुटनों के बल बैठकर पिता का नाम तुझकाएगा, युद्ध से सुरक्षित। युद्धक्षेत्र से लौट आया।
चाहे वह कितना भी बहादुर क्यों न हो, डायोमेड सावधान रहे,
कहीं उसका सामना तुझसे अधिक खतरनाक शत्रु से न हो जाए।
तब सुंदर एगियाले, एड्रास्टस की संतान,
वीर डायोमेड की महान पत्नी,
लंबे समय तक ऊँचे विलापों से अपने घर की नींद भंग करेगी, और व्यर्थ ही अपने युवा स्वामी, यूनानियों में सबसे बहादुर, के लिए शोक मनाएगी।
उसने कहा; और उसने घाव से मवाद पोंछा; हाथ ठीक हो गया, असहनीय दर्द कम हो गया। लेकिन जूनो और मिनर्वा ने देखते हुए, शनि के पुत्र को कड़वे उपहास भरे शब्दों से उकसाया: और इस प्रकार नीली आँखों वाली देवी बोली: "हे पिता! क्या मैं बिना किसी अपराध के बोल सकती हूँ? ऐसा लगता है कि वीनस ने किसी यूनानी स्त्री को गुमराह करने और उसे उन ट्रोजनों में शामिल होने के लिए राजी करने की कोशिश की है, जिनका वह बहुत सम्मान करती है; और जब उस कोमल स्त्री ने अपने हाथ को सहलाया, तो एक सोने का क्लिप मिला। उसने अपनी पतली बांह पर खरोंच लगा ली है।
इस प्रकार उसने कहा: और देवताओं और मनुष्यों के पिता मुस्कुराए; उन्होंने सुनहरी वीनस को अपने पास बुलाया, और कहा, "हे मेरी संतान, युद्ध के कार्य तेरे लिए नहीं हैं; तू प्रेम के कार्यों और कोमल वैवाहिक बंधनों पर ध्यान दे; परन्तु शस्त्र-कपट के कार्य मंगल और पल्लास के लिए छोड़ दे।"
जब वे ऐसी बातचीत कर रहे थे, तब बहादुर डायोमेड ने फिर से ऐनेस पर हमला किया; वह भली-भांति जानता था कि अपोलो का रक्षक हाथ उसके चारों ओर लिपटा हुआ है; फिर भी, देवता से भयभीत न होकर, वह एनियास को मारने और उसके हथियार प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ता रहा। उसने तीन बार घातक इरादे से आक्रमण किया; और अपोलो ने तीन बार उसकी चमकती ढाल पर प्रहार किया; परन्तु जब उसने दैवीय बल से अपना चौथा प्रयास करने की कोशिश की, तो

विनाशक ने भयानक धमकी भरे शब्दों में कहा: "हे टाइडाइड्स, सावधान रहो और पीछे हट जाओ; स्वयं को देवता मत समझो; क्योंकि हर कोई एक जैसा नहीं होता।" अमर देवताओं और पृथ्वी पर जन्मे मनुष्यों की जाति।
उसने कहा; और डायोमेड ने थोड़ी देर के लिए जगह बनाई, इससे पहले कि दूर-विनाशक का क्रोध पीछे हट गया: अपोलो तब एनियास कोलाहल से दूर ले गया; और पेर्गमस में, जहाँ उनका पवित्र मंदिर था, उन्हें सुरक्षित रखा गया। वहाँ लैटोना और डायन, धनुर्धर-रानी, महान मंदिर के सबसे भीतरी कोने में, उनके घावों की देखभाल की और उनके गौरव को शांत किया। इस बीच, चांदी के धनुष वाले अपोलो ने एक प्रेत रूप तैयार किया, जो महान एनियास का प्रतिरूप था, और हथियारों में भी समान था: उस रूप के चारों ओर, ट्रोजन और यूनानियों का, युद्ध का शोरगुल था; कठोर बैल की खाल से बनी गोल ढाल और प्रत्येक योद्धा के सीने के सामने हल्के ढाल पर भयंकर प्रहार हुए। तब अपोलो ने युद्ध के देवता से कहा: "मंगल! मंगल! हे मनुष्यों के अभिशाप, रक्तरंजित स्वामी, नगरों को नष्ट करने वाले, क्या यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होता कि तुम हस्तक्षेप करते और इस सरदार, टाइडाइड्स को युद्ध के मैदान से हटा लेते? उसका इतना घमंड था कि अब वह स्वयं बृहस्पति से भी लड़ने की हिम्मत कर रहा था। उसने हाल ही में वीनस को कलाई में घायल किया था; और अब एक देवता की तरह, उसका सामना मुझे।"
उसने कहा, और इलियम की सबसे ऊँची चोटी पर बैठ गया:
जबकि मार्स, थ्रेसियन प्रमुख के रूप में,
तेज अकामास, ट्रोजन सैनिकों के बीच
इधर-उधर घूमता रहा, और उन्हें युद्ध के लिए उकसाता रहा।
उसने प्रियम के स्वर्ग से अवतरित पुत्रों को पुकारा;
"हे प्रियम के पुत्रों, स्वर्ग से अवतरित राजा,
तुम कब तक अपने लोगों को मरते हुए देखोगे?
जब तक युद्ध तुम्हारे द्वार तक न पहुँच जाए?
ऐनेस, महान आत्मा वाले एंचीसेस' पुत्र, हेक्टर के समान सम्मान में, नीचे गिर गया है;
उसकी सहायता के लिए जाओ! हमारे वीर साथी को बचाओ!

उन्होंने कहा; उनके शब्दों ने सभी को नया साहस दिया:
तब सर्पेडन ने निंदा भरे स्वर में,
देवतुल्य हेक्टर को संबोधित किया; "अब कहाँ है, हेक्टर, वह आत्मा जो पहले तुम्हारी थी? एक समय था जब तुम यह दावा करते थे कि बिना सहयोगियों के भी तुम, तुम्हारे भाई और तुम्हारा घर अकेले ही शहर की रक्षा कर सकते हो: क्योंकि इन सभी को मैं व्यर्थ ही देखता हूँ, और एक भी नहीं दिखता; वे सब, शेर के चारों ओर कुत्तों की तरह दुबके और दुबके रहते हैं: हम, अजनबी और सहयोगी, लड़ाई जारी रखते हैं। मैं तुम्हारी सहायता के लिए दूर-दराज के देशों से आया हूँ, लिसिया से, ज़ैंथस की बहती धारा से; वहाँ एक प्रिय पत्नी को छोड़कर, और शिशु पुत्र, और समृद्ध संपत्ति, जो ईर्ष्या उत्पन्न कर सकती है; फिर भी मैं अपनी सेना का हौसला बढ़ाता हूँ; और स्वयं भी, मैंने अपनी भूमिका निभाई है, हालाँकि मेरे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, ऐसा कुछ भी नहीं जिसे यूनानी भगा सकें या ले जा सकें; परन्तु तुम निष्क्रिय खड़े हो; और बाकियों को आदेश नहीं देते कि वे अपनी भूमि की रक्षा करें, और अपनी पत्नियों और घरों की रक्षा करें। सावधान रहो, कहीं तुम किसी विशाल जाल में फँसकर अपने शत्रुओं का शिकार और लूट का माल न बन जाओ, जो शीघ्र ही तुम्हारे समृद्ध शहर को नष्ट कर देंगे। धूल। दिन-रात अपने विचारों में यही लीन रहो, अपने सभी बहादुर साथियों से निरंतर प्रार्थना करो, दृढ़ता से खड़े रहो और इस शर्म को मिटा दो।
उसने कहा; और हेक्टर ने तीखे शब्दों को महसूस किया; वह अपने रथ से कूद पड़ा; और पंक्तियों के बीच से, दो भाले लहराते हुए, वह हथियार लेकर आगे बढ़ा; सभी को उत्साहित करते हुए, उसने अपना युद्ध-घोष किया। युद्ध का रुख पलट गया; फिर उन्होंने यूनानियों का सामना किया: यूनानी निडर होकर कतारों में खड़े रहे। जैसे खलिहान से हवा, जहाँ लोग अनाज फटक रहे होते हैं, भूसे को उड़ा ले जाती है; जब पीली सेरेस हवा के साथ अनाज और भूसे को अलग करती है, जो सफेद ढेरों में पड़े होते हैं; यूनानी धूल से इतने मोटे तौर पर सफेद हो गए थे, जो घोड़ों के पैरों के नीचे से उठकर, भीड़ में मिल गए थे, जिन्हें उनके सारसों ने मोड़ दिया था। उड़ान। फिर भी, वे अथक परिश्रम करते रहे; लेकिन मंगल ग्रह ने ट्रोजनों की सहायता करते हुए, युद्धक्षेत्र को घने बादलों से ढक दिया, और हर तरफ से उन्हें लाया। इस प्रकार, सुनहरी तलवार वाले फोएबस ने उस आदेश का पालन किया, जिसमें उसे ट्रोजनों का साहस

जगाने के लिए कहा गया था, जब उसने पल्लास को यूनानियों की सहायता के लिए आते देखा।
फिर समृद्ध मंदिर से ऐनेस अपोलो की मूर्ति को लेकर आया और उसे नई ऊर्जा प्रदान की: वह एक बार फिर अपने साथियों के बीच खड़ा हो गया; वे उसे जीवित और स्वस्थ देखकर प्रसन्न हुए, और वह ऊर्जा से परिपूर्ण था; फिर भी कोई प्रश्न नहीं पूछा गया: चांदी के धनुष वाले फोएबस द्वारा थोपे गए कष्टों, रक्तरंजित मंगल और कलह के बीच प्रश्न पूछने का समय नहीं था।
इस बीच यूलिसिस और अजासेस दोनों ने, और डायोमेड ने, लड़ाई के लिए साहस के साथ, यूनानी सेना को प्रेरित किया; वे भयभीत नहीं हुए, ट्रोजन के आक्रमण और हमले से पीछे नहीं हटे; वे दृढ़ता से समूह बनाकर खड़े रहे, मानो शनि के पुत्र द्वारा धुंध भरे पर्वत शिखर के चारों ओर बादल जमा हो गए हों, शांत भाव से, जब बोरियास की शक्ति और तूफानी हवाएँ सो रही हों, और अपनी साँसों से छायादार बादलों को बिखेर रही हों; यूनानियों ने भी इसी प्रकार डटकर सामना किया और ट्रोजन के आक्रमण से नहीं डरे। एगामेम्नन पूरी सेना के बीच से गुजरे और पुकारे, "बहादुर साथियों, अब मर्दों की तरह डटे रहो; दृढ़ हृदय रखो; और हठ में लड़ो, एक दूसरे की सहायता करो; आपसी सहायता से गिरने वालों से अधिक बचते हैं; कायरतापूर्ण भागने में न प्रसिद्धि है और न ही सुरक्षा।
इस प्रकार उसने तुरंत अपना भाला फेंका और उसे लगा,
एक प्रतिष्ठित व्यक्ति, ऐनेस के वफादार मित्र,
पेर्गसस के पुत्र डिकून,
ट्रॉय के पास, हमेशा की तरह युद्ध के मैदान में सबसे आगे,
प्रियम के पुत्रों के समान सम्मान में।
सम्राट एगामेम्नन ने उसकी ढाल पर प्रहार किया;
ढाल का बचाव व्यर्थ था; भाला
कमर के नीचे से होकर गुजरा, और उसकी जांघ में जा लगा;
गड़गड़ाहट के साथ वह गिर पड़ा, और उसके कवच की तेज आवाज गूंजी।
दूसरी ओर, ऐनेस ने दो सरदारों को मार डाला, यूनानियों में सबसे बहादुर,
ओरसिलोचस और क्रेथॉन, जो डायोक्लेस के पुत्र थे और समृद्ध फेरा में रहते थे; वह

धनी था, और शक्तिशाली अल्फियस नदी से अपने उच्च वंश का पता लगाता था, जो पाइलियन भूमि से अपने प्रचुर जल को बहाता है। उसके पुत्रों में अनेक गोत्रों के मुखिया ओर्सिलोचस का जन्म हुआ; उसके उत्तराधिकारी वीर डायोक्लेस बने; जिनके दो जुड़वां पुत्र ओर्सिलोचस और क्रेथॉन हुए, जो युद्ध कला के हर पहलू में निपुण थे। अपनी युवावस्था में वे दोनों ग्रीस के काले रंग के जहाजों के बीच से होते हुए ट्रॉय गए, एट्रेस के पुत्रों का पक्ष लेने के लिए; परन्तु मृत्यु की छाया उन दोनों पर छा गई। जैसे दो जवान शेर, अपनी भूरी माँ द्वारा पर्वतीय वन की गहराई में पाले-पोसे गए हों।
अवकाश,
भेड़ों और झुंडों पर उनका युवा क्रोध उंडेलता है,
भेड़शालाओं में तबाही मचाते हुए, जब तक कि वे स्वयं,
मनुष्य के हाथों पराजित होकर हार न मान लें:
इस प्रकार ये दोनों ऐनेस के हाथों मारे गए,
और मृत्यु में दो ऊंचे देवदार के पेड़ों की तरह पड़े रहे।
वीर योद्धा मेनेलास ने दया भरी दृष्टि से उनका पतन देखा; और मंगल ग्रह द्वारा प्रेरित होकर, भाला लहराते हुए, सबसे आगे की पंक्तियों में आगे बढ़ा, जिसने महान ऐनेस के हाथों अपनी मृत्यु को मात दी। नेस्टर के पुत्र, एंटिलोकस ने उसे देखा, और उसकी सहायता के लिए दौड़ा; क्योंकि उसे बहुत डर था कि कहीं राजा पर कोई विपत्ति न आ जाए, और उसकी मृत्यु उनके युद्ध प्रयासों के फल को न छीन ले। वे दोनों, हाथ और भाले की संयुक्त शक्ति से, युद्ध के लिए आगे बढ़े; एंटिलोचस, राजा के ठीक बगल में तैनात था। दोनों के एक साथ आने से पहले, एनियास डर गया था, क्योंकि वह एक साहसी योद्धा था, कि वह अपनी जगह पर डटा रहेगा। मारे गए लोगों को वे यूनानी सेना की पंक्तियों के भीतर ले आए, उन्हें उनके साथियों के हाथों में सौंप दिया, और वापस मुड़कर, सबसे आगे वालों के बीच युद्ध में शामिल हो गए। फिर, मंगल ग्रह के समान बहादुर, उन्होंने पाइलेमेनेस को मार डाला, ढालधारी पाफ्लागोनियन योद्धाओं के सरदार को; मेनेलाउस ने उससे आमने-सामने की लड़ाई लड़ी, और भाले से उसे भेद दिया। कॉलर-बोन;
जबकि, एक भारी पत्थर से, एंटिलोकस ने
एटिमनियस के बेटे, मायडोन, उसके सारथी, की कोहनी पर वार किया, जो अपने उग्र

घोड़ों को भगाने के लिए भाग रहा था; उसके हाथों से
हाथीदांत से सजी लगाम जमीन पर गिर गई।
एंटिलोकस उस पर झपटा, और अपनी तलवार से
उसकी कनपटी पर वार किया; हांफते हुए, वह
अपनी गर्दन और कंधों के बल रथ से
सिर के बल गिर पड़ा; और (क्योंकि वहाँ रेत गहरी थी) कुछ देर तक संतुलन बनाए रखा, जब तक कि घोड़ों के पैरों ने उसे ज़मीन पर पटक नहीं दिया; एंटिलोकस ने घोड़ों को पकड़कर उन्हें जहाजों की ओर भगा दिया।
हेक्टर ने पंक्तियों के पार देखा और दौड़ पड़ा, जोर से चिल्लाते हुए, मुठभेड़ के लिए; उसके पीछे ट्रॉय की भीड़ भरी टोलियाँ थीं, मार्स के नेतृत्व में और भयंकर बेलौना ने उसका हाथ पकड़ रखा था; उसने भयंकर कोलाहल मचा रखा था; जबकि मार्स ने एक विशाल भाला लहराया: और अब आगे बढ़ते हुए, हेक्टर के पीछे-पीछे चलते हुए, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वीर डायोमेड यह देखकर भयभीत हो गया: जैसे कोई व्यक्ति, मैदान पर लंबी यात्रा करते हुए, पूरी तरह से अप्रस्तुत, अचानक एक तेज धारा के किनारे पर खड़ा हो जाता है, जो समुद्र की ओर तेजी से बह रही होती है, झाग से उबल रही होती है, और पीछे हट जाता है; तब टाइडाइड्स पीछे हट गया और भीड़ को संबोधित करते हुए बोला: "हे मित्रों, हम हेक्टर की शक्ति देखकर चकित हैं, जो एक कुशल भालाधारी और साहसी योद्धा है; परन्तु कोई रक्षक देवता उसके कदमों का साथ देता है और उसे खतरे से बचाता है; अब उसके बगल में एक नश्वर प्राणी के रूप में मंगल ग्रह स्वयं खड़ा है। तो अपने शत्रुओं की ओर मुँह करके पीछे हट जाओ, और देवताओं से लड़ने का साहस मत करो।"
उसने कहा; ट्रोजन अब निकट आ गए थे, और एक ही रथ पर सवार होकर, युद्ध में निपुण दो सरदार, मेनेस्थेस और एंचियालस, हेक्टर के हाथों मारे गए।
दया भरी निगाहों से महान एजैक्स टेलमोन ने उनके पतन को देखा; पास आकर उसने अपना चमकीला भाला फेंका; यह भाला सेलगस के पुत्र एम्फ़ियस को लगा, जो पेसस में रहता था, भूमि और धन से समृद्ध; बुरे भाग्य से विवश होकर, वह प्रियम के घर सहायता के लिए आया। एजैक्स का भाला कमर के नीचे लगा, और भाले की नोक उसकी कमर में गहराई तक धंस गई; वह गरजते हुए गिर पड़ा; फिर एजैक्स युद्ध की

लूट पर कब्जा करने के लिए आगे बढ़ा। लेकिन तेज और भयंकर रूप से, ट्रोजन ने अपने चमकीले और तीखे हथियार दिखाए, और कई भाले शक्तिशाली ढाल को झेल गए। एजैक्स, मारे गए लोगों पर अपना पैर मजबूती से जमाए हुए, पीतल का भाला वापस खींच लिया; फिर भी वह उसका कवच नहीं उतार सका, क्योंकि तीर इतने तेज चल रहे थे; और उसे बहुत डर था कि उसके दुश्मन उसे घेर लेंगे, जो उस पर कसकर दबाव बना रहे थे, कई और बहादुर; और, अपनी बहादुरी, लंबाई और ताकत के बावजूद, उसे पीछे धकेलते रहे; वह मजबूरन पीछे हट गया।
इस प्रकार वे उस भयंकर लड़ाई के बीच जूझते रहे। फिर दुर्भाग्य ने हरक्यूलिस के वीर और बलवान पुत्र, टलेपोलेमस को स्वर्ग में जन्मे सर्पेडन से युद्ध करने के लिए प्रेरित किया। जब वे पास आए, तो बादलों को नियंत्रित करने वाले बृहस्पति के पोते और पुत्र, टलेपोलेमस ने कहना शुरू किया: "सरपेडन, लिसियाई सरदार, तुम यहाँ क्यों आए हो, कांपते और दुबके हुए, युद्ध में बिल्कुल अकुशल? जो लोग तुम्हें ढाल धारण करने वाले बृहस्पति का पुत्र बताते हैं, वे झूठ बोलते हैं; तुम तू, उनके चिह्न के नीचे, जिन्होंने अपने पूर्वजों के समय में उस शाही वंश का दावा किया था: मेरे पिता ऐसे ही थे, दृढ़ साहस वाले, शेर जैसे हृदय वाले। केवल छह जहाजों और एक छोटे से दल के साथ, लाओमेडोन द्वारा रोके गए घोड़ों का बदला लेते हुए, उसने इस शहर, ट्रॉय को नष्ट कर दिया, और उसकी सड़कों को रेगिस्तान बना दिया; लेकिन तेरी आत्मा गरीब है, तेरे सैनिक तेजी से क्षीण हो रहे हैं; और मुझे नहीं लगता कि ट्रोजन तुझमें जीत हासिल करेंगे (भले ही तेरा शौर्य अधिक हो) और लिसिया के उनकी सुरक्षा पाओ; परन्तु मेरे हाथों पराजित होकर, आज तुम पाताल लोक के द्वार से होकर गुजरोगे।
जिस पर लाइसियन सरदार सर्पेडन ने इस प्रकार कहा: "टलेपोलेमस, तुम्हारे पिता ने ट्रॉय की पवित्र दीवारों को एक मूर्ख व्यक्ति, लाओमेडोन की मूर्खता के कारण ध्वस्त कर दिया, जिसने अपमानजनक शब्दों से उसकी महान सेवा का प्रतिफल नहीं दिया; और न ही वे वादे किए गए घोड़े दिए, जिनके लिए वह दूर से आया था। मैं मानता हूँ कि अब तुम यहीं, मेरे हाथों, अपनी नियति का सामना करोगे; मेरा भाला तुम पर विजय प्राप्त करेगा; मेरे लिए यश अर्जित करो, और तुम्हारी आत्मा को पाताल लोक भेज दो।"

इस प्रकार जब सर्पेडन बोल रहा था, तभी टलेपोलेमस ने अपना राख का भाला उठाया; दोनों के हाथों से भारी हथियार एक साथ निकल पड़े। टलेपोलेमस के गले में सर्पेडन का भाला लगा; वह गर्दन के आर-पार हो गया, और उसकी आँखों पर मृत्यु का साया छा गया। दूसरी ओर सर्पेडन ने अपने भाले से टलेपोलेमस की बाईं जांघ पर प्रहार किया। वह तीव्र हथियार मांस को भेदते हुए हड्डी में जा धंस गया; मृत्यु के उस प्रहार को उसके पिता ने टाल दिया। उसके साथी उसे मैदान से उठाकर ले गए, भाले के बोझ से दबे और तड़पते हुए, क्योंकि उसे रथ तक ले जाने की हड़बड़ी में किसी ने भी उसकी जांघ से हथियार निकालने की जहमत नहीं उठाई; वे इतने बुरी तरह से दबाव में थे।

यूनानियों ने युद्धक्षेत्र से मारे गए त्लेपोलेमस को भी लाया; यूलिसिस ने देखा,
धैर्यवान आत्मा वाला, परन्तु हृदय से गहरा विचलित;
और परस्पर विरोधी विचारों से उसका हृदय फट गया,
कि पहले वह थंडरर के पुत्र का पीछा करे,
या लाइसियन सेना का विनाश करे।
परन्तु भाग्य ने बृहस्पति के वीर पुत्र को यूलिसिस के हाथों गिरने नहीं दिया था;
इसलिए पल्लास ने अपना क्रोध लाइसियनों पर उतारा।
फिर उसने एलास्टोर और कोएरानस को मार डाला,
क्रोमियस, अल्केंडर, हेलियस, प्रितानिस,
नोएमोन; और यूलिसिस द्वारा मारे गए लिसियाई योद्धाओं की सूची अभी समाप्त ही नहीं हुई थी; लेकिन चमकते हेलमेट वाले हेक्टर को उसने देखा; वह चमकते मुकुट के साथ अग्रपंक्तियों में घुस आया; यूनानियों पर आतंक फैलाते हुए, वह तेजस्वी रूप में यूनानियों के बीच से निकल पड़ा; सर्पेडन ने उसकी निकट पहुँच देखकर प्रसन्नता से कहा, और विनती भरे स्वर में उससे इस प्रकार कहा:

हे प्रियम के पुत्र हेक्टर, मुझे यूनानियों का शिकार मत बनने दो, बल्कि मेरी सहायता करो। फिर मुझे अपने नगर में ही अपने अंतिम दिन बिताने दो। क्योंकि मुझे न तो अपनी जन्मभूमि को फिर से देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा; और न ही सुरक्षित घर लौटकर अपनी दुखी पत्नी और शिशु को प्रसन्न करने का।

इस प्रकार वह; परन्तु हेक्टर ने एक शब्द भी उत्तर दिए बिना, चुपचाप आगे बढ़ गया, यूनानियों का पीछा करने और उनकी सेना पर विनाश बरसाने के लिए जल्दी से। कवचधारी बृहस्पति के बलूत वृक्ष के नीचे, उसके वफादार साथियों ने सर्पेडन को लिटा दिया, और उसके प्रिय साथी, वीर पेलागॉन ने उसकी जांघ से राख का भाला निकाल लिया। वह बेहोश हो गया, और उसकी आँखों पर चक्कर छा गया: लेकिन जल्द ही उसे होश आ गया, क्योंकि जब वह साँस लेने के लिए हाँफ रहा था, तब उसके माथे पर ठंडी हवा चली।
पीतल के हेलमेट वाले मंगल और हेक्टर द्वारा, यूनानियों पर भारी दबाव पड़ा, फिर भी वे अपने जहाजों की ओर नहीं भागे, न ही उन्होंने लड़ाई जारी रखी; बल्कि जैसे ही उन्हें ईश्वर की उपस्थिति का पता चला, वे वापस लौट गए। तो बताइए, हेक्टर, प्रियम के पुत्र, और कवचधारी मंगल की वीरता का अनुभव सबसे पहले और सबसे अंत में किसने किया? सबसे पहले देवतुल्य टेउथ्रास, फिर ओरेस्टेस, साहसी सारथी; कुशल एटोलियन भालाधारी, ट्रेकस, ओएनोमाउस और हेलेनस, ओएनॉप्स का पुत्र; और ओरेस्बियस, चमकीली कमरबंद से घिरा हुआ; वह हिला में रहता था, असीम धन का सावधान स्वामी, सेफिसस के दलदली किनारों के पास; बोओटिया के सरदार उसके चारों ओर उपजाऊ और समृद्ध भूमि पर निवास करते थे। श्वेत भुजाओं वाली रानी जूनो ने इन दोनों को देखा, जो यूनानियों को इस भयंकर लड़ाई में नष्ट कर रहे थे। उसने पल्लास को अपने मधुर शब्दों में कहा: "हे स्वर्ग! कवच धारण करने वाले बृहस्पति के वीर पुत्र, मेनेलास को दिया गया हमारा वचन व्यर्थ था कि वह ट्रॉय की सुदृढ़ दीवारों को ध्वस्त कर दे, और यदि हम क्रूर मंगल को उसके पागलपन भरे आक्रमण को जारी रखने के लिए अनियंत्रित छोड़ दें, तो वह सुरक्षित लौट आएगा। तो आओ, हम भी इसमें शामिल हो जाएँ।" संघर्ष।"
उसने कहा: और नीली आँखों वाली कन्या पल्लास ने आज्ञा का पालन किया। शनि की संतान, स्वर्ग की रानी जूनो ने स्वयं अमर घोड़ों को सजाया, सुनहरे मुकुटों से सुशोभित किया: रथ में पीतल के पहिए लगे थे, आठ तीलियों वाले, जो लोहे की धुरी पर घूमते थे; उसके किनारे सोने के थे, और चारों ओर पीतल के टायर लगे थे, जो देखने में अद्भुत थे; रथ के केंद्र चांदी के थे, चारों ओर से गोल थे: रथ का तख्ता सोने और चांदी का बना था। पट्टियों से बंधा हुआ एक खंभा लटका हुआ था, और उसके चारों ओर एक दोहरी

रेलिंग थी: खंभा पूरी तरह से चांदी का था; अंत में एक सुनहरा जुआ था, जिस पर सुनहरे सुंदर जुए की पट्टियाँ लगी थीं: और जूनो, युद्ध में शामिल होने के लिए पूरी तरह से उत्साहित थी, जुए के नीचे से घोड़े दौड़ते हुए आगे बढ़ रहे थे।
पल्लास, कवच धारण करने वाले बृहस्पति की संतान, अपने पिता की दहलीज पर अपना घूंघट गिराती है, जो हवा जैसी हल्की बनावट का है और उसके अपने हाथों से बनाया गया है; बादलों को वश में करने वाले बृहस्पति द्वारा निर्मित कवच पहनकर, वह खूनी लड़ाई के लिए तैयार खड़ी हो जाती है। फिर वह अपने कंधों पर लटकता हुआ कवच डालती है, जिसके चारों ओर आतंक छाया हुआ है; और उसके मुख पर शस्त्र-कथन, संघर्ष, उच्च साहस और भगदड़ की आकृतियाँ बनी हुई हैं; वहाँ एक विशालकाय गॉर्गन का सिर भी अंकित है। आकार,
भयानक भौंहें चढ़ाए, क्रोधित बृहस्पति का संकेत:
और उसने अपने सिर पर एक सुनहरा हेलमेट रखा,
चार शिखरों वाला, दो चोटियों वाला, जिसका विशाल किनारा
सौ शहरों के योद्धाओं के लिए पर्याप्त हो सकता था:
वह अपने अग्नि रथ पर सवार हुई: उसके हाथ में
एक भाला था, लंबा, भारी, मजबूत; जिससे
एक शक्तिशाली पिता की शक्तिशाली पुत्री
उन लोगों की पंक्तियों को ध्वस्त कर देती है जिनका वह घृणा से पीछा करती है।
फिर जूनो ने उड़ते हुए घोड़ों को तेज़ी से छुआ: तुरंत ही स्वतः खुलते ही, घंटों द्वारा संरक्षित स्वर्गीय द्वार, जो स्वर्ग और उच्च ओलंपस के प्रभारी हैं, बादलों के आवरण को हटाने या हटाने के लिए कर्कश आवाज के साथ खुल गए। उत्तेजित घोड़े इन द्वारों से होकर आगे बढ़े। उन्होंने देवताओं में से शनि के पुत्र को, कई चोटियों वाले ओलंपस की सबसे ऊँची चोटी पर, अलग बैठे हुए पाया। वहाँ पहुँची,
श्वेत भुजाओं वाली देवी जूनो ने अपने घोड़ों को रोका,
और इस प्रकार स्वर्ग के संप्रभु स्वामी को संबोधित किया:
हे पिता बृहस्पति! क्या आप मंगल के हिंसक व्यवहार को अविचलित देख सकते हैं? उसने कितने यूनानियों को, लापरवाह और अनियंत्रित होकर, नष्ट कर दिया है; मेरे लिए वह घोर दुःख का स्रोत है; इस बीच, चांदी के धनुष वाले शुक्र और फोएबस प्रसन्न

होकर देख रहे हैं, जिन्होंने इस पागल को भेजा है, जिसे कानून और न्याय दोनों का कोई ज्ञान नहीं है। कहिए, पिता बृहस्पति, क्या मैं आपके क्रोध को भड़काऊँगा, यदि मैं उसे अपमानित करके मैदान से निकाल दूँ?
जिस पर बादल-संयोजक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "जाओ, उसके विरुद्ध पल्लास को भेजो; मैं जानता हूँ, उसने अक्सर उसे भीषण पीड़ा पहुँचाई है।"
उन्होंने कहा: श्वेत भुजाओं वाली रानी ने खुशी से आज्ञा मानी;
उसने अपने घोड़ों को प्रेरित किया; बिना किसी हिचकिचाहट के, वे उड़ गए
पृथ्वी और तारों भरे आकाश के बीच में:
जहाँ तक उसकी दृष्टि पहुँचती है, जो ऊपर से
अपने पहरेदार बुर्ज से गहरे नीले समुद्र को देखता है,
उतनी ही दूर तक हिनहिनाते घोड़े दौड़ पड़े।
लेकिन जब वे ट्रॉय पहुँचे, उन धाराओं के किनारे
जहाँ सिमोइस और स्कैमंडर का पानी मिलता है,
श्वेत भुजाओं वाली देवी ने अपने उड़ते घोड़ों को रोक दिया,
रथ से मुक्त होकर, घने बादलों में छिप गईं।
उनके लिए, नदी-देवता के आदेश पर,
अमृतमय चारा उगा: देवियाँ, जंगली कबूतर की तीव्र उड़ान की तरह तेज, यूनानियों की सहायता के लिए युद्ध के मैदान में दौड़ पड़ीं। लेकिन जब वे युद्ध के सबसे घने क्षेत्र में पहुँचीं, जहाँ डायोमेड की शक्ति के चारों ओर सबसे बहादुर और सर्वश्रेष्ठ, भयंकर शेरों की तरह, या जंगली सूअरों की तरह, अपनी प्रजाति के सबसे शक्तिशाली, एकत्रित थे, वहाँ श्वेत भुजाओं वाली रानी खड़ी हुई और जोर से पुकारी, पीतल की आवाज वाले स्टेंटर के रूप में, जिसकी चीख पचास पुरुषों की चीख के समान थी: "धिक्कार है तुम पर, यूनानियों, नीच कायरों! केवल दिखावे में ही बहादुर हो; जबकि अकिलीज़ डार्डन द्वारों से युद्ध के लिए निकला था, ट्रोजन कभी आगे बढ़ने का साहस नहीं करते थे, वे उसके भारी भाले से इतना डरते थे; लेकिन अब वे दीवारों से दूर, तुम्हारे जहाजों के पास लड़ रहे हैं।"
उसने कहा: उसके शब्दों ने उनके मुरझाए हुए साहस को जगाया। इस बीच नीली आँखों वाली पल्लास जल्दी से टाइडियस के पुत्र की खोज में चली गई; उसके रथ के

पास उसने राजा को पंडारस के बाण से लगे घाव को ठंडा करने की कोशिश करते हुए पाया: उसकी ढाल की चौड़ी बेल्ट के नीचे जमा हुआ पसीना उसे जकड़ रहा था, और परिश्रम से उसकी भुजा कमजोर हो गई थी; बेल्ट को ऊपर उठाया गया, और उसने घाव से जमे हुए खून को पोंछा: रथ के पास देवी खड़ी हुई, और जुए को छूकर बोली:
टाइडियस का पुत्र टाइडियस के समान बिल्कुल नहीं था: उसका कद छोटा था, पर उसका प्राण उच्च था: और जब मैं युद्ध से उतड़प कर भागा, तो मैं उसे रोकना चाहता था, उस समय थेब्स में, जब वह एक दूत के रूप में अकेला था, बिना किसी सहारे के, सभी थेब्सवासियों के बीच, मैंने उसे शांति से भोज में शामिल होने की सलाह दी: लेकिन अपने उग्र साहस के कारण, उसने सभी थेब्सवासियों को कुश्ती में चुनौती दी, और उन सभी को आसानी से हरा दिया; मुझे जो सहायता मिली वह इतनी शक्तिशाली थी। दिया। अब मैं तुम्हारे साथ खड़ा हूँ और तुम्हें हानि से बचा रहा हूँ, और तुम्हें ट्रोजनों के साथ साहसपूर्वक लड़ने का आदेश देता हूँ। परन्तु यदि युद्धक्षेत्र के परिश्रम से तुम्हारे अंग थक जाएँ, या निर्दयी भय तुम्हें रोके, तो तुम वीर टाइडियस की संतान न बनो।
वीर डायोमेड ने इस प्रकार उत्तर दिया: "मैं तुम्हें जानता हूँ, देवी, तुम कौन हो; कवच धारण करने वाले बृहस्पति की संतान: मैं तुमसे अपने मन की बात खुलकर कहता हूँ, और कुछ भी नहीं छुपाऊँगा। न तो निर्मम भय, न ही संकोचपूर्ण संदेह मुझे रोकेंगे; परन्तु मैं तुम्हारे वचनों को याद रखूँगा, कि अन्य अमर देवताओं से युद्ध न करूँ: परन्तु यदि बृहस्पति की पुत्री, वीनस, युद्ध करने का साहस करे, तो मैं उस पर अपना भाला फेंकने से नहीं हिचकूँगा। इसलिए मैं पीछे हट गया, और अन्य भी..." सेवानिवृत्त हो जाओ, क्योंकि मैंने स्वयं मंगल ग्रह को युद्धक्षेत्र में तेजी से भागते हुए देखा था।
नीली आँखों वाली देवी पल्लास ने उनसे इस प्रकार कहा: "हे टाइडियस के पुत्र, मेरी आत्मा के प्रिय, अब मंगल ग्रह से भी युद्ध करने से मत डरो, न ही किसी अन्य देवता से; मैं तुम्हारी सहायता करूंगी। आओ, सबसे पहले उसी की ओर अपना रथ बढ़ाओ; उससे आमने-सामने मुकाबला करो; और इस पागल, इस साक्षात अभिशाप, इस निर्लज्ज गद्दार को मारने से मत डरो; जिसने हाल ही में जूनो और मेरे साथ ट्रॉय से युद्ध

करने और यूनानियों की सहायता करने का समझौता किया था; जो अब प्रकट होता है, यूनानियों को छोड़कर, ट्रोजन साम्राज्य में।" रैंक।"
इस प्रकार पल्लास बोली, और अपना हाथ बढ़ाते हुए उसने अपने साथी स्टेनेलस को रथ से पीछे खींच लिया; वह जल्दी से नीचे कूद गया। उत्सुक देवी ने वीर डायोमेड के बगल में उसका स्थान ग्रहण किया; भार के नीचे ओक की धुरी जोर से कराह उठी; क्योंकि रथ पर एक शक्तिशाली देवी और एक वीर सवार थे। फिर पल्लास ने चाबुक और लगाम पकड़ी, और उग्र घोड़ों की गति को मंगल की ओर निर्देशित किया। एटोलियनों में सबसे बहादुर, पेरीफास, ओकेशियस का बलवान पुत्र, उसने अभी-अभी मारा था, और उसके हथियार छीनने के लिए खड़ा था। फिर उसने अंधकार की पल्लास का हेलमेट पहना, मार्स की दृष्टि से अपनी उपस्थिति छिपाने के लिए: लेकिन जब युद्ध के रक्तरंजित देवता ने देखा कि देवतुल्य डायोमेड उसकी ओर बढ़ रहा है, तो उसने बलवान पेरीफास के शव को वहीं छोड़ दिया जहाँ वह गिरा था; जबकि स्वयं वीर डायोमेड से मुठभेड़ में भिड़ गया। जब वे निकट आए, तो सबसे पहले मार्स ने अपना भारी भाला जुए और घोड़ों की लगाम से आगे बढ़ाया, घातक लक्ष्य के साथ; लेकिन पल्लास ने रथ से उसे मोड़ दिया और व्यर्थ प्रयास को विफल कर दिया। फिर डायोमेड ने अपनी बारी में आगे बढ़कर अपना भारी भाला चलाया; पैलस के मार्गदर्शन में, मार्स के पार्श्व भाग पर सटीक निशाना साधते हुए, ठीक उसी जगह पर जहाँ कमरबंद बंधा था, हथियार लगा: उसने मांस को भेद दिया और तुरंत वापस खींच लिया गया: तब मार्स इतनी जोर से चिल्लाया, मानो नौ हजार या दस हजार आदमी एक साथ युद्ध-घोष कर रहे हों: ट्रोजन और यूनानी दोनों ही भय से कांपते हुए सुन रहे थे; मंगल की चीख इतनी भयावह थी। जैसे बादलों से घिरी हवा काली दिखाई देती है, जैसे गर्मी के बाद तूफानी हवाएं चलती हैं, वैसे ही मंगल वीर डायोमेड के सामने प्रकट हुआ, जैसे घने बादलों में वह स्वर्ग की ओर उड़ान भर रहा हो। वह तेजी से महान ओलंपस की ऊंचाइयों पर पहुंचा, जो देवताओं का निवास स्थान है; और शनि के पुत्र के सिंहासन के पास बैठकर, पीड़ा से व्याकुल होकर, उसने घाव से रिसने वाली अमर धारा दिखाई, और इस प्रकार बृहस्पति से अपने दयनीय शब्द कहे:
हे पिता बृहस्पति, क्या तू इन हिंसक कृत्यों को अविचलित देख सकता है? हम देवता सबसे बड़ी बुराइयाँ सहते हैं, हम एक दूसरे के ऋणी हैं जो अभी भी मानवीय झगड़ों में

हस्तक्षेप करते हैं। हम सब तुझसे शिकायत करते हैं; तेरा नासमझ बच्चा हमेशा किसी न किसी बुरे काम में लगा रहता है। ओलंपस पर रहने वाले अन्य देवता तेरे आज्ञाकारी और विनम्र हैं; परन्तु तू अपनी दुष्ट पुत्री को न तो वचन से और न ही कर्म से रोक पाता है; जो अब टाइडियस के अभिमानी पुत्र को उकसा रही है। डायोमेड ने अमर देवताओं पर अपना क्रोध उंडेलने के लिए, हाल ही में वीनस को कलाई में घायल किया था, और एक देवता के रूप में, अभी-अभी मेरा सामना हुआ: मैं अपने पैरों की फुर्ती से बाल-बाल बच गया; अन्यथा, मारे गए शवों के एक भयानक ढेर के बीच, मैं पीड़ा में पड़ा होता; और यदि जीवित भी होता, तो उसके हथियार के प्रहार से अपंग होकर ही जीवित रहता।
बादलों को नियंत्रित करने वाले बृहस्पति ने क्रोधित दृष्टि से उत्तर दिया: "मेरे पास फिर कभी मत आना, हे धोखेबाज़, अपनी गिड़गिड़ाती प्रार्थनाओं के साथ: ओलंपस पर रहने वाले सभी देवताओं में से मैं तुमसे सबसे अधिक घृणा करता हूँ; क्योंकि तुम्हें केवल कलह और युद्ध में आनंद आता है; तुमने अपनी माता जूनो का घमंडी, अडिग स्वभाव विरासत में पाया है, जिसे मैं मुश्किल से ही नियंत्रित कर पाता हूँ; और मुझे लगता है कि तुम उसी के सुझावों के कारण इस दुर्दशा में हो। फिर भी, चूंकि तुम मेरे हो हे संतान, और मेरी माता ने तुझे जन्म दिया, मैं यह अनुमति नहीं दे सकता कि तुझे लंबे समय तक पीड़ा सहनी पड़े; परन्तु यदि तेरा जन्म इस प्रकार न होता, तो तेरे कुकर्मों के कारण तू बहुत पहले ही देवताओं की संगति से विमुख हो चुका होता।
उसने कहा: और सीधे पेओन को आदेश दिया कि घाव को भर दे; सुखदायक औषधियों से उसने उसे शीघ्र ही भर दिया; जैसे तरल दूध अंजीर के रस से फटकर टुकड़ों में बदल जाता है, वैसे ही घाव जल्दी भर गया। हेबे द्वारा स्नान कराकर और नए वस्त्र पहनकर, वह शनि के पुत्र द्वारा स्वास्थ्य और शक्ति से परिपूर्ण होकर बैठ गया। इस प्रकार मंगल ग्रह अपने हिंसक मार्ग पर रुक गया, आर्गोस की रानी और नीली आँखों वाली कन्या बृहस्पति के निवास स्थान पर लौट आईं।

## तर्क।

**ग्लौकस और डायोमेड, तथा हेक्टर और एंड्रोमाचे की घटनाएँ।**

देवताओं के युद्धक्षेत्र छोड़ने पर यूनानियों का वर्चस्व स्थापित हो गया। ट्रॉय के प्रमुख शगुन हेलेनस ने हेक्टर को शहर लौटने का आदेश दिया, ताकि वह रानी और ट्रॉय की महिलाओं के साथ मिनर्वा के मंदिर तक एक भव्य जुलूस निकाल सके और उनसे डायोमेड को युद्ध से हटाने की विनती कर सके। हेक्टर की अनुपस्थिति में युद्ध में विराम लगने पर, ग्लौकस और डायोमेड ने दोनों सेनाओं के बीच एक बैठक की; जहाँ, अपने पूर्वजों के बीच की मित्रता और आतिथ्य सत्कार के बारे में जानकर, उन्होंने अपने हथियारों का आदान-प्रदान किया। हेक्टर ने हेलेनस के आदेशों का पालन करते हुए पेरिस को युद्ध में लौटने के लिए राजी किया और अपनी पत्नी एंड्रोमाचे से प्रेम निवेदन करके युद्धक्षेत्र में शीघ्रता से लौट आया।
दृश्य पहले सिमोइस और स्कैमंडर नदियों के बीच युद्ध के मैदान में दिखाया जाता है, और फिर ट्रॉय में बदल जाता है।

# पुस्तक VI.

देवता मैदान छोड़कर चले गए थे, और मैदान पर इधर-उधर युद्ध की लहरें उमड़ रही थीं, जैसे विरोधी सरदारों ने अपने पीतल की नोक वाले भाले उठा रखे थे, सिमोइस और स्कैमंडर की नदियों के बीच में।

सबसे पहले ट्रोजन फालैंक्स को चीरते हुए, ग्रीस के स्तंभ, तेलमोन के पुत्र, शक्तिशाली एजैक्स ने अपना रास्ता बनाया; अपने मित्रों पर विजय का प्रकाश बिखेरते हुए, यूसोरस के पुत्र के रूप में, उसने थ्रेसियन सेना के सबसे महान योद्धा, वीर और बलवान, अकामास पर प्रहार किया। पंखों वाले हेलमेट के ठीक नीचे, तेज भाले ने प्रहार किया, और हड्डी को चीरते हुए, योद्धा की आँखें अनंत रात में बंद हो गईं।

इसके बाद वीर डायोमेड एक्सिलस ने ट्यूथ्रनेस के पुत्र को मार डाला, जिसका घर सुंदर अरिस्बा में था; वह धनी और सबका प्रिय था; क्योंकि सड़क के पास निवास करते हुए, उसने अपने आतिथ्य द्वार सभी के लिए खोल रखे थे; लेकिन उसके मेहमानों में से कोई भी मृत्यु के भयानक भाग्य से बचने के लिए वहाँ नहीं था: वह और उसका सारथी, कैलेसियस, जो युद्ध के मैदान में उसके रथ को चला रहा था, दोनों मारे गए; एक ही नियति ने दोनों को घेर लिया।

फिर ड्रेसस और ओफेल्टियस ने उनके हथियारों को यूरियलस से छीन लिया; उसके उग्र पीछा करने पर एसेपस और पेडसस ने हमला किया, भाइयों, जिन्हें नाइएड अप्सरा अबरबेरिया ने बहादुर बुकोलियन को सौंप दिया; बुकोलियन, महान लाओमेडोन का पुत्र, उसका सबसे बड़ा पुत्र, यद्यपि वह नाजायज था: वह पर्वत की ढलान पर, जहाँ वह अपने झुंडों की देखभाल करता था, अप्सरा से मिला, और उनके गुप्त प्रेम से जुड़वां पुत्र पैदा हुए; जिन्हें यूरियलस ने तुरंत शक्ति और जीवन से वंचित कर दिया, और उनके कवच को उतार दिया।

पॉलीपोएट्स के हाथ से, युद्ध में बलवान, अस्ट्यालस मारा गया; पिडुट्स, परकोट का सरदार, यूलिसिस के भाले से मारा गया; और ट्यूसर ने देवता समान एरेटन को मार डाला। नेस्टर के पुत्र एंटिलोचस ने चमकते भाले से एबलरस को मारा। एलाटस, जो मनुष्यों के राजा एगामेम्नन द्वारा मारा गया था, सैटनोइस की व्यापक रूप से बहने वाली धारा के किनारे पेदासस की ऊँची चोटियों पर निवास करता था। लेइटस द्वारा फाइलाकस भाग गया था; ओ'एर्टा'एन; यूरिपिलस मेलेंथियस ने उसे मार डाला।

तब युद्ध में निपुण मेनेलास ने एड्रास्टस को बंदी बना लिया; क्योंकि उसके घोड़े, घायल होकर मैदान में बेतहाशा दौड़ते हुए, उलझी हुई इमली की झाड़ियों के बीच उसका रथ टूट गया, और उसका डंडा टूट गया; वे भागती हुई भीड़ के साथ शहर की ओर बढ़ गए; वह रथ से सिर के बल गिर पड़ा, पहिए के पास धूल में मुंह के बल पड़ा रहा; और उसके बगल में, एट्रीड्स अपने शक्तिशाली भाले को थामे खड़ा था।
एड्रास्टस ने अपने घुटने मोड़ लिए और विनती करते हुए कहा, "हे एट्रीस के महान पुत्र, मुझे बख्श दो! मेरे जीवन के लिए एक कीमत स्वीकार करो; मेरे धनी पिता के घर में पीतल, सोना और अच्छी तरह से गढ़ा हुआ लोहा भरा पड़ा है; और वह इन सबका एक बड़ा फिरौती देने को तैयार है, अगर उसे पता चले कि मैं यूनानी जहाजों में बच गया हूँ।"
उसके दया भरे शब्दों ने विजेता के हृदय को द्रवित कर दिया; फिर उसने अपने अनुयायियों को जहाजों पर जाने का आदेश दिया; बंदी भालू; लेकिन जल्दी से दौड़ते हुए; भयंकर एगामेम्नन ने कठोर फटकार लगाई;
"दयालु मेनेलाउस, जीवन के प्रति इतना कोमल क्यों? क्या तुम्हारे घर को वास्तव में ट्रोजन के हाथों केवल लाभ ही प्राप्त हुए हैं? उस घृणित जाति का एक भी व्यक्ति हमारे हथियारों के घातक प्रतिशोध से न बच पाए; नहीं, न ही अपनी माँ के गर्भ में पल रहे शिशु; नहीं, न ही भगोड़ा; बल्कि वे सभी, वे और उनका शहर, पूरी तरह से नष्ट हो जाएँ, उपेक्षित हो जाएँ, और स्मृति से मिट जाएँ।"
इस प्रकार, जैसे ही उसने मृत्यु से भरी अपनी सलाह दी, उसके भाई का इरादा बदल गया; उसने अपने हाथ से एड्रास्टस को एक तरफ धकेल दिया, जिसे उसने अपने भाले से भयंकर एगामेम्नन की कमर में छेद कर दिया; और जैसे ही वह मृत्यु में लुढ़का, अपनी छाती पर पैर जमाते हुए, राख का भाला वापस खींच लिया गया।
तब नेस्टर ने यूनानियों को ऊँची आवाज़ में पुकारा: “मित्रों, यूनानी वीरों, मंगल के सेवकों! अब देर मत करो, शिकार पर झपट पड़ो और उसे जहाजों तक ले जाओ; अब तुम्हारा सारा उद्देश्य मारना होना चाहिए; थोड़ी देर बाद तुम अपने मारे गए शत्रुओं का माल आराम से लूट सकते हो।”
इन शब्दों से उसने सबका खून बहा दिया। अब ट्रोजन योद्धा यूनानियों द्वारा डरपोक होकर अपनी दीवारों के भीतर भागने पर मजबूर हो गए थे; लेकिन प्रियम के पुत्र,

हेलेनस, जो सभी ट्रोजन भविष्यवक्ताओं में सर्वश्रेष्ठ थे, ने ऐनियास और हेक्टर को संबोधित करते हुए कहा: "ऐनियास और हेक्टर, क्योंकि तुम पर, सभी ट्रोजन और लाइसियन सेनाओं में, सबसे भारी बोझ है, क्योंकि तुम सलाह और युद्ध दोनों में समान रूप से श्रेष्ठ हो, थोड़ी देर यहाँ खड़े रहो, और आगे बढ़ो।" इधर-उधर, हर तरफ, फाटकों के चारों ओर सैनिकों को इकट्ठा होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, कहीं ऐसा न हो कि वे अपमानित होकर गिर पड़ें, अपनी महिलाओं की बाहों में सुरक्षा के लिए भागते हुए, और शत्रु, उनकी शर्मिंदगी पर खुशी मनाते हुए, विजय प्राप्त करें। इस प्रकार उनका साहस बहाल हो गया है, हम थके हुए हैं, हम यूनानियों के साथ लड़ाई जारी रखेंगे, क्योंकि मजबूरीवश हमें ऐसा करना ही होगा; लेकिन, हेक्टर, तुम शहर जल्दी जाओ; वहाँ हमारी माँ को ढूंढो, तुम्हारी और मेरी दोनों; इलियम की सबसे ऊँची चोटी पर, सभी वृद्ध महिलाओं के पास। साथ में, नीली आँखों वाली पल्लास के मंदिर में जाने का आदेश दो; पवित्र द्वार खोलो; और सुनहरे बालों वाली पल्लास के घुटनों पर घर का सबसे सुंदर, सबसे विशाल और सबसे सम्मानित वस्त्र रखो; और उसकी वेदी पर बारह बछड़ों की बलि देने की प्रतिज्ञा करो, जिन्होंने कभी अंकुश नहीं खाया हो, ताकि वह ट्रोजन राज्य, हमारी पत्नियों और असहाय शिशुओं पर दया करे और टाइडियस के उग्र पुत्र, भयंकर भाला चलाने वाले, आतंक के मंत्री, सबसे बहादुर को दूर भगा दे। वह, मेरी दृष्टि में, सभी यूनानी सरदारों में: स्वयं अकिलीज़, मनुष्यों का राजकुमार, यद्यपि देवी-पुत्र, ऐसा भय उत्पन्न करता है; उसका क्रोध इतना भयंकर है; और उसकी वीरता का कोई मुकाबला नहीं कर सकता।

उसने कहा, और न ही उसने अपने भाई की सलाह मानी; वह अपने रथ से हथियारों से लैस होकर मैदान में कूद पड़ा; और अपने तीखे भाले ऊँचे लहराते हुए, सैनिकों का उत्साह बढ़ाते हुए, उन्होंने फिर से लड़ाई शुरू कर दी। एकजुट होकर वे मुड़े और यूनानियों का सामना किया: उन्होंने नरसंहार बंद कर दिया और एक-एक करके पीछे हट गए, यह मानते हुए कि तारों भरे आकाश से कोई देवता उनकी रक्षा के लिए आया है। वे इतने उग्र हो गए। फिर हेक्टर ने ट्रोजनों को पुकार कर कहा:

"हे वीर ट्रोजनो, और प्रख्यात सहयोगियों, मर्दों की तरह व्यवहार करो; अब याद रखो, बहादुर मित्रों, अपने पुराने शौर्य को; मैं इलियम जा रहा हूँ, हमारी पत्नियों और आदरणीय बुजुर्गों से प्रार्थना करने के लिए, बलि के वचनों के साथ।"

ऐसा कहते हुए, चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने प्रस्थान करने के लिए मुड़ा; और जैसे ही वह आगे बढ़ा, काले बैल की खाल से बनी उसकी गर्दन और टखनों पर प्रहार हुआ, उसकी उभरी हुई ढाल के बाहरी घेरे पर।
तब टाइडियस का पुत्र और बीच में हिप्पोलोकस का पुत्र ग्लौकस युद्ध के लिए आगे बढ़े; परन्तु जब वे निकट आ पहुँचे, तो वीर डायोमेड ने सबसे पहले ग्लौकस को संबोधित करते हुए कहा: “हे नश्वर जन्म के सबसे साहसी पुरुष, तुम कौन हो? क्योंकि अब तक के गौरवशाली संघर्ष में मैंने तुम्हें कभी नहीं देखा; परन्तु अब साहस में तुम सबसे आगे हो, जिसने मेरे भाले का सामना करने से नहीं डरा; जो मेरे सामने आएंगे, वे अत्यंत दुर्भाग्यशाली वंश के होंगे। परन्तु यदि तुम स्वर्ग से आए हो, तो मैं आता हूँ, और वास्तव में एक ईश्वर हूँ, मैं स्वर्गीय शक्तियों से नहीं लड़ता। ड्रायस का बहादुर पुत्र, लिकर्गस, जो अमरों को चुनौती देने का साहस करता था, अधिक समय तक जीवित नहीं रहा। उसने, सुंदर निस्सा के उपवनों में, उनके उन्मादी उत्सवों के बीच, युवा बैक्सस की नर्सों को शर्मनाक ढंग से पराजित किया; वे भय से, प्रत्येक ने अपना थिरस गिरा दिया, और क्रूर लिकर्गस के हाथों, बैल-निरोधक से, तितर-बितर हो गईं। बैक्सस स्वयं समुद्र के नीचे चला गया। भय से कांपते हुए वह थेतिस की गोद में एक नश्वर प्राणी के खतरों से शरण लेकर भागा। देवताओं ने क्रोधित होकर उसे देखा और शनि के पुत्र ने उसे अंधा कर दिया; वह अधिक समय तक जीवित नहीं रहा, सभी अमर देवताओं द्वारा समान रूप से घृणा किया गया। इसलिए मैं धन्य देवताओं का विरोध करने का साहस नहीं करता; परन्तु तू नश्वर है, और पृथ्वी के फल तेरा भोजन हैं, पास आ, और शीघ्र ही अपने विनाश को प्राप्त हो।"
इस पर महान ग्लौकस ने इस प्रकार उत्तर दिया: "टाइडियस के महान पुत्र, तुम मेरे वंश के बारे में क्यों जानना चाहते हो? मनुष्य का वंश पत्तों के वंश के समान है: पत्तों की एक पीढ़ी हवा से उड़कर धरती पर बिखर जाती है; दूसरी जल्द ही वसंत की हरी-भरी हरियाली में खिल उठती है। हमारे वंश के साथ भी ऐसा ही है; ये फलते-फूलते हैं, ये नष्ट हो जाते हैं। लेकिन यदि तुम सचमुच जानना और समझना चाहो, तो जिस वंश से मैं आया हूँ, वह मनुष्यों के लिए अज्ञात नहीं है; देहाती आर्गोस के गहरे कोने में, एफायर नामक एक नगर है।" नाम:
वहाँ प्राचीन काल में सिसिफस का निवास था,

मनुष्यों में सबसे धूर्त; सिसिफस,
एओलस का पुत्र; उससे ग्लौकस का जन्म हुआ; और ग्लौकस ने बदले में बेलेरोफोन को जन्म दिया, जिसे देवताओं ने सौंदर्य और पुरुषत्व के वरदान दिए।
परन्तु प्रोएटस ने उसकी मृत्यु चाही; और, कहीं अधिक शक्तिशाली,
उसे आर्गोस के सभी तटों से खदेड़ दिया,
बृहस्पति के आदेश से प्रोएटस के अधीन कर दिया।
उसके लिए सम्राट की पत्नी, अंताया, एक उन्मादी जुनून से पोषित, और पापी प्रेम के लिए उसे लुभाना चाहती थी; लेकिन पवित्र बेलेरोफोन की नेक आत्मा को विचलित करने में असफल रही। फिर उसने झूठे शब्दों में राजा से कहा: 'हे प्रोएटस, तू मर जा, या बेलेरोफोन को मार डाल, जिसने नीचता से मेरे सम्मान पर हमला करने की कोशिश की।' राजा ने क्रोध से उसकी बातें सुनीं; वह उसे मारना नहीं चाहता था; क्योंकि उसकी आत्मा इससे घृणा करती थी; लेकिन अपनी पत्नी के पिता, लिसिया के राजा ने उसे चिन्हों के साथ विदा किया। गंभीर महत्व का आरोप, मुड़ी हुई पट्टियों पर अंकित, राजा के मन को जहर देकर उसकी मृत्यु का कारण बना। देवताओं द्वारा संरक्षित लिसिया में वह गया; लेकिन जब वह लिसिया और ज़ैंथस की धाराओं के पास पहुँचा, तो विशाल लिसिया के राजा ने आतिथ्य सत्कार के साथ उसका स्वागत किया। नौ दिनों तक उसने उसे दावत दी, नौ बैल मारे; लेकिन दसवीं सुबह जब सूरज निकला, तो उसने उससे पूछताछ की और उससे उसके प्रमाण मांगे। दामाद, प्रोएटस से, ने जन्म दिया।
संकेतों का घातक अर्थ समझकर,
उसने उसे सबसे पहले भयानक चिमेरा को मारने का आदेश दिया;
स्वर्ग से भेजा गया एक राक्षस, जो मनुष्य नहीं था,
शेर के सिर और सर्प की पूंछ के साथ,
और बकरी के शरीर के साथ; और उसके मुंह से
भयंकर रूप से जलती हुई आग की लपटें निकलती थीं:
फिर भी, देवताओं पर भरोसा करते हुए, उसने उसे मार डाला।
इसके बाद, उसने वीर सोलिमी के साथ युद्ध किया,
यह अब तक का सबसे भयंकर युद्ध था जो उसने कभी लड़ा था।

तीसरा, उसने महिला योद्धाओं, अमेज़न योद्धाओं को पराजित किया; उनके घर लौटने पर, राजा ने एक और चाल चली; क्योंकि उसने लिसिया के सर्वश्रेष्ठ पुत्रों को चुनकर घात लगाई; वे घर नहीं लौट सके, क्योंकि सभी बहादुर बेलेरोफ़ोन द्वारा मारे गए। लेकिन, जब राजा ने उसके शौर्य को देखा, तो उसने उसका अच्छा सत्कार किया; उसे अपनी पुत्री दे दी; और उसके साथ अपने सभी शाही सम्मानों का आधा हिस्सा भी उसे दे दिया: लिसियावासियों को भी एक हिस्सा दिया गया। बाहर, अनाज और शराब से उपजाऊ, पूरे राज्य में, सबसे उत्तम भूमि, जो उसकी विरासत बनने वाली थी। वहाँ बेलरोफ़ोन के तीन बच्चे पैदा हुए; इसांडर और हिप्पोलोचस; अंत में लाओडामिया, जो जुपिटर की प्रिय थी, परामर्श के स्वामी; और उसने उसे पीतल के हेलमेट वाले देवतुल्य सर्पेडन को जन्म दिया। अंततः बेलरोफ़ोन सभी देवताओं के क्रोध का पात्र बन गया; और वह अकेले ही एलेयन मैदान में भटकता रहा; वहाँ उसने अपनी आत्मा को नष्ट कर दिया। मैंने पुरुषों के व्यस्त ठिकानों से परहेज किया। अतृप्त मार्स ने अपने पुत्र इसेंडर को वीर सोलिमी के साथ युद्ध में मार डाला; उसकी पुत्री डायना के क्रोध से मारी गई। मैं हिप्पोलोकस से वंशज हूँ; उसने मुझे ट्रॉय भेजा और मुझे बार-बार आदेश दिया कि मैं सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने का लक्ष्य रखूँ और अपने सभी साथियों से आगे निकल जाऊँ; और अपने पिता के नाम पर कलंक न लगाऊँ, जिन्होंने एफ़ायरे और लिसिया के विशाल साम्राज्य में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था। यही मेरा वंश है और यही मेरा रक्त है। शेखी बघारना।"
उसने कहा; और डायोमेड ने प्रसन्नतापूर्वक सुना:
उसने अपना भाला उपजाऊ भूमि में गाड़ दिया,
और इस प्रकार मित्रतापूर्ण शब्दों में सरदार ने संबोधित किया:
हम प्राचीन मित्रता के बंधन से बंधे हैं; क्योंकि देवतुल्य ओएनियस ने अपने घर में बीस दिनों तक वीर बेलेरोफोन का स्वागत किया; उन्होंने मित्रता के अनेक उपहारों का आदान-प्रदान किया; ओएनियस ने एक चमकती लाल रंग की बेल्ट दी; बेलेरोफोन को सोने का एक दोहरा प्याला दिया, जिसे मैं यहाँ आने पर अपने घर में छोड़ आया था। टाइडियस की मुझे कोई स्मृति नहीं है; क्योंकि जब वह थेब्स के द्वार पर अपने अचाइयों के साथ मारा गया, तब वह मुझे एक बच्चा ही छोड़कर चला गया था। इसलिए मैं आर्गोस में तुम्हारा मित्र हूँ। मेज़बान; हे मेरे लिसिया में, जब मैं वहाँ आऊँ:

तब हम सबसे भीषण लड़ाई के बीच भी एक-दूसरे के भाले से बचेंगे; मेरे लिए काफ़ी हैं ट्रोजन और उनके बहादुर साथियों को मारने के लिए, यदि ईश्वर मेरी सहायता करे और मेरी गति बनी रहे; और तुम्हारे लिए भी काफ़ी यूनानी हैं, यदि तुम ऐसा कर सको; लेकिन अब हम अपने कवच आपस में बदल लें, ताकि ये जान सकें कि हमारे घर पुराने समय से किस तरह के मैत्रीपूर्ण बंधन से जुड़े हैं। इस प्रकार बोलते हुए, उन्होंने एक-दूसरे को छोड़ दिया। कार;
हाथ में हाथ डालकर, उन्होंने आपसी विश्वास की प्रतिज्ञा की।
तब बृहस्पति ने ग्लौकस को उसके विवेक से वंचित कर दिया,
उसके कवच को सोने से पीतल में बदल दिया,
सौ बैलों के मूल्य के बदले नौ बैलों का कवच दिया।
इस बीच, जब हेक्टर स्केन द्वार के पास बलूत के पेड़ पर पहुँचा, तो उसके चारों ओर ट्रॉय की पत्नियाँ और बेटियाँ जमा हो गईं, जो अपने बच्चों, भाइयों, पतियों और मित्रों के भाग्य के बारे में जानने के लिए उत्सुक थीं; उसने सभी को देवताओं से प्रार्थना करने का आग्रह किया, क्योंकि बहुतों पर गहरे दुख छाए हुए थे। लेकिन जब वह प्रियम के शानदार घर में पहुँचा, जो पॉलिश किए हुए गलियारों से सजा हुआ था—अंदर पचास कमरे थे, सभी पॉलिश किए हुए पत्थर के, एक दूसरे के बगल में रखे हुए; वहाँ प्रियम के पचास पुत्र अपनी विवाहित पत्नियों के साथ विश्राम कर रहे थे; दूसरी ओर, आँगन के भीतर छत के पास पॉलिश किए हुए पत्थर के बारह कक्ष बने थे, जो एक दूसरे के बगल में स्थित थे; वहाँ प्रियम के दामाद अपनी पवित्र पत्नियों के साथ विश्राम कर रहे थे; वहाँ उनकी कोमल माता उनसे मिलने आई थीं, और अपने साथ अपनी सभी पुत्रियों में सबसे सुंदर युवा लाओडिस को लेकर आई थीं। उसके हाथ थामकर उसने उससे कहा: "हे मेरे पुत्र, तू यहाँ क्यों आया है, और युद्धक्षेत्र क्यों छोड़ दिया है? क्या ट्रोजन उन घृणित यूनानियों द्वारा, शहर के चारों ओर लड़ते हुए, बुरी तरह से घिरे हुए हैं? और तू अपनी आत्मा से प्रेरित होकर, इलियम की ऊँचाइयों पर, बृहस्पति से प्रार्थना करने के लिए आया है? लेकिन तब तक रुक, जब तक मैं स्वादिष्ट शराब न ले आऊँ, जिसे तू पहले बृहस्पति और सभी अमर देवताओं को अर्पित कर सके; फिर..."
तुम स्वयं को तरोताज़ा कर सकते हो; क्योंकि उदार शराब उन पुरुषों को बहुत शक्ति

प्रदान करती है जो परिश्रम करते हैं, जैसा कि तुमने अपने साथियों की रक्षा के लिए परिश्रम किया है।
चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर ने उनसे कहा: "नहीं, मेरे लिए नहीं, मेरी आदरणीय माता, यह लजीज मदिरा मत उंडेलो, कहीं ऐसा न हो कि तुम मेरे अंगों को कमजोर कर दो, और मेरी सारी पुरानी शक्ति छीन लो। मैं बिना धुले हाथों से बृहस्पति को यह लाल मदिरा उंडेलने की हिम्मत नहीं करता; और न ही शनि के बादल से घिरे पुत्र के लिए रक्त से सने और अपवित्र व्यक्ति से प्रार्थना की आवाज उठ सकती है। तुम, अन्य स्त्रियों के साथ, पल्लास के मंदिर में जाओ; अपने उपहार लाओ; और घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना करो।" सुनहरे बालों वाली पल्लास ने घर में सबसे सुंदर, सबसे विशाल और सबसे सम्मानित वस्त्र पहनाया; और अपनी वेदी पर बारह बछड़ों की बलि देने की प्रतिज्ञा की, जिन्होंने कभी अंकुश नहीं खाया था; इसलिए उसने ट्रोजन राज्य, हमारी पत्नियों और असहाय शिशुओं पर दया की; और टाइडियस के उग्र पुत्र, भयंकर भालाधारी, आतंक के मंत्री को पल्लास के मंदिर में ले गई; और पेरिस को पुकारने के लिए कहा, अगर वह सुन ले; काश धरती फटकर उसे निगल जाती! शाप है कि बृहस्पति ने उसके द्वारा ट्रॉय के लोगों पर विपत्ति लाई है, महान प्रियम पर और प्रियम के पुत्रों पर। काश मुझे पता होता कि वह अपनी कब्र में है, तो मैं अपने दुखों को आधा भूल पाता।
उसने कहा: वह घर लौटकर, शहर के रास्ते सेवकों को भेजकर वृद्ध याचिकाकर्ताओं की भीड़ को इकट्ठा करने के लिए भेजा; इस बीच, वह अपने सुगंधित कक्ष में गई, जहाँ सिदोनियाई महिलाओं द्वारा बुने गए कीमती वस्त्र रखे थे, जिन्हें देवतुल्य पेरिस सिदोन से लाया था। विशाल समुद्र को पार करते हुए, उसने उसी मार्ग का अनुसरण किया जिससे उच्च कुल की हेलेन को लाया गया था। इनमें से, कढ़ाई में सबसे समृद्ध, सबसे विशाल और तारे के समान चमकीले वस्त्र, बाकियों के नीचे सावधानीपूर्वक रखे गए थे। रानी ने उन्हें पल्लास के मंदिर में भेंट के रूप में ले गई। वह गई, और उसके साथ कई प्राचीन महिलाएं भी थीं। लेकिन जब वे इलियम की ऊँचाई पर स्थित मंदिर पहुँचे, तो सुंदर चेहरे वाली थियानो ने द्वार खोले, जो सिस्सियस की पुत्री और ऋषि एंटनोर की पत्नी थी, जिसे ट्रोजनों ने पल्लास के मंदिर में सेवा करने के लिए नियुक्त किया था। उन्होंने गहरी विलाप करते हुए पल्लास के सामने हाथ उठाए; लेकिन सुंदर थियानो ने

वस्त्र लिया और उसे पल्लास के घुटनों पर रख दिया, और उस दिव्य कन्या, बृहस्पति की पुत्री से इस प्रकार प्रार्थना की: "नगरों की रक्षक, पल्लास, भयानक रानी, देवियों की देवी, तू द्वार तोड़ दे।" टाइडियस के पुत्र का भाला; और यह वरदान दो कि वह स्वयं स्केयन द्वारों के समक्ष दंडवत गिर पड़े; अतः तेरे वेदी पर हम बारह बछड़ों का बलिदान करेंगे, जिन्होंने कभी अंकुश नहीं खाया, यदि तू ट्रॉय की स्थिति पर दया करे, तो ट्रोजन की पत्नियों और उनके असहाय शिशुओं का भी।
इस प्रकार वह; लेकिन पल्लास ने उसकी प्रार्थना का उत्तर नहीं दिया। जब वे इस प्रकार स्वर्ग की देवी से प्रार्थना कर रहे थे, हेक्टर पेरिस के महल की ओर चल पड़ा; एक भव्य संरचना, जिसे उसने स्वयं बनवाया था; ट्रॉय के उपजाऊ राज्य में प्रसिद्ध सभी सर्वश्रेष्ठ शिल्पकारों की सहायता से; इलियम की ऊँचाई पर कक्षों, हॉल और आंगन के साथ; प्रियम और हेक्टर के निवास स्थान के निकट। वहाँ बृहस्पति के प्रिय हेक्टर ने प्रवेश किया; और उसके हाथ में उसका भारी भाला था, जो बारह क्यूबिट लंबा था। लंबा; पॉलिश किए हुए पीतल के हथियार की नोक चमक उठी, जिसके चारों ओर सोने का घेरा था। अपने कक्ष में उसे वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी, वह अपने कवच को चमकाने में व्यस्त था, अपनी ढाल, सीने की ढाल और धनुष को पॉलिश कर रहा था। जबकि अर्गिव हेलेन, अपनी दासियों के बीच बैठी, उनके हाथों की कुशल कारीगरी को देख रही थी। हेक्टर ने उसे फटकार भरे शब्दों में कहा, "तुम अपने क्रोध को भड़काना उचित नहीं समझते; शहर की ऊंची दीवार के चारों ओर युद्ध में लोग तेजी से गिर रहे हैं; तुम..." कारण यह है कि शहर के चारों ओर भयंकर रूप से युद्ध और लड़ाई की ज्वाला जल रही है; और तुम स्वयं दूसरों को दोष दोगे, जो लड़ाई से पीछे हट जाते हैं। उठो, इससे पहले कि शहर शत्रुतापूर्ण आग में घिर जाए।
इसके उत्तर में देवतुल्य पेरिस ने इस प्रकार कहा: "हेक्टर, मैं तुम्हारी फटकार को व्यर्थ नहीं मानता; फिर भी मैं बोलूंगा; तुम सुनो और समझो; मैं यहाँ ट्रोजन सेना के प्रति क्रोध और तीव्र आक्रोश के कारण नहीं रुका था, बल्कि इसलिए रुका था कि मैं अपने दुख में डूबना चाहता था; फिर भी मेरी पत्नी ने अभी भी मुझे शांत शब्दों में युद्ध में शामिल होने के लिए प्रेरित किया है; इसलिए, मैं मानता हूँ, यही सबसे अच्छा होगा; और विजय अक्सर अपना पक्ष बदलती है। तो रुको, जब तक मैं अपना कवच पहन लेता हूँ; या तुम पहले जाओ: मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा।" जल्द ही तुम्हें पकड़ लेंगे।

उन्होंने कहा: लेकिन चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने कोई जवाब नहीं दिया; तब हेलेन ने कोमल स्वर में उससे कहा: "मेरे प्यारे भाई, (मुझ पर, नीच, दुःख लाने वाली, घृणित!) काश, जिस दिन मेरी माँ ने मुझे जन्म दिया, उस दिन पहाड़ों पर किसी तूफान ने मुझे बाहर फेंक दिया होता! या फिर समुद्र की असंख्य लहरों ने मुझे बहा दिया होता, इससे पहले कि ये सब विपत्तियाँ आतीं! फिर भी, यदि ये बुराइयाँ स्वर्ग द्वारा निर्धारित थीं, तो काश, किसी बेहतर पुरुष ने मुझे पत्नी बनाया होता; मान-सम्मान और अपमान का बेहतर पारखी: क्योंकि तुम जानते हो, वह नहीं दृढ़ निश्चय के साथ, न तो कभी होगा; उसे इस कमी का पछतावा हो सकता है। लेकिन तुम अंदर आओ और कुछ देर यहाँ आराम करो, प्रिय भाई, इस पलंग पर; क्योंकि मेरे द्वारा थोपे गए कष्टों ने तुम्हारी आत्मा को जकड़ लिया है, मैं अपमानित हूँ और पेरिस का अपराध भी है; जिस पर स्वर्ग ने यह बोझ डाला है, जिससे आने वाले वर्षों में हम दोनों के नाम पर कलंक लगेगा।

चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर ने कहा: "यद्यपि तुम्हारी इच्छा दयालु है, फिर भी, हेलेन, मुझसे बैठने या आराम करने के लिए मत कहो; मैं तुम्हारी बात नहीं मान सकता: क्योंकि मैं अपने मित्रों की सहायता के लिए जल्दी में हूँ, जो मेरी कमी महसूस कर रहे हैं और उन्हें मेरी सहायता की सख्त जरूरत है। लेकिन तुम अपने पति को जगाओ और उसे जल्दी जाने दो, ताकि वह मुझे अभी भी दीवारों के भीतर पा सके। क्योंकि मैं भी घर जा रहा हूँ; अपने परिवार, अपनी पत्नी और अपने नवजात बच्चे को एक बार फिर देखने के लिए: क्योंकि क्या मैं कभी वापस लौट पाऊँगा, यह मुझे नहीं पता, या अगर ईश्वर की यही इच्छा है तो।" यह फरमान जारी किया गया कि आज मैं यूनानियों के हाथों मारा जाऊँगा।

इस प्रकार कहते हुए, चमकते हुए हेलमेट वाले हेक्टर ने प्रस्थान करने के लिए मुड़ा; वह तेजी से कदमों से अपने सुसज्जित घर पहुंचा, लेकिन वहां उसे अपनी श्वेत भुजाओं वाली पत्नी, सुंदर एंड्रोमाचे नहीं मिली। वह अपने शिशु बच्चे और दासी के साथ इलियम के सबसे ऊंचे टॉवर पर आंसुओं में डूबी, गहरे शोक में खड़ी थी: लेकिन जब उसके स्वामी ने घर के भीतर अपनी अद्वितीय पत्नी को नहीं पाया, तो दहलीज पर रुककर उसने इस प्रकार कहा: "मुझे बताओ, मेरी दासियों, मुझे सच बताओ, तुम्हारी स्वामिनी, सुंदर एंड्रोमाचे, किस रास्ते गई; या मेरी बहनों के पास, या मेरे भाइयों के

पास?" पत्नियाँ?
या उस मंदिर में जहाँ ट्रॉय की सुनहरे बालों वाली महिलाएं मिनर्वा के भयानक नाम का आह्वान करती हैं?
जिस पर उसके घर की मुखिया ने उत्तर दिया: "हेक्टर, यदि सचमुच हमें तुम्हें उत्तर देना ही है, तो तुम्हारी बहनों को नहीं, न ही तुम्हारे भाइयों की पत्नियों को, न ही उस मंदिर को जहाँ ट्रॉय की सुंदर स्त्रियाँ मिनर्वा का भयानक नाम लेती हैं, बल्कि इलियम के सबसे ऊँचे टॉवर पर एंड्रोमाचे चली गई है; क्योंकि खबर आई थी कि ट्रोजन सेना पराजित हो गई है, और यूनानियों की शक्ति बहुत अधिक है; जिस पर वह एक व्याकुल व्यक्ति की तरह दीवारों की ओर दौड़ी, और अपने साथ ले गई, जो नर्स की गोद में थी।" उसकी बाहों में, उसका शिशु बच्चा।
उस वृद्ध महिला ने ऐसा कहा; और हेक्टर सीधे चौड़ी गलियों से अपने तेज़ कदमों से वापस लौट गया। लेकिन जब अंत में विशाल शहर की लंबाई पार कर ली गई और स्केयन द्वार तक पहुँच गए, जहाँ से मैदान का रास्ता था, तो उसकी अनमोल पत्नी, ईटियन की बेटी, सुंदर एंड्रोमाचे, जल्दी से उससे मिलने दौड़ी आई; ईटियन, जिसने थेब्स से सिलिसिया पर शासन किया था, प्लाकोस की जंगली ऊँचाइयों के तल पर स्थित थेब्स। पीतल के हेलमेट वाले हेक्टर से उसकी संतान का विवाह कर दिया गया। अब वही उससे मिली, और उसके बगल में वह नर्स थी, जो उसे अपने सीने से लगाए हुए थी, उसके पूरी तरह बेहोश बच्चे को, हेक्टर के प्यारे शिशु को, जो सुबह के तारे की तरह सुंदर था; जिसे हेक्टर स्कैमांड्रियस कहता था, लेकिन बाकी सब उसके पिता के सम्मान में एस्टियानैक्स कहते थे, जो अद्वितीय सरदार थे, ट्रॉय के एकमात्र आधार। वह चुपचाप अपने बच्चे को निहारता रहा और मुस्कुराता रहा: लेकिन उसके बगल में एंड्रोमाचे, आँसुओं में डूबी हुई, उसकी बांह से लिपटी हुई थी, और सरदार ने उससे इस प्रकार कहा:
हे प्रभु, तेरा निर्भीक स्वभाव ही तेरा विनाश करेगा: क्या तुझे अपने इस असहाय बच्चे पर दया नहीं आती, न मुझ पर, जो जल्द ही तेरी विधवा हो जाऊंगी: क्योंकि सभी यूनानी सेनाएं मिलकर तुझ पर हमला करेंगी और तुझे मार डालेंगी: मेरे लिए तो बेहतर होगा कि मैं तेरे बिना मिट्टी में दफन हो जाऊं; और तेरे खो जाने पर मुझे कोई सांत्वना नहीं मिलेगी, सिवाय अंतहीन दुःख के; न तो मेरा कोई पिता बचा है, न ही मेरी

आदरणीय माता; अकिलीज़ के हाथों मेरा वध हुआ, उसी समय मेरे पिता एटियन ने मुझे मार डाला। हथियारों से उसने सिलिसिया के घनी आबादी वाले शहर को ध्वस्त कर दिया, ऊंचे द्वारों वाले थेब्स को; उसने वास्तव में मार डाला, लेकिन उसे नंगा नहीं किया; उसने मृतकों का सम्मान किया; और उसके शरीर पर, उसके जले हुए कवच के साथ, एक टीला बनाया; और पर्वतीय अप्सराओं ने, कवच धारण करने वाले बृहस्पति की संतानों ने, उसकी कब्र के चारों ओर एल्म के पेड़ों का एक उपवन लगाया। मेरे पिता के घर में सात भाई थे; वे सभी एक ही दिन में अपने झुंडों के बीच गिर पड़े। ऊनी झुंड, क्रूर अकिलीज़ के हाथों।
मेरी माँ, प्लाकोस की वनभूमि की रानी,
यहाँ बंदियों के साथ लाई गई, उसने जल्द ही रिहा कर दिया
भारी फिरौती के लिए; लेकिन डायना के बाणों से
वह अपने पिता के घर में ही मारी गई।
लेकिन, हेक्टर, तुम मेरे लिए सब कुछ हो,
पिता, माता, भाई! तुम, मेरे विवाहित प्रेम!
फिर हम पर दया करके, मीनार के भीतर रहो,
और अपने बच्चे को अनाथ और अपनी पत्नी को
एक अभागी विधवा मत बनाओ; अंजीर के पेड़ के पास यहां अपनी सेनाओं को संगठित करो; क्योंकि यहां शहर की दीवार है, जहां पहुंचना सबसे आसान है, और यही आक्रमण को सबसे अधिक आमंत्रित करती है। उनके सबसे साहसी सरदारों ने तीन बार इस बिंदु पर आक्रमण किया है, दोनों अजेस, बहादुर इडोमेनियस, एट्रीडे और टाइडियस का योद्धा पुत्र, या किसी स्वर्ग-शिक्षित द्रष्टा के प्रोत्साहन से, या अपने स्वयं के साहसिक साहस के नेतृत्व में।
चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर के लिए;
"प्रिय पत्नी, यह मत सोचो कि ऐसे विचारों से
मेरा हृदय कभी दुखी नहीं हुआ; बल्कि मुझे शर्म आएगी
ट्रॉय के पुरुषों और लंबे समय से लूटी गई महिलाओं का सामना करने में,
यदि मैं कायर की तरह लड़ाई से बच सकता।
और न ही मेरी आत्मा मेरे बचपन के सबक को भूल सकती है

जिसका गौरव अभी भी
युद्ध के मोर्चे पर पाया जाना है,
मेरे पिता और मेरी अपनी महिमा का भार मुझ पर है।
फिर भी मैं अपनी अंतरात्मा में अच्छी तरह जानता हूँ,
वह दिन अवश्य आएगा जब यह हमारा पवित्र ट्रॉय, और प्रियम का वंश, और प्रियम का राजसी व्यक्तित्व, एक ही विनाश में पराजित हो जाएँगे। परन्तु ट्रॉय के आसन्न भाग्य के विचार, न ही हेकुबा के, न ही राजसी प्रियम के दुख, न ही असंख्य और वीर भाइयों का नुकसान, शत्रुतापूर्ण हाथों से धूल में मिला दिए जाने का दुख, मेरे हृदय को उतना गहरा आघात नहीं पहुँचाता जितना तुम्हारे विचार, तुम्हारी स्वतंत्रता के दिन खो गए, और तुम्हें किसी पीतल के कवचधारी यूनानी द्वारा रोते हुए बंदी बनाकर ले जाया गया; संभवतः आर्गोस में, किसी मालकिन के यहाँ। बेक, करघे पर काम करने या हाइपेरिया या मेसी के झरने से पानी भरने के लिए अभिशप्त, कठोर आवश्यकता से विवश, हृदयविदारक। तब जो तुम्हारे आँसू देखते हैं, वे शायद कहें, 'देखो! यह हेक्टर की पत्नी थी, जो ट्रॉय के मैदानों में युद्ध के दौरान इलियम की सबसे बहादुर सेनापति थी।' वे ऐसा कह सकते हैं; और इस प्रकार तुम्हारा शोक फिर से जाग उठेगा, उसके खोने का, जो तुम्हारी ढाल बन सकता था, तुम्हें गुलामी के कड़वे दौर से बचा सकता था। मैं धूल में सोता हूँ, इससे पहले कि मुझे निंदा की जाए! तुम्हारी चीखें सुनने और तुम्हें घसीटते हुए देखने के लिए!
जैसे ही उसने बात की, महान हेक्टर ने अपने बच्चे को गोद में लेने के लिए अपनी बाहें फैलाईं; लेकिन शिशु सिकुड़ गया, रोते हुए, और अपनी नर्स की शरण में चला गया, पीतल के हेलमेट और घोड़े के बालों के पंख से घायल होकर, जो योद्धा के मुकुट पर भयभीत होकर हिल रहे थे। स्नेही माता-पिता दोनों हँसे, और हेक्टर ने अपने माथे से हेलमेट उतारकर उसे नीचे रख दिया, जो ज़मीन पर चमक रहा था; फिर उसने अपने बच्चे को चूमा, और उसे अपनी बाहों में नचाया। तब उसने बृहस्पति और सभी अमर देवताओं से प्रार्थना की: "हे बृहस्पति और समस्त देवताओं, कृपा करो कि मेरा यह पुत्र, मेरी ही तरह, ट्रॉय का सर्वोपरि पुरुष बने, अपने देश का रक्षक राजा बने; ताकि लोग कहें, 'यह युवक अपने पिता से कहीं श्रेष्ठ है,' जब वे उसे युद्ध से लौटते हुए देखें,

वध किए गए शत्रुओं से, युद्ध की रक्त-लपटों के साथ, अपनी माता के हृदय को प्रसन्न करने के लिए!"
ऐसा कहते हुए, उसने अपने बच्चे को अपनी माँ की बाहों में रख दिया; माँ ने आँसुओं के बीच मुस्कुराते हुए उसे अपने सुगंधित सीने से लगा लिया; दया भरी प्रेम भरी निगाहों से हेक्टर ने उसे देखा, उसका हाथ दबाया और उससे कहा—"प्रियतम, मेरे हृदय को इस प्रकार मत मरो! क्योंकि जब तक मेरा नियति का दिन नहीं आ जाता, कोई भी मेरी जान नहीं ले सकता; और जब वह दिन आएगा, न तो वीर और न ही कायर उस दिन से बच पाएगा। परन्तु तुम घर जाओ और अपने घरेलू काम करो, करघा और तकली संभालो, और अपनी दासियों को उनके अलग-अलग काम सौंप दो; और ट्रॉय के पुरुषों पर छोड़ दो, और सबसे बढ़कर मुझ पर, युद्ध के परिश्रम पर।"
महान हेक्टर ने कहा, और अपना पंखयुक्त हेलमेट उठाया; और धीरे-धीरे, बार-बार पीछे मुड़ती आँखों से, गर्म आँसू बहाते हुए, उसकी दुखी पत्नी घर लौटी। वीर हेक्टर के सुगठित घर पहुँचकर, उसकी दासियाँ उसके चारों ओर जमा हो गईं; और सभी में एक साथ सहानुभूतिपूर्ण शोक जागृत हुआ। हेक्टर के जीवित रहते हुए, उसके घरवाले शोक मना रहे थे, यह मानते हुए कि वह फिर कभी नहीं लौटेगा, यूनानियों के हाथों युद्ध से सुरक्षित और अछूता।
और न ही पेरिस अपने भव्य महलों में रुका रहा; बल्कि उसने पीतल से जड़ा अपना कवच धारण किया, और उछलते कदमों से शहर से गुजरा। जैसे कोई गर्वित घोड़ा, भरे-पूरे चरनी में भोजन करके, अपनी लगाम तोड़कर, हिनहिनाते हुए मैदान में दौड़ता है, और बहती हुई धारा में आनंद लेता है, अपनी बगलें धोने के लिए। फिर अपना सिर ऊँचा उछालते हुए, अपने कंधों पर लहराते हुए अपने घने अयाल के साथ, फुर्तीले अंगों पर हल्के कदमों से चलते हुए, सचेत गर्व के साथ, वह घोड़ियों के विशाल चरागाहों की ओर दौड़ पड़ा; इसी प्रकार प्रियम का पुत्र पेरिस, इलियम की ऊँचाई से, अपने चमकीले हाथों को शानदार सूर्य की तरह चमकाते हुए, घमंडी भाव और तेज़ कदमों से भागा। जैसे ही वह उस स्थान से मुड़ा जहाँ उसने कुछ देर पहले अपनी पत्नी से बातचीत की थी, उसे हेक्टर मिला; जिसे देवतुल्य पेरिस ने सबसे पहले इस प्रकार संबोधित किया: "बहुत देर हो गई, अच्छे भाई, यहाँ रहने के लिए।" विलंब के कारण मैं

युद्ध के लिए अधीर हो गया; और जैसा तुमने मुझे आदेश दिया था, मैं समय पर नहीं आया। चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने उससे कहा: "मेरे वीर भाई, जो सही सोचता है, वह युद्ध के मैदान में तुम्हारी वीरता पर संदेह नहीं कर सकता; क्योंकि तुम बहुत वीर हो; लेकिन तुम्हारी इच्छाशक्ति कमजोर और सुस्त है; और यह मेरे हृदय को दुखी करता है, जब ट्रोजन, जो तुम्हारी ओर से इतना परिश्रम करते हैं, तुम्हारा नाम घोर निंदा के साथ सुनते हैं! लेकिन चलो चलें।" अब! आगे सब ठीक हो जाएगा, यदि बृहस्पति कृपा करे, कि हम आक्रमणकारी यूनानियों को अपने तटों से खदेड़ दें, और स्वर्ग के शाश्वत देवताओं को शांतिपूर्ण घरों में अपनी निःस्वार्थ भेंट अर्पित करें।

# तर्क।

**हेक्टर और एजैक्स का एकल युद्ध।**

हेक्टर की वापसी पर युद्ध दोगुने जोश के साथ फिर से शुरू हो गया, मिनर्वा यूनानियों के लिए चिंतित थी। अपोलो ने उसे ओलंपस से उतरते हुए देखा और स्केयन द्वार के पास उससे मिला। उन्होंने उस दिन के लिए आम युद्ध को स्थगित करने का फैसला किया और हेक्टर को यूनानियों को एकल युद्ध के लिए चुनौती देने के लिए उकसाया। नौ राजकुमारों ने चुनौती स्वीकार कर ली, पर्ची डाली गई और एजैक्स के नाम निकली। कई हमलों के बाद, ये वीर रात के अंधेरे में अलग हो गए। ट्रोजन ने एक सभा बुलाई, जिसमें एंटनोर ने हेलेन को यूनानियों को सौंपने का प्रस्ताव रखा, जिस पर पेरिस सहमत नहीं हुआ, लेकिन उसने हेलेन की संपत्ति लौटाने की पेशकश की। प्रियम ने एक दूत को यह प्रस्ताव देने और मृतकों को जलाने के लिए युद्धविराम की मांग करने के लिए भेजा, जिसमें से केवल अंतिम शर्त को एगामेम्नन ने स्वीकार किया। जब अंत्येष्टि संपन्न हुई, तो यूनानियों ने नेस्टर की सलाह पर, अपने बेड़े और शिविर की रक्षा के लिए एक किलेबंदी का निर्माण किया, जिसके किनारों पर मीनारें थीं और खाई और बाड़ से सुरक्षित था। नेप्च्यून इस कार्य पर अपनी ईर्ष्या प्रकट करता है, लेकिन बृहस्पति के वादे से शांत हो जाता है। दोनों सेनाएँ रात भर दावत करती हैं, लेकिन बृहस्पति गरज और अपने क्रोध के अन्य संकेतों से ट्रोजनों का मनोबल गिरा देता है। तेईसवें दिन का अंत हेक्टर और एजैक्स के द्वंद्वयुद्ध से होता है; अगले दिन युद्धविराम पर सहमति बनती है; एक और दिन शहीदों के अंतिम संस्कार में व्यतीत होता है;

और एक और दिन जहाजों के सामने किलेबंदी के निर्माण में; इस प्रकार इस पुस्तक में लगभग तीन दिनों का समय लगता है। पूरा दृश्य युद्धक्षेत्र में ही घटित होता है।

# पुस्तक सात।

इस प्रकार जब वह बोल रहा था, शहर के द्वारों से महान हेक्टर गुजरा, और उसके बगल में उसका भाई पेरिस था; दोनों के हृदय में युद्ध के मैदान का प्रचंड उत्साह जल रहा था। जैसे कोई ईश्वर पुरानी नावों को चला रहे नाविकों पर कृपालु हवा बरसाता है, वैसे ही वे दोनों भाई ट्रॉय की अत्यधिक परिश्रमग्रस्त सेना के सामने प्रकट हुए।
फिर उनकी वीरता के आगे पेरिस के हाथों मेनेस्थियस, शाही एरीथस का पुत्र, मारा गया; जिसे राजा के पास, अर्ना में, जहाँ वह रहता था, हिरण जैसी आँखों वाली देवी फिलोमेडस ने जन्म दिया; जबकि हेक्टर ने सटीक भाले से वार किया, पीतल से बंधे मुकुट के नीचे, गले में वार करके, इयोनियस को मार डाला और उसकी मृत्यु हो गई; और लाइसियन सेनाओं का नेता ग्लौकस, हिप्पोलोचस का पुत्र, लड़ाई के बीच में, डेक्सियास के पुत्र इफिनस को ले गया। ऊँचा
एक ऊँचे रथ पर सवार दो तेज घोड़ियों द्वारा,
कंधे में छेद कर दिया गया; वह रथ से गिर पड़ा
धरती पर औंधा, उसके अंग मृत्यु में शिथिल हो गए।
लेकिन जब पल्लास ने उन्हें युद्ध के बीच देखा,
ग्रीस की सेनाओं पर विनाश करते हुए,
ऊँचे ओलंपस से ट्रॉय की दीवारों तक
वह जल्दी से आई; वहाँ उसने अपोलो को पाया,
जैसे ही वह इलियम के सबसे ऊँचे टॉवर से नीचे देख रहा था,
ट्रॉय की सेनाओं को विजय दिलाने की योजना बना रहा था।
वे ओक के पेड़ के पास मिले; अपोलो, बृहस्पति के पुत्र, वार्तालाप शुरू हुआ:
बृहस्पति की पुत्री, तू यहाँ क्रोध और आवेश से प्रेरित होकर क्यों आई है? क्या तू इधर-उधर लड़खड़ाते हुए यूनानियों को विजय दिलाना चाहती है? क्योंकि तू निर्दयी होकर ट्रोजनों का वध होते देख रही है? मेरी सलाह मानो, क्योंकि ऐसा करना बेहतर होगा; आज के लिए हम युद्ध और लड़ाई का क्रोध शांत करें; कल सुबह हम युद्ध देखेंगे। पुनर्नवीनीकृत, इलियम के भाग्य के अंत तक; क्योंकि हे देवियों, आपने अपनी इच्छा के अनुसार ऐसा किया है, कि यह सुंदर नगर खंडहर में तब्दील हो जाए।

नीली आँखों वाली देवी ने इस प्रकार उत्तर दिया: "ऐसा ही हो, धनुर्धर राजा; मैं भी इसी उद्देश्य से ओलंपस से आई हूँ; परन्तु बताइए, इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?"
जिनसे बृहस्पति के पुत्र अपोलो ने कहा: "वीर हेक्टर की शक्ति से प्रेरित होकर हम किसी यूनानी योद्धा को आमने-सामने की लड़ाई के लिए चुनौती दें; जबकि पीतल के कवचधारी यूनानी अपने योद्धा को चुनौती स्वीकार करने के लिए प्रेरित करें, और देवतुल्य हेक्टर से एकल युद्ध करें।"
उसने कहा; और मिनर्वा ने भी सहमति नहीं दी; लेकिन प्रियम के पुत्र हेलेनस को देवताओं द्वारा रचित गुप्त परामर्श का ज्ञान था; और हेक्टर के पास आकर उसने इस प्रकार कहा: "हेक्टर, प्रियम के पुत्र, बृहस्पति के समान बुद्धिमान, परिषद में अपने भाई की बात सुनो। यूनानियों और ट्रोजनों को बैठने का आदेश दो, और यूनानियों में सबसे साहसी को चुनौती दो; शाश्वत देवताओं के रहस्योद्घाटन से, मैं जानता हूँ कि यहाँ तुम्हें अपने जैसा प्रतिद्वंद्वी नहीं मिलेगा।" भाग्य।"
उसने कहा, और हेक्टर को उसके शब्द सुनकर आनंद हुआ; वह बीच में आगे बढ़ा, और अपने भाले से, जिसे उसने बीच में पकड़ा हुआ था, ट्रोजन की पंक्तियों को रोक दिया। वे एकमत होकर बैठ गए; दूसरी ओर, एट्रीडेस ने कवचधारी यूनानियों को बैठने का आदेश दिया; जबकि, दो गिद्धों के रूप में, एजिस धारण किए हुए बृहस्पति के ऊंचे ओक के पेड़ पर, पल्लास और चांदी के धनुष वाले फोएबस, वीरों के कारनामों से प्रसन्न होकर बैठे थे। घनी सेना चारों ओर से घिरी हुई थी, ढाल, हेलमेट और भाले से सुसज्जित। जैसे जब पश्चिम की हवा ताज़ी बहती है और समुद्र की लहरों पर एक गहरा लहर लाती है, ठीक वैसे ही मैदान पर यूनानियों और ट्रोजन की सेनाएँ दिखाई दीं। बीच में खड़े होकर, महान हेक्टर ने दोनों सेनाओं से कहा: “सुनो, हे सभी ट्रोजन और हे सुगठित यूनानियों, मेरे शब्द, मेरी आत्मा की प्रेरणा। उच्च सिंहासन पर विराजमान शनिदेव बृहस्पति को हमारी संधि की पुष्टि करना पसंद नहीं आया, जो हमें कठिन परिश्रम से तब तक सताता है जब तक कि या तो तुम हमारा सुदृढ़ किलेबंद शहर न ले लो, या अपने समुद्री जहाजों के पास हमारे सामने आत्मसमर्पण न कर दो। यहाँ यूनान के सभी प्रमुख पुरुष उपस्थित हैं; जो भी मुझसे लड़ने का साहस करे, आगे आए और देवतुल्य हेक्टर की शक्ति का सामना करे। और मैं यह कहता हूँ, और

बृहस्पति को साक्षी बनाकर कहता हूँ, यदि वह मुझे धारदार भाले से हरा दे, तो वह मेरे कवच को उतारकर खोखले जहाजों में विजय के साथ ले जाए; परन्तु मेरे शव को लौटा दे, ताकि ट्रॉय के पुरुष और पत्नियाँ मेरे अंतिम संस्कार की चिता को उचित सम्मान से सजा सकें। परन्तु यदि अपोलो की कृपा से मैं विजयी हो जाऊँ, तो मैं उसके शस्त्र छीनकर ट्रॉय ले जाऊँगा, और अपोलो के मंदिर में लटका दूँगा। ऊँचा;
लेकिन मैं उसके शव को जहाजों पर लौटा दूँगा,
ताकि लंबे बालों वाले यूनानी लोग गंभीर रीति-रिवाजों के साथ उसे दफना सकें, और उसकी स्मृति में
विशाल हेलेस्पोंट के किनारे एक ऊँचा मकबरा बना सकें;
और आने वाले दिनों में लोग कहेंगे, जो
अपनी पूरी चप्पू वाली नाव को गहरे नीले समुद्र में चलाएंगे,
'देखो, बीते दिनों के एक योद्धा का मकबरा है,
एक शक्तिशाली सरदार, जिसे गौरवशाली हेक्टर ने मार डाला था:'
वे ऐसा कहेंगे, और इस प्रकार मेरी प्रसिद्धि जीवित रहेगी।"
इस प्रकार हेक्टर बोला; वे सब चुपचाप सुनते रहे, इनकार करने में शर्म महसूस कर रहे थे, लेकिन स्वीकार करने से डर रहे थे। अंत में क्रोध में मेनेलास उठा, मन ही मन कराहते हुए, और कड़वे शब्दों में उन्हें फटकारा: "शर्म करो, हे शेखीबाज़ कायरों, शर्म करो! यूनान की स्त्रियों! मैं तुम्हें पुरुष नहीं कह सकता! यह सचमुच घोर अपमान होगा, और अपमान पर अपमान होगा, यदि हेक्टर की चुनौती को कोई भी यूनानी स्वीकार करने का साहस न करे; धूल और पानी में मिल जाओ तुम सब जो यहाँ अकीर्तिमान, निर्दयी बैठे हो! मैं स्वयं उसका सामना करूँगा; सफलता, अमर देवता मुद्दों को संभाले रखते हैं।
इस प्रकार बोलते ही उसने अपने चमकीले शस्त्र धारण कर लिए।
तब, मेनेलास, हेक्टर के हाथों, जो इतना शक्तिशाली था, तेरा अंत निकट आ गया होता, यदि राजाओं ने तुझे रोका न होता।
स्वयं महान अगामेम्नन, व्यापक शासन करने वाले राजा, ने उसका हाथ पकड़कर, उसे नाम लेकर इस प्रकार संबोधित किया:
"क्या! स्वर्ग में जन्मे मेनेलास, क्या तू पागल हो गया है?

तुझे ऐसी मूर्खता शोभा नहीं देती; अपने क्रोध को नियंत्रित कर, यद्यपि तू क्रोधित है; और हेक्टर से लड़ने की मत सोच, जो तुझसे कहीं बेहतर है, और भय उत्पन्न करता है।" सभी।
उस गौरवशाली युद्ध में अपने मुठभेड़ से,
तुमसे कहीं श्रेष्ठ, अकिलीज़ पीछे हट जाता है;
लेकिन तुम अपने साथियों की पंक्तियों के बीच पीछे हट जाओ;
यूनानी किसी अन्य योद्धा को नियुक्त करेंगे;
और, निडर होते हुए भी, और युद्ध से
अतृप्त, हेक्टर, यदि वह घातक युद्ध-संघर्ष से बिना घायल हुए बच निकले,
तो मुझे लगता है, अपने थके हुए अंगों को आराम देना चाहेगा।"
उन्होंने कहा, और विवेकपूर्ण परामर्श से अपने भाई का मन बदल लिया; वह उनकी बात मान गया, और खुशी-खुशी उसके सेवकों ने उसके शस्त्र उतार दिए।
तब नेस्टर उठे और यूनानियों को इस प्रकार संबोधित किया: "हाय, हाय! यह यूनान के लिए कितनी शर्म की बात है! बूढ़े पेलियस की आत्मा को कितना दुःख होगा, जो मर्मिडोंस की परिषद में ऋषि प्रधान थे, स्वीकृत नेता थे, जो अक्सर अपने घर में मुझसे प्रश्न पूछते थे और मुझसे सुनना पसंद करते थे, सभी यूनानियों के वंश और वंशावली के बारे में, अगर उन्हें पता चल जाए कि हेक्टर ने उन सभी को कैसे डराया! वे हाथ उठाकर देवताओं से प्रार्थना करते थे कि उनकी आत्मा उनके शरीर से अलग हो जाए और धरती में समा जाए! ओह!" बृहस्पति, पल्लास और अपोलो के लिए, मेरी जवानी अब ऐसी ही थी, जैसे जब तेज़ी से बहने वाली सेलाडॉन नदी के किनारे, पाइलोस के लोग अर्कॉडियन भालाधारियों के साथ लड़े थे, फिया की दीवारों के पास, इयार्डन की धाराओं के चारों ओर। फिर, एक देवता के रूप में, उनके योद्धा, एरेउथेलियन, पंक्तियों से आगे बढ़े। उन्होंने एरेथस के शस्त्र धारण किए थे: देवतुल्य एरेथस के, जिन्हें पुरुषों और समृद्ध कमरबंद वाली महिलाओं ने धारण किया था। उपनाम गदाधारी; क्योंकि वह तलवार या धनुष से नहीं, बल्कि लोहे की गदा से युद्ध करने गया था। उसने टुकड़ियों को चीरते हुए लिकर्गस को मार डाला,
चुपके से, बहादुरी से नहीं, एक संकरे रास्ते में,
जहाँ उसकी लोहे की गदा उसे मृत्यु से नहीं बचा सकी; क्योंकि लिकर्गस ने अपने

भाले से,
उसे बीच से चीर दिया; वह ज़मीन पर गिर पड़ा; और विजेता ने अपनी छाती से उसका कवच उतार लिया, जो पीतल से ढके मंगल का उपहार था;
और रस्साकशी में उसने उसे पहन लिया। अक्सर; लेकिन जब लाइकुर्गस को बुढ़ापे का आभास हुआ, तो उसने अपने वफादार अनुयायी और मित्र, एरेउथेलियन को यह भेंट दी; और शस्त्र धारण करके, उसने सभी सरदारों को युद्ध के लिए चुनौती दी। किसी ने भी चुनौती स्वीकार करने की हिम्मत नहीं की, क्योंकि सब भयभीत हो गए थे; तब मैंने निडर होकर उसकी शक्ति का सामना किया, जो उन सब में सबसे छोटा था; मैंने उससे युद्ध किया, और पल्लास ने मेरी भुजा को विजय दिलाई। मैंने उसे मार डाला, जो सबसे लंबा और सबसे बलवान व्यक्ति था; क्योंकि उसके अलावा कई और भी थे। काश मेरी जवानी और ताकत अब भी वैसी ही होती; तब मुझे चमकते हेलमेट वाला हेक्टर एक इच्छुक योद्धा मिल जाता; लेकिन तुम, यूनानियों, हेक्टर से लड़ने से डरते हो।
बूढ़े व्यक्ति ने निंदा भरे स्वर में कहा; उसके शब्दों पर नौ योद्धा उठ खड़े हुए: बाकियों से बहुत आगे, मनुष्य के राजा, सम्राट एगामेम्नन; उसके बाद टाइडियस का पुत्र, वीर डायोमेड; उच्च साहस से परिपूर्ण दो अजेस; इडोमेनियस, और इडोमेनियस का वफादार अनुयायी, बहादुर मेरियोनेस, रक्तरंजित मार्स के बराबर युद्ध कौशल; इनके साथ यूरिपिलस, यूएमोन का कुलीन पुत्र; थोआस, एंड्रेमोन का पुत्र; अंत में यूलिसिस ने कहा: "ये सभी हेक्टर के साथ युद्ध करने के लिए तैयार हैं।" तब गेरेनियन नेस्टर ने फिर कहा: "तो फिर पर्ची निकालो; जिस पर भी पड़े, वह यूनानी सेना को बहुत लाभ पहुंचाएगा, और यदि वह इस घातक युद्ध से बिना घायल हुए बच निकले, तो उसे बहुत गौरव प्राप्त होगा।" उसने कहा: प्रत्येक ने अपनी-अपनी पर्ची देखी, और सभी ने मिलकर एगामेम्नन का हेलमेट फेंक दिया। भीड़ ने हाथ ऊपर उठाकर देवताओं से प्रार्थना की, और आकाश की ओर देखकर कहा, "हे पिता, कृपा करो।" जोव,
एजैक्स पर, या टाइडियस के पुत्र पर,
या माइसेना के धनी राजा पर लॉटरी लग सकती है।"
इस प्रकार उन्होंने: तब वृद्ध नेस्टर ने हेलमेट हिलाया, और उनकी इच्छा के अनुसार, एजैक्स का हिस्सा बाहर फेंका गया; फिर बाएं से दाएं एक दूत ने ग्रीस के सभी

सरदारों को बारी-बारी से प्रतीक दिखाया; जो इसे नहीं जानते थे, उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया; लेकिन जब वह उसके पास आया, जिसने इसे देखा और एट्रीड्स के हेलमेट में फेंक दिया, तो महान एजैक्स ने पास आकर, अपने फैले हुए हाथ में प्रतीक रख दिया, और तुरंत ही वह इसे जान गया और प्रसन्न हुआ; उसके चरणों के सामने, उसने उसे ज़मीन पर पटक दिया और कहा, "हे मित्रों, यह भाग्य मेरा है; मुझे बहुत खुशी है, और मुझे आशा है कि मैं देवतुल्य हेक्टर पर विजय प्राप्त करूँगा। लेकिन अब, जब मैं अपना युद्ध कवच पहनता हूँ, तो शनि के शाही पुत्र से एकांत में प्रार्थना करो, चुपचाप, ताकि ट्रोजन न सुन सकें; या ज़ोर से भी, क्योंकि हमें किसी बात का डर नहीं है। कोई भी व्यक्ति मेरी इच्छा के विरुद्ध मुझे भगा नहीं सकता, अधिक बल या कौशल से भी नहीं; और न ही, मुझे आशा है, युद्ध के मैदान में मेरा अनुभवहीन होना। शर्मनाक! मेरे पैतृक शहर सलामिस की शिक्षा।
इस प्रकार उसने और उन्होंने शनि के राजपुत्र से प्रार्थना की, और आकाश की ओर देखते हुए कहा: "हे पिता बृहस्पति, जो इडा की ऊँचाई पर शासन करते हैं! हे महानतम! हे महिमामयी! कृपा करें कि अब एजैक्स विजय प्राप्त करे और अमर स्तुति पाए: या यदि हेक्टर आपके प्रेम और दया का पात्र हो, तो दोनों को समान शक्ति और समान स्तुति दें।"
इस बीच, एजैक्स चमकदार पीतल के कवच में लिपटा हुआ था; और जब उसका कवच विधिवत रूप से पहन लिया गया, तो वह आगे बढ़ा, मानो विशालकाय मंगल उन राष्ट्रों को युद्ध में ले जाता है, जिन्हें शनि के पुत्र ने जीवन-नाशक संघर्ष में उलझा दिया है; उसी प्रकार ग्रीस का रक्षक, विशालकाय एजैक्स, गंभीर मुस्कान के साथ आगे बढ़ा; अहंकारी कदमों से वह मैदान में चला और अपने भारी भाले को तैयार किया। यूनानी, हर्षोल्लास से अपने योद्धा को देखते रहे। ट्रोजन के अंग भय से कांप रहे थे। हेक्टर का हृदय भी उसकी छाती में तेज़ी से धड़क रहा था। फिर भी अब उसे न तो डरना था और न ही पीछे हटना था। अपने साथियों के बीच, वह चुनौती देने वाला! एजैक्स पास आया। उसके सामने, एक मीनार की तरह, उसने अपनी विशाल ढाल धारण की हुई थी, सात परतों वाली, पीतल से ढकी हुई, यह ढाल टाइचियस की कृति थी, जो चमड़े का काम करने में माहिर था; वह हिला में रहता था। सात परतों वाली यह भारी ढाल बलवान बैलों की खाल से बनी थी; आठवीं परत चमकते पीतल

की थी। इसे तेलमोन के पुत्र ने अपने सीने के सामने धारण किया था; वह हेक्टर के पास आया, और इस प्रकार अभिमानपूर्ण धमकी भरे शब्दों में बोला:
"हेक्टर, अब मैं तुझे आमने-सामने सिखाऊंगा, हमारे पास अभी भी सरदारों का साहस है, हालांकि शेर हृदय वाला अकिलीज़, युद्ध में पराक्रमी है, फिर भी वह हमारे साथ नहीं है; वह अपने समुद्री जहाजों के बल पर एट्रीड्स के विरुद्ध अपना क्रोध पाल रहा है; फिर भी कुछ ऐसे हैं जो तुझसे मुकाबला करने का साहस रखते हैं, और वे कम नहीं हैं; तो अब लड़ाई शुरू करो।"
चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर ने कहा: "एजैक्स, बहादुर नेता, टेलमोन के पुत्र, मेरे साथ किसी कमजोर बच्चे की तरह व्यवहार मत करो, या किसी ऐसी स्त्री की तरह जो युद्ध के नियमों से अनभिज्ञ हो; युद्ध और नरसंहार का हर पहलू मुझे ज्ञात है; और मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि कैसे चलाना है, कभी दाएँ, कभी बाएँ, उस कठोर बैल की खाल से बने ढाल को जो मेरा अडिग ढाल है: मैं अपने उग्र घोड़ों को भी अच्छी तरह जानता हूँ, और खड़े होकर युद्ध में युद्ध-घोषणा करता हूँ। लेकिन मैं गुप्त घात लगाकर नहीं देखूँगा, हमला करने के लिए।" "छुपकर आना, तुम्हारे जैसे महान शत्रु के लिए; लेकिन अगर संभव हो तो मैं तुम्हें खुले युद्ध में मार डालूंगा।"
उसने कहा; और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका;
यह ढाल के पीतल के आवरण से टकराया,
बाहरी तह, आठवीं, सात के ऊपर
सख्त बैल की खाल की; छह के बीच से यह अपना रास्ता बनाते हुए
हठपूर्वक बलपूर्वक आगे बढ़ा; लेकिन सातवें वार में रुक गया, फिर एजैक्स ने बारी-बारी से अपना भारी भाला फेंका, और हेक्टर की ढाल के सटीक घेरे पर प्रहार किया; चमकती ढाल के आर-पार भाला घुस गया, और अच्छी तरह से गढ़ी हुई कवच को भेदते हुए आगे बढ़ा; और उसके नीचे, लिनेन की बनियान को फाड़ दिया; लेकिन हेक्टर झुककर मृत्यु के प्रहार से बच गया। फिर अपने हथियार वापस लेते हुए, एक दूसरे पर, वे भयंकर शेरों या नुकीले दांतों वाले सूअरों की तरह गिर पड़े, जंगल के सबसे शक्तिशाली प्राणी। जानवर।
फिर हेक्टर ने ठीक बीचोंबीच प्रहार किया
कठोर ढाल पर; फिर भी भाला उसे भेद नहीं पाया;

क्योंकि मजबूत पीतल ने कुंद नोक को पीछे धकेल दिया।
लेकिन एजैक्स ने आगे की छलांग लगाकर हेक्टर की ढाल को भेद दिया; हथियार
आर-पार निकल गया;
योद्धा का मार्ग अचानक रुक गया,
और उसकी गर्दन को छूकर निकल गया, जिससे खून बह निकला।
फिर भी चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने
लड़ाई से पीछे नहीं हटे: जमीन पर झुककर,
अपने चौड़े हाथ से उन्होंने एक भारी पत्थर उठाया,
जो मैदान पर पड़ा था, गहरा, नुकीला और विशाल,
और सात गुना ढाल पर फेंका, और
ठीक बीच के उभार पर लगा; पीतल की घंटियाँ ज़ोर से बज उठीं: फिर एजैक्स ने चट्टान का एक भारी टुकड़ा उठाया और उसे घुमाते हुए अपनी भुजा को असीमित बल दिया; चक्की के पत्थर के भार से उसने ढाल को कुचल दिया; हेक्टर के घुटने लड़खड़ा गए; वह पीछे की ओर लड़खड़ाया, फिर भी अपनी ढाल पर टिका रहा, जब तक कि फोएबस ने उसे अपने पैरों पर खड़ा नहीं किया। अब वे तलवारों से आमने-सामने लड़खड़ा रहे थे, यदि देवताओं और मनुष्यों के दूत, दूत, बीच में न आते; ट्रॉय के लिए एक,
पीतल के कवचधारी यूनानियों के लिए दूसरा निर्णायक,
तल्थायबियस और इडेयस, अच्छी तरह से अनुमोदित थे।
उन्होंने सरदारों के बीच अपनी छड़ें रखीं, और इस प्रकार
इडेयस ने विवेकपूर्ण भाषण से संबोधित किया:
"बस करो, बहादुर युवकों! अब और लड़ाई मत लड़ो:
बादलों को वश में करने वाले बृहस्पति को तुम दोनों प्रिय हो,
दोनों वीर भालाधारी; यह हम सब देख चुके हैं।
रात निकट है; हमें रात के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए।"
इस पर तेलमोन के पुत्र ने उत्तर दिया: "इडेयस, हेक्टर को ये शब्द बोलने के लिए कहो: उसने हमारे सभी सरदारों को चुनौती दी है; उसे शुरू करने दो: यदि वह तैयार हो, तो मैं इनकार नहीं करूँगा।"

चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर ने कहा: "एजैक्स, क्योंकि ईश्वर ने तुझे कद, शक्ति और कौशल दिया है; और भाले से, सभी यूनानियों में कोई तेरा सानी नहीं है; आज के लिए हम युद्ध बंद करते हैं; आगे चलकर हम मिलेंगे, और स्वर्ग हमारा फैसला करेगा, और हम सब विजय का ताज पहनेंगे। रात करीब है; हमें रात के आगे झुक जाना चाहिए। इसलिए जहाजों के पास यूनानी, और सबसे बढ़कर, तेरे साथी और मित्र आनन्द मनाएंगे; और मैं भी, प्रियम के शाही वस्त्रों में ऐसा ही करूंगा।" शहर, ट्रॉय के पुरुषों और लंबे समय से लूटी गई महिलाओं, आनन्द मनाओ, जो कृतज्ञतापूर्ण प्रार्थनाओं के साथ मंदिरों में उमड़ेंगे। लेकिन अब हम उपहारों का आदान-प्रदान करें, ताकि ट्रोजन और यूनानी दोनों कह सकें, 'वे योद्धा एक घातक संघर्ष में मिले थे, फिर भी मैत्रीपूर्ण बंधन में बंधे हुए अलग हो गए।'

यह कहकर, उसने एक चांदी जड़ी तलवार दी, म्यान और अच्छी तरह से कटी हुई बेल्ट के साथ; एजैक्स को एक कमरबंद, गहरे लाल रंग से रंगा हुआ। वे अलग हो गए; एजैक्स यूनानी शिविर में, और हेक्टर ट्रॉय की सेना में लौट आया: जब उन्होंने उसे आते देखा तो उन्हें बहुत खुशी हुई, जीवित और सुरक्षित; एजैक्स की शक्ति और अजेय भुजा से बच निकला; और शहर की ओर, वे उसे वापस ले गए, उनकी आशा से परे उसे बचा लिया गया; जबकि अच्छी तरह से कवचधारी यूनानी एजैक्स को एट्रीड्स के तम्बू में ले गए, जो अपनी जीत पर गर्व कर रहा था।

लेकिन जब वे एगामेम्नन के तम्बुओं में आए, तो उन्होंने मनुष्यों के राजा, शनि के शाही पुत्र, एक पांच वर्षीय नर बैल को मार डाला; फिर उन्होंने शव की खाल उतारी; और काटकर, जोड़ों को अलग कर दिया; फिर उन्हें सीखों पर लगाकर, सावधानीपूर्वक भूना गया और आग से उतार लिया गया। उनका काम समाप्त हुआ और दावत तैयार हुई। उन्होंने साथ मिलकर भोजन किया और किसी चीज की कमी नहीं हुई। फिर एजैक्स को चाइन की पूरी लंबाई दी गई। सम्मान के रूप में, शक्तिशाली सम्राट ने इसे भेंट किया। प्यास और भूख शांत होने पर, वृद्ध नेस्टर ने सबसे पहले अपने विचार प्रकट किए; जिन्होंने पहले सबसे बुद्धिमानी भरी सलाह दी थी, अब उन्होंने समझदारी से बोलना शुरू किया और कहा: "अत्राइड्स, और तुम अन्य सरदारों..." ग्रीस, जब से अनेक लंबे बालों वाले यूनानी युद्ध में शहीद हुए हैं, जिनका रक्त स्कैमंडर की बहती धारा के किनारे भयंकर मंगल ग्रह ने बहाया है, और जिनकी आत्माएं अदृश्य छाया में

विलीन हो गई हैं, तब तुम्हें सुबह के साथ यूनानियों के युद्ध को विराम देना चाहिए: तब हम बैलों और खच्चरों के साथ, मृतकों को मैदान से लाएंगे; और जहाजों से, थोड़ी दूरी पर, उन्हें आग में जलाएंगे: ताकि हम अपनी मातृभूमि लौटकर, अपने साथियों को उनके बच्चों को सौंप सकें। फिर हम जाएंगे और मैदान में चिता के चारों ओर सबके लिए एक सादा टीला बनाएंगे; फिर उसके सामने जल्दी से ऊंचे बुर्ज बनाएंगे ताकि जहाजों और आदमियों दोनों की रक्षा हो सके; और बुर्जों में बड़े द्वार बनाएंगे, जिनमें अच्छी तरह से फिट होने वाले गेट हों, ताकि बीच से एक रथ मार्ग गुजर सके; और उसके चारों ओर एक गहरी खाई खोदेंगे, ताकि आदमियों और रथों दोनों की रक्षा हो सके, कहीं ऐसा न हो कि हमारी रक्षा पर घमंडी ट्रोजन बहुत ज्यादा दबाव डालें।
उसने कहा; और सभी राजाओं ने उसके शब्दों का समर्थन किया। इस बीच, इलियम की ऊँचाई पर, प्रियम के द्वार पर, ट्रोजन सरदारों ने एक अशांत परिषद आयोजित की; जिसकी शुरुआत में, ऋषि एंटनोर ने इस प्रकार कहा: "अब सुनो, हे ट्रोजन, डार्डन और सहयोगी, मेरे शब्द, मेरी आत्मा की प्रेरणा। एट्रेस के पुत्रों को हम आर्गिव हेलेन और उसके द्वारा लाए गए सामान वापस दे दें; क्योंकि अब हम प्रतिज्ञा तोड़कर लड़ रहे हैं: और मैं आशा नहीं कर सकता, जब तक कि तुम मेरी सलाह न मानो, कि सफलता हमारे लिए मुकुट होगी।" हथियार।"
ऐसा कहकर वह बैठ गया; और फिर उठे देवतुल्य पेरिस, सुनहरे बालों वाली हेलेन के स्वामी; जिन्होंने इस प्रकार जोशीले शब्दों में सरदारों को संबोधित किया: "हे एंटेनर, तुम्हारा भाषण मेरे प्रति शत्रुतापूर्ण है; तुम्हारा विवेक बेहतर सलाह जानता है; परन्तु यदि गंभीरता से यही तुम्हारी सलाह है, तो देवताओं ने तुम्हें तुम्हारी समझ से वंचित कर दिया है। अब, ट्रोजनो, मेरा उत्तर सुनो; मैं इस सलाह को अस्वीकार करता हूँ, न ही स्त्री को; परन्तु जो कुछ भी मैं आर्गोस से ट्रॉय लाया हूँ, वह मुझे अच्छा लगेगा।"
सामग्री
उन सभी को देने के लिए, और अन्य इसके अलावा जोड़ें।"
यह कहकर वह बैठ गया; और उसके बाद वृद्ध प्रियम, जो परिषद में एक देवता थे और डार्डन के पुत्र थे, उठे, और उन्होंने विवेकपूर्ण भाषण देते हुए कहा:
"अब सुनो, हे ट्रोजन, डार्डन और सहयोगी, मेरे शब्द, मेरी आत्मा की प्रेरणा: अब शहर में अपना नियमित भोजन करो; अपनी चौकसी का ध्यान रखो, हर कोई अपनी रक्षा

करे: कल इडेयस यूनान के जहाजों तक, एट्रेस के दोनों पुत्रों तक, पेरिस के शब्द ले जाएगा, जो इस सारे युद्ध का कारण है; और यह भी पूछो कि क्या इस घातक संघर्ष से वे हमें ऐसी संधि देंगे जिससे मृतकों को जलाया जा सके; इसके बाद हम तब तक लड़ेंगे जब तक स्वर्ग निर्णय न करे, और विजय प्राप्त न कर लें।" मुकुट।"
उसने कहा; और वे, उसके वचन का पालन करते हुए, सभी पंक्तियों में हमेशा की तरह भोजन तैयार करने लगे: लेकिन सुबह होते ही इडेयस यूनान के जहाजों की ओर चल पड़ा: वहाँ परिषद में, एगामेम्नन के अग्रणी जहाज के पास, उसने यूनान के सरदारों, मार्स के मंत्रियों को पाया: और उन सबके बीच स्पष्ट आवाज वाले दूत ने बात की:
"हे एट्रियस के पुत्रों, और हे ग्रीस के सरदारों, प्रियम की ओर से, और ट्रॉय के वीर पुत्रों, मैं आया हूँ, यदि आप सुनना चाहें, तो पेरिस के वचन, जो इस समस्त युद्ध का कारण है: वह सामान जो पेरिस अपने खोखले जहाजों में यहाँ लाया था, वह लौटाएगा, और अन्य लोग भी जोड़ते हैं; परन्तु आगे कहता है, मेनेलास की कुंवारी विवाहित पत्नी, यद्यपि ट्रॉय की आम राय उसे ऐसा करने के लिए कहे, वह नहीं लौटाएगा: फिर मुझसे पूछता है, यदि घातक संघर्ष
तुम हमें ऐसी संधि दोगे जो मृतकों को जलाने के लिए पर्याप्त हो: इसके बाद हम तब तक लड़ेंगे जब तक स्वर्ग निर्णय न कर ले, और एक को विजय का ताज पहनाया जाए।"
इस प्रकार उसने कहा: वे सब चुपचाप सुनते रहे; अंत में वीर डायोमेड उठा और बोला; “पेरिस से कोई भी अब न तो सामान स्वीकार करने का प्रस्ताव रखे, न ही हेलेन को; एक बच्चा भी देख सकता है कि अब ट्रॉय का विनाश निकट है।” उसने कहा; यूनान के पुत्रों ने ज़ोरदार तालियों से वीर डायोमेड के भाषण की पुष्टि की।
तब अगामेम्नन ने इडेयस से कहा: "इडेयस, तुमने सुना है कि यूनान के सरदारों ने क्या उत्तर दिया है—मैं उनके उत्तर को स्वीकार करता हूँ। परन्तु युद्धविराम और मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए मुझे कोई आपत्ति नहीं; मारे गए शत्रुओं के शवों को अंतिम संस्कार से सुशोभित करने में कोई शर्म नहीं है। हे बृहस्पति! साक्षी रहो और किए गए युद्धविराम की रक्षा करो।"

उसने कहा: और उसने अपना डंडा ऊपर उठाया; और इडेयस इलियम की दीवारों की ओर चल पड़ा। वहाँ ट्रोजन और डार्डन परिषद में एकत्रित हुए और प्रतीक्षा कर रहे थे कि इडेयस यूनानी शिविर से वापस आ जाए। वह आया और सभा के बीच में खड़ा हो गया, और उसने अपना संदेश दिया: तब सभी जल्दी से अपने-अपने रास्तों पर निकल पड़े, कुछ ईंधन के लिए, और कुछ मृतकों को लाने के लिए। यूनानी भी अपने सुसज्जित जहाजों से निकल पड़े, कुछ ईंधन के लिए, और कुछ मृतकों को लाने के लिए। सूर्य अभी-अभी पृथ्वी पर चमक रहा था। सागर की शांत गहराई से, आकाश की ओर चढ़ते हुए, वे मैदान में मिले। तब मृतकों को पहचानना कठिन था; लेकिन जब रक्त से सनी धूल धुल गई, दूर, गर्म आँसू बहाते हुए, उन्होंने उन्हें गाड़ियों पर रख दिया। प्रियम के उच्च आदेश पर, कोई ज़ोरदार विलाप नहीं हुआ; मौन में, शोक को दबाकर, उन्होंने अपने मृतकों को अंत्येष्टि की चिता पर ढेर कर दिया; फिर आग में जलाकर वापस ट्रॉय लौट गए। शोकग्रस्त यूनानियों ने भी, शोक को दबाकर, अपने मृतकों को अंत्येष्टि की चिता पर ढेर कर दिया; फिर आग में जलाकर जहाजों पर लौट गए।

लेकिन भोर होने से पहले, जब दिन का उजाला रात से संघर्ष कर रहा था, चिता के चारों ओर यूनानियों का एक चुना हुआ समूह पहरा दे रहा था, और उसके चारों ओर मैदान पर सभी के लिए एक समान टीला बनाया; और सामने एक दीवार बनाई, जिसमें ऊंचे बुर्ज थे, ताकि जहाजों और मनुष्यों दोनों की रक्षा की जा सके; और बुर्जों में अच्छी तरह से फिट होने वाले फाटकों के साथ बड़े द्वार बनाए, ताकि बीच से एक वाहन मार्ग गुजर सके: फिर उसके चारों ओर एक गहरी और चौड़ी खाई खोदी, और खाई में एक बाड़ लगाई।

इस प्रकार लंबे बालों वाले यूनानियों ने रात भर परिश्रम किया:
देवता, बृहस्पति के दरबार में एकत्रित होकर,
आश्चर्य से उस विशाल कार्य को देख रहे थे; और इस प्रकार, पृथ्वी को हिला देने वाले राजा नेपच्यून ने अपना भाषण शुरू किया: "हे पिता बृहस्पति, इस विशाल पृथ्वी पर क्या ऐसे मनुष्य मिलेंगे जो परामर्श और योजना में हम अमर लोगों का मुकाबला कर सकें? क्या तुम नहीं देखते कि लंबे बालों वाले यूनानियों ने अपने जहाजों के चारों ओर एक ऊंची दीवार बनाई है और उसके चारों ओर खाई खोदी है, और देवताओं को

अपना आहुति भी नहीं दी है! प्रकाश की तरह ही इस महान कार्य की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैलेगी, और मनुष्य इसे हल्के में लेंगे, जिसे मैंने और फोएबस ने संयुक्त रूप से किया है।" उठाया गया, परिश्रम और पीड़ा से, महान लाओमेडोन के लिए।
क्रोध में आकर बादलों को नियंत्रित करने वाले देवता ने उनसे कहा: "हे पृथ्वी को कंपाने वाले राजा, नेपच्यून, ये क्या शब्द हैं? देवताओं की यह साहसी योजना, जो कमजोर हाथों और तुम्हारी शक्ति से कमतर है, शायद भय का कारण बने; परन्तु जहाँ तक प्रकाश की दृष्टि है, इस महान कार्य की प्रसिद्धि तुम्हें ही मिलेगी: जब लंबे बालों वाले यूनानी अपने जहाजों से अपने वतन लौटेंगे, तो लहरें इस दीवार को तोड़कर समुद्र में एक आकारहीन खंडहर की तरह डूब जाएँगी: और फिर से विशाल तट पर तुम्हारा रेत फैल जाएगी, और यूनान के सारे घमंड भरे काम नष्ट हो जाएंगे।
आपस में देवता ऐसी बातें कर रहे थे। सूरज डूब चुका था; यूनानियों का काम पूरा हो गया था; उन्होंने तम्बुओं में बैठकर शाम का भोजन किया और बाँटा। लेम्नोस द्वीप से एक विशाल बेड़ा आया था, जो शराब से लदा हुआ था; और यूनेयस द्वारा भेजा गया था, जिसे सुंदर हिप्सिपाइल ने जेसन से जन्म दिया था। एट्रेस के पुत्रों के लिए, बाकी सभी से अलग, जेसन के पुत्र ने शराब की एक हजार मात्रा भेजी थी। अन्य सभी यूनानी जल्दी से खरीदने लगे, कुछ पीतल से, और कुछ चमकीले लोहे से; अन्य कुछ खाल से, मवेशी या गुलाम; और दावत आनंद से भरी रही। पूरी रात लंबे बालों वाले यूनानियों ने अपना जश्न मनाया, और इसी तरह ट्रॉय में, ट्रोजन और उनके सहयोगी भी: लेकिन पूरी रात बृहस्पति ने अपना क्रोध भयानक गर्जनाओं से व्यक्त किया; वे भय से पीले पड़ गए: प्यालों से मदिरा धरती पर गिर पड़ी, और उन्होंने तब तक पीने की हिम्मत नहीं की, जब तक शनि के शक्तिशाली पुत्र को उचित आहुति नहीं दी गई।
फिर वे लेट गए और नींद की कामना करने लगे।

## तर्क।

**दूसरा युद्ध और यूनानियों की विपत्ति।**

बृहस्पति देवताओं की एक सभा बुलाता है और उन्हें किसी भी पक्ष का समर्थन न करने पर टारटेरस के कष्टों की धमकी देता है। मिनर्वा उससे केवल यही अनुमति प्राप्त करती है कि वह अपने परामर्श से यूनानियों का मार्गदर्शन करे। सेनाएँ युद्ध में

जुट जाती हैं; इडा पर्वत पर स्थित बृहस्पति अपने तराजू में दोनों पक्षों के भाग्य का आकलन करता है और अपनी गर्जना और बिजली से यूनानियों को भयभीत करता है। नेस्टर अकेले ही बड़े खतरे में युद्ध के मैदान में डटा रहता है; डायोमेड उसकी जगह लेता है; जिसके और हेक्टर के कारनामों का उत्कृष्ट वर्णन किया गया है। जूनो यूनानियों की सहायता के लिए नेपच्यून को प्रेरित करने का प्रयास करती है, लेकिन व्यर्थ। ट्यूसर के कार्यों का भी वर्णन किया गया है, जो अंततः हेक्टर द्वारा घायल हो जाता है और उसे ले जाया जाता है। जूनो और मिनर्वा यूनानियों की सहायता के लिए तैयार होती हैं, लेकिन बृहस्पति द्वारा भेजी गई आइरिस उन्हें रोक देती है। रात्रि के साथ ही युद्ध समाप्त हो जाता है। हेक्टर युद्धक्षेत्र में डटा रहा (यूनानियों को जहाजों के आने से पहले ही अपने किलेबंदी की ओर धकेल दिया गया था), और उसने शिविर में रात भर पहरा देने का आदेश दिया, ताकि दुश्मन दोबारा जहाज पर चढ़कर भाग न सके। उन्होंने पूरे मैदान में आग जला दी और रात भर हथियारों के बल पर डटे रहे। इस कविता की शुरुआत से लेकर इस पुस्तक के अंत तक 20 दिनों का समय व्यतीत किया गया है। यहाँ का दृश्य (आकाशीय यंत्रों को छोड़कर) समुद्र तट की ओर स्थित मैदान में है।

# पुस्तक VIII.

अब सुबह, केसरिया वस्त्र में, पृथ्वी फैली हुई है; और बिजली के स्वामी, सभी देवताओं के स्वामी, बृहस्पति ने अनेक चोटियों वाले ओलंपस के सबसे ऊंचे शिखर पर एक सभा आयोजित की; उन्होंने स्वयं उन्हें संबोधित किया; उन्होंने ध्यानपूर्वक उनका भाषण सुना।

हे सभी देवताओं और सभी देवियों, सुनो, मैं जो शब्द कह रहा हूँ, वे मेरी आत्मा की प्रेरणा हैं। तुममें से कोई भी, चाहे पुरुष हो या स्त्री, मेरे परामर्शों को विफल करने का साहस न करे: बल्कि सभी सहमत हों, ताकि मैं इन मामलों को शीघ्र ही समाप्त कर सकूँ। यदि मुझे बाकियों से अलग कोई एक देवता मिले जो दुग्धयानों या यूनानियों की सहायता करने का साहस करे, तो उस देवता को अपमानजनक कोड़ों से ओलंपस वापस भेज दिया जाएगा; या फिर गहरे टारटेरस के अंधकार में, सबसे गहरे अथाह गड्ढे में। पृथ्वी, लोहे के द्वारों और पीतल के फर्श के साथ, स्वर्ग से पृथ्वी जितनी दूर छाया के नीचे, मैं उसे वहाँ फेंक दूँगा, और तुम सब जान जाओगे कि शक्ति में मैं तुम सब से कितना श्रेष्ठ हूँ। यदि तुम चाहो तो परीक्षा लो, ताकि सब जान सकें। स्वर्ग से एक सुनहरी डोर नीचे लटकी हुई है, और हे सभी देवी-देवताओं, अपनी शक्ति का प्रयोग करो: फिर भी तुम स्वर्ग से पृथ्वी तक खींचने में असफल हो जाओगे। हे प्रभु, तुम चाहे जितना प्रयास करो, अपने शक्तिशाली स्वामी, बृहस्पति; लेकिन यदि मैं अपनी शक्ति का प्रयोग करना चाहूँ तो... ज्ञात है, मैं पृथ्वी और सागर को उठा सकता हूँ, और ओलंपस की चोटी पर रस्सी बांधकर, उन्हें मध्य वायु में लटका सकता हूँ: देवताओं और मनुष्यों पर मेरी शक्ति सर्वोच्च है।

उसने कहा, और वे उसके शब्दों से स्तब्ध होकर चुपचाप बैठ गए; क्योंकि वह बहुत कठोर स्वर में बोल रहा था। अंत में नीली आँखों वाली देवी, पल्लास ने कहा: "हे पिता, शनि के पुत्र, राजाओं के राजा, हम आपकी अजेय शक्ति को भली-भांति जानते हैं; फिर भी हम युद्धप्रिय यूनानियों के लिए गहरे शोक में हैं, जो निराशाजनक विनाश के लिए अभिशप्त हैं; युद्ध से, क्योंकि यही आपका आदेश है, हम अलग खड़े हैं; लेकिन फिर भी हम कुछ उद्धारकारी सलाह दे सकते हैं, कहीं ऐसा न हो कि आप अपने क्रोध में उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दें।"

बादलों के वश में करने वाले ने मुस्कुराते हुए कहा: "मेरे बच्चे, खुश रहो; मैं अनिच्छा से बोल रहा हूँ, फिर भी तुम्हारी इच्छा को नहीं तोड़ूँगा।"
उसने कहा, और तुरंत ही पीतल के पैरों वाले घोड़ों को, जो सबसे तेज़ उड़ान भरते थे, सुनहरे बालों से लथपथ, उसने अपने रथ से जोता; स्वयं भी सोने से सजे हुए, उसने अद्भुत कारीगरी वाली सुनहरी चाबुक पकड़ी; और अपने रथ पर सवार होकर, उसने तेज़ घोड़ों को दौड़ाया; बिना किसी हिचकिचाहट के, वे पृथ्वी और तारों भरे आकाश के बीच उड़ गए। वह इडा की झरनों से भरी पहाड़ी पर आया, और गार्गारस की चोटी पर, जो पर्वतीय जानवरों की जंगली पालक थी। वहाँ एक पवित्र भूमि थी, जहाँ धूप से पूजित उसकी वेदी स्थापित थी: देवताओं और मनुष्यों के स्वामी, उसके घोड़े रथ से मुक्त होकर, बादलों से घिरे हुए वहाँ ठहरे थे। फिर वह सबसे ऊँची पहाड़ी पर, अपनी शक्ति के गौरव के साथ बैठा; और नीचे देखते हुए, उसने ट्रोजन शहर और यूनान के जहाजों का अवलोकन किया।
इस बीच, यूनानियों ने अपने तम्बुओं में जल्दी से अपना भोजन भेजा और युद्ध के लिए हथियारबंद हो गए; दूसरी ओर, ट्रोजन भी हथियारबंद हो गए, संख्या में कम होते हुए भी, दृढ़ संकल्प के साथ, कठिन आवश्यकता से विवश होकर, पत्नियों और बच्चों के लिए, इस कठिन लड़ाई में संघर्ष करने के लिए। सभी द्वार चौड़े खुल गए, घुड़सवार और पैदल सैनिकों की भीड़ उमड़ पड़ी; और शोरगुल बढ़ गया। जब वे बीच में मिले, तो एक साथ टूट पड़े ढाल और भाले, और कवचधारी योद्धाओं की प्रचंड शक्ति; ढाल पर ढाल टकराते हुए संघर्ष में खड़खड़ाहट हुई; शोरगुल बढ़ गया: फिर पुरुषों की मिली-जुली चीखें और कराहें भी उठीं, मारने वाले और मारे गए; धरती खून से लाल हो गई। जब सुबह हुई और जवानी का दिन ढल रहा था, तब तीरों की बौछार हुई और लोग तेजी से दोनों ओर गिरने लगे; लेकिन जब सूर्य मध्य स्वर्ग तक पहुँच गया, तब शाश्वत पिता ने अपने सुनहरे तराजू ऊपर लटकाए, और प्रत्येक में घातक मृत्यु-भाग्य रखा: ट्रॉय के पुत्रों के लिए एक, पीतल के कवच वाले यूनानियों के लिए दूसरा; फिर उन्हें बीच से पकड़ लिया; यूनान का भाग नीचे जमीन पर गिर गया, जबकि ट्रोजन तराजू ऊपर चढ़ गया, और स्वर्ग तक पहुँच गया। [2] फिर उसने इडा की ऊँचाइयों से गड़गड़ाहट की गड़गड़ाहट को ज़ोर से गूंजने का आदेश दिया; और यूनानियों की

सेना के बीच उसने अपनी चमकती बिजली फेंकी; यह देखकर वे स्तब्ध रह गए और भय से पीले पड़कर कांपने लगे।
तब न तो इडोमेनियस, न ही एट्रेस का पुत्र, पराक्रमी एगामेम्नन, अपनी जगह पर डटे रहे, न ही मार्स के मंत्री एजैक्स; ग्रीस के वृद्ध शासक गेरेनियन नेस्टर अकेले ही रहे, और वह भी अपनी इच्छा के विरुद्ध, अपने घोड़े को तीर से बुरी तरह घायल कर चुके थे, जो देवतुल्य पेरिस, सुनहरे बालों वाली हेलेन के प्रेमी द्वारा चलाया गया था: ठीक मुकुट पर, जहाँ सिर के ठीक पीछे अयाल उगता है, जो सबसे घातक स्थान होता है, तीर उन्हें लगा; दर्द से पागल होकर वह उछल पड़ा, फिर आगे की ओर झपटा, उसके दिमाग में तीर धंसा हुआ था, और धूल में लोटते हुए, अन्य घोड़ों को भयंकर भ्रम में डाल दिया; और जब बूढ़े नेस्टर ने अपनी तलवार से लगाम काटने और संघर्षरत घोड़े को मुक्त करने का प्रयास किया, तो भगदड़ के बीच हेक्टर के भागते हुए घोड़े नीचे आ गए, जिनका मार्गदर्शन किसी डरपोक हाथ ने नहीं किया था, बल्कि स्वयं हेक्टर ने किया था; तब उस बूढ़े व्यक्ति ने अपने जीवन का बलिदान दिया, परन्तु संकट में दयालु डायोमेड ने उसका संकट देख लिया, और जोर से चिल्लाते हुए यूलिसिस को पुकारा: "हे ऋषि यूलिसिस, लेर्टेस के देवतुल्य पुत्र, तू कायरतापूर्वक भीड़ के बीच क्यों भाग रहा है, और शत्रु भालों के निशाने पर भागते हुए अपनी पीठ क्यों दिखा रहा है? रुक, और मेरे साथ यहीं रहो, इस भयंकर योद्धा से उस भले बूढ़े व्यक्ति की रक्षा करो।"
उसने कहा; लेकिन बलवान यूलिसिस ने उसकी बात नहीं सुनी, और वह जहाजों की ओर तेजी से बढ़ता चला गया। लेकिन सबसे आगे, टाइडाइड्स, हालांकि अकेला था, निडर बना रहा; बूढ़े नेस्टर के रथ के पास, वह खड़ा हुआ, और इस प्रकार वृद्ध सरदार ने संबोधित किया: "बूढ़े, ये युवा योद्धा तुम्हें बुरी तरह घेर रहे हैं, तुम्हारी शक्ति क्षीण हो गई है, और वर्षों के भार से तुम दबे हुए हो; और तुम्हारा सारथी भी असहाय है, अपने घोड़ों को धीमा करो; मेरे रथ पर सवार हो जाओ, और सिद्ध करो कि मेरे घोड़े पीछा करने या भागने में कितने तेज हैं, ट्रोस के लोगों से उतरकर मैदान को खंगालते हुए; महान ऐनेस से जीता हुआ मेरा महान पुरस्कार। इन्हें सेवकों के लिए छोड़ दो; जबकि हम अपने रथ को ट्रोजन सेना के विरुद्ध रवाना करते हैं, जो हेक्टर

की है।" स्वयं को पता हो सकता है कि मेरा हाथ भाला कितनी ताकत से फेंक सकता है।
उसने कहा; और नेस्टर ने उसकी सलाह मानी:
दो सेवक, वीर स्टेनेलस,
और अच्छे यूरिमेडन, अपने घोड़े लेकर,
टाइडाइड्स के रथ पर सवार हो गए।
बूढ़े नेस्टर ने चमकती लगाम पकड़ी,
और घोड़ों को दौड़ाया; जल्द ही वे हेक्टर से मिले:
जैसे ही वह आगे बढ़ा, टाइडाइड्स ने अपना भाला फेंका,
फिर भी हेक्टर को नहीं लगा; लेकिन उसके सारथी,
जिसने लगाम पकड़ी हुई थी, बहादुर थेबियस के पुत्र,
एनियोपियस ने, स्तन के निप्पल के पास, सीने में भाला घोंप दिया; वह रथ से गिर पड़ा, आवाज सुनकर चौंके हुए घोड़े इधर-उधर मुड़ गए; और उसके अंगों से प्राण शक्ति निकल गई। अपने साथी की मृत्यु पर हेक्टर का शोक गहरा था; फिर भी, दुखी होते हुए भी, वह मजबूरी में एक सारथी की तलाश में निकल पड़ा; और अपने घोड़ों को मार्गदर्शन के लिए देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा; क्योंकि उसने इफिटस के बहादुर पुत्र आर्केप्टोलेमस को तुरंत ढूंढ लिया, और उसे अपने तेज गति से दौड़ते रथ पर सवार होने के लिए कहा, और चमकती हुई लगाम उसके हाथों में सौंप दी।
तब भयंकर विनाश हुआ था, और अनगिनत कर्म संपन्न हुए थे, और भेड़ों के झुंड की तरह, शत्रु सेना को दीवारों के नीचे कैद कर दिया गया था, यदि देवताओं और मनुष्यों के पिता ने यह न देखा होता, और भयंकर गर्जना के साथ अपनी तेज बिजली नीचे न गिराई होती; टाइडाइड्स के रथ के जमीन जोतने से पहले ही आग का गोला गिर पड़ा होता। गंधक की ज्वाला भयंकर रूप से चमक उठी, और जुए के नीचे भयभीत घोड़े घूमते हुए कांपने लगे।
नेस्टर के हाथ से चमकती हुई लगाम छूट गई, और कांपते हुए उसने डायोमेड से इस प्रकार कहा:
"हे टाइडाइड्स, क्या तुम नहीं देखते कि बृहस्पति हमसे अपना सहयोग रोक रहा है? आज शनि के पुत्र हेक्टर को विजय का पुरस्कार दिया गया है; भविष्य में किसी दिन,

यदि वह चाहे, तो विजय हमारी होगी; क्योंकि मनुष्य, चाहे कितना भी बहादुर क्यों न हो, बृहस्पति की इच्छा को नहीं बदल सकता, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो।"
इस पर वीर डायोमेड ने उत्तर दिया: "हे वृद्ध, तुम सचमुच बुद्धिमानी से बोल रहे हो; परन्तु यह वह घोर दुःख है जो मेरी आत्मा को झकझोर देता है: किसी दिन, ट्रॉय के सलाहकारों के बीच हेक्टर कह सकता है, 'मेरी उपस्थिति में घायल टाइडीस ने जहाजों की शरण ली थी।' इस प्रकार जब वह घमंड करे, तो धरती फट जाए और मेरी शर्म छिप जाए!"
इस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "टाइडियस के महान पुत्र, ये कैसे शब्द हैं! यदि हेक्टर तुझे कायर कह दे, तो उसे ट्रोजन पुरुषों से कोई विश्वास नहीं मिलेगा, न ही डार्डन से, और न ही ट्रोजन योद्धाओं की पत्नियों से, जिनके पतियों को तेरे हाथों धूल में मिला दिया गया है।"
उसने कहा, और आम भगदड़ के बीच, उसने अपने घोड़ों को भागने के लिए मोड़ दिया; उड़ती हुई भीड़ पर, विजय के नारों के साथ, हेक्टर उनके मुखिया के रूप में, ट्रॉय के पुरुषों ने अपने घातक हथियार लहराए। चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने ज़ोर से चिल्लाया: "टाइडिड्स, अब तक योद्धा यूनानियों ने तुम्हें बहुत सम्मान दिया है; भोजों में ऊँचा स्थान दिया है, और उदार भोजन से सुशोभित किया है, और बहते हुए प्यालों से: लेकिन आज से तुम उनकी घृणा का पात्र बनोगी! तुम्हारी आत्मा एक स्त्री की है! धिक्कार है तुम पर, डरी हुई लड़की! तुम कभी नहीं..." हमारे ट्रोजन टावरों पर कब्ज़ा करो, और मुझे नीचता से भागते हुए देखो; और न ही अपनी नावों में हमारी महिलाओं को ले जाओ: इससे पहले कि तुम ऐसा घमंड करो, मेरा हाथ तुम्हारा विनाश कर देगा।
इस प्रकार वह; और टाइडाइड्स बहुत प्रेरित हुआ
अपने घोड़ों को मोड़ने और अपने शत्रु का सामना करने के लिए:
उसने तीन बार इस प्रकार संदेह किया; तीन बार, बृहस्पति के आदेश पर, इडा की ऊँचाई से गर्जना हुई, जो ट्रोजन पक्ष की विजय का संकेत थी। फिर हेक्टर ने ट्रोजनों को पुकारा: "ट्रोजन, और लाइसियन, और तुम डार्डन, जो आमने-सामने की लड़ाई में प्रसिद्ध हो, अब मर्दों की तरह डट जाओ; अपना सामान्य शौर्य दिखाओ; क्योंकि मैं जानता हूँ कि बृहस्पति अपनी गुप्त योजनाओं में मेरे लिए गौरव और यूनानियों के लिए

विपत्ति की योजना बना रहा है। मूर्खों, उन जर्जर दीवारों में जो अपनी विश्वास, मुश्किल से ध्यान देने योग्य, मेरे आक्रमण का सामना करने में असमर्थ; और जो खाई उन्होंने खोदी है, हमारे घोड़े उसे आसानी से पार कर सकते हैं; और जब मैं जहाजों तक पहुँचूँ, तो सावधान रहना, आग तैयार रखना, जिससे हम जहाजों को नष्ट कर सकें, जबकि वे स्वयं धुएं से भ्रमित होकर आसानी से शिकार बन जाएँगे।
उसने कहा, और उत्साहवर्धक शब्दों से अपने घोड़ों को संबोधित करते हुए बोला: "ज़ैंथस और पोडार्गस, तुम, एथन और लैम्पस, अब सुंदर एंड्रोमाचे, ईटियन की शाही पुत्री, द्वारा तुम पर किए गए स्नेह का प्रतिफल दो; याद रखो कि कैसे उसने तुम्हारे चरनों को भरपूर भोजन से भर दिया था, इससे पहले कि मैं, उसका पति, उसके हाथों से मदिरा का प्याला ले लूँ। जल्दी करो, ताकि हम नेस्टर की ढाल, जिसकी स्तुति स्वर्ग तक पहुँचती है, के मूठ को अपने पुरस्कार के रूप में प्राप्त कर सकें, और स्वयं, ठोस सोने का; और टाइडाइड्स के कंधों से उतारो उसका शानदार कवच, वल्कन के हाथों का काम: इन्हें हम ले जा सकते हैं, मुझे लगता है कि आज रात ही हम यूनानियों को अपने जहाजों पर सवार होते देखेंगे।
यही उनकी प्रार्थना थी; लेकिन सिंहासन पर बैठी जूनो क्रोध से कांप उठी, यहाँ तक कि महान ओलंपस भी हिल गया। और इस प्रकार उसने सर्वशक्तिमान देवता नेप्च्यून से कहा: "हे असीम शक्ति वाले, पृथ्वी को हिला देने वाले देवता, क्या तू यूनानियों के विनाश को अविचलित देखता है? फिर भी वे एगे और हेलिस में, कृतज्ञतापूर्ण भेंटों से तेरी वेदियों को सुशोभित करते हैं; तो हम उन्हें विजय दिलाते हैं; यदि हम सब, जो यूनान के पक्षधर हैं, मिलकर ट्रोजनों को भगा दें और सर्वदर्शी बृहस्पति को रोक लें, तो..." उसे इडा के शिखर पर अकेला छोड़ दिया जा सकता है, ताकि वह अपने क्रोध को पचा सके।
इस पर क्रोधित होकर नेप्च्यून ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे जूनो, तुम उतावली हो, ये कैसे शब्द हैं! मैं यह सलाह देने का साहस नहीं करता कि हम सब शनि के पुत्र के विरुद्ध एकजुट हो जाएँ; इससे वह और भी अधिक शक्तिशाली हो जाएगा।"
वे ऐसी बातें करते रहे; इस बीच खाई के भीतर, मीनार और जहाजों के बीच का सारा स्थान घोड़ों और ढालधारी पुरुषों से भरा हुआ था; मंगल ग्रह के समान बहादुर और बृहस्पति द्वारा विजय प्राप्त कर संकीर्ण स्थान में घिरे महान हेक्टर के नेतृत्व में;

जिन्होंने अब यूनानी जहाजों को आग से जला दिया था, लेकिन जूनो ने एट्रीडेस को उनके कमजोर पड़ते साहस को जगाने के लिए जल्दी करने का आदेश दिया। वह शिविर से होकर गुजरा; अपने चौड़े हाथ पर बैंगनी रंग का वस्त्र लिए हुए, और यूलिसिस के ऊंचे जहाज पर खड़ा हो गया, जो बीच में था, जहाँ से वह दोनों ओर चिल्ला सकता था, या एजैक्स टेलमोन के तंबुओं की ओर, या अकिलीज़ के तंबुओं की ओर, जिन्होंने दोनों छोरों पर, अपनी शक्ति पर भरोसा करते हुए, अपने जहाजों को लंगर डाला था।

फिर उसने यूनानियों को ऊँची और स्पष्ट आवाज़ में पुकारा: "तुम पर शर्म आए, यूनानियों, नीच कायरों, केवल दिखावे में ही बहादुर हो! अब वो शेखी कहाँ गई जो कभी (खुद को इतना ऊँचा समझते थे) तुमने, घमंडी शेखीबाज़ों की तरह, लेम्नोस द्वीप में, जब सीधे सींग वाले बैलों का मांस खाकर दावत कर रहे थे, और अपने बहते प्यालों को लाल शराब से सजा रहे थे, तब तुममें से एक भी, मैदान में सौ ट्रोजनों के लिए भी नहीं, या दो सौ के लिए भी नहीं, खुद को बहादुर समझता था।" अब तुम सब एक ही आदमी के सामने काँपो, हेक्टर, जो जल्द ही हमारे जहाजों को आग में लपेट देगा। हे पिता बृहस्पति! तूने किस संप्रभु को इतना भ्रमित किया है, इतनी महिमा से वंचित किया है? फिर भी, इस विनाशकारी यात्रा पर निकलते हुए, मैंने कभी भी तेरी वेदी को अनदेखा नहीं किया; प्रत्येक पर उत्तम भेंट अभी भी जल रही है, ट्रॉय की सुदृढ़ दीवारों को ध्वस्त करने की आशा में। फिर भी, कम से कम इस प्रार्थना पर अपना कान लगा; हमें यह तट सुरक्षित रूप से पार करने की कृपा प्रदान कर। छोड़ दो, न ही ट्रोजन द्वारा पूरी तरह से अधीन हो जाओ।

उसने कहा; और बृहस्पति ने दया से उसके आँसू देखे; और एक संकेत से अपने लोगों की सुरक्षा की गारंटी दी। उसने एक चील भेजी, जो उड़ने वाला सबसे श्रेष्ठ पक्षी है, जिसने अपने पंजों में एक जंगली हिरण के बच्चे को उठाया: उसने हिरण के बच्चे को पवित्र मंदिर के पास गिरा दिया, जहाँ यूनानी लोग भविष्यवाणी के देवता बृहस्पति को अपने गंभीर अनुष्ठान अर्पित करते थे। वे स्वर्ग से मिले संकेत को जानते थे; नए साहस के साथ, उन्होंने ट्रोजनों पर हमला किया और लड़ाई फिर से शुरू हो गई। तब अनेक यूनानियों में से कोई भी यह दावा नहीं कर सकता था कि उसने टाइडाइड्स से पहले अपना रथ खाई के पार ले जाकर लड़ाई में प्रवेश किया। उसी के हाथ ने सबसे पहले

एक मुकुटधारी सरदार, फ्रादमोन के पुत्र एगेलॉस पर प्रहार किया। उसने अपना रथ भागने के लिए मोड़ दिया; लेकिन जैसे ही वह मुड़ा, डायोमेड का भाला उसकी गर्दन के पीछे, कंधों के बीच से होते हुए उसकी छाती में जा घुसा; वह सिर के बल गिर पड़ा, और उसके कवच से ज़ोरदार आवाज़ आई।
टाइडाइड्स के बाद, एगामेम्नन आया, और मेनेलास, एट्रेस के देवतुल्य पुत्र; दोनों अजाक्स, निडर साहस से सुसज्जित; इडोमेनियस, जिसके साथ मेरियोनेस, उसका वफादार साथी, मंगल ग्रह के समान भयानक; यूरिपिलस, यूएमोन का महान पुत्र; नौवां ट्यूसर था, जिसने झुके हुए धनुष के साथ, एजैक्स टेलमोन की ढाल के पीछे शरण ली; एजैक्स ने अपनी ढाल उसके ऊपर रखी; फिर उसने चारों ओर देखा और भीड़ के बीच निशाना साधा; और जैसे ही उसने प्रत्येक घायल ट्रोजन को अपने बाणों से घायल होकर गिरते देखा, वह एजैक्स के करीब आ गया, जैसे कोई बच्चा अपनी माँ की शरण में, विशाल ढाल के नीचे छिपा और सुरक्षित।
तो फिर बताओ, ट्रोजनों में से सबसे पहले कौन ट्यूसर के तीरों से मारा गया? ओर्सिलोचस, ओफेलेस्टेस, डेटर, ओर्मेनस, देवतुल्य लाइकोफोंटेस, क्रोमियस, पोलियामोन के पुत्र अमोपाओन, और वीर मेलानिप्पस: इन सभी को, एक-एक करके, ट्यूसर ने धूल में मिला दिया। एगामेम्नन ने अपने सुगठित धनुष से ट्रोजन सेना को तितर-बितर करते हुए प्रसन्नता से देखा, और उसके बगल में खड़े होकर उससे कहा: "ट्यूसर, हे मेरे अच्छे साथी, टेलामोन के पुत्र, यदि तू विजयी होना चाहता है, तो इसी प्रकार तीर चलाता रहना।" प्रकाश, यूनानियों की महिमा, और तेरे पिता की महिमा, जिन्होंने तेरे बचपन का पालन-पोषण किया, और अपने घर में तुझे, यद्यपि तू नाजायज थी, रखा; चाहे वह कितना भी दूर क्यों न हो, तेरी उपलब्धियाँ तुझे सर्वोच्च प्रसिद्धि तक पहुँचाएँ। मैं यह भी कहता हूँ, और अपने वचन को पूरा करूँगा: यदि ढाल धारण करने वाले बृहस्पति और पल्लास की कृपा से हम इलियम की सुदृढ़ दीवारों को ध्वस्त कर दें, तो मैं तेरे हाथों में एक सम्मान का उपहार रखूँगा, जो मेरे बाद दूसरे स्थान पर होगा; एक चमकीला तिपाई, या, उनके रथ और साज-सामान के साथ, दो बहादुर योद्धा। घोड़े, या कोई सुंदर स्त्री जिसके साथ तुम अपना बिस्तर साझा कर सको। जिसके उत्तर में वीर ट्यूसर ने इस प्रकार कहा: "हे एट्रीयस के परम शक्तिशाली पुत्र, तुम क्यों उत्तेजित हो रहे हो? तुममें उत्साह की कमी नहीं है। जब से हमने ट्रोजनों को

खदेड़ा है, मैं अपनी पूरी शक्ति से हर अवसर पर अपने बाण चलाने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। अभी तक मैंने आठ कांटेदार बाण चलाए हैं, और प्रत्येक बाण योद्धा पर अपने निशाने पर लगा है; केवल वह खूंखार कुत्ता ही मेरे निशाने को विफल कर सकता है।" हेक्टर पर, जब वह बोल रहा था, उसने एक और तीर चलाया, इतने बड़े पुरस्कार की महत्वाकांक्षा में: वह अपने लक्ष्य से चूक गया; लेकिन प्रियम के महान पुत्र गोरगिथियन के सीने में तीर लगा, जिसे ऐसिम से लाई गई एक विवाहित दुल्हन, कैस्टियानेरा ने जन्म दिया था। उसका सिर ऐसे डूब गया जैसे बगीचे में वसंत की बारिश से लथपथ पका हुआ अफीम का फूल डूब जाता है; उसका सिर उसके हेलमेट के भार के नीचे डूब गया। हेक्टर पर एक और तीर चला, टेउसर, जो इतने बड़े इनाम की महत्वाकांक्षा रखता था; लेकिन यह भी चूक गया, फोएबस ने उसे मोड़ दिया; लेकिन आर्केप्टोलेमस, हेक्टर का सारथी, जो तेजी से आगे बढ़ रहा था, सीने में लगा, निप्पल के पास; रथ से गिर पड़ा; चौंके हुए घोड़े इधर-उधर मुड़ गए; और गिरते ही उसकी प्राण शक्ति निकल गई। अपने साथी की मृत्यु पर हेक्टर का शोक गहरा था; फिर भी, हृदय से दुखी होते हुए भी, उसने मजबूरी में उसे छोड़ दिया और अपने भाई सेबरियोनेस को पुकारा, पास ही आकर घोड़ों की लगाम पकड़ने के लिए; उसने सुना और तुरंत आज्ञा का पालन किया। तब हेक्टर अपने चमकते रथ से कूदकर जमीन पर आ गिरा, अपनी भयानक युद्ध-घोषणा करते हुए; उसके हाथ में एक भारी पत्थर था; और उसे मार गिराने के इरादे से, वह सीधे ट्यूसर की ओर दौड़ा। उसने जल्दी से अपने तरकश से एक बाण चुना, और उसे रस्सी से बांध दिया; लेकिन जैसे ही उसने स्नायु खींचा, चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने चट्टान का विशाल टुकड़ा फेंका, जिससे ट्यूसर कंधे के पास, जहाँ कॉलरबोन गर्दन और छाती से जुड़ती है, सबसे उपयुक्त स्थान पर टकराया, और टेंडन टूट गया; लकवाग्रस्त होकर, उसकी बांह असहाय होकर उसके बगल में लटक गई; वह घुटनों के बल गिर पड़ा, और उसके हाथों से धनुष छूट गया। अजाक्स ने अपने भाई को गिरते हुए देखा, लेकिन उसने जल्दी से उस पर अपनी ढाल डाल दी। उसके दो वफादार दोस्त, मेसिस्टियस, एचियस का बेटा, और बहादुर एलास्टोर, भीड़ से अलग होकर उसे, कराहते हुए, जहाजों तक ले गए।
फिर बृहस्पति ने ट्रोजन साहस को फिर से जगाया, और उन्होंने यूनानियों को खाई की ओर धकेल दिया। अपनी वीरता पर गर्व करते हुए, हेक्टर ने उनका नेतृत्व किया; और

जैसे कोई शिकारी कुत्ता, जो तेज दौड़ता है, अपने शिकार, सूअर या शेर को पकड़ लेता है, पीछे से छलांग लगाकर उसके किनारे पर झपट पड़ता है, फिर भी सावधानी से देखता रहता है, कहीं वह भौंकने न लगे: उसी प्रकार हेक्टर ने लंबे बालों वाले यूनानियों पर दबाव बनाया, और सबसे पीछे वालों को मार डाला। वे भयभीत होकर भाग गए। लेकिन अंततः खाई और बाड़ को पार करने के बाद, कई ट्रोजन मारे गए, और जहाजों के सामने वे अपने भागने के बाद फिर से इकट्ठा हुए। और एक-दूसरे को पुकारा और सभी ने हाथ उठाकर सभी देवताओं से प्रार्थना की। इस बीच, हेक्टर अपने उड़ते घोड़ों को इधर-उधर घुमाता रहा, उसकी आँखें गोरगॉन या रक्त से सने मंगल की तरह भयानक चमक रही थीं।
श्वेत भुजाओं वाली रानी जूनो, दया से द्रवित होकर, पैलस को अपने पंखों वाले शब्दों में इस प्रकार संबोधित किया: "हे स्वर्ग, कवच धारण करने वाले बृहस्पति के वीर पुत्र, क्या हम, इस समय भी, उनकी इस घोर आवश्यकता में, यूनानियों को अपनी सहायता देने से इनकार कर सकते हैं, एक ऐसे व्यक्ति के कारण जो वश में है, एक ऐसा अकेला व्यक्ति, जिसका अहंकार असहनीय है, प्रियम का पुत्र हेक्टर, जिसने अभी-अभी उन्हें अंतहीन पीड़ा दी है?" फिर, नीली आँखों वाली देवी, पल्लास ने इस प्रकार उत्तर दिया: "मैं भी उसे अपने ही देश में यूनानियों के हाथों मरते हुए देखना चाहती थी; लेकिन मेरे पिता, गलत सलाह से गुमराह होकर, क्रोधित होकर मेरी सारी योजनाओं को विफल कर रहे हैं; अब वे भूल गए हैं कि मैंने उनके पुत्र को कितनी बार बचाया था, और यूरिस्टियस द्वारा दिए गए परिश्रम से वे बहुत थक गए हैं। अक्सर उनके आँसू स्वर्ग तक पहुँचते थे, और अक्सर बृहस्पति मुझे स्वर्ग से अपने पास भेज देते थे।" लेकिन अगर मुझे तब पता होता जो अब मुझे पता है, जब प्लूटो के राज्य के संकरे द्वारों पर उसने उसे एरेबस से उसका रक्षक कुत्ता लाने के लिए भेजा था, तो वह कभी वापस नहीं लौटा होता। अब वह मुझसे नफरत करता है, और उसका कान थेतिस की ओर जाता है, जिसने उसके घुटनों को चूमा, उसकी दाढ़ी को छुआ और उससे अपने बेटे अकिलीज़ का बदला लेने की प्रार्थना की; फिर भी वह समय आएगा जब मैं एक बार फिर उसकी प्यारी नीली आँखों वाली बन जाऊँगी। दासी। अब जल्दी करो, हमारे लिए अपना रथ तैयार करो, जबकि मैं कवचधारी बृहस्पति के घर जा रही हूँ, और युद्ध के लिए अपना कवच पहन रही हूँ, यह देखने के लिए कि क्या चमकते

हेलमेट वाला हेक्टर, प्रियम का पुत्र, हम दोनों को युद्ध के दर्रे से आगे बढ़ते हुए अविचलित देखेगा; या क्या यूनानियों द्वारा मारे गए ट्रोजन का मांस भूखे कुत्तों और पक्षियों का पेट भरेगा।
उसने कहा: श्वेत भुजाओं वाली रानी ने उसके वचन का पालन किया।
महान देवी जूनो, राजसी शनि की संतान,
घोड़ों को लाई गई, सुनहरे मुकुटों से सजी;
जबकि ढाल धारण करने वाले बृहस्पति की संतान पल्लास,
अपने पिता की दहलीज पर अपना घूंघट गिरा दिया,
हवा जैसी बनावट का, अपने हाथों से बनाया हुआ;
बादलों को वश में करने वाले बृहस्पति का कवच पहना,
और खूनी लड़ाई के लिए तैयार खड़ी हो गई।
वह अग्नि रथ पर सवार हुई; उसके हाथ में
एक भाला था, लंबा, भारी, मजबूत; जिसके साथ, एक शक्तिशाली पिता की शक्तिशाली पुत्री, अपने क्रोध से पीछा किए जाने वालों की पंक्तियों को ध्वस्त कर देती है। फिर जूनो ने उड़ते हुए घोड़ों को तेज़ी से छुआ; तुरंत ही स्वतः खुलते ही, घंटों द्वारा संरक्षित स्वर्गीय द्वार, जो स्वर्ग और उच्च ओलंपस के प्रभारी हैं, बादलों के पर्दे को हटाने या बंद करने के लिए कर्कश ध्वनि उत्पन्न करते हैं; उत्तेजित घोड़े इन्हीं द्वारों से होकर आगे बढ़ते हैं।
इडा की ऊँचाइयों से शनि के पुत्र ने देखा, और क्रोध से भरकर, स्वर्ग के दूत, सुनहरे पंखों वाली आइरिस ने इस प्रकार कहा: "जल्दी करो, तेज आइरिस; उन्हें वापस मोड़ दो, और चेतावनी दो कि वे आगे न बढ़ें: यह उचित नहीं है कि वे और मैं युद्ध में आमने-सामने हों। मैं भी यही कहती हूँ, और अपने वचन पूरे करूँगी: मैं उनके उड़ने वाले घोड़ों को लंगड़ा कर दूँगी; उन्हें उनके रथ से गिरा दूँगी, और उनके रथ के पहिए तोड़ दूँगी; और दस घूमते वर्षों में भी वह घाव नहीं भरेगा जहाँ मेरी बिजली गिरती है; पल्लास के साथ भी ऐसा ही होगा।" सीखो
उसके पिता के विरुद्ध विवाद करना क्या है।
जूनो मेरे आश्चर्य और क्रोध को कम ही उत्तेजित करती है;
मैं जो भी योजना बनाता हूँ, वह उसे विफल करने की उसकी आदत है।

इस प्रकार वह: इडा से ओलंपस की ऊँचाई तक
तूफ़ान की तरह तेज़ आइरिस अपने कार्य पर आगे बढ़ी।
कई चोटियों वाले ओलंपस के बाहरी द्वार पर
वह देवियों से मिली, और उनका मार्ग रोक दिया,
और इस प्रकार बृहस्पति की सर्वोच्च इच्छा को व्यक्त किया:
"किधर जा रही हो? तुम्हारे हृदयों में कौन सा पागलपन भरा है? यूनानियों की सहायता करने से बृहस्पति मना करता है; और वह इस प्रकार धमकी देता है, और उसे पूरा भी करेगा: वह तुम्हारे उड़ने वाले घोड़ों को लंगड़ा कर देगा; तुम स्वयं रथ से कूद जाओ, और अपने रथ के पहिए तोड़ दो; और दस घूमते वर्ष उसके द्वारा बनाए गए घावों को नहीं भरेंगे: इसलिए, पल्लास, तुम्हें यह सीखना होगा कि अपने पिता के विरुद्ध लड़ना क्या होता है। जूनो उसके आश्चर्य और क्रोध को कम प्रभावित करती है; वह जो भी योजना बनाए, उसे विफल करना उसकी आदत है; लेकिन तुम अति-उदार और लज्जाहीन हो, यदि तुम बृहस्पति के विरुद्ध अपना भाला उठाने का साहस करते हो।
जैसे ही उसने बात की, तेज आइरिस गायब हो गई। फिर जूनो ने पल्लास से कहा:
"अब और नहीं, हे कवचधारी बृहस्पति की पुत्री, हम नश्वर मनुष्यों के लिए उसके प्रभुत्व का विरोध नहीं कर सकते; चाहे वे जिएं या मरें, जैसा कि प्रत्येक मनुष्य का भाग्य हो; जबकि वह, यूनानियों और ट्रोजनों के बीच, जैसा उचित हो, अपनी योजनाओं को पूरा करते हुए, निर्णय लेता है।" उसने कहा, और अपने घोड़ों के सिर पीछे की ओर मोड़ दिए। घोड़ों को रथ से अलग कर दिया गया, और स्वर्ग के अस्तबलों में सुरक्षित रूप से बांध दिया गया। उन्होंने रथ को भीतरी दीवार से टकराया, जो चमकीली पॉलिश से जगमगा रही थी; देवियाँ स्वयं, सभी अमर देवताओं के बीच, दुखी हृदयों के साथ सुनहरी सीटों पर विराजमान थीं।
कुछ ही समय बाद, तेजी से चलते रथ पर सवार होकर, बृहस्पति ओलंपस, देवताओं के निवास स्थान पर, इडा की ऊँचाई से लौट आया: पृथ्वी को हिला देने वाले देवता, नेपच्यून ने अपने घोड़ों को जोता; और रथ को स्टैंड पर सुरक्षित किया, और उस पर आवरण फैला दिया। फिर सर्वज्ञ बृहस्पति अपने सुनहरे सिंहासन पर बैठ गया; उसके पैरों तले ओलंपस कांप उठा। जूनो और पल्लास बस अलग बैठी रहीं; उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा, न ही कोई पूछताछ की। ज़्यूस उनके विचारों को जानता था, और

उसने उन दोनों को संबोधित करते हुए कहा: "पल्लास और जूनो, तुम इस तरह क्रोधित होकर क्यों चुप बैठी हो? इस गौरवशाली युद्ध में तुमने ट्रोजनों को मारने के लिए कोई लंबा परिश्रम नहीं किया, जिनका तुम्हारा घातक द्वेष पीछा कर रहा है। ओलंपस पर रहने वाले सभी देवता भी मुझे मेरे उद्देश्य से विचलित नहीं कर सकते, मेरी शक्ति इतनी प्रबल है, और मेरी अदम्य शक्ति इतनी शक्तिशाली है।" लेकिन तुम युद्धक्षेत्र और युद्ध के भयानक कृत्यों को देखकर भयभीत हो गए थे। लेकिन मैं यह कहता हूँ, और इसे अपने मन में रखो, यदि मैंने अपनी बिजली छोड़ी होती, और तुम्हें तुम्हारे रथ से नीचे फेंक दिया होता, तो तुम फिर कभी ओलंपस की ऊँचाई, अमर देवताओं के निवास स्थान तक नहीं पहुँच पाते।

ऐसा देवता ने कहा; परन्तु, अगल-बगल बैठीं जूनो और पल्लास की निगाहें आपस में मिल गईं, जो ट्रॉय के लिए अशुभ संकेत था; पल्लास सचमुच चुप बैठी रही, और यद्यपि वह भीतर ही भीतर बृहस्पति से क्रोधित थी, फिर भी उसने एक शब्द भी नहीं कहा; लेकिन जूनो का हृदय क्रोध से भर उठा और उसने कहा: "हे शनि के भयानक पुत्र, तुम क्या कह रहे हो? हम तुम्हारी अजेय शक्ति को भलीभांति जानते हैं, फिर भी हम युद्धप्रिय यूनानियों के लिए गहरे शोक में हैं, जो निराशाजनक विनाश के लिए अभिशप्त हैं: क्योंकि तुम्हारा यही आदेश है, इसलिए हम युद्ध से दूर रहते हैं; फिर भी हम कुछ उद्धारकारी सलाह दे सकते हैं, कहीं ऐसा न हो कि तुम अपने क्रोध में उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दो।"

जिस पर बादल-संयोजक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे स्वर्ग की हिरण-आँखों वाली रानी, कल तू देखेगी, यदि तू चाहे तो, शनि के पुत्र द्वारा योद्धा यूनानियों पर किया गया नरसंहार; क्योंकि हेक्टर का गौरवशाली आक्रमण तब तक नहीं रुकेगा जब तक कि पेलियस के देवतुल्य पुत्र का क्रोध जहाजों के पास उस दिन प्रज्वलित न हो जाए, जब पैट्रोक्लस के शव के चारों ओर, तंग जगह में, जहाजों के पिछले हिस्से तक, युद्ध छिड़ जाएगा। यही नियति की वाणी है: हे प्रभु, मैं तेरे क्रोध की परवाह नहीं करता; और न ही मुझे कोई चिंता होगी, चाहे तुझे पृथ्वी और सागर की सबसे गहरी खाई में धकेल दिया जाए, जहाँ इपेटस और शनि सूर्य की किरण या हवा के झोंके से भी वंचित, गहरे टार्टारस में पड़े हों। चाहे तुझे वहाँ निर्वासन में भेज दिया जाए, मैं ध्यान नहीं दूंगा,

बल्कि तेरे तिरस्कारों को अविचलित सुनूंगा; क्योंकि तुझसे नीच कोई नहीं है। उसने कहा, लेकिन श्वेत भुजाओं वाली जूनो ने कोई उत्तर नहीं दिया।
सूर्य, जो अब सागर की लहरों के नीचे डूब चुका था, ने घनी आबादी वाली पृथ्वी पर रात का पर्दा डाल दिया। ट्रोजनों ने अनिच्छा से दिन का अस्त होते देखा; परन्तु यूनानियों का तीन बार स्वागत किया गया, तीन बार प्रार्थना की गई, और उनके लिए अंधकार की छाया छा गई।
फिर महान हेक्टर ने ट्रोजन नेताओं को परिषद में बुलाया; जहाजों से अलग होकर, वह उन्हें नदी के भंवर के किनारे, शवों से मुक्त एक साफ मैदान में ले गया। वे अपने रथों से उतरकर, देवतुल्य हेक्टर के शब्दों को सुनने लगे: उसके हाथ में उसका बारह क्यूबिट लंबा विशाल भाला था, जिसका चमकीला सिरा सोने के घेरे से घिरा हुआ था; इस पर झुककर उसने कहा, "मेरी बात सुनो, हे ट्रोजन, डार्डन और उनके साथियों; मुझे आशा थी कि हम अब तक ट्रॉय की हवादार ऊँचाइयों पर विजय प्राप्त करके लौट आए होते, यूनानियों के जहाजों और सभी यूनानियों को नष्ट कर चुके होते: परन्तु रात बहुत जल्दी आ गई, और उसने कुछ समय के लिए यूनानी सेना और उनके फंसे हुए जहाजों को बचा लिया। अब हम रात के हवाले हो जाते हैं; भोजन तैयार करो; अपने घोड़ों को खोल दो, और उनके सामने उनका आवश्यक चारा रखो; शहर से बैल और भेड़ें लाओ; रसीले शराब उपलब्ध कराओ; अपने घरों से रोटी लाओ; और ईंधन का अच्छा भंडार इकट्ठा करो, ताकि पूरी रात, भोर तक, हमारी असंख्य अग्नियां जलती रहें और आकाश को रोशन करें; कहीं ऐसा न हो कि रात में ही लंबे बालों वाले यूनानी समुद्र के विशाल सागर को पार करने की कोशिश करें, ताकि वे बिना किसी हमले के न ही बिना किसी बाधा के जहाज पर सवार हो सकें; बल्कि शायद कुछ लोग अपने घरों तक भी किसी घाव की याद लेकर लौटें। भाले या तीर से प्राप्त, जैसे जहाज पर सवार थे, वे जल्दी से कूद पड़े; और अन्य भी डर सकते हैं, ट्रॉय की शक्ति को शत्रुतापूर्ण हथियारों से चुनौती देने से। तब पवित्र दूतों की आवाज पूरे शहर में घोषित हो कि युवा युवक और वृद्ध पुरुष स्वयं को अलग-अलग पहरों में स्वर्ग द्वारा निर्मित मीनारों की रक्षा के लिए नियुक्त करें। महिलाओं को भी अपने-अपने घरों में आग जलाने का आदेश दें; सावधानीपूर्वक निगरानी रखी जाए, कहीं ऐसा न हो कि पुरुषों की अनुपस्थिति में, गुप्त घात लगाकर शहर पर हमला कर दिया जाए। आश्चर्यचकित

हो जाओ। हे वीर ट्रोजनो, यही मेरी सलाह है; और आज रात तुम्हारी बुद्धि जो भी स्वीकार करे, मैं सुबह ट्रोजनों के बोलने से पहले ही बता दूँगा। मैं बृहस्पति और सभी देवताओं से प्रार्थना करता हूँ कि भाग्य के मारे इन कुत्तों को यहाँ से भगा दूँ, जिन्हें भाग्य ने उनके काले जहाजों पर यहाँ भेजा है। अब हम रात भर सतर्क पहरा देते हैं; और भोर होते ही, हथियारों से लैस होकर, उनके बेड़े पर अपना क्रोध बरसाते हैं। तब मुझे पता चलेगा कि टाइडियस... वीर पुत्र, जहाजों से वापसी मुझे दीवारों तक ले जाएगी, या मैं, विजयी होकर, उसकी खूनी लूट का भार उठाऊंगा: कल सुबह उसका साहस तय करेगा, कि क्या वह वास्तव में मेरे हमले की प्रतीक्षा करेगा। लेकिन कल का सूरज आसमान में ऊँचा होने से पहले, अगर मेरा अनुमान सही है, तो वह सबसे आगे, घायल और खून बहता हुआ धूल में पड़ा होगा, और उसके चारों ओर कई साथी होंगे। काश, मैं बुढ़ापे और मृत्यु से उतना ही आश्वस्त होता जितना एक वीर, और एक वीर योद्धा के रूप में सम्मानित होता। हे ईश्वर, फोएबस, या पल्लास, जैसा कि मुझे आश्वासन दिया गया है, आने वाला दिन ग्रीस के लिए दुर्भाग्य से भरा होगा।
इस प्रकार हेक्टर बोला; ट्रोजन जोर से चिल्लाए: फिर उन्होंने पसीने से तर घोड़ों को जुए से मुक्त किया, और प्रत्येक को अपनी-अपनी गाड़ियों के पास बांध दिया: फिर वे शहर से जल्दी से बैल और भेड़ें लाए; स्वादिष्ट शराब प्राप्त की; अपने घरों से रोटी लाए, और ईंधन का अच्छा भंडार इकट्ठा किया; मैदान से बहकर, हवाओं ने स्वर्ग तक स्वादिष्ट सुगंध पहुँचाई। गर्व भरी आशाओं से भरे, युद्ध के मैदान पर, उन्होंने पूरी रात डेरा डाला; और वे अक्सर आग जलाते थे।
जैसे स्वर्ग में, जगमगाते चाँद के चारों ओर तारे निर्मल हवा में चमकते हैं; और हर चट्टान, और हर उभरी हुई चोटी साहसपूर्वक खड़ी है, और हर वनभूमि; स्वर्ग के द्वार तक असीम आकाश खुला है; प्रत्येक तारा स्पष्ट रूप से चमकता है; प्रसन्नता से चरवाहा का हृदय भर गया।
मैदान पर इतने चमकीले, इतने घने बिखरे हुए,
ट्रॉय की दीवारों के सामने, जहाजों के बीच,
और ज़ैंथस की धारा के बीच, ट्रोजन की अग्नि प्रज्वलित हो रही थी।
हजारों आगें तेज़ी से जल रही थीं; और प्रत्येक के चारों ओर लालिमा में पचास योद्धा बैठे थे; उनके सामने रखे चारे, जौ और राई को चबाते हुए, बंधे हुए घोड़े रथों के पास

खड़े थे, और सुबह की प्रतीक्षा कर रहे थे।

# तर्क।

**अकिलीज़ के लिए दूतावास।**

पिछले दिन की हार के बाद, एगामेम्नन ने यूनानियों को घेराबंदी छोड़ने और अपने देश लौटने का प्रस्ताव रखा। डायोमेड ने इसका विरोध किया और नेस्टर ने उसकी बुद्धिमत्ता और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हुए उसका समर्थन किया। उसने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और इस आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले उपायों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक परिषद बुलाने का आदेश दिया। एगामेम्नन ने इस सलाह को मान लिया, और नेस्टर ने उसे और भी राजी किया कि वह अकिलीज़ को सुलह के लिए मनाने के लिए उसके पास दूत भेजे। यूलिसिस और एजैक्स को चुना गया, जिनके साथ बूढ़ा फीनिक्स भी था। दोनों ने ही बहुत ही भावपूर्ण और प्रभावशाली भाषण दिए, लेकिन अकिलीज़ ने उन्हें कठोरता से अस्वीकार कर दिया, फिर भी उसने फीनिक्स को अपने तम्बू में ही रखा। दूत असफल होकर शिविर लौट आए, और सैनिक सोने चले गए।

यह पुस्तक, और इसके बाद वाली पुस्तक, एक रात की अवधि को समेटे हुए हैं, जो कविता की शुरुआत से सत्ताईसवीं रात है। दृश्य समुद्र तट पर स्थित है, जो यूनानी जहाजों का पड़ाव है।

# पुस्तक 9.

इस प्रकार ट्रोजन लोग पहरा देते रहे; परन्तु यूनानी लोग भीषण भय और ठंडे डर से घिरे रहे, उनके सबसे बहादुर योद्धा भी असहनीय दुःख से व्याकुल हो गए। जैसे जब थ्रेस की पहाड़ियों से दो तूफानी हवाएँ, बोरियास और ज़ेफिर, अचानक तेज़ झोंकों के साथ समुद्र को हिला देती हैं; काली लहरें अपनी क्रोधित चोटियाँ ऊँची उठाती हैं और उलझी हुई समुद्री घास के ढेर किनारे पर फेंक देती हैं; ऐसा ही तूफानी दुःख प्रत्येक यूनानी योद्धा के हृदय को चीर देता है।

एट्रीड्स, हृदयविदारित होकर, इधर-उधर भटकता रहा, और स्पष्ट स्वर में उद्घोषकों को आदेश दिया कि वे बुलाएँ, परन्तु ऊँची आवाज़ में उद्घोषणा न करें, प्रत्येक व्यक्ति को परिषद में बुलाएँ; वह स्वयं, सरदारों के साथ घुलमिलकर, अपने परिश्रम में कोई कमी नहीं करता रहा। वे उदास होकर परिषद में बैठे; एट्रीस का पुत्र, रोते हुए उठा; जैसे किसी गहरे पानी के झरने से ऊबड़-खाबड़ चट्टानी ढलान से उदास धारा बहती है; तब इकट्ठे हुए यूनानियों ने गहरी आहें भरते हुए कहा: "हे मित्रों! यूनान के सरदारों और सलाहकारों, यह प्रहार अत्यंत कष्टदायक और अप्रत्याशित है जो बृहस्पति ने मुझे दिया है; उसके वादे के सहारे मैंने आशा की थी कि मैं ट्रॉय की मजबूत दीवारों को ध्वस्त कर दूंगा और सुरक्षित घर लौट आऊंगा; लेकिन ऐसा लगता है कि उसने अपना वचन तोड़ दिया है और अब मुझे आदेश दे रहा है कि मैं अपने वादे से मुकरकर आर्गोस लौट जाऊं।" आशा, अपमानित, और भारी जनहानि के साथ। अब ऐसा प्रतीत होता है शनि के पुत्र की सर्वोपरि संप्रभु इच्छा, जिसने कई ऊंचे शहरों के सिर धूल में मिला दिए हैं, और आगे भी मिलाता रहेगा; क्योंकि उसका हाथ शक्तिशाली है। तो मेरी सलाह सुनो; हम सब सहमत हों कि हम अपने मार्ग का मार्गदर्शन घर की ओर करें: क्योंकि यहाँ हम व्यर्थ ही ट्रॉय की सुदृढ़ दीवारों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

राजा ने बात की; सब चुपचाप सुनते रहे: वे लंबे समय तक मौन शोक में बैठे रहे: अंत में वीर डायोमेड उठे और उन्होंने इस प्रकार कहा: "अत्रिय, मुझे तुम्हारी मूर्खता का सामना करना ही होगा, जैसा कि मेरा अधिकार है, परिषद में: हे राजा! नाराज मत हो: एक बार यूनानियों के बीच तुमने मेरी वीरता को कम करके मुझे कायर कहा था; यह बात सभी यूनानियों को, चाहे वे युवा हों या बूढ़े, कितनी न्यायसंगत रूप से ज्ञात है।

गहरे इरादे वाले शनि के पुत्र ने तुझ पर अलग-अलग मात्रा में अपने उपहार रखे हैं।"
प्रदान किया:
वह तुम्हें एक सिंहासन देता है, जो सबसे ऊँचा है;
परन्तु वीरता, स्वर्ग का सबसे महान वरदान, इसे नकार देती है।
तुम कैसे आशा कर सकते हो कि यूनान के पुत्र
उतने निर्दयी और कायर साबित होंगे जितना तुम्हारे शब्दों से लगता है?
यदि तुम्हारा मन घर लौटने का है,
तो प्रस्थान करो; मार्ग खुला है, और जहाज,
जो माइसेना से भीड़ में तुम्हारा पीछा करते आए हैं,
निकट हैं, और रवाना होने के लिए तैयार हैं।
फिर भी अन्य लंबे बालों वाले यूनानी बने रहेंगे
जब तक प्रियम का नगर गिर न जाए: नहीं, भले ही बाकी लोग अपने जहाजों पर सवार होकर घर के लिए रवाना हो जाएं, फिर भी मैं और स्टेनेलस, हम दोनों, तब तक लड़ेंगे जब तक ट्रॉय हमारा न हो जाए; क्योंकि स्वर्ग हमारे साथ है।
इस प्रकार उसने; यूनान के पुत्रों ने, जोरदार तालियों के साथ, वीर डायोमेड के भाषण की पुष्टि की।
तब वृद्ध नेस्टर उठे और इस प्रकार बोले: "टाइडिड्स, युद्ध में तुम प्रख्यात हो; और परिषद में तुम्हारे हम उम्र साथियों को तुम्हारे सामने झुकना पड़ता है; तुम्हारे वर्तमान शब्दों की कोई भी यूनानी निंदा या खंडन नहीं कर सकता; फिर भी तुम उस निष्कर्ष तक नहीं पहुँचे हो, जो वाद-विवाद का विषय है। परन्तु तुम अभी युवा हो, और अपनी आयु के कारण मेरे सबसे छोटे पुत्र हो सकते थे; फिर भी तुम राजाओं को बुद्धिमानी भरी सलाह देते हो और समय पर बोलते हो। परन्तु अब मैं, जो तुमसे बहुत बड़ा हूँ, इस पूरे विषय पर विस्तार से चर्चा करूँगा; और कोई भी मेरा शब्द
यहां तक कि एट्रीड्स भी इसकी अवहेलना नहीं कर सकता।
वह अपने परिवार, कानून और घर से बहिष्कृत है,
जिसकी आत्मा भयंकर आंतरिक कलह में आनंद लेती है।
लेकिन अब हम रात के प्रभाव में आ जाते हैं:
भोजन तैयार करो; और सभी पहरेदारों को

दीवार के बाहर खाई के पास तैनात करो।
यह कर्तव्य मैं युवाओं पर डालता हूँ:
तो, एगामेम्नन, तुम अपना भाग निभाओ;
क्योंकि तुम सर्वोच्च राजा हो; सभी बड़े-बुजुर्ग,
दावत के लिए उचित और उपयुक्त रूप से उपस्थित हों। निमंत्रण: तुम्हारे तम्बू शराब से भरे हैं, जिसे यूनानी जहाज़ थ्रेस से प्रतिदिन विशाल समुद्र पार लाते हैं; और तुम्हारे मेहमानों के सत्कार में तुम्हें किसी चीज़ की कमी नहीं है; और बहुत से लोग तुम्हारे प्रभुत्व को मानते हैं; जब सब मिल जाएँ, तो सबसे अच्छी सलाह देने वाले की सलाह लो; हमें बुद्धिमान और अच्छी सलाह की बहुत आवश्यकता है, जब हमारे जहाज़ों के ठीक बगल में शत्रुतापूर्ण आग जल रही हो: कौन इसे अविचलित देख सकता है? आज रात हमारी बर्बादी या हमारी सुरक्षा देखेगा।
उसने कहा; और वे सहमति जताते हुए उसका भाषण सुनने लगे।
अपने अनुयायियों के साथ नियुक्त रक्षक आगे बढ़े,
राजसी थ्रेसिमेड्स, नेस्टर का पुत्र,
एस्कालाफस, और साहसी इयालमेनस,
मार्स के दो वीर पुत्र; मेरियोनेस,
और अफारेस, और बहादुर डेपिरस,
और देवतुल्य लाइकोमेड्स, क्रेओन का पुत्र।
सात नेता थे; और प्रत्येक के साथ आगे बढ़े
सौ वीर युवक, भाले लिए हुए।
खाई और दीवार के बीच उन्होंने अपना मोर्चा संभाला;
वहाँ उन्होंने आग जलाई और वहाँ भोजन तैयार किया।
फिर अपने तम्बू में एकत्रित बुजुर्गों के लिए एगामेम्नन ने एक भव्य भोज का आयोजन किया; वे अपने सामने रखे भोजन पर टूट पड़े: प्यास और भूख से तृप्त होकर, वृद्ध नेस्टर ने सबसे पहले अपने विचार प्रकट किए; वह जिसने पहले सबसे बुद्धिमानी भरी सलाह दी थी, अब विवेकपूर्ण शब्दों से शुरू करते हुए बोला:
हे परम शक्तिशाली अगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, हे एट्रीड्स, मेरा प्रवचन तुझसे ही समाप्त होगा, तुझसे ही प्रारंभ होगा: अनेक राष्ट्रों पर तू संप्रभु शासन करता है; क्योंकि

बृहस्पति ने तुझे राजदंड और सर्वोच्च विशेषाधिकार दिया है, कि तू अपनी प्रजा का न्यायाधीश और परामर्शदाता है, और वचन बोलना तेरा ही अधिकार है, सुनना भी तेरा ही अधिकार है, और निर्णय लेना भी, जब कोई अन्य प्रमुख व्यक्ति सामान्य मामले में सुझाव देता है: कौन सी सलाह प्रबल होगी, यह तुझ पर निर्भर करता है: क्या मैं वही कहूँ जो मुझे सबसे अच्छा लगता है? इससे बेहतर राय कोई नहीं रख सकता, जिसे मैं मानता हूँ, और हमेशा मानता आया हूँ, उस दिन से जब हे महान राजा, तूने सुंदर ब्रिसिस को अकिलीज़ के तम्बू से निकाला था, उसके क्रोध के बावजूद—मेरी सलाह पर नहीं: मैं तुझे मना करना चाहता था, लेकिन तूने, अपने क्रोधी अभिमान के आदेश का पालन करते हुए, हमारे सबसे बहादुर के साथ अन्याय किया, उसका अपमान किया, जिसे अमर भी सम्मान देते थे; उसके इनाम के लिए तूने उसे ले लिया और अब भी तुम इसे बरकरार रखते हो; लेकिन अब हमें विचार करना चाहिए कि क्या हम कीमती उपहारों और मधुर शब्दों से भी उसके क्रोध को शांत कर सकते हैं।
जिस पर सम्राट एगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "पिताजी, आपने मेरी गलती को सही ढंग से याद दिलाया है: मैंने गलती की है, और मैं इसे स्वीकार करता हूँ; जैसे कोई सेना उसे सम्मान देती है जिसे बृहस्पति सम्मान देता है, जैसे अब अकिलीज़ को सम्मान देते हुए, वह यूनानियों को भ्रमित करता है, लेकिन अगर मैंने किसी बुरी प्रेरणा से गलती की है, तो मैं अब उसे प्रसन्न करना चाहता हूँ, और उसे पर्याप्त दंड देना चाहता हूँ; आप सबके सामने मैं अपने आप को बहुमूल्य उपहार देने का वचन देता हूँ। मैं सात तिपाई दूँगा, जो आग से अछूती होंगी; दस सोने की प्रतिभाएं, बीस चमकीले कड़ाहे, बारह शक्तिशाली घोड़े, दौड़ के मैदान में प्रसिद्ध, जिन्होंने अपनी गति से अनेक पुरस्कार जीते हैं। वह व्यक्ति खाली हाथ नहीं माना जा सकता, न ही सोने में गरीब, जिसके पास उतना ही धन हो जितना उन घोड़ों ने मेरे लिए जीता है। सात महिलाएं भी, घरेलू कामों में कुशल, समलैंगिक महिलाएं, जिन्हें मैंने अपने लिए चुना, उस दिन उसने लेस्बोस के सुंदर द्वीप पर कब्जा कर लिया, सुंदरता में अपनी सभी स्त्रियों से कहीं बढ़कर: ये मैं दूंगा; और साथ मैं उन्हें भेजूँगा, सुंदर ब्रिसिस को, जिसे मैं उसके तम्बू से उठाकर ले गया था; और एक गंभीर शपथ लेता हूँ, कि मैं कभी उसके बिस्तर के पास नहीं गया, न ही उसके साथ ऐसा संबंध रखा जैसा पुरुष और स्त्री के बीच होता है। ये सब अब उसके होंगे: लेकिन यदि देवता हमें प्रियम के शहर को नष्ट करने की

अनुमति दें, सोने और पीतल से, जब हम लूट का बंटवारा करेंगे, तो वह अनगिनत ढेरों से एक जहाज भर देगा, और बीस कैदियों को वह स्वयं चुनेगा, जो सभी सुंदर अर्गिव हेलेन से कम होंगे। और यदि यह हमारा भाग्य हो तो देखना। फिर से, आर्गोस की उपजाऊ भूमि, वह मेरा विवाह द्वारा पुत्र होगा; और सम्मान में रखा जाएगा, जैसा कि ओरेस्टेस है, जो मेरा इकलौता पुत्र है, जिसे घर पर विलासिता और आराम से पाला गया है। मेरी तीन सुंदर बेटियाँ हैं, क्रिसोटेमिस, इफ़ियानासा और लाओडिस; इनमें से जिसे चाहे, बिना किसी हिस्से की माँग किए, वह पेलियस के घर में विवाह करेगा; और उसके साथ मैं ऐसे विवाह उपहार दूँगा, जैसे पहले कभी किसी पुरुष ने अपनी बेटी को नहीं दिए। समृद्ध नगरों के अलावा; कार्डामाइल, और एनोप, और इरा के घास के मैदान; और फेरे, और एंथिया के गहरे चरागाह, सुंदर एपिया, और अंगूर की लताओं से ढका पेडाससस; सभी समुद्र के किनारे, रेतीले पाइलोस की सीमाओं के पास। वहाँ के निवासी झुंडों और मवेशियों में समृद्ध हैं, और, एक देवता के रूप में, उन्हें उपहारों से सम्मानित करेंगे, और उनके राजदंड को भरपूर भेंट देंगे। मैं ऐसा करूँगा, ताकि वह अपना क्रोध क्षमा करे: तब उसे झुकने दो (केवल प्लूटो ही शेष है) अडिग और अडिग; और इसलिए (सभी देवताओं में मनुष्यों द्वारा सबसे अधिक घृणा की जाती है), (शाही शक्ति के समान मेरे प्रति समर्पण) (कहीं अधिक श्रेष्ठ और उम्र में भी अधिक उन्नत)।

जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे परम शक्तिशाली अगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, एट्रीड्स, वे उपहार अयोग्य नहीं हैं, जिन्हें तुम अकिलीज़ को भेजने का इरादा रखते हो: तो शीघ्र ही पेलियस के पुत्र के तम्बू में, हमारे चुने हुए दूतों को भेजो: जिन्हें मैं चुनूंगा, वे जाने के लिए सहमत हों। फिर सबसे पहले फीनिक्स को मार्ग का नेतृत्व करने दो, बृहस्पति के प्रिय; उसके बाद शक्तिशाली एजैक्स: उनके साथ, ऋषि यूलिसिस; और उन्हें अपने साथ ले जाने दो, दूतों में से, होडियस और यूरीबेट्स। अब हमारे हाथों के लिए पवित्र जल लाओ; और चुप रहने को कहो, जबकि शनि के पुत्र से, हम प्रार्थना करते हैं कि वह हम पर दया करे।

उसने कहा, और उसकी सलाह सबको अच्छी लगी; दूतों ने अपने हाथों पर पानी डाला; उपस्थित युवकों ने प्यालों को शराब से भर दिया, और विधिपूर्वक सभी को प्याले परोसे। फिर, जब प्रत्येक ने शराब से अपनी आत्मा को तृप्त कर लिया, तो वे

एट्रेस के पुत्र, एगामेम्नन के तंबू से बाहर निकल गए; और वृद्ध नेस्टर ने प्रत्येक पर त्वरित नज़र डालते हुए, विशेष रूप से यूलिसिस को, कई चेतावनियाँ दीं, कि कैसे पेलियस के अद्वितीय पुत्र को सबसे अच्छे तरीके से शांत किया जाए।
अनेक लहरों वाले सागर के किनारे वे आगे बढ़ते रहे; और अनेक प्रार्थनाएँ नेपच्यून, सागर के पृथ्वी-आश्रित देवता से की गईं, कि वे महान एसाइड्स की अभिमानी आत्मा को सौम्य सलाहों की ओर झुकाएँ। जब वे जहाजों और तम्बुओं के पास पहुँचे, जहाँ युद्धप्रिय मायर्मिडोंस लेटे थे, तो उन्होंने अपने सरदार को पाया, जो मधुर स्वर वाले वीणा से अपनी आत्मा को शांत कर रहा था, जो अद्भुत कारीगरी से बनी थी और चाँदी की पट्टी से सजी थी; लूट का एक हिस्सा उसने तब लिया जब उसने ईटियन के समृद्ध शहर को नष्ट कर दिया। इस पर वह बजाता रहा, अपनी आत्मा को शांत करता रहा और योद्धाओं के कारनामों का गुणगान करता रहा। सरदार के सामने, चुपचाप और अकेले में, पेट्रोक्लस बैठा रहा, अकिलीज़ पर अपनी निगाहें गड़ाए, गीत के समाप्त होने की प्रतीक्षा करता रहा। दूत आगे बढ़े, सबसे पहले यूलिसिस, और उसके सामने खड़े हो गए; अपने पलंग से, विस्मित होकर, अकिलीज़ उछल पड़ा, और अपने वीणा को थामे हुए, उस आसन को छोड़कर जहाँ वे उसे बैठे हुए पाए गए थे; और उनके प्रवेश पर पेट्रोक्लस भी उठ खड़ा हुआ: हाथ हिलाते हुए, फुर्तीले अकिलीज़ ने उनसे कहा: "स्वागत है, मित्रों! आप मित्रवत आए हैं: किसी बड़े अवसर पर ही आप लोग मेरे तम्बू में आए हैं, जो सभी यूनानियों में, मेरे क्रोध के बावजूद, मेरे दिल के सबसे प्रिय हैं।"
इस प्रकार बोलते हुए, वह उन्हें अंदर ले गया, और बैंगनी कालीनों से ढके सोफे पर बैठाया, फिर अपने बगल में बैठे पेट्रोक्लस को इस प्रकार संबोधित किया:
"मेनोएटियस के पुत्र, मेज पर एक बड़ा कटोरा रखो, और शराब को और अधिक गाढ़ा बनाओ, और प्रत्येक को एक-एक प्याला दो: आज रात मैं अपने प्यारे दोस्तों का अपने घर में स्वागत कर रहा हूँ।" उसने कहा; पेट्रोक्लस ने उसके आदेशों का पालन किया; और आग की रोशनी में एक बड़ी थाली रखी, और उस पर बकरी और भेड़ के मांस से एक-एक काठी रखी; और उनके साथ, वसा से भरपूर, एक अच्छी तरह से पाले गए सूअर की एक चाइन; ऑटोमेडन ने उसे मजबूती से पकड़ रखा था, जबकि महान अकिलीज़ जोड़ों को काट रहा था। तैयार मांस को उसने सीखों पर लगा दिया:

पैट्रोक्लस ने तब एक धधकती आग जलाई; और जब आग तेज जलने लगी, और लपटें बुझ गईं, तो उसने सुलगते अंगारों को फैला दिया, और सीखों को ऊपर लटका दिया; फिर मांस पर नमक छिड़का गया और उसे स्टैंड से उठाया गया। पके हुए व्यंजन मेज पर रखे गए। सुंदर पैट्रोक्लस ने टोकरियों से प्रत्येक को रोटी परोसी; मांस को अकिलीज़ ने बाँटा। ऋषि यूलिसिस के सामने, तंबू के दूसरी ओर सेना बैठी थी। और उसने अपने मित्र पैट्रोक्लस से कहा, देवताओं को उनका उचित सम्मान दो: उसने आग में हमेशा की तरह चढ़ावे जला दिए: वे अपने सामने रखे भोजन पर टूट पड़े। प्यास और भूख शांत होने पर, एजैक्स ने फीनिक्स को संकेत दिया: यूलिसिस ने संकेत देखा, और उठकर एक प्याला शराब से भर लिया, और अकिलीज़ से इस प्रकार प्रतिज्ञा की: "मैं तुम्हें पीता हूँ, अकिलीज़! तुम्हारी मेज भव्य रूप से सजी है, जैसे पहले एगामेम्नन के तम्बू में, वैसे ही अब तुम्हारे तम्बू में; भरपूर भोजन है।" दावत: लेकिन अब भोज का आनंद हमारे हाथ में नहीं है: हमारे हथियारों पर मंडरा रहा है भय का गंभीर कारण, हे प्रख्यात सरदार; गंभीर संदेह, अपने जहाजों को बचाने या नष्ट होते देखने का, यदि तू, महान योद्धा, अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करता। क्योंकि जहाजों और दीवार के ठीक बगल में डेरा डाले हुए हैं अभिमानी ट्रोजन और उनके प्रसिद्ध सहयोगी: उनकी निगरानी की आग पूरे शिविर में बार-बार जलती है; और वे जोर-शोर से दावा करते हैं कि कोई भी उनके हाथों को नहीं रोक पाएगा, जब तक कि हमारे काले रंग के जहाजों को उनका न बना दिया जाए। शिकार।
उनके लिए बृहस्पति भी, अनुकूल शगुन के साथ,
अपनी बिजली भेजता है; अपनी शक्ति पर घमंड करते हुए,
और बृहस्पति की सहायता पर दृढ़ विश्वास रखते हुए,
हेक्टर, अदम्य रूप से क्रोधित होता है; उसे किसी चीज का डर नहीं है, न ही ईश्वर का, न ही मनुष्य का, युद्ध के क्रोध से प्रज्वलित।
वह अधीर होकर सुबह के आने की प्रार्थना करता है;
फिर, ऊंचे जहाजों के पिछले हिस्से को तोड़ते हुए, उसने संकल्प लिया
जहाजों को भस्म करने वाली लपटों के हवाले कर देने का,
और धुएं में भ्रमित चालक दल को मार डालने का।
और बहुत कुछ मेरा मन मुझे संशय में डालता है, कहीं देवता अपनी धमकियों को

पूरा न कर दें, और हम यहाँ आर्गोस के हरे-भरे मैदानों से दूर, नष्ट होने के लिए अभिशप्त न हो जाएँ। उठो! यदि उनकी अंतिम विकट परिस्थिति में भी तुम्हारा मन यूनानियों को बचाने के लिए प्रेरित हो, भले ही देर से, जो ट्रोजन हथियारों से बुरी तरह घिरे हुए हैं: कहीं ऐसा न हो कि तुम स्वयं बाद में पश्चाताप करो; किया गया पाप अपूरणीय हो जाए; तो समय रहते विचार करो कि यूनानियों से विनाश के दिन को कैसे टाला जाए। प्रिय मित्र, अब अपने पिता के शब्दों को याद करो, वृद्ध पेलियस। जब एट्रियस ने अपने पुत्र से कहा, "मेरे पुत्र, यदि वे चाहें तो शक्ति का वरदान जूनो या पल्लास ही दे सकती हैं; परन्तु तू अपने अभिमानी स्वभाव को नियंत्रित कर। क्योंकि विनम्रता कहीं अधिक उत्तम है। और क्रोधपूर्ण संघर्ष से दूर रह, ताकि यूनानी, चाहे युवा हों या वृद्ध, तेरा अधिक सम्मान करें।" ये वे शब्द थे जो तेरे वृद्ध पिता ने कहे थे, जिन्हें तू अब भूल चुका है; फिर भी, अभी भी, थोड़ी देर रुक जा, और तेरा क्रोध शांत हो; और तू अपने क्रोध को क्षमा करते हुए, अगामेम्नन से महान उपहार ले जाएगा। मेरी बात सुन, जब मैं उन उपहारों का वर्णन करता हूँ जो उसने अपने तम्बू में देने का वादा किया था। उसने आग से अछूते सात तिपाई देने का वादा किया, दस प्रतिभाओं का सोना, बीस चमकीले कड़ाहे, बारह शक्तिशाली घोड़े, जो दौड़ में प्रसिद्ध हैं। जिन्होंने अपनी गति से अनेक पुरस्कार जीते हैं। वह व्यक्ति खाली हाथ नहीं लौट सकता था। माना जाता है, न ही सोने में गरीब, जिसके पास उतना ही है जितना उन घोड़ों द्वारा उसके लिए जीता गया है। सात स्त्रियाँ भी, घरेलू कामों में कुशल, समलैंगिक, जिन्हें उसने अपने लिए चुना, उस दिन जब तुमने लेस्बोस के सुंदर द्वीप पर कब्जा किया, सुंदरता में अपनी सभी स्त्रियों से कहीं अधिक सुंदर। वह इन्हें देगा; और उनके साथ भेजेगा सुंदर ब्रिसिस को, जिसे वह तुम्हारे तम्बू से ले गया था; और एक गंभीर शपथ लेगा, कि वह कभी उसके बिस्तर के पास नहीं गया, न ही उसके साथ संबंध बनाया। उसका
पुरुष और स्त्री के बीच जैसा संबंध होता है, वैसा ही संबंध।
ये सब अब तुम्हारे होंगे: परन्तु यदि देवता
हमें प्रियम के नगर को नष्ट करने की अनुमति दें,
सोने और पीतल से, जब हम लूट का बंटवारा करेंगे,
तो तुम अनगिनत ढेरों से एक पात्र भरोगे,

और बीस बंदियों को तुम स्वयं चुनोगे,
ये सब सुंदर अर्गिव हेलेन से कम ही होंगे।
और यदि हमारा भाग्य हो कि हम फिर से
आर्गोस की उपजाऊ भूमि को देखें, तो तुम विवाह द्वारा उसके पुत्र हो सकते हो, और सम्मान में रखे जा सकते हो, जैसा कि है ओरेस्टेस, जिसका इकलौता पुत्र, घर पर विलासिता और आराम से पला-बढ़ा है। उसकी तीन सुंदर पुत्रियाँ हैं: क्रिसोटेमिस, इफ़ियानासा और लाओडिस। इनमें से जिसे भी तुम चाहो, बिना कुछ माँगे पेलेउस के घर ले जाओ और उससे विवाह करो। और वह उसे ऐसे विवाह उपहार देगा, जैसे पहले कभी किसी पुरुष ने अपनी पुत्री को नहीं दिए। इसके अलावा सात समृद्ध नगर भी हैं: कार्डामाइल, एनोप, इरा के घास के मैदान, फेरे और... एन्थेया के गहरे चरागाह, सुंदर एपिया और अंगूर की लताओं से ढका पेडासस; ये सब समुद्र के किनारे, रेतीले पाइलोस की सीमाओं के भीतर स्थित हैं। वहाँ के निवासी झुंडों और मवेशियों में समृद्ध हैं, और एक देवता के रूप में तुम्हें उपहारों से सम्मानित करेंगे, और तुम्हारे राजदंड को भरपूर भेंट देंगे। ये सब वह देता है, इसलिए तुम अपना क्रोध क्षमा करो। लेकिन यदि तुम एट्रीड्स से इतनी घृणा करते हो, उससे और उसके उपहारों से, तो भी अपनी दया उन सभी अन्य यूनानियों पर रखो, जो इस प्रकार बुरी तरह पराजित हुए हैं; जिनके द्वारा तू ईश्वर के समान सम्मानित होगा: क्योंकि तू अब महान विजय प्राप्त कर सकता है; हेक्टर भी अब तेरी पहुँच में है; क्योंकि वह निकट है; और अपने अभिमान और युद्ध-उन्माद में वह सोचता है कि हमारे जहाजों में मौजूद कोई भी शस्त्र-युद्ध में उसका प्रतिद्वंदी नहीं हो सकता।
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे स्वर्ग से जन्मे यूलिसिस, परिषद में ऋषि, महान लेर्टेस के पुत्र, मुझे स्पष्ट रूप से कहना होगा कि मैं अब से यूनानियों द्वारा, इस व्यक्ति और उस व्यक्ति द्वारा, विवश नहीं किया जाऊँगा। मेरी आत्मा उससे नरक के द्वार के समान घृणा करती है, जिसके बाहरी शब्द उसके गुप्त विचारों को झुठलाते हैं। इसलिए, जो मुझे सबसे बुद्धिमान मार्ग लगता है, उसे सुनो। न मुझ पर, न एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन पर, न ही दूसरों पर।" क्योंकि युद्ध के मैदान में निरंतर परिश्रम करने से कुछ भी लाभ नहीं होता; वीरतापूर्वक लड़ने वाले भी छिपने वालों के साथ हिस्सा बाँटते हैं; कायर और वीर, दोनों को समान सम्मान प्राप्त

होता है; आलसी और कर्मठ, दोनों की मृत्यु एक समान होती है; और इससे मुझे कोई लाभ नहीं होता, यद्यपि मैं दिन-प्रतिदिन निरंतर परिश्रम में अपना जीवन दांव पर लगाता हूँ; परन्तु जैसे एक चिड़िया, भले ही उसकी अपनी तबीयत खराब हो, अपने नन्हे बच्चों के लिए भोजन लाती है, वैसे ही मैंने कई रातों तक जागकर परिश्रम किया है, और कई खूनी दिन बिताए हैं। अपनी पत्नियों की ओर से युद्ध में संलग्न होकर, मैंने अपने जहाजों से बारह शहर जीते हैं; ग्यारह और ट्रोजन भूमि पर भूमि मार्ग से: इन सभी प्रचुर धन भंडारों से मैंने लिया, और सब कुछ एगामेम्नन को दे दिया; उसने अपने जहाजों के पास सुरक्षित रहकर मेरी लूट प्राप्त की, कुछ को बाँट लिया, लेकिन अधिकांश को अपने पास रखा। उसने अन्य सरदारों और राजाओं को उनके अलग-अलग हिस्से दिए, और वे उन्हें अभी भी अपने पास रखते हैं; मुझसे, सभी यूनानियों में से केवल मुझसे, वह सब कुछ ले गया। और मेरी प्रिय पत्नी को अपने पास रखता है; अच्छा! उसे अपने पास रखने दो, अपने बिस्तर का सहारा! लेकिन फिर बताओ, यूनानी ट्रोजन से क्यों लड़ते हैं? एट्रीस इस विशाल सेना को ट्रॉय क्यों लाया है, अगर सुनहरे बालों वाली हेलेन के लिए नहीं? क्या मनुष्यों में कोई ऐसा नहीं है जो अपनी पत्नियों से प्यार करता हो, सिवाय एट्रीस के बेटों के? या क्या सभी नहीं, जो बुद्धि और सद्गुण की प्रशंसा का दावा करते हैं, प्यार करते हैं और अपनी-अपनी पत्नियों को संजोते हैं? जैसे मैंने उससे प्यार किया, अपनी आत्मा से भी, भले ही वह मेरे भाले की कैद थी। अब, चूंकि उसने एक बार उसने मुझे लूटा और धोखा दिया, उसे मेरी सहायता नहीं मांगनी चाहिए; मैं उसे अब जानता हूँ, और मुझे जीता नहीं जा सकता; उसे योजना बनाने दो, हे यूलिसिस, और अन्य राजाओं, तुम्हारे साथ मिलकर, शत्रुतापूर्ण आग से अपने जहाजों को बचाने का सबसे अच्छा तरीका। उसने मेरी सहायता के बिना कई महान कार्य पूरे किए हैं; एक ऊँची दीवार बनाई है, और उसके चारों ओर एक चौड़ी और गहरी खाई खोदी है, और खाई में बाड़ लगाई है; और योद्धा-हत्यारे हेक्टर की शक्ति भी उसे रोक नहीं सकती; जब मैं वहाँ था मैदान, हेक्टर दीवारों के बाहर ज्यादा दूर तक नहीं जाता,
अपनी युद्ध रेखा, न ही ओक के पार,
और स्केयन फाटकों के पार जाने का साहस करता; वहाँ वास्तव में,
उसने एक बार मुझसे आमने-सामने मिलने का साहस किया था,

और मेरे हमले से बाल-बाल बच निकला।
लेकिन अब मैं हेक्टर से और नहीं लड़ूंगा,
कल सुबह, मैं बृहस्पति को अपनी भेंट चढ़ाऊंगा,
और सभी देवताओं को, और अपने जहाजों को अच्छी तरह से माल से भर दूंगा,
और उन्हें समुद्र में उतार दूंगा, तुम स्वयं देखोगे,
यदि तुम देखना चाहो, तो मेरे जहाज फैले हुए हैं।
हेलेस्पोंट के विशाल सागर पर, मेरे बलवान दल ज़ोरदार चप्पू चला रहे हैं; और यदि पृथ्वी-कंपनशील एक अनुकूल हवा भेजे, तो तीन दिनों में हम फथिया के तट पर पहुँच जाएँगे। वहाँ मैंने धन का प्रचुर भंडार छोड़ा था, जब मैंने अपना दुर्भाग्यपूर्ण मार्ग चुना था; यहाँ से मैं अपने हिस्से का लाल सोना, पीतल, सुंदर स्त्रियाँ और सफ़ेद लोहे का सामान लेकर आया हूँ; लेकिन मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार सम्राट एगामेम्नन, एट्रेस का पुत्र, स्वयं जिसने दिया था। अपमान दूर कर देता है।
तो उसे मेरे भेजे हुए शब्द ज़ोर से कहो,
ताकि सभी उसके अपराधों को जान सकें, यदि वह अब भी आशा रखता है,
किसी अन्य यूनानी को कपटपूर्ण चालों से धोखा देने की,
वह तो निर्लज्जता में लिपटा हुआ है! मेरी नज़र,
वह जितना निर्लज्ज है, उसका सामना करने की हिम्मत नहीं करता।
मैं अब उसके परामर्शों और कार्यों में भागीदार नहीं हूँ;
उसने मुझे एक बार धोखा दिया है और अन्याय किया है; फिर से
वह मुझे धोखा नहीं दे सकता! बस बहुत हो गया!
मैं उसे अनदेखा कर देता हूँ, जिसे बृहस्पति ने बुद्धि से वंचित कर दिया है।
मुझे उसके उपहारों से घृणा है, और मैं उसे ठुकरा दूँ; मैं उसे एक बाल के बराबर भी नहीं समझता; और चाहे वह मुझे अपनी सारी संपत्ति का दस गुना या बीस गुना दे दे, या जो कुछ भी उसका हो; या वह सारा सोना जो उसने ओर्कोमेनोस या शाही थेब्स को भेजा था, मिस्र का वह खजाना जो अनगिनत धन का भंडार है, और जिसके सौ द्वार हैं, जिनमें से प्रत्येक से घोड़े और रथ के साथ दो सौ योद्धा गुजरते हैं: नहीं, चाहे उसके उपहार रेत के समान हों, या मैदान की धूल के समान, फिर भी मैं कभी भी एगामेम्नन के वश में नहीं आऊँगा, जब तक मैं उसे उसका कर्ज़ न चुका दूँ। मेरे हृदय का

अपराध। न ही मैं एट्रीयस के पुत्र, एगामेम्नन की पुत्री से विवाह करूँगी; चाहे वह सुनहरी वीनस के समान सुंदर हो और नीली आँखों वाली पल्लास के समान कलाकृतियों में प्रसिद्ध हो, मैं उससे विवाह नहीं करूँगी; उसे किसी अन्य यूनानी स्त्री को चुनने दो, कोई उपयुक्त साथी, जो मेरे रक्त से कहीं अधिक श्रेष्ठ हो। परन्तु यदि देवता मुझे सुरक्षित घर ले आएँ, तो पेलियस के हाथों मुझे पत्नी मिल सकती है; और ग्रीस कई सुंदर कन्याओं पर गर्व कर सकता है, चाहे वे हेलास में हों या फथिया में, पुत्रियाँ। उन सरदारों में से जो अपने मूल किलों पर कब्ज़ा रखते हैं: इनमें से, मैं अपनी इच्छा से, एक पत्नी चुन सकता हूँ: और अक्सर मेरी युद्धप्रिय आत्मा एक विवाहित पत्नी, एक उपयुक्त दुल्हन लेने के लिए प्रेरित हुई है, और वृद्ध पेलियस के धन का शांतिपूर्वक आनंद लेने के लिए। क्योंकि वे भंडार जो ट्रॉय में थे, जैसा कि वे कहते हैं, शांतिपूर्ण समय में, यूनानियों के आने से पहले, न ही अपोलो के मंदिर के सभी खजाने, धनुर्धर देवता, चट्टानों से बने पाइथोस में, बैलों और भेड़ें
सफल आक्रमणों से अच्छा भंडार मिल सकता है;
और तिपाई और उत्तम घोड़े प्राप्त किए जा सकते हैं:
लेकिन जब मनुष्य की साँस उसके होठों से निकल जाती है,
तो न तो शक्ति और न ही आक्रमण उस हानि की भरपाई कर सकते हैं।
मेरी देवी-माता ने मुझे चेतावनी दी है,
चांदी के पैरों वाली थेतिस ने, कि मुझ पर
भाग्य का दोहरा मौका मंडरा रहा है:
यदि मैं यहाँ रहकर, ट्रॉय की दीवारों के चारों ओर युद्ध करता हूँ, तो मैं कभी अपना घर नहीं देख पाऊँगा,
लेकिन तब अमर गौरव मेरा होगा:
यदि मैं लौटता हूँ, और देखता हूँ मेरी जन्मभूमि, मेरी सारी शान चली गई; परन्तु जीवन की लंबाई मेरी होगी, और मृत्यु टल जाएगी। यदि दूसरे मुझसे सलाह मांगते, तो मैं कहता, 'अपने घर की ओर चल; ऊंचे ट्रॉय का अंत अभी तक तुम्हें नहीं दिखता; सर्वज्ञ बृहस्पति उस पर अपना हाथ फैलाए हुए है; उस पर भरोसा करके उसके लोग पूरी तरह आश्वस्त हैं।' तो जाओ; ग्रीस के सरदारों को मेरा उत्तर: साहसपूर्वक बोलो—यह उम्र का विशेषाधिकार है—उन्हें कोई बेहतर सलाह देने को कहो। उनके जहाजों और

आदमियों को बचाओ; मेरी अतृप्त क्रोध के कारण उनकी वर्तमान योजना व्यर्थ है। परन्तु फीनिक्स यहीं ठहरेगा और आज रात सोएगा; और कल वह मेरे साथ रवाना होगा और यदि चाहे तो हमारी मातृभूमि की खोज करेगा: क्योंकि मैं उसे बलपूर्वक यहाँ से नहीं हटाऊँगा।
उन्होंने कहा; उनके शब्दों से सभी स्तब्ध होकर, वे चुपचाप सुनते रहे; वह इतनी सख्ती से बोला। अंत में, आँसुओं में डूबे बूढ़े फीनिक्स ने कहा, क्योंकि वह ग्रीस के जहाजों के लिए बहुत भयभीत था: "हे महान अकिलीज़, यदि घर लौटते समय तेरा मन दृढ़ है, और तुझे आग से जहाजों को बचाने के लिए राजी नहीं किया जा सकता, तो तेरा क्रोध इतना भयंकर है; तो फिर, प्यारे बालक, मैं कैसे पीछे रह सकता हूँ, अकेला? जिसे बूढ़े पेलियस ने तेरे साथ भेजा था, उस दिन जब उसने एगामेम्नन के पक्ष में तुझे फथिया से भेजा था, अभी तक अनुभवहीन, संघ के सभी कर्तव्यों में।" युद्ध, और बुद्धिमत्तापूर्ण वाद-विवाद, जिससे प्रसिद्धि प्राप्त होती है। तब उसने मुझे भेजा, तेरे यौवन का शिक्षक, तेरी वाणी को प्रेरित करने और तेरे कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए। इसलिए हे प्रिय बालक, मैं तुझसे विदा नहीं ले सकता, यद्यपि स्वर्ग मेरी आयु को अपने ऊपर ले ले, तेरी वाणी को प्रेरित करने और तेरे कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए। इसलिए हे प्रिय बालक, मैं तुझसे विदा नहीं ले सकता, यद्यपि स्वर्ग मेरी आयु को अपने ऊपर ले ले, मिटाने और उस युवा जोश को बहाल करने के लिए, जैसा मैंने ग्रीस से भागते समय दावा किया था, मेरे क्रोधित हे पिता, एमिनटोर, ओरमेनस के पुत्र; एक सुनहरे बालों वाली रखैल झगड़े का कारण थी; मेरे पिता उससे प्रेम करते थे, और उसी प्रेम के कारण उनसे विमुख होकर अपनी पत्नी, मेरी माँ का तिरस्कार करते थे; वह अक्सर मुझसे उसे बहकाने की विनती करती थी, ताकि मैं अपने पिता की रखैल, बूढ़े को परेशान कर सकूँ; मैं मान गया; उसे शक हुआ और उसने मेरे सिर पर श्राप दिया, और फ्यूरीज़ को गवाह बनाकर अपने श्राप के लिए कहा कि मेरे द्वारा जन्मा कोई भी बच्चा कभी उसके घुटनों पर नहीं होना चाहिए। बैठो:
देवताओं ने उसका श्राप सुना और पुष्टि की,
नरक के राजा और भयानक प्रोसरपाइन।
तब मैं उसे तलवार से मार डालना चाहता था,
यदि किसी देवता ने मेरे बढ़ते क्रोध को शांत न किया होता,

और मेरे मन में जनता की आवाज़ न रखी होती,
यूनानियों के बीच मुझे जो तिरस्कार सहना पड़ता,
यदि मुझे पितृहत्या के नाम से कलंकित किया जाता।
लेकिन अपने क्रोधित पिता के घर में और अधिक समय तक रहना,
मेरी आत्मा सहन नहीं कर सकती थी, यद्यपि मेरे सभी मित्रों
और रिश्तेदारों ने मुझसे विनती की। शेष;
और कई अच्छी भेड़ें, और कई बैल
उन्होंने मारे, और कई सूअर, चर्बी से लदे हुए,
वे गाते थे, और जलते कोयलों पर भूनते थे;
और कई प्यालों में बूढ़े आदमी की शराब पीते थे।
नौ रातों तक उन्होंने मुझे लगातार पहरा दिया,
बारी-बारी से पहरेदार बदलते रहे। इस बीच आग
लगातार जलती रही: एक बरामदे के नीचे जो
अच्छी तरह से बाड़ वाले आंगन के सामने था; एक वेस्टिबुल में
मेरे कमरे के दरवाजे के सामने। दसवीं अंधेरी रात
मेरे कमरे के कसकर बंद दरवाजे टूट गया, और हल्के से आंगन की बाड़ फांद कर, पहरेदारों और नौकरानियों से बिना किसी निशान के बच निकला। फिर मैं हेलास की पूरी चौड़ाई में भागा, जब तक कि अंत में फथिया की उपजाऊ भूमि पर नहीं पहुंचा, भेड़ों की माँ, पेलियस के राज्य में, जिसने मेरा सहर्ष स्वागत किया, और ऐसे प्रेम से, जैसे अपने इकलौते बेटे, अपने प्रियतम के प्रति, एक पिता अपने उदार उपहार दिखाता है। उसने मुझे धन दिया, उसने मुझे व्यापक शासन दिया; और फथिया की सीमाओं पर मुझे निवास करने का आदेश दिया, और डोलोप्स पर संप्रभु शासन करने का। हे अकिलीज़, देवताओं के प्रतिद्वंद्वी, मैंने तुझे भी वैसा ही बनाया है; मैंने तुझे अपनी आत्मा से प्रेम किया है; और तू दूसरों के साथ नहीं जाता, न भोजन पर, न घर में भोजन करता, जब तक तू मेरी गोद में नहीं बैठता, और मेरे हाथों से तेरा भोजन नहीं काटा जाता, और तुझे प्याला नहीं दिया जाता; और अक्सर, तेरी बचकानी बेबसी में, मेरे वस्त्र का सीना शराब से भीगा रहता था। भीगा हुआ; मैंने तुम्हारी इतनी देखभाल की, इतना परिश्रम किया, यह याद रखते हुए कि स्वर्ग के आदेश से, मैं अपना कोई पुत्र

कभी नहीं देख पाऊँगा; तब मैंने तुम्हें बनाया, देवताओं के प्रतिद्वंद्वी, अकिलीज़, मेरे पुत्र, ताकि तुम मेरे युग के रक्षक बन सको। परन्तु हे अकिलीज़, अपने महान क्रोध को नियंत्रित करो; कठोर हृदय तुम्हें शोभा नहीं देता। स्वयं देवता भी, सद्गुण, सम्मान और शक्ति में, तुमसे श्रेष्ठ होकर भी शांत हो सकते हैं; क्योंकि जब वे मनुष्यों ने पाप किया है, या वे सही कार्य करने में असफल रहे हैं, बलिदान और प्रार्थना द्वारा, आहुति और जलाए जाने से शांति मिल सकती है। प्रार्थनाएँ अमर बृहस्पति की पुत्रियाँ हैं; परन्तु लंगड़ी, झुर्रीदार और कमजोर दृष्टि वाली, वे एटे के मार्ग पर धीरे-धीरे चलती हैं; जबकि एटे, बलवान और तेज कदमों वाली, उनकी धीमी गति को पीछे छोड़ देती है, और पूरी पृथ्वी पर मनुष्य को कष्ट पहुँचाते हुए उनके आगे उड़ती है: वे उसका पीछा करते हुए उसके घावों को भरती हैं। जो सम्मानपूर्वक उनके आगमन का स्वागत करता है, वे उसकी बहुत सहायता करती हैं। और जब वह प्रार्थना करे तो उसकी सुनो; लेकिन जो उन्हें अस्वीकार करता है और कठोरता से निकाल देता है, वे शनि के पुत्र के पास जाते हैं और प्रार्थना करते हैं कि एटे उसका अनुसरण करे और अपना हक मांगे। फिर अमर बृहस्पति की पुत्रियों के प्रति, हे अकिलीज़, तुम भी वैसा ही सम्मान दिखाओ, जैसा कई अन्य वीर पुरुषों के हृदय को वश में कर लिया है। यदि एट्रीड्स तुम्हारे तम्बू में और उपहारों के वादे के साथ कोई उपहार नहीं लाया, बल्कि अपनी घोर शत्रुता बनाए रखी, तो मैं यह नहीं पूछ सकता कि तुम अपने पोषित क्रोध को त्याग दो। त्याग दो, और यूनानियों की सहायता करो, चाहे उनकी आवश्यकता कितनी भी बड़ी क्यों न हो। अब उसने बड़ी भेंटें दी हैं, और अधिक का वादा किया है; और सभी यूनानियों में से, उसने उन लोगों को भेजा है जिन्हें तुम सबसे अधिक प्रिय मानते हो, तुम्हारी सहायता के लिए प्रार्थना करने के लिए। उनके मिशन और उनके शब्दों को बदनाम मत करो। अब तक, मैं तुम्हें मानता हूँ, कोई भी तुम्हारे क्रोध को दोष नहीं दे सका। प्राचीन काल में प्रसिद्ध पुरुषों की प्रशंसा में, हमने यह सुना है कि चाहे उनके शत्रुतापूर्ण झगड़े कितने भी उग्र क्यों न हों, उनका क्रोध फिर भी उपहारों से टाला गया, और शब्दों से शांत किया गया।
एक मामला मुझे याद है, बहुत पहले का,
बाद के दिनों का नहीं; और यहाँ, मित्रों के बीच,
कि सब कैसे हुआ, मैं अंत में वर्णन करूँगा।

एक समय था, जब एटोलिया के युद्धप्रिय दलों के साथ
कैलिडॉन के चारों ओर अकारनानियों ने युद्ध किया,
आपसी नरसंहार के साथ; ये शहर को बचाने के लिए,
अकारनानियों को जलाकर नष्ट करने के लिए।
युद्ध का यह अभिशाप स्वर्ण सिंहासन वाली रानी
डायना ने क्रोध में भेजा, ताकि उससे
ओएनियस प्रथम फल प्राप्त करे। उसके खेत को रोक दिया गया।
अन्य देवताओं को उनके बलि के बलिदान प्राप्त हुए;
केवल डायना के मंदिर को कोई भेंट नहीं चढ़ाई गई,
उपेक्षित या अनदेखा किया गया; पाप बड़ा था;
और अपने क्रोध में तीर चलाने वाली रानी ने
एक खूंखार जंगली सूअर भेजा, जिसके चमकीले दांत थे,
जिसने ओएनियस के अंगूर के बाग में जाकर उसे नुकसान पहुंचाया।
वहाँ उसने कई भव्य वृक्षों को गिरा दिया,
जड़ और शाखा सहित, फूल और फल सहित।
उसे ओएनियस के पुत्र मेलेगर ने गिरा दिया। मार डाला, सभी पड़ोसी शहरों से युवकों और कुत्तों के साथ एकत्रित हुए; छोटी सेना पर्याप्त नहीं थी, वह इतना विशाल और इतना भयंकर था; और कई युवक उसके दांतों से शवयात्रा पर लादे गए थे। फिर देवी ने सूअर के सिर और खुरदरी खाल के लिए अकारनानियों और एटोलियन दलों के बीच भयंकर संघर्ष छेड़ दिया। जब तक युद्धप्रिय मेलेगर मैदान में डटे रहे, अकारनानियों का बहुत बुरा हाल रहा; और उनकी संख्या अधिक होने के बावजूद भी वे हिम्मत नहीं कर पाए। सेनापति, शहर की दीवारों के सामने अपनी जगह पर डटे रहे। जब वह क्रोध में आ गया, जो कभी-कभी बुद्धिमान पुरुषों के हृदय में भी उमड़ आता है, तो अपनी माँ के प्रति क्रोधित होकर वह अपनी विवाहित पत्नी क्लियोपेट्रा के पास चला गया; (एवनस की पुत्री मार्पेसा ने उसे जन्म दिया) इडास को, जो उस समय जीवित सभी पुरुषों में सबसे बलवान था, जिसने अपोलो के विरुद्ध भी उस सुडौल कन्या के लिए अपना धनुष झुकाया। उसके माता-पिता ने बच्ची का नाम एल्सीओन रखा, उसकी माँ के आँसुओं की याद में। छाया,

एल्सीऑन के दुखद भाग्य की प्रतिद्वंद्वी,
जब दूर तक तीर चलाने वाले फोएबस ने उसे विवश कर दिया।
उसके साथ, मैदान से पीछे हटते हुए, उसने अपना क्रोध पाला; इस प्रकार अपनी माँ के श्राप,
अल्थिया का विरोध करते हुए; उसने अपने भाई की मृत्यु को कठिनता से सहन किया,
और ऊपर स्वर्ग से प्रार्थना की, और अपने हाथों से
ठोस पृथ्वी को पीटते हुए, पाताल लोक की शक्तियों,
प्लूटो और भयानक प्रोसरपाइन से विनती की,
अपने घुटनों पर, आँसुओं से भीगी छाती के साथ,
अपने बेटे की मृत्यु के लिए। आह्वान करते हुए; एरेबस की गहराइयों से एरिनिस ने उसकी प्रार्थना सुनी, अंधकारमय, कठोर हृदय वाली देवी। जल्द ही द्वारों के चारों ओर युद्ध का शोर गूंज उठा, मीनारों पर आक्रमण हुआ; तब एटोनियन बुजुर्गों और पवित्र पुजारियों ने महान पुरस्कार के वादे के साथ उसकी सहायता की याचना की। उन्होंने उसे एक उपजाऊ भूखंड अलग करने को कहा, सुंदर कैलिडॉन की सबसे उपजाऊ भूमि, पचास एकड़: आधा अंगूर के बाग के लिए, और आधा उपजाऊ मैदान, खेती के लिए। साफ़ हो गया। अपने ऊँचे कमरों की दहलीज पर बूढ़ा ओएनियस खड़ा था, और बंद दरवाजों पर उसने व्यर्थ ही दस्तक दी, अपने बेटे से विनती करते हुए। उसकी बहनों और भाई ने भी प्रार्थना में साथ दिया, लेकिन उसने उनकी विनती को और भी कठोरता से ठुकरा दिया; जिन दोस्तों को वह सबसे अधिक महत्व देता था और सबसे अधिक प्यार करता था, वे भी उसके दृढ़ संकल्प को नहीं डिगा सके; यहाँ तक कि युद्ध उसके दरवाजे तक पहुँच गया, दुश्मन मीनारों पर था, शहर आग की लपटों में था: फिर मेलेगर का सुंदर अंततः, पत्नी ने आँसुओं में डूबी, उससे विनती करते हुए, उन हज़ार विपत्तियों को याद किया जो एक कब्ज़े में लिए गए शहर पर आती हैं; मारे गए लोग, आग से झुलसा शहर, असहाय बच्चे और गहरी छाती वाली औरतें, अजनबियों का शिकार। कहानी सुनकर, उसका मन जागृत हुआ; और फिर से वह मैदान में उतरा, और अपने चमकीले हथियार उठा लिए। इस प्रकार उसके इस कार्य ने एटोलियनों को विनाश से बचा लिया। यह सहज था; फिर भी उसे कोई लाभ नहीं हुआ, हालाँकि वह बचा लिया,

वह भरपूर इनाम जो उन्होंने कभी देने का वादा किया था।
लेकिन तुम उसके जैसे मत बनो, और न ही अपने ईश्वर को,
उस ओर अपने विचार मोड़ने दो; हमारे जहाज आग में जल रहे हैं,
तुम्हारी सहायता कम मूल्यवान होगी; आओ, उपहार ले लो,
और यूनानियों द्वारा एक ईश्वर के रूप में सम्मानित हो जाओ।
यदि तुम बाद में, बिना बुलाए,
युद्ध में शामिल हो जाओ, तो तुम यूनानियों की रक्षा कर सकते हो,
लेकिन सम्मान का बराबर हिस्सा नहीं पाओगे।"
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "फीनिक्स, मेरे दूसरे पिता,
आदरणीय महाराज, ऐसे सम्मान मुझे विचलित नहीं करते; मेरा सम्मान बृहस्पति से
आता है, जिनकी इच्छा है कि मैं यहाँ जहाजों के पास रहूँ, जब तक मेरे फेफड़ों में
साँस और मेरे अंगों में शक्ति बनी रहे। मैं यह भी कहता हूँ, और इसे ध्यान में रखो:
मुझे रोने और शिकायतों से परेशान मत करो, एट्रीड की कृपा करने के लिए; यदि तुम
उससे प्रेम करते हो, तो शायद तुम्हारे लिए मेरा प्रेम घृणा में बदल जाए। मेरे मित्र को
उसका सम्मान करना चाहिए जो..." मुझे सम्मान मिलता है। लेकिन मेरे साथ आओ,
और मेरे राज्य का आधा हिस्सा पाओ, और मेरे साथ समान सम्मान साझा करो। ये
हमारा संदेश होगा; तुम कुछ समय के लिए रुको, और नरम पलंग पर आराम करो;
कल सुबह हम तय करेंगे कि रवाना होना है या रुकना है।
उसने कहा, और अपनी भौहों से पैट्रोक्लस को चुपचाप इशारा किया कि वह फीनिक्स
के लिए बिस्तर तैयार करे, ताकि बिना देरी किए बाकी लोग तम्बू छोड़ सकें; तब इस
प्रकार शुरू हुआ:
तेलमोन के देवतुल्य पुत्र एजैक्स ने कहा:
"हे ऋषि यूलिसिस, लेर्टेस के उच्च कुल के पुत्र,
अब हम प्रस्थान करें; क्योंकि इस मार्ग से हमारा प्रवचन
किसी परिणाम तक नहीं पहुँच सकता; हमारा कर्तव्य है कि हम
अपनी खबर, चाहे वह कितनी भी अप्रिय क्यों न हो,
उन सरदारों को वापस ले जाएँ जो हमारे लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।
अकिलीज़ ने अपने महान हृदय को

द्वेष और द्वेषपूर्ण घृणा को पोषित करने की अनुमति दी है;
और न ही उसमें अपने पुराने साथियों के प्रेम की झलक है,
जिससे हमने उसे सबसे ऊपर सम्मानित किया था विश्राम करो। वह निर्दयी है! बेटे या भाई की मृत्यु, जुर्माने के भुगतान से प्रायश्चित हो सकती है; हत्यारा घर पर शांति से रह सकता है, कर्ज चुका दिया गया है; दूसरा माफ कर देगा, प्राप्त जुर्माने से उसका उचित बदला पूरा हो जाएगा; लेकिन तुम कठोर, हठी बने रहते हो। और एक अकेली लड़की के लिए! हम सात भेंट करते हैं, बेहद सुंदर, और अन्य उपहार भी। अब हम तुमसे शिष्टाचार का अनुरोध करते हैं; अपने घर का सम्मान करो; याद रखो कि तुम्हारे नीचे हम, समस्त सेना की ओर से सर्वसम्मति से नियुक्त होकर, यहाँ खड़े हैं और यह दावा करना चाहते हैं कि समस्त यूनानियों में से हम तुम्हारे सबसे अच्छे और प्रिय मित्र हैं।
तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने इस प्रकार उत्तर दिया: "तेरामन के पुत्र, हे महान अजाक्स, तुमने बिना किसी अपराध के अपना संदेश दिया है; परन्तु जब भी मैं सोचता हूँ कि एगामेम्नन ने एकत्रित यूनानियों के बीच मेरा अपमान किया, मुझे किसी अपमानित, बेघर आवारा की तरह सार्वजनिक रूप से तिरस्कृत किया, तो मेरा मन क्रोध से भर जाता है। परन्तु अब तुम जाओ और मेरा उत्तर वापस ले आओ: मैं अब किसी रक्तयुद्ध में शामिल नहीं होऊंगा, जब तक कि महान हेक्टर, प्रियम के देवतुल्य पुत्र, मारे गए यूनानियों पर, आग में लिपटे तुम्हारे जहाज, मायर्मिडों के क्वार्टर तक पहुँचेंगे। इससे पहले कि वह मेरे जहाज और तम्बुओं पर हमला करे, मुझे लगता है कि हेक्टर, चाहे वह कितना भी वीर क्यों न हो, रुक जाएगा। इस प्रकार उसने कहा:
उन्होंने दोनों प्याले उठाए, और देवताओं को उनकी उचित भेंट चढ़ाई, यूलिसिस का नेतृत्व करते हुए, वे जहाजों पर लौट आए।
इस बीच पैट्रोक्लस ने परिचारिकाओं को फीनिक्स के लिए बिस्तर तैयार करने का आदेश दिया; उन्होंने आज्ञा का पालन किया, और जल्दी से गर्म ऊनी चादरों, गलीचों और हल्के और महीन लिनेन से बिस्तर बिछा दिया। बूढ़ा आदमी वहीं सो गया और सुबह की प्रतीक्षा करने लगा। तंबू के भीतरी हिस्से में अकिलीज़ सो रहा था; और उसके बगल में, लेस्बोस से बंदी बनाकर लाई गई, फोरबास की सुंदर पुत्री, डायोमेडे थी; दूसरी ओर पैट्रोक्लस लेटा हुआ था; उसके साथ

सुंदर इफ़िस, जिसे उसने स्काइरोस द्वीप पर कब्जा कर लिया था, और एनयेस के चट्टान से बने किले पर, अकिलीज़ ने अपनी प्रिय साथी को दे दिया था।
जब दूत एट्रीड्स के तम्बू में पहुँचे, तब सरदारों ने विद्रोह करते हुए एक-एक करके सोने के प्यालों में प्रतिज्ञा की; फिर उनसे समाचार पूछा। सबसे पहले मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन ने पूछा: "हे यूनान के गौरव, प्रसिद्ध यूलिसिस, मुझे बताओ, वह क्या कहता है: क्या वह हमारे जहाजों को आग से बचाएगा, या फिर क्रोधित होकर अपनी सहायता रोक लेगा?"
फिर से, दृढ़ हृदय वाले यूलिसिस ने कहा: "हे सबसे शक्तिशाली एगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, उसका क्रोध शांत नहीं हुआ है, बल्कि और भी भयंकर हो गया है; वह तुम्हारे उपहारों और तुम्हें दोनों को ही ठुकराता है; वह तुम्हें अन्य सरदारों के साथ मिलकर तुम्हारे लोगों और तुम्हारे जहाजों को बचाने का आदेश देता है; और भोर होते ही अपने सुसज्जित जहाजों को समुद्र में उतारने की धमकी देता है। इतना ही नहीं, वह दूसरों को भी सलाह देता है, ऐसा वह कहता है, घर की ओर मुड़ने के लिए, क्योंकि यहाँ अभी तक हमें ऊँचे ट्रॉय का दर्शन नहीं हुआ है।" अंत; सर्वज्ञ बृहस्पति अपना हाथ उस पर फैलाता है; उस पर भरोसा करते हुए, उसके सभी लोग विश्वास से भर जाते हैं। यही उसकी भाषा थी; यहाँ तुम्हारे सामने खड़े हैं, एजैक्स और दोनों दूत, बुद्धिमान, गंभीर पुरुष, जो मेरे साथ गए थे, और मेरे शब्दों की पुष्टि करेंगे। हमने बूढ़े फीनिक्स को वहाँ छोड़ दिया, जैसा कि मुखिया ने चाहा था, ताकि कल वह उसके साथ रवाना हो सके, और अपनी मातृभूमि की खोज कर सके, यदि वह चाहे; क्योंकि वह उसे बलपूर्वक यहाँ से नहीं हटाएगा।
इस प्रकार यूलिसिस ने कहा; वे सब चुपचाप सुनते रहे, और उसके द्वारा दिए गए संदेश की गंभीरता देखकर चकित रह गए। ग्रीस के सरदार बहुत देर तक चुपचाप बैठे रहे। अंत में वीर डायोमेड ने कहा: "हे परम शक्तिशाली अगमेमन, हे मनुष्यों के राजा, काश तुमने कीमती उपहारों के साथ पेलेउस के अतुलनीय पुत्र से सहायता न माँगी होती; क्योंकि वह पहले से ही बहुत घमंडी था, और अब तुम्हारे उपहारों ने उसके घमंड को दस गुना बढ़ा दिया है। लेकिन हम उसे उसकी इच्छा के अनुसार छोड़ देते हैं, चाहे वह जाए या रुके: फिर वह जब उसकी अपनी आत्मा प्रेरित करे या स्वर्ग प्रेरणा दे, तब युद्ध में शामिल हो जाओ। परन्तु तुम सब सुनो और मेरी सलाह

मानो: भोजन और शराब से तरोताज़ा होकर (क्योंकि इसमें शक्ति और साहस निहित है), हम विश्राम की ओर मुड़ें; और जब गुलाबी रंग की सुबह हो, तो तुम साहसी हृदयों के साथ सबसे आगे रहो, और हमारे जहाजों के आगे घुड़सवार और पैदल सेना दोनों को पंक्तिबद्ध करो।
उसने कहा; और सभी सरदारों ने ज़ोरदार तालियों से उसकी बात की पुष्टि की; फिर, विधिवत जल चढ़ाया गया, और वे सभी अपने-अपने तंबू में चले गए; फिर लेट गए और नींद की तलाश की।

# तर्क।

**डायोमेड और यूलिसिस का रात्रिकालीन साहसिक कार्य।**

अकिलीज़ के सेना में लौटने से इनकार करने पर, एगामेम्नन की व्यथा का अत्यंत सजीव वर्णन किया गया है। वह उस रात विश्राम नहीं करता, बल्कि शिविर में घूमता है, नेताओं को जगाता है और जन सुरक्षा के लिए हर संभव उपाय सोचता है। मेनेलास, नेस्टर, यूलिसिस और डायोमेड शेष सेनापतियों को जगाने में लगे हैं। वे एक युद्ध परिषद बुलाते हैं और शत्रु के शिविर में जासूस भेजने का निश्चय करते हैं, ताकि उनकी स्थिति का पता लगाया जा सके और उनके इरादों को जाना जा सके। डायोमेड इस जोखिम भरे कार्य को अपने हाथ में लेता है और यूलिसिस को अपना साथी चुनता है। अपने मार्ग में वे डोलन को आश्चर्यचकित कर देते हैं, जिसे हेक्टर ने इसी उद्देश्य से यूनानियों के शिविर में भेजा था। उससे उन्हें ट्रोजन और सहायक सेनाओं, विशेष रूप से रेसस और थ्रेसियनों की स्थिति की जानकारी मिलती है, जो हाल ही में वहाँ पहुँचे थे। वे सफलतापूर्वक आगे बढ़ते हैं; रेसस और उसके कई अधिकारियों को मार डालते हैं और उस राजकुमार के प्रसिद्ध घोड़ों को छीन लेते हैं, जिनके साथ वे विजयपूर्वक शिविर में लौट आते हैं।
वही रात जारी रहती है; दृश्य दोनों शिविरों में घटित होता है।

# पुस्तक X.

अन्य सभी यूनानी सरदार रात भर गहरी नींद में सोए रहे; परन्तु एट्रियस के पुत्र एगामेम्नन पर ऐसा नहीं हुआ; अनेक चिंताओं से व्याकुल एगामेम्नन मीठी नींद में डूब गया। जैसे जब सुनहरे बालों वाली जूनो के स्वामी बृहस्पति से बिजली चमकती है और अपने साथ बारिश और ओलों का तूफान लाती है; या सर्दियों में खेतों पर बर्फ की बौछार लाती है; या युद्ध के भयंकर जबड़े खोलती है; वैसे ही एगामेम्नन ने अपने अंतर्मन से अपने दिल की गहराई से यह बात कही। वह अपने असीम दुःख में कराह उठा, उसकी आत्मा उसके भीतर डूब रही थी। उसने मैदान पर देखा, और वहाँ, भयभीत होकर, उसने पहरे की आग देखी, जो ट्रॉय की दीवारों से बहुत आगे तक अनगिनत धधक रही थी; और वहाँ से उसने बांसुरी और बाँस की आवाज़ सुनी, और पुरुषों की व्यस्त गुनगुनाहट। उसने जहाजों पर देखा, और यूनान के पुरुषों को देखा, और जड़ों से अपने बाल मुट्ठी भर तोड़कर ऊपर बृहस्पति को अर्पित किए; उसके शक्तिशाली हृदय में गहरी आह उठी। इस प्रकार, जब उसने विचार किया, तो सबसे बुद्धिमानी भरा मार्ग यही प्रतीत हुआ कि नेलियस के पुत्र नेस्टर से परामर्श किया जाए, ताकि वे परिषद में कोई योजना बना सकें, जिससे यूनानी सेना से होने वाले विनाश को रोका जा सके। वह उठा और अपने शरीर पर अपना वस्त्र ओढ़ लिया, और अपने सुडौल पैरों के नीचे अपनी सुंदर सैंडल बाँध लीं; फिर अपने कंधों पर, पैरों तक पहुँचने वाली, भूरे और विशाल शेर की खाल डाल ली; फिर अपना भारी भाला पकड़ लिया। मेनेलाउस पर भी उतना ही भय था; उस रात उसकी आँखों में नींद नहीं आई थी, कहीं यूनानियों पर कोई विपत्ति न आ जाए; जो अपने उद्देश्य के लिए, जलमग्न बंजर भूमि को पार करके ट्रॉय आया था, और ट्रोजनों को चुनौती दी थी। उसने अपनी चौड़ी छाती पर पैंथर की खाल लपेटी; फिर अपने सिर पर पीतल का हेलमेट रखा, और अपने बलवान हाथ में भाला था। वह अपने भाई से मिलने निकला, जो ग्रीस का रहने वाला था और जिसे भगवान की तरह पूजा जाता था। उसने उसे जहाज पर हथियारबंद पाया; और राजा ने उसका स्वागत किया।

तब वीर मेनेलाउस ने बोलना शुरू किया: "हे मेरे भाई, इस प्रकार हथियार क्यों उठाए हो? क्या तुम ट्रोजन शिविर की जासूसी करने के लिए किसी की तलाश कर रहे हो?

मुझे बहुत डर है कि कोई भी अकेले यह कार्य नहीं करेगा, शत्रु शिविर की गतिविधियों की जासूसी करने के लिए, अंधेरी रात में: इसके लिए साहसी होना पड़ेगा।"
जिस पर सम्राट एगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "हे मेरे महान भाई, हम दोनों को ही अत्यंत बुद्धिमान परामर्श की आवश्यकता है, यदि हम यूनानियों और उनके जहाजों को विनाश से बचाना चाहते हैं, क्योंकि बृहस्पति का मन हमारे विरुद्ध हो गया है। उसका मन हेक्टर के चढ़ावों की ओर सबसे अधिक झुका हुआ है; क्योंकि मैंने कभी नहीं देखा, न ही लोगों को बताते सुना है, कि कैसे एक ही दिन में एक व्यक्ति ने इतना नुकसान पहुंचाया है जितना हेक्टर ने, जो बृहस्पति का प्रिय है, फिर भी ईश्वर या देवी का पुत्र नहीं है, यूनानियों पर पहुंचाया है। उसने ऐसे कर्म किए हैं, ऐसी तबाही मचाई है।" बनाया, जैसा कि हम कड़वी यादों में लंबे समय तक संजो कर रखेंगे। जहाजों के बीच जल्दी करो, और इडोमेनियस और एजैक्स को यहाँ लाओ; इस बीच मैं नेस्टर को जगाऊँगा, और आग्रह करूँगा कि वह हमारे साथ चौकियों का दौरा करे, और पहरेदारों को निर्देश दे। वे उसकी बात सबसे अच्छी तरह सुनेंगे; क्योंकि उसका पुत्र पहरे का नेतृत्व करता है; उसके साथ मेरियोनेस है, राजा इडोमेनियस का अनुयायी: यह कार्य उन्हें वरीयता से दिया गया है।
उसने कहा: और मेनेलास ने इस प्रकार उत्तर दिया: "तो फिर तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो? क्या मैं यहाँ उनके साथ रहूँ और तुम्हारे आने की प्रतीक्षा करूँ, या उन्हें तुम्हारा संदेश दूँ और तुम्हारे पदचिन्हों पर चलूँ?"
मनुष्यों के राजा अगामेम्नन ने उत्तर दिया: “तुम यहीं ठहरो, कहीं ऐसा न हो कि हम मिलने में असफल हो जाएँ; क्योंकि शिविर में अनेक मार्ग हैं। परन्तु तुम जहाँ कहीं भी जाओ, प्रत्येक व्यक्ति को संबोधित करो और उठने के लिए कहो; प्रत्येक को उसके नाम और पिता के नाम से पुकारो; प्रत्येक का पूरा आदर करो; और घमंड मत करो; हम भी बाकियों की तरह परिश्रम का बोझ बाँटते हैं, जो बृहस्पति सभी मनुष्यों को सौंपता है।”
इस प्रकार अपने भाई को बुद्धिमानी से सलाह देकर विदा करने के बाद, राजा वृद्ध नेस्टर के पास गए: उन्होंने उसे उसके तम्बू और गहरे रंग की नाव के पास पाया; उसके बगल में उसके हथियार पड़े थे, उसकी ढाल, दो भाले और एक चमकीला हेलमेट: वहीं वह कीमती बेल्ट भी पड़ी थी जिसे बूढ़ा आदमी पहनता था, जब वह युद्ध

में अपने सैनिकों का नेतृत्व करता था; क्योंकि वह बुढ़ापे की कमजोरी के आगे नहीं झुकता था। अपना सिर उठाकर और कोहनी के सहारे, उसने एट्रीड्स से पूछा: "तुम कौन हो, जो इस तरह अकेले शिविर में भटक रहे हो, अंधेरी रात में, जब दूसरे मनुष्य सो रहे होते हैं? क्या तुम किसी टूटे हुए खच्चर या साथी की तलाश में हो?" खो गए? बोलो, चुप मत रहो; यहाँ तुम्हारा क्या इरादा है?
जिस पर मनुष्यों के राजा अगामेम्नन ने इस प्रकार कहा: "हे नेस्टर! नीलियस के पुत्र, यूनान के गौरव, मुझे अगामेम्नन, एट्रेस के पुत्र के रूप में जानो, जिस पर बृहस्पति ने मनुष्यों के भाग्य से परे, ऐसा दुःख डाला है जो कभी समाप्त नहीं होगा, जब तक मेरे फेफड़ों में सांस और मेरे अंगों में शक्ति बनी रहेगी। मैं इस प्रकार भटकता हूँ, क्योंकि मेरी ये आँखें युद्ध की चिंताओं से मीठी नींद नहीं ले पातीं, यूनान के दुखों से दबी और परेशान हैं। मुझे यूनानियों से बहुत डर लगता है; और मेरा मन अपनी आदत के अनुसार नहीं रहता।" दृढ़ता; मैं बेचैन हूँ; और मेरा व्याकुल हृदय ऐसे उछल रहा है मानो फट जाएगा; मेरे अंग काँप रहे हैं। परन्तु यदि तू चाहे, क्योंकि तू भी नींद नहीं जानता, तो चलो हम साथ मिलकर चौकियों पर चलें, और देखें कि क्या वहाँ परिश्रम और नींद से व्याकुल होकर, पहरेदार अपनी निगरानी की उपेक्षा करते हुए विश्राम कर रहे हैं। शत्रु निकट है; और हमें यह भी यकीन नहीं है कि वह रात में भी हमला करने का जोखिम नहीं उठाएगा।
जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे परम शक्तिशाली अगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, हेक्टर की सभी आशाएँ परामर्श के स्वामी द्वारा पूरी नहीं होंगी; उसके लिए अभी भी परिश्रम और खतरे बाकी हैं, यदि अकिलीज़ अपने क्रोध से पश्चाताप करे तो मैं सहर्ष तुम्हारी सेवा करूँगा; अन्य भी, जैसे कि साहसी भालाधारी टाइडाइड्स, बुद्धिमान यूलिसिस, तेजतर्रार एजैक्स और फाइलियस का महान पुत्र, सभी को बुलाया जाना चाहिए; और यह अच्छा होगा कि उनमें से एक शिविर में दौड़कर उसे बुलाए।" जल्दी करो!
देवतुल्य एजैक्स और इडोमेनियस;
उनके जहाज सबसे दूर हैं, पास नहीं।
लेकिन, मेनेलास मुझे प्रिय है,
और बहुत सम्मानित है, फिर भी मुझे इस बात की निंदा करनी चाहिए कि इस तरह

(यद्यपि तुम्हें बुरा लगे, मुझे कहना ही होगा)
वह सो रहा है, और यह काम अकेले तुम पर छोड़ रहा है।
उसे अब सभी सरदारों के साथ व्यस्त होना चाहिए,
हमारी इस सबसे बड़ी ज़रूरत में सहायता की याचना करते हुए।
इस प्रकार, मनुष्यों के राजा अगामेम्नन ने कहा: "हे बूढ़े, अन्य समयों के लिए अपना दोष त्याग दो; मैं मानता हूँ, कभी-कभी वह पीछे रह जाता है, और अपने श्रम का हिस्सा नहीं लेता; आलस्य से नहीं, या बुद्धिहीनता से नहीं; बल्कि फिर भी मेरी ओर देखता रहता है; मुझसे प्रेरणा की प्रतीक्षा करता है। परन्तु अब, वह मुझसे पहले उठ खड़ा हुआ, और मुझसे मिलने आया; और मैंने उसे उन लोगों को बुलाने के लिए भेजा है जिनका तुमने नाम लिया है। तो आओ; क्योंकि हम द्वार के पास, और पहरेदार उन्हें पाएँगे; वहाँ मेरे आदेश थे..." मिलें।"
जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "तो फिर कोई भी उसे दोष नहीं दे सकता; और न ही कोई यूनानी उसके आज्ञापालन के आह्वान को उचित रूप से अस्वीकार कर सकता है।"
उसने कहा, और अपने शरीर के चारों ओर अपनी बनियान लपेट ली; फिर उसने अपने पैरों में सुंदर सैंडल बाँध लिए, और अपने कंधों पर एक बैंगनी लबादा डाल लिया, जो भरपूर तहों और रोएँदार ढेर से भरा हुआ था; फिर उसने अपना भाला लिया, जिसकी नोक पीतल की थी, और शिविर से होकर जाने की तैयारी की।
गेरेनियन नेस्टर को सबसे पहले उसकी नींद से जगाया, यूलिसिस, जो परिषद में बृहस्पति के समान बुद्धिमान था, जोर से चिल्लाते हुए; जल्द ही उसकी इंद्रियों ने उस आवाज को सुना; वह अपने तम्बू से बाहर आया और बोला: "ऐसा कौन सा अत्यावश्यक कारण है जो आपको शिविर में, अंधेरी रात में इस तरह अकेले भटकने के लिए प्रेरित करता है?"
जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे ऋषि यूलिसिस, लेर्टेस के देवतुल्य पुत्र, नाराज मत होइए; हमारी सेना पर अब इतना दबाव है; तो आप हमारे साथ आइए, और दूसरों को भी बुलाएँ; जिनके साथ उचित हो कि हम परामर्श करें, कि लड़ें या भाग जाएँ।"

उसने कहा; यूलिसिस तम्बू में लौट आया; फिर, अपनी चौड़ी ढाल को अपने कंधों पर डालकर, वह फिर बाहर आया और उनके साथ चल पड़ा। इसके बाद वे टाइडियस के पुत्र डायोमेड के पास गए; और उसे उसके हथियारों के पास, उसके तम्बू के बाहर पाया; उसके साथी चारों ओर सो रहे थे, उनके सिर उनकी ढालों पर रखे थे; उनके भाले सीधे खड़े थे, उनके सिरों पर; चमकीला पीतल, मानो स्वर्ग की बिजली की तरह, दूर-दूर तक चमक रहा था। एक जंगली बैल की खाल पर सरदार आराम कर रहा था, उसके सिर के नीचे एक सुंदर कालीन बिछा हुआ था। उसके ठीक पीछे गेरेनियन नेस्टर खड़ा था, और उसने अपने पैर से उसे छुआ, और इस प्रकार तिरस्कारपूर्ण स्वर में बोला: "उठो, टाइडियस के पुत्र! तुम इस तरह रात भर क्यों सो रहे हो? या क्या तुम नहीं जानते कि मैदान के ठीक किनारे पर, और जहाजों के ठीक बगल में ट्रोजन लेटे हुए हैं, और बहुत कम जगह है।" शिविरों के बीच क्या बचा है?"
नींद से झट से जागकर डायोमेड ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे बूढ़े, अपने दिल पर धिक्कार करो! कोई भी काम तुम्हारे लिए बहुत कठिन नहीं लगता; क्या शिविर में दौड़कर सभी सरदारों को बुलाने के लिए कोई जवान आदमी नहीं है? हे बूढ़े, तुम बहुत ज्यादा कर रहे हो।"
जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "सच है, मित्र, और तुम्हारे शब्द ज्ञान से भरे हैं; मेरे पास वास्तव में अच्छे पुत्र और बहादुर अनुयायी हैं; और कई ऐसे हैं जो मेरा संदेश अच्छी तरह से पहुंचा सकते हैं; लेकिन अब ग्रीस पर बहुत बड़ा संकट है; क्योंकि अब तलवार की धार पर सब कुछ टिका है, सभी यूनानियों के लिए जीवन या मृत्यु का मौका है। तो तुम जाओ (क्योंकि तुम मुझसे छोटे हो), और यदि तुम्हें मुझ पर दया आती है, तो स्वयं को जगाओ एजैक्स, तेज और फाइलियस के महान पुत्र को।" उसने कहा; योद्धा ने अपने कंधों पर शेर की खाल फेंक दी, जो उसके पैरों तक पहुँच रही थी, भूरी और गहरे रंग की; और अपना भारी भाला उठा लिया। वह उत्तेजित होकर चला गया और अपने साथ सरदारों को ले आया।
जब वे पहरे पर पहुँचे, तो नींद में डूबे हुए नहीं थे, उन्होंने नेताओं को पाया; बल्कि जागृत होकर पहरा दे रहे थे, सचेत और अपने हथियारों के साथ पूरी तरह सतर्क। जैसे भेड़बाड़े के चारों ओर चिंतित पहरा देते हैं, कुत्ते, जो पास की झाड़ियों में सुनते हैं, किसी जानवर की, जो शिकार की तलाश में साहसी होकर पहाड़ से नीचे आया है;

पुरुषों और कुत्तों का शोर उठता है; सारी नींद गायब हो जाती है; ठीक वैसे ही उनकी आँखों से नींद गायब हो गई थी, जो उस विनाशकारी रात में पहरा दे रहे थे। ट्रोजन शिविर में हर हलचल पर लगातार चौकन्ना रहते हुए, बूढ़े व्यक्ति ने प्रसन्नतापूर्वक देखा; और इस प्रकार रक्षक दल के कप्तानों को उत्साहवर्धक शब्दों में संबोधित किया: "हे युवकों, सदा चौकस रहो; और नींद से आश्चर्यचकित मत हो जाना, अन्यथा शत्रु विजय प्राप्त कर लेगा।"

यह कहकर, वह खाई पार कर गया, और उसके साथ यूनानी नेता, परिषद में बुलाए गए: उनके साथ, सम्मेलन में प्रवेश पाकर, मेरियोनेस और नेस्टर का कुलीन पुत्र भी गए। उन्होंने गहरी खोदी हुई खाई पार की, और बैठ गए: एक खुले स्थान पर, जहाँ लाशें नहीं थीं; जहाँ हेक्टर यूनानियों के नरसंहार से वापस मुड़ा था, जब शाम ने अपना घूंघट फैलाया था: वे वहाँ बैठ गए, और वहाँ सम्मेलन हुआ। गेरेनियन नेस्टर ने सबसे पहले बोलना शुरू किया: "हे मित्रों! क्या कोई यहां इतने साहसी हृदय के साथ कौन साहस करता है, आत्मविश्वास से भरे हुए, ट्रोजन शिविर में प्रवेश करने का? वहां वह किसी भटके हुए को पकड़ सकता है, या शिविर में ही कोई खबर प्राप्त कर सकता है, उनकी गुप्त योजनाएँ क्या हैं; क्या उनका इरादा है कि वे यहां जहाजों के पास डटे रहें, या वापस लौटें, विजय से तृप्त होकर शहर लौट जाएँ। यह जानकर, वह बिना किसी नुकसान के यहां अपनी खबर ला सकता है, जो सभी लोगों के मुख में स्वर्ग के समान ऊँची होगी, उसकी प्रशंसा होगी और उसे भरपूर पुरस्कार मिलेगा। क्योंकि प्रत्येक जहाज के कप्तान को एक कोयले जैसी काली भेड़ और उसके पैरों के पास एक मेमना, अतुलनीय पुरस्कार; और भोजों और भव्य समारोहों में उसका स्थान ऊंचा होना चाहिए।

उसने कहा; लेकिन सभी सरदार चुपचाप सुनते रहे; फिर वीर डायोमेड उठा और बोला: "नेस्टर, वह साहस मेरा है; मैं अकेले ही शत्रु शिविर में प्रवेश करने का साहस करता हूँ, जो इतना निकट है; यदि मुझे एक साथी मिल जाए, तो मैं अधिक आराम और अधिक आत्मविश्वास के साथ जाऊँगा। जहाँ दो मिलकर काम करते हैं, वहाँ एक दूसरे से पहले बेहतर मार्ग देख लेता है; और भले ही कोई अकेला ही सबसे आसान रास्ता खोज ले, फिर भी उसका निर्णय धीमा और निर्णय कम होगा।"

उसने कहा, और कई सरदारों ने डायोमेड को साथ देने की पेशकश की; तुरंत आगे बढ़े, उसके साथ ट्रोजन शिविर में प्रवेश करने के लिए, मार्स के दो मंत्री, अजेस; मेरियोनेस आगे बढ़ा, और उत्सुकता से नेस्टर का पुत्र आगे बढ़ा; एट्रियस का पुत्र, वीर योद्धा मेनेलास, और बलवान यूलिसिस, जिसका अटूट हृदय हर वीरतापूर्ण कार्य के लिए तत्पर था। मनुष्यों के राजा एगामेम्नन उठे और बोले: "टाइडिड्स, मेरे प्रियतम साथी, तुम जिसे चाहो, अपना साथी चुन लो; यहाँ सहायता देने वाले अनेकों में से जिसे तुम सबसे अच्छा समझो; और किसी के प्रति आदर दिखाकर अच्छे व्यक्ति को पीछे न छोड़ो, और बुरे को साथ न लो; और किसी के प्रति अवज्ञा न दिखाओ।" पद, हालाँकि उनका शाही रक्त सबसे शुद्ध नहीं था।"
मेनेलास के डर से उसने इस प्रकार कहा:
तब वीर डायोमेड ने उत्तर दिया, और कहा;
"यदि मुझे अपना साथी चुनने की स्वतंत्रता हो,
तो मैं बुद्धिमान यूलिसिस को कैसे अनदेखा कर सकता हूँ?
वह हर संकट में अपनी बुद्धि और निडर साहस के लिए सिद्ध हुआ है; और पल्लास का प्रिय है।
मुझे उसके साथ आग से गुजरने और हम दोनों के सुरक्षित लौटने से भी डर नहीं लगेगा;
वह विवेक में सभी से कहीं श्रेष्ठ है।"
इस पर साहसवान यूलिसिस ने उत्तर दिया: "टाइडिस, न तो मेरी अतिशय प्रशंसा करो, न ही निंदा; क्योंकि तुम उन्हीं से बात कर रही हो जो मुझे मेरे वास्तविक स्वरूप में जानते हैं। परन्तु हम चलें; रात ढल रही है, सुबह निकट है। तारे आकाश में ऊँचे हैं; और रात का दो तिहाई भाग बीत चुका है, केवल एक तिहाई शेष है।"
उसने कहा; और दोनों ने अपने हथियार उठाने की तैयारी की। युवा योद्धा थ्रेसिमेडेस ने डायोमेड को दोधारी तलवार (उसकी अपनी तलवार जहाज में छूट गई थी) और एक बड़ी ढाल दी; फिर उसने अपने माथे पर चमड़े का एक मुकुट रखा, बिना किसी चोटी या पंख के; एक साधारण हेलमेट, जैसा कि युवक अपने सिर की रक्षा के लिए पहनते हैं। एक धनुष, एक भरा हुआ तरकश और एक तलवार, मेरिओन्स ने ऋषि यूलिसिस को दिए; और उनके माथे पर चमड़े का एक मुकुट रखा हुआ था, जो भीतर

से अच्छी तरह से गढ़ा हुआ था, जिसमें कई पट्टियाँ लगी हुई थीं, और बाहर से जंगली सूअरों के चमकदार दांतों से भरपूर रूप से सजाया गया था, जो इधर-उधर बिखरे हुए थे, कुशल हाथों से। बीच में महसूस किया हुआ अस्तर लगा था;
यह ओर्मेनस के पुत्र एमिनटोर से,
ऑटोलिकस इलियोन से ले गया,
उसके लूटे हुए घर का माल; ऑटोलिकस
ने इसे साइथेरन प्रमुख एम्फिडामस को दिया,
जो स्कैंडिया में रहता था; एम्फिडामस
ने मोलस को मित्रता की प्रतिज्ञा दी; उसने फिर से
अपने पुत्र मेरियोनेस को दिया, जिससे
अब यह ऋषि यूलिसिस के माथे को घेरे हुए था।
इस प्रकार साजो-सामान और हथियारों से लैस होकर,
उन्होंने अपने भाई सरदारों को छोड़ दिया और अपना रास्ता बना लिया।
फिर उनके रास्ते के ठीक बगल में, पल्लास द्वारा भेजा गया,
दाहिनी ओर एक बगुला उठा; अंधकार में उन्होंने इसे देखा तो नहीं, पर पुकार सुनी।
यूलिसिस ने इस शुभ संकेत का आनंदपूर्वक स्वागत किया और पल्लास से प्रार्थना की:
"हे मेरी प्रार्थना सुनो, हे कवचधारी बृहस्पति की संतान, जो हर संकट में मेरे साथ खड़ी रही हो, जिसकी दृष्टि मेरे हर क्षण पर रहती है; हे देवी, अब मेरी मित्र बनो; कृपा करो कि हम सुरक्षित, विजय से परिपूर्ण होकर लौटें, कोई महान पराक्रम सिद्ध करके, जिसे ट्रोजन लोग लंबे समय तक याद रखें।"
उसके पीछे चलते हुए, वीर टाइडियस ने प्रार्थना की: "हे बृहस्पति के पुत्र, मेरी आवाज़ भी निडर होकर सुन; और मेरे साथ रहो, जैसे मेरे पिता के साथ पहले थे, जब देवतुल्य टाइडियस थेब्स गए थे, एक दूत के रूप में आगे; और पीछे छोड़ गए थे, एसोपस नदी के तट पर कवचधारी यूनानियों को। थेब्स के लिए उनका संदेश सहज था; परन्तु उनका मिशन महान था, वे कार्य जो उन्होंने तेरी सहायता से किए; क्योंकि, देवी, तू उनके साथ थी, और तेरी भुजा उनकी रक्षा थी: इसलिए अब तुम मेरे साथ रहो और मेरी रक्षा करो। फिर मैं तुम्हारी वेदी पर बलि चढ़ाऊंगा एक साल की बछिया, चौड़े

माथे वाली, बेकाबू, जिस पर किसी मनुष्य ने कभी जुआ नहीं रखा है। मैं उसे दूंगा और उसके सींगों को सोने से सजाऊंगा।
इस प्रकार जब वे प्रार्थना कर रहे थे, देवी ने उनकी प्रार्थना सुन ली; फिर, उनकी प्रार्थना समाप्त हुई, और वे आगे बढ़ गए; घोर अंधकार में, दो शेरों की तरह, नरसंहार, लाशों, हथियारों और काले खून के बीच।
और न ही हेक्टर ने ट्रोजन शिविर में सरदारों को आराम करने के लिए छोड़ा; लेकिन सभी को सम्मेलन के लिए बुलाया गया, ट्रॉय के नेताओं और सलाहकारों को; जिनसे उन्होंने अपना विवेकपूर्ण भाषण इस प्रकार दिया: "यहाँ कौन है, जो एक बड़े इनाम के लिए एक महान कार्य करेगा? एक रथ और दो मजबूत लगाम वाले घोड़े, जो यूनानी सेना के भीतर सबसे अच्छे हों, उसे प्राप्त होंगे, जो उनकी अनंत प्रशंसा के लिए, जहाजों के पास जाने का साहस करेगा; और यह जानने का प्रयास करेगा कि क्या वे अभी भी अपनी सामान्य निगरानी रख रहे हैं, या हमारे हथियारों से पराजित और पराजित होकर विचार कर रहे हैं।" पीछे हटना, और परिश्रम से थककर रात की पहरेदारी की उपेक्षा करना। हेक्टर ने इस प्रकार कहा; परन्तु सबने मौन में सुना।
ट्रोजन शिविर में एक डोलन था, जो दूत यूमेडेस का पुत्र था; सोने और पीतल में धनी; दिखने में सुंदर नहीं, पर पैरों में तेज; पाँच बहनों में इकलौता पुत्र; जिसने हेक्टर और ट्रोजनों से इस प्रकार कहा:
हेक्टर, मैं निडर साहस के साथ जहाजों के पास जाऊंगा और तुम्हें निश्चित समाचार दूंगा; परन्तु तुम अपना शाही दंड आगे बढ़ाओ और शपथ लो कि मुझे घोड़े और पीतल से जड़ा रथ मिलेगा, जो पेलियस के अद्वितीय पुत्र का गौरव है; मेरा यह प्रयास व्यर्थ नहीं जाएगा और न ही मैं तुम्हारी आशाओं को धोखा दूंगा; मैं शिविर के बीच से होकर अगामेम्नन के तम्बू तक जाऊंगा, जहाँ सभी सरदार परिषद में बहस कर रहे हैं, या लड़ने या भागने की योजना बना रहे हैं।
उसने कहा; और हेक्टर ने अपना शाही डंडा उठाया, और उससे शपथ ली: "स्वयं बृहस्पति, गर्जन के स्वामी, साक्षी हो कि तेरे सिवा कोई भी ट्रोजन पुरुष कभी भी उन घोड़ों को नहीं चलाएगा; वे तेरे लिए आरक्षित हैं, एक गौरवशाली पुरस्कार के रूप में।"

इस प्रकार हेक्टर ने शपथ ली; हालाँकि वह शपथ पूरी नहीं कर सका। डोलन को इससे नई उम्मीद मिली। उसने तुरंत अपने कंधों पर धनुष टांगा, उसके ऊपर एक भयानक भेड़िये की खाल, सिर पर नेवले की खाल की टोपी और हाथ में भाला लेकर शिविर से निकल पड़ा। वह सीधे यूनानी जहाजों की ओर चल पड़ा; लेकिन वहाँ से कभी भी अपेक्षित समाचार वापस लाने के लिए नहीं लौटा।
पुरुषों और घोड़ों की भीड़ को पीछे छोड़ते हुए, वह तेज़ी से आगे बढ़ा; यूलिसिस ने सबसे पहले उसके आने का आभास किया और टाइडाइड्स से कहा: "देखो, अगर शिविर से कोई इस तरफ आता है, तो मुझे नहीं पता कि वह किस इरादे से आ रहा है; चाहे वह जहाजों की जासूसी करने आया हो या मृतकों को लूटने। हम एक तरफ हट जाते हैं और उसे थोड़ी दूर तक हमारे पास से गुजरने देते हैं; फिर हम अचानक दौड़कर उसे पकड़ लेते हैं; या अगर वह हम दोनों से तेज दौड़कर आगे निकल जाता है, तो हम उसे जहाजों की ओर धकेल देते हैं, और अपने भालों से उसे अपने आगे धकेलते हुए, शहर से उसका रास्ता रोक देते हैं।" ऐसा कहते हुए, मृतकों के बीच, सड़क के किनारे
वे दुबके हुए थे; वह, पूरी तरह बेहोश, जल्दी से आगे बढ़ गया।
लेकिन जब सुस्त बैलों और उनके बीच इतनी जगह बन गई कि खच्चरों की एक जोड़ी (वे जितनी तेज़ी से
कठोर परती भूमि से संयुक्त हल खींचते हैं),
उस पर टूट पड़ी; आवाज सुनकर वह रुक गया, यह सोचकर कि वे ट्रोजन शिविर से आए हैं, हेक्टर द्वारा उसे वापस लौटने का आदेश देने के लिए भेजा गया है। जब वे भाले की लंबाई के भीतर या उससे भी कम दूरी पर आए, तो वह उन्हें शत्रु के रूप में पहचान गया, और रात में उसने अपने फुर्तीले अंगों को तैयार किया; वे उनका पीछा करने के लिए दौड़ पड़े। और जैसे दो शिकारी कुत्ते, शिकार में माहिर, चमकते दांतों के साथ, बिना थके, जंगल के खुले मैदान में किसी हिरण या खरगोश को पकड़ने के लिए जोर लगाते हैं, जो चीखता हुआ उनके सामने भागता है; इसलिए वे दोनों, टाइडाइड्स और यूलिसिस, साहसी हृदय वाले, उग्र उत्साह के साथ, अथक परिश्रम से शिविर से अलग हुए भागते हुए डोलन को पकड़ने के लिए प्रयासरत थे; परन्तु जब भगोड़ा जहाजों के पास पहुँचा, पहरेदार के पास, पल्लास ने डायोमेड को नई शक्ति

दी, कहीं ऐसा न हो कि दीवारों से कोई और उसके प्रहार को रोक ले, और वह स्वयं द्वितीय स्थान प्राप्त कर ले। तब टाइडाइड्स ने धमकी भरे हावभाव से कहा, "रुको, वरना मैं अपना भाला फेंक दूँगा; और अपने अगर मैं तुझ पर हमला करूँ, तो मौत से बचने का मौका मिलेगा।" उसने कहा और अपना भाला फेंका; लेकिन जानबूझकर वह उसे नहीं लगा; उसके कंधे के ऊपर से चमकीला भाला उड़ गया और ज़मीन पर काँप उठा। अचानक वह रुक गया, घबराहट से लकवाग्रस्त हो गया: उसके दाँत किटकिटा रहे थे, डर से पीला पड़ गया, वह लड़खड़ाते स्वर में हाँफते हुए आया और उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया। इस प्रकार, वह आँसू बहाते हुए बोला: “केवल मेरी जान बख्श दो; मैं अपनी जान बचा सकता हूँ; क्योंकि मेरे पास सोने, पीतल और उत्तम लोहे का पर्याप्त भंडार है; और इन सब से मेरे पिता उदारतापूर्वक फिरौती अदा करेंगे, यदि उन्हें पता चले कि मैं यूनानी जहाजों में जीवित हूँ।”

जिस पर यूलिसिस ने गहन विचार करते हुए कहा: "निश्चिंत रहो; मृत्यु के भय को अपने मन में मत आने दो; परन्तु मुझे सच-सच बताओ; तुम अकेले ही जहाजों की ओर क्यों आ रहे हो, इस शांत रात में, जब दूसरे मनुष्य सो रहे हैं? क्या तुम मृतकों को लूटने आए हो? या हेक्टर के भेजे पर हमारे जहाजों पर जासूसी करने आए हो? या अपनी मर्जी से?"

तब डोलन ने भय से कांपते हुए कहा, “बहुत समझाने-बुझाने के बाद, हेक्टर ने मुझे बहला-फुसलाकर, इनाम के तौर पर अकिलीज़ के घोड़े और उसका पीतल से बना रथ देने का प्रस्ताव रखा; उसने मुझे अँधेरी रात में भेजा और आदेश दिया, ‘अपने शत्रु शिविर में प्रवेश करके यह पता लगाओ कि क्या तुम अब भी अपनी सामान्य निगरानी रख रहे हो, या हमारे हथियारों से पराजित होकर पीछे हटने का विचार कर रहे हो, और परिश्रम से थककर अपनी रात की निगरानी की उपेक्षा कर रहे हो।’”

जिस पर यूलिसिस ने तिरस्कारपूर्ण मुस्कान के साथ कहा: "तुम्हारी आशाएँ सचमुच बहुत ऊँची थीं, यह सोचकर कि तुम अकिलीज़ के घोड़ों को जीत लोगे; वे नश्वर मनुष्य के लिए कठिन हैं, उन्हें जोतना या नियंत्रित करना, सिवाय स्वयं अकिलीज़ के, जो देवी का पुत्र है। लेकिन मुझे सच-सच बताओ; जब तुम यहाँ आए, तुमने ट्रॉय के रक्षक प्रमुख हेक्टर को कहाँ छोड़ा? उसके युद्धक हथियार कहाँ हैं? उसके घोड़े कहाँ हैं? बाकी कहाँ हैं? और उनके रक्षक कहाँ तैनात हैं? उनकी गुप्त योजनाएँ क्या हैं? क्या

उनका इरादा यहाँ जहाजों के पास छिपने का है? जमीन पर, या पीछे,
विजय से तृप्त होकर, शहर लौट आओ?"
यूमेडेस के पुत्र डोलन ने इस प्रकार उत्तर दिया: "तुम्हारे सभी प्रश्नों के सच्चे उत्तर मिलेंगे; हेक्टर, अपने सलाहकारों के साथ, इलस की कब्र के पास, दूर बैठकर विचार-विमर्श कर रहा है; लेकिन हे महान सरदार, जिन रक्षकों की तुम बात कर रहे हो, उनमें से कोई भी शिविर की रक्षा के लिए तैनात नहीं है। ट्रोजन की आग के चारों ओर, अनिवार्य रूप से, पहरा रखा जाता है; और वे आपस में उचित सावधानी बरतते हैं; लेकिन सहयोगियों के लिए, वे सो रहे हैं और पहरा ट्रोजनों पर छोड़ देते हैं, क्योंकि न तो उनके बच्चे और न ही उनकी पत्नियाँ पास में हैं।
इसके उत्तर में ऋषि यूलिसिस ने इस प्रकार कहा: "बताओ, वे कहाँ सो रहे हैं? ट्रोजनों के साथ मिले हुए, या अलग? समझाओ, ताकि मैं जान सकूँ।"
यूमेडेस के पुत्र डोलन ने इस प्रकार उत्तर दिया: "मैं इसका भी तुम्हें सत्य उत्तर दूंगा; समुद्र के किनारे कैरियन सेनाएँ हैं; पेओन तीरंदाज और लेलेगेस, कॉकन्स और उनके बाद साहसी पेलसगियन; थिम्ब्रा की ओर लाइसियनों का भाग्य है, बहादुर मिसियन, फ्रिगियन घुड़सवार सेना, और अपने घोड़े के बालों के पंखों वाले मेओनियन। लेकिन तुम इनके बारे में क्यों पूछते हो? यदि तुम्हारा इरादा है, शिविर पर आक्रमण करने का, सबसे अलग, सबसे दूर, थ्रेसियन लेटे हैं: उनके राजा रेसस, इयोनियस के पुत्र, बीच में सो रहे हैं; मैंने आज तक जितने भी घोड़े देखे हैं, उनमें से कोई भी आकार और सुंदरता में उनकी तुलना नहीं कर सकता: बर्फ से भी सफेद और हवा से भी तेज। उनका रथ सोने और चांदी से बना है, उनका कवच सोने का है, विशाल आकार का, देखने में अद्भुत! यह किसी नश्वर मनुष्य के लिए उपयुक्त नहीं लगता, बल्कि अमर देवताओं के लिए है। लेकिन अब मुझे सुरक्षित रूप से जहाजों तक ले चलो; या मुझे यहाँ जंजीरों में जकड़ा छोड़ दो, ताकि अतः, लौटने से पहले, तुम मेरी बातों की पुष्टि कर सकते हो, और देख सकते हो कि मैंने तुम्हें सच बताया है या नहीं।
जिस पर डायोमेड ने कठोर दृष्टि से कहा: "डोलन, यद्यपि तुम्हारी खबर अच्छी है, आशा मत रखो, एक बार हमारे हाथों में आ जाने पर, मृत्यु के भाग्य से बच जाओगे; क्योंकि यदि हम अब तुम्हें जाने दें, तो फिर से, बाद में तुम हमारे जहाजों के पास आ सकते हो, गुप्त जासूस के रूप में, या खुले दुश्मन के रूप में: लेकिन यदि तुम मेरे

हाथों अपनी जान गंवाते हो, तो तुम यूनानियों को और कोई परेशानी नहीं पहुंचाओगे।" उसने कहा; और जब याचक ने व्यर्थ ही उसकी दाढ़ी को छूने की कोशिश की, उसके गले से विनती करते हुए, उसकी दोनों नसों को काटते हुए, उसकी तीखी तलवार ने वार किया: उसके बोलते ही उसका सिर धूल में मिल गया। उसके सिर से नेवले की खाल की टोपी, भेड़िये की खाल, और बिना तार का धनुष, और भाला ले लिया; यूलिसिस ने इन्हें ऊपर उठाया, और इस प्रकार पल्लास से प्रार्थना की, जिसने लूट का माल दिया: "हे महान देवी, हमारे इन उपहारों को स्वीकार करो; ओलंपस की ऊँचाई पर स्थित सभी अमर देवियों में से, हम सबसे पहले तुम्हें अपनी भेंट अर्पित करते हैं; अब हमें थ्रेसियन शिविर और थ्रेसियन घोड़ों तक ले चलो।" इस प्रकार जब वह बोल रहा था, इमली की झाड़ियों के बीच उसने दूर-दूर तक ट्राफियां फेंक दीं; फिर सरकंडों से, और इमली की शाखाओं से नई टूटी हुई टहनियों से, उसने एक निशान लगाया, ताकि रात के अंधेरे में लौटते समय वे उस जगह को न भूल जाएं। फिर वे हथियारों और काले खून से लथपथ होकर आगे बढ़े, और थ्रेसियन शिविर की सीमा तक पहुँच गए। वहाँ उन्होंने पाया कि वे सभी नींद से वश में थे; उनके हथियार जमीन पर उनके बगल में, उचित क्रम में, तीन पंक्तियों में रखे थे; और प्रत्येक के बगल में, उसके घोड़े जुते और जोते हुए तैयार खड़े थे। अपने योद्धाओं से घिरा हुआ, रीसस सो रहा था; उसके बगल में उसके तेज़ घोड़े खड़े थे, जिनकी लगाम रथ की सबसे ऊपरी रेलिंग से लटकी हुई थी। यूलिसिस ने उसे लेटे हुए देखा और कहा, "यह वह आदमी है, टाइडाइड्स, ये वे घोड़े हैं, जिनका वर्णन डोलन ने हमें किया था, जिसे हमने मार डाला था। अब, अपनी शक्ति का प्रदर्शन करो; यह शोभा नहीं देता कि तुम इस प्रकार अपने हथियारों को निष्क्रिय अवस्था में रखे खड़े रहो।" हाथ: घोड़ों को छोड़ दो; या आदमियों को जल्दी भेज दो, और घोड़ों को मेरी देखरेख में छोड़ दो।"

उसने कहा: और पल्लास ने नई शक्ति प्राप्त की, और दाएं-बाएं वार किए; मारे गए लोगों की भयानक कराहें थीं; धरती खून से लाल हो गई थी; और जैसे शेर भेड़ों या बकरियों के लावारिस झुंड पर बर्बर हमले के साथ झपटता है, वैसे ही टाइडाइड्स थ्रेसियों पर झपटा, जब तक कि बारह मारे नहीं गए; और जैसे टाइडाइड्स की तलवार ने प्रत्येक को मृत्यु दी, यूलिसिस ने प्रत्येक को पैरों से खींचकर अलग कर

दिया; यह सोचते हुए कि शायद घोड़े चौंककर लाशों के पास से गुजरने से मना कर दें; क्योंकि वे अभी तक उन्हें पहचान नहीं पाए थे। लेकिन जब टाइडाइड्स ने सोते हुए राजा को देखा, तो उसकी तलवार से तेरहवां शिकार बना दिया गया, जो दर्दनाक रूप से सांस ले रहा था; क्योंकि पलास की कला से, उसने उस रात, एक बुरे सपने की तरह, ओएनियस के पुत्र को अपने सिर के ऊपर खड़ा देखा। इस बीच यूलिसिस ने घोड़ों को खोल दिया; उसने लगाम समेटी, और अपने धनुष से (क्योंकि चाबुक हाथ में नहीं था) उन्हें आगे बढ़ाया; फिर धीरे से सीटी बजाकर टाइडाइड्स को संकेत दिया; वह वहीं रुका रहा, यह सोचते हुए कि वह और कौन सा साहसिक कार्य कर सकता है; क्या वह उस आसन को, जिस पर हथियार रखे थे, खींचकर ले जाए, या उसे हवा में ऊँचा उठाकर रथ पर विजय के साथ ले जाए; या थ्रेसियों को और अधिक हानि पहुँचाए; लेकिन जब वह सोच रहा था, तभी पल्लास उसके पास खड़ी हो गई, और बोली, "हे टाइडियस के पुत्र, समय रहते अपनी वापसी के बारे में सोच लो, कहीं ऐसा न हो कि यदि कोई अन्य देवता ट्रोजनों को जगा दे, तो तुम्हें भागना पड़े।"
उसने कहा; उसने दिव्य आवाज पहचान ली, और तुरंत रथ पर सवार हो गया; यूलिसिस ने अपने धनुष से घोड़ों को छुआ; और गति बढ़ाने के लिए प्रेरित होकर, वे जहाजों की ओर तेजी से आगे बढ़े।
अपोलो ने व्यर्थ ही पहरा नहीं दिया, जिसने देखा कि पल्लास द्वारा मैदान में ले जाए जा रहे टाइडाइड्स क्रोध से भरे हुए ट्रोजन शिविर की ओर बढ़ रहे थे; और रीसस के रिश्तेदार, अच्छे हिप्पोकून, थ्रेसियन सलाहकार, नींद से जाग उठे; जागते ही उन्होंने खाली जगह देखी, जहाँ कुछ देर पहले घोड़े खड़े थे; और उसके मित्र, मृत्यु में हांफते हुए और अपने खून में लथपथ, वह अपने साथी का नाम पुकारते हुए कराह उठा: फिर ज़ोरदार शोर और भयंकर उपद्रव मच गया, अवर्णनीय, चारों ओर उमड़े ट्रोजनों का; वे इन कृत्यों पर चकित थे; लेकिन इससे भी अधिक चकित थे कि जिन्होंने ये कृत्य किए थे वे कैसे बिना किसी नुकसान के बच निकले।
इसी बीच, जहाँ उन्होंने हेक्टर के जासूस को मार डाला, वहाँ पहुँचकर, स्वर्ग के प्रिय यूलिसिस ने एक क्षण के लिए अपने उत्साही घोड़ों को रोका; टाइडाइड्स रथ से कूदकर जमीन पर आ गिरा, और यूलिसिस के हाथों में रक्त से लथपथ ट्राफियाँ रख दीं; फिर तेजी से सवार होकर, अपने नियत लक्ष्य, जहाजों की ओर उग्र घोड़ों को आगे

बढ़ाया; बिना किसी हिचकिचाहट के, वे उड़ गए। नेस्टर ने सबसे पहले आवाज़ सुनी और चिल्लाया, "हे मित्रों, यूनान के नेताओं और सलाहकारों, क्या मैं धोखा खा रहा हूँ, या यह सच है? मुझे लगता है कि घोड़ों के दौड़ने की आवाज़ मेरे कानों में पड़ रही है; ईश्वर करे, यूलिसिस और बहादुर डायोमेड उन घोड़ों को ट्रोजन शिविर से लाएँ; फिर भी मुझे बहुत डर है कि हमारे सबसे बहादुर योद्धाओं का दुश्मनों की भीड़ में किसी दुर्घटना से सामना हो गया होगा।"
उसके बोलने का सिलसिला अभी खत्म ही हुआ था कि वे प्रकट हुए, और रथ से उतरे: उनका हार्दिक स्वागत किया गया, हाथों को गर्मजोशी से मिलाकर और दोस्ताना शब्दों से। गेरेनियन नेस्टर ने सबसे पहले पूछताछ करते हुए कहा: "हे यूलीसिस, ग्रीस के गौरव, मुझे बताइए, ये घोड़े कहाँ से आए हैं? क्या ये ट्रोजन शिविर से आए हैं? या क्या किसी देवता ने, जो रास्ते में आपसे मिला, इन्हें प्रकाश की किरणों के समान तेजस्वी बनाया है? मैं प्रतिदिन ट्रोजनों के बीच रहता हूँ; यह मेरी आदत नहीं है; हालाँकि मैं एक पुराना योद्धा हूँ, फिर भी..." पीछे रह जाते हैं; लेकिन ऐसे घोड़े मैंने कभी नहीं देखे; निश्चित रूप से किसी ईश्वर ने इन्हें दिया है; क्योंकि बादलों को नियंत्रित करने वाला बृहस्पति तुम दोनों से प्रेम करता है, और पल्लास से भी, जो कवच धारण करने वाले बृहस्पति की संतान है।
फिर ऋषि यूलिसिस ने उनसे इस प्रकार कहा: "हे नेलियस के पुत्र नेस्टर, यूनान के गौरव, यदि देवताओं की यही इच्छा होती, तो वे अपनी महान शक्ति से इससे भी बेहतर घोड़े दे सकते थे; परन्तु हे वृद्ध, ये तो थ्रेसियन हैं, जो अभी-अभी आए हैं; जिनके राजा को वीर डायोमेड ने मार डाला है, और उसके साथ बारह सर्वश्रेष्ठ सैनिकों को भी। हमने हेक्टर द्वारा भेजे गए एक जासूस को भी मार डाला है, और ट्रोजन सरदारों द्वारा हमारे शिविर की जासूसी करने के लिए भेजा गया था।"
उसने कहा, और घोड़े खाई के ऊपर से दौड़ पड़े, अपने इनाम पर खुशी मनाते हुए; और उसके साथ दूसरे सरदार भी खुशी मनाते हुए शिविर से होते हुए गए। डायोमेड के सुव्यवस्थित तंबू में पहुँचकर, सबसे पहले उन्हें मजबूत लगाम से रैक पर बांधा गया, जहाँ उसके अपने तेज-तर्रार घोड़े खड़े थे, जिन्हें अनाज से अच्छी तरह खिलाया गया था। उन्होंने घोड़ों को सुरक्षित कर लिया; फिर यूलिसिस ने डोलन की खूनी लूट को जहाज के पिछले हिस्से में छिपा दिया, ताकि पल्लास को उचित बलिदान चढ़ाया

जा सके। समुद्र की ओर उतरकर, उन्होंने अपने गले, जांघों और घुटनों पर जमे पसीने को धोया; पसीना धुल जाने के बाद, समुद्र की लहरों में तरोताज़ा होकर, उन्होंने साफ़-सुथरे स्नान की तलाश की; फिर स्नान से तरोताज़ा होकर, अपने सभी अंगों पर मुलायम तेल की भरपूर मालिश करके, वे नाश्ते के लिए बैठ गए; और बहते हुए प्यालों से पल्लास के सम्मान में स्वादिष्ट शराब उंडेली।

# तर्क।

**तीसरा युद्ध और एगामेम्नन के कार्य।**

हथियारबंद होकर, एगामेम्नन यूनानियों का नेतृत्व करते हुए युद्ध में उतरता है; हेक्टर ट्रोजनों को उनका सामना करने के लिए तैयार करता है; जबकि बृहस्पति, जूनो और मिनर्वा युद्ध के संकेत देते हैं। एगामेम्नन पूरी ताकत से आगे बढ़ता है; और बृहस्पति (जिसके लिए हेक्टर ने आइरिस को भेजा था) हेक्टर को आदेश देता है कि जब तक राजा घायल न हो जाए, तब तक युद्ध स्थगित कर दे और युद्धक्षेत्र से हट जाए। फिर वह शत्रु का भारी संहार करता है; यूलिसिस और डायोमेड कुछ समय के लिए उसे रोकते हैं; लेकिन पेरिस द्वारा घायल होने पर डायोमेड को अपने साथी को छोड़कर भागना पड़ता है, जो ट्रोजनों से घिरा हुआ, घायल और अत्यंत खतरे में होता है, जब तक कि मेनेलास और एजैक्स उसे बचा नहीं लेते। हेक्टर एजैक्स के विरुद्ध आता है, लेकिन एजैक्स अकेले ही भारी संख्या में शत्रुओं का सामना करता है और यूनानियों को एकजुट करता है। इसी बीच, सेना के दूसरे भाग में मौजूद माचोन को पेरिस ने तीर से घायल कर दिया और नेस्टर के रथ में उसे युद्धक्षेत्र से ले जाया गया। अकिलीज़ (जो अपने जहाज से युद्ध देख रहा था) पैट्रोक्लस को यह पता लगाने के लिए भेजता है कि यूनानियों में से कौन इस तरह घायल हुआ है। नेस्टर अपने तम्बू में उसका स्वागत करता है और उसे दिन भर की घटनाओं का ब्योरा देता है, साथ ही कुछ पुराने युद्धों का भी वर्णन करता है जो उसे याद थे। इससे पैट्रोक्लस अकिलीज़ को अपने देशवासियों के लिए लड़ने के लिए मनाने या कम से कम उसे अकिलीज़ के कवच में लड़ने की अनुमति देने के लिए प्रेरित होता है। लौटते समय पैट्रोक्लस को यूरिपिलस भी घायल मिलता है और वह उसकी मदद करता है।

इस पुस्तक की शुरुआत कविता के अट्ठाईसवें दिन से होती है; और यही दिन, अपनी विभिन्न घटनाओं और रोमांचों के साथ, बारहवीं, तेरहवीं, चौदहवीं, पंद्रहवीं, सोलहवीं, सत्रहवीं और अठारहवीं पुस्तक के कुछ भाग तक फैला हुआ है। दृश्य इलस के स्मारक के पास के मैदान में स्थित है।

# पुस्तक 11.

अब अरोरा टिथोनस के पलंग से उठी, मनुष्यों और अमरों के लिए प्रकाश लेकर; जब यूनान के जहाजों पर कलह उतरी, बृहस्पति द्वारा युद्ध के भयानक संकेतों के साथ भेजी गई। वह यूलिसिस के ऊंचे जहाज पर खड़ी थी, मध्य में, वहां से दोनों ओर चिल्लाने के लिए, या एजैक्स टेलमोन के तंबुओं की ओर, या अकिलीज़ के तंबुओं की ओर, जिन्होंने प्रत्येक छोर पर, अपनी शक्ति पर भरोसा करते हुए, अपने जहाजों को लंगर डाला था। देवी वहां खड़ी थी, और ऊंचे स्वरों में भय और चेतावनी से पुकार रही थी, और प्रत्येक हृदय में दृढ़ संकल्प था अथक युद्ध छेड़ने का; और घर की यादों या वापसी की इच्छा से भी अधिक प्रिय, युद्धक्षेत्र बन गया।

एट्राइड्स ने जोर से चिल्लाते हुए यूनानियों को हथियार उठाने का आह्वान किया; उसने स्वयं अपना चमकीला कवच पहन लिया। उसने सबसे पहले अपने पैरों पर चांदी के क्लिप से जकड़े हुए उत्तम गुणवत्ता वाले कवच को बांधा; अपनी चौड़ी छाती पर सिनीरास द्वारा मित्रता के प्रतीक के रूप में दिया गया कवच धारण किया; क्योंकि साइप्रस द्वीप में उसने ट्रॉय के लिए रवाना होने वाले गौरवशाली बेड़े की अफवाह सुनी थी। और उसने उपहारों के साथ शक्तिशाली राजा की कृपा जीतने का प्रयास किया। उसमें गहरे कांसे की दस पट्टियाँ थीं, बारह शुद्ध सोने की, दस चमकदार टिन की: कांसे के छह अजगर गर्दन की ओर ऊपर की ओर बने थे, उनकी लंबाई फैली हुई थी, प्रत्येक तरफ तीन: रंग में उस धनुष के समान, जिसे शनि के पुत्र ने बादलों में रखा था, मनुष्यों के लिए एक संकेत: फिर उसने अपनी तलवार अपने कंधे पर फेंक दी; सुनहरे जड़े चमके; चांदी का म्यान चमका, सोने की कमरबंद से सुसज्जित; इसके बाद उसने अपनी ढाल ली, जो पूर्ण आकार की, सुगठित और युद्ध में सिद्ध थी; इसके चारों ओर पीतल के दस गोलाकार किनारे थे; बीस चमकीले टिन के उभार थे; और केंद्र में एक गहरे कांसे का था। एक भयानक रूप वाली गॉर्गन का सिर बना हुआ था, जिसके चारों ओर भय और पलायन की आकृतियाँ थीं; यह एक चांदी की बेल्ट से लटक रहा था; और बेल्ट पर कांसे से बना एक अजगर अपनी लचीली परतों को लपेटे हुए था और हर तरफ घूम रहा था, जो एक ही जगह से निकला था। गर्दन, उसका तिहरा सिर। फिर उसने अपने माथे पर अपना ऊँचा हेलमेट रखा, चार शिखरों वाला, दो चोटियों वाला, घोड़े के बालों के पंखों से सजा हुआ, जो योद्धा के सिर से भयभीत होकर हिल

रहा था। फिर उसने पीतल की नोक वाले दो भारी भाले लिए, जो आकाश के मुख पर भयंकर रूप से चमके: पैलास और जूनो ऊपर से गरज रही थीं, माइसेना के धनी स्वामी के सम्मान में।
उन्होंने तुरंत अपने-अपने सारथी को आदेश दिया कि वे अपने रथ को खाई के किनारे रोकें; स्वयं, पैदल, हथियारों से लैस होकर, आगे बढ़े, और भोर से पहले ही शोरगुल मच गया। रथों के आगे बढ़ते हुए, उन्होंने खाई को घेर लिया; रथों के पीछे थोड़ी दूरी पर, वे पीछे-पीछे चले: लेकिन बृहस्पति ने उनकी पंक्तियों में भयंकर भ्रम भर दिया, जिसने स्वर्ग से रक्त से सने वर्षा की बौछार भेजी। अनेक योद्धाओं के आने वाले विनाश के संकेत के रूप में, उन्हें शीघ्र ही अदृश्य छाया में भेज दिया गया। इस बीच, मैदान के नीचे ढलान पर, ट्रोजन सरदार एकत्रित थे; हेक्टर स्वयं, पॉलीडामास, एनेस, जिन्हें ईश्वर के समान श्रद्धा से धारण किया जाता था; एंटनोर के तीन वीर पुत्र, एजेनोर की दिव्य उपस्थिति, पॉलीबस, और स्वर्गिक रूप से सुंदर युवा अकामास। सामने हेक्टर की ढाल का विस्तृत घेरा दिखाई देता था; और जैसे बादलों के बीच अग्नि तारा चमकता है, उज्ज्वल और स्पष्ट, वैसे ही कुछ ही देर में बादलों के आवरण के नीचे छिप जाता है; वैसे ही अब हेक्टर सामने दिखाई देता था, और अब पीछे की ओर जाकर उपदेश देता था। सब कुछ पीतल का बना हुआ था, उसके चमकीले हाथ बृहस्पति की बिजली की तरह चमक रहे थे।
जैसे किसी धनी स्वामी के अनाज के खेत में, प्रतिद्वंद्वी फसल काटने वालों के दल जौ या गेहूँ की कटाई करते हैं; और फसल के गट्ठे तेज़ी से गिरते हैं; उसी प्रकार यूनानियों और ट्रोजनों ने विरोधी पंक्तियों को काटा; और उन्होंने पीछे हटने का विचार भी नहीं किया, बल्कि बराबरी से डटे रहे; जबकि वे, भेड़ियों की तरह, आक्रमण के लिए दौड़ पड़े; कलह की देवी, भयंकर, ने आनंदित होकर देखा; स्वर्गीय शक्तियों में से केवल वही योद्धाओं के साथ मिली; अन्य सभी अनुपस्थित थे; वे शांत भाव से, ओलंपस की गहरी गुफाओं में बने भव्य महलों में विश्राम कर रहे थे। फिर भी, शनि के बादल से घिरे पुत्र ने सभी को कोसा, जिसने ट्रॉय की विजय चाही। उसने उनके क्रोध की परवाह नहीं की; बल्कि सबसे अलग हटकर, अपनी शक्ति के गौरव में, ट्रॉय की दीवारों, ग्रीस के जहाजों, शस्त्रों की चमक, हत्यारों और मारे गए लोगों का अवलोकन किया।

अभी सुबह ही हुई थी और दिन की जवानी छा रही थी, तभी तीरों की बौछार होने लगी और लोग दोनों ओर से तेज़ी से गिरने लगे। लेकिन जब वह घड़ी आई जब जंगल के गहरे कोने में लकड़हारे अपना भोजन तैयार करने लगे और ऊंचे पेड़ों को काटने की मेहनत से थककर, दर्द से कराहते हुए, दोपहर के भोजन की ओर बड़े चाव से मुड़े, तब यूनानी वीरता ने विरोधी पंक्तियों को तोड़ दिया, क्योंकि हर कोई एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर रहा था। सबसे पहले सम्राट एगामेम्नन आगे बढ़ा और बहादुर बिएनोर ने अपने लोगों का रक्षक; और, मुखिया, उसके मित्र और सारथी, ओइलियस के साथ; वह रथ से नीचे कूदकर, चुनौती देते हुए खड़ा हो गया; लेकिन उसकी भौंहों के बीच सम्राट का भाला घुस गया; और पीतल से बंधे हेलमेट ने भी हथियार की नोक को रोकने में कोई काम नहीं आया; हेलमेट और हड्डी के आर-पार भाला चला गया, और सारा दिमाग चकनाचूर हो गया; आगे बढ़ते हुए वह गिर पड़ा। उसने उन्हें वहीं छोड़ दिया, उनके नंगे सीने सफेद चमक रहे थे, उनके हथियार छीन लिए गए थे; और पीछा करते हुए जल्दी से आगे बढ़े

एंटीफस और इसुस, प्रियम के पुत्रों का,
एक नाजायज और एक वैध,
दोनों एक ही रथ पर; नाजायज ने लगाम पकड़ी हुई थी:
उसके बगल में वीर एंटीफस खड़ा था।
जब वे इडा की ऊंचाइयों पर अपने झुंड चरा रहे थे,
उन्हें एक बार अकिलीज़ ने बंदी बना लिया था, और विलो के पौधों से बांध दिया था,
जब तक कि फिरौती के लिए मुक्त नहीं किया गया।
शक्तिशाली सम्राट, एगामेम्नन ने इसुस की छाती में अपना भाला घुसा दिया; उसकी भारी तलवार
एंटीफस के सिर पर
कान के पास गिरी, और उसे उसके रथ से फेंक दिया;
उसने जल्दबाजी में उनके कवच छीन लिए,
जिन्हें वह दोनों को जानता था; क्योंकि उसने उन्हें अक्सर देखा था
जहाजों के पास, जब उन्हें वहाँ बंदी बनाकर लाया गया था
इडा से, तेज कदमों वाले अकिलीज़ द्वारा।

जैसे कोई शेर अपनी मांद में
एक पहाड़ी हिरणी के असहाय बच्चे को पकड़ लेता है,
और आसानी से उनकी हड्डियाँ तोड़ देता है, और अपने मजबूत दांतों से
उनके कोमल जीवन को कुचल देता है; और न ही उनकी माँ, हालाँकि वह पास ही है,
उनकी कोई मदद कर सकती है; क्योंकि वह स्वयं भयानक भय से ग्रस्त होकर, घनी
झाड़ियों और जंगल से भागती है, हाँफती हुई और पसीने से लथपथ, राक्षस की तरह
दौड़ती है; इसलिए किसी भी ट्रोजन ने उन भाइयों की सहायता करने का साहस नहीं
किया, जो स्वयं युद्धप्रिय यूनानियों के भय में थे। इसके बाद पेइसेंडर और साहसी
हिप्पोलोचस, एंटीमाकस के पुत्र (वही मुखिया था, जो पेरिस के सोने और शानदार
उपहारों से बहकाया गया था, जिसने वापसी की सलाह दी थी) हेलेन द्वारा अपने
स्वामी को अस्वीकार करने पर, राजा ने हमला किया; दोनों एक ही रथ पर सवार थे;
लेकिन उनके हाथों से कढ़ाई की हुई लगाम छूट गई थी; वे स्तब्ध खड़े थे; तभी, शेर
की छलांग के साथ, एट्रेस का पुत्र उन पर झपटा; रथ में, वे विनती करते हुए, उसके
घुटनों को थाम लिया; "हे एट्रीयस के पुत्र, हमें दया करो, हमारी जान बचाओ; हमारे
पिता एंटीमाकस के पास पीतल और सोने का अच्छा भंडार है, और उत्तम गढ़ा हुआ
लोहा भी; और यदि उन्हें पता चले कि हम यूनानी जहाजों में अभी भी जीवित हैं, तो वे
इनसे एक बड़ी फिरौती देने को तैयार हैं।"
इस प्रकार वे कोमल शब्दों और आँसुओं के साथ विनती कर रहे थे; परन्तु उन्हें जो
उत्तर सुनाई दिया वह अत्यंत कठोर था; “यदि तुम सचमुच उस एंटीमाकस के पुत्र हो,
जिसने सलाह दी थी, जब महान मेनेलास ट्रॉय आया था, ऋषि यूलिसिस के साथ
राजदूत बनकर, उन दोनों को मारने और उन्हें वापस न आने देने के लिए, तो अब
अपने पिता के अपराध का दंड भुगतो।” उसने कहा, और भाले से सीने में वार करते
हुए पीसांडर धरती पर गिर पड़ा; वह पीछे की ओर गिरा। हिप्पोलोकस भी नीचे कूद
पड़ा; लेकिन एट्रीयस के पुत्र ने भीड़ के बीच अपने हाथ और गर्दन काटकर, खून से
लथपथ सिर को कटोरे की तरह घुमा दिया। उसने इन्हें वहीं छोड़ दिया; और जहाँ
घनी भीड़ रस्साकशी कर रही थी, वहाँ वह उड़ गया, और उसके साथ कवचधारी
यूनानियों की उत्सुक सेनाएँ भी थीं। उन्होंने जल्द ही ट्रोजनों को भागने पर मजबूर कर
दिया, और उन्हें नष्ट कर दिया। पैदल, और घोड़े पर घोड़े; जब मैदान से धूल के घने

बादल उठे, तो घोड़ों के खुरों की गड़गड़ाहट के नीचे से धूल उठी; और सम्राट एगामेम्नन ने उन पर दबाव बनाया, और लगातार मारते हुए, यूनानियों को हथियार उठाने के लिए उकसाते रहे। जैसे घने जंगल में भस्म कर देने वाली लपटें, घूमती हवाओं से इधर-उधर उड़ती हुई, तेजी से झुरमुट गिरता है, आग के प्रचंड प्रवाह के नीचे; इस प्रकार उड़ते हुए ट्रोजन के सिर तेजी से गिरे, आग की शक्ति के नीचे। एगमेम्नन की भुजा;
और यहाँ-वहाँ, युद्ध के दर्रे के पार,
कई खाली रथ बेतरतीब ढंग से घुमाए जा रहे थे
मजबूत गर्दन वाले घोड़ों द्वारा, मार्गदर्शक हाथों से वंचित;
मैदान पर फैले हुए वे, अपनी विधवा पत्नियों की तुलना में
गिद्ध पक्षियों के लिए अधिक स्वागत योग्य दृश्य थे।
लेकिन हेक्टर, युद्ध के कोलाहल और शोर,
और धूल, और रक्त, और नरसंहार से, बृहस्पति पीछे हट गया।
फिर भी एट्रीड्स पर दबाव डाला, यूनानी पीछा करने वाले
उत्सुक चीखों के साथ उत्तेजित करते हुए; डार्डनस के प्राचीन पुत्र इलस की कब्र के पास से गुजरते हुए, मैदान के मध्य में अंजीर के पेड़ की ओर, नगर पर कब्जा करने के लिए बेताब होकर ट्रोजन भाग गए; और जोर-जोर से चिल्लाते हुए, अपने अजेय हाथों से, जो नरसंहार से रंगे हुए थे, एट्रीड्स ने उनके भागने का आग्रह किया। लेकिन जब वे स्केयन द्वार और बलूत के पेड़ तक पहुँचे, तो उन्होंने मोर्चा संभाला और शत्रु के हमले का सामना किया। कुछ खुले मैदान में बिखरे हुए थे; जैसे शेर द्वारा तितर-बितर की गई बछियाएँ। आधी रात को; सब भागते हैं; एक पर मृत्यु का वशोह उतरता है; उसे अपने शक्तिशाली दाँतों से पकड़ लेता है, और पहले उसकी गर्दन तोड़कर चीर देता है, और उसकी आँतों को निगलते हुए उसका खून चाटता है। इस प्रकार सम्राट एगामेम्नन ने उनका पीछा किया, और सबसे पीछे वाले को मार डाला; वे भयभीत होकर भाग गए:
कुछ सिर के बल, कुछ पीछे की ओर, एट्रीड्स के हाथ ने
कई साहसी योद्धाओं को उनके रथ से नीचे फेंक दिया;
वह अपना भाला इतनी तेजी से और भयंकर रूप से लिए हुए था।

लेकिन जैसे ही वह शहर के पास पहुँचा, और ऊँची दीवार के नीचे खड़ा हुआ,
देवताओं और मनुष्यों का पिता
स्वर्ग से उतरा; इडा की झरनों से भरपूर पहाड़ी की सबसे ऊँची चोटी पर वह बैठ गया:
और जब उसका हाथ बिजली को थामे हुए था, उसने सुनहरे पंखों वाली आइरिस को इस प्रकार आदेश दिया:
"जल्दी करो, तेज आइरिस, और हेक्टर को मेरी ओर से यह संदेश पहुंचाओ; उसे आदेश दो कि जब तक अगामेम्नन अग्रिम पंक्ति में उग्र होकर और सैनिकों में मृत्यु का तांडव मचाता हुआ दिखाई दे, तब तक वह युद्ध से दूर रहे, परन्तु बाकी सैनिकों को निडर होकर दृढ़ लड़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित करे; परन्तु यदि एट्रीड्स भाले या तीर से घायल होकर अपने रथ में लौट जाए, तो उसे मुझसे ऐसी शक्ति प्राप्त होगी जिससे वह उसे मार सके, और सूर्य अस्त होने और अंधकार छाने से पहले ही उसे जहाजों तक ले जाया जा सके।" छाया।"
इस प्रकार वह; अपने वचन का पालन करते हुए, ट्रॉय की ओर, इडा की ऊँचाइयों से तेज कदमों वाली आइरिस दौड़ी: घोड़ों और सुसज्जित रथों के बीच, उसने प्रियम के पुत्र, देवतुल्य हेक्टर को पाया, और उसके पास खड़ी होकर उससे इस प्रकार कहा:
हेक्टर, प्रियम के पुत्र, बृहस्पति के समान बुद्धिमान! परिषद में, सर्वव्यापी प्रभु, हेक्टर, मेरे द्वारा तुम्हें यह संदेश भेजते हैं: जब तक अगामेम्नन अग्रिम पंक्ति में क्रोधित होकर, सैनिकों के बीच मृत्यु का तांडव मचाता हुआ दिखाई देता है, तब तक तुम युद्ध से दूर रहना, और निडर होकर बाकी सैनिकों को दृढ़ लड़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित करना; लेकिन यदि एट्रीड्स भाले या तीर से घायल होकर अपने रथ में लौट जाए, तो तुम्हें उससे ऐसी शक्ति प्राप्त होगी कि तुम उसे मार डालोगे, इससे पहले कि वह तुम्हें जहाजों तक ले जाए। सूर्य अस्त हो रहा है, और अंधकार अपनी पवित्र छाया फैला रहा है।
तेज कदमों वाली आइरिस ने कहा और गायब हो गई; लेकिन हेक्टर अपने रथ से धरती पर कूद पड़ा, इधर-उधर पंक्तियों के बीच से गुजरते हुए, भाले लहराते हुए युद्ध के लिए उकसा रहा था। उसके आदेश पर युद्ध-घोषणा गूंज उठी; लहर पीछे हट गई; फिर से उन्होंने यूनानियों का सामना किया: दूसरी ओर यूनानियों ने अपनी सेनाएँ

संगठित कीं, युद्ध की पंक्ति में खड़े हो गए; वे विरोध में खड़े रहे; और सबसे आगे, किसी को भी पीछे हटने को तैयार नहीं, अगामेमन दिखाई दिया।
अब कहो, हे नौ, जो ओलंपस पर निवास करते हो, ट्रोजन और उनके प्रसिद्ध सहयोगियों में से, जिन्होंने सबसे पहले एगामेम्नन का विरोध किया। इफ़िडामस, एंटनोर का वीर पुत्र, बलवान और साहसी; उपजाऊ थ्रेसिया में पला-बढ़ा, भेड़ों की माँ; उसे, उसके बचपन में, उसके दादा सिस्सियस, सुंदर थियानो के पिता, ने अपने महल में पाला-पोसा; और जब वह अपनी गौरवशाली जवानी की चरम सीमा पर पहुँच गया, तब भी वह अपने घर में ही रहा, और उसने अपनी बेटी को उसकी पत्नी को दे दिया; परन्तु जब यूनानी युद्ध की खबर आई, तो उसने विवाह से तुरंत विदा लेकर बारह चोंचदार जहाजों पर सवार होकर प्रस्थान किया, जो उसके प्रभुत्व में थे; उसने उन्हें परकोट के तट पर छोड़ दिया; और स्वयं पैदल ट्रॉय आया; जहाँ उसका सामना एट्रेस के देवतुल्य पुत्र से हुआ।
जब वे निकट आए, तो एट्रीड्स का निशाना चूक गया, उसका भाला दिशा बदल गया; फिर इफीदामास ने कवच के नीचे से, उसकी कमरबंद पर प्रहार करते हुए, अपने बल्ले से हथियार को अंदर धंसाने का प्रयास किया: फिर भी वह कमरबंद की घनी बुनाई को भेद नहीं सका; चांदी की तह से टकराकर भाले की नोक सीसे की तरह मुड़ गई; फिर अपने शक्तिशाली हाथ से सम्राट एगामेम्नन ने भाला छीन लिया, और उसकी ओर खींचकर शेर की ताकत से उसे अपने शत्रु की पकड़ से छुड़ा लिया; फिर उसकी गर्दन पर उसकी तलवार गिर पड़ी, और मृत्यु में उसके अंग शिथिल हो गए। वहाँ, अपने देश के लिए लड़ते हुए, वह सो गया; मृत्यु की लोहे जैसी नींद में; वह दुखी था, अपनी कुंवारी दुल्हन से दूर, फिर भी अभागा, हालाँकि उसे कीमती उपहारों से खरीदा गया था; पहले उसने सौ बैल दिए; और उसने अपने अनगिनत झुंडों में से हज़ारों और भेड़-बकरियाँ देने का वादा किया। एगामेम्नन ने उसके हथियार छीन लिए, और यूनानियों की भीड़ के सामने उन विजय-प्रतिमाओं को ले गया। लेकिन जब एंटनोर के सबसे बड़े बेटे ने देखा, तो सभी लोगों द्वारा देखे जाने वाले कून को अपने भाई के भाग्य पर गहरा दुख हुआ; और एट्रेस के देवतुल्य पुत्र की जानकारी के बिना, एक तरफ खड़े होकर, उसने अपने भाले से उस पर वार किया, उसकी कोहनी के मोड़ के नीचे, उसकी मध्य भुजा में; और उसने हथियार की चमकती नोक को भेद

दिया। पुरुषों का शक्तिशाली राजा दर्द से कराह उठा; फिर भी वह युद्ध से पीछे नहीं हटा, न ही डरा: बल्कि अपने मौसम की मार झेल चुके भाले को मजबूती से पकड़े हुए, वह कून पर झपटा, जैसे ही उसने अपने पिता के पुत्र, इफ़िडामस को पैरों से खींचकर दूर किया, सभी बहादुरों को अपनी सहायता के लिए पुकारा; और जैसे ही उसने शरीर को भीड़ की ओर खींचा, राजा ने मजबूत ढाल के नीचे अपना पीतल का भाला घुसाया और अपने अंगों को ढीला छोड़ दिया। मृत्यु; फिर पास आकर, मृत इफ़िडामस के शव पर, उसका सिर काट डाला: इस प्रकार एट्रीड्स के हाथों, एंटनोर के पुत्रों को, उनकी नियति पूरी होने पर, मृत्यु के घाट उतार दिया गया। फिर भाले और तलवार, तथा विशाल पत्थरों से लैस होकर, भीड़ भरी पंक्तियों के बीच से वह उग्र रूप से आगे बढ़ा, जबकि उसकी बांह से गर्म खून बह रहा था। लेकिन जब घाव सूख गया और खून बहना बंद हो गया, तब एट्रीड्स की तीव्र पीड़ा शांत हो गई। जैसे कोई स्त्री अपनी प्रसव पीड़ा
तीव्र पीड़ाएँ घेर लेती हैं, लुसीना द्वारा भेजी गई,
जो प्रसव पीड़ा पर शासन करती है, यहाँ तक कि इतनी तीव्र
पीड़ाएँ कि तब एट्रीड्स की शक्ति ने वश में कर लिया।
अपने रथ पर सवार होकर उसने अपने सारथी को आदेश दिया
जहाजों की ओर चलाओ; उसका मन अत्यंत व्याकुल था; परन्तु उसने यूनानियों को ऊँची और स्पष्ट आवाज़ में पुकारा: “हे मित्रों, यूनान के सरदारों और सलाहकारों, अब हमारे समुद्री जहाजों की रक्षा करना तुम्हारा कर्तव्य है: क्योंकि परामर्श के स्वामी बृहस्पति, दिनभर यह नहीं चाहते कि मैं युद्ध जारी रखूँ।”
उसने कहा: और उसके चिकने-चमड़ी वाले घोड़े तेज़ी से जहाजों की ओर दौड़े; वे ज़रा भी हिचकिचाए नहीं; उनके सीने झाग से सने थे, उनके किनारे धूल से, मानो वे युद्ध के मैदान से अपने घायल स्वामी को लेकर आए हों: परन्तु हेक्टर ने राजा को जाते देख ट्रोजन और लाइसियनों को ज़ोर से पुकारा:
"ट्रोजन और लाइसियन, और हे प्रसिद्ध डार्डन! निकट युद्ध में, अब पुरुषों की तरह डट जाओ; अपना सामान्य शौर्य दिखाओ; युद्धक्षेत्र से उनके सबसे बहादुर पीछे हट गए हैं, और मुझ पर बृहस्पति ने महान गौरव त्याग दिया है; अब यूनानियों पर सीधे हमला करो, अपने तेज घोड़ों को दौड़ाओ, और अनंत सम्मान प्राप्त करो।"

उनके शब्दों ने हर हृदय में नई हिम्मत जगा दी: और जैसे एक शिकारी अपने नुकीले दांतों वाले कुत्तों को जंगली सूअर या शेर पर, यूनानियों पर हमला करने के लिए उकसाता है, वैसे ही वीर ट्रोजन प्रियम के पुत्र, प्रख्यात हेक्टर, रक्तरंजित मंगल की तरह कठोर, ने उत्साह बढ़ाया। महान कार्यों के लिए दृढ़ संकल्पित, वह स्वयं आगे बढ़ा, बवंडर की तरह जनता पर टूट पड़ा, प्रचंड लहरों से गहरे नीले समुद्र को चीरता हुआ।

तो बताओ, हेक्टर के हाथों सबसे पहले और सबसे अंत में कौन मरा, जिन्हें बृहस्पति ने सम्मान से नवाजना चाहा था? सबसे पहले असायस, फिर ऑटोनस, ओपिट्स, और ओफेल्टियस, क्लिटस का पुत्र डोलोप्स, और एसुम्नस, एगेलस, और ओरस, और बहादुर हिप्पोनस; ये सभी ग्रीस के सरदार थे; अनाम भीड़ को उसने अगले नंबर पर तितर-बितर किया; जैसे जब पश्चिमी हवा बादलों को उड़ा ले जाती है, और तूफान से लड़ती है, नोटस की साफ हवा के सामने से गुजरती है; बड़ी लहरें उठती और लुढ़कती हैं, और ऊपर तक, आंधी, उग्र होकर, समुद्र की फुहार फेंकती है; हेक्टर की शक्ति शत्रुओं के सिरों पर इतनी घनी और भयंकर रूप से गिरती है। अब अगर भयानक कृत्य हो चुके होते, और यूनानी अपने जहाजों के पास शर्मनाक हार में गिर पड़े होते, तो क्या यूलिसिस ने इस प्रकार टाइडियस के पुत्र डायोमेड को नहीं बुलाया होता:

"हे टाइडियस के पुत्र, हम इस प्रकार अपने युद्ध कौशल को क्यों शिथिल कर दें? आओ, मेरे साथ खड़े हो जाओ, मेरे सच्चे मित्र! यदि चमकते पतवार वाले हेक्टर ने हमारे जहाजों पर कब्जा कर लिया, तो यह हमारे लिए बहुत बड़ा अपमान होगा।"

वीर डायोमेड ने उत्तर देते हुए कहा, "मैं तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा और डटा रहूंगा; परन्तु हमारी सफलता क्षणिक होगी, क्योंकि बादलों को विवश करने वाला बृहस्पति, हमें नहीं, बल्कि ट्रोजनों को विजय दिलाना चाहता है।"

उसने कहा, और अपने रथ से थिम्ब्रेअस ने वार किया, जो उसके बाएं स्तन में छेद कर गया: यूलिसिस के हाथ ने उसके सारथी, बहादुर मोलियन को मार डाला। उन्होंने उन्हें वहीं छोड़ दिया, अब और लड़ाई में हिस्सा लेने के लिए नहीं; फिर मुड़कर, भीड़ में भ्रम फैला दिया: जैसे दो सूअर शिकारी के झुंड पर हमला करते हैं, हताश साहस के साथ, इस तरह मुड़कर, वे दोनों, ट्रोजन को तितर-बितर कर देते हैं, जिससे यूनानियों

को, हेक्टर से भागते हुए, फिर से सांस लेने का मौका मिलता है। उन्होंने एक रथ पर कब्जा कर लिया जिसमें दो वीर सवार थे। सरदारों, परकोटियन मेरोप्स के पुत्रों; वह, सर्वोपरि, भविष्यवाणियों के ज्ञान में निपुण, घर पर ही उन्हें जीवन-नाशक युद्ध से बचाना चाहता था: परन्तु वे, प्रतिकूल भाग्य से विवश होकर, अपनी मृत्यु की ओर बढ़ रहे थे, और उन्होंने उसकी चेतावनी भरी आवाज को ठुकरा दिया। ये दोनों, एक ही क्षण में शक्ति और जीवन से वंचित, टाइडियस के पुत्र, वीर डायोमेड, अपने कवच से वंचित; जबकि यूलिसिस ने हिप्पोडामस और साहसी हाइपरोकस का वध किया। इस प्रकार, इडा की ऊँचाई से देखते हुए, बृहस्पति ने अपना समान तराजू रखा, प्रत्येक पक्ष एक दूसरे का वध कर रहा था। फिर टाइडाइड्स ने अपने भाले से पेओन के पुत्र एगास्ट्रोफस को कमर में छेद कर मारा; उसके पास भागने के लिए कोई रथ नहीं था; परन्तु, नासमझी से, उसने अपने घोड़ों को दूर ही परिचारकों के हवाले कर दिया। जबकि वह स्वयं भीड़ के बीच पैदल ही दौड़ पड़ा, और अपनी नियति से मिल गया। हेक्टर ने कतारों के पार एक त्वरित नज़र डाली, और बचाव के लिए, चिल्लाते हुए, वह कूद पड़ा। ट्रोजन की टुकड़ियाँ उसका पीछा कर रही थीं; वीर डायोमेड ने उसके आने को देखा, और अपने बगल में खड़े यूलिसिस से कहा: "हम पर यह विपत्ति, यह शक्तिशाली हेक्टर, आ पड़ा है: फिर भी हम दृढ़ हैं, और साहसपूर्वक इस प्रहार का सामना करते हैं।" उसने कहा, और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका, और व्यर्थ नहीं गया; हेक्टर के सिर पर यह प्रहार हुआ, उसके हेलमेट के शिखर पर, लेकिन पीतल से पीतल टकराने के कारण, यह उस तक नहीं पहुंचा; क्योंकि अपोलो का उपहार, तिरछी परतों वाला हेलमेट, इसकी शक्ति को रोक रहा था। फिर भी हेक्टर भीड़ के बीच पीछे की ओर उछला, और अपने घुटनों के बल गिर पड़ा, उसका मजबूत हाथ जमीन पर टिका हुआ था; जब अंधेरा उसकी आँखों पर छा गया। लेकिन इससे पहले कि टाइडाइड्स, अपने भाले का पीछा करते हुए, दूर से उस स्थान तक पहुँच पाता जहाँ वह गिरा था, हेक्टर पुनर्जीवित हो उठा, और तेज़ी से अपने रथ पर सवार होकर, भीड़ के बीच से निकल गया, और मृत्यु के भाग्य से बच निकला। फिर इस प्रकार, धमकी भरे भाले के साथ, टाइडाइड्स चिल्लाया: "एक बार फिर, नीच कुत्ते, तू बच निकला; तेरा अंत निकट था; लेकिन तेरे ईश्वर ने तुझे बचा लिया है, फोएबस, भालों की खड़खड़ाहट के बीच, तू उससे प्रार्थना कर सकता है! हम अभी भी

फिर मिलेंगे; जब मैं तुम्हारा अंत करूँगा, यदि मैं भी किसी संरक्षक ईश्वर पर दावा कर सकूँ; तब तक मैं तुमसे मुँह मोड़ लेता हूँ, और दूसरों की तलाश करता हूँ जिन पर मेरा भाग्य चमके।
उसने कहा, और पेओन के पुत्र को अपने हथियारों से मुक्त करने के लिए मोड़ दिया; लेकिन उस पत्थर के पास, जो उस स्थान को चिह्नित करता था जहाँ प्राचीन काल में लोगों ने इलस, डार्डन के पुत्र, प्राचीन सरदार के लिए एक टीला बनाया था, वहाँ दुबका हुआ, पेरिस, सुनहरे बालों वाली हेलेन का स्वामी, टाइडियस के पुत्र के विरुद्ध अपना धनुष ताने बैठा था। उसने बहादुर अगास्ट्रोफस की छाती से कवच उतार लिया था; उसके चौड़े कंधों से ढाल और उसके सिर से हेलमेट उतार लिया था, जब पेरिस ने अपना धनुष ताना, और व्यर्थ नहीं, उसका तीर चला; टाइडाइड्स के दाहिने पैर ने उसे छेद दिया और उसे ज़मीन पर गाड़ दिया। वह खुशी से हँसा और अपने छिपने की जगह से उछल पड़ा और विजयगान करते हुए चिल्लाया:
"तुम्हें मिल गया! मेरा तीर व्यर्थ नहीं गया! काश, तेरी बगल में गहराई तक धंसकर यह तेरे जीवन को छू लेता! तो हमारे ट्रोजन अपना भय खो देते, जो अब तुझ पर डर से, शेर पर मिमियाती बकरियों की तरह देख रहे हैं।"
जिस पर वीर डायोमेड ने अविचलित होकर कहा: "बेचारे धनुर्धर, केवल अपने धनुष पर भरोसा करते हुए, हे नीच निंदक और बहकाने वाले! यदि सचमुच तू मुझसे हथियार उठाकर लड़ने का साहस करता, तो तेरे तीर और धनुष व्यर्थ होते: और अब, क्योंकि तेरे बाण ने मेरे पैर को छू लिया है, तू अपना खोखला घमंड करता है: मैं तेरी परवाह नहीं करता, किसी स्त्री या कमजोर बच्चे से भी अधिक: एक बेकार कायर के हथियार का कोई अर्थ नहीं होता। मेरे साथ तो बिल्कुल अलग बात है! चाहे वह कितना भी हल्का क्यों न हो।" गिरना,
मेरा भाला तेज है, और जिसे यह लगता है, उसे मार डालता है।
उसकी विधवा के गाल शोक के निशानों से भरे हैं,
उसके बच्चे अनाथ हैं; जमीन पर सड़ रहे हैं,
उसके खून से लाल, वह पड़ा है, उसके अंतिम संस्कार
गिद्धों द्वारा किए गए, न कि स्त्रियों द्वारा।

इस प्रकार जब वह बोल रहा था, तभी वीर भालाधारी यूलिसिस पास आया और उसके सामने खड़ा हो गया; वह पीछे से सुरक्षित होकर बैठ गया और उसके पैर से तीर निकला; जिससे उसके पूरे शरीर में तीव्र पीड़ा हुई; और अपने रथ पर सवार होकर उसने अपने वफादार सारथी को जल्दी से जहाजों की ओर चलने का आदेश दिया, क्योंकि पीड़ा ने उसकी आत्मा को क्षुद्र कर दिया था। यूलिसिस अकेला खड़ा था; सभी यूनानियों में से उसके अलावा कोई नहीं था; सभी भयभीत थे: फिर व्याकुल मन से उसने इस प्रकार कहा: "मैं कितना दुखी हूँ! मैं कौन सा रास्ता चुनूँ? शत्रुओं की भारी संख्या से भयभीत होकर भाग जाना वास्तव में बुरा होगा; फिर भी इससे भी बुरा होगा कि मैं यहाँ अकेला पकड़ा जाऊँ; और शनि के पुत्र ने अन्य यूनानियों को भय से भर दिया है। फिर भी, हे मेरी आत्मा, ऐसे विचार क्यों आने दो? मैं जानता हूँ कि कायर युद्ध से भाग जाते हैं; लेकिन जो योद्धा कहलाने का दावा करता है, उसे सीखना चाहिए, चाहे घायल हो या घायल करने वाला, दृढ़ता से डटे रहना चाहिए।" खड़े हो जाओ।" जब वह अपने मन और आत्मा में इस प्रकार विचार कर रहा था, ट्रोजन की ढालधारी पंक्तियाँ आगे बढ़ीं, और उन्हें नुकसान पहुँचाने के लिए, उन्हें चारों ओर से घेर लिया। जैसे जब कोई सूअर, कुत्तों और बलवान युवकों द्वारा हमला किए जाने पर, आश्रय देने वाली झाड़ियाँ छोड़ जाती हैं, और उसके घुमावदार जबड़ों के बीच चमकते हुए दांतों को तेज करती हैं; वे उसके चारों ओर भीड़ लगा लेते हैं, भले ही उसके खड़खड़ाते दांत गूंजते हों, और, चाहे यह कितना भी भयानक क्यों न हो, उसके हमले की प्रतीक्षा करते हैं: उसी प्रकार बृहस्पति के प्रिय यूलिसिस के चारों ओर ट्रोजन जमा हो गए; उसने भाला लहराते हुए छलांग लगाई और ऊपर से कंधे में वार करके डियोपीट्स को घायल कर दिया: इसके बाद उसने एननोमस को मार डाला; फिर अपने भाले से चेर्सिडामास को, जो अपने रथ से उतरने की कोशिश कर रहा था, उसकी ढाल के नीचे कमर में वार किया: धूल में लोटते हुए, उसने खून से सनी मिट्टी को पकड़ लिया। फिर वह मुड़ा और अपने भाले से चारोप्स को घायल कर दिया, जो उच्च कुल के सोकस का भाई और हिप्पासुस का पुत्र था। फिर वह आगे बढ़ा, अपने भाई, देवतुल्य सोकस की सहायता के लिए; वह यूलिसिस के सामने खड़ा हुआ और उससे इस प्रकार बोला: "हे प्रसिद्ध यूलिसिस, शस्त्रों और छल-कपट में निपुण, आज तू बिना थके हिप्पासुस के दोनों पुत्रों, दो पराक्रमी योद्धाओं को मार गिराकर और उनके कवच

लूटकर अपनी शेखी बघारेगा, वरना मेरे भाले से तू स्वयं अपना प्राण खो देगा।" उसने कहा और ढाल के चौड़े घेरे पर प्रहार किया: "चमकीली ढाल को भेदते हुए, मजबूत हथियार ने वार किया, और अलंकृत कमरबंद को भेदते हुए..." पसलियों से मांस फट रहा था; लेकिन पल्लास ने उसे पकड़ लिया, और उसे महत्वपूर्ण अंगों से दूर कर दिया। यूलिसिस जानता था कि घाव जानलेवा नहीं था, और वह पीछे हट गया, और सोकस को पुकारा:
"दुर्भाग्यशाली! तेरा भाग्य अब तुझे मिल चुका है; तूने मुझे कुछ समय के लिए युद्ध से रोका था; परन्तु आज मैं तुझे शीघ्र विनाश और अंधकारमय मृत्यु का आदेश देता हूँ: तेरे वश में होने से मुझे महान गौरव प्राप्त होगा, और पाताल लोक तेरी आत्मा को ले जाएगा।"
इस प्रकार वह: और सोकस, मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा; लेकिन जैसे ही उसने उसे घुमाया, यूलिसिस का भाला उसकी गर्दन के पीछे, कंधों के बीच से होकर उसके सीने में जा लगा; गड़गड़ाहट के साथ वह गिर पड़ा, और उसके गिरने पर यूलिसिस ने शेखी बघारते हुए कहा:
"सोकस, हे योद्धा हिप्पासुस के पुत्र, तूने यहाँ अपना भाग्य पा लिया है, और तू इससे बच नहीं सका। हे दुर्भाग्यशाली! न तो तेरे पिता का हाथ, न ही माता का, तेरी हड्डियों को उठाएगा, बल्कि गिद्ध पक्षी तेरे ऊपर अपने घातक पंख फड़फड़ाएंगे और तेरे क्षत-विक्षत शरीर को नोंच डालेंगे; मेरे लिए, जब भी मैं मरूँ, यूनान के पुत्र मेरी अंत्येष्टि की चिता बनाएंगे।" सोकस ने बोलते ही अपने शरीर और ढाल से भाला निकाला; और जैसे ही उसने उसे बाहर निकाला, उसमें से एक धारा बह निकली। उसका रक्त, तीव्र पीड़ा के साथ। जब ट्रोजनों ने यूलिसिस का रक्त देखा, तो वे शोरगुल करते हुए आगे बढ़े; वह पीछे हटते हुए अपने साथियों को बुलाने के लिए ज़ोर से चिल्लाया; जितना ज़ोर से कोई मनुष्य सह सकता था, उसने तीन बार चिल्लाया; और तीन बार उसकी चीख योद्धा मेनेलास ने सुनी, और इस प्रकार अपने बगल में खड़े एजैक्स से उसने कहा:
"हे टेलमोन के स्वर्ग-जन्मे पुत्र, अजाक्स, हे महान पुरुषोत्तम, मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं बलवान यूलिसिस की आवाज सुन रहा हूँ, मानो वह अकेला रह गया हो, और इस कठिन लड़ाई में सहायता से वंचित हो गया हो, और ट्रोजनों द्वारा पराजित हो गया हो।

तो जल्दी करो, क्योंकि यही सर्वोत्तम होगा कि हम उसकी तुरंत सहायता करें। यद्यपि वह बहादुर है, फिर भी अकेला रह गया है, मुझे डर है कि हम यूनानियों को उसके जाने का बहुत शोक मनाना पड़ेगा।"
वह बोला और मार्ग का नेतृत्व किया; देवतुल्य सरदार ने उसके पदचिह्नों का अनुसरण किया: बृहस्पति के प्रिय यूलिसिस को उन्होंने ट्रोजन सेना से घिरा पाया, जैसे पहाड़ की ढलान पर भूखे सियार एक हिरण के चारों ओर मंडराते हैं, जिसे एक धनुर्धर के हाथ से चोट लगी है, फिर भी जब उसका खून गर्म था और उसके अंग अभी भी काम कर रहे थे, उसने पीछा करने वालों को चकमा दिया; लेकिन जब घातक तीर ने उसकी शक्ति छीन ली, तो जंगल की छाया के नीचे खून के प्यासे सियारों ने अपने शिकार को पकड़ लिया; फिर अगर संयोग से कोई भूखा शेर गुजरे, तो सियार डर के मारे पीछे हट जाते हैं, जबकि वह अपने शिकार को खा जाता है; इस प्रकार यूलिसिस, जो परिषद में एक बुद्धिमान व्यक्ति था, के चारों ओर कई और बहादुर ट्रोजन घिरे हुए थे, फिर भी उसने भाला हाथ में लिए उस घातक घड़ी को बहादुरी से टाल दिया; जब तक कि अपने मीनारनुमा ढाल को आगे लिए हुए महान एजैक्स प्रकट नहीं हुआ और उसके बगल में खड़ा हो गया। तब ट्रोजन इधर-उधर भागने लगे; जबकि भीड़ में से योद्धा मेनेलास ने सहारा देते हुए उसका नेतृत्व किया। आगे बढ़ो, जब तक उसका सेवक अपने रथ के साथ पास नहीं आ गया। फिर एजैक्स ने ट्रोजनों पर हमला करते हुए डोरिक्लस, शाही प्रियम के नाजायज बेटे को मार डाला; इसके बाद उसने पिरासस, पांडोकस, लाइसेंडर और पाइलार्टेस को मारा; जैसे कोई धारा, स्वर्ग की वर्षा से उफनती हुई, पहाड़ियों से मैदान पर अपनी शीतकालीन धारा बहाती है; और कई मुरझाए हुए बलूत के पेड़, और कई चीड़ के पेड़, बहकर आई लकड़ियों के ढेर के साथ, समुद्र में बहा ले जाती है; वैसे ही प्रख्यात एजैक्स मैदान पर छा गया, आदमियों और घोड़ों को उलटते हुए; हालाँकि हेक्टर के लिए अज्ञात था; वह, स्कैमंडर के तट पर, युद्धक्षेत्र के सबसे बाएं छोर पर युद्ध कर रहा था, जहाँ महान नेस्टर और योद्धा राजा इडोमेनियस के चारों ओर, जब सैनिक तेजी से गिर रहे थे, तब अदम्य युद्धघोष कर रहे थे। इनके बीच हेक्टर अद्भुत कार्य कर रहा था, भाले और रथ से विरोधी युवकों को परास्त कर रहा था; फिर भी यूनानियों ने अपनी स्थिति बनाए रखी थी, लेकिन देवदूत पेरिस, सुनहरे बालों वाली हेलेन के स्वामी, ने दाहिने कंधे में

तीन कांटेदार बाण से वार किया, जैसे वह मोर्चे पर लड़ रहा था। माचोन को शांत किया गया:
उसके लिए योद्धा यूनानी बहुत भयभीत थे
कहीं ऐसा न हो कि युद्ध रेखा पीछे हटते ही वह शत्रु के हाथों छूट जाए; तब
इडोमेनियस ने नेस्टर को संबोधित करते हुए कहा:
"हे नेलियस के पुत्र नेस्टर, ग्रीस के गौरव, जल्दी से अपने रथ पर सवार हो जाओ और माचोन को अपने साथ ले जाओ; जहाजों की ओर तेजी से दौड़ते घोड़ों को ले जाओ; उसका भाग्य अनेकों के लिए मूल्यवान है, वह कुशल जोंक है, जो अपने अनुभवी हाथों से जानता है, कि कैसे बाँट निकालनी है और औषधि लगानी है।"
उसने कहा: गेरेनियन नेस्टर ने यह सुनकर अपने रथ पर सवार होकर, माचोन को अपने साथ लेकर, ऋषि एस्कुलैपियस के पुत्र, कुशल जोंक की तरह, अपने घोड़ों को छुआ; और यूनानी जहाजों की ओर, जैसा उसका इरादा था, बिना किसी हिचकिचाहट के, वे उड़ गए।
तब सेब्रिओनेस, जिसने ट्रोजनों के अधिकार को भ्रमित देखा, हेक्टर के पास आया और कहा:
"हेक्टर, हम यहाँ, मैदान के बाहरी इलाके में, यूनानियों पर विजय प्राप्त कर रहे हैं; दूसरी ओर, हमारे मित्र, अजीबोगरीब अव्यवस्था में, घोड़े और सैनिक, खदेड़े जा रहे हैं; उनके बीच एजैक्स आतंक फैला रहा है, तेलमोन का पुत्र; मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ, और उसकी चौड़ी ढाल को भी; फिर हम सीधे अपने रथ को वहाँ ले जाते हैं, जहाँ घोड़े और पैदल सैनिक आपस में एक-दूसरे का वध कर रहे हैं, और युद्ध का नारा बेरोकटोक गूंज रहा है।"
उसने कहा, और लचीली चाबुक से उसने चिकनी चमड़ी वाले घोड़ों को छुआ; आवाज़ सुनकर उछलते हुए, यूनानियों और ट्रोजनों के बीच, हल्के-फुल्के होकर वे उड़ते हुए रथ को ले गए, मारे गए लोगों के शवों और टूटी ढालों को रौंदते हुए; नीचे सब कुछ खून से लथपथ था - धुरी और रेलगाड़ियाँ; रथ के चारों ओर, जैसे घोड़ों के पैरों से, और पहियों के किनारों से खून के छींटे गिरे; फिर भी वह आगे बढ़ता रहा, पुरुषों के संघर्ष में शामिल होने और विरोधी पंक्तियों को तोड़ने के लिए। उसके आने से यूनानियों में भ्रम फैल गया, उसने कुछ देर के लिए अपना भाला रोक लिया; फिर

बाकी बचे लोगों के बीच से, तलवार, भाले और भारी पत्थरों के साथ वह टूट पड़ा, लेकिन एजैक्स टेलमोन की शक्ति से बच निकला।
लेकिन उच्च सिंहासन पर विराजमान बृहस्पति ने एजैक्स की आत्मा को भयभीत कर दिया; वह भयभीत होकर खड़ा रहा; उसने अपनी सात गुना ढाल को अपनी पीठ के पीछे फेंक दिया, और कांपते हुए भीड़ पर टकटकी लगाई; फिर, किसी शिकारी जानवर की तरह, वह धीरे-धीरे कदम बढ़ाते हुए, अनिच्छा से मुड़ा। जैसे जब देहाती युवक और कुत्ते रात भर पहरा देते हुए किसी भूरे शेर को उसके शिकार से दूर भगा देते हैं; मांस के लिए भूखा वह फिर भी प्रयास करता है, लेकिन व्यर्थ: क्योंकि कई भाले, शक्तिशाली भुजाओं द्वारा फेंके गए, उसके चेहरे पर पड़ते हैं, और जलती हुई लकड़ियाँ, जो उसके साहस को तोड़ देती हैं; जब तक कि भोर होते ही वह अनिच्छा से पीछे हट जाता है। ट्रोजन एजैक्स मुड़ा, अनिच्छुक, ग्रीस के जहाजों के लिए डरते हुए। जैसे किसी खेत के पास, एक जिद्दी गधा, जिसकी बगलों पर कई लाठियाँ टूट चुकी थीं, अपने युवा मार्गदर्शकों पर हावी हो जाता है, और अंदर जाकर, समृद्ध चारे पर चरने लगता है; जबकि लड़के अपने लाठियों से वार करते हैं, लेकिन उनकी तुच्छ शक्ति व्यर्थ है, फिर भी जब वह पूरी तरह से खा चुका होता है, तो उसे आसानी से भगा देता है: यहाँ तक कि महान एजैक्स, टेलमोन का पुत्र, वीर ट्रोजन और उनके प्रसिद्ध सहयोगियों को, उसकी ढाल पर प्रहार करते हुए, उनके सामने से भगा देता है: फिर भी वह कभी-कभी, एकजुट होकर, ट्रोजन सेना को रोक लेता है; फिर भागने लगता है, फिर भी जहाजों के मार्ग को अवरुद्ध करता रहता है। ट्रोजन और यूनानियों के बीच में वह अडिग खड़ा रहता है; कई भाले, शक्तिशाली हथियारों द्वारा फेंके गए, उड़ान भरते हुए उसकी चौड़ी ढाल पर आ गिरे; और कई, अपने जीवित लक्ष्य तक पहुँचने से पहले ही, मैदान के बीच में गिर पड़े, खून की प्यास में व्यर्थ ही जमीन में धंस गए। इस प्रकार, भारी संख्या में फेंके गए भालों से बुरी तरह घिरे हुए, यूरिपिलस, यूएमोन के कुलीन पुत्र को देखा। वह तेजी से आगे बढ़ा और अपने चमकते भाले का निशाना साधा; और फाउसियस के कुलीन पुत्र एपिसन ने कमर के नीचे से जिगर में वार किया, और तुरंत ही उसकी मृत्यु हो गई। यूरिपिलस लूट का माल लेने के लिए आगे बढ़ा: लेकिन देवत्व के समान पेरिस ने देखा, और जैसे ही वह एपिसन के शव से अपने हथियार उतारने के लिए झुका, उसने यूरिपिलस पर अपना धनुष ताना, और उसकी

दाहिनी जांघ में तीर मार दिया; घायल अंग को अपंग करते हुए, घाव में तीर घुस गया। वह अपने मित्रों के बीच, मृत्यु से बचते हुए, पीछे हट गया, और उसने तीखे स्वर में यूनानियों को पुकारा:
"हे ग्रीस के मित्रों और सलाहकारों, एक बार फिर मुड़ो, और मृत्यु के खतरे से महान एजैक्स को बचाओ, जो शत्रुतापूर्ण भालों से बुरी तरह घिरा हुआ है: मुझे शायद ही उम्मीद है कि वह इस हताश लड़ाई से बच पाएगा; फिर भी बहादुरी से खड़े रहो, और टेलमोन के पुत्र, शक्तिशाली एजैक्स की सहायता करो।"
इस प्रकार घायल वीर ने कहा: उसके चारों ओर झुकी हुई ढालों और उठे हुए भालों के साथ वे खड़े थे: एजैक्स उनसे मुकाबला करने आया; और जब वह मित्र पंक्तियों तक पहुँचा, तो उसने फिर से घेराबंदी करने के लिए मुड़ गया। इस प्रकार भयंकर युद्ध धधकती आग की तरह भड़क उठा।
इस बीच, पसीने से तर नीलियस की घोड़ियाँ नेस्टर और माचोन को मैदान से लेकर आईं; अकिलीज़ ने उन्हें देखा और जहाँ वह खड़ा था वहीं से उन्हें पहचान लिया, अपने ऊँचे जहाज़ के अगले हिस्से पर, और उसने देखा कि कितना कष्ट और कितनी दयनीय हार हुई। फिर उसने जहाज़ से अपने मित्र पेट्रोक्लस को पुकारा; उसने उसकी आवाज सुनी, और वह तंबू से मंगल ग्रह की तरह बाहर आया: (उस दिन से उसके बुरे भाग्य का आरंभ हुआ) और इस प्रकार मेनोएटियस के महान पुत्र ने शुरुआत की:
"तुम मुझे क्यों बुला रहे हो? पेलियस के पुत्र, तुम क्या चाहते हो?" इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "मेनोएटियस के पुत्र, मेरे प्रियतम, शीघ्र ही, याचना करने वाले यूनानियों को मेरे समक्ष घुटने टेकने होंगे, उनकी आवश्यकता अब असहनीय है। परन्तु अब जल्दी करो, बृहस्पति के प्रिय पेट्रोक्लस: युद्ध के मैदान से नेस्टर से पूछो कि वह किसे घायल लेकर आया है: पीछे से देखने पर वह एस्कुलैपियस के पुत्र, माचोन जैसा लग रहा था; परन्तु उसका चेहरा मैं नहीं देख सका।" देखो, उत्सुक घोड़े इतनी तेजी से आगे निकल गए।
उसने कहा: अपने मित्र के आदेश का पालन करते हुए, पैट्रोक्लस तुरंत तंबुओं और जहाजों की ओर भागा।

जब वे नीलियस के पुत्र के तम्बू में पहुँचे, तो वे ज़मीन पर उतरे; यूरीमेडोन ने बूढ़े आदमी की घोड़ियों को रथ से अलग किया, और समुद्र तट पर ठंडी हवा का सामना किया, जिससे उनके कपड़ों से पसीना सूख गया; फिर वे मुड़े और तम्बू में आराम से बैठ गए। उनके लिए सुनहरे बालों वाली हेकामेडे ने एक सुखदायक औषधि तैयार की। उसे टेनेडोस से लाया गया था, जब अकिलीज़ उसे ले गया था, तब वह बूढ़ा व्यक्ति उसे लाया; महान आर्सीनस की पुत्री, जिसे यूनानियों ने अपने सबसे बुद्धिमान सलाहकार को सौंपा था। उसने सबसे पहले उनके सामने एक सुंदर मेज बिछाई, अच्छी तरह से पॉलिश की हुई और ठोस कांसे के पैरों वाली; इस पर उसने एक पीतल का पात्र रखा, और प्याज, शराब के स्वाद के लिए, और हल्का साफ शहद, और शुद्ध जौ का आटा: इनके साथ एक शानदार प्याला, जिसे वह बूढ़ा व्यक्ति घर से लाया था, सोने के स्टड से जड़ा हुआ। सुशोभित: इसके चार हैंडल थे, और प्रत्येक के चारों ओर दो कबूतर भोजन करते हुए प्रतीत होते थे; दोनों सिरों पर एक प्याला। जब यह भरा होता था, तो शायद ही कोई इसे तख्ते से हटा पाता था। लेकिन बूढ़े नेस्टर ने आसानी से उठ खड़े हुए। इसमें, उनकी देवी जैसी परिचारिका ने पहले प्रामनियन शराब की एक उदार मात्रा मिलाई: फिर पीतल के कद्दूकस से बकरी के दूध का पनीर और सबसे सफेद जौ का आटा कद्दूकस किया, और उस मिश्रण को उन्हें पीने के लिए कहा। उन्होंने पिया, और फिर, प्यास से राहत पाकर, उन्होंने आपस में बातचीत करते हुए समय बिताया। दिव्य द्वार के सामने पेट्रोक्लस खड़े थे: बूढ़े ने उन्हें देखा, और अपनी सीट से उठे, और उनका हाथ पकड़कर उन्हें अपने साथ ले गए। और उसे बैठने के लिए कहा; परन्तु उसने इनकार करते हुए कहा:
"हे आदरणीय महाराज, मेरे लिए कोई स्थान नहीं! मुझे यहाँ नहीं रुकना चाहिए; क्योंकि जिसने मुझे यहाँ पूछताछ करने भेजा है, वह भय और आदर दोनों का पात्र है। मुझे पूछने की आवश्यकता नहीं है कि आपके पास कौन घायल व्यक्ति है; मैं माचोन को अच्छी तरह जानता हूँ, वह उसके लोगों का रक्षक है। मेरा काम पूरा हो गया है, मुझे अपना संदेश अकिलीज़ तक पहुँचाना होगा; और आप स्वयं जानते हैं, हे आदरणीय महाराज, उसका मिजाज कितना कठोर है: कभी-कभी तो वह वहाँ भी दोषारोपण करता है जहाँ दोषारोपण का कोई कारण नहीं होता।"

जिस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "अकिलीज़ को यूनानियों के प्रति दया कहाँ से आती है? क्या वह नहीं जानता कि ट्रोजन हथियारों से घायल हुए लोगों के प्रति क्या करुणा है? शिविर में किस हद तक पीड़ा व्याप्त है? जहाजों में, तीर या भाले से घायल होकर, हमारे सभी सर्वश्रेष्ठ और वीर कैसे पड़े हैं? टाइडियस का वीर पुत्र, डायोमेड, एक बाण से भेदा गया; यूलिसिस एक भाले से, और स्वयं एगामेम्नन; यूरिपिलस एक तेज तीर से जांघ में छेद कर मारा गया; और यहाँ एक और है, जिसके बारे में मैं अभी बात कर रहा हूँ।" लाओ,
युद्ध के मैदान से धनुष द्वारा भेदा गया:
अकिलीज़, अपनी वीरता के बावजूद, यूनानियों के दुखों के लिए न तो परवाह करता है और न ही दया महसूस करता है।
वह तब तक प्रतीक्षा करता है, जब तक कि समुद्र के किनारे हमारे जहाज,
हमारी अवहेलना के बावजूद, शत्रुतापूर्ण आग से जल न जाएं,
और हम अकेले ही मारे न जाएं? अब वह शक्ति मेरी नहीं है,
जिस पर मैंने कभी सक्रिय अंगों का दावा किया था।
काश, ऐसी जवानी और जोश अभी भी मेरे पास होता,
जैसा कि मवेशी चोरी के छापे के दौरान
हमने एलियंस से लड़ाई की थी; मैंने एलीस में रहने वाले वीर हाइपरोकस के पुत्र इटिमोनियस को मार डाला; और अपना लूटा हुआ माल लेकर भागा। उसने झुंड की रक्षा करने की कोशिश की; लेकिन मेरे हाथ से एक भाला उसकी सबसे आगे वाली पंक्ति में लगा: वह गिर पड़ा, और देहाती भीड़ में दहशत फैल गई। हम मैदान से लूट का भरपूर माल लेकर भागे: पचास सींग वाले मवेशियों के झुंड; उतनी ही भेड़ों के झुंड, उतने ही सूअरों के झुंड, उतने ही दूर-दूर तक फैले बकरियों के झुंड, और तीन गुना अधिक सुनहरे शाहबलूत। घोड़ियां, कई बछड़े अपनी माताओं के साथ दौड़ रहे थे। इन्हें हम रात में नेलियस के शहर पाइलोस ले गए; और इससे नेलियस का दिल बहुत प्रसन्न हुआ कि मैंने, हालांकि मैं युद्ध में नया था, इतना बड़ा पुरस्कार जीता। सुबह होते ही, स्पष्ट आवाज वाले दूतों ने पुकारा, उन सभी के लिए जिन पर एलिस का कर्ज था; इस प्रकार एकत्रित होकर, पाइलोस के प्रमुख पुरुष विभाजित हो गए: क्योंकि एलिस पर हमारा बहुत कर्ज था; पाइलोस में हम कुछ ही लोगों ने ऐसे अन्याय

सहे थे। वर्षों पहले हमारे नगर पर आक्रमण हुआ था, और हमारे सभी वीर योद्धा मारे गए थे। नेलियस के बारह वीर पुत्र थे; इनमें से मैं अकेला बचा था; बाकी सब चले गए थे। इसी कारण अहंकारवश, एपियाई लोगों ने हमारा अपमान किया और हमारे साथ हिंसा की। अब बैलों का एक झुंड और भेड़ों का एक बड़ा समूह, बूढ़े व्यक्ति ने अपने लिए चुना, तीन सौ भेड़ें, उनके चरवाहों सहित; क्योंकि एलिस की ओर से उसे भारी मुआवजा मिलना था। दौड़ के लिए प्रशिक्षित चार घोड़े, उनके साथ कारें,
उसने एलीन खेलों में तिपाई के लिए
दौड़ाने के लिए भेजा था; इन औगेस, मनुष्यों के राजा,
ने इन्हें रोक लिया, और चालकों को घर लौटने का आदेश दिया,
बिना जूते के, और अपने घोड़ों के नुकसान पर शोक मनाते हुए।
बूढ़े व्यक्ति ने उसके शब्दों और उसके कार्यों का विरोध करते हुए,
बड़ी मात्रा में लूट का माल अपने पास रखा; बाकी भीड़ में
बाँट दिया, ताकि कोई भी अपना उचित हिस्सा न खो दे।
हमने इनका शीघ्र ही निपटारा कर दिया, और देवताओं को
उचित भेंट चढ़ाई; लेकिन जब तीसरा दिन आया,
तो वे सभी जल्दी में, बड़ी संख्या में, घोड़े और हमारे शत्रु लौट आए; उनके साथ मोलियन जुड़वाँ भी थे, जो अभी लड़के ही थे, युद्ध कलाओं से अनभिज्ञ। दूर, अल्फ़ियस के तट पर, रेतीले पाइलोस के सबसे बाहरी किनारे पर, एक ऊँचा टीला है, जहाँ थ्रियम शहर स्थित है; जिसके चारों ओर, उसकी दीवारों को ध्वस्त करने के इरादे से, उनकी सेना ने डेरा डाला हुआ था। वे पहले ही मैदान पर फैल चुके थे; तभी ओलंपस की ऊँचाइयों से पल्लास जल्दी से नीचे आई और हम सभी को युद्ध के लिए तैयार होने का आदेश दिया। उसका संदेश अनसुना नहीं रहा। गिर पड़ा, लेकिन सभी युद्ध के लिए उत्सुक थे; सिवाय मुझे, हथियार उठाने से नेलियस ने मना किया, और मेरे घोड़ों को भी छिपा लिया, यह सोचकर कि मैं अभी युद्ध के लिए अपरिपक्व हूँ। फिर भी, हालांकि पैदल, पल्लास की कृपा से, मैंने अपने सबसे श्रेष्ठ घोड़े से भी ऊँचा नाम प्राप्त किया। वहाँ एक नदी है, जिसका नाम मिनिस है, एरेन के पास, समुद्र में बहती है, जहाँ हम, पाइलियन घुड़सवार, सुबह की प्रतीक्षा में, डेरा डाले हुए थे, और पैदल सैनिकों की टुकड़ियाँ जल्दी ही हमसे जुड़ गईं। फिर वहाँ से पूरी तेज़ी से आगे

बढ़ते हुए, सभी हथियार लेकर, हम दोपहर तक अल्फियस की पवित्र धारा पर पहुँच गए। वहाँ, सर्वशक्तिमान बृहस्पति को हमने भेंट चढ़ाई, अल्फियस और नेपच्यून को एक-एक बैल, नीली आँखों वाली देवी पल्लास को एक सुंदर बछिया, और हमने व्यवस्थित पंक्तियों में अपना शाम का भोजन किया। फिर नदी के किनारे, हम सब हथियार लेकर आराम करने के लिए लेट गए; क्योंकि हमारे ठीक बगल में ही एपियन लोग शहर को नष्ट करने पर तुले हुए थे। तब उन्होंने युद्ध के महान कारनामे देखे; क्योंकि हम, सूर्य के प्रकाश की तरह, पृथ्वी, जो बृहस्पति और पल्लास से प्रार्थना कर रही थी, ने युद्ध दिया। लेकिन जब पाइलियन और एपियन मिले, तो मैंने सबसे पहले एक योद्धा को मार डाला और उसका रथ छीन लिया, बहादुर भालाधारी, मुलियस; औगेस का दामाद, उसकी सबसे बड़ी बेटी का पति, अगामेडे, सुनहरे बालों वाला, जो सभी गुणों को जानता था, हर औषधीय जड़ी बूटी का जो इस विशाल दुनिया में उगती है। मैंने उसे अपने पीतल की नोक वाले भाले से, जैसे ही वह आया, मार डाला; वह गिर गया; मैं उसके रथ की ओर दौड़ा, और खड़ा हो गया। सबसे आगे की पंक्तियों के बीच; वीर एपेईवासी अपने योद्धा को गिरते देख इधर-उधर भाग गए, उनके घुड़सवारों के सरदार, युद्ध में सबसे आगे। मैं काले बवंडर की शक्ति से आगे बढ़ा, और पचास रथों पर कब्जा कर लिया; प्रत्येक में दो आदमी मेरे भाले से गिर पड़े, और खून से लथपथ हो गए। फिर मैंने एक्टर के पुत्रों, मोलियनों को मार डाला होता, यदि पृथ्वी को हिला देने वाले ईश्वर, उनके शक्तिशाली पिता, घने बादलों में लिपटे हुए, उन्हें युद्ध के मैदान से न हटाते; तब बृहस्पति ने पाइलियनों को महान गौरव प्रदान किया होता। दिया।

क्योंकि हम विशाल मैदान पर पीछा करते रहे,
मारते हुए, और बिखरे हुए हथियारों को इकट्ठा करते हुए,
और जब तक अनाज से लदे बुप्रासियम, और चट्टानी
ओलेनियन, और एलेसियम, जिसे टीला कहा जाता है,
तक हम अपने घोड़ों को नहीं रोक पाए; वहाँ पल्लास ने हमें मुड़ने का आदेश दिया।
वहाँ मैंने आखिरी आदमी को मार डाला, और छोड़ दिया; यूनानी
बुप्रासियम से अपने उड़ने वाले रथों को वापस ले गए
पाइलोस तक, सभी नाम को महिमामंडित करते हुए,

नेस्टर के मनुष्यों के बीच, जैसे देवताओं के बीच, बृहस्पति। एक समय मैं भी मनुष्यों के बीच ऐसा ही था, जब मैं जीवित था; अब अकिलीज़ अकेले ही अपनी वीरता को संजोए रखता है; परन्तु आगे चलकर, जब सभी यूनानी नष्ट हो जाएँगे, तो पश्चाताप उसके मन को छू जाएगा। प्रिय मित्र, अब उन आदेशों को याद रखो जो पुराने मेनोएटियस ने दिए थे, जब उसने तुम्हें फ्थियन भूमि से अगामेम्नन की सहायता के लिए भेजा था: मैं और लेर्टेस का देवतुल्य पुत्र, भीतर, उसकी सारी सलाह सुनते थे; हम पेलियस के सुसंगठित घर में दूत बनकर गए थे। आओ, अचैया की उपजाऊ भूमि में युद्ध के साधन जुटाने के लिए; वहाँ हमें मेनोएटियस, अकिलीज़ और तुम घर के भीतर मिले; जबकि आँगन में बूढ़े पेलियस ने वध किया, और गर्जन के देवता को एक मोटा-ताज़ा बैल चढ़ाया; और एक सुनहरे कटोरे से जले हुए अवशेष पर लाल मदिरा उंडेली। जब तुम मांस में व्यस्त थे, हम दोनों द्वार पर खड़े रहे; आश्चर्यचकित होकर, अकिलीज़ उठा, और हमारा हाथ पकड़कर हमें अंदर ले गया। बैठो, सभी आतिथ्य सत्कार करते हुए। भोजन और शराब की व्यवस्था करके, मैंने अपना भाषण शुरू किया, और तुम दोनों को युद्ध में शामिल होने के लिए प्रेरित किया: और तुम जाने के लिए अनिच्छुक नहीं थे; तुम्हारे बड़ों ने बहुत बुद्धिमानी भरी सलाह दी; बूढ़े पेलियस ने अपने बेटे को सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने और अपने सभी साथियों को पीछे छोड़ने का आदेश दिया; अभिनेता के पुत्र मेनोएटियस ने तुम्हें यह सलाह दी: 'मेरे पुत्र,' उसने कहा, 'अकिलीज़ जन्म से तुमसे बहुत बड़ा है; तुम उम्र में बड़े हो; वह शक्ति में।' वह तुझसे श्रेष्ठ है; तू विवेकपूर्ण शब्दों और समयोचित वाणी से उसे संबोधित कर, और सलाह दे, और उसका मार्गदर्शन कर; वह अपने भले के लिए आज्ञा का पालन करेगा। "बूढ़े आदमी के यही शब्द थे; परन्तु तूने उसकी सलाह भुला दी; फिर भी अब भी अकिलीज़ से इस प्रकार कह, और उसके मन में हलचल मचा दे, शायद वह तेरी बात सुन ले; और कौन जानता है कि स्वर्ग की कृपा से तू सफल हो जाए? क्योंकि मित्र की समझाने की शक्ति अत्यंत प्रबल होती है। परन्तु यदि किसी बुरी भविष्यवाणी का भय हो, या उसकी देवी-माता द्वारा बृहस्पति का संदेश हो, तो उसे रोक, और उसे तुझे अपनी पूरी युद्ध शक्ति के साथ भेजने दे।" मायर्मिडोंस, तुम यूनान के उद्धारक प्रकाश बनो। तब वह तुम्हें युद्ध में अपने चमकीले हथियार लेकर जाने का आदेश दे; यदि ऐसा हो तो ट्रॉय के लोग, उसकी छवि से भयभीत होकर, युद्धक्षेत्र छोड़ दें, और

परिश्रम से थके हुए यूनानियों को विश्राम का समय दें; क्योंकि उन्हें अभी तक बहुत कम विश्राम मिला है। तरोताज़ा और निडर होकर, तुम आसानी से ट्रोजनों को, हमारे जहाजों और तंबुओं से, उनके अपने शहर तक भगा सकते हो, थके-हारे और युद्ध से लथपथ लोगों को।
इस प्रकार वह; पैट्रोक्लस की आत्मा उसके भीतर प्रज्वलित थी, और वह जल्दी से अकिलीज़ के तम्बू की ओर दौड़ा। लेकिन, दौड़ते हुए, जैसे ही वह यूलिसिस के जहाज से गुजरा, जहाँ परिषद और न्याय-पीठ थी, और जहाँ देवताओं की वेदियाँ बनी थीं, वहाँ युद्ध के मैदान से लंगड़ाते हुए, यूएमोन के स्वर्ग-जन्मे पुत्र, यूरिपिलस से उसकी मुलाकात हुई; उसका सिर और कंधे चिपचिपे पसीने से तर थे, जबकि उसके गंभीर घाव से काला खून बह रहा था। फिर भी उसका मन दृढ़ था। मेनोएटियस के महान पुत्र ने दया भाव से देखा, और गहरे शोक में डूबे हुए मुखिया से इस प्रकार कहा:
"ग्रीस के सरदारों और सलाहकारों पर धिक्कार है! क्या तुम, मित्रों और अपने वतन से दूर, ट्रॉय के भूखे कुत्तों को अपने मांस से तृप्त करोगे? हे स्वर्ग में जन्मे यूरिपिलस, मुझे यह बताओ; क्या यूनानी हेक्टर की विशाल सेना के विरुद्ध डटे रहेंगे? या उसके भाले से पराजित होकर गिर पड़ेंगे?"
यूरिपिलस ने विवेकपूर्ण शब्दों में कहा: "हे स्वर्ग में जन्मे पैट्रोक्लस, यूनानियों के पास सहायता का कोई स्रोत नहीं है, बल्कि सभी को अपने जहाजों में ही मरना होगा। क्योंकि जहाजों में हमारे सभी वीर सैनिक पड़े हैं, जिन्हें ट्रोजन के हाथों भाले या तीर से मारा गया है। उनका आक्रमण दिन-ब-दिन और भी भयंकर होता जा रहा है। लेकिन अब मुझे बचाओ और मुझे जहाजों तक ले चलो। वहाँ तीर निकालो और घाव से जमे हुए खून को गुनगुने पानी से साफ करो। फिर उपचार शक्ति वाली सुखदायक औषधियाँ लगाओ, जो हे अकिलीज़ से मिली हैं।" उसने कहा, “तुमने सीखा है, चिरोन से, जो सेंटॉर में सबसे न्यायप्रिय है। क्योंकि पोडालिरियस और माचोन दोनों, हमारे जोंक हैं, उनमें से एक तम्बुओं में घायल पड़ा है, उसे खुद जोंक की सहायता की सख्त जरूरत है; दूसरा मैदान में अभी भी लड़ने का साहस रखता है।”
फिर मेनोएटियस के महान पुत्र ने कहा: "यह कैसे हो सकता है? कहो, वीर यूरिपिलस, मुझे क्या करना चाहिए? मैं एक दूत हूँ, जिसे ग्रीस के समर्थक गेरेनियन नेस्टर ने भेजा

है, अकिलीज़ को समाचार देने के लिए; फिर भी मैं तुम्हें इस कठिन परिस्थिति में नहीं छोड़ूँगा।"
उसने कहा, और अपना सहारा देने वाला हाथ उसकी छाती के नीचे रखते हुए, घायल योद्धा को तम्बू के भीतर ले गया; परिचारक ने देखा, और बैल की खाल का पलंग बिछाया; फिर जैसे ही वह लेटा, पेट्रोक्लस ने अपनी कटार से उसकी जांघ से चुभने वाला तीर काट दिया; और घाव से जमे हुए खून को गुनगुने पानी से साफ किया; फिर, अपने हाथों में कूटी हुई एक जड़ लगाई, जो कसैली और दर्द निवारक थी, जिससे उसका सारा दर्द कम हो गया; घाव सूख गया, और खून बहना बंद हो गया।

# तर्क।

**ग्रीक दीवार पर युद्ध।**

यूनानियों के अपनी खाइयों में पीछे हटने पर, हेक्टर ने उन्हें खदेड़ने का प्रयास किया; लेकिन खाई को पार करना असंभव सिद्ध होने पर, पोलिडामस ने रथों को छोड़कर पैदल आक्रमण करने की सलाह दी। ट्रोजनों ने उसकी सलाह मानी और अपनी सेना को पाँच पैदल टुकड़ियों में विभाजित करके आक्रमण शुरू किया। लेकिन ट्रोजनों के बाईं ओर अपने पंजों में साँप लिए एक चील के प्रकट होने के संकेत पर, पोलिडामस ने उन्हें वापस बुलाने का प्रयास किया। हेक्टर ने इसका विरोध किया और आक्रमण जारी रखा; जिसमें कई प्रयासों के बाद, सर्पेडन ने दीवार में पहला छेद किया: हेक्टर ने भी एक विशाल पत्थर फेंककर एक द्वार को तोड़ दिया और अपनी सेना के साथ प्रवेश किया, जिसने विजयी होकर यूनानियों का पीछा करते हुए उन्हें उनके जहाजों तक पहुँचा दिया।

# पुस्तक XII.

इस प्रकार घायल सरदार यूरिपिलस के ऊपर, मेनोएटियस का कुलीन पुत्र अपने तम्बू में पहरा दे रहा था; परन्तु यूनानियों और ट्रोजनों ने आमने-सामने लड़ाई लड़ी; न ही खाई हमले को रोक सकी, न ही ऊपर की चौड़ी दीवार, जिसे यूनानियों ने अपने जहाजों की रक्षा के लिए बनाया था, और उसके चारों ओर खाई खोदी थी; परन्तु देवताओं को कोई बलि नहीं दी गई, ताकि वे जहाजों और भीतर के सभी भंडारों को सुरक्षित रख सकें; स्वर्ग की इच्छा के विरुद्ध, कार्य पूरा हुआ, और वह अधिक समय तक नहीं टिका। जब तक हेक्टर जीवित था, और पेलियस के पुत्र का क्रोध बना रहा, और प्रियम का नगर अछूता रहा, तब तक यूनानी दीवार अखंड रही। लेकिन जब ट्रोजन सेना के सर्वश्रेष्ठ सैनिक गिर गए, तब यूनानियों में से कुछ मारे गए, और कुछ बच गए। जब दसवें वर्ष में ट्रॉय का पतन हुआ, और यूनानी जहाज़ों पर सवार होकर अपने घर की ओर चल पड़े, तब नेपच्यून और अपोलो ने परामर्श किया। दीवार को कमजोर करने के लिए, इडा की ऊंचाइयों से समुद्र की ओर बहने वाली सभी धाराओं की सहायता से; रीसस, कैरेसस और हेप्टापोरस, ग्रैनिकस और एसेपस, रोडियस, स्कैमंडर की दिव्य धारा और सिमोइस, जहाँ रेत में हेलमेट और ढाल दबे पड़े थे, और योद्धा अर्धदेवताओं की एक पूरी जाति: अपोलो ने इन सभी को एक ही धारा में मोड़ दिया; नौ दिनों तक जलप्रपात दीवार से टकराता रहा; और बृहस्पति ने निरंतर वर्षा भेजी, ताकि दीवार... शायद जल्द ही डूब जाए; जबकि स्वयं नेपच्यून, अपने हाथ में त्रिशूल लिए, धारा के साथ बहते हुए, यूनानियों द्वारा लकड़ियों और पत्थरों से श्रमपूर्वक रखी गई गहरी नींवों को बहा ले गया, जो अब तेज बहने वाले हेलेस्पोंट द्वारा बिखरी हुई थीं। दीवार को नष्ट करके, उसने पूरे तट पर रेत का ढेर फैला दिया; और धाराओं को वापस वहीं लौटने का आदेश दिया जहाँ प्राचीन काल में उनका चांदी जैसा पानी बहता था। भविष्य में, नेपच्यून और अपोलो के ऐसे ही कार्य होने थे। लेकिन इस बीच, दृढ़ दीवार के चारों ओर भयंकर युद्ध छिड़ा हुआ था, और बुर्जों की बीमों पर शत्रुतापूर्ण मिसाइलें बार-बार टकरा रही थीं: बृहस्पति के प्रकोप से पराजित होकर, यूनानी अपने जहाजों के पास घिरे हुए थे, हेक्टर द्वारा घायल, भय के क्रूर मंत्री, जो हमेशा की तरह बवंडर की शक्ति से लड़ता था। जैसे जब, कुत्तों और शिकारियों से घिरे हुए, एक सूअर या शेर, अपनी शक्ति के घमंड में, अपने दुश्मनों पर हमला करता

है, जबकि वे घनी पंक्ति में आमने-सामने खड़े होते हैं। वे बार-बार अपने तीर चलाते हैं; फिर भी उनका हौसला नहीं डगमगाता, बल्कि वे दृढ़ रहते हैं, आत्मघाती साहस के साथ; वे तेज़ी से मुड़ते हैं, जहाँ घेराबंदी करने वाली पंक्तियों को तोड़ना सबसे अच्छा होता है; जहाँ कहीं भी वे अपना आक्रमण करते हैं, घेराबंदी करने वाली पंक्तियाँ रास्ता दे देती हैं: इस प्रकार हेक्टर, यहाँ-वहाँ, भीड़ के बीच, अपने साथियों को खाई पार करने के लिए प्रेरित करता है: उग्र घोड़े पीछे हट जाते हैं, और फुफकारते हुए, सबसे ऊपरी किनारे पर खड़े हो जाते हैं; चौड़ी खाई ने उन्हें रोक रखा था, जिसे न तो कूदकर पार करना आसान था; दोनों ओर किनारे ऊँचे उठते थे, और ऊपर नुकीले खंभों से मुकुट की तरह गड़े हुए थे, जो घने और मजबूत थे, जिन्हें यूनानियों ने आक्रमणकारी शत्रुओं को खदेड़ने के लिए वहाँ गाड़ा था। अच्छी तरह से पहियों वाली गाड़ी से जुड़ा घोड़ा भी मुश्किल से ही उस मार्ग को पार कर सकता था; लेकिन वे पैदल ही आगे बढ़ने के लिए बेताब थे; और इस प्रकार पोलिडामस, पास आकर, वीर हेक्टर से बोला:

हेक्टर, और ट्रॉय के सभी अन्य सरदारों, और वीर सहयोगियों, हम व्यर्थ ही अपने घोड़ों को खाई के पार ले जाने का प्रयास कर रहे हैं; इसे पार करना कठिन है; यह नुकीले खंभों से घिरा है, और उनके पीछे यूनानी दीवार बनी है; वहाँ से उतरना और अपने रथों से तंग जगह में लड़ना निश्चित रूप से विनाश होगा। यदि वास्तव में यह बृहस्पति की इच्छा है, जो गरजते हुए यूनानियों को पूरी तरह से पराजित करना चाहता है, और हमारी सहायता करना चाहता है, तो मुझे खुशी होगी कि प्रत्येक यूनानी तुरंत अपने घर से दूर एक अनाम स्थान पर चला जाए। गंभीर; लेकिन अगर वे पलट गए, और हमें फिर से जहाजों से खदेड़ दिया गया, और खाई में धकेल दिया गया, तो हमारा इतना नुकसान होगा कि शायद ही कोई संदेशवाहक शहर को यह खबर देने के लिए जीवित बचेगा कि एकजुट यूनानियों द्वारा हमारा विनाश हो गया है। तो मेरी सलाह सुनो; हम सब यहाँ तट पर अपने सेवकों के साथ सहमत हों कि हम अपने घोड़ों को छोड़ दें; और हम स्वयं पैदल, हथियारों से लैस होकर, हेक्टर जहाँ ले जाए वहाँ आगे बढ़ें; यूनानी, अगर उनका अंत निकट है, तो वे डटे नहीं रहेंगे।

इस प्रकार पोलिडामस ने कहा; उसकी सलाह मनभावन थी; और हेक्टर अपने रथ से हथियारों से लैस होकर कूद पड़ा; जब उन्होंने देखा कि महान हेक्टर, अन्य सरदारों

को देर तक नहीं रोक पाया, तो उसने आदेश दिया कि खाई के किनारे प्रत्येक अपने सेवक को रथों को उचित क्रम में रखने का आदेश दिया जाए; फिर अलग होकर, आक्रमण के क्रम में, पाँच डिवीजनों में, अपने-अपने सरदारों के साथ, हेक्टर और साहसी पोलिडामस, जो सर्वश्रेष्ठ और सबसे बहादुर था, चारों ओर जमा हो गए। वे जो सबसे अधिक तरस रहे थे
दीवार पर धावा बोलने और जहाजों के पास लड़ने के लिए।
उनके साथ सेबरियोन्स थे; क्योंकि हेक्टर ने घोड़ों की रक्षा के लिए एक कम प्रसिद्ध व्यक्ति को छोड़ दिया था।
अगली टुकड़ी का नेतृत्व पेरिस ने किया,
एजेनोर और अल्काथस; तीसरी टुकड़ी का नेतृत्व हेलेनस और बहादुर डेफोबस ने किया,
प्रियम के दो पुत्र; तीसरा असियस था,
असियस, हर्टाकस का पुत्र; जो अपने ऊंचे, उग्र घोड़ों को सेलेस की धारा से लाया था,
अरिस्बा के पास; बलवान एनेस ने चौथे, एंचीसेस के पुत्र, आर्चीलोकस और एंटनोर के पुत्र अकामास का नेतृत्व किया; दोनों युद्ध के हर पहलू में समान रूप से कुशल थे।
प्रसिद्ध सहयोगियों में से, सर्पेडन ने मुख्य कमान संभाली; और अपने साथियों के रूप में एस्टेरोपियस और ग्लौकस की युद्ध शक्ति को चुना। इन सभी को वह अपने से श्रेष्ठ मानता था, सिवाय स्वयं के, जो उन सभी से श्रेष्ठ था। ये सभी, बैल की कठोर खाल से बनी ढालों को आपस में जोड़कर, उत्सुकता से आगे बढ़े और यह मान लिया कि यूनानी बिना प्रतिरोध किए उनके जहाजों के सामने गिर पड़ेंगे। अन्य ट्रोजन और प्रसिद्ध सहयोगी बुद्धिमान पोलिडामस के शब्दों का पालन करते रहे: परन्तु हर्टाकस के पुत्र आसियस ने अपने घोड़ों और सारथी को उनके साथ जाने से इनकार कर दिया। जहाजों पर हमला करने के लिए।
अंधा मूर्ख, बेहोश! उन जहाजों के सामने से,
घोड़ों और रथ के साथ मौत से बच निकला।
विजयी होकर, ट्रॉय की हवादार ऊंचाइयों पर।
वह कभी नहीं लौटेगा; अशुभ भाग्य
मंडरा रहा है, उसे भाले से गिरने की सजा देता है।

बहादुर इडोमेनियस, ड्यूकालियन का पुत्र।
वह बाईं ओर झुका, जिस रास्ते से यूनानी
घोड़े और रथ के साथ मैदान से लौटे थे।
उसी रास्ते से उसने अपने घोड़े दौड़ाए; और द्वार
बिना पहरे के, बोल्ट या भारी सलाखों से बंद पाए गए।
उनके पहरेदारों ने उन्हें चौड़ा खुला रखा, ताकि शायद मैदान से भाग रहे किसी साथी को बचाया जा सके।
वह उस ओर मुड़ा; शोर मचाते हुए
उसके सैनिक पीछे-पीछे चले; और उन्होंने यह नहीं सोचा था कि यूनानी
अपनी जगह पर डटे रहेंगे, बल्कि अपने जहाजों के बीच गिर पड़ेंगे।
उन्हें बहुत कम पता था; द्वारों के सामने उन्हें दो पुरुष, दो सर्वोत्कृष्ट योद्धा, भाला चलाने में निपुण लैपिथे के दो पुत्र मिले: बलवान पॉलीपोएट्स, पिरिथस का पुत्र, जिनके साथ लियोन्टियस, रक्तरंजित मंगल के समान साहसी था: इस प्रकार ये दोनों ऊंचे द्वारों के सामने खड़े थे, जैसे पहाड़ की ढलान पर दो ऊंचे बलूत के पेड़, जिन्होंने कई दिनों तक हवा और तूफान का सामना किया है, अपनी मजबूत निरंतर जड़ों से दृढ़ता से विभाजित: इस प्रकार अपने शस्त्रों और शक्ति में आश्वस्त, वे दोनों महान असियस के आक्रमण के लिए निडर थे। दूसरी ओर, चीख-पुकार और भयंकर कोलाहल के साथ, अपने बैल की खाल से बनी ढालें ऊँची उठाकर, सुदृढ़ रूप से निर्मित दीवार के विरुद्ध आगे बढ़े, राजा आसियस, इयामेनस, ओरेस्टेस, आसियस का पुत्र अकामास, और ओएनोमाउस, और थून; भीतर मौजूद लोग जहाजों को बचाने के लिए, इस बीच सभी सुसज्जित यूनानियों को बुला रहे थे; लेकिन जब उन्होंने देखा कि ट्रोजन ने दीवार पर चढ़ाई कर दी है, और यूनानियों की घबराहट भरी चीख सुनी, तो वे दोनों द्वार के सामने लड़ने के लिए कूद पड़े। जैसे पहाड़ की ढलान पर दो सूअर, आदमियों और कुत्तों के आने वाले शोर का इंतजार करते हैं, फिर बगल से दौड़कर, चारों ओर की लकड़ी को तोड़ते हैं, जड़ों से उखड़ जाते हैं; उनके नुकीले दांत जोर से टकराए, जब तक कि उन्होंने शिकारी के भाले के सामने अपनी जान न दे दी; इस प्रकार उन योद्धाओं के पीतल से ढके सीने पर शत्रुतापूर्ण हथियार खड़खड़ाए; उन्होंने हठपूर्वक लड़ाई लड़ी, अपनी ताकत और ऊपर से मिले दोस्तों पर भरोसा करते हुए:

क्योंकि अच्छी तरह से बने टावरों से बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए थे, उन लोगों द्वारा जिन्होंने अपने लिए, अपने तंबू और जहाजों के लिए रक्षात्मक युद्ध जारी रखा था; वे घनी मात्रा में गिरे, जैसे सर्दियों के बर्फ के टुकड़े, जिन्हें तूफानी हवा, घने बादलों को धकेलते हुए, उपजाऊ धरती की पूरी सतह पर तेजी से और घनी तरह से फैलाती है: यूनानियों और ट्रोजन के हाथों से हथियार इतनी घनी मात्रा में उड़े; हेलमेट और उभरी हुई ढाल पर
कर्कश ध्वनि के साथ भारी द्रव्यमान गूंज उठा।
फिर गहरी कराह के साथ, जैसे ही उसने अपनी जांघ पर प्रहार किया,
इस प्रकार भयभीत होकर हर्टाकस के पुत्र ने कहा:
"हे पिता बृहस्पति, तूने हमारी आशाओं को कैसे झूठा साबित किया, जिन्होंने यह नहीं सोचा था कि यूनानी
हमारे आक्रमण का सामना करेंगे, और अदम्य हथियारों से लड़ेंगे!
लेकिन वे, पीले-धारीदार ततैया या मधुमक्खियों की तरह,
जिन्होंने किसी चट्टानी दर्रे पर अपने घोंसले बनाए हैं,
अपने गुफानुमा घर को नहीं छोड़ते, बल्कि हमले की प्रतीक्षा करते हैं, और अपने बच्चों के लिए निडर होकर लड़ो; इसलिए द्वार से ये दोनों, यद्यपि केवल दो ही हैं, तब तक पीछे न हटें जब तक कि उन्हें पकड़ न लिया जाए या मार न दिया जाए।
उसने कहा: परन्तु बृहस्पति ने उसके शब्दों पर ध्यान नहीं दिया; हेक्टर की विजय पर वह इतना अधिक ध्यान केंद्रित था। जैसे युद्ध अन्य द्वारों के चारों ओर गरज रहा हो; परन्तु मेरे लिए, दैवीय शक्ति से, प्रत्येक युद्ध का चित्रण करना कठिन था; क्योंकि दीवार के चारों ओर, हर तरफ, पत्थरों का एक मानवीय तूफान उमड़ रहा था; दबाव में आकर, यूनानियों ने मजबूरी में अपने जहाजों के लिए लड़ाई लड़ी, जबकि सभी देवता क्रोधित होकर देख रहे थे, जिन्होंने यूनानियों का समर्थन किया था। लैपिथाई ने भयंकर रूप से युद्ध का सामना किया: सबसे पहले बलवान पॉलीपोएट्स, पिरिथस के पुत्र ने, पीतल के हेलमेट को भेदते हुए दमासस पर प्रहार किया; और पीतल के हेलमेट को भाले ने नहीं रोका, जिसका सिरा हड्डी को चीरता हुआ निकल गया, जिससे सारा मस्तिष्क चकनाचूर हो गया; आगे बढ़ते हुए वह गिर पड़ा। फिर उसने पायलोन और ओर्मेनस को मार डाला। इसी बीच, मार्स के सच्चे वंशज लियोन्टियस ने अचूक

भाले से एंटीमाकस के पुत्र हिप्पोमाकस को कमर के नीचे मारा। फिर, म्यान से अपनी तीक्ष्ण तलवार निकालकर, वह भीड़ में घुस गया और आमने-सामने एंटीफेट्स को मार गिराया। वह पीछे की ओर धरती पर गिर पड़ा। उसके बाद मेनन, इयामेनस और ओरेस्टेस भी एक के बाद एक ज़मीन पर आ गिरे। जब उन्होंने अपने चमकीले कवच उतार दिए, तो हेक्टर और साहसी पोलिडामस उसके चारों ओर जमा हो गए। सबसे बहादुर और सर्वश्रेष्ठ, जो दीवार पर धावा बोलने और जहाजों को आग से जलाने की सबसे अधिक इच्छा रखते थे, खाई के किनारे पर ही रुक गए; क्योंकि जैसे ही उन्होंने पार करने की कोशिश की, स्वर्ग से एक संकेत चकित भीड़ के बाईं ओर प्रकट हुआ। उड़ते हुए चील ने अपने पंजों में एक विशालकाय, रक्त-लाल रंग के अजगर को जकड़ रखा था; वह जीवित था, साँस ले रहा था, और अभी तक वश में नहीं था; क्योंकि पीछे की ओर मुड़कर उसने अपने वाहक को गर्दन के पास छेद दिया था। दर्द से व्याकुल होकर, उसने अपने शिकार को गिरा दिया, जो भीड़ के बीच जा गिरा; फिर चीखता हुआ वह हवा के झोंके में बह गया। ट्रोजन कांपते हुए अपने बीच चित्तीदार सर्प को देखने लगे, जो बृहस्पति का भयानक अपशगुन था। तब पोलिडामस ने साहसी हेक्टर से इस प्रकार कहा: "हेक्टर, तुम परिषद में मुझे अक्सर अच्छी सलाह के लिए फटकारते हो; तुम कहते हो कि यह उचित नहीं है कि निजी लोग अनुचित बातें करें, चाहे परिषद में हो या युद्ध में, बल्कि अपने सम्मान को ऊंचा उठाने का प्रयास करो; फिर भी मुझे अब, मुझे जो सबसे बुद्धिमानी भरा मार्ग लगता है, उसे घोषित करो: चलो, हम यूनानियों से उनके जहाजों के पास न लड़ें; क्योंकि भविष्य ऐसा ही दिखता है, अगर सचमुच ऐसा ही हो। पार करने ही वाले थे कि स्वर्ग से यह संकेत चकित भीड़ के बाईं ओर भेजा गया: एक उड़ता हुआ चील, अपने पंजों में एक विशालकाय, खून जैसे लाल रंग का अजगर लिए हुए था; फिर भी उसने उसे अपने घर पहुँचने से पहले ही गिरा दिया; और न ही अपने बच्चों के लिए अपने शिकार को ले गया। इसलिए हम भी, चाहे हमारी शक्ति कितनी भी हो, ऐसा ही करेंगे। द्वार और दीवार तोड़कर यूनानियों को परास्त कर दो, उसी रास्ते से बिना किसी नुकसान के लौट आओगे, लेकिन मैदान में कई ट्रोजन मारे जाएँगे, यूनानियों द्वारा मारे जाएँगे, जबकि वे अपने जहाजों की रक्षा कर रहे होंगे। शगुन में पारंगत एक द्रष्टा, जो सार्वजनिक सम्मान के योग्य है, इस संकेत को पढ़ेगा।

इस पर चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने कठोर दृष्टि से उत्तर दिया: "पॉलिडामास, तुम्हारी ये बातें मेरे मन को भाती नहीं हैं: तुम्हारा विवेक बेहतर सलाह जानता है। लेकिन अगर गंभीरता से यही तुम्हारी सलाह है, तो देवताओं ने तुम्हें तुम्हारी समझ से वंचित कर दिया है, जो हमें वचन की अवहेलना करने और बृहस्पति के इशारे से पुष्ट प्रतिज्ञाओं को अनदेखा करने के लिए कह रहे हैं, और पक्षियों के फैले हुए पंखों पर भरोसा करने के लिए कह रहे हैं; मैं इनमें से किसी की परवाह नहीं करता, न ही देखना चाहता हूँ, अगर दाईं ओर, और सुबह की ओर। सूर्य, या बाईं ओर, और रात की छायाएँ, वे उड़ जाती हैं। हम बृहस्पति की शाश्वत इच्छा पर भरोसा रखते हैं, जो नश्वर और अमर का सर्वोच्च राजा है। हमारे देश का हित सबसे अच्छा शगुन है। युद्ध के संघर्ष में तुम्हें क्यों कांपना चाहिए? यद्यपि हर ट्रोजन मरने के लिए अभिशप्त था, जहाजों के पास, तुम्हें गिरने का कोई डर नहीं है: तुम्हारी आत्मा युद्धहीन है, न ही दृढ़ है: लेकिन यदि तुम पीछे हटते हो, या अपने कायर शब्दों से किसी अन्य ट्रोजन को युद्ध से दूर करते हो, तो लड़ो, मेरा भाला तुम्हारे जीवन का बलिदान लेगा।
यह कहकर, वह आगे बढ़ा; हर्षोल्लास के साथ सभी उसके पीछे चले; फिर बिजली के स्वामी, बृहस्पति ने इडा की ऊंचाइयों से हवा का एक तूफान भेजा, जिसने धूल को यूनानी जहाजों पर उड़ा दिया; जिसने उनके साहस को कम कर दिया, और हेक्टर को दिया, और ट्रोजन को, नया प्रोत्साहन दिया; उन्होंने, अपनी शक्ति और स्वर्गीय संकेतों पर भरोसा करते हुए, अपनी सेना को यूनानी दीवार पर धावा बोलने के लिए लगाया। उन्होंने दीवार को ध्वस्त कर दिया, प्राचीरों को नष्ट कर दिया; और उभरे हुए बट्रेस, जिन्हें यूनानियों ने मीनारों को सहारा देने के लिए मिट्टी में गहराई तक गाड़ दिया था, और नीचे से कमजोर किए गए लीवरों से सहारा दिया था। इन्हें हटाते ही वे दीवार पर धावा बोलने के लिए दौड़ पड़े; यूनानी अभी भी उस मार्ग से पीछे नहीं हटे थे, बल्कि अपने बैल की खाल की ढालों से टूटे हुए प्राचीरों को घेरते हुए, उन्होंने नीचे दुश्मन पर हथियारों की बौछार कर दी। हर जगह मीनार से आदेश देते हुए, अजेस दिखाई दे रहे थे, जो लड़ाई के लिए उकसा रहे थे, और उनसे विनती कर रहे थे। और जो लोग कठोर स्वर में फटकार लगा रहे थे, उन्होंने अपने युद्ध संबंधी परिश्रम को शिथिल कर दिया था।

"मित्रों, सभी यूनानियों, तुम जो युद्ध में निपुण हो, और तुम जो मध्यम या कम शक्ति वाले हो, यद्यपि सभी समान शक्तियों से संपन्न नहीं हैं, फिर भी यहाँ सभी के लिए काम है! इसे याद रखो, और न ही किसी को जहाजों की ओर मुड़ने दो, धमकियों से भयभीत होकर; बल्कि आगे बढ़ो, और एक दूसरे को प्रोत्साहित करो, यदि ऐसा हो तो बिजली के स्वामी, ओलंपियन जुपिटर, हमें पीछे हटने और शत्रु को उसके शहर तक खदेड़ने की कृपा प्रदान करें।"
इस प्रकार उन्होंने उत्साहवर्धक शब्दों के साथ युद्ध जारी रखा:
सर्दियों के दिन बर्फ के टुकड़ों की तरह घने,
जब परामर्श के स्वामी बृहस्पति मनुष्यों पर अपना हिमपात भेजते हैं,
और अपनी शक्ति प्रकट करते हैं:
हवाएँ थम जाती हैं; बर्फ के टुकड़े लगातार गिरते रहते हैं,
जिससे ऊँचे पर्वत शिखर, उभरी हुई चट्टानें,
और कमल से ढके मैदान गहरे दब जाते हैं,
और खेतों में मनुष्य के उत्पादक श्रम;
वे पुराने महासागर के तट और खाड़ियों पर पड़े रहते हैं,
आती हुई लहरें उनकी सीमा हैं; इसके ऊपर बृहस्पति ने बर्फ का घना आवरण फैला रखा है। दोनों ओर से इतने घने पत्थर, यूनानियों द्वारा ट्रोजनों पर और फिर यूनानियों द्वारा यूनानियों पर फेंके गए; और पूरी दीवार में ज़ोर से खड़खड़ाहट हुई। हेक्टर के नेतृत्व में भी ट्रोजन फाटकों और विशाल अवरोध को तोड़ चुके थे, लेकिन बृहस्पति ने यूनानियों के विरुद्ध अपने पुत्र सर्पेडन को झुंड में शेर की तरह भेजा: उसने अपनी ढाल का चौड़ा गोला अपने सीने के सामने धारण किया, जो पीतल से अच्छी तरह से गढ़ा हुआ था। शस्त्रधारी के हाथ से तैयार किया गया, और मजबूत बैल की खाल से जड़ा हुआ; चारों ओर लगातार सोने की छड़ें लगी हुई थीं; इस प्रकार सुसज्जित होकर, दो भाले लहराते हुए, वह एक पर्वतीय शेर की तरह आगे बढ़ा, जिसे लंबे समय तक उपवास करने के बाद, उसका निडर साहस भेड़ों पर हमला करने के लिए प्रेरित करता है, भले ही वे अच्छी तरह से सुरक्षित बाड़े में हों; और यद्यपि वहाँ चरवाहे भेड़ों की रक्षा के लिए कुत्तों और भालों के साथ तैयार हों, वह बाड़े को छोड़े बिना नहीं रहेगा; बल्कि, बीच में, वह अपने शिकार को विजय के साथ ले जाता है; या आक्रमण

में गिर जाता है, बलवान हाथों से फेंके गए भालों से घायल होकर: इस प्रकार, अपने दैवीय साहस से प्रेरित होकर, सर्पेडन ने ऊंची दीवार पर हमला किया, और प्राचीरों पर धावा बोला; और इस प्रकार हिप्पोलोकस के पुत्र ग्लौकस को संबोधित करते हुए अपना भाषण दिया:
ग्लौकस, ऐसा क्यों है कि लाइसी की भूमि में दावतों में हम दोनों को सबसे आगे बैठने का अधिकार है, सबसे बड़े हिस्से और सबसे भरे हुए प्याले? हमें देवताओं की तरह सम्मान क्यों दिया जाता है? हमें ज़ैंथस के तट पर अंगूर के बागों और गेहूं उगाने वाली भूमि की विशाल विरासत क्यों दी गई है? तो क्या लाइसीवासियों द्वारा हमें भयंकर युद्ध का सामना करने में सबसे आगे नहीं देखा जाना चाहिए? ताकि हमारे सुसज्जित लाइसीवासी गर्व कर सकें; 'हम लाइसीवासी किसी भी अकीर्तिमान राजा के प्रति निष्ठा नहीं रखते; वे सबसे समृद्ध भोजन करो; स्वादिष्ट स्वाद वाली उत्तम शराब पियो; फिर भी उनका शौर्य सबसे चमकीला दिखता है; और वे, जहाँ लाइसियन युद्ध करते हैं, वहाँ सबसे आगे रहते हैं! हे मित्र! यदि हम, इस युद्ध के बचे हुए, बुढ़ापे और मृत्यु से हमेशा के लिए मुक्त हो सकें, तो तुम मुझे युद्ध में सबसे आगे नहीं देख पाओगे, और न ही मैं तुम्हें गौरवशाली युद्धक्षेत्र में जाने के लिए प्रेरित करूँगा: परन्तु क्योंकि मनुष्य पर मृत्यु के दस हजार रूप मंडराते हैं, जिनसे कोई नहीं बच सकता, तो हम आगे बढ़ें ताकि हम दूसरों को गौरव दिलाएँ, या वे हमें!
इस प्रकार वह; और ग्लौकस उसके आदेश से पीछे नहीं हटा;
और वे सीधे लिसियाई सेनाओं के साथ आगे बढ़े।
पेटियस के पुत्र मेनेस्थियस ने घबराहट के साथ उनकी गतिविधियों को देखा; क्योंकि उसके आदेश पर,
आतंक फैलाते हुए, उनका हमला किया गया था।
उसने अपने चारों ओर यूनानी मीनारों की ओर देखा,
यह देखने के लिए कि क्या वहाँ कोई सरदार मिल सकता है, जो
अपने साथियों को विनाश से बचा सके; वहाँ उसने देखा,
अतृप्त युद्ध के, दो अजेस;
और ट्यूसर, जो अभी-अभी तम्बू से आया था,
पास ही था; और न ही वह अपनी आवाज से उन तक पहुँच सका; ऐसा शोरगुल, ऐसा

कोलाहल स्वर्ग तक पहुँच गया, खड़खड़ाती ढालों और घोड़े के बालों से जड़े हेलमेटों से, और टूटे हुए फाटकों से, अब सब एक साथ हमला कर रहे थे: उनके सामने हमलावर दल भयंकर संघर्ष कर रहे थे, उनका रास्ता तोड़ने के लिए: तब थूट्स ने अपने दूत को एजेस के पास सहायता मांगने के लिए भेजा।
"तेजी से चलो, थूट्स, अजाक्स के आह्वान पर, यदि संभव हो तो दोनों; तभी हम सबसे अच्छी उम्मीद कर सकते हैं कि मृत्यु से बच सकें, जो अन्यथा निकट है; लाइशियन सरदारों का दबाव इतना भयंकर है, कि वे अब भी, हमेशा की तरह, युद्ध में निडर हैं। लेकिन अगर वे भी बुरी तरह से दब जाते हैं, तो कम से कम टेलमोन के पुत्र अजाक्स को बख्श दिया जाए, और उसके साथ धनुष चलाने में कुशल ट्यूसर को भी।" उसने कहा; दूत ने सुना और तुरंत आज्ञा का पालन किया; दीवार के किनारे, जहाँ पीतल के कवचधारी यूनानी खड़े थे, वह दौड़ा और अजेस के पास खड़े होकर बोला:
"एजैक्स, पीतल के कवच वाले यूनानियों के नेता, स्वर्ग में जन्मे पेटियस का पुत्र आपकी सहायता चाहता है। कुछ समय के लिए अपने रक्षकों के काम में आपका साथ देने के लिए; यदि संभव हो तो दोनों; ताकि वह मृत्यु से बच सके, जो अन्यथा निकट है: लाइसियन सरदारों का दबाव इतना भयंकर है, फिर भी वे हमेशा की तरह युद्ध में निडर हैं। लेकिन यदि आप भी बुरी तरह से घिरे हुए हैं, तो कम से कम टेलमोन के पुत्र एजैक्स को बख्श दिया जाए, और उसके साथ टेउसर को भी, जो तलवार चलाने में कुशल है।" धनुष।
उसने कहा: तेलमोन के पराक्रमी पुत्र ने सहमति जताते हुए ओइलियस के पुत्र को इस प्रकार संबोधित किया: "एजैक्स, तुम और वीर ल्योमेडे यूनानियों को संघर्ष जारी रखने के लिए प्रेरित करो; मैं वहाँ जाकर युद्ध का सामना करूँगा, उनकी सहायता करूँगा और शीघ्र वापस आ जाऊँगा।"
इस प्रकार कहते हुए, एजैक्स टेलमोन आगे बढ़ा, और उसके साथ उसका सगा पुत्र ट्यूसर भी गया, जबकि पंडियन द्वारा ट्यूसर का धनुष ले जाया जा रहा था। बहादुर मेनेस्थियस के टॉवर पर, दीवार के भीतर, पहुँचकर उन्होंने चौकी को बुरी तरह दबा हुआ पाया; क्योंकि एक बवंडर की तरह प्राचीरों पर लाइसियन के वीर सलाहकार और सरदार टूट पड़े। वे जल्दी से युद्ध में शामिल हो गए, और ज़ोर से युद्ध-घोष गूंजा; सबसे पहले एजैक्स टेलमोन, सर्पेडन के साथी, बहादुर एपिक्ल्स को, मार डाला,

दीवार के भीतर एक खुरदुरे पत्थर से टकराकर, जो दीवार के सबसे ऊपरी हिस्से पर पड़ा था, जिसका आकार बहुत बड़ा था; जिसे युवावस्था में भी कोई व्यक्ति अपने दोनों हाथों से मुश्किल से उठा पाता था; उसने उसे ऊपर उठाया और नीचे फेंक दिया। चार शिखरों वाला हेलमेट टूट गया, हड्डी चूर-चूर हो गई और खोपड़ी चकनाचूर हो गई; वह गोताखोर की तरह ऊंचे टावर से सिर के बल गिर पड़ा और उसकी हड्डियों से जान निकल गई; इस बीच, ट्यूसर ऊंची दीवार से, वीर ग्लौकस, लड़ाई में आगे बढ़ते हुए, एक तीर से घायल हो गया, जहां उसने अपनी बांह को असुरक्षित देखा; अब वह लड़ाई बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था; वह दीवार से पीछे हट गया, इस उम्मीद में कि वह यूनानियों की नज़रों से अपने घाव को छिपा सके, ताकि कोई उसे देख न सके, और अपमानजनक शब्दों से उस पर विजय प्राप्त न कर सके। सर्पेडन ने अपने मित्र को जाते हुए दुख से देखा, फिर भी उसने अपने प्रयास कम नहीं किए; उसने थेस्टर के पुत्र, अल्कमैन को अपने भाले से मारा, और हथियार वापस खींच लिया; वह पीछे-पीछे ज़मीन पर गिर पड़ा, और उसके पॉलिश किए हुए पीतल के हथियार ज़ोर से बज उठे। फिर सरपेडन ने अपने मजबूत हाथ से पैरापेट को खींचा; और उसकी ताकत के आगे झुकते हुए पूरा ब्लॉक नीचे गिर गया; दीवार नंगी हो गई,
कई लोगों के लिए दरार खुल गई।
एजैक्स और ट्यूसर ने तुरंत उस पर हमला किया;
इसने एक तीर से उसकी छाती के चारों ओर चमकती हुई बेल्ट पर प्रहार किया,
जहाँ से उसकी भारी ढाल लटकी हुई थी;
लेकिन ज़्यूस, जो नहीं चाहता था कि उसका बेटा जहाजों के सामने गिरे,
हथियार एक तरफ मुड़ गया।
तब एजैक्स आगे बढ़ा, और अपने भाले से
ढाल पर वार किया; हथियार पार नहीं हुआ,
फिर भी उसके साहसी आक्रमण को रोक दिया; थोड़ी सी जगह में, वह पीछे हट गया, लेकिन और पीछे नहीं हटा, उसकी आत्मा गौरव में लीन थी; और जल्दी से संभलकर, उसने युद्धप्रिय लाइसियनों को जोर से पुकारा:
"लाइसियनो, क्या तुम इस तरह आराम कर रहे हो? अकेले के लिए यह कठिन है, चाहे कोई कितना भी बहादुर क्यों न हो, भले ही वह प्राचीर तोड़कर जहाजों तक

रास्ता बना ले; लेकिन मेरे साथ चलो! क्योंकि यहाँ बहुत से लोगों के लिए काम है।"
उसने कहा; और राजा की फटकार से लज्जित होकर, लाइसियाई लोग और भी
अधिक जोश के साथ अपने राजा और सलाहकार के चारों ओर जमा हो गए; दूसरी
ओर दीवार के भीतर यूनानियों ने अपनी टुकड़ियाँ इकट्ठी कर लीं; तब महान कार्य
संपन्न हुए; और न ही उस दरार से लाइसिया के बहादुर सैनिक जहाजों तक पहुँच
सके; और न ही योद्धा यूनानी लाइसीवासियों को उस भूमि से खदेड़ सके, जहाँ उन्होंने
दीवार के सामने अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। जैसे दो पड़ोसी, एक ही मैदान में,
एक संकीर्ण स्थान में, अपनी-अपनी रेखाओं को हाथ में लिए, अपनी भूमि की सीमाओं
के बारे में संघर्ष करते हैं; उनके बीच इस प्रकार प्राचीर ने रेखा खींची; जिसके ऊपर
कठोर बैल की खाल से बनी पूर्ण गोलाकार ढालें, और योद्धाओं की छाती पर हल्के
बकलर, दोनों ओर से उन्हें चीरते हुए आगे बढ़ते हैं; और कई घाव
निर्दयी हथियारों ने उन पर वार किए, जिन्होंने पलटकर,
अपनी गर्दन और पीठ को नंगा कर दिया; कई औरों पर, जो सामने से आए और
उनकी ढालों को भेदकर उन पर प्रहार किया गया। हर तरफ प्राचीर और मीनारें
यूनानी और ट्रोजन रक्त से लथपथ थीं। फिर भी, यूनानी भागने पर विवश नहीं हुए;
परन्तु जैसे कोई स्त्री मजदूरी के लिए सूत कातती है, ईमानदार और सच्ची, ऊन और
बाट हाथ में लिए, तराजू को बराबर रखती है, अपनी मामूली मजदूरी और अपने बच्चों
के भरण-पोषण के लिए; वैसे ही युद्ध का पलड़ा भी बराबर था, जब तक कि बृहस्पति
ने सर्वोच्च सम्मान के साथ हेक्टर को प्रियम के पुत्र को ताज पहनाया गया; वह, सबसे
आगे, दीवार पर चढ़ गया और ट्रोजनों को जोर से पुकारा:
"आगे बढ़ो, वीर ट्रोजनो, आगे बढ़ो! यूनान की दीवार को तोड़ दो, और उनके जहाजों
को धधकती आग में लपेट दो।"
इस प्रकार, उसने उपदेश देते हुए कहा; सबने उसकी बात सुनी, और असंख्य लोग
दीवार की ओर दौड़ पड़े, और भाले से भरी प्राचीरों पर टूट पड़े। फिर हेक्टर ने
झुककर एक भारी पत्थर उठाया जो फाटकों के सामने पड़ा था; वह नीचे से चौड़ा था,
परन्तु ऊपर से नुकीला था; और मुश्किल से दो मेहनती आदमी, सबसे बलवान, उसे
जमीन से उठा सकते थे, और एक गाड़ी पर लाद सकते थे। जैसे मनुष्य अब हैं;
लेकिन उसने बिना किसी सहायता के इसे आसानी से उठा लिया,

यह इतना हल्का प्रतीत हुआ, मानो शनि के पुत्र की कृपा से हो।
जैसे एक हाथ में एक चरवाहा आसानी से
एक पूर्ण आकार का ऊन उठाता है, और उसका भार मुश्किल से महसूस करता है;
उसी प्रकार हेक्टर द्वार की ओर पत्थर ले गया,
जिसने ऊंचे दोहरे तह वाले द्वारों को बंद कर दिया,
भीतर दो विशाल सलाखों द्वारा सुरक्षित,
आड़ी-तिरछी रखी गई थीं, और एक क्रॉस बोल्ट से सुरक्षित थीं।
वह द्वार के पास खड़ा था; और अपने पैर को मजबूती से जमाकर, अपनी भुजा को पूरी शक्ति प्रदान करते हुए, विशालकाय पिंड बीचोंबीच जा टकराया। दोनों कब्ज़े टूट गए; भारी पत्थर अंदर की ओर गिर पड़ा; खुले द्वार चौड़े होकर खुल गए; और भीतर की सलाखें भी प्रहार सहन नहीं कर सकीं: टूटे हुए द्वार इधर-उधर उड़ते चले गए, उस टकराते हुए अस्त्र के सामने; रात के अंधेरे में, झुकी हुई भौंहों के साथ, महान हेक्टर अंदर कूद पड़ा; उसके सीने पर पीतल का कवच चमक उठा; जैसे ही वह दो भाले हाथ में लिए द्वार से कूदा; देवताओं के अलावा, कोई भी शक्ति उसका सामना नहीं कर सकी; उसकी आँखें भयानक आग से धधक उठीं। फिर ट्रोजनों की ओर मुड़कर, भीड़ की ओर, उसने ऊँची दीवार पर चढ़ने के लिए जोर से पुकारा; उन्होंने सुना और तुरंत आज्ञा का पालन किया; कुछ दीवार फांदकर अंदर घुस गए; कुछ मजबूत बने फाटकों से लगातार अंदर आते रहे; जबकि अफरा-तफरी मची हुई थी, घबराए हुए यूनानी अपने जहाजों की ओर भाग गए।
**खंड I का अंत।**

# खंड II.

## तर्क।

**चौथा युद्ध जारी रहा, जिसमें नेप्च्यून ने यूनानियों की सहायता की। इडोमेनियस के कार्य।**

यूनानियों की हार से चिंतित नेपच्यून ने हेक्टर (जो अजेस के स्टेशन के पास के द्वार से अंदर घुस गया था) द्वारा किलेबंदी को तोड़ते हुए देखकर कल्चास का रूप धारण किया और उन वीरों को उसका विरोध करने के लिए प्रेरित किया; फिर, एक सेनापति के रूप में, उसने अपने जहाजों में शरण लिए हुए अन्य यूनानियों का हौसला बढ़ाया। अजेस ने अपनी सेना को एक मजबूत फ़ैलेंक्स में संगठित किया और हेक्टर और

ट्रोजन को रोक दिया। कई वीरतापूर्ण कार्य किए गए; मेरियोनेस ने लड़ाई में अपना भाला खो दिया और इडोमेनियस के तंबू में दूसरा भाला खोजने गया; इससे इन दोनों योद्धाओं के बीच बातचीत हुई और वे साथ मिलकर युद्ध में लौट आए। इडोमेनियस ने अपनी बहादुरी का परिचय दिया; उसने ओथ्रियोनियस, आसियस और अल्काथस को मार डाला; डेफोबस और एनेस ने उस पर आक्रमण किया और अंततः इडोमेनियस पीछे हट गया। मेनेलास ने हेलेनस को घायल कर दिया और पेइसेंडर को मार डाला। ट्रोजन को बाएँ भाग से खदेड़ दिया गया। हेक्टर अभी भी अजैक्स के खिलाफ डटा हुआ है, जब तक कि लोक्रियन गुलेल चलाने वालों और तीरंदाजों से तंग आकर पोलिडामास युद्ध परिषद बुलाने की सलाह नहीं देता: हेक्टर उसकी सलाह मान लेता है, लेकिन पहले ट्रोजनों को इकट्ठा करने जाता है; पेरिस को फटकारता है, पोलिडामास से फिर मिलता है, अजैक्स से दोबारा मिलता है, और हमले को फिर से शुरू करता है।
अट्ठाईसवाँ दिन अभी भी जारी है। दृश्य यूनानी दीवार और समुद्र तट के बीच का है।

# पुस्तक XIII.

जब बृहस्पति ने हेक्टर और ट्रोजनों को जहाजों के पास लाया, तो उसने उन्हें वहीं परिश्रम और निरंतर संघर्ष के लिए छोड़ दिया; अपनी तीक्ष्ण दृष्टि दूर थ्रेस की घुड़सवार जनजातियों, युद्धप्रिय मिसियनों और घोड़ियों के दूध पर पलने वाले पुरुषों पर डाली, जिन्हें हिप्पेमोलगी कहा जाता है; एक शांतिप्रिय जाति, मानव जाति में सबसे न्यायप्रिय। उसने एक बार भी अपनी भेदक दृष्टि ट्रॉय पर नहीं डाली; और न ही उसने सोचा कि कोई भी देवता ट्रोजनों या यूनानियों को अपनी सक्रिय सहायता देने का साहस करेगा।

सम्राट नेपच्यून ने लापरवाही से पहरा नहीं दिया: वह आश्चर्यचकित होकर युद्ध को देख रहा था, जहाँ वह बैठा था: थ्रेस के सामोस की सबसे ऊँची चोटी पर; जहाँ से उसने इडा की ऊँचाइयाँ देखीं, प्रियम का शहर और ग्रीस के जहाज।

वह समुद्र से ऊपर आया और बैठ गया; और वहाँ से ट्रोजन द्वारा पराजित यूनानियों को उसने दयापूर्वक देखा और बृहस्पति पर क्रोधित हुआ। फिर वह पहाड़ की चट्टानी ढलान से नीचे उतरा; और जैसे-जैसे वह आगे बढ़ा, सागर के स्वामी के अमर चरणों के नीचे विशाल पर्वत और घने जंगल कांप उठे। उसने तीन कदम उठाए; चौथे कदम पर वह अपने लक्ष्य, एगे तक पहुँच गया। खाड़ी के किनारे पर जहाँ उसका मंदिर खड़ा था, पूरी तरह से जगमगाता हुआ, सोने का बना हुआ, अविनाशी; वहाँ पहुँचकर उसने अपने रथ के नीचे पीतल के पैरों वाले घोड़ों को जोता, जो सबसे तेज़ उड़ान भरते थे, सुनहरे बालों से लदे हुए। सोने से सजे हुए, उसने सोने की चाबुक पकड़ी, जो अद्भुत कारीगरी की थी, और अपने रथ पर सवार होकर लहरों पर सरपट दौड़ा; नीचे की सभी गहराइयों से गहरे समुद्र के राक्षसों के चारों ओर उछल-कूद की, जो अपने राजा को स्वीकार कर रहे थे; आनंदित सागर ने अपनी लहरों को चीर दिया; उछलते हुए घोड़े तेज़ी से उड़े, और पीतल का धुरा पानी की फुहार से भीगा नहीं, जब वे अपने स्वामी, ग्रीस के जहाजों की ओर जा रहे थे।

समुद्र की गहराइयों में एक विशाल गुफा है, जो टेनेडोस और इम्ब्रोस के चट्टानी द्वीपों के बीच में स्थित है: पृथ्वी को कंपाने वाले नेपच्यून ने वहाँ अपने घोड़ों को ठहराया, रथ से मुक्त होकर उनके सामने अमृतमय भोजन रखा; और उनके पैरों के चारों ओर

सोने की बेड़ियाँ बाँधीं, जिन्हें कोई तोड़ या खोल नहीं सकता था, ताकि वे वहाँ अपने प्रभु के लौटने की प्रतीक्षा कर सकें; फिर वह यूनानी सेना की ओर चल पड़ा।
इसी बीच, प्रियम के पुत्र हेक्टर के नेतृत्व में, आग या बवंडर की तरह, ट्रोजनों पर दबाव डाला गया, उग्र उत्साह, चीख-पुकार और कर्कश स्वर में; जहाजों और सभी सरदारों को अपने साथ मारने की आशा में; लेकिन सागर की गहराइयों से पृथ्वी को कंपकंपाने वाला, पृथ्वी का चक्राकार, कल्चास के स्वरूप और गहरी आवाज में प्रकट हुआ, और बेहोश यूनानियों को जगाया; सबसे पहले अजेस को संबोधित करते हुए, उन्होंने उत्साह से भरकर कहा: "हे अजेस, उच्च साहस से परिपूर्ण, यह तुम्हारा कर्तव्य है कि तुम ठंडे भय को त्यागकर यूनानियों की रक्षा करो: कहीं और मुझे ट्रोजन सेना से ज्यादा डर नहीं लगता, यद्यपि वे भीड़ में ऊँची दीवार पर चढ़ गए हों; फिर भी अच्छी तरह से कवचधारी यूनानी उनके आक्रमण का सामना कर सकते हैं। फिर भी मुझे बहुत डर है कि कहीं हमें नुकसान न हो जाए, जहाँ वह क्रूर, उग्र पागल हेक्टर नेतृत्व कर रहा है, जो स्वयं को सर्वोच्च बृहस्पति का पुत्र होने का दावा करता है।" लेकिन ईश्वर आपके हृदयों को प्रेरित करे, ताकि आप स्वयं दृढ़ता से खड़े रहें और अपने साथियों का हौसला बढ़ाएं; ताकि आप अपने तीव्र गति से चलने वाले जहाजों से शत्रु को खदेड़ सकें, चाहे वह कितना भी साहसी क्यों न हो, भले ही स्वयं ओलंपियन ज़्यूस द्वारा समर्थित हो।
पृथ्वी को कंपकंपाने वाले, पृथ्वी के चक्राधर, ने कहा, और अपने राजदंड से दोनों सरदारों को छूकर, उन्हें शक्ति और साहस से भर दिया, और उनके अंगों, उनके पैरों और हाथों को सक्रिय शक्ति से भर दिया; फिर एक तेज पंखों वाले बाज़ की तरह उड़ान भरी, जो किसी ऊँची चट्टान के सीधे चेहरे से नीचे उतरकर मैदान पर अपने पंख वाले शिकार को पकड़ने के लिए झपट्टा मारता है: नेपच्यून इतनी तेजी से सरदारों को छोड़कर चला गया; सबसे पहले उसे, प्रस्थान करते हुए, ओइलियस के सक्रिय पुत्र को पता चला, और इस प्रकार टेलामोन के पुत्र ने संबोधित किया: "एजैक्स, क्योंकि ओलंपियन देवताओं में से एक, एक द्रष्टा के रूप में, यहाँ आया है हमें युद्ध के लिए प्रेरित करने के लिए (वह कल्चास नहीं है, हमारा स्वर्ग-प्रेरित शगुन; क्योंकि मैंने उसके जाने के दौरान उसकी गतिविधियों को अच्छी तरह से देखा; और एक देवता के

बाहरी संकेतों को पहचानना आसान है), मुझे अपने सीने में नई ऊर्जा का संचार महसूस हो रहा है, और मेरे पैरों में नई शक्ति आ गई है।" हाथ।"
इस पर तेलमोन के पुत्र ने उत्तर दिया: "मेरे हाथ भी भाले को और भी दृढ़ता से थामे हुए हैं; मेरी आत्मा भी तुम्हारी ही तरह प्रज्वलित है; मेरे पैर जोश से भरे हुए हैं; और मुझे प्रियम के पुत्र हेक्टर से अकेले ही मिलने और मृत्यु तक युद्ध करने से डर नहीं है।"
उनकी आपसी बातचीत कुछ इस प्रकार थी, जैसे वे ईश्वर से प्रेरित तीव्र उत्साह में डूबे हुए थे। इसी बीच, नेपच्यून ने अन्य यूनानियों को जगाया, जिन्होंने वापस लिए गए जहाजों में अपनी क्षीण शक्ति को पुनः प्राप्त किया; क्योंकि परिश्रम से उनके अंग कमजोर हो गए थे, और उनके हृदय में दुःख था, जब उन्होंने ट्रोजन सेना को ऊँची दीवार पर चढ़ते देखा; उन्होंने देखा, और उनकी आँखों से आँसू बहने लगे, सुरक्षा की निराशा से; लेकिन पृथ्वी को हिला देने वाले ईश्वर ने उनकी पंक्तियों के बीच प्रकट होकर, शीघ्र ही उनकी दृढ़ पंक्ति को बहाल कर दिया। सबसे पहले वह ट्यूसर के पास आया, लेइटस और वीर पेनेलियस के पास, थोआस, डेपिरस, मेरियोनेस के पास, और युवा एंटिलोकस के पास, जो सभी बहादुर योद्धा थे, और उसने सरदारों को अपने जोशीले शब्द कहे:
"तुम पर शर्म आती है, यूनानी युवकों! मैंने तुम्हें अपने जहाजों के रक्षकों के रूप में देखा था; लेकिन यदि तुम इस खतरनाक युद्ध से पीछे हटते हो, तो सचमुच हमारा दिन आ गया है, जब हम ट्रॉय के हाथों पराजित होंगे। हे भगवान! यह एक दुखद और अद्भुत दृश्य है, एक ऐसा दृश्य जिसे मैंने कभी अपनी आँखों से देखने की कल्पना भी नहीं की थी, हमारे जहाजों पर ट्रोजन सैनिकों ने हमला किया है; उन लोगों ने जो अब तक घने जंगलों में डरपोक हिरणियों की तरह सियार, तेंदुओं और भेड़ियों के असहाय शिकार रहे हैं; वे यहाँ और वहाँ, अनिश्चित, निर्दयी, प्रतिरोधहीन, भागो: ट्रोजन कभी ऐसे ही थे; और टिकने की हिम्मत नहीं की, नहीं, एक घंटे भी नहीं, यूनान की शक्ति और शस्त्रों के सामने; और ये वे हैं, जो अब हमारे जहाजों के पास, अपने शहर की दीवारों से दूर, लड़ाई जारी रखे हुए हैं, हमारे महान सेनापति की गलती से उत्साहित होकर, और लोगों की सुस्ती से, जो उसके साथ नाराज होकर, हमारे जहाजों की रक्षा के लिए मुश्किल से ही आते हैं। और कमजोर होकर लड़ते हुए, उनके पास ही मारे

जाते हैं। यहाँ तक कि शक्तिशाली सम्राट एट्रेस भी पुत्र, व्यापक शासन करने वाले एगामेम्नन, वास्तव में इस मामले में पूरी तरह से दोषी हो, क्योंकि उसने पेलियस के पुत्र के साथ अन्याय किया है, फिर भी यह हमारे लिए नहीं है कि हम अपना साहस शिथिल कर दें। इसलिए जागृत हो जाओ! एक बहादुर व्यक्ति का मनोबल शीघ्र ही पुनः प्राप्त हो जाता है। सेना के सर्वश्रेष्ठ और सबसे बहादुर लोगों का इस प्रकार निष्क्रिय खड़े रहना उचित नहीं है; यदि तुच्छ लोग युद्ध से पीछे हटते, तो मैं उन्हें दोष नहीं देता; लेकिन तुम जैसे लोगों का डगमगाना मेरे लिए क्रोध का कारण है। आत्मा। प्रिय मित्रों, इस लापरवाही से और भी बड़ी बुराइयाँ उत्पन्न होंगी; परन्तु उदार लज्जा और तीव्र पश्चाताप से प्रत्येक व्यक्ति का हृदय भर जाए; संघर्ष भयंकर है; अपनी शक्ति के अभिमान में हेक्टर ने द्वार और विशाल सलाखों को तोड़ दिया है, और क्रोधित होकर जहाजों के बीच युद्ध जारी रखे हुए है।
इस प्रकार नेप्च्यून ने यूनानियों को फटकारते हुए कहा:
तब दोनों अजेस के चारों ओर घनी कतारें थीं,
वे पंक्तिबद्ध सैनिक, जिनकी दृढ़ व्यवस्था को न तो मंगल,
और न ही उत्साहवर्धक पल्लास फटकार सकते थे:
क्योंकि वहाँ, सभी सबसे बहादुर, उचित क्रम में,
हेक्टर के नेतृत्व में ट्रोजन आक्रमण की प्रतीक्षा कर रहे थे:
भाले से भाला, और ढाल से ढाल,
ढाल से ढाल, और हेलमेट से हेलमेट,
और आदमी से आदमी; ऊपर घोड़े के बालों के पंख, जो योद्धाओं के चमकते मुकुटों पर लहरा रहे थे, एक दूसरे को छू रहे थे; वे इतने करीब खड़े थे। कई मजबूत हाथों से पीछे की ओर भाले खींचे जा रहे थे, फेंकने के लिए तैयार; उनकी आँखें और मन आगे की ओर मुड़े हुए थे, और युद्ध के लिए उत्सुक थे। ट्रोजन सेना उमड़ पड़ी; वैन में हेक्टर ने सीधे आगे बढ़ते हुए अपना उग्र मार्ग अपनाया। जैसे कोई विशाल शिलाखंड, अपने चट्टानी आधार से अलग होकर, शीतकालीन जलप्रपात के बल से, चट्टान के खड़ी ढलान से नीचे गिरता है, जब निरंतर बारिश ने विशाल चट्टान की मजबूत पकड़ को कमजोर कर दिया हो; यह विशाल छलांगों के साथ उड़ता है; इसके नीचे टूटता हुआ जंगल गूंजता है; फिर भी यह तेजी से आगे बढ़ता है, जब तक कि समतल मैदान

पर पहुँचकर, इसकी उग्र गति रुक जाती है और यह आगे नहीं बढ़ता; इस प्रकार हेक्टर, जहाजों और तंबुओं के बीच से धमकी देते हुए, समुद्र तक पहुँचने का प्रयास करता है, ताकि वह अपना खूनी रास्ता बना सके, तभी उस दृढ़ सेना का सामना करते हुए, वह उसके ठीक सामने रुक जाता है; जबकि यूनानियों के पुत्र, तलवार और दोधारी भाले से, उसके आक्रमण को रोकते हैं; वह थोड़ी देर के लिए पीछे हटता है, और जोर से ट्रोजन को पुकारता है:
"ट्रोजन, लाइसियन और प्रसिद्ध डार्डन, आमने-सामने की लड़ाई में डटे रहो! ज्यादा देर नहीं लगेगी। यूनानी, चाहे कितनी भी घनी आबादी में हों, मेरा रास्ता रोकेंगे। लेकिन मुझे लगता है, जल्द ही, इससे पहले कि मेरा भाला कांपे, अगर मेरा मिशन देवताओं के मुखिया से हो, यानी गर्जन के देवता बृहस्पति से, जो राजसी जूनो के स्वामी हैं।"
उसके शब्दों ने हर हृदय में नया साहस जगाया;
सर्वोच्च कर्मों पर लीन, प्रियम का पुत्र, डेफोबस, सबसे आगे की पंक्तियों से,
अपनी ढाल का चौड़ा गोला अपने सामने लिए हुए, आगे बढ़ा
हवा जैसे कदमों से, ढाल द्वारा संरक्षित:
उस पर मेरियोनेस ने चमकते भाले से
निशाना साधा, और उसका निशाना नहीं चूका; ढाल के चौड़े गोले पर, जो कठोर बैल की खाल से बना था, उसने प्रहार किया; लेकिन पार नहीं हो सका, क्योंकि मजबूत भाला सिरे के पास ही टूट गया था। फिर भी डेफोबस ने अपनी छाती के सामने से अपनी ढाल को दूर रखा; क्योंकि वह मेरियोनेस के हथियार से बहुत डरता था; लेकिन वह अपने साथियों की शरणस्थली में लौट आया, अपनी टूटी हुई उम्मीदों और टूटे हुए भाले से दुखी होकर। फिर वह जहाजों की ओर बढ़ा, दूसरा भाला खोजने के लिए, जो उसके तम्बू में पड़ा था। बाकी लोग भयंकर शोर-शराबे के बीच लड़ते रहे।
वहाँ सबसे पहले तेलमोन के पुत्र ट्यूसर ने, एक योद्धा के रूप में, मेंटर के पुत्र, अनेक घोड़ों के स्वामी, इम्ब्रियस, जो भाला चलाने में कुशल था, को मार डाला। पुराने समय में, यूनानियों के आने से पहले, वह पेडेयस में रहता था और उसकी पत्नी मेडेसिकास्ट थी, जो प्रियम की नाजायज संतान थी; लेकिन जब यूनान के सुसज्जित जहाज दिखाई दिए, तो वह ट्रॉय लौट गया। और वहाँ, सभी द्वारा आदरणीय, प्रियम के साथ निवास

करते थे, जो उन्हें पुत्र के समान प्रेम करते थे। तेउसर ने अपने भाले से उनके कान के नीचे वार किया और हथियार वापस खींच लिया; वे नीचे गिर पड़े, जैसे किसी ऊँची चोटी पर लकड़हारे की कुल्हाड़ी से कोई गर्वित राख का पेड़ गिरता है, दूर से ही दिखाई देता है, अपनी कोमल पत्तियों को जमीन पर बिखेरता हुआ; वे गिर पड़े; और उनके चमकीले कवच की तेज आवाज गूंजी। तेउसर लूट का माल छीनने के लिए आगे बढ़ा; जिस पर, आगे बढ़ते हुए, हेक्टर ने अपना चमकीला भाला निशाना साधा; उसने देखा, और झुककर, थोड़ी देर के लिए उस भयानक मौत से बच गया; लेकिन भाला सीने में जा लगा, सीएटस के पुत्र एम्फिमाकस, जो कि एक्टर का पुत्र था और युद्ध में तेजी से आ रहा था: वह गरजते हुए गिरा, और उसके कवच की तेज आवाज गूंजी। फिर हेक्टर आगे कूदा, इस उम्मीद में कि वह बहादुर एम्फिमाकस के माथे पर अच्छी तरह से फिट होने वाले पीतल के हेलमेट को छीन लेगा; लेकिन एजैक्स ने अपने चमकदार भाले से हेक्टर के आक्रमण का सामना किया; वह स्वयं चमकदार पीतल से घिरे होने के कारण वहाँ तक नहीं पहुँच सका; लेकिन अपनी मजबूत ढाल पर दबाव डालते हुए, उसने पूरी ताकत से मृतकों के स्थान से आगे धकेल दिया: यूनानी उन दोनों से पीछे हट गए; एथेंस के सरदार स्टाइचियस और बहादुर मेनेस्थियस, ग्रीस की सेनाओं के बीच से एम्फिमाचस को ले गए; जैसे दो शेर जमीन से बहुत ऊपर झाड़ियों के बीच से अपने जबड़ों में एक बकरी को ले जाते हैं, जिसे नुकीले दांतों वाले कुत्तों की सुरक्षात्मक देखभाल से छीन लिया गया था: वैसे ही, युद्ध के क्रोध से भरे हुए, दोनों अजेस ने इम्ब्रियस के शव को ऊपर उठाया और उसके कवच को उतार दिया; और ओइलियस का पुत्र, अपने साथी एम्फिमाकस की मृत्यु पर दुखी होकर, कोमल गर्दन से काटकर, गेंद की तरह, कटे हुए सिर को भीड़ में घुमाते हुए फेंक दिया; और हेक्टर के पैरों के पास धूल में गिर पड़ा। फिर, अपने पोते की हत्या पर, नेपच्यून के हृदय में भयंकर क्रोध भर गया। वह ग्रीस के तंबुओं और जहाजों के बीच से गुजरा, यूनानी उसे प्रोत्साहित कर रहे थे, और ट्रॉय के पुत्रों के लिए विपत्तियाँ तैयार कर रहे थे। उसकी मुलाकात योद्धा राजा इदोमेनियस से हुई, जो युद्ध के मैदान से अपने एक साथी को छोड़कर आया था, जो घुटने के पीछे घायल था, लेकिन अभी-अभी लाया गया था; उसके साथी उसे जोंक की देखभाल में ले गए थे; वह उसे युद्ध में फिर से शामिल होने के लिए उत्सुकता से छोड़ गया; उसके तंबू के

पास पृथ्वी को हिला देने वाले ईश्वर ने उसे संबोधित किया, एंड्रेमोन के पुत्र की आवाज में, जो एटोलियनों पर एक देवता के समान शासन करता था। आदरणीय,
प्लुरोन में शासन किया, और ऊंचे कैलिडॉन में:
"हे इदोमेनियस, बुद्धिमान क्रीटियन सरदार, अब वे सभी घमंडी धमकियाँ कहाँ हैं, जो यूनानियों के पुत्रों द्वारा ट्रोजनों के विरुद्ध इतनी स्वतंत्र रूप से बरसाई गई थीं?"
जिनसे क्रीट के राजा इडोमेनियस ने कहा: "थॉस, जहाँ तक मैं समझता हूँ, किसी पर दोष नहीं लगाया जा सकता; हम सभी अपने कर्तव्यों को जानते हैं; न ही मैं किसी को निर्मम भय से विवश देखता हूँ, न ही पीछे हटते हुए, न ही युद्ध से पीछे हटते हुए: फिर भी शनि के पुत्र की सर्वोपरि इच्छा से ऐसा प्रतीत होता है कि यूनानियों को यहीं गिरना चाहिए, और आर्गोस से दूर गुमनाम कब्रों में दफन होना चाहिए। लेकिन, थॉस, जैसा कि तुम स्वयं सदा दृढ़ हो, और पिछड़ने वालों को फटकारने में देरी न करो, अपना काम जारी रखो।" अभी क्षमा न करो; बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को जगाओ।"
जिस पर पृथ्वी को हिला देने वाले नेप्च्यून ने इस प्रकार उत्तर दिया: "इडोमेनियस, वह ट्रॉय से लौट जाए, बस यहीं रहकर कुत्तों को खिलाए, अगर कोई ऐसा हो जो आज के युद्ध से पीछे हट जाए। लेकिन जल्दी करो, अपने हथियार उठाओ; अब बहुत आवश्यकता है, जल्दी करने की, अगर हम दोनों किसी काम आ सकें। यहां तक कि तुच्छ लोग भी एकजुट होकर साहस प्राप्त करते हैं; लेकिन हम सबसे बहादुरों को भी मिलने से डरने की जरूरत नहीं है।"
उसने कहा, और पुरुषों के संघर्ष में लौट आया। अपने सुगठित तम्बू में पहुँचकर, इडोमेनियस ने तुरंत अपना चमकीला कवच पहन लिया; उसने दो भाले लिए; और बिजली की चमक की तरह, जिसे बृहस्पति का हाथ मनुष्यों के लिए एक संकेत के रूप में ओलंपस की जगमगाती ऊँचाइयों से नीचे फेंकता है; जिसकी चकाचौंध भरी रोशनी दूर-दूर तक फैलती है; योद्धा के दौड़ते ही उसका चमकीला कवच चमक उठा। उसके बहादुर अनुयायी मेरियोनेस ने तम्बू के पास ही उससे मुलाकात की; वह भाला लेने आया था;
जिससे इडोमेनियस ने कहा: "मेरियोनेस,
मोलस के तेज कदमों वाले पुत्र, प्रिय साथी,
तुम यहाँ क्यों आए हो, और युद्ध का मैदान क्यों छोड़ दिया है?

क्या तुम्हें कोई घाव लगा है, जिसका दर्द
तुम्हारी आत्मा को क्षुद्र कर रहा है? या तुम युद्ध के मैदान में
मुझे बुलाने आए हो? बिना बुलाए, तुम अच्छी तरह जानते हो
मुझे तम्बू से ज्यादा युद्ध पसंद है।"
इस पर ऋषि मेरियोनेस ने उत्तर दिया: "क्रेते के पीतल के कवचधारी राजा
इडोमेनियस, मैं एक भाला लेने आया हूँ, यदि ऐसा भाला तुम्हारे तम्बू में मिल जाए;
क्योंकि युद्ध में, जो भाला मैं अभी ले जा रहा था, वह अभी-अभी वीर डेफोबस की ढाल
से टकराकर टूट गया।"
क्रीट के राजा इडोमेनियस ने कहा: "भाले, एक या बीस, यदि तुम चाहो, तो तुम्हें वहाँ
पॉलिश की हुई दीवार के सामने मिल सकते हैं। मारे गए ट्रोजनों का लूटा हुआ माल;
क्योंकि मेरे शत्रुओं के साथ दूर युद्ध करना मेरी आदत नहीं है। इसलिए मेरे पास
भालों, ढालों, मुकुटों वाले हेलमेटों और चमकदार पॉलिश किए हुए कवचों का भंडार
है।"
इस पर ऋषि मेरियोनेस ने उत्तर दिया: "न तो मेरा तम्बू और न ही मेरा जहाज ट्रोजन
लूट से खाली है; बल्कि उन्हें खोजना बहुत मुश्किल है; और न ही मैं युद्ध में निष्क्रिय
हूँ; क्योंकि जब भी युद्धघोष सुनाई देता है, मैं गौरवशाली संघर्ष में सबसे आगे खड़ा
रहता हूँ। पीतल के कवच वाले यूनानियों द्वारा मेरे कार्यों पर शायद ध्यान न दिया जाए;
लेकिन तुम उन्हें भली-भांति जानते हो।"
क्रीट के राजा इडोमेनियस ने उनसे कहा: "इसकी क्या आवश्यकता है? मैं तुम्हारी
वीरता भली-भांति जानता हूँ; क्योंकि यदि हम अपने सबसे बहादुर सैनिकों को बेड़े में
से गुप्त घात लगाने के लिए चुनें, तो योद्धाओं के साहस की सबसे पक्की परीक्षा यहीं
होगी, जहाँ कायर और बहादुर के बीच का अंतर स्पष्ट हो जाएगा; (कायर का रंग नहीं
बदलता, न ही उसकी आत्मा उसके हृदय में संतुलन बनाए रखती है, बल्कि वह
लगातार एक पैर से दूसरे पैर पर डगमगाता रहता है, और उसके हृदय में मृत्यु की
प्रतीक्षा में उसका हृदय ज़ोर से धड़कता है; और उसकी सारी चेतना बड़बड़ाती रहती
है) दांत:
बहादुर आदमी का रंग नहीं बदलता; उसे कोई डर नहीं है
वह जानता है कि घात लगाई जा रही है; उसकी सारी प्रार्थना है

कि युद्ध का समय जल्द आ जाए)
वहाँ भी, कोई तुम्हारे साहस पर संदेह नहीं कर सकता।
यदि तुम्हें भाले या तलवार से घाव लगे,
तो वार तुम्हारी गर्दन के पीछे या तुम्हारी पीठ पर नहीं, बल्कि तुम्हारी छाती पर, सामने की ओर पड़ेगा,
फिर भी सबसे आगे की पंक्तियों के बीच आगे बढ़ते रहो।
लेकिन चलो, इस व्यर्थ की बात को लंबा न खींचें,
व्यर्थ बकवास करने वालों की तरह, जो उचित रूप से तिरस्कार कर सकते हैं जल्दी से मेरे तम्बू में आओ, और वहाँ से अपना भाला चुन लो।"
उसने कहा: और तम्बू से मेरियोनेस, मंगल की तरह वीर, ने अपना भाला सीधा चुना, और युद्ध के लिए उत्सुक होकर अपने सरदार से मिल गया। जैसे मंगल, मनुष्यों का अभिशाप, युद्ध के लिए निकलता है, अपने बलवान, निर्भीक पुत्र के साथ, आतंक, जो सबसे बहादुर योद्धा की आत्मा को भी कंपा देता है; वे दोनों, थ्रेस से, एफ़िरी के विरुद्ध, या अभिमानी फ्लेग्यानों के विरुद्ध; दोनों योद्धाओं की प्रार्थनाएँ एक समान नहीं सुनते, एक तरफ विजय का ताज पहनाया जाता है; अतः वे दोनों नेता, शानदार शस्त्रों से सुसज्जित होकर युद्ध के लिए रवाना हुए: तब मेरियोनेस ने अपने प्रमुख को संबोधित किया:
"ड्यूकालियन के पुत्र, बताओ कि क्या हमारा आक्रमण दाईं ओर से होना चाहिए, या सेना के केंद्र में से, या बाईं ओर से; क्योंकि मुझे लगता है कि यूनानियों को सबसे अधिक सहायता वहीं चाहिए।"
क्रीट के सरदार इडोमेनियस ने कहा: "अन्य लोग केंद्र की रक्षा के लिए हैं, यूनानी सेना के अजाक्स और टेउसर दोनों ही सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर हैं, और खड़े होकर लड़ने में भी माहिर हैं; हेक्टर के लिए ये लोग पूरी तरह से काम कर सकते हैं, क्योंकि वह बहादुर है और युद्ध के लिए उत्सुक है; यहाँ तक कि उसके साहस के लिए भी यह एक कठिन कार्य होगा, उनकी शक्ति को जीतना और उन्हें अजेय बनाना मुश्किल होगा, और जहाजों को जला देना भी मुश्किल होगा, अगर शनि का पुत्र स्वयं आग न लगाए, तो मशाल को जहाजों के बीच फेंक दे। महान अजाक्स टेलमोन किसी के सामने नहीं झुकेगा।" नश्वर जन्म से, सांसारिक भोजन से पोषित, भाले या भारी पत्थर से आक्रमण

योग्य; आमने-सामने की लड़ाई में, पेलेउस के पुत्र अकिलीज़ से शायद ही कोई मात खा सके; हालाँकि उसके साथ, पैरों की गति में वह प्रतिस्पर्धा करने की आशा नहीं कर सकता। फिर बाईं ओर से आक्रमण करें; और जल्दी से जान लें कि क्या हम दूसरों के सिर पर प्रसिद्धि पाने के लिए अभिशप्त हैं, या वे हमारे सिर पर।
उसने कहा: और, मंगल ग्रह के समान वीर, मेरियोनेस, जहाँ उसने निर्देश दिया, वहाँ आगे बढ़ा। अब जब, इस प्रकार साथ में, इडोमेनस, धधकती आग की तरह, चकाचौंध भरी भुजाओं के साथ प्रकट हुआ, उसके चारों ओर, उत्साहपूर्ण नारों के साथ, यूनानी उमड़ पड़े, और जहाजों के किनारे संतुलित लड़ाई छिड़ गई। जैसे, जब सड़कों पर धूल सबसे गहरी होती है, तूफानी हवाओं के सामने आंधी तेजी से चलती है, और घूमते हुए बादल एक साथ ऊपर उछलते हैं; वैसे ही लड़ाई अस्त-व्यस्त हो गई; और उस भीड़ में, हर आदमी नरसंहार की तीव्र इच्छा से जल रहा था। भारी भालों से भरा घातक संघर्ष चल रहा था, जिन्हें भयावह इरादे से चलाया जा रहा था; चमकते हेलमेटों, पॉलिश किए हुए कवच और जगमगाती ढालों के मिश्रण से चमकती हुई पीतल की चमक दृष्टि को चकाचौंध कर रही थी; वास्तव में कठोर हृदय वाला कोई भी व्यक्ति उस दृश्य को दर्द के बजाय खुशी से देख सकता था।
फिर शनि के शक्तिशाली पुत्रों के विविध विचारों ने नश्वर योद्धाओं पर भयंकर विपत्ति ला दी: बृहस्पति ने हेक्टर और ट्रोजन को विजय दिलाने का निश्चय किया, तेज गति वाले अकिलीज़ के सम्मान में; फिर भी पूरी तरह से नहीं, उसने ट्रॉय की दीवारों के सामने यूनानी सेना को नष्ट करने की इच्छा व्यक्त की; परन्तु थेतिस और उसके नेक हृदय पुत्र को महिमा प्रदान करने के लिए। दूसरी ओर, नेपच्यून ने यूनानियों को प्रेरित किया, जो प्राचीन समुद्र से गुप्त रूप से उदय हुआ; क्योंकि उसने ट्रोजन सेना पर विजय प्राप्त करने से पहले उन्हें दुःख से देखा, और बृहस्पति पर बहुत क्रोधित हुआ। दोनों का पद समान था, उनका जन्म एक ही था, परन्तु बृहस्पति बुद्धि और आयु दोनों में प्रथम था। नेपच्यून ने यूनान के पक्ष में खुलेआम सहायता करने का साहस नहीं किया। लेकिन नश्वर रूप धारण किए हुए, गुप्त रूप से सेना का साहस जागृत होता रहा। भयंकर युद्ध में वे इधर-उधर खींचते रहे और संघर्ष को संतुलित करते रहे, जिसमें अनेक योद्धा मारे गए, वह तनावपूर्ण रस्सी जिसे कोई तोड़ या ढीला नहीं कर सका। फिर, यद्यपि उसके बाल उम्र के साथ सफेद हो गए थे, यूनानियों को सहायता

के लिए बुलाते हुए, इडोमेनियस ने आतंक फैलाते हुए ट्रोजनों पर हमला किया और ओथ्रियोनियस को मार डाला, जो हाल ही में युद्ध की चेतावनी पर कैबेसस से आया था; और प्रियम के घर में अतिथि के रूप में स्वागत किया गया, उसकी सबसे सुंदर पुत्री ने विवाह करने की इच्छा जताई, कैसेंड्रा ने कोई हिस्सा नहीं माँगा; उसने ट्रॉय की दीवारों के सामने से ही महान कर्मों का वादा किया, ताकि वह यूनानियों को उनके अपमान में खदेड़ दे। बूढ़े प्रियम ने उसकी बात सुनी; और उसने अपने वादे पर भरोसा करते हुए ट्रॉय के लिए युद्ध किया। गर्व से कदम बढ़ाते हुए इडोमेनियस ने अपने चमकते भाले से उस पर प्रहार किया, और उसके पीतल के कवच का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। मध्य प्रहार के माध्यम से, वह गरजते हुए गिर पड़ा: विजेता ने शेखी बघारते हुए कहा:

"हे ओथ्रियोनियस, सभी मनुष्यों में मैं तुम्हारा आदर करता हूँ, यदि तुम सचमुच वृद्ध प्रियम से किए अपने वादे पूरे करोगे, जिसने तुम्हें बदले में अपनी पुत्री देने का वादा किया था: हम भी तुम्हें ऐसा ही पुरस्कार देंगे; और तुम्हें यहाँ, आर्गोस से लाई गई, एट्रीड्स की सबसे सुंदर पुत्री से विवाह करने के लिए देंगे, यदि तुम हमारे साथ मिलकर ट्रॉय की सुदृढ़ दीवारों को ध्वस्त कर दोगे। तो आओ, हमारे समुद्री जहाजों पर सवार होकर विवाह अनुबंध पर चर्चा करो; और हम अपने विवाह के प्रति उदार नहीं पाए जाएँगे।" उपहार।"

उसने कहा, और मारे गए व्यक्ति का पैर पकड़कर, भीड़ से घसीटते हुए, आसियास बचाव के लिए आया, वह स्वयं अपने रथ के आगे पैदल चल रहा था: घोड़े उसके सारथी के इतने करीब थे कि वे उसके कंधों पर साँस ले रहे थे; वह उत्सुकता से इडोमेनियस तक पहुँचने की कोशिश कर रहा था; लेकिन उसने, रोककर, भाला उसके गले से होते हुए, उसकी ठुड्डी के नीचे से आर-पार कर दिया; हथियार आर-पार हो गया; वह गिर पड़ा; जैसे कोई बलूत का पेड़ या लंबा चिनार का पेड़ गिरता है, या पहाड़ की चोटी पर खड़ा कोई ऊँचा चीड़ का पेड़, जिसे लकड़हारे ने किसी भव्य जहाज के लिए काट डाला हो: वैसे ही वह, रथ और घोड़ों के सामने लेटकर, अपनी मृत्यु-पुकार मचाते हुए, खून से सनी मिट्टी को पकड़ लिया; स्तब्ध, असहाय, उसका सारथी खड़ा रहा; दुश्मनों के हाथों से बचकर, उसने अपने घोड़ों को मोड़ने की हिम्मत नहीं की: एंटिलोकस ने उसकी कमरबंद के नीचे वार किया; और उसकी

पीतल की कवच भी काम नहीं आई; मध्य प्रहार के माध्यम से, वह अच्छी तरह से निर्मित रथ से हांफते हुए गिर पड़ा। नेस्टर के महान पुत्र एंटिलोकस ने घोड़ों को पकड़ लिया और ट्रोजन सेना से उसे ग्रीक शिविर की ओर खदेड़ दिया। ऐसियस की मृत्यु पर, गहरे शोक में डूबे डेफोबस ने पास आकर इडोमेनियस पर अपना चमकीला भाला फेंका: उसने आते हुए हथियार को देखा और उससे बच निकला: अपनी ढाल के विशाल घेरे के नीचे, खाल और पीतल की प्लेटों से घिरे हुए, और दो छड़ियों के सहारे, वह छिपा हुआ खड़ा था: वह नीचे दुबका हुआ था, और भाला उसके ऊपर से गुजरा: फिर भी ढाल से टकराकर वह कर्कश आवाज करता हुआ निकला; उस मजबूत हाथ से वह व्यर्थ नहीं निकला, बल्कि उसके आर-पार चला गया। मध्य भाग, हृदय के ठीक नीचे,
हिप्सनस के पुत्र हिप्सनोर पर इसका प्रहार हुआ,
और उसने तुरंत अपने अंगों को शिथिल कर दिया; फिर जोर से चिल्लाते हुए,
घमंड भरे स्वर में, डेफोबस ने कहा:
"ऐसियस का बदला अभी बाकी है; मुझे लगता है, जैसा कि मैंने उसे संगति में पाया है, वह खुशी से पाताल लोक के कड़े पहरे वाले द्वारों से गुजर सकता है।" उसने कहा; यूनानी क्रोधित होकर उसकी शेखी बघारने लगे; एंटिलोकस के प्रमुख के प्रति उसके भीतर वीर आत्मा जागृत हो उठी; फिर भी अपने शोक के बीच, अपने साथी को न भूलते हुए, वह दौड़ा, और उस पर अपनी ढाल का आवरण फैला दिया। इस बीच, दो भरोसेमंद दोस्त, एकियस का पुत्र मेसिस्टियस और अलास्टोर, मृत व्यक्ति को उठाकर, गहरे विलाप करते हुए उसे जहाजों तक ले गए। और इडोमेनियस का महान क्रोध भी कम नहीं हुआ। फिर भी किसी ट्रोजन आत्मा पर जल रहा है
रात और मृत्यु का अंधकारमय पर्दा खींचने के लिए;
या, यूनानियों को बचाने के बाद, स्वयं गिर जाना।
तब उसने उच्च कुल के एसुएट्स के पुत्र,
अल्काथस को मार डाला; वह, एंचीसेस का दामाद,
अपनी सबसे बड़ी बेटी,
हिप्पोडामिया से शादी की; अपने माता-पिता दोनों से,
सभी से ऊपर, प्रिय; सुंदरता, कौशल और बुद्धि में,

अपने सभी साथियों से बढ़कर; एक की पत्नी, ट्रॉय के पूरे क्षेत्र में सबसे महान व्यक्ति। नेप्च्यून ने इडोमेनियस द्वारा उसे वश में कर लिया; उसकी तेज आँखों पर मुहर लगा दी, उसके सक्रिय अंगों को रोक दिया, भागने या भाले से बचने की शक्ति के बिना; एक स्तंभ या एक ऊंचे पेड़ की तरह स्थिर, वह खड़ा रहा, जबकि इडोमेनियस ने उसके सीने में अपना हथियार घुसा दिया; पीतल के कवच को तोड़ दिया, जिसने अक्सर मृत्यु के प्रहार को टाल दिया था; भाले से कटने पर वह बुरी तरह से घिस गया: वह गिर पड़ा; उसके हृदय में भाले की नोक कांप रही थी, जो तीव्र धड़कनों के साथ बाण को हिला रही थी। वहीं मार्स ने उसका मार्ग रोक दिया। फिर विजय की चीखों और शेखी बघारते हुए इडोमेनस ने इस प्रकार कहा:

"अब क्या हुआ, डेफोबस? क्या तीन एक के बराबर हैं? क्या अब तुम्हारे घमंड कहाँ गए? मेरे मित्र, बाहर आओ, मेरे सामने खड़े हो जाओ; और सीखो, अगर यहाँ, मेरे वंश के अयोग्य हो, तो मैं अपने महान पूर्वज बृहस्पति से आया हूँ। उसने क्रीट के संरक्षक प्रमुख मिनोस को जन्म दिया; महान ड्यूकालियन मिनोस का पुत्र था, मैं ड्यूकालियन का पुत्र हूँ; मेरा शासन दूर-दूर तक फैला हुआ है क्रीट में; जिसे अब हमारे जहाज लाए हैं, जो तुम्हारे लिए, तुम्हारे पिता के लिए, और ट्रोजन के लिए अभिशाप है।" सभी।" उसने कहा; और डेफोबस दुविधा में खड़ा था, या तो पीछे हट जाए, और अपनी सहायता के लिए ट्रोजनों को बुलाए, या अकेले ही इस जोखिम को उठाने का प्रयास करे। इस प्रकार, जैसा कि उसने सोचा, समझदारी भरा रास्ता एनेस को खोजना प्रतीत हुआ; उसे वह भीड़ के पीछे, अलग से मिला; क्योंकि वह अभी भी देवतुल्य प्रियम के साथ झगड़े में था, जिसने, उसके विचार से, उसकी वीरता के लिए उचित सार्वजनिक सम्मान को रोक रखा था। डेफोबस उसके पास पहुँचकर इस प्रकार बोला:

"ट्रॉय के सबसे बुद्धिमान सलाहकार, ऐनेस, अब तुम्हारा निवेदन है, यदि मृतकों के प्रति श्रद्धा तुम्हारे हृदय को प्रेरित कर सकती है, तो अपनी बहन के पति की सहायता करो: हमें अल्काथस को बचाने के लिए जल्दी करनी चाहिए; जिसने पुराने समय में, जब तुम छोटी थी, अपने पिता के घर में, तुम्हारा कोमल पालन-पोषण किया था; लेकिन अब, भाले के लिए प्रसिद्ध इडोमेनियस ने उसे मार डाला है।"

उसने कहा; ऐनेस का मन प्रज्वलित हुआ और युद्ध के क्रोध से भर उठा। वह इदोमेनियस की ओर बढ़ा। कायरतापूर्वक उसने मुठभेड़ से मुंह नहीं मोड़ा; बल्कि

दृढ़ता से खड़ा रहा, जैसे कोई पहाड़ी सूअर आत्मविश्वास से किसी एकांत स्थान पर शोरगुल भरे पीछा करने की प्रतीक्षा करता है; अपनी पीठ के बाल खड़े करता है; उसकी आँखें आग की तरह चमक रही हैं; और अपने दांत, वह उन आदमियों और कुत्तों पर तेज करता है जो हमला करने के लिए तैयार हैं: इस प्रकार भाले में प्रसिद्ध इडोमेनियस खड़ा था, युद्ध में तेज एनियास के आक्रमण की प्रतीक्षा कर रहा था; और अपने आस-पास देखे मित्रों को उसने सहायता के लिए बुलाया; एस्कालाफस, डेपिरस, और बहादुर मेरियोनेस, एंटिलोकस और अफारेस; इन सभी अनुभवी योद्धाओं को उसने इस प्रकार संबोधित किया:
"मेरे मित्रों, मेरी सहायता करो! मैं अकेला खड़ा हूँ, और तीव्र गति से चलने वाले ऐनेस के आक्रमण से भयभीत हूँ। वह युद्ध में प्रखर है; और उसकी जवानी की बहार है, जो मानवीय शक्ति का मुकुट है; यदि हमारी आत्मा की तरह हमारे वर्ष भी समान होते, तो आज वह या मैं महान यश प्राप्त करते।" उसने कहा; और एकमत होकर, सभी ने अपनी ढालें अपने कंधों पर रख लीं और उसके बगल में खड़े हो गए।
दूसरी ओर, ऐनेस ने अपनी सहायता के लिए अपने साथी सरदारों, डेफोबस, पेरिस और एजेनोर को बुलाया; जिनके पीछे आम भीड़ आई; जैसे भेड़ों के झुंड चरागाह से अपने पानी पीने के स्थान की ओर जाते हैं, वैसे ही कुलीन मेमना; चरवाहा उसे प्रसन्न देखता है; ऐनेस ने एकत्रित भीड़ को इतना प्रसन्न देखा। फिर अल्काथस के ऊपर
भाले की लड़ाई लड़ी गई; पीतल की भयंकर टक्कर हुई
नायकों की छाती पर, जैसे भीड़ के बीच
प्रत्येक दूसरे पर निशाना साध रहा था; गर्व से प्रतिष्ठित
दो शक्तिशाली योद्धा खड़े थे, भयानक
मार्स, एनियास और इडोमेनियस के रूप में,
अपने तेज भाले एक दूसरे के जीवन पर चला रहे थे।
सबसे पहले एनियास ने इडोमेनियस पर अपना भाला फेंका
उसने देखा, और पीतल की नोक से बच निकला; और व्यर्थ ही अपने मजबूत हाथ से एनेस के भाले को हटा दिया, एनेस का भाला जमीन पर कांप रहा था। इडोमेनियस ने सामने, कमर के नीचे, वार किया; भारी भाले ने खोखले कवच को भेद दिया, और उसकी आंतें फट गईं; वह धूल में गिर पड़ा, और जमीन को पकड़ लिया। तुरंत

इडोमेनियस ने लाश से भारी भाला निकाल लिया; फिर भी वह उसका कवच नहीं उतार सका। भाले इतनी तेज़ी से उड़ रहे थे। न ही उसके पैरों में जवानी की ताकत बची थी, न ही वह अपना हथियार वापस पा सका, न ही वापस उछल सका। खड़े होकर लड़ने में माहिर होने के बावजूद, अपने जीवन की रक्षा करने में, उसमें तेज़ी से पीछे हटने की सक्रिय शक्ति का अभाव था। धीरे-धीरे पीछे हटते हुए, डेफोबस, अभी भी क्रोध से भरा हुआ, उस पर अपना चमकता हुआ भाला फेंका: उसका निशाना चूक गया; लेकिन कंधे में छेद हो गया मार्स के वीर पुत्र एस्कालाफस; धूल में लोटते हुए वह गिर पड़ा और ज़मीन को पकड़ लिया। और युद्ध के शक्तिशाली देवता, जो ज़ोर से बोलते थे, यह नहीं जानते थे कि उनके पुत्र इस भयंकर लड़ाई में गिर पड़े हैं। सुनहरे बादलों से घिरे ऊंचे ओलंपस पर, वह सभी अमर देवताओं के बीच बैठे थे, बृहस्पति के आदेशों से युद्ध में शामिल होने से विवश। एस्कालाफस के चारों ओर कैसे भयंकर संघर्ष छिड़ा: पहले डेफोबस उसके सिर से चमकता हुआ हेलमेट फट गया; लेकिन मंगल ग्रह की तरह भयानक, मेरियोनेस उछल पड़ा और उसकी बांह को भेद दिया; और उसके हाथ से खोखली ध्वनि के साथ मुकुटनुमा हेलमेट गिर गया। मेरिओनेस गिद्ध की तरह उछल पड़ा, और उसने अपनी भुजा से मजबूत भाला निकाल लिया; फिर वह अपने साथियों की पंक्तियों के बीच पीछे की ओर कूद गया; जबकि पोलिटेस ने अपने भाई की कमर में अपने हथियार डाले और उसे युद्ध के मैदान से दूर ले गया, जहाँ रथ चालक और अलंकृत रथ के साथ, युद्ध के मैदान से परे, उसके तेज घोड़े खड़े थे। दर्द से कराहते हुए, जबकि खून उसकी घायल भुजा से बह रहा था, उसे ट्रॉय ले जाया गया। ऊब गया। बाकी लोग लड़ते रहे, और शोरगुल तेज हो गया।

एनेस ने कैलेटर के पुत्र अफारेस के गले में अपना चमकीला भाला घुसा दिया; और दूसरी ओर, अपनी ढाल और हेलमेट के साथ, उसका सिर नीचे धंस गया; और उसकी आँखों पर मृत्यु का साया छा गया। जैसे ही थून मुड़ा, एंटिलोकस, जो इस अवसर पर नज़र रख रहा था, आगे बढ़ा और अपने भाले से उसकी रीढ़ की हड्डी के साथ गर्दन तक का सारा मांस चीर डाला। वह पीछे की ओर गिर पड़ा, हाथ ऊपर उठाकर अपने साथियों से मदद के लिए पुकार रहा था: लेकिन एंटिलोकस आगे की ओर उछला और अपने कवच को अपनी छाती से फाड़ डाला, जबकि वह चारों ओर अपनी सतर्क

निगाहें डाल रहा था; क्योंकि हर तरफ से ट्रोजन उसकी चौड़ी ढाल पर वार कर रहे थे, लेकिन उसे छू नहीं पाए; क्योंकि नेपच्यून ने हथियारों की भीड़ के बीच नेस्टर के बेटे की रक्षा की। फिर भी वह अलग-थलग नहीं खड़ा था, बल्कि उनके बीच में, घुलमिलकर खड़ा था; और न ही उसने अपना भाला स्थिर रखा; फिर भी धमकी भरे अंदाज़ में इधर-उधर घूमता रहा, भाला फेंकने या आमने-सामने की लड़ाई के लिए तैयार। आसियस के पुत्र आदमस ने भीड़ पर नज़र डालते हुए उसे देखा; और उछलकर, अपने भाले से ढाल के बीचोंबीच प्रहार किया; लेकिन काले बालों वाले नेपच्यून ने वीर के जीवन की रक्षा की, और भाले की नोक को रोक दिया। आधा ढाल में धंसा हुआ, आग में तपकर सख्त हुए खंभे की तरह, वहीं टिका रहा, दूसरा आधा ज़मीन पर टूटा पड़ा था। वह अपने साथियों की शरणस्थली में वापस कूद पड़ा, सुरक्षा की उम्मीद में; लेकिन मेरियोनेस ने तुरंत उसका पीछा करते हुए अपना हथियार उसकी कमर में घुसा दिया, जहाँ बेचारे मनुष्यों को मृत्यु के समय सबसे तीव्र पीड़ा होती है। वहाँ उसने अपना भाला गाड़ दिया:
वह भाले के डंडे के चारों ओर छटपटाया, और हांफते हुए कराह उठा,
एक पहाड़ी बैल की तरह, जिसे रस्सियों से बांधकर,
चरवाहे व्यर्थ संघर्ष करते हुए घसीटते हैं,
प्रतिरोध करते हुए; तो घायल योद्धा कराह उठा:
लेकिन ज्यादा देर तक नहीं: क्योंकि भयंकर मेरियोनेस,
पास आकर, उसके शरीर से भाला छीन लिया,
और मृत्यु के काले साये ने उसकी आँखों को ढक लिया।
फिर हेलेनस ने, एक भारी थ्रेसियन तलवार,
हवा में लहराते हुए, डीपायरस की कनपटी पर प्रहार किया,
और उसका हेलमेट चकनाचूर हो गया;
जो उनके पैरों के नीचे लुढ़क रहा था, उसे भीड़ में से किसी यूनानी ने उठा लिया;
उसकी आँखें मृत्यु में बंद हो गईं।
वीर मेनेलास, एट्रेस का पुत्र,
शोक से देख रहा था; और शाही हेलेनस, धमकी भरे अंदाज़ में पास आते हुए, ऊँचे स्थान पर डटे हुए, अपने चमकते भाले को खींचते हुए, धनुष की डोरी खींच रहे थे।

तभी एक साथ दोनों ओर से चमकता हुआ भाला और तीर निकला। प्रियम के पुत्र के सीने के नीचे लगा तीर, खोखले कवच से टकराया और उछल पड़ा; जैसे काले रंग की फलियाँ या चपटी मटर, खलिहान के चौड़े पंखे से, तेज़ हवा और सूप की ताकत से उछलती हैं; महान मेनेलास से। कवच के ऊपर से चुभता हुआ तीर दूर जा गिरा। लेकिन वीर मेनेलास, एट्रेस का पुत्र, ने चमकीले धनुष को पकड़े हुए हाथ को भेद दिया। पीतल की नोक आर-पार हो गई और हाथ धनुष से जकड़ गया। अपने साथियों की कतारों में वापस लौटते हुए, वह सुरक्षा की आशा में उछल पड़ा, घायल अंग को लटकाए हुए, जिस पर राख जैसा भाला लगा हुआ था। एजेनोर ने घाव से भाला निकाला, और ऊनी कपड़े की एक मुड़ी हुई पट्टी से, जिसे एक सेवक लाया था, हाथ बांध दिया। महान मेनेलास के सामने पेइसेंडर खड़ा था, जो अपने बुरे भाग्य के कारण, तुम्हारे हाथों मृत्यु के अंधकार में गिर पड़ा, एट्रेस का महान पुत्र, घातक संघर्ष में। जब वे पास आए, तो एट्राइड्स का निशाना चूक गया। निशाना साधते हुए, भाले से वार करते हुए; फिर पेइसेंडर ने अपनी ढाल पर प्रहार किया, लेकिन भाला उसके आर-पार नहीं जा सका; क्योंकि चौड़ी ढाल ने प्रतिरोध किया, और भाला चकनाचूर हो गया: मेनेलास ने देखा, हर्षित होते हुए, और विजय की आशा से उत्साहित होकर; फिर अपनी चांदी जड़ी तलवार निकालकर पेइसेंडर पर झपटा; उसने अपनी ढाल के नीचे से एक भारी पीतल की युद्ध कुल्हाड़ी निकाली, जिसका हैंडल पॉलिश किए हुए जैतून की लकड़ी का लंबा था: और दोनों एक साथ घातक युद्ध में जुट गए। फिर, पंख के ठीक नीचे, पेइसेंडर ने मुकुट वाले हेलमेट के शिखर पर प्रहार किया; लेकिन एट्रेस के पुत्र ने आगे बढ़ते हुए उसका सामना किया और उसकी भौंहों पर, नाक के ऊपर वार किया; हड्डी जोर से चूर-चूर हो गई, और खून से लथपथ आँखें उसके सामने धूल में गिर गईं; दर्द से व्याकुल होकर वह गिर पड़ा: विजेता ने अपना पैर सीने पर जमाते हुए, अपने हथियार उतार दिए और खुशी से चिल्लाया: "इस प्रकार तुम सब, युद्ध से असंतुष्ट, अभिमानी ट्रोजन, हमारे जहाजों के प्रस्थान करने से पहले ही चले जाओगे; और तुम्हें अपमान और अन्याय का भी सामना करना पड़ेगा, जैसा तुमने मुझ पर, नीच कुत्तों की तरह, पहले किया था, और तुम आतिथ्य सत्कार के उपेक्षित कानूनों के प्रतिशोधक, गरजते हुए बृहस्पति से भी नहीं डरोगे, जो शीघ्र ही तुम्हारे ऊंचे शहर को नष्ट कर देगा।" हे मेरी कुंवारी विवाहित पत्नी, तुमने मुझे बहुत सारा माल देकर नीचता

से ले लिया; और अब तुम क्रोधित होकर हमारे समुद्री जहाजों को आग से जलाकर नष्ट करने और हमारे यूनानी नायकों को मारने के लिए उतावले हो रहे हो; परन्तु वह समय आएगा जब तुम भी युद्ध से भागना चाहोगे। हे पिता बृहस्पति, कहा जाता है कि तुम श्रेष्ठ हो, ज्ञान में, देवताओं और मनुष्यों में; सभी मानवीय चीजें तुमसे उत्पन्न होती हैं; और क्या यह संभव है कि तुम इन हिंसक पुरुषों को कृपा दृष्टि से देखते हो, इन ट्रोजनों को, अहंकारी साहस से परिपूर्ण, जिनकी युद्ध की भूख न तो सीमित है और न ही सीमित? मनुष्य सभी चीजों से तृप्त हैं; नींद और प्रेम; संगीत की मधुर ध्वनियाँ और आनंदमय नृत्य। इनमें से कुछ लोग खुशी-खुशी तृप्ति पा सकते हैं; लेकिन ट्रोजन अभी भी युद्ध के लिए तड़पते हैं।

इस प्रकार मेनेलाउस ने शव से रक्त से सने हथियार उतारे और अपने साथियों को सौंप दिए; फिर युद्ध में सबसे आगे शामिल हो गया। वहाँ युद्ध के मैदान में हार्पालियन कूद पड़ा, राजा पाइलेमेनीस का पुत्र, जो अपने पिता के पीछे-पीछे ट्रॉय के युद्ध में आया था, लेकिन अपनी जन्मभूमि वापस नहीं लौटा। पास खड़े होकर उसने ठीक बीच में एट्रीड्स की ढाल पर प्रहार किया, लेकिन भाला उसे भेद नहीं पाया; सुरक्षा की आशा में, वह अपने साथियों की शरण में वापस कूद पड़ा, चारों ओर नज़र घुमाते हुए। अपने शरीर की रक्षा के लिए चारों ओर घूमकर, वह मुड़ा; लेकिन जैसे ही वह मुड़ा, उसके दाहिने हिस्से में मेरियोनेस द्वारा दागा गया एक पीतल का नुकीला तीर गहराई तक धंस गया: हड्डी के नीचे से गुजरकर वह उसे भेद गया। वह तुरंत गिर पड़ा; और अपनी जान की सांसें थमाते हुए, अपने साथियों के बीच जमीन पर तड़पता हुआ, एक कुचले हुए कीड़े की तरह पड़ा रहा; और घाव से बहता हुआ काला खून प्यासी मिट्टी को भिगो रहा था।

पैफ्लेगोनिया की वीर सेना ने उसे घेर लिया; उसके रथ पर उन्होंने मारे गए व्यक्ति को रख दिया। और गहरे शोक में डूबे हुए, उसे शहर ले गए; उसके पिता, रोते हुए, रथ के बगल में चल रहे थे, [4] न ही उन्हें अपने मारे गए बेटे का बदला मिल सका। पेरिस ने शोक और क्रोध से उसे गिरते देखा: क्योंकि पहले वह अपने मेहमान को पैफ्लेगोनिया में ले गया था; तब, क्रोध से भरकर, उसने अपने धनुष से पीतल की नोक वाला तीर चलाया था।

एक व्यक्ति था, जिसका नाम यूचेनोर था, जो कोरिंथ में रहता था; धनी, निष्कलंक जीवन वाला, पोलियडस का पुत्र, कुशल भविष्यवक्ता: अपना भाग्य भली-भांति जानकर, वह जहाज पर सवार हो गया; अक्सर, उस भले बूढ़े ने उसे बताया था कि उसका भाग्य या तो घर पर किसी गंभीर बीमारी से मरना था, या यूनानियों के साथ ट्रोजन के हाथों मारा जाना था। जहाज पर सवार होकर, वह यूनानियों द्वारा लगाए गए जुर्माने और गंभीर बीमारी की पीड़ा दोनों से बच निकला। पेरिस ने उसके कान और जबड़े के बीच वार किया; उसकी आत्मा तुरंत निकल गई, और उसकी आँखें अंधेरे में डूब गईं। इस प्रकार, धधकती आग की तरह, भयंकर लड़ाई जारी रही।
लेकिन हेक्टर ने अभी तक कुछ भी नहीं सुना था, न ही उसे पता था कि जहाजों के बाईं ओर, यूनानियों ने ट्रोजनों को कितनी बुरी तरह से घेर लिया था; और अब उनकी जीत निश्चित प्रतीत हो रही थी; नेपच्यून ने ऐसी सहायता दी थी, उनका साहस बढ़ाया था और उन्हें शक्ति प्रदान की थी। लेकिन वह वहीं रुका रहा, जहाँ उसने सबसे पहले यूनानियों की घनी पंक्तियों को तोड़ा, और दीवार और फाटकों पर धावा बोला; वहाँ धूसर समुद्र के किनारे, एजैक्स और प्रोटेसिलॉस के जहाज पड़े थे; वहाँ दीवार सबसे नीचे बनी थी; और वहाँ, रक्षा के लिए सभी प्रमुख सैनिक एकत्रित हुए, घोड़े और सैनिक: वहाँ बलवान बोएटियन, अपने बहते वस्त्रों वाले आयोनियनों के साथ, गर्वित लोरियन, फथियन और एपियन, मुश्किल से अपने जहाजों की रक्षा कर सके; और न ही वे देवतुल्य हेक्टर के आक्रमण की प्रचंड आग को रोक सके। वहाँ भी एथेंस की सर्वश्रेष्ठ सेनाएँ लड़ीं; उनका प्रमुख, मेनेस्थियस, पीटियस का पुत्र; जिनके साथ फाईदास, स्टिचियस, बायस कमान में थे; एपियन मेगेस, फाइलियस का पुत्र, आज्ञा का पालन करते थे, और ड्रैसियस और एम्फियन; मेडोन अगला था, बहादुर पोडार्सेस के साथ फ्थियन सेना का नेतृत्व किया: मेडोन, महान ओइलियस का नाजायज पुत्र, एजैक्स का भाई; वह फिलाकेस में, अपनी जन्मभूमि से दूर, रहने के लिए विवश था, क्योंकि उसके निकट के एक रिश्तेदार ने उसके पिता ओइलियस की पत्नी की हत्या कर दी थी। पोडार्सेस ने इफिक्लस से अपने जन्म का दावा किया, जो फिलाकस का पुत्र था। ये दोनों शस्त्रधारी योद्धा, वीर फथियन योद्धा, युद्ध में अग्रणी भूमिका निभाते हुए, बोएटियन सैनिकों के साथ मिलकर जहाजों की रक्षा करने लगे। परन्तु एजैक्स की ओर से तेलमोन, ओइलियस का फुर्तीला पुत्र, जरा भी नहीं हिला; परन्तु जैसे बंजर

भूमि पर एक साथ, दो गहरे लाल बैल अच्छी तरह से गढ़े हुए हल को खींचते हैं, उनके सींगों के चारों ओर पसीना बह रहा है; वे पॉलिश किए हुए जुए को एक साथ पकड़े हुए हैं, कठोर मिट्टी को चीरते हुए, हल में धकेलते हुए; वे दोनों इतने करीब, अगल-बगल, एक साथ। आगे बढ़े। लेकिन टेलमोन पर कई बहादुर साथियों ने उनका साथ दिया, जो परिश्रम और पसीने से जब भी उनके अंग कमजोर पड़ते, तो उनकी भारी ढाल थामे रहते थे; जबकि ओइलियस का महान पुत्र, कोई लोक्रियन उनके पीछे नहीं आया; उनके हृदय खड़े होकर लड़ने की सहनशीलता के नहीं थे; न ही उनके पास घोड़े के बालों से बने पीतल के हेलमेट थे, न ही वे बड़ी ढालें लिए हुए थे, न ही राख का भाला; बल्कि वे ऊनी कपड़े से बने धनुष और मुड़ी हुई गुलेल लेकर ट्रॉय आए थे। और इन्हीं से, उनके तेज तीरों ने ट्रोजन की पंक्तियों को तोड़ दिया। जबकि आगे, चमकते हथियारों से लैस होकर, महान हेक्टर के नेतृत्व में ट्रॉय के लोगों का विरोध कर रहे थे: पीछे से, अदृश्य रूप से, ये लोग अपने तीर चला रहे थे। ट्रोजन टिक नहीं पाए; क्योंकि उनकी पंक्तियों के बीच, कष्टदायक तीरों ने भयंकर भ्रम फैला दिया। तब ट्रोजन जहाजों और तंबुओं से वापस ट्रॉय की हवादार ऊंचाइयों की ओर भाग गए, जो विनाशकारी था। लेकिन पोलिदमस हेक्टर के पास आया और उससे इस प्रकार बोला:

हेक्टर, मैं तुम्हें जानता हूँ, तुम सलाह मानने में कितने अयोग्य हो; क्योंकि देवताओं ने तुम्हें युद्ध-शक्ति में श्रेष्ठ बनाया है, फिर भी तुम स्वयं को सलाह देने में भी सर्वोपरि समझते हो; फिर भी तुम हर वरदान को इस प्रकार संयोजित नहीं कर सकते: एक को देवताओं ने युद्ध-शक्ति प्रदान की है, एक को नृत्य, एक को वीणा और गीत; जबकि दूसरे के हृदय में सर्वज्ञ बृहस्पति ने ज्ञान की आत्मा और सभी के कल्याण के लिए विवेकशील मन स्थापित किया है: उसी के द्वारा राज्य स्थापित होते हैं। संरक्षित; और वह स्वयं ही इस अनमोल उपहार का मूल्य भलीभांति जानता है। तब सुनो, जो मुझे सबसे बुद्धिमानीपूर्ण मार्ग लगता है। चारों ओर युद्ध का घेरा धधक रहा है; और तुम देखते हो कि हमारे वीर ट्रोजन, दीवार फांदने के बाद से, या तो अलग खड़े हैं, या जहाजों के बीच बिखरे हुए हैं, संख्या में कम होने के बावजूद, श्रेष्ठ बलों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। तब तुम पीछे हटकर सरदारों को यहाँ बुलाओ; यहाँ हम पूरी सलाह लें, यदि स्वर्ग उनकी सुसज्जित नौकाओं पर आक्रमण करने की इच्छा रखे। आवश्यक

शक्ति प्रदान करें, या फिर बिना किसी नुकसान के पीछे हट जाएँ; क्योंकि मुझे डर है कि वे जल्द ही हमें कल का अपना कर्ज चुका देंगे; क्योंकि उनकी पंक्तियों में एक अभी भी लड़ाई से असंतुष्ट है, और मुझे लगता है कि वह लंबे समय तक अलग नहीं रहेगा।
इस प्रकार उसने हेक्टर को विवेकपूर्ण सलाह दी; वह अपने रथ से हथियारों के साथ नीचे कूदा, और पोलिदमस को संबोधित करते हुए बोला:
"पॉलिडामास, यहाँ सरदारों को रोको; मैं वहाँ आऊँगा और युद्ध के मोर्चे पर उपस्थित होऊंगा; और मेरे आदेश मिलते ही शीघ्र यहाँ लौट आना।"
उन्होंने कहा; और, बर्फ से ढके ऊंचे पहाड़ की तरह,
उठ खड़े हुए; और जोर-जोर से चिल्लाते हुए, हड़बड़ी में, हेक्टर ट्रोजन और संघ की सेनाओं के बीच से भागा। हेक्टर की आवाज सुनकर, पैंथस के पुत्र, पोलिडामस के चारों ओर सभी सरदार इकट्ठा हो गए। लेकिन सबसे आगे लड़ने वालों के बीच उसने डेफोबस, राजसी हेलेनस, एडमस और वीर असियस, हर्टाकस के पुत्र को खोजने की कोशिश की। ये सभी उसे घावों और मृत्यु से अछूते नहीं मिले; क्योंकि कुछ ने यूनान के जहाजों के पास यूनानियों के हाथों अपने जहाजों का जुर्माना अदा किया था। कुछ लोग जीवित रहे, जबकि अन्य घायल दीवार के भीतर पड़े रहे। लेकिन, खूनी लड़ाई के बाईं ओर, देवदूत जैसे पेरिस, सुनहरे बालों वाली हेलेन के प्रेमी, अपने साथियों का उत्साहवर्धन करते हुए, उसे मिले, और निंदा भरे शब्दों में उन्होंने उसे इस प्रकार संबोधित किया:
हे अभागे पेरिस, बाहरी रूप से सुंदर, हे स्त्री के दास, पुरुषत्व के नकली, देइफोबस कहाँ है, और राजसी हेलेनस की शक्ति कहाँ है? आसियस का पुत्र एडमस कहाँ है? हर्टाकस का पुत्र आसियस कहाँ है? और ओथ्रियोनियस कहाँ है? अब हमारा ऊँचा इलियम अपने शिखर से पतन की ओर लड़खड़ा रहा है; अब तेरा अंत निश्चित है।
जिस पर देवतुल्य पेरिस ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हेक्टर, चूंकि मैं निर्दोष होते हुए भी तुम्हारा दोष लूंगा, फिर भी मैंने युद्ध से पीछे हटने का कोई प्रयास नहीं किया है, और न ही मैं अपनी माँ की तरह पूरी तरह से नीच हूँ; क्योंकि जब से तुमने जहाजों पर आक्रमण करने का आदेश दिया है, हमने यहाँ यूनानियों के विरुद्ध अडिग युद्ध छेड़ा है; हमारे साथी, जिन्हें तुम खोज रहे हो, मारे गए हैं: केवल डेफोबस और हेलेनस ही

मैदान छोड़कर गए हैं; दोनों भाले से घायल हुए हैं, दोनों के हाथ में चोट आई है; लेकिन बृहस्पति ने उनकी जान बख्श दी है।" हे प्रभु, जहाँ भी तेरा साहस प्रेरित करे, आगे बढ़ो: हम तत्परता से तुम्हारा अनुसरण करेंगे; अपनी सामर्थ्य के अनुसार, तुम्हें हममें शौर्य की कोई कमी नहीं मिलेगी; अपनी सामर्थ्य से परे तो सबसे बहादुर भी नहीं लड़ सकता।

उसके भाई के मन में नायक के ये शब्द अंकित हो गए:

वे दोनों एक साथ आगे बढ़े, जहाँ भयंकर संघर्ष छिड़ा हुआ था; वहाँ सेब्रिओन्स, फाल्सेस, ऑर्थियस, बहादुर पॉलीडामास, पामिस और देवतुल्य पॉलीफेट्स की शक्ति, मोरिस और एस्कैनियस लड़े; ये दोनों हिप्पोटियन के पुत्र थे; समृद्ध अस्कानिया के मैदानों से, वे मानो कल ही राहत की तरह आए थे; बृहस्पति द्वारा प्रेरित होकर, वे युद्धक्षेत्र की ओर बढ़े। वे भयंकर बवंडर की तरह उग्र गति से आगे बढ़े, जो बिजली की तरह गरजता हुआ मैदान पर नीचे की ओर बहता है: जैसे ही यह ज़ोरदार गर्जना के साथ समुद्र में मिल जाता है, अनेक-टकराती लहरें उबलती हैं, ऊपर उठती हुई, झागदार सफेद शिखरों वाली, लहर दर लहर; इस प्रकार, पंक्ति दर पंक्ति, ट्रोजन, करीब से बलिबद्ध, सभी चमकते हथियारों से लैस, अपने सरदारों के साथ आगे बढ़े; प्रियम के पुत्र हेक्टर ने उनका नेतृत्व किया, रक्त से सने मंगल ग्रह के समान भयंकर युद्ध में: उसने अपनी छाती के सामने अपनी ढाल का विशाल गोला धारण किया, जो चमड़े की कसकर जुड़ी हुई थी और पीतल की प्लेटों से ढकी हुई थी; चमकता हुआ हेलमेट उसके माथे पर लहरा रहा था। वह गर्व से कदम बढ़ाते हुए, अपनी ढाल से सुरक्षित, चारों ओर शत्रुतापूर्ण पंक्तियों का सर्वेक्षण कर रहा था, यदि वह आत्मसमर्पण के संकेत ढूंढ पाता; लेकिन वे अडिग खड़े रहे; और उसी अभिमानी भाव से, एजैक्स ने हेक्टर को इस प्रकार चुनौती दी:

हे पराक्रमी सरदार, निकट आओ; हमारे वीर यूनानियों को डराना क्यों चाहते हो? हम युद्ध कौशल में निपुण हैं, भले ही अब बृहस्पति का हाथ स्वर्ग के कोड़े के साथ हम पर भारी पड़ रहा है। तुम सचमुच हमारे जहाजों को नष्ट करने की आशा रखते हो; परन्तु उनकी रक्षा के लिए हमारे पास मजबूत हथियार हैं। उस दिन से बहुत पहले तुम्हारा गौरवशाली नगर गिर जाएगा, हमारे विजयी हाथों द्वारा छीन लिया जाएगा और नष्ट कर दिया जाएगा। वह घड़ी दूर नहीं जब तुम स्वयं बृहस्पति और सभी देवताओं के

पास भाग जाओगे। प्रार्थना करो, कि बाज़ के पंख से भी तेज़ तुम्हारे घोड़े तुम्हें धूल भरे मैदान से होते हुए ट्रॉय तक ले जाएँ।
जैसे ही वह बोल रहा था, उसके दाहिनी ओर एक चील ऊँची उड़ान भरती हुई दिखाई दी; यूनानियों की भीड़ ने शुभ संकेत देखा और ज़ोर से चिल्लाई: तब महान हेक्टर ने कहा: "ये कैसे शब्द हैं, ऐजैक्स, तू बकवास करने वाला, व्यर्थ की बातें करने वाला! काश मुझे भी उतना ही यकीन होता जितना कि ढाल धारण करने वाले बृहस्पति का पुत्र होने का, शाही जूनो से जन्मा होने का, और स्वयं अपोलो या नीली आँखों वाली पल्लास के समान सम्मान पाने का, जैसा कि मुझे यकीन है। आज का दिन सभी यूनानियों के लिए अशुभ है: तू और बाकी सब नष्ट हो जाएँगे, यदि..." तू मेरे भाले का सामना करने की हिम्मत कैसे कर सकता है, जो तेरी कोमल त्वचा को चीर देगा; और जहाजों के पास मारे जाने पर, तेरा मांस ट्रॉय के कुत्तों और गिद्धों का पेट भरेगा। उसने कहा और उन्हें आगे बढ़ाया; उत्साहपूर्वक जयकारे लगाते हुए वे उनके पीछे चले; सबसे पीछे वाले समूह ने ज़ोर से जयकार की। दूसरी ओर यूनानियों ने भी जयकार की: सभी ट्रोजनों में से सबसे बहादुर, अविचलित होकर, आक्रमण का सामना किया; उनकी मिली-जुली गर्जना स्वर्ग तक पहुंची और बृहस्पति के गौरवशाली प्रकाश तक आ गई।

## तर्क।

**जूनो शुक्र के घेरे के द्वारा बृहस्पति को धोखा देती है।**

माचोन के साथ मेज पर बैठे नेस्टर युद्ध के बढ़ते शोर से चिंतित हो जाते हैं और एगामेम्नन के पास जल्दी से जाते हैं। रास्ते में उनकी मुलाकात डायोमेड और यूलिसिस के साथ एगामेम्नन से होती है, जिन्हें वे खतरे की गंभीरता के बारे में बताते हैं। एगामेम्नन रात में भागने का प्रस्ताव रखते हैं, जिसका यूलिसिस विरोध करता है। डायोमेड उन्हें सलाह देते हैं कि घायल होने के बावजूद उन्हें आगे बढ़कर सेना का मनोबल बढ़ाना चाहिए; और इस सलाह को मान लिया जाता है। जुनो, बृहस्पति का ट्रोजनों के प्रति झुकाव देखकर, उसे वश में करने की योजना बनाती है; वह अत्यंत सावधानी से अपने आकर्षण का प्रदर्शन करती है और (उसे और भी अधिक मोहित करने के लिए) वीनस की जादुई कमरबंद प्राप्त करती है। फिर वह नींद के देवता से

प्रार्थना करती है और बड़ी मुश्किल से उन्हें बृहस्पति की आंखें बंद करने के लिए मना लेती है। ऐसा करने के बाद, वह माउंट इडा जाती है, जहां देवता पहली नजर में ही उसकी सुंदरता पर मोहित हो जाते हैं, उसकी बाहों में समा जाते हैं और सो जाते हैं। नेप्च्यून उसकी नींद का फायदा उठाकर यूनानियों की मदद करता है; हेक्टर को एजैक्स एक विशाल पत्थर से मारकर जमीन पर गिरा देता है और उसे युद्धक्षेत्र से बाहर ले जाता है; इसके बाद कई और लड़ाइयाँ होती हैं; अंततः बहुत परेशान होकर ट्रोजन सेना को पीछे हटना पड़ता है; छोटे एजैक्स एक विशेष तरीके से अपनी बहादुरी का परिचय देता है।

# पुस्तक चौदह।

और युद्ध का शोर भी नेस्टर के कानों तक नहीं पहुँचा, जो शराब के प्याले के ऊपर से सुन रहा था; और उसने एस्कुलैपियस के पुत्र को इस प्रकार संबोधित किया:
"बताओ, अच्छे माचोन, इन आवाज़ों का क्या अर्थ है; क्योंकि जहाजों के चारों ओर कोलाहल और भी बढ़ रहा है। परन्तु तुम यहीं बैठो और लाल मदिरा पियो, जब तक सुनहरे बालों वाली हेकामेडे तुम्हारे लिए कोमल स्नान तैयार न कर दे और तुम्हारे ज़ख्मों को धो न दे; जबकि मैं बाहर जाकर चारों ओर निरीक्षण करूँ।"
उसने कहा, और दीवार से एक ढाल निकाली, जो अच्छी तरह से गढ़ी हुई थी और पीतल से चमक रही थी, जिसे उसके बेटे, बहादुर थ्रेसिमेडेस ने तम्बू में छोड़ दिया था, जबकि वह अपने पिता की ढाल से खुद को बांधे हुए था; उसने पीतल की नोक वाला एक मजबूत भाला भी लिया: वह तम्बू के बाहर खड़ा हो गया; और वहाँ उसकी आँखों ने एक भयानक दृश्य देखा; यूनानी भाग रहे थे, अभिमानी ट्रोजन अपनी भीड़ पर दबाव डाल रहे थे, भ्रमित थे; यूनानियों की रक्षा दीवार ध्वस्त हो गई।
जैसे अंधकारमय समुद्र शांत लहरों के साथ उठता है,
तूफानी आंधी के आने की प्रतीक्षा में;
न तो आगे किसी भी दिशा में इसका प्रवाह होता है,
जब तक कि यह स्वर्ग से आने वाले प्रेरक झटके को महसूस न करे;
वैसे ही बूढ़ा व्यक्ति खड़ा था, उसका मन संदेह से व्याकुल था,
भीड़ में शामिल होने के लिए, या शक्तिशाली एगामेम्नन, एट्रेस के पुत्र से सलाह लेने के लिए।
इस प्रकार जैसे ही उसने विचार किया, बेहतर मार्ग दिखाई दिया,
एट्रीड्स की तलाश करना; बाकी बचे लोगों ने भयंकर युद्ध लड़ा, आपसी नरसंहार हुआ; उनके कवच की गड़गड़ाहट तेज थी, तलवारों और दोधारी भालों के वार से।
वहाँ नेस्टर का सामना जहाजों से आगे बढ़ते हुए स्वर्ग से जन्मे राजाओं, यूलिसिस, डायोमेड और एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन से हुआ, जो सभी घावों से अक्षम थे; क्योंकि जहाज तट पर, सफेद समुद्र के किनारे, युद्ध से दूर, किनारे पर आ गए थे; मैदान की ओर आगे बढ़ने वाले जहाजों को खींच लिया गया था, और एक दीवार से उनके पिछले हिस्से को घेर लिया गया था। विशाल समुद्र तट उन्हें समाहित नहीं कर सका, और

संकीर्ण सीमाओं में उनकी भीड़ सिमट गई; इसलिए ऊँची भूमि पर वे आ गए, और अगल-बगल पंक्तिबद्ध हो गए, और शीर्षभूमि के भीतर, चौड़े मुँह वाली खाड़ी को भर दिया। इस प्रकार वे, अपने भालों पर कदम रखते हुए, एक साथ आए, लड़ाई के दर्शक बनकर; उनके हृदय गहरे दुःख से भर गए; नेस्टर उनसे मिला, उनके मन में भय बढ़ता जा रहा था। सम्राट एगामेम्नन ने उनसे इस प्रकार कहा:
"हे नेस्टर, नीलियस के पुत्र, यूनान के गौरव, तुम यहाँ क्यों आए हो और युद्धक्षेत्र क्यों छोड़ दिया है? मुझे बहुत डर है कि महान हेक्टर अब अपनी धमकी पूरी करेगा, जिसने एकत्रित ट्रोजनों के सामने यह दावा किया था कि वह ट्रॉय तब तक नहीं लौटेगा जब तक हमारे जहाज आग की लपटों में न घिर जाएँ और हम तलवारों से पराजित न हो जाएँ। यही उसकी धमकी थी, और अब वह इसे पूरा कर रहा है। हे भगवान! क्या ऐसा हो सकता है कि मैंने अन्य यूनानियों, जैसे कि अकिलीज़, के क्रोध को आमंत्रित किया हो, जो तब से जहाजों के लिए लड़ने से इनकार कर दो?"
इस पर गेरेनियन नेस्टर ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हमारी स्थिति वास्तव में ऐसी ही है; स्वर्ग में बैठे बृहस्पति भी हमारे भाग्य को इससे अलग मोड़ नहीं दे सकते थे। वह दीवार ध्वस्त हो गई है, जिस पर हमने भरोसा किया था, ताकि हम और हमारे जहाज अभेद्य रूप से सुरक्षित रहें; और अब वे जहाजों के चारों ओर अपना युद्ध छेड़ रहे हैं, निरंतर, बिना रुके; कोई भी बारीकी से जांच करके यह नहीं बता सकता कि पराजित यूनानी किस दिशा में जा रहे हैं, वे इतने आपस में मिल गए हैं कि वे अनियंत्रित हो गए हैं; और यह चीख स्वर्ग तक पहुंच रही है। लेकिन आइए, इस पर चर्चा करें।" सबसे अच्छा क्या किया जा सकता है, यदि न्याय से हमें कुछ लाभ हो सकता है; तो हम स्वयं लड़ाई में शामिल होने की सलाह नहीं देते; घायल लोगों का लड़ना उचित नहीं होगा।
इस पर मनुष्यों के राजा एगामेम्नन ने उत्तर दिया: "नेस्टर, चूंकि युद्ध जहाजों तक पहुँच गया है, न तो दीवार उनके मार्ग को रोक पाई है, न ही गहरी खोदी गई खाई, जिस पर हम यूनानियों ने बहुत परिश्रम किया था, और जिस पर हमने व्यर्थ ही आशा की थी कि वह हमें और हमारे जहाजों को अभेद्य रूप से सुरक्षित रखेगी; ऐसा लगता है कि शनि के शक्तिशाली पुत्र की यही इच्छा है कि आर्गोस से दूर, हमारी जन्मभूमि से दूर, हम सभी को यहाँ अनाम कब्रों में दफनाया जाए। मैं जानता हूँ कि एक समय वह सहायता करना पसंद करता था।" यूनानियों;

लेकिन अब मैं देखता हूँ कि धन्य देवताओं के सामने वह हमारे शत्रुओं के बराबर है, और हमारी शक्ति को भ्रमित करता है।
तो मेरी सलाह सुनो; हम सब सहमत हों
जो जहाज समुद्र के सबसे करीब हैं, उन्हें समुद्र में उतार दिया जाए, रात होने तक वहाँ लंगर डाले रखा जाए: यदि उस रात भी ट्रोजन अपना भयंकर हमला रोक दें;
तो हम पूरे बेड़े को सुरक्षित रूप से उतार सकते हैं।
भागने में कोई शर्म नहीं है, भले ही रात में,
आसन्न खतरे से; इस तरह भागना बेहतर है
बजाय इसके कि धमकी भरे खतरे से भागा जाए। o'erta'en."
जिस पर यूलिसिस ने तिरस्कार भरी नज़र से कहा: "तेरे होठों की बाधा को पार करने वाले शब्द क्या हैं, हे एट्रीयस के पुत्र? बुराई के सलाहकार! काश तू किसी नीच दल का होता, नेता होता, न कि हमारी जैसी सेना का मुखिया, जिस पर बृहस्पति ने जवानी से बुढ़ापे तक, भीषण युद्ध का भार सहने का वरदान दिया है, जब तक कि हर एक व्यक्ति मारा न जाए। और क्या तू इस तरह ट्रॉय की ऊंची दीवारों को छोड़ने की सोच रहा है, जो हमारे कष्टों का लक्ष्य है?" परिश्रम? चुप रहो, ताकि कोई दूसरा यूनानी न सुन सके। ऐसे शब्द, जिन्हें बोलने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। जो श्रेष्ठ सलाह समझता है और राजसी राजदंड धारण करता है, और ऐसे लोगों की वफादारी का दावा करता है जो तेरे प्रभुत्व को मानते हैं। मैं तेरी सभी सलाहों की घोर निंदा करता हूँ; जो युद्ध के शोरगुल और कोलाहल के बीच हमें अपने जहाज़ उतारने और पहले से ही अत्यधिक विजयी शत्रु को घमंड करने का अवसर देने के लिए उकसाता है; तब मृत्यु हमारी निश्चित मृत्यु होगी। बहुत कुछ;
क्योंकि, यदि उसने जो जहाज़ लॉन्च किए हैं, तो यूनानी लंबे समय तक युद्ध नहीं लड़ पाएंगे, बल्कि अपनी आँखें फेरकर लड़ाई से पीछे हट जाएंगे; हे शक्तिशाली सरदार, तेरे ये विनाशकारी परामर्श इसी विनाशकारी अंत की ओर ले जाएंगे।
इस पर मनुष्यों के राजा अगामेम्नन ने उत्तर दिया: "यूलिसिस, तुम्हारी फटकार ने मेरे मन को झकझोर दिया है; फिर भी मेरा कभी यह इरादा नहीं था कि यूनान के पुत्र अपनी इच्छा के विरुद्ध अपने सुसज्जित जहाजों को रवाना करें; परन्तु यदि कोई ऐसा

व्यक्ति हो जो बेहतर सलाह जानता हो, चाहे वह युवा हो या वृद्ध, उसके शब्द मुझे प्रसन्न करेंगे।"
तब वीर डायोमेड उठे और बोले: “वह व्यक्ति निकट ही है, उसे ढूँढ़ने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यदि तुम सुनोगे और नाराज़ नहीं होगे कि मैं, तुम सबमें सबसे छोटा, बोलने का साहस कर रहा हूँ। फिर भी मैं एक महान पिता, टाइडियस का वंशज होने का दावा करता हूँ, जो थेबन भूमि के नीचे सो रहा है। पोर्टियस के तीन वीर पुत्र थे, जो प्लूरॉन और ऊँचे कैलिडॉन में रहते थे, एग्रियस और मेलस; उनमें सबसे वीर, मेरे पिता के पिता, ओएनियस, तीसरे थे। वहाँ मेरे पिता, बहुत भटकते हुए, आर्गोस आए; यह बृहस्पति और सभी अमर देवताओं की इच्छा थी; उन्होंने वहाँ एड्रास्टस की पुत्री से विवाह किया; उनके पास एक समृद्ध घर था, जिसके चारों ओर उपजाऊ अनाज के खेत और सुंदर फलों के पेड़ों से भरे बाग थे; उनके पास कई भेड़-बकरियाँ थीं, और वे शस्त्र-कक्षों में सभी यूनानियों से श्रेष्ठ थे। मेरी बातें सुनो, क्योंकि वे सत्य हैं: और यदि मेरा वचन बुद्धिमानी भरा हो, तो इसे तुच्छ मत समझो, मानो यह किसी निकम्मे या नीच व्यक्ति का वचन हो। जन्म हुआ।
यद्यपि घायल हैं, मैं युद्ध में जाने की सलाह देता हूँ
कि हमें अनिवार्य रूप से जाना चाहिए; फिर भी स्वयं नहीं
युद्ध में शामिल होने या भाले का सामना करने के लिए,
कहीं घावों पर घाव न लग जाएँ; बल्कि कुछ लोगों के मनोबल को जगाने के लिए, जो अब तक उत्साही रहे हैं,
कैसे अलग खड़े रहते हैं, और लड़ाई में शामिल नहीं होते।
उसने कहा, और वे, उसके शब्दों से सहमत होकर, चले गए,
मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन के नेतृत्व में।
नेपच्यून द्वारा निगरानी में कोई लापरवाही नहीं बरती गई:
उनके साथ, एक वृद्ध व्यक्ति के वेश में,
वह गया, और एट्रेस के पुत्र, एगामेम्नन ने,
उसका दाहिना हाथ पकड़ा, और इस प्रकार संबोधित किया:
"हे एट्रियस के पुत्र, उस आनंद की कितनी अधिक तीव्रता है जिससे अकिलीज़ का क्रूर हृदय भर गया है, जो यूनानियों के नरसंहार और पराजय को देख रहा है: क्योंकि

उसके हृदय में जरा भी दया नहीं है, बल्कि वह देवताओं के शापित के रूप में नष्ट हो जाएगा! और यह मत समझो कि धन्य देवता तुम्हारे प्रति पूर्णतः शत्रुतापूर्ण हैं; फिर भी ट्रॉय के सरदार और सलाहकार धूल भरे मैदान में भागते फिरेंगे; और तुम्हारी आँखें उन्हें जहाजों और तंबुओं से शहर की ओर भागते हुए देखेंगी।"
उसने कहा; और ज़ोर से चिल्लाते हुए आगे बढ़ा। जैसे नौ हज़ार या दस हज़ार आदमी, घातक युद्ध में मिल रहे हों, वैसी ही आवाज़ थी; ऐसी ही आवाज़ उसके विशाल सीने से निकली, जैसे धरती को हिला देने वाले ने भेजी हो; और हर यूनानी को दृढ़ संकल्प से भर दिया कि वे अडिग युद्ध लड़ेंगे।
ऊँचे ओलंपस के सबसे ऊँचे शिखर पर खड़ी, स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान जूनो ने नीचे देखा, और महिमा प्रदान करने वाले संघर्ष में व्यस्त, उसने अपने पति के भाई और अपने स्वयं के भाई को देखा, और प्रसन्न हुई; फिर, वसंत से भरपूर इडा के शिखर पर बैठी, उसने बृहस्पति को देखा, जो उसकी आँखों में घृणास्पद दृश्य था! फिर हिरण जैसी आँखों वाली रानी ने गहराई से विचार किया कि वह कवच धारण करने वाले बृहस्पति के जागृत मन को कैसे सबसे अच्छे तरीके से मोहित कर सकती है; और सोचते-सोचते उसे यह सबसे आसान तरीका सूझा: स्वयं को कला से सजाकर इडा के पास जाना; वहाँ, अत्यंत प्रेमपूर्ण निवेदन और स्त्री आकर्षण से अपने पति को प्रेम के आलिंगन में लपेटना; और कोमल, लापरवाह नींद को उसकी पलकों और इंद्रियों पर छा जाने देना। वह सीधे वल्कन द्वारा निर्मित अपने कमरे में गई, जहाँ उसका बेटा था; जिनके द्वारा दरवाज़ों के चौखटों पर कसकर बंद होने वाले दरवाज़े लगाए गए थे, जिनमें गुप्त चाबियाँ सुरक्षित थीं, ताकि उनके सिवा कोई और देवता अंदर न आ सके। वह अंदर आईं और चमकते दरवाज़ों को बंद कर दिया; और सबसे पहले अमृत से अपनी सुंदर त्वचा को शुद्ध किया, सुगंधित तेल से अभिषेक किया, जो अमृतमय था और ऐसी मीठी सुगंध बिखेर रहा था कि बृहस्पति के पीतल के फर्श के ऊपर लहराते हुए, सारी पृथ्वी और स्वर्ग उस सुगंध से भर गए; अपनी सुंदर त्वचा पर उन्होंने यह कीमती तेल फैलाया; और अपने बहते बालों को संवारा। बालों को संजोया, और अपने हाथ से चमकदार बालों के घने गुच्छों को माला की तरह सजाया, अमर, उज्ज्वल, जो शाही सिर पर मुकुट की तरह था। फिर उसने पल्लास द्वारा निर्मित एक अमृतमय वस्त्र पहना, जिस पर कई अनोखे पैटर्न बने थे, और अपनी छाती के नीचे

एक सुनहरा ब्रोच लगाया। उसने अपनी कमरबंद को भी बांध लिया, जिससे सौ लटकनें लटक रही थीं। और, तीन चमकदार बूंदों में, उसके कानों से उसके झिलमिलाते रत्न लटक रहे थे; और उसके चारों ओर उसकी कृपा और सुंदरता चमक रही थी। फिर उसके सिर पर, शाही देवी ने, सूर्य के प्रकाश के समान सफेद, नवनिर्मित एक सुंदर घूंघट डाला; और उसके सुशोभित पैरों में उसकी सैंडल बंधी हुई थीं। अपना वस्त्र पूरा करके, वह अपने कक्ष से बाहर निकली, और अन्य देवताओं से अलग होकर, उसने वीनस को पुकारा, और उससे इस प्रकार कहा: "कहो, प्रिय बालक, क्या तुम मेरी विनती पूरी करोगी? या क्या तुम..." मुझे मना करो, क्रोध में आकर कि मैं यूनानियों का साथ दूं, जैसे तुम ट्रोजन का साथ देते हो?
जिस पर हँसमुख शुक्र ने इस प्रकार कहा: "शनि की पुत्री, जूनो, शक्तिशाली रानी, अपनी इच्छा बताओ; यदि मेरी शक्ति कुछ कर सकती है, तो मैं उसे पूरा कर दूँगी, तुम्हारी इच्छा पूरी हो जाएगी।"
महान जूनो ने व्यंजक शब्दों में उनसे कहा: "मुझे वह सुंदरता और आकर्षण शक्ति प्रदान करो, जिससे तुम देवताओं और मनुष्यों पर सर्वोच्च शासन करते हो। क्योंकि मैं उदार पृथ्वी की चरम सीमाओं तक जाती हूँ, देवताओं के जनक, प्राचीन ओशनस और टेथिस से मिलने, जिन्होंने मुझे राईया से लिया था, जब सर्वज्ञ बृहस्पति ने शनि को पृथ्वी और समुद्रों के नीचे फेंक दिया था, और मुझे अपने घर में अत्यंत कोमल देखभाल से पाला था; मैं उनसे मिलने जाती हूँ, और सुलह करा सकूँ, एक लंबे समय से चले आ रहे झगड़े को; क्योंकि जब से क्रोध का कोई कारण उनके बीच आ गया है, वे प्रेम के रीति-रिवाजों और वैवाहिक बिस्तर से लंबे समय से विमुख हैं: क्या मैं उन्हें प्रेरक शब्दों से एकजुट कर सकूँ, और उनके पूर्व संबंध को बहाल कर सकूँ, तो उनका प्रेम और आदर सदा के लिए मेरा हो जाएगा।
इस पर हँसमुख रानी ने उत्तर दिया: "मुझे तुम्हें मना नहीं करना चाहिए, और मैं मना नहीं कर सकती, क्योंकि तुम बृहस्पति की भुजाओं से घिरे हुए हो।"
इस प्रकार वीनस बोली; और अपने हृदय से उसने अपना कढ़ाईदार सेस्टस (मुद्रित वस्त्र) निकाला, जो हृदय को जीतने के हर आकर्षण से युक्त था; उसमें प्रेम, युवा इच्छा, मधुर विमर्श और अनुनय का वास था, जो अक्सर बुद्धिमान पुरुषों के मन को भी मोहित कर लेता है। उसने इसे अपने हाथ में रखा और इस प्रकार बोली: "मुझसे

यह कढ़ाईदार सेस्टस ले लो और इसे अपने हृदय में छिपा लो; और तुम्हारी जो भी इच्छा हो, तुम यहाँ से असंतुष्ट होकर नहीं लौटोगे।"
इस प्रकार शुक्र; हिरण जैसी आँखों वाली स्वर्ग की रानी मुस्कुराई, और मुस्कुराते हुए, उसने उपहार को अपने सीने में छिपा लिया। फिर शुक्र अपने पिता के घर लौट आई; लेकिन जूनो ऊँचे ओलंपस से नीचे उतरी; सुंदर एमाथिया और पिएरिया के पर्वतमाला के ऊपर, घोड़े पालने वाले थ्रेस के बर्फीले पहाड़ों के ऊपर, वह उनकी सबसे ऊँची चोटियों तक उड़ गई, और पृथ्वी को छुआ तक नहीं। फिर वह एथोस से उफनते समुद्र को पार कर गई, जब तक कि वह लेम्नोस, देववत थोआस की सीट, तक नहीं पहुँच गई; वहाँ उसकी मुलाकात मृत्यु के साथ जन्मी जुड़वां नींद से हुई, जिसका हाथ थामते हुए उसने उससे इस प्रकार कहा:
"हे देवताओं और मनुष्यों के सर्वव्यापी राजा, यदि तूने कभी मेरी वाणी सुनी हो, तो मुझे वह वरदान प्रदान कर जो मैं अब माँगता हूँ, और आने वाले समस्त समय में मेरी निरंतर कृपा पा ले। जब तू बृहस्पति को मेरी बाहों में जकड़ा हुआ देखे, तो उसकी भेदक आँखों को नींद में स्थिर कर दे। तुझे भरपूर पुरस्कार मिलेगा; एक भव्य सिंहासन, अमर, स्वर्णिम; जिसे मेरा कुशल पुत्र, वल्कन, कुशलता से बनाएगा; उसके नीचे एक चौकी, जिस पर दावतों में तेरे पैर आराम से टिके रहेंगे।"
इस पर सौम्य नींद के देवता ने उत्तर दिया: "शनि की पुत्री, जूनो, शक्तिशाली रानी, मैं किसी भी अन्य अमर देवता पर आसानी से अपनी नींद की शक्ति का प्रयोग कर सकता हूँ; यहाँ तक कि प्राचीन ओशनस की धारा पर भी, जो सभी का मूल है; लेकिन शनि के पुत्र, सम्राट बृहस्पति के पास मैं जाने की हिम्मत नहीं करता, और न ही उसकी इच्छा के बिना सो सकता हूँ। एक बार, तुम्हारे आदेश का पालन करते हुए, मुझे उस दिन एक भयानक चेतावनी मिली थी, जब ट्रॉय पर कब्जा और लूटपाट हुई थी। हे शक्तिशाली योद्धा, बृहस्पति के पुत्र, ने यात्रा शुरू की; क्योंकि, मधुर बंधन से घिरे हुए, मैंने कवचधारी बृहस्पति की चेतना को बांध लिया, जबकि तूने बुरे इरादे से, तूफानी समुद्र पर तूफानी हवाओं की शक्ति को जगाकर, उसे कूस के समृद्ध द्वीप पर फेंक दिया, उसके मित्रों से दूर; तब बृहस्पति ने जागकर, एकत्रित देवताओं पर अपना अनियंत्रित क्रोध उंडेल दिया; उसने मुख्य रूप से मुझे अपना क्रोध दिया; और ऊपर से मुझे फेंक दिया, और नीचे डुबो दिया। अथाह सागर, लेकिन रात, देवताओं और

मनुष्यों को हराने वाली, ने मुझे अपने भगोड़े के रूप में स्वीकार किया; उसने अपने क्रोध को दबा दिया, पवित्र रात के दावों पर आक्रमण करने के लिए अनिच्छुक; और अब तुम मुझे एक और लापरवाह कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहते हो।
इस पर स्वर्ग की हिरण जैसी आँखों वाली रानी ने उत्तर दिया: "हे नींद, ऐसे विचारों से अपने मन को क्यों व्याकुल कर रहे हो? क्या तुम सोचते हो कि बृहस्पति, ट्रॉय के पुरुषों की सहायता करने के लिए उतनी ही तीव्र इच्छा रखता है, जितना कि अपने वीर पुत्र के कारण उसका क्रोध भड़क उठा है? मेरी प्रार्थना स्वीकार करो; और ग्रेस में से एक, सबसे छोटी और सबसे सुंदर, पासीथिया को अपनी पत्नी बना लो, जिसे तुम लंबे समय से प्यार करते आए हो।"
इस प्रकार जूनो ने प्रतिज्ञा की; नींद ने प्रसन्नतापूर्वक सुना, और उत्तर दिया: "तो फिर वह भयानक शपथ लो। अटूट, स्टिक्स नदी की कसम, अपना एक हाथ उपजाऊ धरती पर रखो, दूसरा हाथ चमकते समुद्र पर टिकाओ; कि सभी देवता जो पाताल लोक में शनि के साथ निवास करते हैं, हमारे इस पवित्र बंधन के साक्षी बनें कि मैं ग्रेस की सबसे छोटी, सबसे सुंदर, पासीथिया को अपनी पत्नी बनाऊँगी, जिसे मेरा प्रेम लंबे समय से चाहता रहा है।"
उसने कहा: और श्वेत भुजाओं वाली रानी ने भी इनकार नहीं किया; उसने आवश्यक शपथ ली; और सभी टाइटन्स, उप-टार्टारियन देवताओं को नाम से पुकारा: फिर, शपथ लेकर और उसकी पुष्टि करके, वे लेम्नोस और इम्ब्रोस से बादलों में ढके हुए, अपने वायुमय मार्ग पर उड़ते हुए चले गए; पहले लेक्टम पर,
वसंत ऋतु में भरपूर इडा में, जानवरों की पालन-पोषण करने वाली,
उन्होंने समुद्र को छोड़ दिया, और भूमि पर यात्रा की,
जबकि उनके पैरों के नीचे ऊंचे जंगल लहरा रहे थे।
वहाँ नींद, इससे पहले कि वह बृहस्पति की आँखों से मिले,
बनी रही; और, एक ऊँचे देवदार के पेड़ पर सवार,
इडा का सबसे ऊँचा पेड़, जो ऊँचाई पर
अपनी शाखाओं को रेगिस्तानी हवा में स्वर्ग की ओर फैलाता है,
देवदार की घनी शाखाओं के बीच छिपा हुआ था;
एक तीखे स्वर वाले पहाड़ी पक्षी की तरह,

जिसे देवता चाल्किस कहते हैं, मनुष्य रात्रि बाज़ कहते हैं।
इस बीच जूनो इडा के शिखर की ओर दौड़ी,
गार्गारिस के पास; बादल-प्रेरक ने देखा;
उसने देखा, और अचानक उसके मन में जुनून उमड़ पड़ा,
जैसे जब, अपने माता-पिता की आँखों से बचकर, उन्होंने पहली बार
प्रेम के गुप्त आनंद का स्वाद चखा।
वह उससे मिलने उठा, और उससे इस प्रकार कहा:
"ऊँचे ओलंपस से, जूनो, तुम कहाँ जा रही हो? और तुम इडा के पास इतनी जल्दी में क्यों आई हो? क्योंकि तुम्हारे पास यहाँ न तो घोड़े हैं और न ही रथ।"
इस पर जूनो ने छलपूर्ण शब्दों में उत्तर दिया: "मैं उपजाऊ पृथ्वी की चरम सीमाओं तक जाती हूँ, देवताओं के जनक, पुराने ओशनस और टेथिस से मिलने, जिन्होंने मुझे पुराने समय में बड़े प्यार से ग्रहण किया और पाला-पोसा। मैं उनसे मिलने और उनके बीच लंबे समय से चले आ रहे झगड़े को सुलझाने जाती हूँ; क्योंकि किसी क्रोध के कारण से उनके बीच दरार आ गई है, और वे प्रेम के अनुष्ठानों और विवाह-शय्या से लंबे समय से विमुख हैं। इस बीच, वसंत ऋतु में खिलने वाली इडा के चरणों में मेरे घोड़े प्रतीक्षा कर रहे हैं।" मैं, जो भूमि और समुद्र पर समान रूप से अपना रथ चलाता हूँ; तेरे कारण ही मैं ऊँचे ओलंपस से यहाँ आया हूँ, कहीं तुझे अप्रिय न लगे, यदि तुझे बिना बताए, मैंने सागर की गहरी धारा की खोज की हो। इस पर बादल-प्रेरक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "जूनो, अभी कुछ समय के लिए अपना आगमन स्थगित कर दो; और अब हम प्रेम के आनंद में डूब जाएँ: क्योंकि प्रेम की ऐसी बाढ़ ने कभी भी किसी देवी या नश्वर के लिए मेरी आत्मा को नहीं भरा; न ही इक्सियन की सुंदर पत्नी के लिए, जो पिरिथस, जो देवताओं के समान ऋषि थे; न ही सुडौल पैरों वाली कन्या दानाए, एक्रिसियस की पुत्री, जिसे पर्सियस ने जन्म दिया था; न ही महान फीनिक्स की संतान, जिसने मुझे मिनोस को जन्म दिया, और राडामेंथस की दिव्य शक्ति; न ही सेमेले के लिए, न ही सुंदर अल्केमेना के लिए, जिनसे थेब्स में शक्तिशाली योद्धा हरक्यूलिस का जन्म हुआ था, जो सेमेले के पुत्र थे, जो मनुष्यों का आनंद थे; नहीं, न ही सुनहरे बालों वाली सेरेस के लिए। रानी, न तो प्रिय लैटोना के लिए, न ही तुम्हारे लिए, जैसा कि अब मैं तुम्हारे लिए तीव्र इच्छा से जल रहा हूँ।

जिस पर जूनो ने छलपूर्ण शब्दों में कहा: "हे शनि के भयानक पुत्र, तुम क्या कह रहे हो? यदि यहाँ इडा पर, दिन के उजाले में, हम प्रेम के रहस्यमय अनुष्ठान मनाते हैं, तो क्या होगा यदि कोई अन्य अमर देवता हमें सोते हुए पा ले, और सभी देवताओं के बीच यह बात फैला दे? तब मैं शर्म के मारे सीधे तुम्हारे घर नहीं लौट सकती। लेकिन यदि वास्तव में ऐसा जुनून तुम्हारी आत्मा को भर दे, तो तुम्हारे पास तुम्हारा गुप्त कक्ष है, जो तुम्हारे लिए वल्कन द्वारा बनाया गया है, जिसमें अच्छी तरह से बंद होने वाले दरवाजे हैं।" सुरक्षित;
यदि तुम्हारी यही इच्छा हो, तो हम अभी वहीं चलते हैं।"
जिस पर बादल-संयोजक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "जूनो, न तो ईश्वर की दृष्टि से डरो और न ही मनुष्य की दृष्टि से; क्योंकि मैं हमारे चारों ओर सुनहरे बादलों का ऐसा आवरण डालूँगा कि सूर्य की सबसे तीव्र किरण भी उसे भेद नहीं पाएगी।"
ऐसा कहते हुए, उसने अपनी पत्नी को बाहों में भर लिया; उनके नीचे की उपजाऊ धरती से कोमल घास और ओस से भीगे कमल फूट पड़े; क्रोकस और हायसिंथ से एक सुगंधित बिस्तर बन गया; प्रचुर और कोमल, धरती से फूटता हुआ। वे वहाँ लेटे रहे, उनके चारों ओर सुनहरे बादलों का एक आवरण फैला हुआ था, जहाँ से स्वर्गीय ओस टपक रही थी। गार्गरस की सबसे ऊँची चोटी पर, नींद और प्रेम से वश में, अमर राजा ने अपनी पत्नी को बाहों में भर लिया, जो आराम कर रही थी। शांति।
फिर नींद जाग उठी, और यूनानी जहाजों की ओर जल्दी से बढ़ते हुए, पृथ्वी को हिला देने वाले राजा को अपना संदेश लेकर गई; और उसके बगल में खड़े होकर, उसने ईश्वर को अपने पंखदार शब्द इस प्रकार संबोधित किए:
"हे नेपच्यून, यूनानियों को अपनी तत्पर सहायता प्रदान करो, ताकि वे क्षणिक विजय प्राप्त कर सकें, जब तक बृहस्पति की आँखें नींद में डूबी हैं; क्योंकि मैंने मीठी बेहोशी में उसकी चेतना को डुबो दिया है, जूनो द्वारा बहकाए जाने पर, जिसकी बाहों में वह लेटा है।"
उसने कहा, और मनुष्यों की जनजातियों के बीच गायब हो गया:
लेकिन यूनानियों की सहायता करने के लिए और भी अधिक उत्साह से प्रेरित होकर, नेप्च्यून आगे बढ़ा और जोर से पुकारा:

"हे यूनानियों, क्या हमारी लापरवाही हेक्टर, प्रियम के पुत्र, को विजय दिलाएगी, हमारे जहाजों पर कब्जा करने और अनंत यश प्राप्त करने के लिए? उसका घमंड और धमकी ऐसी ही है, क्योंकि क्रोध में आकर भी अकिलीज़ अभी भी उसके जहाजों के पास ही है। फिर भी, अगर हम बाकी सब, आपसी रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़े रहें, तो हम उसे शायद ही खोएँगे। इसलिए मेरी सलाह सुनो: हम सब सहमत हों, अपनी सबसे अच्छी और चौड़ी ढालों से घिरे, अपने सिर चमकते हेलमेटों से सुरक्षित, अपने हाथों में अपने सबसे लंबे भाले पकड़े हुए, हेक्टर को चुनौती देने के लिए तैयार हों। लड़ाई। मैं स्वयं तुम्हारा नेतृत्व करूँगा; और प्रियम का पुत्र, चाहे वह कितना भी साहसी क्यों न हो, मेरे साथ मुकाबला करने से डरेगा। और यदि हमारे सबसे बहादुरों में से कोई भी, किसी कमज़ोर आदमी के साथ बहुत छोटी ढाल धारण कर ले, तो उसे ढाल बदल लेनी चाहिए और बड़ी ढाल धारण कर लेनी चाहिए।
उसने कहा, और उन्होंने सहमति से उसका भाषण सुना। राजा स्वयं, यूलिसिस, डायोमेड, और शक्तिशाली एगामेम्नन, एट्रेस का पुत्र, यद्यपि बुरी तरह घायल थे, फिर भी सेनाएँ पंक्तिबद्ध हुईं; वे पंक्तियों के बीच से गुजरे और हथियार बदले; सबसे बहादुरों ने सबसे अच्छे हथियार पहने, सबसे कम बहादुरों ने सबसे खराब। जब सभी अपने चमकदार कवच से सज गए, तो वे आगे बढ़े; पृथ्वी को कंपाने वाले ने उनका नेतृत्व किया:
उसके चौड़े हाथ में एक भयानक तलवार थी,
लंबी धार वाली, बिजली की चमक के समान तेज:
फिर भी वह घातक संघर्ष में शामिल नहीं हुआ,
लेकिन उसने लोगों के मन में भय उत्पन्न कर दिया।
इस बीच हेक्टर ने ट्रोजन सैनिकों को पंक्तिबद्ध किया। फिर भयंकर युद्ध और भी तीव्र हो गया, जब सागर के काले बालों वाले राजा और प्रियम के महान पुत्र हथियारों से लैस होकर आमने-सामने आए, और ट्रोजन और यूनानियों ने एक-दूसरे की सहायता की। समुद्र की लहरें तंबुओं की ओर ऊंची उठती गईं, मानो तेज शोर के साथ विरोधी सेनाओं से टकराई हों। तूफानी बोरियास द्वारा संचालित सागर की लहरों की गर्जना कम हो गई, जो समुद्र तट पर टूटती हैं; घने जंगल में भड़कती लपटों की चटकने की आवाज कम हो गई। किसी पर्वतीय घाटी में;

हवा कम तेज़ थी, सबसे भयंकर क्रोध में भी नहीं उठी,
ऊँचे ओक के पेड़ों की शाखाओं में गड़गड़ाहट;
ट्रोजन और यूनानियों की चीख से भी ज़्यादा तेज़,
जैसे ही प्रत्येक, उग्र चीख के साथ, एक दूसरे से भिड़ा।
सबसे पहले एजैक्स पर, जो सीधे उसके सामने खड़ा था,
महान हेक्टर ने अपना भाला फेंका, और उसका निशाना नहीं चूका,
जहाँ दो बेल्ट, एक जिसमें उसकी ढाल थी,
और दूसरी जिसमें उसकी चांदी जड़ी तलवार थी, टकराईं
उसकी छाती पर; इन दोनों ने उसकी जान बचाई। हेक्टर क्रोधित था कि उसके बलवान हाथ से भाला व्यर्थ ही निकल गया था; और वह अपने साथियों की शरणस्थली में सुरक्षा के लिए वापस कूद पड़ा: लेकिन शक्तिशाली एजैक्स टेलामोन ने चारों ओर बिखरे हुए कई पत्थरों में से एक भारी पत्थर को उछाल दिया, जो योद्धाओं के पैरों के नीचे बिखर गया और जहाजों को सहारा देने का काम किया; इनमें से एक से, हेक्टर के पीछे हटते ही, ढाल के ऊपर से उसने उसकी छाती पर, गले के नीचे वार किया। घूमते हुए, उड़ते हुए, उसने उस वस्तु को फेंक दिया। मानो आकाश से बिजली गिरी हो, कोई वन का ओक का पेड़ जड़ से उखड़कर ज़मीन पर पड़ा है; गंधक की वाष्प हवा में फैल गई है; भयभीत होकर, शक्तिहीन होकर, निकटवर्ती दर्शक खड़ा है, और बृहस्पति की गर्जना सुनकर विस्मय से भर उठता है; इस प्रकार हेक्टर की शक्ति धूल में मिल गई: उसके हाथ से भाला गिर पड़ा; ढाल और हेलमेट उसके साथ गिर पड़े; उसका चमकीला कवच ज़ोर से गूंज उठा। ग्रीस के पुत्र हर्षोल्लास के साथ आगे बढ़े, लूट का माल हथियाने की आशा में; भाले तेज़ी से उड़ रहे थे: फिर भी कोई भी गिरे हुए सरदार तक नहीं पहुँच सका या उसे घायल नहीं कर सका; क्योंकि सभी बहादुर, वीर ऐनेस और पॉलीडामास, ईश्वर तुल्य एजेनोर और लाइसियन सरदार सर्पेडन और महान ग्लौकस चारों ओर जमा हो गए थे। बाकी लोगों ने भी मदद की। उनकी ढालों के चौड़े गोले अभी भी उनके सामने थे, जबकि उनके साथी उन्हें अपनी बाहों में उठाकर युद्ध के मैदान से उस स्थान पर ले गए, जहाँ सारथी और सुगठित रथ के साथ, युद्ध के मैदान से परे, उनके तेज घोड़े खड़े थे, जो उन्हें गहरी कराह के साथ शहर की ओर ले जा रहे थे। लेकिन जब ज़ैंथस की नदी के घाट पर पहुँचे, जो चौड़ी और

भंवरदार थी, अमर बृहस्पति द्वारा निर्मित, तो उन्होंने उन्हें जमीन पर लिटा दिया, और उनके माथे पर ठंडा पानी छिड़का: पुनर्जीवित होकर, उन्होंने कुछ देर के लिए अपना सिर उठाया। आँखें; फिर घुटनों के बल आधा उठकर उसने जमा हुआ खून उगल दिया; लेकिन फिर भी चोट से क्षीण होकर वह वापस धरती पर गिर पड़ा, और रात के गहरे अंधेरे ने उसकी आँखों को ढक लिया।
दोगुने जोश के साथ यूनानी आगे बढ़े, जब उन्होंने हेक्टर को मैदान से पीछे हटते देखा। सबसे आगे, ओइलियस का फुर्तीला पुत्र, अचानक छलांग लगाकर सैटनियस को मार डाला: उसे एक सुंदर जलपरी ओएनॉप्स ने जन्म दिया था, जो सैटनियस नदी के किनारे अपने झुंडों की देखभाल करता था। फिर पास आकर, ओइलियस के पुत्र ने उसके पार्श्व में वार किया: वह गिर पड़ा, और उसके शव पर ट्रोजन और यूनानी भयंकर लड़ाई में उलझ गए। लेकिन पैंथस का पुत्र एक तेज बदला लेने वाला था। पॉलीडामस भाला लहराते हुए आया और एरीलिकस के पुत्र प्रोथोएनोर के दाहिने कंधे पर प्रहार किया; भाला आर-पार हो गया; वह धूल में लोटते हुए, अपने हाथों से ज़मीन को पकड़ लिया; फिर ज़ोर से चिल्लाते हुए, पॉलीडामस ने विजयी भाव से कहा:
"मुझे लगता है कि पैंथस के महान पुत्र के शक्तिशाली हाथ से यह भाला व्यर्थ नहीं गया है: एक यूनानी इसे ले जा रहा है; और शायद वह इसका उपयोग प्लूटो के राज्य में एक लाठी के रूप में कर सकता है।"
इस प्रकार उसने; यूनानियों ने उसकी शेखी बघारने को पीड़ा के साथ सुना; लेकिन इसने मुख्य रूप से एजैक्स टेलमोन के हृदय में जोश भर दिया, जिसके ठीक बगल में मृत व्यक्ति गिर पड़े थे; पॉलीडामास पर, पीछे हटते हुए, उसने जल्दबाजी में अपना चमकीला भाला फेंका; वह किनारे की ओर उछलकर भाग्य के प्रहार से बच गया; परन्तु युवा आर्चीलोचस, एंटनोर का पुत्र, भाला खा गया, क्योंकि स्वर्ग ने उसकी मृत्यु तय कर दी थी: भाला रीढ़ की हड्डी के सबसे ऊपरी जोड़ पर लगा, जहाँ सिर और गर्दन मिलते थे, और दोनों नसें टूट गईं; वह आगे की ओर गिर पड़ा; और घुटने या पैर से पहले ही, उसका सिर, मुँह और नथुने जमीन से टकरा गए।
फिर एजैक्स ने भी प्रसन्नतापूर्वक कहा: "अब बताओ, पॉलीडामास, और मुझे सच बताओ, क्या इसे प्रोथोएनोर की मृत्यु का पूर्ण प्रतिफल माना जा सकता है? कोई

साधारण व्यक्ति नहीं, ऐसा लगता है, और किसी नीच वंश में जन्मा नहीं है; वीर एंटेनोर का भाई, या शायद उसका पुत्र; शक्ल-सूरत से लगता है कि वह निकट संबंधी है।"
इस प्रकार, यद्यपि वह भली-भांति जानता था; तब घोर शोक ने ट्रोजनों के मन को वश में कर लिया; परन्तु अकामास, अपने भाई के शव की रक्षा करते हुए, अपने भाले से बोएटियन प्रोमाकस को मार डाला, जो मृत शरीर को पैरों से खींचकर ले जाना चाहता था: तब अकामास ने हर्षोल्लास करते हुए जोर से पुकारा:
"हे दुष्ट यूनानियों, तुम घमंड में ही इतने डूबे हो! युद्ध का परिश्रम और हानि केवल हमारी ही नहीं है; मृत्यु में तुम्हारा भी हिस्सा है। देखो, तुम्हारा प्रोमाकस कहाँ पड़ा है, मेरे भाले के नीचे दबा हुआ; मेरे भाई के रक्त का बदला चुकाए बिना वह कुछ ही दिन रहा! उसका भला हो, जो अपने भाई को अपने भाग्य का बदला लेने के लिए छोड़ जाता है।"
इस प्रकार उसने; यूनानियों ने उसके घमंड को पीड़ापूर्वक सुना; लेकिन इसने मुख्य रूप से पेनेलियस के हृदय में जोश भर दिया; वह अकामास पर झपटा, जिसने मुठभेड़ की प्रतीक्षा नहीं की; फिर उसने फोरबास के पुत्र इलियोनियस को मार डाला, जो असंख्य भेड़ों का स्वामी था, सभी ट्रोजनों में सबसे प्रिय, हर्मेस का प्रिय, जिसने उसकी संपत्ति में वृद्धि की। उसकी माँ ने उसे इलियोनियस को जन्म दिया था; अब, उसके माथे के नीचे से, आँख के सॉकेट से वार किया गया, जिससे आँख की पुतली बाहर निकल गई; क्योंकि आँख से होकर, और सिर के पीछे से भाला घुस गया: हाथ फैलाए वह धरती पर गिर पड़ा; लेकिन पेनेलियस ने अपनी भारी तलवार से उसकी गर्दन पर वार किया; कटा हुआ सिर और हेलमेट एक साथ गिर पड़े, फिर भी भाला उसमें धंसा रहा; फिर उसने, खून से लथपथ सिर को ऊपर उठाते हुए, ट्रोजनों को गर्व से पुकारा:
"अब जाओ, हे ट्रोजनो! वीर इलियोनियस के घर में उसके माता-पिता से कहो कि वे अपने वीर पुत्र के लिए विलाप करें; क्योंकि न तो एलेगेनोर के पुत्र प्रोमाकस की पत्नी अपने पति के आगमन पर प्रसन्न मुस्कान के साथ उसका स्वागत करेगी, जब हम ग्रीस के पुत्र, विजय का ताज पहनकर ट्रॉय से घर लौटेंगे।"
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उन सब पर पीला भय छा गया, हर कोई मौत से बचने के लिए इधर-उधर देखने लगा।

अब बताओ, हे नौ, जो ओलंपस पर निवास करते हो, तुममें से किसने, जब पृथ्वी को हिला देने वाले ने युद्ध का रुख मोड़ दिया, तो सबसे पहले अपने शत्रु की रक्त-विजय को अपने साथ ले गया?
महान एजैक्स ने सबसे पहले टेलमोन को मारा, फिर हर्टियस को, जो गर्टियस का पुत्र था और जिसने युद्ध में योद्धा मिसियनों का नेतृत्व किया; इसके बाद एंटिलोचस ने मर्मेरस और फाल्सेस से उनके हथियार छीन लिए; मेरियोनेस को हिप्पोटियन ने मार डाला, और मोरिस को भी; ट्यूसर को पेरीफेट्स ने मार डाला, और प्रोथून को भी; मेनेलास ने हाइपरेनर को किनारे से मारा; जैसे ही भाले की घिसती हुई धार ने उसके सारे प्राण निचोड़ लिए, खुले घाव से उसकी आत्मा निकल गई, और अंधकार ने उसकी आँखें ढक लीं। परन्तु ट्रोजनों का सबसे बड़ा संहार ओइलियस के बलवान पुत्र ने किया; सभी यूनानियों में से किसी का भी पैर उसके जैसा तेज नहीं था, जब बृहस्पति ने उनकी आत्माओं को भय से भर दिया था, ताकि वे भागते हुए शत्रु का पीछा करें।

## तर्क।

**पांचवां युद्ध, जहाजों पर; और एजैक्स के कार्य।**

जागने पर बृहस्पति देखता है कि ट्रोजन सेना खाइयों से खदेड़ दी गई है, हेक्टर बेहोश पड़ा है, और नेपच्यून यूनानियों का नेतृत्व कर रहा है; वह जूनो की चालाकी से बहुत क्रोधित होता है, जो अपने समर्पण से उसे शांत करती है; फिर उसे आइरिस और अपोलो के पास भेजा जाता है। जूनो, देवताओं की सभा में जाकर, असाधारण चतुराई से उन्हें बृहस्पति के विरुद्ध भड़काने का प्रयास करती है; विशेष रूप से वह मार्स को तीव्र आक्रोश से भर देती है; मार्स हथियार उठाने के लिए तैयार हो जाता है, लेकिन मिनर्वा उसे रोक देती है। आइरिस और अपोलो बृहस्पति के आदेशों का पालन करते हैं; आइरिस ने नेपच्यून को युद्ध छोड़ने का आदेश दिया, जिस पर वह बहुत अनिच्छा और आवेश के बाद सहमत हो गया। अपोलो ने हेक्टर को नई ऊर्जा प्रदान की, उसे युद्ध में वापस लाया, अपने कवच के साथ उसके आगे-आगे चला, और युद्ध का रुख बदल दिया। उसने यूनानी दीवार के पहले भाग को ध्वस्त कर दिया; ट्रोजन सेना तेजी से आगे बढ़ती है और बेड़े की पहली पंक्ति पर गोलीबारी करने का प्रयास करती है,

लेकिन फिर भी विशालकाय एजैक्स द्वारा भारी नरसंहार के साथ उन्हें खदेड़ दिया जाता है।

# पुस्तक पंद्रह।

अब जब ट्रोजन खाई और बाड़ को पार कर चुके थे, और अपनी अंधभक्ति में कई यूनानी तलवारों से मारे गए थे, बाकी, पराजित और भय से पीले पड़ चुके, कुछ देर के लिए अपने रथों के पास खड़े रहे; तब इडा की ऊँचाई पर स्थित बृहस्पति, स्वर्ण सिंहासन पर बैठी जूनो के पास जागा; उठकर उसने ट्रोजन और यूनानियों को देखा, जो भ्रम की स्थिति में थे, जबकि उनके पीछे विजयी यूनानी, नेपच्यून उनके बीच में थे: उसने हेक्टर को भी मैदान पर पड़ा देखा, उसके साथी उसके चारों ओर खड़े थे; वह बेसुध पड़ा था, साँसें फूल रही थीं, मुँह से खून बह रहा था; क्योंकि यह प्रहार किसी कमजोर हाथ से नहीं किया गया था।

दया भाव से, देवताओं और मनुष्यों के पिता ने देखा, और इस प्रकार, कठोर दृष्टि से जूनो से कहा: "यह, जूनो, तेरा ही काम है! तेरे दुष्ट छल ने हेक्टर को पराजित किया है, और ट्रोजन को भगा दिया है: और मुझे नहीं पता कि तू स्वयं अपने घिनौने धोखे का फल भुगतेगी, शर्मनाक कोड़े खाकर। क्या तू भूल गई है कि पुराने समय में मैंने तुझे ऊँचाई से लटकाया था, और तेरे पैरों में दो भारी निहाई बाँधी थीं, और तेरे हाथों को सोने की बेड़ियों से बाँधा था, जिन्हें कोई नहीं तोड़ सकता था।" टूटना?

तुम स्वर्ग के बादलों के बीच लटके रहे;
पूरे ओलंपस में देवता क्रोधित थे;
फिर भी किसी ने तुम्हें मुक्त करने का साहस नहीं किया।
यदि किसी ने ऐसा करने का साहस किया होता, तो मैं उसे
स्वर्ग की दहलीज से तब तक फेंक देता जब तक वह पृथ्वी पर न गिर जाता,
जीवन का बहुत कम अंश शेष रहता। फिर भी मेरी क्रोध शांत नहीं हुई
देवतुल्य हरक्यूलिस के कारण,
जिसे तुमने, बोरियास के साथ, जलमयी बंजर भूमि पर
क्रूर इरादे से भेजा था; और तूफ़ान में फँसकर, मैंने उसे कूस के उपजाऊ द्वीप पर किनारे पर छोड़ दिया। मैंने उसे वहाँ से बचाया और उसे वापस लाया, लंबे परिश्रम के बाद, आर्गोस के घास के मैदानों में। मैं यह बात तुम्हारे मन में इसलिए डाल रहा हूँ ताकि तुम सीख सको कि अपनी कपटपूर्ण चालों को छोड़ दो, और अपने प्रेम के सभी

प्रलोभनों से लाभ की आशा न रखो, जिनसे तुमने मुझे धोखा दिया और विश्वासघात किया।
उसने कहा; और हिरण जैसी आँखों वाली रानी भयभीत हो उठी;
जिसने इस प्रकार पंखों वाले शब्दों में अपने स्वामी को संबोधित किया:
मैं पृथ्वी की कसम खाता हूँ, और ऊपर उस विशाल आकाश की, और नीचे उस विशाल नदी की, मैं परम शक्ति की शपथ लेता हूँ, जो पवित्र देवताओं को बांधती है; तेरे पवित्र सिर की, हमारे वैवाहिक बिस्तर की, जिसके पवित्र बंधन को मैं कभी नहीं तोड़ सकता; कि मेरे सुझाव और सलाह से नहीं, पृथ्वी को हिला देने वाला नेपच्यून ट्रोजन सेना पर, और हेक्टर, अपना क्रोध उंडेलता है, और यूनानियों की सहायता करता है; इसमें वह केवल अपनी इच्छा का पालन करता है, जो यूनानी सेना पर दया दृष्टि रखता है, उनके डूबे हुए जहाजों के पास; और कर सकता था मेरे शब्द प्रबल हों, मेरी सलाह उनके मार्ग को निर्धारित करे, हे बादलों से घिरे राजा, तेरी इच्छा के प्रति आज्ञाकारी।
उसने कहा; देवताओं और मनुष्यों के पिता, प्रसन्न होकर, उसने अपना उत्तर सुना और इस प्रकार कृपालु मुस्कान के साथ कहा:
"हे हिरण-आंखों वाली रानी, यदि देवताओं की सभा में तुम्हारी सलाह मेरी सलाह से सहमत हो, तो नेपच्यून, चाहे उसकी इच्छा कितनी भी प्रबल क्यों न हो, अपना मार्ग बदल देगा, तुम्हारी और मेरी इच्छा के अनुसार; और यदि तुम पूरी ईमानदारी से बोलो, तो एकत्रित देवताओं के पास जाओ, और यहाँ आइरिस और चांदी के धनुष वाले फोएबस को भेजो; ताकि वह यूनानी शिविर में जाए, और नेपच्यून को युद्ध के मैदान से हटने और अपने राज्य में लौटने का आदेश दे; जबकि फोएबस हेक्टर को युद्ध में भेजे।" पुनर्स्थापित करता है, नई ऊर्जा प्रदान करता है, और उन नश्वर पीड़ाओं को शांत करता है जो उसकी आत्मा को झुका देती हैं: फिर, यूनानियों में निर्मम भय भरकर, उन्हें भगा देता है, ताकि वे भागते हुए अकिलीज़ के जहाजों के पास गिरें; फिर अपने साथी, पेट्रोक्लस को युद्ध में भेजता है, जहाँ हेक्टर उसे ट्रॉय के सामने मार डालता है; फिर भी वह तब तक नहीं गिरता जब तक कि कई वीर युवक उसकी वीरता को न देख लें; और बाकी के बीच, मेरा पुत्र, सर्पेडन; अपने साथी के द्वारा मृत्यु क्रोधित होकर, अकिलीज़ हेक्टर को वश में करेगा;

अब से मेरी सलाह है कि जहाजों से
ट्रोजन सेना को लगातार पीछे धकेला जाएगा,
जब तक कि अंततः, पल्लास की गहरी योजनाओं से,
यूनानी ट्रॉय की ऊँची दीवारों पर कब्जा न कर लें।
फिर भी मैं अपना क्रोध शांत नहीं करूँगा,
और न ही अन्य अमर देवताओं को
यूनानियों की सहायता करने दूँगा, जब तक कि पेलियस का पुत्र
अपनी इच्छा पूरी होते हुए और मेरे द्वारा एक बार वादा किए गए वरदान को प्राप्त होते हुए न देख ले, और एक इशारे से पुष्टि हुई, उस दिन जब समुद्र से जन्मी थेतिस ने मेरे घुटनों को थाम लिया, और मुझसे अपने योद्धा पुत्र का बदला लेने की प्रार्थना की।
इस प्रकार उसने; स्वर्ग की श्वेत भुजाओं वाली रानी ने समर्पण किया। उसने अपना आदेश सुना; और इडेयन पर्वत से
तीव्र उड़ान भरकर उच्च ओलंपस की ओर बढ़ी।
मनुष्य के मन की तरह तीव्र, जिसने अनेक देशों की यात्रा की है, और चिंतनशील विचारों से याद करता है, "यहाँ मैं एक दिन था, या यहाँ,"
और एक क्षण में अनेक दृश्यों का अवलोकन करता है;
उसी प्रकार जूनो ने अंतराल को पार किया;
वह ओलंपस की ऊँचाइयों पर पहुँची, और बृहस्पति के घर में एकत्रित देवताओं के बीच प्रकट हुई।
उसके आने पर वे उठे, सुनहरे प्यालों के साथ
अपनी रानी के आगमन का स्वागत करते हुए; बाकी सब छोड़कर वह आगे बढ़ गई, और सुंदर मुख वाली थेमिस के हाथ से, जो सबसे पहले मिलने दौड़ी थी, उसने वह प्याला ले लिया, और फिर पंखदार शब्दों में रानी को संबोधित किया: "जूनो, तुम यहाँ क्यों आई हो? और भय से व्याकुल होकर, क्या शनि के पुत्र, तुम्हारे शक्तिशाली स्वामी ने तुम्हें इतना भयभीत कर दिया है?" जिस पर श्वेत भुजाओं वाली देवी, जूनो ने इस प्रकार कहा:
"थेमिस, अपने प्रश्न छोड़ दो; तुम भली-भांति जानती हो कि उसका मन कितना अभिमानी और अहंकारी है; तुम देवताओं के लिए जल्दी से भोज तैयार करो; तब तुम

सभी अमर लोगों के बीच जान जाओगी कि वह क्या बुराई करने की योजना बना रहा है; और मुझे लगता है कि सभी उसकी सलाह को स्वीकार नहीं करेंगे, न मनुष्य, न देवता, यद्यपि वे अभी आनंदमय अज्ञान में भोज कर रहे हैं।"
उसने कहा और बैठ गई; चिंता से व्याकुल देवता, उसके आगे के भाषण की प्रतीक्षा कर रहे थे; उसके होठों पर मुस्कान तो थी, पर उसकी काली पड़ती भौंहों पर एक भी किरण नहीं पड़ी, क्योंकि इस प्रकार उसका क्रोध एकत्रित देवताओं के बीच शब्दों में प्रकट हुआ:
हम सब मूर्ख हैं, जो बृहस्पति से पागलपन से संघर्ष करते हैं, या उसके सिंहासन पर चढ़कर, अपने शब्दों या कर्मों से, उसके मार्ग को नियंत्रित करने की आशा रखते हैं; सबसे अलग, वह हमारी सभी सलाहों पर ध्यान नहीं देता, बल्कि उपहास करता है; और सभी अमर देवताओं पर शासन करने का घमंड करता है, शक्ति की अतुलनीय श्रेष्ठता में। इसलिए, प्रत्येक को अपने-अपने दुख सहने के लिए तैयार रहना चाहिए; मुझे लगता है कि मंगल ग्रह पर अभी प्रहार हो चुका है; क्योंकि लड़ाई में, वह उस व्यक्ति को सबसे अधिक प्यार करता है, और अपने पुत्र, एस्कालाफस पर गर्व करता है। मारा गया।"
उसने कहा; और मंगल, क्रोधित होकर, अपनी बलवान जांघ पर
अपने हाथों से प्रहार किया, और इस प्रकार विलाप करते हुए बोला:
"हे देवताओं, जो ओलंपस पर निवास करते हैं, दोष न दें कि मैं यूनानी जहाजों की ओर जल्दी कर रहा हूँ, अपने वध किए गए पुत्र का बदला लेने के लिए, भले ही स्वर्ग की आग से झुलस गया हो, लाशों, रक्त और धूल के बीच लेटना मेरा दुर्भाग्य था।"
उसने कहा, और भय और पलायन को आदेश दिया कि वे उसके कान पकड़ लें; और उसने अपने चमकीले हथियार पहन लिए। फिर उसने बृहस्पति के सिंहासन से गिरे हुए अमर देवताओं पर और भी अधिक क्रोध और गहरा प्रतिशोध लिया। लेकिन पल्लास ने सभी देवताओं को चेतावनी देते हुए, जिस सिंहासन पर वह बैठी थी, उसे जल्दी से छोड़कर, प्रवेश द्वार से छलांग लगाई, और उसके सिर से हेलमेट उठाया, उसकी बांह से ढाल; उसके मजबूत हाथ से पीतल का भाला लिया, और उसे सीधा खड़ा किया। फिर निंदा भरे शब्दों के साथ
उसने इस प्रकार युद्ध के उग्र देवता पर आक्रमण किया;

"पागल और आवेश में पागल होकर, तुम खो गए हो! क्या तुम्हारे पास सुनने के लिए कान नहीं हैं! या तुम्हारा मन और श्रद्धा का भाव पूरी तरह नष्ट हो गया है? या तुमने वह नहीं सुना जो श्वेत भुजाओं वाली जूनो ने कहा था, ओलंपियन जूपिटर की उपस्थिति से अभी-अभी? क्या तुम, अपने बुरे भाग्य की पूर्ति के बाद, कठोर विवशता से, अपने दुःख के बावजूद, ओलंपस वापस जाना चाहते हो; और बाकी सभी के लिए भ्रम और विपत्ति लाना चाहते हो? वीर ट्रोजन और यूनानियों से एक साथ उसके विचार भटक जाएंगे, और उसका क्रोध ओलंपस को भी घेर लेगा, और सभी पर समान रूप से बरसेगा, चाहे दोषी हो या न हो, उसका क्रोध उंडेल दिया जाएगा। अपने वीर पुत्र के लिए प्रतिशोध छोड़ दो; अन्य जो हृदय से उतने ही साहसी और भुजाओं से उतने ही बलवान हैं, गिर चुके हैं, और अभी गिरना ही है; और सभी मनुष्यों पर एक साथ नज़र रखने का प्रयास व्यर्थ है।

इस प्रकार कहते हुए, उसने उग्र मंगल को फिर से उसके स्थान पर विवश किया: इस बीच, घर के बाहर, बृहस्पति के आदेश पर जूनो को अपोलो ने बुलाया, और ईश्वर से ईश्वर के दूत आइरिस को भी बुलाया; और इस प्रकार दोनों को अपने शब्दों से संबोधित किया:

"ज्यूस तुम्हें पूरी तेज़ी से इडा जाने का आदेश देता है; और जब तुम वहाँ पहुँचकर उसके सामने खड़े हो जाओ, तो वह जो भी आदेश दे, उसका पालन करो।"

इस प्रकार जूनो बोली और अपने सिंहासन पर लौट आई; जब वे वसंत ऋतुओं से भरपूर इडा की ऊँचाइयों की ओर, वन पशुओं की जंगली प्रजनक, अपना मार्ग तय कर रहे थे; वहाँ उन्हें शनि का सर्वज्ञ पुत्र मिला; गार्गारस की सबसे ऊँची चट्टान पर, उसके चारों ओर एक सुगंधित बादल फैला हुआ था। बादलों को नियंत्रित करने वाले बृहस्पति के सामने वे खड़े थे; उनकी उपस्थिति देखकर वह प्रसन्न हुआ; अपनी संगिनी के शब्दों का तुरंत पालन करते हुए, उसने सबसे पहले आइरिस को संबोधित किया:

"जल्दी करो, प्रचंड आइरिस, और सागर के राजा को मेरा संदेश पहुँचाओ, बिना कुछ गलत बताए, बिना कुछ छोड़े; उसे युद्धक्षेत्र से पीछे हटने और एकत्रित देवताओं में शामिल होने का आदेश दो, या अपने समुद्री क्षेत्र में लौट जाने का आदेश दो। यदि वह मेरे आदेशों पर ध्यान न दे, और उनका पालन न करे, तो वह अपने अंतर्मन में विचार

करे कि क्या वह, शक्तिशाली होते हुए भी, मेरे शत्रुतापूर्ण आगमन की प्रतीक्षा करने का साहस करता है; मैं उससे कहीं अधिक शक्तिशाली हूँ, उससे बड़ा हूँ; और न ही उसकी आत्मा मुझसे प्रतिस्पर्धा करने की आकांक्षा रखे, जिसे सभी सम्मान देते हैं।" विस्मय।

उसने कहा; तेज कदमों वाली आइरिस, शब्द सुनते ही, इडा की ऊंचाइयों से पवित्र इलियम की ओर दौड़ी। बादलों से बर्फ के टुकड़ों की तरह तेज, या बोरेस की तेज हवा के सामने बर्फीले ओलों की तरह, आकाश से जन्मी; आइरिस पृथ्वी पर उतनी ही तेजी से उतरी; वह उसके बगल में खड़ी थी, और इन शब्दों के साथ पृथ्वी को हिला देने वाले देवता ने संबोधित किया: "हे काले बालों वाली पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली, मैं तुम्हारे लिए एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की ओर से एक संदेश लाया हूँ। वह तुम्हें युद्ध के मैदान से तुरंत हटने का आदेश देता है, और या तो एकत्रित देवताओं में शामिल हो जाओ, या अपने समुद्री क्षेत्र में लौट जाओ। यदि तुम उसके आदेशों पर ध्यान नहीं दोगे, और उनका पालन नहीं करोगे, तो वह स्वयं यहाँ आने की धमकी देता है, और तुमसे युद्ध करेगा; लेकिन वह तुम्हें पहले चेतावनी देता है, उसकी भुजा से सावधान रहो, क्योंकि वह कहीं अधिक शक्तिशाली है।" हे मेरे बड़े पुत्र, मैं तुझसे अधिक किसी से भी नहीं लड़ सकता; और न ही तेरी आत्मा उससे प्रतिस्पर्धा करने की आकांक्षा रख सकती है, जिसे सभी श्रद्धा से देखते हैं।

जिस पर भयंकर क्रोध में पृथ्वी को हिला देने वाले ईश्वर ने प्रहार किया: "स्वर्ग की कसम, यद्यपि वह महान है, फिर भी वह कुछ हद तक अतिशयोक्ति करता है, यदि वह मुझे, अपने समतुल्य जन्म वाले को, बलपूर्वक मेरी इच्छा को विफल करने का प्रयास करता है। हम तीन भाई थे, सभी राए में जन्मे थे, शनि के पुत्र; मैं और बृहस्पति, और तीसरा प्लूटो, जो पाताल लोकों पर अपना प्रभुत्व रखता है। हमारा विभाजन तीन गुना था; प्रत्येक को उसका उचित सम्मान प्राप्त हुआ; प्राचीन सागर को लॉटरी द्वारा मेरा निवास स्थान दिया गया; अंधकार के क्षेत्र प्लूटो के हिस्से में आए; विशाल स्वर्ग, आकाश और बादलों के बीच, बृहस्पति के लिए था; लेकिन पृथ्वी और उच्च ओलंपस सभी के लिए एक साझा विरासत हैं; और मैं बृहस्पति की इच्छा को प्रसन्न करने के लिए नहीं चलूँगा; चाहे वह कितना भी महान क्यों न हो, उसे अपने एक तिहाई हिस्से से संतुष्ट रहने दो: और न ही उसे यह सोचना चाहिए कि मैं, पूरी तरह से नीच, उसकी

भुजा के सामने काँप जाऊँगा; उसके ऊँचे शब्द उसकी बेटियों और बेटों के लिए बेहतर थे, जो उसके अपने पुत्र हैं; जिन्हें विवश ही उसके आदेशों को सुनना चाहिए, और आज्ञा पालन करें।
जिस पर तेज कदमों वाली आइरिस ने इस प्रकार उत्तर दिया: "तो क्या यही वह कठोर और अभिमानी संदेश है, हे पृथ्वी के वृत्ताकार, जिसे तूने मुझे बृहस्पति तक पहुँचाने का आदेश दिया है? शायद तेरा क्रोधित मन बेहतर सलाहों के लिए झुक जाए; सबसे श्रेष्ठ मन सबसे आसानी से झुक जाते हैं; और वृद्धावस्था पर, तू जानता है कि प्रतिशोधी देवियाँ सदा घात लगाए रहती हैं।"
जिस पर पृथ्वी को हिला देने वाले नेप्च्यून ने इस प्रकार उत्तर दिया: "अमर आइरिस, तुम्हारे शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं, और उचित समय पर बोले गए हैं; और यह अच्छा है जब दूतों को विवेकपूर्ण मार्गदर्शन दिया जाता है। फिर भी मेरा हृदय और मन दुःख से व्याकुल है, जब वह मुझे, जो जन्म और भाग्य दोनों से उसके बराबर हूँ, अभिमानी शब्दों से दबाने की कोशिश करता है। मैं हार मान लेता हूँ, परन्तु अन्याय की भावना से क्रोधित होकर। मैं यह भी कहता हूँ, और मेरी धमकी व्यर्थ नहीं जाएगी: उसे याद रखना चाहिए, यदि मेरे विरोध में, पल्लास, जूनो, हर्मीस के विरुद्ध," वल्कन की इच्छा, वह गर्वित इलियम के मीनारों को गिराने में विफल रहे, और यूनानी सेना को विजय से नवाजे, हमारे बीच का झगड़ा कभी ठीक नहीं हो सकता।
पृथ्वी को कंपाने वाले ने कहा, और मैदान से पीछे हट गया। सागर की लहरों के नीचे, योद्धा यूनानी, उसकी हानि पर शोक व्यक्त कर रहे थे; फिर अपोलो को, बादलों को नियंत्रित करने वाले ने इस प्रकार अपना भाषण दिया:
"सीधे पीतल के हेलमेट वाले हेक्टर के पास जाओ, हे अच्छे फोएबस; क्योंकि सागर की लहरों के नीचे, पृथ्वी को हिलाने वाला, मेरे घोर क्रोध से बचकर निकल गया है; यदि उसने विरोध करने का साहस किया होता, तो हमारे संघर्ष का कोलाहल उन देवताओं तक पहुँच जाता, जो शनि के साथ पाताल लोक में निवास करते हैं। फिर भी, मेरे और उसके दोनों के लिए यही बेहतर है कि, यद्यपि वह क्रोधित है, फिर भी वह मेरी इच्छा के आगे झुक जाए; क्योंकि उसे विवश करना आसान काम नहीं था। तू अपनी झालरदार ढाल उठा और ऊँचा लहरा, हे ग्रीक योद्धाओं, हे दूर तक तीर चलाने वाले राजा, तू स्वयं महान हेक्टर की विशेष देखभाल कर; उसकी शक्ति और जोश

को इस प्रकार बहाल कर कि यूनानी घबराकर अपने जहाजों और विशाल हेलेस्पोंट की ओर भाग जाएं। फिर मैं अपने वचन और कर्म से ऐसा प्रबंध करूंगा कि उन्हें अपने परिश्रम से कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाए।
उसने कहा, अपोलो ने भी अपने पिता के आदेशों का पालन किया; वह इडा की ऊँचाइयों से उड़ गया, एक बाज़ की तरह, कबूतर पर झपट्टा मारता हुआ, पक्षियों में सबसे तेज़; फिर उसने प्रियम के पुत्र को पाया, देवतुल्य हेक्टर, अब और लंबा नहीं, बल्कि बैठा हुआ, अब चेतना में लौट आया था, अपने मित्रों को पहचानते हुए देख रहा था; ठंडा पसीना सूख गया था, और अब साँस लेने के लिए हाँफ नहीं रहा था, क्योंकि एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की इच्छा से वह नए जीवन में जागृत हो गया था। उसके ठीक बगल में सुदूर विनाशक खड़ा था, और उसने उससे इस प्रकार कहा: "हे प्रियम के पुत्र हेक्टर, अपने सभी साथियों से अलग होकर यहाँ क्यों बैठे हो, दुर्बल और कमजोर? तुम्हें कौन सी परेशानी सता रही है?"
चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा: "हे देवताओं के राजकुमार, तुम कौन हो जो मुझसे इस प्रकार पूछते हो? क्या तुम नहीं जानते कि शक्तिशाली एजैक्स द्वारा फेंका गया एक विशाल पत्थर, जिसने यूनानी जहाजों द्वारा अपने साथियों पर विनाश किया था, मेरे सीने पर लगा, मुझे धरती पर पटक दिया, और मेरी सारी शक्ति समाप्त कर दी? मैंने सचमुच सोचा था कि आज मेरी आत्मा, जो मर चुकी है, मृतकों और प्लूटो के छायादार राज्य को देखेगी।"
फिर से, व्यापक विनाश करने वाले राजा ने कहा: "हिम्मत रखो; मैं शनि के पुत्र से आया हूँ, इडा की ऊँचाई से तुम्हारा मार्गदर्शक और रक्षक बनने के लिए; मैं, स्वर्ण तलवार वाला अपोलो, मैं, जो प्राचीन काल से तुम्हारा रक्षक रहा हूँ, तुम्हारी और तुम्हारे नगर की रक्षा करता रहा हूँ। तो सीधे उठो; अपने असंख्य घुड़सवारों को बुलाओ; उन्हें आदेश दो कि वे अपने उड़ने वाले रथों को यूनानियों के जहाजों पर आक्रमण करने के लिए चलाएँ: मैं आगे चलूँगा: और तुम्हारे घोड़ों का मार्ग सुगम और सुगम बनाऊँगा, और योद्धा यूनानियों को भयभीत करूँगा।"
उनके शब्दों ने मुखिया में नई ऊर्जा भर दी। जैसे कोई गर्वित घोड़ा, भरे-पूरे चरनी में भोजन करके, अपनी लगाम तोड़कर, हिनहिनाते हुए मैदान में दौड़ता है, और अपनी बगलें धोने के लिए विशाल धारा में आनंद लेता है। फिर अपना सिर ऊँचा उछालते

हुए, अपने कंधों पर लहराते हुए अपने घने अयाल के साथ, फुर्तीले अंगों पर हल्के-फुल्के अंदाज़ में, सचेत गर्व के साथ, वह घोड़ियों के विशाल चरागाहों की ओर दौड़ पड़ा; हेक्टर ने अपने फुर्तीले अंगों को इतनी शक्ति से चलाया, स्वर्ग के आदेश पर अपने घुड़सवारों को बुलाते हुए।

जैसे जब पुरुषों और कुत्तों की एक देहाती भीड़ ने सींग वाले हिरण या पहाड़ी बकरी का पीछा किया हो, जो चट्टानों और घने छायादार जंगल के बीच शरण पाकर उनके पीछा करने वालों को विफल कर देता है: यदि कोलाहल से उत्तेजित होकर, एक शेर अपने खड़े अयाल के साथ उनके सामने खड़ा हो जाए, तो वे पीछे मुड़ जाते हैं, और अपने मध्य मार्ग में ही रुक जाते हैं; यहां तक कि यूनानियों ने भी, जो हाल ही में उत्साही भीड़ में आगे बढ़ रहे थे, तलवारों और दोधारी भालों से प्रहार करते हुए, जब उन्होंने हेक्टर को पंक्तियों के बीच से गुजरते देखा, तो वे पीछे हट गए और उनका साहस टूट गया। थोआस ने उनसे इस प्रकार कहा, जो एंड्रामोन का पुत्र था, एटोलिया का सबसे बहादुर योद्धा, भाला फेंकने में कुशल, दृढ़ लड़ाई में निडर; भाषण में कुछ ही लोगों से श्रेष्ठ, जब बहस में यूनानी युवक पूरी सभा में बहस करते हैं। उसने इस प्रकार विवेकपूर्ण भाषण से शुरुआत की, और कहा:

"यह कितना बड़ा आश्चर्य है जो हमारी आँखें देख रही हैं, कि हेक्टर को फिर से जीवन में लौटते हुए देखा जा सकता है, वह उस मृत्यु से बच गया जिसकी हमने आशा की थी कि वह एजैक्स टेलमोन के हाथों मर जाएगा। किसी देवता ने उसकी रक्षा की है और हेक्टर को बचाया है, जिसकी भुजा ने अनेक यूनानियों के घुटने काँपवा दिए हैं: अब भी वह ऐसा ही करेगा; क्योंकि गर्जन के देवता बृहस्पति की सहायता के बिना वह इतना साहसपूर्वक, युद्ध के लिए इतना उत्सुक होकर खड़ा नहीं है। इसलिए सुनो, और मेरी सलाह मानो।" आदेश दिया: "जहाजों पर वापस जाओ, आम सेना को विदा करो; जबकि हमारी सेना के हम, सबसे आगे के सैनिक, डटे रहो, और भाले तानकर उसका सामना करो, उसे रोके रखो; और वह, चाहे कितना भी बहादुर हो, हमारी घनी पंक्तियों के बीच कूदने से डर सकता है।"

उन्होंने कहा: उन्होंने सुना, और सभी ने उनके शब्दों का पालन किया: पराक्रमी एजैक्स, और इडोमेनियस, राजा, और ट्यूसर, और मेरियोनेस, और मंगल के समान साहसी मेगेस, अपने सभी सर्वश्रेष्ठ सैनिकों के साथ, हेक्टर और उसके ट्रोजन के

आक्रमण की प्रतीक्षा में दृढ़ युद्ध के लिए तैयार थे; जबकि पीछे, कई निर्भीक लोग जहाजों की ओर लौट गए। हेक्टर के नेतृत्व में ट्रोजन सेना आगे बढ़ी; उसके आगे फोएबस चल रहा था, उसके कंधे बादलों से ढके हुए थे; उसकी भुजा पर भयानक एजिस लटका हुआ था, जिसे देखना डरावना था; घने और चमकदार झालरों से घिरा हुआ; जिसे कुशल कारीगर वल्कन ने बृहस्पति को दिया था, ताकि मनुष्यों के मन में भय फैलाया जा सके। यूनानियों का समूह दृढ़ता से खड़ा था; दोनों ओर से तीखी चीखें उठ रही थीं; और कई पंक्तियों से तीर तेजी से उड़ रहे थे, और कई भाले शक्तिशाली भुजाओं द्वारा फेंके जा रहे थे। कुछ हट्टे-कट्टे युवकों के शरीर में दफ़न हो गए, और कई, अपने लक्ष्य तक पहुँचने से पहले ही, मैदान के बीचोंबीच गिर पड़े, ज़मीन में धँस गए, खून की प्यास में व्यर्थ। जब तक फोएबस ने अपने एजिस को स्थिर रखा, तीर तेज़ी से बरसते रहे, और लोग दोनों ओर गिरते चले गए; लेकिन जब उसने अपनी चमक को चकित यूनानियों के चेहरों पर चमकाया, और जोर से चिल्लाया, तो उनके भीतर के रोंगटे खड़े हो गए, उनका जोशीला साहस अब याद नहीं रहा। जैसे आधी रात को दो शिकारी जानवर अचानक हमला करके बैलों के झुंड या भेड़ों के विशाल झुंड को तितर-बितर कर देते हैं, जब उनके रखवाले अनुपस्थित होते हैं; भय से इतने घबराए हुए यूनानी तितर-बितर हो गए; उनकी पंक्तियों में ऐसी दहशत फैल गई कि अपोलो द्वारा भेजी गई विजय ट्रोजन सेना को सुशोभित कर सकती थी। और जैसे ही भीड़ उमड़ी,
प्रत्येक ट्रोजन ने अपने आदमी को मार डाला; हेक्टर के हाथों से
स्टिचियस और आर्सेसिलस मारे गए; एक,
बोओटिया की पीतल-पहने सेना का नेता,
दूसरा, बहादुर मेनेस्थियस का विश्वसनीय मित्र।
एनेस को मेडोन ने मार डाला, और इयासस;
मेडोन, महान ओइलियस का नाजायज बेटा,
एजैक्स का भाई; वह फिलासे में, अपने पैतृक घर से दूर, रहने के लिए विवश था;
क्योंकि उसके निकट एरियोपिस में एक रिश्तेदार ने उसके पिता ओइलियस की पत्नी की हत्या कर दी थी: और एथेंस के प्रमुख इयासस को स्फेलस का पुत्र, बुकोलस का पुत्र माना जाता था। सबसे आगे की पंक्तियों में पोलिडामस ने मेसिस्टेस, पोलिटेस

एचियस और एजेनोर ओलोनियस की हत्या कर दी थी। पेरिस के हाथ से, भगोड़ों की भीड़ के बीच से, पीछे से एक तीर चला, जो डियोकस के कंधे के नीचे लगा और उसकी छाती में घुस गया: इस बीच, ट्रोजन अपने हथियारों से वंचित हो गए, खाई और बाड़ के बीच से भागते हुए यूनानी घुस गए, और दबाव में दीवार पर चढ़ गए; इस बीच, हेक्टर ने ट्रोजनों को जोर से पुकारा कि वे जहाजों पर हमला करें और खून से लथपथ लूट का माल छोड़ दें: "जिसे मैं कहीं और, और जहाजों से दूर पाऊंगा, मेरा हाथ उसे मार डालेगा।" उसे मौके पर ही मार डालो; उसके लिए उसके रिश्तेदार कोई चिता नहीं जलाएंगे, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री; बल्कि दीवार के सामने हमारे शहर के कुत्ते उसके क्षत-विक्षत शरीर को नोंच डालेंगे।
उसने कहा; और अपने घोड़ों के कंधे पर इशारा करते हुए कोड़ा गिराया, और पंक्तियों के बीच से ज़ोर से ट्रोजनों को पुकारा; उन्होंने उत्तर में चिल्लाते हुए और अकथनीय शोर मचाते हुए अपने सजे हुए घोड़ों को उसके साथ आगे बढ़ाया; अपोलो, आगे बढ़ते हुए, खाई के तटबंध को आसानी से रौंदता हुआ, और उसे भर दिया; और उस पर एक पुल बनाया जो समतल और चौड़ा था, उतना ही दूर जितना भाले की उड़ान, जिसे एक ऐसे हाथ से फेंका गया हो जो अपनी पूरी ताकत साबित करता हो। इसके ऊपर से उनकी टुकड़ियाँ गुज़रीं; अपोलो ने अपना एजिस उनके ऊपर उठाया और दीवार को गिरा दिया; जैसे कोई बच्चा समुद्र तट पर खेल रहा हो, वैसे ही सहजता से, चंचल खेल में, हाथों और पैरों से रेत के उस टीले को उलट दिया, जिसे उसने खेल-खेल में उठाया था; हे फोएबस, तूने यूनानियों के परिश्रम और पीड़ा को भ्रमित करते हुए, उनकी आत्माओं में दहशत फैला दी। इस प्रकार जहाजों के किनारे घिरे हुए वे डटे रहे, प्रत्येक एक दूसरे को प्रोत्साहित कर रहा था, और सभी ने अपने हाथ फैलाकर प्रत्येक देवता को संबोधित किया। प्रार्थना:
और प्रमुख, गेरेनियन नेस्टर, ग्रीस के समर्थक,
तारों भरे आकाश की ओर उठे हाथों के साथ:
हे पिता बृहस्पति! यदि किसी ने कभी तेरे समक्ष आर्गोस के अनाज से लदे मैदानों में बैलों और भेड़ों की चर्बी जलाकर सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना की हो; और तेरे सहमति भरे इशारे ने तेरे वादे की पुष्टि की हो; तो अब उसकी प्रार्थना याद कर; निर्दयी

विनाश के दिन को टाल दे, और यूनानियों को ट्रोजन के हाथों आत्मसमर्पण न करने दे।
इस प्रकार नेस्टर ने प्रार्थना की; ऊपर से ज़ोर से गर्जना हुई
परामर्श के भगवान ने, जब उन्होंने नेलियस के वृद्ध पुत्र की प्रार्थना सुनी
दुगने उत्साह के साथ, ट्रोजन, मानो वे बृहस्पति के मन को जानते हों, युद्ध के जोश से भरे हुए यूनानियों पर टूट पड़े। जैसे किसी जहाज के तटबंधों पर से विशाल समुद्र की शक्तिशाली लहरें उमड़ पड़ती हैं, वैसे ही, ऊँची लहरों को उछालने वाले झोंकों से प्रेरित होकर, ट्रोजन दीवार से नीचे उतर आए; रथों को अंदर आने दिया गया, और उन्होंने जहाजों पर दोधारी भालों से, आमने-सामने की लड़ाई लड़ी; ये अपने रथों पर, ऊँचे डेक पर सवार थे। उनके उन काले जहाजों में से, भारी-भरकम मस्तूलों वाले जिन्हें नौसैनिक युद्ध के लिए जहाजों पर रखा जाता था,
सघन और मजबूत, जिनके शीर्ष पीतल में जड़े हुए थे।
जब तक जहाज़ों के पार, दीवार के पास यूनानी और ट्रोजन लड़ रहे थे, पेट्रोक्लस अभी भी बहादुर यूरिपिलस के तम्बू में ही था, अपनी बातों से सरदार को शांत कर रहा था, और उसके घाव पर मरहम लगा रहा था, जिसमें कड़वी पीड़ा को दूर करने की शक्ति थी; लेकिन जब उसने देखा कि ट्रोजन दीवार फांदकर अंदर आ रहे हैं और यूनानियों को घबराकर भागते हुए देख रहे हैं, तो वह गहरी पीड़ा से कराह उठा, और अपनी जांघ पर दोनों हथेलियों से मारते हुए, दर्द में इस प्रकार बोला:
"यूरिपिलस, तुम्हारी आवश्यकता चाहे कितनी भी बड़ी हो, मैं अब और नहीं रुक सकता; युद्ध का तूफान इतना भयंकर है; परन्तु सेवकों की देखभाल तुम्हारी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करेगी; जबकि मैं शीघ्र ही अकिलीज़ को खोजकर उसे युद्ध के लिए प्रेरित करूँगा; कौन जानता है कि शायद स्वर्ग ही मुझे सफलता दिलाए? क्योंकि मित्र की समझाने की शक्ति अत्यंत प्रबल होती है।" उसने कहा और शीघ्र ही अपने कार्य पर चल पड़ा।
इस बीच, यूनानियों ने दृढ़ तैयारी के साथ ट्रोजन के आक्रमण का सामना किया; और न ही ये हमलावर, संख्या में कम होते हुए भी, उन्हें पीछे हटा सके; और न ही वे यूनानी सेना को तोड़ सके, और जहाजों और तंबुओं से होकर अपना रास्ता बना सके, जैसे किसी कुशल कारीगर के हाथ में नियम के अनुसार, जिसने पल्लास की सहायता से

अपनी सारी कला सीखी है, जहाज का तख्ता चिकना और समतल बिछाया जाता है, वैसे ही लड़ाई का पलड़ा भी समतल था। अन्य लोग दूसरे जहाजों के आसपास युद्ध में डटे रहे, लेकिन हेक्टर ने अकेले ही एजैक्स का पीछा किया। उस एक जहाज के लिए वे दोनों अथक परिश्रम करते रहे; हेक्टर एजैक्स अपनी चौकी से हिल सकता था, और जहाज को आग से जला सकता था; न ही वह उस शत्रु को पीछे हटा सकता था जो एक देवता द्वारा संरक्षित होकर आया था। तब महान एजैक्स ने अपने भाले से क्लिटियस के पुत्र कैलेटर को सीने में छेद कर दिया, जब वह जलती हुई मशाल लिए जहाज की ओर बढ़ रहा था; गरजते हुए वह गिर पड़ा, और मशाल उसके हाथ से छूट गई। लेकिन हेक्टर ने जब अपनी आँखों से अपने रिश्तेदार को अंधेरे जहाज के पास धूल में पड़ा देखा, तो उसने ट्रोजन और लाइसियनों को जोर से पुकारा:

"ट्रोजन और लाइसियन, और हे डार्डन, प्रसिद्ध
इस युद्ध के दबाव में, घनिष्ठ मुठभेड़ में
अपने प्रयासों में ढिलाई न बरतो; क्लिटियस के पुत्र को बचाने के लिए जल्दी करो,
और यूनानियों को उसके हथियार न लेने दो,
जो उनके जहाजों के समूह के बीच बहादुरी से गिर पड़ा है।"

जब वह बोल रहा था, उसने एजैक्स पर अपना चमकता हुआ भाला फेंका, लेकिन निशाना चूक गया; फिर भी लाइकोफ्रॉन, जो साइथेरा का उसका साथी और मास्टोर का पुत्र था (जो साइथेरा के सुंदर द्वीप से रक्तपात के अपराध में लिप्त होकर एजैक्स के पास रहता था), सरदार के बगल में खड़ा होकर, कान के ऊपर वार करके, मस्तिष्क को भेद गया: ऊंचे जहाज के अगले भाग से वह पीछे की ओर गिर पड़ा, मृत्यु में उसके अंग शिथिल हो गए। तब एजैक्स कांपते हुए अपने भाई को पुकारा:

हे प्रिय ट्यूसर, हमने एक वफादार मित्र खो दिया है, मास्टोर का पुत्र, हमारा साइथेरन अतिथि, जिसे सभी पिता के समान मानते थे; जो अब महान हेक्टर के हाथों मारा गया है। तो फिर कहाँ हैं तुम्हारे तीर, भाग्य के तेज-पंख वाले दूत, और कहाँ हैं तुम्हारा विश्वसनीय धनुष, अपोलो का उपहार?

इस प्रकार एजैक्स ने सुना और ट्यूसर जल्दी से दौड़ा, और अपने झुके हुए धनुष और अच्छी तरह से भरे हुए तरकश के साथ उसके बगल में खड़ा हो गया: उसने ट्रोजनों पर तेजी से अपने बाण बरसाए; और पिसनोर के पुत्र, क्लिटस, जो पॉलीडामस का

साथी था, पैंथस के महान पुत्र को मारा; उसने लगाम अपने हाथ में पकड़ी हुई थी, और अपने घोड़ों को चलाने के लिए अपना सारा ध्यान लगा दिया; क्योंकि जहाँ कहीं भी भीड़ घनी थी, वहाँ हेक्टर और ट्रॉय के पक्ष में, वह हमेशा पाया जाता था; लेकिन उस पर नियति का साया मंडरा रहा था, जिसे कोई टाल नहीं सकता था; क्योंकि पीछे से घातक तीर उसकी गर्दन में जा लगा; वह रथ से नीचे गिर पड़ा; एक तरफ मुड़ते हुए, चौंके हुए घोड़ों ने खाली रथ को घुमा दिया। उन्हें सबसे पहले राजा पोलिडामस ने देखा, और अपना रास्ता रोक दिया; प्रोटिऑन के पुत्र, एस्टिनस को, उसने उन्हें आदेश दिया कि वे अच्छी तरह से निगरानी रखें और पास ही रहें; फिर सबसे आगे वाले फिर से लड़ाई में शामिल हो गए। फिर पीतल के हेलमेट वाले हेक्टर पर टेउसर ने एक तीर चलाया; और तीर चलाकर हेक्टर का जीवन बीच रास्ते में ही समाप्त हो गया, लड़ाई जहाजों के चारों ओर ज्यादा देर तक नहीं चली थी: लेकिन बृहस्पति की सर्वव्यापी दृष्टि ने देखा, जिसने हेक्टर के जीवन पर नजर रखी और ट्यूसर की आशाओं को धोखा दिया। उसने धनुष की अच्छी तरह से मुड़ी हुई डोरी को दो टुकड़ों में तोड़ दिया, जैसे ही ट्यूसर ने धनुष खींचा; पीतल की नोक वाला तीर निशाने से चूक गया, और उसने धनुष पर से हाथ गिरा दिया। फिर घबराकर अपने भाई से चिल्लाया, "हे ईश्वर, कैसे ईश्वर ने हमारी युद्ध की सर्वोत्तम योजनाओं को विफल कर दिया, जिसने मेरे हाथ से धनुष छीन लिया, और उस नई बुनी हुई डोरी को तोड़ दिया, जिसे मैंने कुछ ही देर पहले अपने तेज-तर्रार बाणों को चलाने के लिए बांधा था।"
इस पर महान एजैक्स टेलमोन ने उत्तर दिया: "हे मित्र, अपने तीर और धनुष वहीं छोड़ दो, जो किसी ऐसे देवता द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए हैं जो हमारी प्रसिद्धि से ईर्ष्या करता है; परन्तु अपना भारी भाला उठाओ, और अपनी ढाल अपने कंधों पर डाल लो, और आगे बढ़ो, और बाकी लोगों को शत्रु का सामना करने के लिए प्रेरित करो। यदि हमें हार माननी ही पड़े, तो हम अपने सुदृढ़ जहाजों को न छोड़ें, बल्कि बहादुरी से युद्ध का सामना करें।"
इस प्रकार एजैक्स बोला; और तंबू में ट्यूसर ने अपना धनुष उठाया, और अपने कंधों पर अपनी चौगुनी ढाल डाली; और अपने दृढ़ सिर पर उसने घोड़े के बालों के पंखों से बना एक सुंदर हेलमेट रखा, जो उसके माथे पर भय से लहरा रहा था; उसके हाथ में पीतल की नुकीली नोक वाला मजबूत भाला था: फिर वह दौड़ा, और तेजी से एजैक्स

के पास खड़ा हो गया। इस बीच हेक्टर, जिसने हथियार को क्षतिग्रस्त देखा, ट्रोजन और लाइसियन को जोर से पुकारा:
ट्रोजन और लाइसियन, और हे प्रसिद्ध डार्डन! निकट मुठभेड़ में, अब पुरुषों की तरह डट जाओ; जहाजों के विरुद्ध अपना चिरस्थायी शौर्य दिखाओ। अभी, हमारी आँखों के सामने, बृहस्पति ने एक सरदार का हथियार नष्ट कर दिया है। मानव युद्धों पर बृहस्पति के प्रभुत्व को पहचानना आसान है, जिसे वह विजय का पुरस्कार देता है, और जिसे सहायता रोककर वह नष्ट कर देता है, जैसा कि अब यूनानियों के साथ हो रहा है, जबकि हम उसकी कृपा प्राप्त कर रहे हैं। तो अपनी संयुक्त सेना को जहाजों पर उतारो; और यदि वहाँ तुममें से जो भी आज तलवार या तीर से मारा जाएगा, उसे मरने दो! उसकी मृत्यु गौरवशाली होगी, जो अपने देश के लिए शहीद हो जाता है; और मरते हुए अपने पीछे बच्चों, पत्नी और घर को खतरे से बचाकर छोड़ जाता है, अपनी विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए, जब यूनानी यहाँ से रवाना होकर अपने घर लौटेंगे।
उनके शब्दों ने हर हृदय में नई हिम्मत जगा दी। दूसरी ओर, एजैक्स ने यूनानियों को संबोधित किया:
"तुम पर शर्म आती है, यूनानियों! यही घड़ी तय करेगी कि हमें मरना है या बचना है, और अपने जहाजों को विनाश से बचाना है; क्या तुम आशा कर सकते हो कि यदि चमकते पतवार वाला हेक्टर हमारे जहाजों को जला दे, तो हममें से प्रत्येक पैदल अपने घर पहुँच पाएगा? या क्या तुम नहीं सुनते कि कैसे, हमारे जहाजों को जलाकर नष्ट करते हुए, हेक्टर अपनी सेनाओं का उत्साह बढ़ा रहा है? वह नाचने के लिए नहीं, बल्कि लड़ाई के लिए बुला रहा है; हमारे लिए इससे बेहतर सलाह और कोई नहीं हो सकती, सिवाय इसके कि हम दिल और हाथ से आमने-सामने की लड़ाई लड़ें। एक ही बार में मर जाना कहीं बेहतर होगा, बजाय इसके कि हम हार मान लें।" इस प्रकार घिरे और तंग हालात में, घोर संकट में, हमारे जहाजों के करीब, नीच लोगों द्वारा घेर लिए गए।
उसके शब्दों ने हर हृदय में नई हिम्मत जगा दी। फिर हेक्टर शेडियस, पेरिमीदेस का पुत्र, थ्रेसियन नेता को मार डाला; दूसरी ओर पैदल सेना के कप्तान एजैक्स ने एंटनोर के कुलीन पुत्र लाओडामास को परास्त कर दिया; जबकि पॉलीडामास ने अपने

हथियारों से फाइलियस के पुत्र के मित्र, साइलेनियन ओटस, घमंडी एपियन नेता को छीन लिया; मेगेस ने देखा, और उस पर झपटा; लेकिन पॉलीडामास झुककर वार से बच गया। वह उसे चूक गया; क्योंकि फोएबस नहीं चाहता था कि पैंथस का पुत्र अग्रिम पंक्ति में लड़ते हुए गिरे; लेकिन भाला क्रोस्मस के सीने में जा लगा; वह गड़गड़ाते हुए गिर पड़ा, और विजेता ने उसके शव से उसके हथियार छीन लिए। लैम्पस के पुत्र डोलोप्स, जो एक कुशल भाला चलाने वाला था, युद्ध के हर पहलू में अच्छी तरह से प्रशिक्षित था, ने उस पर हमला किया (वह लैम्पस का पुत्र था, मनुष्यों का राजकुमार, लाओमेडोन का पुत्र); निकट से ही
वह आगे बढ़ा और मेगेस की ढाल पर प्रहार किया;
लेकिन उसके द्वारा पहने गए ठोस कवच ने,
छाती और पीठ के हिस्से से सुसज्जित, उसे हानि से बचा लिया:*
वह कवच जिसे फाइलियस एफ़िरा से लाया था,
सेलेस की धारा के किनारे; मनुष्यों के राजा यूफेट्स ने इसे मित्रतापूर्ण उपहार के रूप में दिया, ताकि युद्ध में शत्रुतापूर्ण भालों से बचाव के लिए इसे पहना जा सके; जिसने अब उनके पुत्र को विनाश से बचाया। इसके बाद मेगेस ने तेज धार वाले भाले से डोलोप्स के पीतल से जड़े, घोड़े के बालों से बने मुकुट पर प्रहार किया, जिससे घोड़े के बालों का पंख टूट गया, जो हाल ही में लाल रंग से चमकीला था, अब धूल में सना हुआ था। फिर भी वह लड़ता रहा और विजय के लिए आशा करता रहा; लेकिन योद्धा मेनेलाउस मेगेस की सहायता के लिए आया। आया; डोलोप्स की अनदेखी करते हुए, वह खड़ा था, और उसके कंधे के पीछे से वार किया; तीर का सिरा उसके सीने से होते हुए निकल गया, और वह अपने चेहरे के बल गिर पड़ा। तुरंत ही, दोनों लूट का माल छीनने के लिए आगे बढ़े; लेकिन हेक्टर ने अपने रिश्तेदारों को जोर से पुकारा; सभी को, लेकिन मुख्य रूप से आइसटन के पुत्र, वीर मेलानिप्पस को; वह कुछ समय पहले, दुश्मनों के प्रकट होने से पहले, दूर परकोट में अपने झुंडों को चरा रहा था; लेकिन जब यूनान के जहाज तट के पास पहुँचे, तो वह इलियम लौट आया; वहाँ, प्रमुख ट्रोजनों के बीच, वह प्रियम के घर में प्रियम के पुत्र के रूप में प्रियम के प्रियतम के रूप में रहने लगा। हेक्टर ने उसे नाम से पुकारा और इस प्रकार संबोधित किया:

"हे मेलानिप्पस, हम इस प्रकार निष्क्रिय क्यों खड़े हैं? क्या तुम्हारे मारे गए रिश्तेदार तुम्हारा हृदय नहीं व्याकुल करते? देखो, वे डोलोप्स की भुजाओं को छीनने के लिए कैसे टूट पड़े; तो फिर! अब कोई दूर का युद्ध नहीं लड़ा जाना चाहिए, बल्कि आमने-सामने की लड़ाई लड़नी चाहिए, जब तक कि यूनानी मारे न जाएँ, या फिर महान ट्रॉय, अपने सभी बच्चों सहित, नष्ट न हो जाए।"
उसने कहा और आगे बढ़ा; उसके पीछे-पीछे सीधे-सीधे चल दिए गए। वह देवतुल्य सरदार, महान एजैक्स टेलमोन। इस बीच, यूनानियों ने युद्ध के लिए उत्साह बढ़ाया और पुकारा, "वीर साथियों, अब मर्दों की तरह डटकर मुकाबला करो; दृढ़ निश्चय रखो; और इस कठिन लड़ाई में एक-दूसरे की सहायता करो; आपसी सहायता से मरने वालों से कहीं अधिक लोग बचते हैं; कायरतापूर्ण भागने में न तो प्रसिद्धि है और न ही सुरक्षा।"
उसने कहा; और उसके शब्दों पर अच्छी तरह विचार करते हुए, वे दृढ़ता से रक्षा में खड़े रहे; जैसे पीतल की दीवार से उन्होंने जहाजों की रक्षा की; यद्यपि उनके विरुद्ध बृहस्पति ट्रोजनों का नेतृत्व कर रहा था; तब मेनेलास ने उत्साहवर्धक शब्दों में एंटिलोकस को संबोधित किया: "एंटिलोकस, तुम सभी यूनानियों में सबसे अधिक फुर्तीला और तेज़ कदमों वाला हो; भाला फेंकने में कोई भी तुमसे अधिक शक्तिशाली नहीं है; फिर भीड़ से निकलकर किसी ट्रोजन के जीवन पर निशाना साधने वाला कोई नहीं है।"
ऐसा कहकर वह पीछे हट गया; उसके शब्दों से प्रेरित होकर, युवक उछल पड़ा और उसने अपना चमकीला भाला लहराया, चारों ओर देखते हुए; ट्रोजन उसके निशाने के सामने पीछे हट गए; भाला व्यर्थ नहीं गया;
बल्कि सीने में छेद कर गया, जैसे ही वह आगे बढ़ा,
बहादुर मेलानिप्पस, आइसटन का पुत्र।
गरजते हुए वह गिरा, और उसके कवच की तेज़ आवाज़ गूंजी।
एंटिलोकस ऐसे उछल पड़ा जैसे कोई शिकारी कुत्ता किसी हिरण के बच्चे पर झपटता है, जिसे उसकी मांद से किसी शिकारी के तीर ने मारा हो और उसकी शक्ति को क्षीण कर दिया हो;
वैसे ही, मेलानिप्पस, अपने लूट के माल को छीनने के लिए उछल पड़ा,

बलवान एंटिलोकस; लेकिन हेक्टर की नज़र से बच नहीं पाया, जो भीड़ के बीच से तेज़ी से आगे बढ़ते हुए उससे मिलने के लिए बढ़ा; उसने हमले का इंतज़ार नहीं किया, बल्कि एक बहादुर योद्धा होने के बावजूद, एंटिलोकस कांपते हुए भाग गया: जैसे कोई शिकारी जानवर, अपने बुरे काम के प्रति सचेत होकर, झुंड के बीच में रक्षक कुत्ते या चरवाहे को मार डालता है, और बदला लेने वाली भीड़ के इकट्ठा होने से पहले ही भाग जाता है; नेस्टर का पुत्र भी ऐसे ही भागा; हेक्टर के नेतृत्व में, ट्रोजन आगे बढ़ते गए; उनकी चीखें तेज़ थीं, जैसे उन्होंने यूनानियों पर अपने घातक बाण बरसाए हों: फिर भी, जब वह अपने साथियों की पंक्तियों तक पहुँचा, तो वह मुड़ गया। फिर, भूखे शेरों की तरह, ट्रोजन जहाजों पर टूट पड़े: उन्होंने केवल बृहस्पति की इच्छा का पालन किया, जिसने उनका साहस बढ़ाया और यूनानियों को पराजित किया; विजय से वंचितों को रोका और प्रेरित किया; क्योंकि उसने यही चाहा था कि प्रियम का पुत्र हेक्टर, यूनान के नुकीले जहाजों को आग में लपेट दे, और थेतिस को भी। उसकी अति-साहसिक याचिका को स्वीकार किया; फिर भी, परामर्श के स्वामी, बृहस्पति, जलते हुए जहाजों से उठती लपटों को देखने के लिए प्रतीक्षा करते रहे: क्योंकि उस घड़ी से ट्रोजन, पीछे धकेले जाने पर, यूनानियों को अंतिम विजय सौंप देंगे। जहाजों पर कब्जा करने के ऐसे इरादे से, उन्होंने प्रियम के पुत्र के पहले से ही जलते हुए उत्साह को और भड़काया; मंगल की तरह भयंकर रूप से, लहराते हुए भाले से वह उग्र हो गए; या फिर जैसे भयंकर आग
पहाड़ की ढलान पर घनी झाड़ियों के बीच।
उसके होठों पर झाग था; उसकी आँखें चमक रही थीं
उसकी भयानक भौंहों के नीचे, और भयानक रूप से
उसके कनपटी के ऊपर लड़ाई के बीच लहरा रहा था
हेक्टर का हेलमेट; स्वयं बृहस्पति स्वर्ग से आए। अपना रक्षक हाथ फैलाए, केवल स्वयं को ही, मनुष्यों की सेना के बीच महिमा से सुशोभित करते हुए; परन्तु उनकी महिमा का समय अल्प था: क्योंकि वह दिन शीघ्र ही निकट आ रहा था, जब पल्लास की सहायता से, पेलेउस के पुत्र की शक्ति उसका विनाश करेगी। उसने बार-बार सेना की पंक्तियों को तोड़ने का प्रयास किया, जहाँ कहीं भी उसे सबसे घनी और सबसे श्रेष्ठ सेना दिखाई दी; परन्तु उसके प्रयास चाहे कितने भी कठिन क्यों न हों, सब व्यर्थ थे:

घनी पंक्ति में एकत्रित होकर, उन्होंने उसके आक्रमण का सामना किया; एक ऊबड़-खाबड़ चट्टान की तरह दृढ़, सीधा खड़ा रहा। ऊँचा,
पास ही में धूसर समुद्र, जो अविचलित रूप से मिलता है
सीटी बजाती हवाओं की उग्र धाराओं से,
और बड़ी लहरों से जो इसके आधार के चारों ओर गरजती हैं;
इस प्रकार यूनानी अविचलित और भयभीत नहीं खड़े थे।
अंत में, अपनी बाहों में पूरी तरह से जलते हुए, वह
उस विशाल लहर पर कूद पड़ा; इस प्रकार नीचे की ओर गोता लगाया, जैसे
किसी ऊँचे जहाज पर, बादलों के नीचे से
एक विशाल लहर, तूफ़ान से पोषित, नीचे उतरती है;
डेक झाग से भीग जाता है; तूफ़ानी हवा
कफ़न में गरजती है; भयभीत नाविक डर से कांप उठे, मृत्यु से बस कुछ ही दूरी पर थे; इस प्रकार प्रत्येक यूनानी के हृदय में भय कांप उठा।
जैसे जब एक भूखा शेर बछियों के झुंड पर टूट पड़ता है, जो किसी दलदली घास के मैदान में असंख्य चर रही होती हैं, और जिनकी देखभाल एक ही व्यक्ति कर रहा होता है, जो शिकारी जानवरों से अकुशल होता है; और जब वह आगे या पीछे चलता है, तो शेर असुरक्षित केंद्र पर झपटता है, एक को पकड़ लेता है और बाकी सभी को तितर-बितर कर देता है; उसी प्रकार हेक्टर, बृहस्पति के नेतृत्व में, भयंकर भय में आकर सभी यूनानियों को तितर-बितर कर दिया; लेकिन केवल एक ही, माइसेना के बहादुर पेरीफेट्स ने उसे मार डाला; कोप्रियस के पुत्र को, जिसे यूरिस्टियस ने हरक्यूलिस की शक्ति के समक्ष अपना दूत भेजा था; पुत्र अपने पिता से कहीं अधिक श्रेष्ठ था; पैरों की गति में, युद्ध कौशल में, बुद्धि में, माइसेनियाई लोगों में वह सर्वोपरि था; जिसने अब हेक्टर को नई प्रसिद्धि दिलाई; क्योंकि पीछे की ओर कदम बढ़ाते हुए, अपनी रक्षा के लिए धारण की गई चौड़ी ढाल के किनारे से टकराकर वह लड़खड़ा गया, और इस प्रकार, उलझकर वह पीछे की ओर गिर पड़ा; और जैसे ही वह गिरा, उसके कनपटी के चारों ओर उसका हेलमेट ज़ोर से बज उठा। हेक्टर ने देखा और जल्दी से उसके ऊपर खड़ा हो गया, और अपने भाले से उसकी छाती को भेदकर उसे मार डाला। उसके साथियों की आँखों के सामने; फिर भी किसी ने हिम्मत नहीं

की, हालाँकि वे अपने साथी के नुकसान पर शोक मना रहे थे, बचाव के लिए आगे बढ़ने की; हेक्टर के प्रति उनका भय ऐसा था। अब वे जहाजों के सामने आ गए; आगे के जहाज जो पहले किनारे पर खींचे गए थे, अभी भी उनका रास्ता रोक रहे थे; फिर भी वे आगे बढ़ते रहे; और सबसे आगे के जहाजों से, अब मुश्किल से दबाव पड़ने पर, यूनानी मजबूरन पीछे हट गए; लेकिन तंबुओं के सामने घनी भीड़ में खड़े रहे, शिविर में बिखरे नहीं; शर्म और डर से विवश; और प्रत्येक ने एक दूसरे को जोर से प्रोत्साहित किया।

गेरेनियन नेस्टर, ग्रीस के प्रमुख,
इस प्रकार अपने पूर्वजों द्वारा एक-एक करके शपथ दिलाई:
"प्रिय मित्रों, पुरुषों की तरह व्यवहार करो; और इसे शर्म समझो
कि अब तुम दूसरों की प्रशंसा खो दो;
प्रत्येक व्यक्ति अपने बच्चों और अपनी पत्नी,
अपने भाग्य और अपने माता-पिता को याद रखे;
और न केवल जीवितों को, बल्कि मृतकों को भी;
उनके लिए, अनुपस्थित लोगों के लिए, मैं, आपका याचक, प्रार्थना करता हूँ,
कि तुम दृढ़ रहो, और अपमानजनक पलायन से घृणा करो।"

उनके शब्दों ने हर हृदय में नई हिम्मत जगाई; और पल्लास ने उनकी आँखों से अंधकार का पर्दा हटा दिया; और हर तरफ, जहाजों की ओर और समतल लड़ाई की ओर, निर्मल प्रकाश फैल गया; वहाँ उन्होंने हेक्टर को देखा, और उसके सभी साथियों को, जो अलग खड़े थे, और जो जहाजों के पास युद्ध में डटे रहे। तब एजैक्स की महान आत्मा संतुष्ट नहीं थी कि वह वहाँ खड़ा रहे जहाँ ग्रीस के अन्य पुत्र खड़े थे; वह जहाजों के ऊँचे डेक पर घमंडी कदमों से चला। एक भारी भरकम भाला, जो अच्छी तरह से पॉलिश किया हुआ था और कीलों से अच्छी तरह से सुरक्षित था, जिसकी लंबाई बाईस क्यूबिट थी, वह उसे धारण किए हुए था, मानो घुड़सवारी के करतबों में निपुण कोई व्यक्ति हो, जो मैदान में घोड़ों के झुंड से चार घोड़ों को अलग करके, भीड़ भरी सड़क पर, जबकि सभी पुरुष और महिलाएं आश्चर्य से देख रहे थे, शहर की ओर बढ़ रहा था; और बिना थके, बलपूर्वक एक से दूसरे पर छलांग लगाते हुए, मानो उड़ रहे हों; कई जहाजों के डेक पर इस प्रकार एजैक्स ऊंचे कदमों और स्वर्ग तक पहुंचने वाली

आवाज के साथ गुजरा, मानो जोर से चिल्लाते हुए यूनानियों को उनके जहाजों और तंबुओं को बचाने के लिए कह रहा हो: और हेक्टर भी कसकर ढाले हुए ट्रोजन सैनिकों के बीच नहीं रुका; बल्कि, जैसे पक्षियों के झुंड पर, जो नदी के किनारे चरते हैं, या हंसों पर, या सारसों पर, या लंबी गर्दन वाले हंसों पर, एक उग्र बाज। झपट्टा मारता है;
तो अंधेरे अग्रभाग वाले जहाज पर उग्र दौड़ के साथ
हेक्टर नीचे आ गया; बृहस्पति ने अपने शक्तिशाली हाथों से उसे थामे रखा और भीड़ को आगे बढ़ाया। जहाजों के चारों ओर भयंकर युद्ध फिर से छिड़ गया; यह मानना उचित होगा कि उस भयानक मुठभेड़ में शामिल लोगों की शक्ति पर पहले के किसी भी परिश्रम का कोई प्रभाव नहीं पड़ा था; उन्होंने तीक्ष्ण धार और दृढ़ इच्छाशक्ति से लड़ाई लड़ी। लेकिन उनकी आशाएँ और भय बहुत भिन्न थे: यूनानियों ने मृत्यु से बचने और अपनी सुरक्षा की उम्मीद छोड़ दी; जबकि प्रत्येक ट्रोजन के हृदय में जहाजों को जलाने और युद्धप्रिय यूनानियों को मारने की आशा प्रबल थी; हथियारों से लैस होकर उन्होंने ऐसा ही मन बना लिया। खड़ा था।
तेज़ गति से चलने वाले जहाज़ के पिछले हिस्से पर, जो प्रोटेसिलॉस को ट्रॉय के तट पर ले जा रहा था, लेकिन उसे उसके मूल देश से वहाँ तक नहीं ले जा रहा था, हेक्टर ने अपना हाथ रखा था; उस जहाज के चारों ओर ट्रोजन और यूनानी एक दूसरे के नरसंहार में शामिल हो गए। तीर या भाले की दूर उड़ान का उन्होंने इंतजार नहीं किया, बल्कि समान क्रोध से प्रेरित होकर, तेज कुल्हाड़ी और हथौड़े से आमने-सामने लड़े, शक्तिशाली तलवारों और दोधारी भालों से। लोहे से बंधे कई सुंदर मूठ वाले ब्लेड योद्धा सरदारों के हाथों से या कटे हुए हाथों से गिर पड़े। काली धरती खून से लथपथ थी: फिर भी हेक्टर ने जहाज के पिछले हिस्से से अपनी पकड़ नहीं छोड़ी, बल्कि उसने जहाज के पिछले हिस्से को पकड़ लिया और ट्रोजनों को पुकारा;
आग लाओ, और सब मिलकर ज़ोर से और स्पष्ट रूप से अपना युद्धघोष करो; आज बृहस्पति हमारे सभी परिश्रमों का फल उन जहाजों को छीनकर देगा, जो स्वर्ग की इच्छा के विरुद्ध यहाँ आए थे, और जिन्होंने हम पर अनगिनत विपत्तियाँ लाई हैं, हमारे अपने पूर्वजों के दोष से, जिन्होंने मुझे, यहाँ तक कि उनके जहाजों के पिछले हिस्से में भी युद्ध छेड़ने की इच्छा रखते हुए, रोक दिया और सैनिकों को शहर में ही सीमित

कर दिया। परन्तु सर्वज्ञ बृहस्पति, यदि उसने तब हमारे अच्छे विवेक को कुचल दिया, तो वह स्वयं अब हमारा है। सहायता।"
इस प्रकार उसने: वे और भी अधिक उत्साह से आगे बढ़े; अजाक्स अभी भी शत्रुतापूर्ण भालों से बुरी तरह घायल होकर सहन नहीं कर पा रहा था; फिर भी थोड़ी ही देर में, वह नाविक के सात फुट लंबे तख्ते पर लौट आया, मृत्यु की अपेक्षा करते हुए; और ऊंचे डेक को छोड़ दिया, जहाँ वह लंबे समय तक पहरा देता रहा; लेकिन फिर भी उसका भाला, ट्रोजनों को दूर रखता था, जो भी जहाजों के बीच अथक ज्वालाएं दागने का प्रयास करता था; और जोर से चिल्लाते हुए, उसने यूनानियों को पुकारा:
"मित्रों, यूनानी वीरों, मंगल के सेवकों, मर्दों की तरह डटे रहो! प्रिय मित्रों, अब याद करो अपना शाश्वत शौर्य! अपने पीछे सहायता बलों या किसी किले की तलाश करो जिसकी दीवारें तुम्हें शत्रु से शरण दे सकें? कोई शहर पास नहीं है, जिसके सुसज्जित बुर्ज, मित्र जाति के लोगों द्वारा आबाद, हमारी सहायता कर सकें; लेकिन यहाँ, सुसज्जित ट्रोजन की भूमि पर, और केवल समुद्र पर टिके हुए, हम लेटे हैं अपने देश से दूर; कमजोर वापसी में नहीं, बल्कि अपने ही हथियारों में, अपनी सुरक्षा में।" झूठ। उसने कहा; और अपने धारदार भाले से उसने अपने शब्दों का अनुसरण किया; यदि कोई ट्रोजन साहस करे, हेक्टर के आह्वान से प्रेरित होकर, ज्वलंत मशाल से जहाजों पर हमला करने का, तो एजैक्स अपने भारी भाले से उसका सामना करेगा; और इस प्रकार जहाजों के सामने बारह योद्धा, आमने-सामने, उसकी वीरता का प्रदर्शन करेंगे।

# तर्क।

**छठा युद्ध; पेट्रोक्लस के कार्य और मृत्यु।**

पैट्रोक्लस (ग्यारहवें खंड में नेस्टर के अनुरोध के अनुसरण में) अकिलीज़ से विनती करता है कि वह उसे अपनी सेना और कवच के साथ यूनानियों की सहायता के लिए जाने दे। अकिलीज़ मान जाता है, लेकिन साथ ही उसे आदेश देता है कि वह दुश्मन का और पीछा किए बिना केवल बेड़े को बचाने तक ही सीमित रहे। अकिलीज़ के कवच, घोड़े, सैनिक और अधिकारियों का वर्णन किया गया है। अकिलीज़ अपने मित्र की सफलता के लिए जल चढ़ाता है, जिसके बाद पैट्रोक्लस मर्मिडोंस को युद्ध में ले

जाता है। पैट्रोक्लस को अकिलीज़ के कवच में देखकर, उसे वही वीर समझकर, ट्रोजन अत्यंत भयभीत हो जाते हैं: वह उन्हें जहाजों से खदेड़ देता है, हेक्टर स्वयं भाग जाता है, सर्पेडन मारा जाता है, हालांकि बृहस्पति उसके भाग्य के प्रति अनिच्छुक था। युद्ध के कई अन्य विवरण भी वर्णित हैं; युद्ध की गर्मी में, पैट्रोक्लस, अकिलीज़ के आदेशों की अवहेलना करते हुए, दुश्मन का पीछा करते हुए ट्रॉय की दीवारों तक पहुँच जाता है; जहां अपोलो उसे खदेड़कर निहत्था कर देता है, यूफोरबस उसे घायल कर देता है, और हेक्टर उसे मार डालता है: इसी के साथ पुस्तक समाप्त होती है।

# पुस्तक सोलह।

इस प्रकार, सुसज्जित जहाज के चारों ओर उन्होंने युद्ध छेड़ा: इस बीच, पेलियस के पुत्र पेट्रोक्लस के पास खड़ा था, गर्म आँसू बहा रहा था; जैसे कोई अंधकारमय जल का झरना किसी ऊबड़-खाबड़ चट्टान पर अपनी उदास धारा बहाता है; तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने दया से देखा, और अपने मित्र को ये भावपूर्ण शब्द कहे:

पैट्रोक्लस क्यों रो रहा है, उस नन्ही बच्ची की तरह, जो अपनी माँ से विनती करती है, जिसके पास वह दौड़कर जाती है, कि उसे गोद में उठा ले; और उसके गाउन से लिपटकर, उसका रास्ता रोकती है, और आँसू भरी आँखों से उसके चेहरे को तब तक देखती रहती है, जब तक वह उसे गोद में नहीं उठा लेती? ठीक उसी बच्ची की तरह, पैट्रोक्लस, तुम भी वैसे ही हो, कोमल आँसू बहाते हुए: क्या तुम कोई खबर लाए हो, जो सबकी भलाई से संबंधित हो, या सिर्फ मेरे लिए? या फथिया से कोई बुरी खबर आई है, जो सिर्फ तुम्हें ही पता है? मेनोएटियस, अभिनेता का पुत्र, फिर भी वह जीवित है; और अपने मर्मिडों के बीच, ऐकस का पुत्र, वृद्ध पेलियस रहता है: उनकी मृत्यु वास्तव में हमारे आँसुओं की मांग कर सकती है: या क्या तुम यूनानियों के लिए रोते हो, जो अपने जहाजों के चारों ओर अपनी पिछली धृष्टता का बदला मृत्यु से चुकाते हैं? बोलो, ताकि मैं तुम्हारे दुख का कारण जान सकूँ।

पैट्रोक्लस ने कड़वी आहों के साथ उससे कहा: "हे पेलियस के पुत्र, यूनानियों में श्रेष्ठ, अकिलीज़, क्रोधित मत हो! इतना दुख का बोझ यूनानी शिविर पर है; उनके जहाजों में, जो पहले उनके सबसे बहादुर और सर्वश्रेष्ठ थे, भाले या तीर से बुरी तरह घायल पड़े हैं; टाइडियस का वीर पुत्र, डायोमेड, एक बाण से भेदा गया, यूलिसिस भाले से, और स्वयं एगामेम्नन; यूरिपिलस एक तेज तीर से जांघ में छेद कर मारा गया; इन सबके लिए, उनकी कला के बड़े संसाधन

जोंकें काम करती हैं, और उनके घावों पर चिपकी रहती हैं;

जबकि तू, अकिलीज़, अभी भी अविचलित है।

ओह, मुझे कभी भी ऐसी घृणा पालने की ज़रूरत न पड़े

जैसी तू अटल और कठोर रखता है!

भविष्य में तुझसे भला कौन लाभ की आशा कर सकता है, यदि तू अब यूनानियों को शर्म और हानि से बचाने से इनकार करता है? निर्दयी मनुष्य!

निश्चित रूप से बहादुर घुड़सवार पेलियस कभी तेरा पिता नहीं था,
न ही थेतिस ने तुझे जन्म दिया; तू ठंडे धूसर समुद्र से
और ऊबड़-खाबड़ चट्टानों से आया है तेरा जन्म कितना कठिन और हठी हुआ है!
परन्तु यदि तू भविष्यवाणी की गई बुराई के भय से स्वयं को रोक ले, या तेरी देवी-माता द्वारा बृहस्पति से लाए गए संदेश से, तो मुझे अपनी सारी शक्ति के साथ मर्मिडोंस की ओर भेज, ताकि मैं ग्रीस का उद्धारक प्रकाश बन सकूँ; और मुझे युद्ध में तेरे चमकते हथियार उठाने दे, ताकि इस प्रकार ट्रॉय के लोग, तेरी छवि से भयभीत होकर, युद्धक्षेत्र छोड़ दें, और परिश्रम से थके हुए ग्रीस के पुत्रों को विश्राम का समय दें; क्योंकि अभी तक बहुत कम विश्राम हुआ है। उनके।
ताज़ा और बिना थके, हम आसानी से आगे बढ़ सकते हैं
अपने जहाजों और तंबुओं से, उनके अपने शहर की ओर,
ट्रोजन, थके हुए और युद्ध से लथपथ पुरुष।"
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, जो पूरी तरह से नासमझी थी; प्रार्थना के लिए जो उसने कही, वह अपने आप में मृत्यु से भरी थी; जिसके लिए अत्यंत दुखी होकर, तेज कदमों वाला अकिलीज़ बोला: "स्वर्ग में जन्मे पैट्रोक्लस, ओह, ये कैसे शब्द हैं! मैं भविष्यवाणी की परवाह नहीं करता, हालांकि मैं जानता हूँ; न ही मेरी माँ बृहस्पति से कोई संदेश लाई है; लेकिन यह मेरी आत्मा को पीड़ा देता है; जब मैं किसी ऐसे व्यक्ति को देखता हूँ जो नीचता से अपने समकक्ष से उसका पुरस्कार छीन लेता है, उसका वैध पुरस्कार, जो उसने सर्वोच्च वीरता से जीता था; ऐसा दुख मेरा है, ऐसा अन्याय मैंने सहा है। उसे, जिसके पुत्रों ने ग्रीस ने मुझे प्रदान किया, मेरे भाले का इनाम, सुदृढ़ किलेबंद शहर पर आक्रमण किया, शक्तिशाली एगामेम्नन, एट्रेस का पुत्र, किसी अपमानित, बेघर आवारा के हाथों से बलपूर्वक छीन लिया गया। लेकिन अतीत को बीत जाने दो; मेरा कभी इरादा नहीं था कि मेरा क्रोध कभी समाप्त न हो; फिर भी मैंने नहीं सोचा था कि मेरा क्रोध तब तक शांत होगा जब तक मेरे अपने जहाज युद्ध-घोष न सुनें और युद्ध के लिए तैयार न हो जाएं। लेकिन जाओ, और अपने प्रसिद्ध कवच में सजकर, वीरों का नेतृत्व करो। मायर्मिडोंस युद्ध के लिए तैयार हैं, क्योंकि ट्रोजनों का काला बादल चारों ओर मंडरा रहा है; जहाजों की विशाल संख्या; और कंकड़ वाले समुद्र तट पर, संकीर्ण सीमाओं में घिरे हुए, यूनानी पड़े हैं; और पूरे शहर ने अपनी संख्या को बाहर निकाल

दिया है; अटूट आशा के साथ; क्योंकि वे अब मेरे हेलमेट को उनके बीच चमकते हुए नहीं देख सकते; अन्यथा भागते समय उनके मृत शरीर नदियों को अवरुद्ध कर देते, अगर महान एगामेम्नन मेरे प्रति दयालु होते: लेकिन अब शिविर के चारों ओर युद्ध छिड़ा हुआ है। डायोमेड, यूनानियों की रक्षा करते हुए, अपना अग्निमय भाला फेंकता है; अब मैं उसके घृणित होठों से अगामेम्नन का नारा नहीं सुनता; चारों ओर योद्धा-हत्यारे हेक्टर की आवाज सुनाई देती है, जो अपने ट्रोजनों का उत्साहवर्धन कर रहा है; विजय के नारों के साथ वे पराजित यूनानियों से सारा मैदान छीन लेते हैं। फिर भी, पेट्रोक्लस, तुम रक्षा में साहसपूर्वक आगे बढ़ो, कहीं ऐसा न हो कि वे धधकती आग से हमारे जहाजों को नष्ट कर दें और हमारी वापसी में बाधा डालें। लेकिन सुनो, और अंत पर अच्छी तरह विचार करो। मुझे कहना होगा, और इसलिए मुझे यूनान की दृष्टि में सम्मान और गौरव प्राप्त हो; और वे उस सुंदर कन्या को मेरी बाहों में लौटा दें, साथ ही बहुमूल्य उपहार भी दें। राहत प्राप्त जहाज तुरंत लौट आएं; और यद्यपि गरजने वाला, जूनो का स्वामी, तुम्हारे हथियारों को विजय से सुशोभित करे, तो भी मेरे बिना जल्दबाजी न करो, ट्रॉय के योद्धा पुत्रों के साथ युद्ध में; (इस प्रकार मेरा नाम कम प्रतिष्ठित माना जाएगा;) और न ही युद्ध के तीव्र उत्साह में, और वध में ट्रोजनों, अपनी सेनाओं का नेतृत्व करो! नगर की ओर बढ़ो, कहीं ऐसा न हो कि तुम अमर देवताओं में से किसी एक के विरोध का सामना करो; क्योंकि दूर तक तीर चलाने वाला फोएबस उन्हें बहुत पसंद करता है; लेकिन जब तुमने जहाजों को सुरक्षित स्थान पर रख दिया, तो लौटने में देरी मत करो, और बाकी को मैदान में युद्ध के लिए छोड़ दो: क्योंकि बृहस्पति, पल्लास और अपोलो की यही इच्छा है कि कोई भी, चाहे यूनानी हो या ट्रोजन, मृत्यु से न बच पाए, सिवाय तुम्हारे और मेरे; ताकि हम दोनों अकेले ही पवित्र मीनारों को ध्वस्त कर सकें। ट्रॉय का।"

वे ऐसी बातें करते रहे; शत्रुतापूर्ण भालों से बुरी तरह घिरे होने के कारण, एजैक्स अब और सहन नहीं कर सका; बृहस्पति की उच्च इच्छा और ट्रोजन शत्रुओं द्वारा तुरंत पराजित होकर; बार-बार के वारों के नीचे उसकी भौंहों के चारों ओर चमकता हुआ हेलमेट खड़खड़ाने लगा, जैसे ही सुगठित शिखर पर हथियार गिरे; और उसका बायां हाथ कमजोर पड़ गया, जिसने लंबे समय तक उसकी ढाल का भार उठाया था। फिर भी भाले की मार उसे उसके पद से हटाने में नाकाम रही; वह संघर्ष करते हुए साँस ले

रहा था, उसका हर अंग पसीने से तरबतर था; साँस लेने की जगह नहीं थी; एक के बाद एक वार होते रहे; और मुसीबतों पर मुसीबतें आती गईं।
अब बताओ, हे नौ, जो ओलंपस पर निवास करते हो, कि सबसे पहले आग ने यूनानी जहाजों पर कैसे आक्रमण किया।
हेक्टर पास आया, और एजैक्स के राख से सने भाले पर, ठीक सिर के पीछे, अपनी शक्तिशाली तलवार से प्रहार किया; उसने लकड़ी को चीर डाला; और तेलमोन के पुत्र के हाथ में बिना सिर वाला भाला था; दूर जाकर, तेज आवाज के साथ, पीतल का सिरा धरती पर गिर पड़ा। एजैक्स, भयभीत होकर, स्वर्ग का हाथ समझ गया, और जान गया कि गर्जन के देवता बृहस्पति ने उसकी आशाओं को विफल करने और ट्रॉय को विजय दिलाने का निश्चय किया है। वह धीरे-धीरे पीछे हट गया; और उन्होंने जलती हुई मशाल को पोत पर रख दिया; ज्वाला बहुत ऊँची उठी, बुझने योग्य नहीं, और उसने जहाज के पिछले हिस्से को आग में लपेट लिया। पेलेउस के पुत्र ने यह देखा, और अपनी हथेली से अपनी जांघ पर प्रहार किया, और पेट्रोक्लस को पुकारा: "उठो, कुलीन पेट्रोक्लस, रथ पर सवार सरदार! उठो, क्योंकि मैं जहाजों के ऊपर शत्रुतापूर्ण आग को उठते हुए देख रहा हूँ; और कहीं वे जहाजों पर कब्जा न कर लें, और हमारी वापसी में बाधा न डालें, तुम जल्दी से अपना कवच पहन लो, जबकि मैं सैनिकों को जगाता हूँ।"
उसने कहा: पैट्रोक्लस ने अपने शानदार हथियार धारण किए:
सबसे पहले उसने अपने पैरों पर अच्छी तरह से गढ़े हुए ग्रीव्स लगाए,
चांदी के क्लिप से जकड़े हुए; उसकी विशाल छाती
तेज कदमों वाले अकिलीज़ का कवच,
तारों से जड़ा हुआ, समृद्ध रूप से गढ़ा हुआ, अच्छी तरह से सुरक्षित;
अपने कंधों पर, उसने अपनी तलवार टांगी,
पीतल की धार वाली, चांदी से जड़ी हुई; फिर उसकी ढाल
भारी और मजबूत; और उसके दृढ़ सिर पर एक हेलमेट था, जो अच्छी तरह से गढ़ा हुआ था, घोड़े के बालों के पंखों से सजा हुआ था, जो उसके माथे पर भयभीत होकर लहरा रहा था; उसके हाथ में दो मजबूत भाले थे, जो उसकी पकड़ से परिचित थे। एक भाला अकिलीज़ के पास था, लंबा, भारी, सख्त; लेकिन उसने इसे छुआ तक नहीं।

सभी यूनानियों में से कोई नहीं, अकिलीज़ के अलावा कोई भी उस भाले को संतुलित नहीं कर सकता था; प्रसिद्ध पेलियन राख, जिसे उसके पिता ने पेलियन की चोटी पर गिराया था, ताकि वह सबसे शक्तिशाली सरदारों का नाश करे, सेंटॉर चिरोन ने दिया था। फिर उसने ऑटोमेडन को घोड़ों को जोतने का आदेश दिया: उसने उसे सबसे अधिक सम्मान दिया, अकिलीज़ के बाद। सबसे भरोसेमंद वह अपने सरदार के आदेश की प्रतीक्षा में युद्ध में लगा रहा। उसने अपने रथ में उड़ने वाले घोड़ों, ज़ैंथस और बालियस को जोता, जो हवाओं से भी तेज़ थे; जिन्हें समुद्र की धारा के किनारे दलदल में चरते हुए, पोडार्ज, अपने तेज कदमों से, ज़ेफिर नदी तक ले गया; और उनके साथ अद्वितीय पेडसस था, जिसे ईटियन के शहर पर कब्जा करने के बाद अकिलीज़ अपने साथ ले गया; एक नश्वर घोड़ा, लेकिन अमर घोड़ों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम।

इसी बीच, अकिलीज़ ने उनके अलग-अलग तम्बुओं के बीच से, युद्धप्रिय मर्मिडोंस को हथियार उठाने के लिए बुलाया। वे सब, भूखे भेड़ियों की तरह, उच्च साहस से भरे हुए थे, जिन्होंने पहाड़ की ढलान पर एक सींग वाले हिरण का शिकार किया और उसके मांस को खाया। उनके मुंह खून से रंगे हुए थे, वे टुकड़ियों में आगे बढ़े, अपनी पतली जीभों से किसी काले पानी के झरने से खून चूसते हुए, अंधेरी ठंडी लहर की सतह को चाटते हुए, उनके जबड़े अभी भी खून से सने हुए थे, उनका साहस अभी भी कम नहीं हुआ था, और उनके पेट भरे हुए थे। मांस;

इस प्रकार पेलिड्स के वीर अनुयायी के चारों ओर जमा हुए
मायर्मिडों के प्रमुख और शासक।
बीच में अकिलीज़ ने रथ चालकों को
और ढालधारी योद्धाओं को अपने आदेश दिए।
पचास तेज़ जहाजों को अकिलीज़, जो ज़्यूस को प्रिय था,
ट्रॉय के तट पर ले गया; और प्रत्येक में पंक्तिबद्ध थे
पचास बहादुर साथियों ने नाविकों की सीटों पर कब्जा कर लिया।
इन पाँच प्रमुखों पर, जिन पर वह सबसे अधिक भरोसा करता था,
उसने स्वयं को सभी का संप्रभु स्वामी स्थापित किया।
एक दल का नेतृत्व मेनेस्थियस ने किया, चमकते कवच के साथ,

स्पर्चियस का पुत्र, स्वर्ग से उतरी धारा;
उसे पेलियस की पुत्री, सुंदर पोलिडोरा,
एक नश्वर को भगवान के आलिंगन में संकुचित,
बलवान स्पर्चियस को ले गई; लेकिन, ख्याति से,
बोरास, पेरीरेस के पुत्र, जिसने उससे
सार्वजनिक रूप से, और पर्याप्त दहेज के साथ, विवाह किया।
बहादुर यूडोरस ने दूसरे दल का नेतृत्व किया,
जिसे फिलास की पुत्री, सुंदर पॉलीमेले,
हर्मेस से जन्म दिया; उसने उस युवती को देखा, और उससे प्रेम किया,
कुंवारी कन्याओं के बीच, सुनहरे बाणों वाली शिकारिन-रानी डायना के नृत्य में
घुलमिलकर;
उसने उसके कक्ष में प्रवेश पाया, और
चुपके से उसके बिस्तर तक पहुँच गया; उसने एक वीर पुत्र यूडोरस को जन्म दिया,
जो तेज कदमों वाला और युद्ध में बलवान था। लेकिन जब उसका शिशु, लुसीना की
सहायता से, दुनिया में आया और उसने दिन का चेहरा देखा, तो उसे भरपूर दहेज से
समृद्ध करके, एक्टर का पुत्र एचेक्लेस उसे अपने घर ले गया; जबकि वृद्ध फिलास ने
उसकी देखभाल की और उसे अपने पुत्र की तरह प्यार से पाला-पोसा। मैमलस के
पुत्र बहादुर पेइसेंडर ने तीसरे की कमान संभाली। मायर्मिडोंस में से, पेलिड्स के मित्र
के बाद, सबसे श्रेष्ठ भाला। चौथा, वृद्ध योद्धा फीनिक्स के नेतृत्व में; पाँचवाँ, लेर्सेस का
पुत्र एल्सीमेडोन: ये सभी अपने-अपने क्रम में पहले अकिलीज़ के अधीन थे, और फिर
प्रेरक शब्दों से संबोधित किया गया:
"हे मर्मिडों, अब उन शेखी बघारों को मत भूलो जो मेरे क्रोध के दौरान तुमने ट्रोजनों
पर जमकर बरसाई थीं; तुमने मुझे खुलकर दोषी ठहराया था; 'पेलियस के अपशकुन
पुत्र, क्रोध में निश्चयी तू, निर्दयी, जिसने यहाँ अपने साथियों को आलस्य में रहने के लिए
मजबूर किया! अगर ऐसी घातक द्वेष भावना तेरे मन में भरी है तो घर लौटना कहीं
बेहतर होगा!' तुमने मुझे इस प्रकार बार-बार ताना मारा! देखो! अब तुम्हारे पास वह
महान अवसर है जो तुम्हारे वांछित आत्माएँ!
फिर आगे बढ़ो, और बहादुर दिलों के साथ ट्रोजन मिलते हैं!

उनके शब्दों ने हर हृदय में नई हिम्मत जगा दी, और अपने सम्राट की निगाहों के नीचे, उनकी पंक्तियाँ और भी अधिक संगठित हो गईं; जैसे कोई निर्माता किसी बड़े घर की दीवार बनाने के लिए पत्थरों को कसकर लगाता है, और आकाश की हवाओं का सामना करता है; हेलमेट और ढालें इतनी ही कसकर फिट थीं; ढालों पर ढालें, हेलमेट पर हेलमेट, और पुरुष एक दूसरे से सटे हुए थे; ऊपर घोड़े के बालों के पंख, जो योद्धाओं के माथे से भयभीत होकर हिल रहे थे, एक दूसरे को छू रहे थे; वे इतने करीब खड़े थे। उनके सामने सभी प्रमुखता से हथियारों से लैस खड़े थे। दो सरदार, पेट्रोक्लस और ऑटोमेडन, दोनों एक ही विचार से प्रेरित थे, युद्ध का नेतृत्व करने के लिए। सभी मर्मिडोंस के अग्रभाग में। फिर अकिलीज़ अपने तम्बू में चले गए, और एक भव्य संदूक का ढक्कन उठाया, जिसे चांदी के पैरों वाली थेतिस ने उनके जहाज पर रखा था, और जो कीमती वस्त्रों से भरा था, जिसमें हवा से बचाने वाले लबादे और मुलायम कालीन थे। वहाँ एक कीमती प्याला रखा था। उसे खोजा गया, जहाँ से कोई नहीं, केवल वही लाल मदिरा पी सकता था, और अन्य देवताओं को भी कोई अर्पण नहीं किया जा सकता था, सिवाय बृहस्पति के: वह इसे लाया, और पहले गंधक से शुद्ध किया, और फिर शुद्ध जल से धोया; फिर उसने अपने हाथ धोए, और लाल मदिरा निकाली; फिर खड़े होकर, उसने आँगन के बीच में प्रार्थना की, और मदिरा डालते हुए स्वर्ग की ओर देखा, बिजली के स्वामी बृहस्पति की दृष्टि से वह अनदेखा नहीं था:

"महान राजा, डोडोना के स्वामी, पेलसगियन जूपिटर, जो ऊँचे स्थानों पर निवास करते हैं और डोडोना की बर्फीली ऊँचाइयों पर संप्रभुता से शासन करते हैं; जहाँ आपके चारों ओर आपके सेलियन पुजारी, बिना धोए पैरों वाले पुरुष निवास करते हैं, जो नंगी ज़मीन पर सोते हैं; आपने एक बार पहले मेरी प्रार्थना सुनी थी और मुझे सम्मान से सुशोभित किया था और यूनानियों पर अपनी सभी विपत्तियाँ डाली थीं; एक बार फिर सुनिए और मेरी इस प्रार्थना को स्वीकार कीजिए। मैं स्वयं जहाजों के समूह के बीच रहता हूँ; लेकिन एक विशाल सेना के साथ..." मायर्मिडोंस

मैं अपने साथी को अपने स्थान पर युद्ध में भेजता हूँ:

हे सर्वदर्शी बृहस्पति, उस पर अपनी कृपा बरसाओ;

उसके हृदय को बल दो, ताकि हेक्टर स्वयं सीख सके

यदि, अकेले भी, मेरा अनुयायी लड़ना जानता है,
या केवल तभी अदम्य शक्ति का प्रदर्शन करता है,
जब मैं स्वयं युद्ध के परिश्रम में भागीदार होता हूँ।
और जब शत्रु हमारे जहाजों से खदेड़ दिया जाए,
कृपा करो कि वह अपने सभी हथियारों और सच्चे साथियों के साथ सुरक्षित रूप से जहाजों पर लौट सके।"
इस प्रकार उसने प्रार्थना की; परामर्श के स्वामी, बृहस्पति ने सुना, और उसकी आधी प्रार्थना स्वीकार की, आधी अस्वीकार की: क्योंकि जहाजों से युद्ध को रोकने के लिए उसने अनुमति दी; लेकिन उसकी सुरक्षित वापसी से इनकार कर दिया। अपनी प्रार्थना और भेंट समाप्त करके, अकिलीज़ तम्बू की ओर मुड़ा, और प्याला संदूक में रख दिया; फिर बाहर निकलकर वह तम्बू के सामने खड़ा हो गया; वह बहुत उत्सुक था कि यूनानी और ट्रोजन युद्ध में शामिल हों। बहादुर पेट्रोक्लस के चारों ओर हथियारबंद होकर खड़े हुए लोगों ने उच्च साहस के साथ अपनी युद्ध पंक्ति बनाई और ट्रोजनों पर हमला किया। और जैसे ततैया, जिनका घोंसला सार्वजनिक सड़क के किनारे होता है, जिन्हें लड़के शरारती खेल में तंग और परेशान करने में आनंद लेते हैं, लेकिन आम तौर पर नुकसान के लिए; यदि कोई राहगीर अनजाने में उन्हें परेशान करता है, तो वे क्रोधित साहस के साथ एक निरंतर झुंड में अपने घोंसले की रक्षा के लिए निकल पड़ते हैं: ऐसे ही साहस के साथ मायर्मिडोंस जहाजों से बाहर निकले; तब भयंकर शोर मच गया, और पेट्रोक्लस ने जोर से अपने साथियों को पुकारा:
"हे वीर मर्मिडों, जो स्वयं को अकिलीज़ के साथियों पर गर्व करते हो, अब पुरुषों की तरह व्यवहार करो; अपनी प्राचीन वीरता सिद्ध करो; पेलियस के पुत्र को, जो सभी यूनानियों में सबसे श्रेष्ठ है, हम भी, उसके वफादार अनुयायियों को, सर्वोच्च सम्मान देंगे; और एगामेम्नन का अभिमानी मन ग्रीस के सबसे बहादुर योद्धा के अपमान पर शोक मनाएगा।"
उनके शब्दों ने हर किसी के हृदय में नई हिम्मत जगा दी। उनकी सेना ट्रोजन सेना पर टूट पड़ी; जबकि बेड़ा यूनानी जयकारों की गूंज से गूंज उठा; लेकिन जब ट्रोजनों ने देखा, हथियारों से लैस, मेनोएटियस का देवतुल्य पुत्र, स्वयं और उसका अनुयायी; तो सभी के हौसले पस्त हो गए; उनकी दृढ़ पंक्तियाँ हिल गईं; क्योंकि उन्हें लगा कि

अकिलीज़ ने जहाजों के पास अपने क्रोध को मित्रता में बदल दिया है; और प्रत्येक व्यक्ति ने चारों ओर देखा, मृत्यु से बचने का अपना रास्ता खोजने के लिए।
फिर पैट्रोक्लस ने सबसे पहले अपना चमकीला भाला भीड़ के बीच निशाना साधा, जहाँ बहादुर प्रोटेसिलॉस के जहाजों के चारों ओर युद्ध छिड़ा हुआ था; और पाइराचम्स पर प्रहार किया, जो एमीडॉन से, एक्सियस की चौड़ी बहती धारा से, घोड़े के बालों वाले मुकुट वाले पैओन्स का नेतृत्व कर रहा था; उसने उसके दाहिने कंधे पर प्रहार किया; धूल में कराहते हुए वह पीछे गिर पड़ा; उसके चारों ओर उसके सभी पैओन्स भय से कांप उठे, उनकी पंक्तियों में ऐसा आतंक था कि पैट्रोक्लस ने उनके सबसे बहादुर नेता को मार डाला, जो युद्ध में सबसे आगे था; उसने भीड़ को जहाजों से दूर भगा दिया और धधकती आग को बुझा दिया। वहाँ आधा जला हुआ जहाज पड़ा था; शोरगुल मचाते हुए ट्रोजन भाग गए; और जहाजों के बीच से यूनानी बाहर निकल आए; और शोरगुल बढ़ गया।
जैसे किसी ऊँचे पर्वत की चोटी के चारों ओर बिजली बादलों के समूह को हटा देती है, और हर चट्टान, और हर उभरी हुई चोटी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, और हर वनभूमि; और आकाश का गहरा गुंबद खुल जाता है; ठीक वैसे ही जब यूनानियों ने जहाजों से आग हटा दी, तो उन्होंने कुछ देर के लिए साँस ली; फिर भी संघर्ष समाप्त नहीं हुआ; क्योंकि वीर यूनानियों ने ट्रोजनों को जहाजों से घबराकर नहीं खदेड़ दिया, बल्कि विवश होकर पीछे हटते हुए भी उन्होंने अपना मोर्चा संभाले रखा।
फिर सरदारों में से, जैसे-जैसे लड़ाई फैलती गई, एक-दूसरे पर हमला करते गए; मेनोएटियस के महान पुत्र ने सबसे पहले अपना नुकीला भाला फेंका, और मुड़ने की कोशिश कर रहे एरीलोचस की जांघ पर वार किया; भाला ठीक बीच से आर-पार हो गया; भारी भाले ने हड्डी को चकनाचूर कर दिया, और वह ज़मीन पर गिर पड़ा। योद्धा मेनेलास ने अपना भाला वहाँ निशाना साधा जहाँ थोआस की छाती, जो उसकी ढाल से सुरक्षित नहीं थी, खुली रह गई थी; और मृत्यु में उसके अंग शिथिल पड़ गए।
फाइलियस का बहादुर पुत्र, जैसे ही एम्फिक्लस आगे बढ़ा,
दृढ़ खड़ा रहा, चौकस निगाहों से देखता हुआ; फिर हमले को
उसकी जांघ के ऊपरी हिस्से में, जहाँ
सबसे मजबूत मांसपेशियां होती हैं, वार करके रोका गया; हथियार की नोक ने

टेंडनों को काट दिया; अंधेरा उसकी आँखों पर छा गया।
नेस्टर के पुत्रों में से पहला, एंटिलोकस,
एटिमनियस ने उसके पार्श्व में पीतल का भाला घुसाकर उसे घायल कर दिया; वह मुंह के बल गिर पड़ा। फिर, अपने भाई की मौत का बदला लेने के लिए बेताब होकर, मारिस लाश के ऊपर खड़ा हो गया और एंटिलोकस से भिड़ गया; लेकिन इससे पहले कि कोई वार होता, देवतुल्य थ्रेसिमेडेस ने अचूक निशाने से अपना चमकता हुआ भाला उसके दाहिने कंधे में घुसा दिया। उसकी ऊपरी भुजा का वह बिंदु मांसपेशियों से फट गया, सारी हड्डी चकनाचूर हो गई: वह गरजते हुए गिर पड़ा, और अंधेरा उसकी आँखों पर छा गया। इस प्रकार, उन दो भाइयों के हाथों से, वश में किए गए, सरपेडन के बहादुर साथियों को परछाइयों में भेज दिया गया, एमिसोडारस के पुत्रों को, जिन्होंने भयानक चिमेरा का पालन-पोषण किया, जो नश्वर मनुष्यों का अभिशाप था। भीड़ में घायल क्लेओबुलस पर, एजैक्स ओइलियस झपटा, और उसे जीवित ही बंदी बना लिया। लेकिन अचानक उसकी गर्दन पर उसकी मूठ वाली तलवार गिर पड़ी, और जीवन की अग्नि बुझ गई। गर्म खून ने तलवार को रंग दिया; मृत्यु और कठोर भाग्य की काली छाया उसकी आँखों पर छा गई। फिर पेनेलियस और लाइकॉन आमने-सामने युद्ध में उतर आए; दोनों का निशाना चूक गया, और उन्होंने व्यर्थ ही अपने हथियार फेंके; फिर तलवारों से उनका आमना-सामना हुआ; पहले लाइकॉन ने मुकुटधारी हेलमेट पर एक भयंकर प्रहार किया; लेकिन उसके हाथ में तलवार मूठ तक चकनाचूर हो गई थी। फिर पेनेलियस की तलवार ने उसकी गर्दन, कान के नीचे से, चीर दी; तलवार उसके गले में गहराई तक धंस गई, और केवल त्वचा से ही रुकी रही; उसका सिर नीचे झुक गया, उसके अंग मृत्यु में शिथिल हो गए। मेरियोनेस ने अपने तेज कदमों से उसे पकड़ लिया, और जैसे ही वह उसके रथ पर सवार हुआ, एकार्नास ने दाहिने कंधे को भेद दिया; रथ से नीचे गिर पड़ा; मृत्यु की छाया उसकी आँखों पर छा गई। एरीमास के मुख पर इडोमेनियस का हथियार पूरी तरह से वार किया गया; आर-पार, सफेद हड्डियाँ चूर-चूर हो गईं, पीतल का भाला मस्तिष्क के नीचे से गुजरा; उसके सारे दाँत चकनाचूर हो गए; खून से, जिसे वह सिसकते हुए बहा रहा था, मुँह और नाक से, उसकी दोनों आँखें भर गईं; और मृत्यु के

काले बादल ने उसे घेर लिया। इस प्रकार यूनानी नेताओं ने अपने-अपने आदमी को मार डाला।
जैसे भूखे भेड़िये मेमनों या बकरियों पर हमला करते हैं, जो अपनी माँ से बिछड़ जाते हैं, लापरवाह चरवाहों द्वारा पहाड़ों पर बिखेर दिए जाते हैं; वे इन्हें देखते हैं, और तुरंत अपने निर्दयी शिकार को फाड़ डालते हैं; वैसे ही यूनानियों ने ट्रोजनों पर हमला किया; भगदड़ में
वे आतंक से विक्षिप्त होकर भाग गए।
महान एजैक्स अभी भी, अथक, पीतल के हेलमेट वाले हेक्टर पर अपना भाला फेंकने के लिए तरस रहा था;
लेकिन वह, युद्ध में कुशल, अपने चौड़े कंधों के साथ, बैल की कठोर खाल की ढाल से सुरक्षित, तेज गति से आते तीरों और भालों की गूंज पर नजर रख रहा था।
वह भली-भांति जानता था कि युद्ध का रुख बदल गया है, फिर भी अपने वफादार दोस्तों को बचाने के लिए डटा रहा।
जैसे ओलंपस से, साफ नीले आकाश पर काले बादल छा जाते हैं, जब बृहस्पति स्वर्ग के गुंबद को तूफान और आंधी से भर देता है, जहाजों से, घबराहट भरी चीखों के साथ, भागती हुई सेना, और अव्यवस्थित भगदड़ में खाई को पार कर जाती है। फिर हेक्टर के उड़ते हुए घोड़े उसे सुरक्षित ले जाते हैं, संघर्षरत जनता से दूर, जिन्हें खाई ने मजबूरी से रोक रखा था; वहाँ कई शाही रथ थे, टूटे हुए खंभों के साथ बिना लगाम वाले घोड़े छूट गए। यूनानियों को चिल्लाते हुए, पेट्रोक्लस ने भागते हुए ट्रोजनों पर दबाव डाला; वे घबराहट भरी चीखों के साथ तितर-बितर हो गए, सड़कें अवरुद्ध हो गईं; धूल के तूफान ऊंचे उठे, मानो तंबुओं और जहाजों से उड़ते हुए घोड़े शहर की ओर बढ़े; और जहां भी घनी भीड़ दिखाई देती, पेट्रोक्लस भयंकर धमकियों के साथ आगे बढ़ता; उसका चमकता हुआ धुरा नीचे गिरे हुए लोगों द्वारा खींचा गया, जो अपनी गाड़ियों से गिर पड़े थे और रथ उलट गए थे। अमर घोड़े गहरी खाई के ऊपर से उड़ गए, देवताओं ने पेलियस को यह महान पुरस्कार दिया था, फिर भी आगे बढ़ते रहे; क्योंकि वह हेक्टर तक पहुँचने और उस पर अपना भाला फेंकने के लिए तरस रहा था; इस बीच उसके उड़ते हुए घोड़े सुरक्षित रूप से उससे दूर चले गए।

जैसे शरद ऋतु में, जब धरती वर्षा के भार से तर हो जाती है; जब बृहस्पति क्रोध में मनुष्यों पर अपने भयंकर तूफान बरसाता है, जो अपने न्यायालयों में अन्यायपूर्ण निर्णय देते हैं, और न्याय को अराजक हिंसा के आगे झुकने देते हैं, स्वर्ग के क्रोध का तिरस्कार करते हैं; हर धारा उफान पर होती है: पहाड़ गहरी घाटियों में जलप्रपातों से भर जाते हैं, जो ऊंचे पहाड़ों से गहरे नीले समुद्र की ओर बहते हुए, कराहों और कोलाहल के साथ अपना तेज प्रवाह बढ़ाते हैं, मनुष्य के कार्यों को नष्ट करते हैं;
इसलिए उसने उन्हें भागने के लिए उकसाया,
इसलिए, जैसे ही वे भागे, ट्रोजन घोड़े कराह उठे।
सबसे आगे की पंक्तियों को काटकर, जहाजों की ओर वापस ले जाया गया,
पेट्रोक्लस ने उन्हें खदेड़ दिया, शहर पर कब्जा करने के उनके प्रयासों को विफल कर दिया; और जहाजों, नदी और ऊंची दीवार के बीच मध्य स्थान में,
उसने अपने चारों ओर नरसंहार किया, और कई सरदारों को मौत की कठोर सजा दी।
फिर उसने अपने चमकते भाले से प्रहार किया,
जहाँ ढाल से उसकी छाती खुली रह गई,
और मृत्यु में उसके अंग शिथिल हो गए; गड़गड़ाहट के साथ वह गिर पड़ा। फिर उसने ओएनॉप्स के पुत्र थेस्टर पर हमला किया; वह अपने चमकीले रथ पर नीचे की ओर दुबका बैठा था; भय से उसका मन विचलित हो गया था; उसके हाथों से लगाम छूट गई थी; भाले से वार करते हुए उसने उसके दाहिने गाल और दांतों पर वार किया, फिर उसे हथियार से खींचकर रेलिंग के ऊपर से गिरा दिया। जैसे कोई मछुआरा किसी ऊँची चट्टान पर बैठकर कांटे और धागे से भारी मछली को समुद्र से किनारे तक खींचता है; इसलिए पैट्रोक्लस ने उसे रथ से घसीटकर बाहर निकाला, उसका मुंह खुला रह गया; और उसे मुंह के बल पटक दिया; और उसके अंगों से जीवन निकल गया। इसके बाद एरियलस, लड़ाई के लिए उत्सुक होकर, एक भारी पत्थर से उसके माथे पर प्रहार किया; भारी हेलमेट के वजन के नीचे खोपड़ी दो भागों में फट गई; वह ज़मीन पर गिर पड़ा, जीवन-नाशक मृत्यु ने उसे घेर लिया। तुरंत ही एम्फोटेरस, एरीमास, एपल्टेस, एचियस और टलेपोलेमस, दामास्टोर का पुत्र, पाइरिस, बहादुर इफ़ियस, इउइप्पस, पॉलीमेलस, अर्गेअस का पुत्र, एक के बाद एक ज़मीन पर गिर

पड़े। सर्पेडन ने अपनी असंबद्ध सेना को मेनोएटियस के पुत्र के सामने बेतरतीब ढंग से गिरते देखा और लिसियनों को ऊँची आवाज़ में फटकारा: "शर्म करो, लिसियनों! तुम कहाँ भागोगे?" इतनी जल्दी क्यों? मैं स्वयं इस प्रमुख व्यक्ति का सामना करूँगा और जानूँगा कि यह कौन है जो इतना घमंडी और अभिमानी है, जिसने ट्रोजनों को भारी हानि पहुँचाई है, और अनेक योद्धाओं के अंगों को मृत्यु के घाट उतार दिया है। उसने कहा, और अपने रथ से, सुसज्जित होकर, कूद पड़ा; पैट्रोक्लस ने देखा, और वह भी धरती पर कूद पड़ा। जैसे किसी ऊँची चट्टान पर, क्रोधित चीखों के साथ, नुकीली चोंच और मुड़े हुए पंजों वाले दो गिद्ध लड़ते हैं; वैसे ही ये दोनों ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हुए युद्ध में टूट पड़े। शनि के पुत्र ने दयापूर्वक देखा, और इस प्रकार अपनी बहन और पत्नी जूनो से बात की:

हाय, हाय! कि भाग्य ने मेरे प्रियतम सर्पेडन को पेट्रोक्लस के हाथों मरने का आदेश दिया है; अभी भी मेरे मन में दुविधा है, कि उसे इस घातक संघर्ष से सुरक्षित बचाकर लिसिया के उपजाऊ मैदानों में स्थापित करूँ या पेट्रोक्लस के हाथों मरने के लिए छोड़ दूँ।

स्वर्ग की हिरण जैसी आँखों वाली रानी ने उत्तर दिया: "हे शनि के भयानक पुत्र, तुम क्या कह रहे हो? क्या तुम एक नश्वर मनुष्य को मृत्यु से वापस बुलाना चाहते हो, जो भाग्य द्वारा बहुत पहले ही तय हो चुका है? जो चाहो करो; फिर भी हम, बाकी लोग, तुम्हारे इस कार्य की सराहना नहीं कर सकते। मैं यह भी कहती हूँ, और इसे अपने मन में बिठा लो: यदि तुम सर्पेडन को उसके घर जीवित लौटा दोगे, तो क्या अन्य देवता भी अपने पुत्रों को इस भयंकर लड़ाई से वापस नहीं बुलाएँगे? क्योंकि ट्रॉय की दीवारों के चारों ओर के मैदान में बहुत से लोग हैं।" हे देवताओं के पुत्रों, तुम्हारे इस कृत्य से सभी में क्रोध की भावनाएँ जागृत होंगी। परन्तु यदि तुम उससे प्रेम करते हो, और तुम्हारा मन उसके आने वाले विनाश पर शोक करता है, तो भी हठपूर्वक संघर्ष में उसे पैट्रोक्लस के हाथों मरने के लिए छोड़ दो: फिर, जब उसकी आत्मा निकल जाए, तो यह आज्ञा मृत्यु और शांत नींद को सौंप दो कि वे उसे अपनी बाहों में लिसिया के विशाल मैदानों तक सुरक्षित ले जाएँ: वहाँ उसके भाई और मित्र उसके अंतिम संस्कार करेंगे, और टीला और स्तंभ खड़ा करेंगे, जो उस महान देवता को उचित श्रद्धांजलि होगी। मृत।"

इस प्रकार वह; देवताओं और मनुष्यों के पिता ने आज्ञा का पालन किया:
लेकिन जमीन पर खून की कुछ बूँदें गिरने दीं,
अपने पुत्र के सम्मान में, जिसे भाग्य ने निर्धारित किया था,
अपने देश से दूर, ट्रॉय के उपजाऊ मैदानों में
पेट्रोक्लस के हाथों मरने के लिए।
जैसे ही योद्धा पास आए, पेट्रोक्लस ने पहले
अपना हथियार फेंका, और बहादुर थ्रेसिमेडेस,
सर्पेडन के वफादार अनुयायी ने,
कमर के नीचे वार किया, और उसके अंगों को मृत्यु में शिथिल कर दिया।
अपनी बारी में फेंका गया, सर्पेडन का चमकता हुआ भाला
दूर जा गिरा; और वीर घोड़ा पेदासस, दाहिने कंधे में घायल होकर, चीखते हुए गिर पड़ा, और धूल में अपनी जान दे दी, जैसे ही चीखते हुए उसकी महान आत्मा निकल गई। उसके दोनों साथी इधर-उधर मुड़े; मजबूत जुआ चरमराया, और लगाम उलझ गई, जैसे धूल में गिरा हुआ घोड़ा। ऑटोमेडोन ने बचाव का साधन देखा; और अपनी मजबूत जांघ से अपनी तेज धार वाली तलवार निकालकर, एक अचूक प्रहार से गिरे हुए घोड़े को काट डाला। फिर से सीधा किया गया,
दोनों ने फैली हुई लगाम को खींचा।
फिर से घातक संघर्ष में योद्धा आमने-सामने आ गए:
एक बार फिर सर्पेडन ने अपना चमकीला भाला फेंका,
व्यर्थ; पेट्रोक्लस के कंधे के ऊपर से उड़ गया,
नोक, हानिरहित; उसके हाथ से बारी-बारी से,
भाला व्यर्थ नहीं फेंका गया, सर्पेडन ने प्रहार किया,
जहाँ डायाफ्राम होता है, हृदय के नीचे।
वह गिर गया; जैसे कोई बलूत का पेड़ या लंबा चिनार का पेड़ गिरता है, या कोई ऊँचा चीड़ का पेड़, जिसे पहाड़ की चोटी पर किसी बड़े जहाज के लिए लकड़हारे की कुल्हाड़ी से काटा गया हो: वैसे ही वह, मृत्यु की चीख के साथ, अपने रथ के सामने पड़ा रहा, और खून से सनी मिट्टी को जकड़ लिया। जैसे कोई शेर झुंड पर झपट पड़ता है, और बछियों के बीच फंसा हुआ, वह महान बैल शेर के जबड़ों के बीच

कुचलकर दहाड़ता रहता है; वैसे ही पैट्रोक्लस द्वारा मारा गया, लिसियाई सरदार, फिर भी निडर, उसका वफादार साथी पुकारा गया: "हे अच्छे ग्लौकस, सिद्ध योद्धा, अब तुझे अपनी भाला चलाने की कला और युद्ध शक्ति का परीक्षण करना चाहिए। लड़ाई में शामिल हो; अपनी पूरी गति से आगे बढ़ो; हर तरफ से लाइसियन सरदारों को बुलाओ, घेरने के लिए, और सर्पेडन के लिए लड़ो; तू भी मेरी रक्षा के लिए अपने हथियार उठा ले; क्योंकि मैं तेरे लिए, तेरे आने वाले सभी दिनों में, एक निरंतर कलंक और निंदा का पात्र बनूँगा, यदि मुझे इस प्रकार यूनानी जहाजों के सामने मार डाला गया, तो यूनानियों को मेरे हथियारों से नुकसान पहुँचाने दिया गया।" लेकिन तुम दृढ़ रहो, और दूसरों का साहस बढ़ाओ।"
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, मृत्यु की छाया उसकी आँखों और नथुनों पर छा गई; फिर अपने पैर को उसकी छाती पर मजबूती से जमाकर, पैट्रोक्लस ने लाश से चिपके हुए भाले को पूरी ताकत से खींच लिया; हथियार की नोक से जीवन बाहर निकल रहा था। शाही रथ से अलग होकर, फुफकारते हुए घोड़े, भागने के लिए उत्सुक, मायर्मिडोंस को रोक रहे थे। गहरे शोक में डूबे ग्लौकस ने उसकी आवाज सुनी: और अपने भीतर इस बात से दुखी हुआ कि उसके पास अपने साथी की सहायता करने की शक्ति नहीं थी; उसने अपने हाथ से अपनी घायल भुजा को पकड़ लिया, जो ट्यूसर द्वारा यूनानियों को मृत्यु से बचाने के लिए तीर से मारे जाने पर यातना से पीड़ित थी। फिर वह ऊँची दीवार पर चढ़ने के लिए आगे बढ़ा: फिर उसने अपोलो से इस प्रकार प्रार्थना की:
"हे महान राजा, मेरी बात सुनो, जो लिसिया के मैदानों की तरह, ट्रॉय में भी हैं; और हर जगह उनकी आवाज़ सुनते हैं जो मेरी तरह पीड़ा सह रहे हैं। मुझे एक गंभीर घाव लगा है, और तीव्र पीड़ा मेरे हाथ पर हमला कर रही है, और खून को रोक नहीं पा रही है: दर्द मेरे कंधे को झुका रहा है; और मेरे हाथ ने लड़ने या भाला पकड़ने की शक्ति खो दी है। वीरों में सबसे वीर सर्पेडन मारा गया है, बृहस्पति का पुत्र; फिर भी बृहस्पति ने उसे नहीं बचाया। लेकिन हे राजा, इस गंभीर घाव को दूर करो।" राहत दें; दर्द कम करें, और मुझे अपने लाइसियन साथियों को युद्ध जारी रखने के लिए प्रेरित करने की शक्ति दें, और स्वयं महान मृतकों की रक्षा के लिए लड़ने की शक्ति दें।

इस प्रकार जब उसने प्रार्थना की, तो अपोलो ने उसकी प्रार्थना सुन ली, उसके दर्द को कम किया, और गंभीर घाव से बहते खून को रोक दिया, और उसकी आत्मा को शक्ति से भर दिया। ग्लौकस ने अपने भीतर महसूस किया और जाना, यह जानकर प्रसन्न हुआ कि ईश्वर ने उसकी प्रार्थना सुन ली है। उसने सबसे पहले हर तरफ से लाइसियाई नेताओं को अपने राजा से लड़ने के लिए जल्दी आने का आग्रह किया: फिर वह ट्रोजनों के बीच ऊंचे कदमों से गया, और सबसे पहले पैंथस के पुत्र, पॉलीडामास के पास, बहादुर एजेनोर और एनेस से लड़ने के लिए गया। अगला; फिर पीतल के हेलमेट वाले हेक्टर स्वयं
पंखों वाले शब्दों से संबोधित करते हुए इस प्रकार पास आ रहे थे:
हेक्टर, क्या तुम अपने बहादुर साथियों को पूरी तरह भूल गए हो, जिन्होंने तुम्हारे लिए अपने प्राणों की आहुति दी, अपने घर और दोस्तों से दूर? लेकिन उन्हें तुमसे कोई सहायता नहीं मिली; सर्पेडन मृत्यु को प्राप्त हुआ है, ढालधारी लिसियाई सेनाओं का नेता, जिसका न्याय और जिसकी शक्ति लिसिया की ढाल थी; उसे पैट्रोक्लस के हाथों मार्स ने वश में कर लिया है। लेकिन, मित्रों, अब मेरे साथ खड़े रहो! उचित प्रतिशोध से प्रेरित होकर, दृढ़ निश्चय करो कि मर्मिडोंस, चाहे वे कितने भी दुखी क्यों न हों, यूनानियों ने, जिन्होंने हमारे भालों से जहाजों के किनारे पर अपनी जान गंवाई है, हमारे मृतकों का अपमान किया है और अपने हथियार प्राप्त किए हैं।
उसने कहा; और ट्रोजनों में असहनीय, अनियंत्रित शोक की अनुभूति हुई; क्योंकि वह, यद्यपि परदेसी था, राज्य का एक शक्तिशाली स्तंभ था; और उसके अनुयायी एक विशाल सेना थे; और वह स्वयं युद्ध में सबसे आगे था; इसलिए, यूनानियों के विरुद्ध, हेक्टर के नेतृत्व में वे उग्र उत्साह के साथ दौड़े, सर्पेडन की हानि से दुखी थे; दूसरी ओर, यूनानियों ने पैट्रोक्लस के वीर हृदय को जागृत किया, और सबसे पहले अजेस को संबोधित करते हुए, युद्धोन्माद से प्रेरित होकर, उन्होंने अपना भाषण इस प्रकार दिया:
"हे एजैक्स के पुत्रों, अब वह समय आ गया है जब हम तुम्हारी पूर्व प्रसिद्धि की बराबरी करेंगे, या उससे भी आगे निकल जाएंगे: वह व्यक्ति गिर गया है जिसने सबसे पहले हमारी दीवार फांदी थी, सर्पेडन; अब शेष यही है कि उसे मारने के बाद, हम उसके

शव का अपमान करें, और उसके हथियार छीन लें; और यदि कोई साथी उसे बचाने का साहस करे, तो उसे भी अपने भालों से मार गिराएँ।"
उसने कहा; और वे, युद्ध के जोश से भरे हुए, युद्ध में टूट पड़े। जब दोनों ओर सुदृढ़ बटालियनें तैनात थीं, ट्रोजन और लाइसियन, मर्मिडन और यूनानी मृतकों के चारों ओर भयंकर युद्ध में मिले, भयानक चीखों के साथ; और उनके कवच ज़ोर से गूंजे।
फिर, संघर्ष की भयावहता को बढ़ाने के लिए, बृहस्पति ने अपने पुत्र के चारों ओर अंधकार फैला दिया: ट्रोजन ने पहले तेज निगाहों वाले यूनानियों को पीछे धकेल दिया;
सबसे पहले एक योद्धा गिर पड़ा,
मायर्मिडों में सबसे तुच्छ नहीं,
वीर अगाक्लेस का पुत्र एपेजियस;
जिसने बुडेयम के समृद्ध राज्य में कुछ समय पहले शासन किया था; लेकिन एक मारे गए रिश्तेदार के लिए भागते हुए,
वह पेलियस और चांदी के पैरों वाली रानी के पास याचना करने आया; फिर अकिलीज़ के साथ
उसे ट्रॉय के युद्ध में शामिल होने के लिए इलियम भेजा गया।
जैसे ही उसने मृत को पकड़ने के लिए अपना हाथ बढ़ाया,
महान हेक्टर ने उसके माथे पर एक विशाल पत्थर से प्रहार किया; भारी भरकम हेलमेट के भीतर
खोपड़ी दो भागों में विभाजित हो गई थी; शव पर लेटा हुआ
वह गिर पड़ा, जीवन-नाशक मृत्यु से वश में हो गया।
पैट्रोक्लस अपने साथी की हत्या से दुखी था;
वह एक तेज पंखों वाले बाज़ की तरह आगे बढ़ा,
जो सारस और कौवों के बीच झपट्टा मारता है;
हे पैट्रोक्लस, रथ पर सवार सरदार, तू इतनी तेजी से दौड़ा,
ट्रोजन और लाइसियनों पर झपटा,
तेरा मन अपने साथी के क्रोध से भरा हुआ था।
उसने इथेमेनेस के पुत्र स्टेनलास पर एक भारी पत्थर फेंका; विशालकाय शरीर उसकी गर्दन पर गिर पड़ा, और सारी मांसपेशियां चूर-चूर हो गईं। महान हेक्टर और

ट्रॉय के सरदार पीछे हट गए; जैसे खेल-खेल में भाले की उड़ान, या घातक युद्ध में, अपनी पूरी ताकत लगाकर फेंके गए; ट्रोजन इतनी दूर तक पीछे हट गए, और यूनानियों ने उनका पीछा किया। लाइसियन भाले के नेता ग्लौकस ने सबसे पहले मुड़कर चालकोन के पुत्र शक्तिशाली बाथिकल्स को मार डाला। वह हेलास में रहता था, धन में सभी मायर्मिडों से कहीं अधिक। पीछा करते हुए जब वह उसके पास पहुँचा, तो ग्लौकस ने तेज़ी से मुड़कर उसकी छाती में छेद कर दिया; गरजते हुए वह गिर पड़ा; यूनानियों को गहरा शोक हुआ, इतने वीर के खोने पर। ट्रोजन अत्यंत प्रसन्न हुए और उनके चारों ओर घनी भीड़ जमा हो गई; यूनानी अपने सामान्य शौर्य को भूले नहीं, बल्कि आगे बढ़ते रहे। फिर मुकुटधारी सरदार मेरियोनेस, ओनेटोर के पुत्र, साहसी लाओगोनस को मार डाला; ओनेटोर, इडियन बृहस्पति का पुजारी था, जिसे लोग देवता के समान पूजते थे। उसने उसके कान के नीचे वार किया; उसकी आत्मा उसके अंगों से निकल गई और उसकी आँखों पर अंधेरा छा गया।
फिर मेरियोनेस में ऐनेस ने अपनी ढाल के नीचे आशा से अपना पीतल का भाला फेंका, ताकि उसे कोई असुरक्षित स्थान मिल जाए; उसने देखा, और नीचे झुककर, उसने पीतल की मृत्यु को बख्श दिया; उसके पीछे दूर, मिट्टी में गहराई तक धंसा हुआ, हथियार खड़ा था; वहाँ मंगल ग्रह ने अपना आवेग रोक दिया;
इसलिए, व्यर्थ फेंका गया, यद्यपि किसी कमजोर हाथ से नहीं,
एनियास का भाला जमीन में कांपता हुआ खड़ा था;
तब क्रोध में उसने इस प्रकार पुकारा: "मेरियोनेस,
यदि यह तुझ पर ही लग जाता, तू कितना फुर्तीला है,
तो मेरा भाला तेरे नृत्य का अंत कर देता।"
भाला चलाने वाले मेरियोनेस ने कहा: "हे एनियास, तू कितना भी बहादुर क्यों न हो, तुझे हराने की उम्मीद करना बहुत अधिक है, जो तुझे चुनौती देने का साहस करे; तू भी नश्वर है! और यदि मेरा निशाना सही हो, और मेरा भाला तुझे, तू कितना भी वीर और आत्मविश्वासी क्यों न हो, ठीक से लगे, तो भी तेरा पतन मुझे विजय का ताज पहनाएगा, और तेरी आत्मा को पाताल लोक भेज देगा।"
उसने कहा; और मेनोएटियस के महान पुत्र ने उसे गंभीर फटकार लगाते हुए कहा: "मेरियोनेस, हे वीर योद्धा, तुम इस प्रकार शब्दों में समय क्यों बर्बाद कर रहे हो?

विश्वास करो, मेरे मित्र, यह केवल शेखी बघारने वाले भाषणों से नहीं, कर्मों के बिना, हम आशा कर सकते हैं कि हम ट्रोजनों को मारे गए लोगों से दूर भगा देंगे: हाथ युद्ध के लिए हैं, शब्द उचित परामर्श के लिए; अब झगड़ा करने का कोई लाभ नहीं, बल्कि लड़ने का है।"
उसने कहा और आगे बढ़ा; उसके पीछे-पीछे सीधे-सीधे वह देवतुल्य सरदार चल पड़ा; तुरंत ही, जैसे पर्वतीय जंगल की गहरी गुफाओं में लकड़हारे की कुल्हाड़ी की आवाज़ गूंजती है, और दूर तक उसकी ध्वनि सुनाई देती है; वैसे ही विशाल पृथ्वी से उनका शोर उठता है, जैसे पीतल के हथियार, ढालें और कठोर बैल की खाल तलवारों और दोधारी भालों से टकराती हैं। और सबसे तेज दृष्टि वाला सर्पेडन भी नहीं जान सकता था, सिर से पैर तक घावों, खून और धूल से लथपथ, विकृत; वे मृतकों के चारों ओर घनी संख्या में मंडरा रहे थे। जैसे वसंत ऋतु में पशुओं के बाड़ों में दूध के डिब्बों के चारों ओर मक्खियाँ भिनभिनाती हैं, जबकि गर्म दूध बाल्टी में झाग बना रहा होता है; वैसे ही वे मृतकों के चारों ओर मंडरा रहे थे। और न ही बृहस्पति ने उस हठी लड़ाई से अपनी तीखी दृष्टि हटाई; बल्कि वह अभी भी ध्यान से नीचे देखता रहा, और पैट्रोक्लस के आने वाले भाग्य पर संदेह में विचार करता रहा, कि क्या वह भी सर्पेडन के पास मारा जाएगा, और कहीं वह भी प्रख्यात हेक्टर के हाथों मारा न जाए, और उसके हथियार छीन लिए जाएं; या फिर कुछ समय के लिए बचा लिया जाए, ताकि युद्धक्षेत्र के श्रम को बढ़ाया जा सके। अंततः उसने यही उचित समझा कि एक बार फिर, पेलेउस के पुत्र का वीर अनुयायी, भयानक नरसंहार करते हुए, ट्रोजन और उनके पीतल के हेलमेट वाले सरदार को शहर की ओर खदेड़ दे। पहले हेक्टर की आत्मा भय से भर गई; अपने रथ पर सवार होकर वह भागा और ट्रोजन को भी भागने पर मजबूर कर दिया। क्योंकि उसने बृहस्पति के तराजू देखे। तब वीर लिसियाई भी अपनी जगह पर डटे नहीं रहे; सभी भय से भाग गए, क्योंकि उन्होंने अपने राजा को मृतकों के ढेर के बीच हृदय में छेदा हुआ देखा; क्योंकि उसके शरीर पर कई योद्धा गिर पड़े, जब शनि के पुत्र ने भयंकर संघर्ष को भड़काया। तब उन्होंने सर्पेडन की छाती से उसके चमकदार पीतल के हथियार उतार लिए; मेनोएटियस के पुत्र ने इन्हें अपने साथियों द्वारा ग्रीस के जहाजों में भेज दिया।

तब बादलों को नियंत्रित करने वाले फोएबस से उसने कहा: "हे अच्छे फोएबस, भालों के बीच से जल्दी निकलो, सर्पेडन को हटाओ, और उसके सभी घावों से खून साफ करो; फिर उसे दूर ले जाओ, और बहते पानी में उसके शरीर को धो डालो; फिर उसके सभी अंगों पर दिव्य अमृत का लेप लगाकर उसे अमर वस्त्र पहनाओ। फिर उसे दो तेज वाहकों को सौंप दो, और उसे नींद और मृत्यु, जुड़वां भाइयों को, अपनी बाहों में लेकर लिसिया के विशाल मैदानों तक सुरक्षित ले जाओ: वहाँ उसके भाई और उसके मित्र मिलेंगे।" उनके अंतिम संस्कार की रस्में अदा करो, और टीला और स्तंभ खड़ा करो, महान दिवंगत को उचित श्रद्धांजलि अर्पित करो।
उसने कहा; अपने पिता के शब्दों का पालन करते हुए, अपोलो इडा की ऊँचाई से युद्ध के मैदान में तेजी से उतरा; और भालों के बीच से हटकर, वह सर्पेडन को बहुत दूर ले गया, और बहते पानी में उसके शरीर को धोया; फिर दिव्य अमृत से उसके सभी अंगों का अभिषेक किया, और उसे अमर वस्त्र पहनाए; फिर उसे दो तेज वाहकों को सौंप दिया, नींद और मृत्यु, जुड़वां भाइयों को; उनकी बाहों में, वे उसे लिसिया के विशाल मैदानों में सुरक्षित ले गए।
फिर पेट्रोक्लस ने ऑटोमेडोन को अपने आदेश दिए, और भागता हुआ शत्रु उसका पीछा करने लगा। ओह, कितना धोखा खाया, कितना नासमझ! अगर उसने अब पेलेउस के पुत्र के शब्दों को याद रखा होता, तो वह मृत्यु के कड़वे भाग्य से बच सकता था। लेकिन फिर भी बृहस्पति की इच्छा मनुष्य की इच्छा पर हावी हो जाती है: जो दहशत फैलाकर हमला करता है, और सबसे बहादुरों से भी विजय छीन लेता है।
और फिर युद्ध के लिए उकसाया;
जिसने अब पेट्रोक्लस के हृदय को क्रोध से भर दिया।
तो हे पेट्रोक्लस, तुमने सबसे पहले किसे मारा, और अंत में किसे मारा,
जब देवताओं ने तुम्हें तुम्हारे भाग्य का सामना करने के लिए बुलाया?
एड्रास्टस, और ऑटोनस, पेरिमस,
मेगेस का पुत्र, और उसके बाद एचेक्लस;
एपिस्टर, मेलानिप्पस, एलासस,
और मुलियस, और पिलार्टेस; इन सबको उसने मार डाला;
बाकी सभी भागकर सुरक्षित हो गए।

तब यूनानियों ने प्रियम के ऊँचे द्वार वाले शहर पर कब्जा कर लिया था, जिसे पैट्रोक्लस ने अपने हाथों से जीता था; उसने अपना भाला इतनी तेजी से और भयंकर रूप से चलाया; लेकिन अपोलो उस सुगठित मीनार पर खड़ा था, अपने विनाश पर तुला हुआ था, और ट्रॉय की रक्षा, ऊँची दीवार के उभरे हुए कोने पर पैट्रोक्लस ने तीन बार हमला किया; अपोलो ने अपने अमर हाथों से तीन बार आक्रमण किया, और अपनी चमकती ढाल को पीछे धकेल दिया। लेकिन जब उसने फिर से, नश्वर शक्ति से भी अधिक बल से, अपना चौथा प्रयास किया, तो भयानक रूप और धमकी भरी आवाज में उस विनाशक ने कहा:
"हे स्वर्ग से जन्मे सरदार, पेट्रोक्लस, पीछे हटो! भाग्य ने तुम्हें युद्धप्रिय ट्रोजन नगर को नष्ट करने की विजय नहीं सौंपी है; न ही महान अकिलीज़ को, जो तुमसे कहीं अधिक शक्तिशाली है।"
जैसे ही उसने बात की, पेट्रोक्लस पीछे हट गया, सुदूर विनाशक के क्रोध से पीछे हटते हुए। हेक्टर अभी भी स्केयन द्वारों के सामने अपने घोड़ों को लिए खड़ा था। संदेह था कि क्या वह फिर से युद्ध-समूह का सामना करने का साहस करेगा, या पूरी सेना को दीवार की शरण में बुलाएगा। इस प्रकार, जब वह सोच रहा था, उसके बगल में फोएबस खड़ा था, एक बलवान और बहादुर योद्धा के रूप में, हेकुबा का भाई, जो कुलीन हेक्टर, आसियस, डायमास के पुत्र का चाचा था; जो फ्रिगिया में सौगारियस नदी के किनारे रहता था; उसका रूप धारण करके अपोलो ने कहा: "हेक्टर, तुम युद्ध से इस प्रकार क्यों पीछे हट रहे हो? यह तुम्हें शोभा नहीं देता! काश ऐसा होता कि..." मैं तुमसे कहीं अधिक महान था, जितना तुम मुझसे हो; तब तुम्हें इस संयम पर बहुत पछतावा होगा। परन्तु आगे बढ़ो! पैट्रोक्लस के विरुद्ध अपने उग्र घोड़ों को प्रेरित करो, ताकि उसकी मृत्यु से अपोलो तुम्हें अनंत यश से सुशोभित कर सके।
यह सुनकर, देवता ने मनुष्यों के संघर्ष में पुनः भाग लिया; और महान हेक्टर ने सेब्रोनस को आदेश दिया कि वह युद्ध के बीच में अपना रथ चलाए; उसके आगे अपोलो चल रहा था, यूनानियों में आतंक फैलाते हुए, और ट्रॉय के शस्त्रों में चमक जोड़ते हुए। हेक्टर अन्य सभी को अनदेखा करते हुए आगे बढ़ गया, और उन्हें मारने के लिए नहीं रुका। पैट्रोक्लस वह लक्ष्य था जिस पर उसके घोड़ों के खुरों की खड़खड़ाहट गूंज उठी। दूसरी ओर, पैट्रोक्लस अपने रथ से कूदकर जमीन पर आ

गिरा: उसके बाएं हाथ में उसका भाला था; और दाहिने हाथ में वह एक भारी-भरकम पत्थर उठाए बैठा था, जो उसकी विशाल पकड़ में समा गया था: उसने पत्थर फेंका; वह अपने लक्ष्य से ज्यादा दूर नहीं चूका, और व्यर्थ भी नहीं गया; लेकिन हेक्टर के सारथी को लगाम पकड़ते ही वह प्रहार कर गया, सेब्रिओन्स, शाही प्रियम का एक नाजायज बेटा। नुकीला टुकड़ा सीधे उसकी कनपटी पर गिरा, उसकी दोनों भौहें अंदर धंस गईं और हड्डियाँ चूर-चूर हो गईं; उसकी आँखें उसके सामने धूल में गिर गईं; और एक गोताखोर की तरह, सुगठित रथ से वह सिर के बल कूद गया; और जीवन ने उसके अंगों को त्याग दिया।
जिस पर पेट्रोक्लस ने कड़वे उपहास के साथ कहा:
"हे भगवान! क्या चपलता है! कितनी कुशलता से उछाला गया है!
वह कलाबाजी! केवल समुद्र में ही,
उसने ऐसे करतब दिखाए, कि कुछ ही लोग उससे मुकाबला कर सकते थे,
सीपियों के लिए गोता लगाते हुए, अगर ऐसी छलांग के साथ
उसने अपनी नाव छोड़ दी, चाहे लहरें कितनी भी उबड़-खाबड़ क्यों न हों,
जैसे वह अपने रथ से जमीन पर गिर पड़ा:
ऐसा लगता है कि ट्रॉय भी कुशल कलाबाजों पर गर्व कर सकता है।"
इस प्रकार कहते हुए, वह सेबरियोनेस पर झपटा, जैसे शेर झपटा, सीने में छेद कर, भेड़शाला को लूटने के लिए, और मर गया, अपने साहस का शिकार; तो तूने भी ऐसा ही किया!
सेब्रियोन्स पर, पेट्रोक्लस, छलांग लगाओ।
हेक्टर भी अपने रथ से नीचे धरती पर कूद पड़ा।
इस प्रकार, सेब्रियोन्स के ऊपर, वे आमने-सामने खड़े थे;
जैसे पहाड़ पर, एक वध किए गए हिरण के ऊपर,
भूख से व्याकुल दो शेर भयंकर रूप से लड़ते हैं,
वैसे ही सेब्रियोन्स के ऊपर दो शक्तिशाली सरदार,
मेनोएटियस का पुत्र और महान हेक्टर, संघर्ष कर रहे थे,
प्रत्येक दूसरे में अपना भाला चुभाने के लिए झुका हुआ था।
हेक्टर ने अटूट पकड़ से सिर को थामे रखा;

पेट्रोक्लस पैर पकड़ लिया; और, चारों ओर भीड़ जमा करके, ट्रोजन और यूनानी
भयंकर संघर्ष में उलझ गए। जैसे किसी पहाड़ी घाटी में मुठभेड़ के दौरान, यूरस और
नोटस घने जंगल को हिला देते हैं, ओक, राख या पतले कॉर्नल के पेड़ों का, जिनकी
नुकीली शाखाएँ एक साथ गिरती हैं, भयानक शोर और टूटी शाखाओं के टूटने की
आवाज के साथ; इस प्रकार अव्यवस्थित रूप से मिश्रित होकर, यूनानी और ट्रोजन
लड़े, किसी ने भी भागने का विचार नहीं किया। सेब्रोनिस के ऊपर भाले उड़ते रहे,
और पंख लगे हुए थे। तीर, कमान से उछलते हुए;
और भारी पत्थर जो ढालों पर बजते थे,
जैसे मृतकों के चारों ओर वे लड़ रहे थे; धूल के बीच
जो घूमती हुई उठी, उसकी कला पूरी तरह से भुला दी गई,
एक शक्तिशाली योद्धा, वह शक्तिशाली रूप से लेटा हुआ था।
जबकि मध्य आकाश में सूर्य अपना मार्ग जारी रखे हुए था,
तीर तेजी से उड़े, और लोग तेजी से गिर पड़े,
दोनों ओर; लेकिन जब ढलता दिन
उस घड़ी को लाया जो ढीले बैलों को देखती है,
यूनानी कहीं अधिक मजबूत थे; और भाले से
और ट्रोजन युद्ध-घोष सेब्रिओनेस
उन्होंने उसे खींचा, और उसकी छाती से उसका कवच उतार दिया।
पैट्रोक्लस भयंकर रूप से ट्रोजनों पर टूट पड़ा:
उसने तीन बार उन पर हमला किया, मंगल की तरह भयानक,
भयानक चीखों के साथ; और उसने तीन बार नौ शत्रुओं का वध किया:
लेकिन जब उसने फिर से, नश्वर से भी अधिक बल से,
अपना चौथा आक्रमण किया, तो पैट्रोक्लस का जीवन काल अपने अंतिम पड़ाव पर
पहुँच गया;
क्योंकि फोएबस के भयानक स्वरूप ने तुम्हारा सामना किया,
युद्ध-भीड़ के बीच, तुम्हें देखे बिना,
क्योंकि घोर अंधकार ने उसके पूरे शरीर को ढक लिया था:
वह पीछे खड़ा था, और फैली हुई हथेली से,

पैट्रोक्लस की गर्दन और चौड़े कंधों पर एक जोरदार प्रहार किया; उसकी आँखें चक्कर खा गईं, और अपोलो ने उसके सिर से हेलमेट छीन लिया; घोड़ों के पैरों के नीचे लुढ़कते हुए वह खटकने लगा; हेलमेट; घोड़े के बालों का पंख खून से सना हुआ था; धूल से मैला; उस दिन तक वह गौरवशाली हेलमेट कभी इतना धूल से सना नहीं था, जो एक देवतुल्य मुखिया को सुशोभित करता था, और अकिलीज़ के महान सिर और सुंदर माथे की रक्षा करता था: अब बृहस्पति की इच्छा से हेक्टर को दिया गया। अब मृत्यु निकट थी; और उसके हाथ में उसका भाला, भारी, लंबा और कठोर, पीतल की नोक वाला, चूर-चूर हो गया; उसकी कमरबंद के साथ, विशाल ढाल उसके कंधों से गिर पड़ी; और अपोलो का हाथ, बृहस्पति के शाही पुत्र, ने अपना कवच ढीला कर दिया। तब उसका मन व्याकुल हो गया; और उसके अंग उसके नीचे लड़खड़ा गए; वह पूरी तरह भयभीत खड़ा था:
पीछे से, डार्डन, पैंथस का पुत्र,
यूफोरबस, ट्रोजन युवकों के बीच अद्वितीय,
भाला फेंकने, दौड़ने, रथ चलाने में,
पास आकर, कंधों के बीच वार किया;
वह, युद्ध के लिए प्रशिक्षित, अपने रथ से, इससे पहले कि
बीस यूनानियों को उनके रथों से फेंक दिया गया था:
ऐसा ही वह व्यक्ति था जिसने तुझे, पेट्रोक्लस, सबसे पहले
घायल किया, लेकिन वश में नहीं किया; राख का भाला
वह, पूरी जल्दबाजी में, पीछे हट गया; और न ही उसने निहत्थे होने के बावजूद
पैट्रोक्लस का घातक संघर्ष में सामना करने का साहस किया।
अपने साथियों की शरणस्थली में लौटकर, पैट्रोक्लस निश्चित मृत्यु से बच गया:
फोएबस और यूफोरबस के भाले के प्रहार से पराजित होकर: परन्तु हेक्टर ने जब पैट्रोक्लस को युद्ध से पीछे हटते हुए, घायल अवस्था में, आगे बढ़ते हुए देखा, तो उसने उसकी कमर पर वार किया; पीतल का भाला आर-पार हो गया; गड़गड़ाहट के साथ वह गिर पड़ा; और यूनानी सेना ने उसके पतन पर गहरा शोक व्यक्त किया।
जैसे जब एक शेर ने लड़ाई में एक सूंड वाले सूअर को हरा दिया, जब पहाड़ की चोटी पर, अपनी पूरी ताकत के घमंड में, दोनों प्यास से बेहाल होकर, एक छोटे से झरने के

पास मिले; और शेर की ताकत से पराजित होकर, सूअर हांफते हुए हार मान गया; अतः मेनोएटियस के पुत्र ने, महान कर्म संपन्न करने के बाद, अंततः महान हेक्टर के भाले के नीचे अपने प्राण त्याग दिए; और पराजितों पर विजय प्राप्त करते हुए उसने कहा: "पैट्रोक्लस, तूने हाल ही में हमारे शहर की दीवारों को ध्वस्त करने और अपने जहाजों में हमारी ट्रोजन स्त्रियों को अपने दूर देश ले जाने का घमंड किया था, जिनके स्वतंत्रता के दिन समाप्त हो गए थे: तू कितना मूर्ख था! और तू उनकी रक्षा में यह नहीं जानता था कि हेक्टर के तेज दौड़ते घोड़े मैदान को छान रहे थे; उनसे हे ट्रोजनों में सबसे बहादुर, मैं विनाश के दिन को टाल दूँगा; जबकि हमारे तटों पर तेरा मांस ट्रॉय के गिद्धों का पेट भरेगा। बेचारा! यद्यपि वह बहादुर है, फिर भी पेलियस के पुत्र ने तुझे कुछ नहीं किया, जब वह स्वयं पीछे हट गया, और बुद्धिमानी से तुझे युद्ध के लिए भेजा: 'मेरे पास मत आना, पैट्रोक्लस, रथ पर सवार सरदार, और न ही जहाजों पर लौटना, जब तक तू योद्धा-हत्यारे हेक्टर की खूनी लूट न ले आए, जो उसके शरीर से छीनी गई हो;' मुझे लगता है कि ये उसकी सलाहें थीं; हे बेचारे मूर्ख, तू उसका शिकार बन गया। पैट्रोक्लस ने धीमी आवाज़ में कहा:
हेक्टर, अब तू बड़े गर्व से कहता है कि बृहस्पति ने फोएबस के साथ मिलकर तुझे विजय का ताज पहनाया है। मेरी मृत्यु का कारण वे ही थे जिन्होंने मेरे शस्त्र छीन लिए। यदि मुझे तेरे जैसे बीस लोगों से निपटना होता, तो वे सब मेरे भाले से पराजित होकर मर जाते। भाग्य ने मुझे और फोएबस को मार डाला; और मनुष्यों में से यूफोर्बस को; तू तो तीसरा ही था जिसने प्रहार किया। यह भी मैं कहता हूँ, और इसे ध्यान में रख; तू मेरे बाद अधिक समय तक जीवित नहीं रहेगा; मृत्यु अभी आ चुकी है। महान अकिलीज़, पेलियस के अद्वितीय पुत्र, के हाथों तुम पर विनाश का साया मंडरा रहा है। जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, मृत्यु का अंधकार उसकी आँखों पर छा गया, और उसकी आत्मा परछाइयों में विलीन हो गई, अपने भाग्य पर शोक मनाते हुए, उसकी जवानी और ताकत छिन गई। फिर भी, मृत हेक्टर ने उससे कहा: "पैट्रोक्लस, तुम मेरे आने वाले भाग्य की भविष्यवाणी क्यों कर रहे हो? या कौन कह सकता है कि सुनहरे बालों वाली थेतिस का पुत्र, अकिलीज़, सबसे पहले मेरे भाले से मारा जाएगा?"
उसने कहा, और अपना पैर मजबूती से जमाकर, पीतल का भाला वापस खींच लिया, और मरे हुए को हथियार की नोक से पीछे धकेल दिया; फिर, भाला हाथ में लिए,

मारने के इरादे से, ऑटोमेडन ने पीछा किया, एसाइड्स के देवतुल्य अनुयायी का: लेकिन अमर घोड़े उसे सुरक्षित ले गए, देवताओं ने पेलियस को जो महान पुरस्कार दिया था।

# तर्क।

**सातवां युद्ध, पैट्रोक्लस के शव के लिए।—मेनेलास के कार्य।**

पैट्रोक्लस की मृत्यु के बाद, मेनेलास उसके शव को शत्रु से बचाता है; यूफोरबस, जो ऐसा करने का प्रयास करता है, मारा जाता है। हेक्टर के आगे बढ़ने पर मेनेलास पीछे हट जाता है; लेकिन जल्द ही एजैक्स के साथ लौटता है और उसे खदेड़ देता है। ग्लौकस हेक्टर को भागने के रूप में देखता है, जिस पर हेक्टर पैट्रोक्लस से जीता हुआ कवच पहन लेता है और युद्ध फिर से शुरू कर देता है। यूनानी सेना पीछे हट जाती है, जब तक कि एजैक्स उन्हें फिर से संगठित नहीं कर लेता: एनेस ट्रोजन सेना का समर्थन करता है। एनेस और हेक्टर अकिलीज़ के रथ पर हमला करते हैं, जिसे ऑटोमेडन उठा ले जाता है। अकिलीज़ के घोड़े पैट्रोक्लस की मृत्यु पर शोक मनाते हैं; बृहस्पति उसके शरीर को घने अंधकार से ढक लेता है; उस अवसर पर एजैक्स की महान प्रार्थना। मेनेलास पैट्रोक्लस की मृत्यु का समाचार लेकर एंटिलोकस को अकिलीज़ के पास भेजता है: फिर युद्ध में लौटता है, जहाँ, भयंकर आक्रमण के बावजूद, वह और मेरियोनेस, एजैक्स की सहायता से, शव को जहाजों तक ले जाते हैं। यह अट्ठाईसवें दिन की शाम का समय है। यह दृश्य ट्रॉय के सामने के खेतों में घटित होता है।

# पुस्तक सत्रहवीं।

और न ही पैट्रोक्लस का पतन, ट्रोजन द्वारा मारे जाने पर, युद्धप्रिय मेनेलास की नजरों से छिपा रहा; वह चमकीली भुजाओं से सुसज्जित होकर आगे बढ़ा, और उसके चारों ओर ऐसे घूमा जैसे कोई बछिया अपने नवजात बच्चे के चारों ओर विलाप करते हुए घूमती है: उसी प्रकार मेनेलास पैट्रोक्लस के चारों ओर घूमा, अपनी ढाल का चौड़ा गोला और भाला अपने सामने पकड़े हुए, और उसका विरोध करने वाले सभी को मृत्यु की धमकी दे रहा था। और न ही उसकी ओर से पैंथस का महान पुत्र मारे गए लोगों से अनभिज्ञ था; लेकिन, पास खड़े होकर, युद्धप्रिय मेनेलाउस ने इस प्रकार संबोधित किया:

"एट्रियस के प्रख्यात पुत्र, स्वर्ग से जन्मे सरदार, मृतकों को छोड़ दो; रक्त से लथपथ लूट का माल लौटा दो: क्योंकि ट्रोजन और उनके प्रसिद्ध सहयोगियों में से, मेरे ही हाथ ने उस भयंकर लड़ाई में पैट्रोक्लस पर सबसे पहले प्रहार किया था; इसलिए मुझे ट्रॉय के पुरुषों के बीच अपना उचित सम्मान धारण करने दो, कहीं ऐसा न हो कि मेरे भाले से तुम अपना प्रिय प्राण खो दो।"

क्रोध में आकर मेनेलास ने उससे कहा: "हे पिता बृहस्पति, यह घमंड भरा स्वर इस शेखीबाज़ को कितना शोभा नहीं देता! उनकी दृष्टि में, पैंथस के पुत्रों से साहस में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता; न तो तेंदुआ, न शेर, न जंगली सूअर, जो सबसे भयंकर और अपनी शक्ति पर सबसे घमंडी है। फिर भी हाइपेरेनर की शक्ति के आगे कुछ भी नहीं टिक पाया, जब उसने मुझे तुच्छ समझा और मुझसे मुकाबला करने का साहस किया; सभी यूनानियों में उसने मेरी वीरता को सबसे कम आंका।" फिर भी, मुझे लगता है, वह अपने पैरों पर वापस नहीं लौटा, अपनी कोमल पत्नी और सम्मानित माता-पिता को देखकर प्रसन्न होने के लिए। यदि तू मुझसे सामना करने का साहस करता है, तो तेरा अभिमान भी चकनाचूर हो जाएगा; परन्तु मैं तुझे चेतावनी देता हूँ, इससे पहले कि तुझे भीड़ के बीच कोई हानि हो, कि तू पीछे हट जाए, और मेरा विरोध न करे। घटना के बाद तो मूर्ख भी बुद्धिमान हो जाता है। उसकी बातें व्यर्थ थीं; यूफोरबस ने इस प्रकार उत्तर दिया:

"हे स्वर्ग में जन्मे मेनेलास, क्या तू मेरे भाई के जीवन का हर्जाना अदा करेगा, जिसके बारे में तूने अपने हाथों से उसकी हत्या की शेखी बघारी है? तूने उसके नए घर के

कमरों में उसकी दुल्हन को विलाप करती विधवा बना दिया है; तूने उसके माता-पिता के दिलों को घोर दुःख से भर दिया है। शायद उन दुखी शोक संतप्तों को कुछ सांत्वना मिल पाती, यदि तेरा सिर और कवच पैंथस और सम्मानित फ्रोंटिस के हाथों में होता; और इस प्रमाण को निर्विवाद नहीं माना जा सकता।" जीत या हार को लंबे समय तक स्थगित न किया जाए।

उसने कहा, और ढाल के केंद्र पर प्रहार किया, लेकिन भेद नहीं पाया; कठोर पीतल के विरुद्ध नोक मुड़ गई; फिर बृहस्पति से प्रार्थना करते हुए, एट्रेस का पुत्र आगे बढ़ा; और पीछे हटते हुए, उसके गले के नीचे निशाना साधा, और अपने बलिष्ठ हाथ से जोर से दबाते हुए, भारी भाले को उसकी गर्दन में घुसा दिया: वह गरजता हुआ गिरा, और उसके कवच की आवाज़ गूंजी। वे लटें, जो ग्रेस के बालों से प्रतिस्पर्धा कर सकती थीं, वे चमकदार लटें, सोने और चांदी से बंधी हुई, खून से लथपथ थीं। जैसे जब कोई व्यक्ति किसी एकांत स्थान पर, प्रचुर मात्रा में बहते झरनों के किनारे, एक सुंदर और बलिष्ठ जैतून का पौधा उगाता है, और हर हवा से पोषित होकर, उसके सफेद होते फूलों को खिलते हुए देखता है; अचानक तेज हवा के झोंके के साथ, हवा और बारिश का एक भयंकर तूफान उसे उसकी क्यारी से उखाड़ फेंकता है और उसे ज़मीन पर गिरा देता है; इस प्रकार पैंथस का युवा पुत्र, एट्रेस के पुत्र द्वारा मारा गया और उसके हथियारों से वंचित पड़ा था। और पहाड़ों में पले-बढ़े शेर की तरह, अपनी शक्ति के घमंड में, चरते हुए झुंड के बीच, अपने शक्तिशाली जबड़ों में सबसे उत्तम बछिया को पकड़ लेता है। और, पहले उसकी गर्दन टूटती है, फिर फट जाती है, और, उसकी आंतों को खाकर, खून चाटता है; हालाँकि चारों ओर कुत्ते और चरवाहे दूर से उस पर हमला करते हैं, फिर भी कोई भी उसके क्रोध का सामना करने का साहस नहीं करता, क्योंकि उन सभी पर भय छाया हुआ है; इसलिए वहाँ कोई भी इतना साहसी नहीं था, निडर हृदय से महान मेनेलास के क्रोध का सामना करने के लिए। अब एट्रीडेस आसानी से पैंथस के बेटे की लूट को ले गया था; लेकिन फोएबस ने अपनी जीत के इनाम पर आपत्ति जताई, और उसके विरुद्ध मंगल ग्रह के समान भयानक हेक्टर की शक्ति उतारी: जिसे उसने मेंटेस के रूप में अपने पंखदार शब्दों से संबोधित किया, सिकोन्स के प्रमुख:

हेक्टर, पेलिड्स के उड़ते घोड़ों का पीछा करने में तुम्हारा सारा परिश्रम व्यर्थ है; और नश्वर मनुष्य के लिए उन्हें वश में करना या नियंत्रित करना कठिन है। देवी-पुत्र अकिलीज़ को छोड़कर। वीर मेनेलास, एट्रेस का पुत्र, इस बीच पैट्रोक्लस की रक्षा कर रहा है; और अभी उसने एक महान ट्रोजन, पैंथस के पुत्र, यूफोरबस को मार डाला है, और उसकी युवा शक्ति को नष्ट कर दिया है।
उसने कहा, और फिर से पुरुषों के संघर्ष में शामिल हो गया: हेक्टर की काली आत्मा घोर शोक से भर गई थी; उसने पंक्तियों के बीच देखा, और उन दोनों को देखा, एक मारा गया था, दूसरा अपने हथियार उतार रहा था, खुले घाव से खून बह रहा था। वह चमकीली हथियारों से लैस होकर आगे बढ़ा, वल्कन की कभी न बुझने वाली ज्वालाओं की तरह जोर से चिल्लाते हुए: मेनेलास ने चिल्लाहट सुनी, और व्याकुल होकर अपने वीर हृदय से बात की:
"हे मेरे लिए! अगर मैं अब लूट का माल त्याग दूं, और पेट्रोक्लस, जो मेरे लिए शहीद हुआ, मुझे देखने वाले किसी भी यूनानी के हाथों दोषी हो जाए, तो शायद मैं ही दोषी होऊं: और फिर भी अगर मैं यहाँ अकेले ही हेक्टर और उसके ट्रोजनों से लड़ने का साहस करूं, तो मुझे बहुत डर है, अकेले ही, संख्या में हार जाने का; क्योंकि हेक्टर सभी ट्रोजनों को यहाँ ला रहा है। लेकिन हे मेरी आत्मा, ऐसे विचार क्यों लाती हो? जो ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध, स्वर्ग के प्रिय, एक कड़वे दुश्मन से लड़ रही हो।" विनाश अवश्य होगा। तब कोई मुझे दोष नहीं दे सकता, भले ही मुझे हेक्टर से पीछे हटना पड़े, जो स्वर्ग की सहायता से युद्ध कर रहा है। फिर भी, क्या मैं बहादुर एजैक्स की युद्ध-घोषणा सुन सकता हूँ? हम दोनों लौटकर इस मुठभेड़ का सामना करने का साहस करेंगे, स्वर्ग के विरुद्ध भी, यदि पेलियस के पुत्र के लिए हम पुनः विजय प्राप्त कर सकें और मृतकों को ले जा सकें। तब शायद हमें अपने नुकसान का कुछ सांत्वना मिल सके।
जब वह अपने मन और आत्मा में इस प्रकार विचार कर रहा था, हेक्टर के नेतृत्व में, ट्रोजन सेना आगे बढ़ी: मृतकों को छोड़कर वह पीछे हट गया; लेकिन बार-बार मुड़ता रहा, जैसे जब मनुष्य और कुत्ते एक दाढ़ी वाले शेर को झुंड से भगा देते हैं, चीखों और भालों के साथ; फिर भी उसका शक्तिशाली हृदय दुखी हुआ, और अनिच्छा से उसने आँगन छोड़ दिया: इस प्रकार पैट्रोक्लस से मेनेलाउस चला गया; फिर भी जब वह

अपने साथियों की पंक्तियों तक पहुँचा, तो वह मुड़ा, और चारों ओर देखा, शायद उसे टेलमोन का पुत्र, शक्तिशाली एजैक्स मिल जाए। उसने उसे युद्ध के सबसे बाईं ओर देखा, अपने मित्रों का उत्साहवर्धन करते हुए और उन्हें युद्ध के लिए प्रेरित करते हुए, क्योंकि फोएबस ने उनके साहस की कड़ी परीक्षा ली थी; और उसकी ओर दौड़ते हुए, उससे इस प्रकार कहा:
"एजैक्स, जल्दी यहाँ आओ; मारे गए पैट्रोक्लस को बचाने आओ; यदि संयोगवश हम दोनों, पेलियस के पुत्र अकिलीज़ को उसका शरीर लौटा सकें: उसका नग्न शरीर, क्योंकि उसकी भुजाएँ हेक्टर के लिए एक पुरस्कार हैं।"
उसने कहा, और एजैक्स की आत्मा उसके भीतर जागृत हो उठी; वह आगे बढ़ा, और उसके साथ एट्रेस का पुत्र भी। हेक्टर अब पेट्रोक्लस के शव को घसीट रहा था, उसके चमकदार कवच को उतारकर, और उसका इरादा था कि वह अपनी तलवार से उसका सिर काट दे, और उस क्षत-विक्षत शव को ट्रॉय के कुत्तों को दे दे: लेकिन एजैक्स, अपनी मीनार जैसी ढाल के साथ, पास आया; तब हेक्टर अपने साथियों की ओर लौट गया, अपने रथ की ओर दौड़ा, और ट्रोजनों को आदेश दिया कि वे चमकदार हथियार, उसका गौरवशाली पुरस्कार, ले जाएं। ट्रॉय: जब अजाक्स ने अपनी शक्तिशाली ढाल से मेनोएटियस के पुत्र को ढक लिया; और अपने शावकों के लिए खड़े शेर की तरह, जिसे शिकारी अनजाने में, अपने बच्चों के साथ जंगल में मिल गए हों। वह अपनी शक्ति पर गर्व से खड़ा है; और उसकी आँखों को ढकने वाली झुर्रियाँ नीचे झुकी हुई हैं: इस प्रकार शक्तिशाली अजाक्स पैट्रोक्लस के ऊपर खड़ा था, और उसके बगल में, दुःख से भरे हृदय के साथ, योद्धा मेनेलास, एट्रेस का पुत्र था। तब लाइसियाई सेना के नेता ग्लौकस ने हेक्टर को तिरस्कार भरी दृष्टि से तीखे शब्दों में फटकारा: "हेक्टर, सुंदर रूप वाले, युद्ध में तू कितना निर्दयी है! तूने अपनी प्रसिद्धि को झूठा साबित कर दिया है। तू कायर और भगोड़ा है। अब सोच ले, यदि तू अकेला ही इस नगर को बचा सकता है, तो केवल ट्रोजन मूल के लोगों की सहायता से; अब से कोई भी लाइसियाई ट्रॉय के लिए यूनानियों से लड़ने नहीं जाएगा; क्योंकि शत्रु के विरुद्ध निरंतर परिश्रम से हमें कोई कृपा प्राप्त नहीं होती। क्या कोई नीच व्यक्ति तुम्हारी सहायता की अपेक्षा कर सकता है, जो यूनानियों को अपने साथी और अतिथि सर्पेडन को इनाम और लूट के रूप में दे देता है? उसने अपने जीवनकाल में नगर

और तुम्हारी बड़ी सेवा की; और अब तुम उसके शरीर को कुत्तों से बचाने का साहस नहीं कर सकते! मेरी सलाह मानो, यदि लाइसियन शासित होंगे, तो हम तुरंत अपने घर की ओर चल पड़ेंगे, और ट्रॉय का अंत हो जाएगा। लेकिन यदि ट्रोजन के हृदय में साहसी, निडर साहस था, जो पुरुषों के लिए उपयुक्त है। जो अपने देश के हित में शत्रु के विरुद्ध परिश्रम और युद्ध दोनों सहते हैं, उन्हें हम शीघ्र ही ट्रॉय की दीवारों के भीतर लाते हुए देखेंगे; हम उन्हें युद्ध से उठाकर ले जा सकते हैं, और उन्हें निर्जीव अवस्था में राजा प्रियम के नगर में ला सकते हैं, और हम उन्हें शीघ्र ही इलियम की ऊँचाइयों पर ले जा सकते हैं: क्योंकि वहाँ अपने वीर साथियों के साथ ग्रीस के सबसे बहादुर सरदार का अनुयायी मारा गया है। परन्तु तू शक्तिशाली अजाक्स के सामने झुकी आँखों से खड़ा रहा, और न ही तूने साहस दिखाया। लड़ाई
अपने से कहीं बेहतर व्यक्ति से मुकाबला करो, यह बात उसने कहीं अधिक स्वीकार की है।"
इस प्रकार चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने कठोर दृष्टि से उत्तर दिया: "क्यों, ग्लौकस, तुम इतने बहादुर होकर इस तरह के आक्रामक लहजे में क्यों बोल रहे हो? मेरे प्रिय मित्र, मैंने अब तक तुम्हें लिसिया की उपजाऊ भूमि में रहने वाले सभी लोगों से ऊपर बुद्धिमान समझा है; परन्तु अब मैं बदल गया हूँ, और तुम्हारे निर्णय को तुच्छ समझता हूँ, जिसने मुझे विशालकाय एजैक्स की शक्ति से भागने का आरोप लगाया है; मैं कभी भी भयंकर लड़ाई और रथों की खड़खड़ाहट से नहीं डरा; परन्तु सब कुछ बृहस्पति के मन पर निर्भर है, जो दहशत में आकर, वह सबसे बहादुर से भी जीत छीन लेता है; और तुरंत युद्ध के लिए उकसाता है। अब मेरे पास खड़े रहो, और देखो कि क्या मैं दिन भर में खुद को वह कायर साबित कर पाता हूँ जो तुम कहते हो, या फिर किसी यूनानी को, चाहे वह कितना भी बहादुर क्यों न हो, मेरे हाथों से पेट्रोक्लस का शव छुड़ाने देता हूँ।
उसने कहा, और ट्रोजनों को ऊँची आवाज़ में पुकारा: "ट्रोजन और लाइसियन, और हे डार्डन, जो प्रसिद्ध हैं, अब आमने-सामने की लड़ाई से बाहर निकलो; कुछ देर तक डटकर लड़ो, जब तक मैं अकिलीज़ का शानदार कवच पहन लूँ, और मारे गए पैट्रोक्लस से अपना गौरवशाली पुरस्कार छीन लूँ।"

ऐसा कहते हुए, चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने मैदान से पीछे हटते हुए, तीव्र कदमों से अपने साथियों का पीछा किया और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया, जो शहर की ओर अकिलीज़ का कवच लिए हुए थे; फिर खूनी लड़ाई से दूर खड़े होकर उसने अपना कवच बदल लिया; और अपना कवच युद्धप्रिय ट्रोजनों को शहर ले जाने का आदेश दिया; जबकि उसने, पेलियस के पुत्र, अकिलीज़ का, दिव्य कवच धारण किया, जो अमर देवताओं ने उसके पिता को दिया था। उसने अपने पुत्र को संदेश दिया; फिर भी वह पुत्र उस कवच में बूढ़ा नहीं हुआ।
जब बादल-संयोजक ने उसे अलग से देखा, तो उसने अपना सिर हिलाया और मन ही मन सोचा: "अरे अभागे! तू अपने भाग्य को कितना कम समझता है, यद्यपि अब वह इतना निकट है! तू सर्वोपरि पुरुष है, तूने अमर शस्त्र धारण किए हैं, जिसके वीर और अच्छे साथी को तूने मार डाला; और उसे अपमानित किया, उसके सिर और छाती से हेलमेट और कवच उतार दिया; फिर भी तेरे अंतिम क्षणों को मैं गौरव से सुशोभित करूँगा; क्योंकि "युद्ध से लौटने पर एंड्रोमाचे कभी भी तुमसे पेलियस के देवतुल्य पुत्र की लूट का माल प्राप्त नहीं करेगी।"
उसने कहा, और अपनी छायादार भौंहों से सिर हिलाया; फिर अपने शरीर के अनुरूप कवच से सुसज्जित, स्वयं बृहस्पति द्वारा हेक्टर को मंगल द्वारा घेरा गया था; भयंकर और भयानक; प्रबल शक्ति के साथ, उसके अंग उसके बहादुर सहयोगियों के बीच बंधे हुए थे; वह जोर से चिल्लाते हुए उछल पड़ा; उनकी बाहों में चमकते हुए, वह सभी को अकिलीज़ के दैवीय स्वरूप के समान प्रतीत होते थे। उन्होंने सभी से उत्साहवर्धक स्वर में बात की, मेस्थल्स, ग्लौकस और थेर्सिलोचस, एस्टरोपियस और हिप्पोथस, मेडोन, डेसेनोर, फोरेस, क्रोमियस और भविष्यवक्ता एनोमस: इन सभी को उन्होंने अपने प्रकाशमान शब्दों से उत्साहपूर्वक संबोधित किया।
"हे असंख्य जनजातियों, जो चारों ओर निवास करती हो, मेरी बात सुनो! हमारे उद्देश्य में सहायता करो! तुम अपने-अपने घरों से, मैंने तुम्हें संख्या बल दिखाने के लिए नहीं बुलाया है, बल्कि इसलिए कि तुम स्वेच्छा से हमारी पत्नियों और शिशुओं की रक्षा युद्धप्रिय यूनानियों से करो: इसके लिए मैं अपने लोगों के भंडार खाली कर रहा हूँ, तुम्हारे लिए भोजन और उपहारों के लिए, जिससे तुम्हारा रुतबा बढ़े; फिर, जो साहसपूर्वक आगे बढ़ेगा, वह गिर सकता है, या बच निकल सकता है, युद्ध में यही

भाग्य होता है; लेकिन हमारे वीर ट्रोजन सैनिकों में से कौन पैट्रोक्लस के शरीर के सिवा होगा?" लाओ, अयाक्स की शक्ति के बावजूद; आधी लूट मैं उसे देता हूँ, बाकी आधी मैं अपने पास रखता हूँ; और उसकी प्रशंसा मेरी प्रशंसा के बराबर होगी। उसने कहा; और भाले उठाए हुए, वे यूनानियों पर टूट पड़े; उनकी आशाएँ बहुत ऊँची उठीं कि अयाक्स टेलमोन मृतकों को छीन लेगा; व्यर्थ आशाएँ, जिनकी कीमत उन्हें कई जानें चुकानी पड़ी! फिर अयाक्स ने वीर मेनेलास से इस प्रकार कहा;
"हे स्वर्ग से जन्मे मेनेलास, मेरे महान मित्र, अब मुझे सुरक्षित वापसी की कोई आशा नहीं है: मुझे पेट्रोक्लस के शव का इतना भय नहीं है, जो शीघ्र ही ट्रॉय के कुत्तों और पक्षियों का पेट भर देगा, बल्कि अब मैं अपने और तुम्हारे जीवन के लिए कांप रहा हूँ: क्योंकि युद्ध के बादल की तरह, मैं हेक्टर की शक्ति को चारों ओर छाया हुआ देख रहा हूँ; अब हमारा विनाश स्पष्ट है; परन्तु तुम सहायता के लिए सभी सरदारों को पुकारो, यदि वे सुन सकें।" इस प्रकार एजैक्स बोला: उसके वचन का पालन करते हुए, सरदारों ने जोर से पुकारा:
"हे ग्रीस के मित्रों और सलाहकारों, तुम सब जो एट्रीयस के पुत्रों के साथ सामान्य भोज में शामिल हो, और अपने-अपने राज्यों पर प्रभुत्व जमाए रखो; जिनका सम्मान बृहस्पति के वश में है; युद्ध इतना भयंकर है कि प्रत्येक व्यक्ति का नाम पुकारना कठिन है; परन्तु प्रत्येक व्यक्ति अपनी सहायता प्रदान करे, और यह शर्म की बात समझे कि पेट्रोक्लस का शव ट्रॉय के कुत्तों को खिलाया जाए।"
उसने कहा: सबसे पहले ओइलियस के फुर्तीले बेटे की आवाज़ सुनी, और लड़ाई के बीच से तेज़ी से गुज़रते हुए, उसके बगल में खड़ा हो गया। उसके बाद इडोमेनियस आया, जिसके साथ उसका मित्र मेरियोनेस भी था, जो मंगल ग्रह की तरह वीर था। लेकिन कौन उन सभी के नाम जान सकता है या बता सकता है, जिन्होंने उसका अनुसरण करते हुए यूनानियों के युद्ध को और बढ़ा दिया? हेक्टर के नेतृत्व में ट्रोजन आगे बढ़ते रहे: ऐसी आवाज़ के साथ, जैसे जब समुद्र की लहर किनारे पर किसी धारा के प्रवाह से मिलती है, जो स्वर्ग की वर्षा से उफनती है: चट्टानें गूंजती हैं, और बाहर विशाल समुद्र दहाड़ता है; ऐसी ही ध्वनि के साथ ट्रोजन सेना आगे बढ़ी: जबकि पैट्रोक्लस के चारों ओर, एक मन और भावना से, यूनानियों ने पीतल से ढकी ढालों की एक बाड़ खड़ी कर दी। उनके चमकीले हेलमेट पर शनि के पुत्र ने अंधकार का पर्दा

डाल दिया; मेनोएटियस के पुत्र के लिए, जो अकिलीज़ का वफादार मित्र था, जब तक वह जीवित था, ज़्यूस को उससे कोई घृणा नहीं थी, और न ही वह चाहता था कि अब उसका शव ट्रॉय के कुत्तों का शिकार बना रहे, बल्कि उसके सभी साथी उसे बचाने के लिए जुट गए। पहले तो ट्रोजन ने तेज निगाहों वाले यूनानियों को खदेड़ दिया; शव को छोड़कर वे भाग गए; और अपने भालों से वीर ट्रोजन एक भी यूनानी तक नहीं पहुँच पाए; लेकिन उन्होंने मृत शरीर को पकड़ लिया; फिर भी वे ज्यादा देर तक भाग नहीं पाए। एजैक्स ने शीघ्र ही उन्हें एकत्रित किया, अपनी उत्कृष्ट शारीरिक क्षमता और शौर्य कौशल में, वह पेलेउस के अद्वितीय पुत्र को छोड़कर सभी यूनानियों से श्रेष्ठ था। वह पहाड़ी सूअर की तरह आगे बढ़ा, जो जंगल के खुले मैदान में घात लगाकर, कुत्तों और बलवान युवकों को आसानी से तितर-बितर कर देता है; इसी प्रकार एजैक्स ने शीघ्र ही ट्रोजन सेना को तितर-बितर कर दिया, जो पैट्रोक्लस के चारों ओर घेरा बनाकर, गौरव के साथ उसके शव को ट्रॉय ले जाने के लिए उत्सुक थी। पेलसगियन लेथस का पुत्र हिप्पोथस उसे घसीटता हुआ ले जा रहा था। महान मृत के पैर,
उसके टखनों के चारों ओर चमड़े की बेल्ट बंधी हुई थी,
ट्रॉय के पुरुषों का अनुग्रह पाने की चाह में;
लेकिन उसने स्वयं पर विनाश लाद दिया,
जिसे कोई टाल नहीं सका; क्योंकि भीड़ से,
तेलमोन का पुत्र निकला, और वार किया,
निकट मुठभेड़ में, पीतल के गाल वाले हेलमेट पर;
पंखदार हेलमेट वार से कांप उठा,
एक भारी भाले और मजबूत हाथ से किया गया;
घाव से मिश्रित रक्त और मस्तिष्क बह निकला,
उसकी जीवन शक्ति बुझ गई; और जमीन पर, पैट्रोक्लस का पैर उसकी शक्तिहीन पकड़ से छूट गया; जबकि वह स्वयं मृतकों के पास पड़ा था, अपनी लारिसा की उपजाऊ भूमि से दूर; उसे अपने माता-पिता की प्रारंभिक देखभाल का ऋण चुकाने का सौभाग्य प्राप्त नहीं था; क्योंकि उसका जीवनकाल छोटा था, जिसे उसने देवतुल्य एजैक्स के शक्तिशाली भाले से वश में कर लिया था।

एजैक्स पर हेक्टर ने अपना चमकीला भाला फेंका: वह देख सका और बाल-बाल मौत से बच निकला; लेकिन इफिटस का पुत्र शेडियस (फोसियन सरदारों में सबसे बहादुर, जो प्रसिद्ध पैनोपियस, असंख्य सेनाओं के शक्तिशाली स्वामी के निवास में रहता था) की कॉलरबोन के नीचे भाला लगा, और भाले की नोक आर-पार होकर उसके कंधे के नीचे से फिर निकल आई: वह गरजते हुए गिर पड़ा, और उसके कवच की तेज आवाज गूंजी।
जब फेनोप्स के पुत्र फोरकिस ने मारे गए हिप्पोथस पर पहरा दिया, तभी एजैक्स ने कमर के नीचे वार किया; भारी भाले ने खोखले कवच को भेद दिया और उसकी आंतें फाड़ दीं; वह धूल में गिर पड़ा और ज़मीन को पकड़ लिया। इस पर ट्रोजन सरदारों और हेक्टर ने स्वयं हार मान ली; यूनानियों ने हर्षोल्लास के साथ मृतकों को पकड़ लिया और उनके कवच उतार दिए। अब युद्धप्रिय यूनानियों के सामने, ट्रोजन दहशत में भागकर इलियम पहुँच गए थे; और अब यूनानियों ने, बृहस्पति की इच्छा के विरुद्ध, अपनी शक्ति और साहस से विजय प्राप्त कर ली थी। यदि अपोलो ने स्वयं एनियास को न जगाया होता, जो एक दूत के रूप में, एपिटस के पुत्र, पेरिफास, जो अब वृद्ध हो चुका था और एनियास के वृद्ध पिता की सेवा में था, एक अत्यंत दयालु व्यक्ति था, तो स्थिति और बिगड़ जाती। आत्मा: उसने अपोलो का रूप धारण किया, और एनियास ने इस प्रकार संबोधित किया:
"ऐनेस, तुम स्वर्ग की इच्छा के विरुद्ध अपने नगर की रक्षा कैसे कर सकते हो, जैसे अन्य लोग अब कर रहे हैं? अपनी शक्ति और साहस पर भरोसा रखते हुए, मैं देखता हूँ कि उनकी संख्या और उनके सैनिकों का निडर हृदय उनका समर्थन कर रहा है; यदि जब बृहस्पति उन्हें छोड़कर हमें विजय दिलाना चाहता है, तो तुम अकथनीय भय से युद्ध से पीछे हट जाते हो?"
उसने कहा: धनुर्धर देवता एनेस की उपस्थिति को जानते हुए, उसने हेक्टर को ऊँची आवाज़ में पुकारा: "हेक्टर, और ट्रॉय के सभी अन्य सरदारों, और वीर सहयोगियों, यह घोर शर्म की बात होगी कि हम, घबराहट से अभिभूत होकर, अब इलियम की ओर भागते हुए युद्धप्रिय यूनानियों के सामने खदेड़ दिए जाएँ; और अभी मेरे बगल में, कोई देवता खड़ा था, और उसने बताया कि कैसे बृहस्पति, युद्ध का संप्रभु निर्णायक, हमारी

सहायता कर रहा है; तो फिर! और न ही अविचलित रहने दो..." यूनानियों ने पैट्रोक्लस के शव को अपने जहाजों तक ले जाने के लिए कहा।
उसने कहा, और पंक्तियों के आगे बढ़ने से बहुत पहले; वे एकत्रित होकर मुड़े और यूनानियों का फिर से सामना किया। तब सबसे पहले एनेस के भाले ने ल्यकोमेडेस के बहादुर साथी, अरिसबस के पुत्र लाओक्रिटस पर प्रहार किया। लाइकोमेडेस ने दया भरी निगाहों से अपने वीर साथी का पतन देखा; और पास खड़े होकर उसने अपना चमकीला भाला फेंका, और एपिसन के पेट में वार किया, जो अपने लोगों का रक्षक प्रमुख, हिप्पासुस का वीर पुत्र था, और उसने मृत्यु में अपने अंगों को शिथिल कर दिया। वह पेओनिया के उपजाऊ खेतों से आया था, युद्ध में अपने सभी साथियों से श्रेष्ठ, एस्टरोपियस को छोड़कर, जिसने दया भरी निगाहों से अपने वीर साथी का पतन देखा, और युद्ध के लिए आगे बढ़ा। यूनानियों; फिर भी वह अपना रास्ता नहीं बना सका; क्योंकि चारों ओर पैट्रोक्लस ने ढालों और भालों की एक बाड़ खड़ी कर दी थी: एजैक्स द्वारा दिए गए और पूरी सावधानी से लागू किए गए आदेश थे कि मृतकों के चारों ओर से कोई पीछे न हटे, न ही कोई अपने साथियों से पहले अकेले आगे बढ़े; बल्कि अपनी स्थिर रक्षा बनाए रखे और आमने-सामने की लड़ाई लड़े। एजैक्स ने ऐसा आदेश दिया; फिर धरती लाल रक्त से लथपथ हो गई; और वे आमने-सामने आ गिरे, ट्रोजन, बहादुर सहयोगी और यूनानी, सभी; क्योंकि इनमें से किसी ने भी रक्तहीन लड़ाई नहीं लड़ी, हालाँकि उनके नुकसान बहुत कम थे; क्योंकि वे एक दूसरे की सहायता और समर्थन के प्रति सचेत थे। इस प्रकार, आग के प्रकोप की तरह उग्र होकर, वे लड़े; और न ही आप यह सोच सकते हैं कि स्वयं गौरवशाली सूर्य सुरक्षित था; और न ही चंद्रमा सुरक्षित था; रात के सबसे काले बादलों के बीच, योद्धाओं पर छाए रहे, जिन्होंने मेनोएटियस के बेटे के शरीर के चारों ओर युद्ध छेड़ा: कहीं और ट्रोजन और अच्छी तरह से कवचधारी यूनानी, दिन के स्पष्ट प्रकाश में, बिना किसी बाधा के लड़े; सूर्य की चमकीली किरणें चारों ओर फैली हुई थीं; पृथ्वी या पर्वतों पर कोई बादल नहीं था; वे रुक-रुक कर, दूर-दूर अंतराल पर, और एक दूसरे से दूर, शत्रुतापूर्ण मिसाइलों से बचने की कोशिश करते हुए, लड़े; लेकिन बीच में
सबसे बहादुर, अंधेरे और संघर्ष में
भारी दबाव में, अपने कवच के भार के नीचे परिश्रम करते रहे।

अभी तक पेट्रोक्लस के पतन की कोई खबर दो वीर सरदारों, एंटिलोचस और थ्रेसिमेडेस तक नहीं पहुंची थी; लेकिन वे उसे अभी भी जीवित और अग्रिम पंक्ति में लड़ता हुआ मानते थे। अपने साथियों को भागते और मरते देख, वे नेस्टर के आदेशानुसार अलग-अलग लड़ते रहे, जब उसने उन्हें जहाजों से युद्ध में शामिल होने का आदेश दिया। इस बीच, उनका परिश्रम बहुत अधिक था, जिन्होंने पूरे दिन उस थका देने वाले युद्ध को सहन किया; निरंतर परिश्रम और पसीने से तरबतर, घुटने, पैर, भुजाएँ और आँखें, उन सभी की जो अकिलीज़ के वफादार साथी के चारों ओर लड़ रहे थे। जैसे कोई सरदार अपनी प्रजा को आदेश देता है... एक विशाल बैल की खाल, पूरी तरह से चर्बी से लथपथ; वे एक घेरे में इधर-उधर घूम रहे थे; कठोर खाल को तब तक खींचते रहे जब तक कि चर्बी पूरी तरह से अवशोषित न हो जाए; और कई हाथों से घसीटते हुए कोमल चमड़ी को पूरी लंबाई तक खींचा गया; इस प्रकार ये लोग संकीर्ण स्थान में इधर-उधर शरीर को घसीटते रहे; और प्रत्येक की आशाएँ उसे विजय के साथ ले जाने की थीं; यूनानियों को अपने जहाजों तक, ट्रोजन को ट्रॉय तक; भयंकर संघर्ष जारी रहा; आत्मा को झकझोर देने वाले मंगल ग्रह ने भी, या पलास को उसके चरम क्रोध में जगाकर, उस संघर्ष को तिरस्कार से न देखा होता: पैट्रोक्लस के शव पर ऐसा कष्टदायक परिश्रम, बृहस्पति ने घोड़ों और मनुष्यों को करने का आदेश दिया होता।

लेकिन पेट्रोक्लस के पतन की कोई खबर अभी तक अकिलीज़ तक नहीं पहुँची थी; क्योंकि युद्ध जहाजों से दूर, ट्रॉय की दीवारों के नीचे लड़ा जा रहा था; न ही उसने उसकी मृत्यु की खबर सुनने की उम्मीद की, बल्कि यह माना कि जब ट्रोजन अपने द्वारों तक खदेड़ दिए जाएँगे, तो वह सुरक्षित लौट आएगा; क्योंकि उसे शहर पर आक्रमण करके कब्जा करने की कोई उम्मीद नहीं थी, चाहे उसकी सहायता से हो या उसके बिना; अक्सर अलग रहने के कारण, उसकी देवी-माता ने उसके भाग्य की भविष्यवाणी कर दी थी, अपने पुत्र को बृहस्पति के मन का रहस्य बताकर; फिर भी उसने उसे कभी ऐसे दुःख के बारे में नहीं बताया था, जो अब उसके प्रियतम साथी के खोने के कारण हुआ।

फिर भी मृतकों के चारों ओर उन्होंने अपने नुकीले भाले रखे हुए थे, उन्होंने आमने-सामने लड़ाई लड़ी और एक-दूसरे का वध किया; और शायद इस प्रकार कोई पीतल

के कवच वाला यूनानी कहेगा:
"हे मित्रों, यह शर्मनाक होगा यदि हम जहाजों पर अपमानजनक रूप से लौटें; इससे पहले कि ऐसा हो, धरती हम सबको निगल ले; इससे कहीं बेहतर है कि ये ट्रोजन हमारे मृतकों को अपने शहर ले जाएं और अपनी जीत का बखान करें।" दूसरी ओर, कोई वीर ट्रोजन इस प्रकार चिल्लाएगा: "हे मित्रों, यद्यपि भाग्य ने तय किया है कि हम सब यहीं मरेंगे, फिर भी कोई हार न माने।"
इस प्रकार, अपने-अपने साथियों का हौसला बढ़ाते हुए, वे बोलते थे, और इस प्रकार वे लड़ते थे; लोहे की झंकार ने खाली हवा और आकाश के पीतल के गुंबद को भेद दिया। लेकिन, लड़ाई से पीछे हटकर, अकिलीज़ के घोड़े रोने लगे, जब उन्होंने सुना कि कैसे उनके सारथी को हेक्टर के हत्यारे हाथों धूल में मिला दिया गया था। डायोर्स के वीर पुत्र ऑटोमेडन ने उन्हें कोड़े से जगाने की व्यर्थ कोशिश की, मीठे शब्दों से व्यर्थ, धमकियों से व्यर्थ; न ही वे फिर से जहाजों पर लौटेंगे, न ही चौड़े हेलेस्पोंट से होकर, न ही लड़ाई में शामिल होंगे; लेकिन एक स्तंभ की तरह खड़े हैं, जो पुरुष या स्त्री की समाधि को चिह्नित करता है, वे इतने अचल खड़े थे, उनके सिर जमीन की ओर झुके हुए थे, जबकि उनकी पलकों से जलते हुए आँसू धरती पर गिर रहे थे, जैसे वे अपने सारथी के लिए शोक मना रहे हों; और जुए की पट्टी पर उनके घने बाल धूल से सने हुए बह रहे थे। शनि के पुत्र ने उनके शोक को दयापूर्वक देखा, और दुखी होकर अपना सिर हिलाया, मानो वह सोच रहा हो:
"अरे, अभागे घोड़ों! हमने तुम्हें राजसी पेलियस को, एक नश्वर मनुष्य को क्यों दे दिया? तुम जो बुढ़ापे और मृत्यु दोनों से मुक्त हो! क्या इसलिए कि तुम दुखी मनुष्यों के दुखों में भागीदार बन सको? क्योंकि साँस लेने वाले, पृथ्वी पर चलने वाले या रेंगने वाले सभी प्राणियों में से कोई भी मनुष्य जाति से अधिक दुखी नहीं है। फिर भी, न तो तुम और न ही तुम्हारा सुगठित रथ, प्रियम के पुत्र हेक्टर के वश में होगा; मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूँगा; उसके लिए इतना ही काफी है कि वह घमंड से भरा रहे।" अकिलीज़ की भुजाएँ;
परन्तु मैं तुम्हारे अंगों और आत्माओं को ऐसी शक्ति प्रदान करूँगा,
कि तुम युद्ध से जहाजों तक सुरक्षित रूप से ऑटोमेडोन को ले जा सकोगे;
क्योंकि मैं अभी भी चाहता हूँ कि ट्रोजन विजयी हों,

और उन्हें तब तक मारते रहूँ, जब तक वे सुसज्जित जहाजों तक न पहुँच जाएँ,
जब तक सूर्य अस्त न हो जाए, और अंधकार पृथ्वी को ढक न ले।"
उसने कहा, और उनके हृदयों में नई ऊर्जा भर दी; वे अपने बालों से धूल झाड़ते हुए, रथ को यूनानियों और ट्रोजनों के बीच हल्के से ले गए। फिर, हंसों के झुंड के बीच एक गिद्ध की तरह, ऑटोमेडोन युद्ध के बीच दौड़ पड़ा, अपने घोड़ों का मार्ग निर्देशित करते हुए और उनकी गति को उत्तेजित करते हुए, यद्यपि वह अपने मारे गए साथी के लिए शोक मना रहा था। वह तेजी से ट्रोजन सेना से भाग निकला; पीछा करते हुए फिर से तेजी से उन पर हमला किया; फिर भी, तेजी से पीछा करने के बावजूद, वह उन्हें मार नहीं सका; और न ही, अकेले कार में ही इतनी शक्ति थी कि वह उड़ते हुए घोड़ों का मार्गदर्शन कर सके और भाला फेंक सके। अंत में एक बहादुर साथी, एल्सीमेडन, लेर्सेस का पुत्र, ने देखा; कार के पीछे वह खड़ा था, और इस प्रकार ऑटोमेडन ने संबोधित किया: "ऑटोमेडन, ईश्वर ने तेरे मन को व्यर्थ परामर्शों से क्यों भर दिया है, और तुझे बुद्धिहीन कर दिया है? कि तू ट्रोजनों के साथ, सबसे आगे की पंक्तियों में, अपने साथी के मारे जाने पर भी, अकेले ही लड़ना चाहता है, जबकि हेक्टर गर्व से अपनी छाती पर महान एसाइड्स के गौरवशाली शस्त्र प्रदर्शित करता है।"
डायोरेस के पुत्र ऑटोमेडन ने कहा: "एल्सीमेडन, क्योंकि सभी यूनानियों में से कोई भी तुझसे इन अमर घोड़ों को नियंत्रित करने का साहस नहीं रखता, सिवाय पैट्रोक्लस के, जो अपने जीवनकाल में देवतुल्य सरदार था; लेकिन कठोर मृत्यु और भाग्य ने उसे भी अपने शिकंजे में ले लिया; तो चाबुक और चमकीली लगाम थाम लो, जबकि मैं रथ से उतरकर लड़ाई में शामिल हो जाऊँगा।"
उसने कहा; और सीधे युद्ध-रथ पर सवार होकर, अल्सीमेडन ने चाबुक और लगाम संभाली; ऑटोमेडन नीचे कूद गया; महान हेक्टर ने देखा, और अपने बगल में खड़े एनियास को इस प्रकार संबोधित किया:
"एनेस, ट्रॉय के राजकुमार और सलाहकार, मैं देखता हूँ कि अकिलीज़ के घोड़े युद्ध के मैदान में अकुशल हाथों में सौंप दिए गए हैं: यदि तुम्हारी यही इच्छा हो, तो हम इन्हें लेने की आशा कर सकते हैं; क्योंकि मुझे लगता है कि वे शायद ही हमारा विरोध कर पाएँगे, या हमारे संयुक्त आक्रमण का सामना करने का साहस करेंगे।"

उसने कहा; एंकीसेस के वीर पुत्र ने आज्ञा का पालन किया; वे आगे बढ़े, उनके कंधे मोटे बैल की खाल से ढके हुए थे, जिस पर पीतल की मोटी परत चढ़ी हुई थी। उनके साथ क्रोमियस और एरेटस भी गए;
और दोनों योद्धाओं की आशाएँ ऊँची हो गईं, कि वे बलवान घोड़ों को मारकर उन्हें अपना पुरस्कार बना लेंगे: अंधे मूर्ख! ऑटोमेडन के मुकाबले से बच निकलने के लिए नियत भी नहीं थे; उसने अपनी प्रार्थना बृहस्पति से की, और तुरंत अतिरिक्त शक्ति से उसकी आत्मा भर गई; और अपने भरोसेमंद मित्र और साथी एल्सीमेडन से उसने इस प्रकार कहा:
"एल्सीमेडन, तुम घोड़ों को मुझसे दूर नहीं, बल्कि मेरी गर्दन के पास ही रखना; क्योंकि मुझे लगता है कि हेक्टर की शक्ति को रोका नहीं जा सकेगा, इससे पहले कि वह हमें मार डाले और अकिलीज़ के रथ पर सवार हो जाए, और यूनानी सेना में आतंक फैला दे, या स्वयं सबसे आगे की पंक्ति में मारा जाए।"
इस प्रकार ऑटोमेडन ने कहा, और मेनेलाउस और अजेस दोनों को ऊँची आवाज़ में पुकारा: "हे दोनों अजेस, सेना के नेता, और मेनेलाउस, हमारे सभी वीरों के साथ, तुम अकेले ही मृतकों की देखभाल करो, उसकी रक्षा करो, और शत्रु सेना को रोको; लेकिन जल्दी करो, और हमें, जीवितों को, मृत्यु से बचाओ; क्योंकि हेक्टर और एनियास इधर आ रहे हैं, भारी वज़न के साथ, रक्तपात के बीच से, ट्रोजन के सबसे वीर अपना रास्ता बना रहे हैं: फिर भी परिणाम उनके हाथों में है..." हे भगवान! मैं भाला फेंकता हूँ, परन्तु बृहस्पति ही प्रहार का मार्गदर्शन करता है।
उसने कहा, और संतुलन बनाकर भारी भाला फेंका; वह सीधे एरेटस की चौड़ी ढाल पर लगा; ढाल को भी नहीं रोक पाया; पीतल की नोक कमर को भेदकर उसके शरीर में धंस गई। जैसे कोई बलवान व्यक्ति हाथ में तेज कुल्हाड़ी लेकर किसी मजबूत बैल के सींगों के पीछे वार करके उसकी गर्दन काट देता है; वह आगे की ओर छलांग लगाता हुआ गिर पड़ा;
पहले वह आगे की ओर उछला, फिर पीछे की ओर गिरा:
और कांपते हुए, उसके भीतरी अंगों में गहराई से धंसा हुआ,
तेज भाले ने जल्द ही उसके अंगों को मृत्यु में शिथिल कर दिया।
फिर ऑटोमेडोन पर महान हेक्टर ने अपना चमकीला भाला फेंका; उसने देखा, और

आगे की ओर झुक गया,
और निर्मल मृत्यु से बच गया; उसके पीछे दूर,
मिट्टी में गहराई से धंसा हुआ, कांपते हुए डंडे के साथ,
हथियार खड़ा था; वहाँ मंगल ग्रह ने अपनी प्रेरणा को रोक दिया।
और अब तलवारों से, और आमने-सामने की लड़ाई
फिर से शुरू हो गई थी; लेकिन अपने साथी की पुकार पर, दोनों अजासेस, भीड़ को चीरते हुए, योद्धाओं के बीच जल्दबाजी में घुस आए। उनके आगे हेक्टर और एनेस दोनों, और देवतुल्य क्रोमियस, घबराकर पीछे हट गए; उन्होंने एरेटस को हृदय में भेद दिया और उसे वहीं छोड़ दिया; और मंगल ग्रह के समान भयानक ऑटोमेडन ने अपने हथियार उतार दिए और खुशी से चिल्लाया: "मेरे हृदय को अपने दुःख के बोझ का कुछ हिस्सा कम हो गया है, मारे गए पेट्रोक्लस के लिए, तुम्हें मारकर, सब कुछ।" तुम तो बिल्कुल ही बेकार हो।
फिर, खून से लथपथ लूट का माल गाड़ी पर फेंककर, वह खून से सने हाथों और पैरों के साथ गाड़ी पर सवार हो गया, मानो कोई शेर अपने भोजन के बाद किसी वध किए गए बैल के शव पर सवार हो।
पैट्रोक्लस के शरीर के चारों ओर फिर से चिथड़े लिपटे हुए थे: हठी संघर्ष, भयानक, दुःख से भरा हुआ: स्वर्ग से उतरकर, पल्लास ने कलह को भड़काया, सर्वज्ञ बृहस्पति द्वारा युद्धप्रिय यूनानियों को प्रेरित करने के लिए भेजा गया; अब उसकी इच्छा इतनी बदल गई थी। जैसे आकाश के ऊपर जब बृहस्पति अपना चमकीला धनुष फैलाता है, जो मनुष्यों के लिए युद्ध या बर्फीले तूफानों का संकेत होता है, जो मनुष्य के ग्रामीण कार्यों को रोक देते हैं और भेड़ों को कुचल देते हैं; वैसे ही पल्लास, चमकीले बादलों में लिपटी हुई, पंक्तियों के बीच से गुजरी और प्रत्येक व्यक्ति को जगाया। महान मेनेलास, एट्रेस के पुत्र, जो उसके ठीक बगल में खड़ा था, देवी ने सबसे पहले फीनिक्स का रूप और उसकी शक्तिशाली आवाज धारण की। इस प्रकार उनके प्रेरक शब्द संबोधित थे:
"हे मेनेलाउस, तुझ पर घोर कलंक लगेगा, यदि अकिलीज़ के वफादार मित्र को ट्रॉय की दीवारों के नीचे कुत्ते खा जाएं; तब तू दृढ़ रह और समस्त सेना को प्रेरित कर।"

मेनेलास, जो युद्ध में निपुण था, ने उससे कहा: "हे फीनिक्स, वृद्ध योद्धा, आदरणीय पिता, यदि पल्लास आवश्यक शक्ति प्रदान करे, और मुझ पर अपना कवच फैलाए, तो मैं पैट्रोक्लस के बचाव के लिए निडर होकर लड़ूँगा, क्योंकि उसकी मृत्यु से मेरा हृदय गहरा आहत हुआ है; परन्तु वीर हेक्टर, अग्नि के बल पर, अभी भी प्रज्वलित है, और चारों ओर विनाश फैला रहा है: क्योंकि बृहस्पति उसके साथ है, और उसकी विजय ही उसकी इच्छा है।"
उसने कहा: नीली आँखों वाली देवी ने प्रसन्नता से सुना कि हे समस्त देवताओं के स्वामी, उसने उसकी सहायता माँगी है। उसने उसकी भुजाओं और घुटनों को नई शक्ति प्रदान की, और उसके हृदय में मक्खी जैसा साहस भर दिया, जो मनुष्य द्वारा बार-बार भगाए जाने पर, मनुष्य के रक्त के स्वाद से ललचाकर निरंतर आक्रमण करती है; एट्रीड्स के पुरुषत्वपूर्ण हृदय में ऐसा साहस पल्लास ने प्रेरित किया: पेट्रोक्लस के शव के पास वह फिर खड़ा हुआ, और उसने अपना चमकीला भाला उठाया।
ट्रोजन सेना में एक पोडेस था, जो ईटियन का पुत्र था, धनी और निष्कलंक, हेक्टर को सबसे प्रिय था, और अक्सर उसकी मेज पर एक स्वागत योग्य अतिथि होता था। जैसे ही वह भागने के लिए मुड़ा, एट्रीड्स ने उसकी कमर के नीचे वार किया; भाला आर-पार हो गया; गड़गड़ाहट के साथ वह गिर पड़ा; और एट्रीस के पुत्र का शव ट्रोजन से घसीटकर यूनानियों की सेना के बीच ले जाया गया।
फिर हेक्टर के पास अपोलो खड़ा था, जो एसियस के पुत्र फेनोप्स के रूप में था, जो अबिडोस में रहता था; सभी सहयोगियों में से हेक्टर का सबसे सम्मानित और प्रिय; उसी रूप में, विनाशक ने कहा:
"हेक्टर, अब कौन सा दूसरा यूनानी तुझे डराएगा? तुम मेनेलास से डरते हो, जो अब तक एक ऐसा योद्धा था जिसे कोई प्रतिष्ठा नहीं दी जाती थी; परन्तु अब, वह अकेला ही हमारे ट्रोजनों के मृतकों को लूट रहा है; और सबसे आगे की पंक्तियों में उसने तेरे अपने अच्छे मित्र, ईटियन के पुत्र पोडेस को मार डाला है।"
उसने कहा; हेक्टर के माथे पर गहरा दुःख छा गया, और वह चमकते हथियारों के साथ आगे बढ़ा। फिर शनि के पुत्र ने अपना झालरदार कवच लहराया, जो पूरी तरह से चमक रहा था; और इडा का ऊंचा सिर बादलों और अंधेरे में लिपटा हुआ था; फिर

उसने अपनी बिजली की चमक और गरजते हुए गर्जना का आदेश दिया, जिससे पहाड़ कांप उठा; और ट्रोजन सेना को विजय का ताज पहनाया, और यूनानियों में दहशत फैला दी।
सबसे पहले भागने वाला पेनेलियस था, जो बोएटियन सरदार था; वह अभी भी शत्रु का सामना कर रहा था, तभी एक भाला उसके कंधे पर हल्का सा लगा, हड्डी को बस छूकर निकल गई: उसके ठीक सामने खड़े पोलिडामस ने भाला फेंक दिया। तभी अलोक्ट्रियन के पुत्र हेक्टर लेइटस ने उसकी कलाई में भाला घोंपकर उसकी युद्ध शक्ति को क्षीण कर दिया; कांपते हुए उसने चारों ओर देखा, और फिर भाला हाथ में लिए ट्रोजनों से लड़ने के लिए आगे नहीं बढ़ा; लेकिन जैसे ही लेइटस आगे बढ़ा, इडोमेनियस ने हेक्टर पर अपना भाला फेंक दिया: वह सीधे उसकी छाती पर लगा। प्रहार हुआ; लेकिन सिर के पास ही
मजबूत शाफ्ट कवच पर टूट गया:
ट्रोजनों का नारा ज़ोरदार था; और उसने बदले में
ड्यूकालियन के बेटे इडोमेनियस पर निशाना साधा,
अपने रथ पर खड़ा था; उसका निशाना चूक गया, लेकिन उसने सारथी कोएरानस पर प्रहार किया, जो मेरियोनेस का वफादार अनुयायी था, जो उसके साथ लिक्टस के समृद्ध शहर से आया था: सरदार ने सुसज्जित जहाजों को पैदल ही छोड़ दिया था; और यदि कोएरानस ने जल्दबाजी में अपने रथ को बचाव के लिए न भेजा होता, तो उसके गिरने से ट्रोजन को विजय प्राप्त हो जाती; वह अपने स्वामी के पास सुरक्षा और निर्दयी मृत्यु से मुक्ति लेकर आया; परन्तु स्वयं हेक्टर के हत्यारे हाथों मारा गया। हेक्टर ने उसके गाल और कान के बीच वार किया, जिससे उसके दांत टूट गए और जीभ कट गई। वह सिर के बल जमीन पर गिर पड़ा और लगाम छोड़ दी: मेरियोनेस ने रथ से झुककर लगाम उठाई और इस प्रकार इडोमेनियस ने कहा:
"अब कोड़े चलाते रहो, जब तक कि तुम जहाजों तक न पहुँच जाओ: तुम्हें स्वयं देखना होगा कि यूनान की शक्ति कैसे चूर-चूर हो गई है।"
उसने कहा; और इडोमेनियस ने अपने तेज घोड़ों को जहाजों की ओर दौड़ाया; क्योंकि उसके मन में भय था। एजैक्स और एट्रीड्स ने भी देखा कि कैसे शनि के पुत्र ने

ट्रोजनों के पक्ष में विजय का डगमगाता पलड़ा झुका दिया; और इस प्रकार महान एजैक्स टेलमोन ने अपना शोक व्यक्त किया:
हे स्वर्ग! एक नन्हा सा बच्चा भी स्पष्ट रूप से देख सकता है कि बृहस्पति ने ट्रोजन की विजय का निश्चय किया है: उनके सभी हथियार, चाहे कोई भी उन्हें फेंके, चाहे कमजोर हो या बलवान, अपने लक्ष्य तक पहुँचते हैं; क्योंकि बृहस्पति ही उनका मार्ग निर्देशित करता है; जबकि हमारे हथियार मैदान में निर्दोष गिरते हैं। परन्तु अब हम सलाह लें कि कैसे युद्ध से अपने मृतकों को ले जाएँ, और अपने लौटने पर उन मित्रों को प्रसन्न करें जो हमारी दुर्दशा पर दुःख से देखते हैं, और समझते हैं कि हम, हेक्टर की भुजाओं की शक्ति का प्रतिरोध करने में असमर्थ, जहाजों के पास अवश्य ही गिरना। काश कोई साथी पास होता, जो अकिलीज़ को संदेश पहुँचाता; मुझे लगता है, अभी तक उसे यह दुखद समाचार नहीं मिला है कि युद्ध के मैदान में उसका सबसे प्रिय मित्र मृत पड़ा है। लेकिन ऐसा मुझे दिखाई नहीं देता; क्योंकि चारों ओर मनुष्यों और घोड़ों पर बादलों का पर्दा छाया हुआ है। हे पिता बृहस्पति, यूनानियों के ऊपर से इस घने अंधकार को दूर करो; आकाश को साफ करो, ताकि हम अपना भाग्य देख सकें, और कम से कम मर सकें, यदि यही तेरी इच्छा है, तो खुले प्रकाश में। दिन।"
उसने कहा, और दया से बृहस्पति ने उसके आँसू देखे;
उसने बादलों को तितर-बितर कर दिया, और कोहरा छंट गया;
सूर्य चमक उठा, और सारा मैदान साफ हो गया;
तब अयाक्स ने मेनेलाउस से इस प्रकार कहा:
"हे स्वर्ग में जन्मे मेनेलास, चारों ओर देखो, कहीं तुम्हें जीवितों के बीच एंटिलोकस, महान नेस्टर का पुत्र, दिखाई दे; और उसे कहो कि वह अकिलीज़ को शीघ्रता से यह समाचार दे कि उसका प्रिय मित्र मर गया है।"
उसने कहा, और एट्रीड्स ने भी आज्ञा का पालन नहीं किया; लेकिन वह शेर की तरह धीरे-धीरे बाड़े से निकला, जिसे कुत्तों और युवकों ने निरंतर परिश्रम से थका दिया था, जिन्होंने रात भर पहरा दिया था, ताकि झुंड के सबसे उत्तम पशुओं को उसके हमले से बचा सकें; भूख से व्याकुल होकर उसने बार-बार प्रयास किया, लेकिन कुछ भी सफल नहीं हुआ। चारों ओर भाले, और मजबूत हाथों से चलाए जा रहे बरछी, और धधकती मशालें, जिनसे उसका साहस डगमगा गया; जब तक कि सुबह के साथ वह उदास

होकर चला गया; इसलिए पैट्रोक्लस से अनिच्छुक कदमों से एट्रीड्स चला गया; क्योंकि उसे बहुत डर था कि यूनानी घबराए हुए ट्रोजनों को मृतकों को छोड़ देंगे; और विदा होते हुए उसने अजेस और मेरियोनेस से विनती की: "हे दोनों अजेस, यूनानियों के नेता, और तुम, मेरियोनेस, अब हमारे खोए हुए पैट्रोक्लस की सौम्य विनम्रता को याद करो, उसका हृदय सभी के प्रति कितना दयालु और सौम्य था, जब तक वह जीवित था—अब, अफसोस! मृत्यु में डूब गया।"
इस प्रकार कहते हुए, मेनेलास चल पड़ा, चारों ओर नज़र घुमाते हुए, जैसे कोई चील, जो अपनी तीक्ष्ण दृष्टि के लिए प्रसिद्ध है, आकाश के नीचे उड़ने वाले सभी प्राणियों को देख लेती है; बादलों में उड़ता हुआ खरगोश, चाहे वह घने पत्तों में ही क्यों न छिपा हो, उससे बच नहीं पाता; परन्तु नीचे झपट्टा मारकर, वह उसका जीवन छीन लेता है: इसलिए, मेनेलास, युद्ध की पंक्तियों के बीच, तेरी भेदी निगाहें हर ओर मुड़ी हुई थीं, यदि नेस्टर का पुत्र जीवित होता, तो तू उसे मार सकता था। देखो;
उसने उसे मैदान के बिल्कुल बाईं ओर पाया,
अपने दोस्तों का उत्साहवर्धन करते हुए और लड़ाई के लिए उकसाते हुए;
वह उसके बगल में खड़ा हुआ और उससे इस प्रकार कहा:
"एंटीलोकस, इधर आओ, हे ईश्वर-तुल्य मित्र, और यह दुखद समाचार सुनो, जिसे बताना मेरे लिए स्वर्ग तक को भी भाड़ में जाने जैसा होगा; तुम स्वयं देख रहे हो कि कैसे बृहस्पति ने यूनानियों पर विपत्ति ला दी है, और ट्रॉय को विजय दिला दी है; पर केवल एक ही शहीद हुआ है, हमारा सबसे बहादुर, सबसे श्रेष्ठ! पेट्रोक्लस मृत्यु के मुंह में पड़ा है; और यूनानियों को उसके जाने का गहरा शोक मनाना चाहिए। परन्तु जल्दी से जहाजों पर जाओ, और पेलियस के पुत्र को यह समाचार पहुंचाओ, शायद वह पेट्रोक्लस के शव को बचा सके।" शत्रु;
उसका नग्न शरीर, क्योंकि उसकी भुजाएँ अब
चमकते हेलमेट वाले हेक्टर का पुरस्कार हैं।"
उसने कहा; और उसके शब्दों पर एंटिलोकस स्तब्ध खड़ा रहा; बहुत देर तक उसकी जीभ व्यर्थ ही बोलने की कोशिश करती रही; उसकी आँखें आँसुओं से भर गईं, उसकी प्रसन्न आवाज खामोश हो गई; फिर भी मेनेलास के आदेश का पालन करते हुए वह तेजी से भागा; लेकिन लाओडोकस को, अपने बहादुर साथी को, जो अपने रथ

के साथ निकट प्रतीक्षा कर रहा था, उसने सबसे पहले अपने हथियार सौंपे; फिर वह फुर्तीले अंगों के साथ मैदान से भागा, रोते हुए, शोकपूर्ण समाचार लेकर पेलियस के पुत्र के पास। हे महान मेनेलास, क्या तेरा हृदय तुझे रुकने और अपने मित्रों की सहायता करने के लिए प्रेरित करता है, जहाँ युद्ध से थकी हुई पाइलियन सेनाएँ एंटिलोकस की अनुपस्थिति पर शोक मना रही थीं; परन्तु इन सबको उसने देवतुल्य थ्रेसिमेड्स के हवाले कर दिया। और पैट्रोक्लस जल्दी से लौटते हुए, अजेस के पास खड़ा होकर बोला: "मैंने उसे अकिलीज़ के पास, जहाजों तक, जल्दी से भेज दिया है; फिर भी हेक्टर के प्रति उसका क्रोध जितना भयंकर हो सकता है, मैं यहाँ उसकी उपस्थिति की शायद ही उम्मीद कर सकता हूँ; क्योंकि वह निहत्था होकर ट्रोजनों से कैसे लड़ सकता है? लेकिन अब हम सलाह लें कि युद्ध के मैदान से अपने मृतकों को कैसे ले जाएँ, और ट्रोजनों के हाथों मृत्यु से कैसे बचें।"
इस पर महान एजैक्स टेलमोन ने उत्तर दिया: "हे प्रख्यात मेनेलाउस, तुम्हारे सभी शब्द न्यायसंगत और सत्य हैं; इसलिए भीड़ के बीच से, तुम और मेरियोनेस, जल्दी से उठो, और शव को ले जाओ; जबकि हम दोनों, हृदय से एक और नाम से, हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर लड़ते रहे हैं, हेक्टर और उसके ट्रोजनों को रोके रखेंगे।"
उन्होंने कहा; उन्होंने शव को अपनी बाहों में उठाकर हवा में ऊँचा उठा दिया; फिर पीछे से ट्रोजन जोर से चिल्लाए, जब उन्होंने यूनानियों को अपने मृतकों के साथ पीछे हटते देखा; और वे दौड़ पड़े, जैसे शिकारी युवकों के आगे कुत्ते एक घायल सूअर का पीछा करते हैं; कुछ देर तक वे दौड़ते रहे, खून के लिए बेताब; लेकिन जब, अपनी शक्ति के घमंड में, वह उन पर टूट पड़ा, तो वे पीछे हट गए, मृत्यु के भय से इधर-उधर बिखर गए: इस प्रकार ट्रोजन भीड़ कुछ देर तक आगे बढ़ती रही, तलवारों और दोधारी भालों के वार से; लेकिन जैसे ही अजेस घेराबंदी के लिए मुड़े, उनका रंग पीला पड़ गया, कोई भी इतना साहसी नहीं था कि शव के लिए युद्ध करने के लिए आगे बढ़े। इस प्रकार वे, चिंता से भरे हुए, युद्ध के मैदान से अपने मृतकों को जहाजों की ओर ले गए; लेकिन उनके पीछे, युद्ध का भयंकर तूफान उमड़ पड़ा, जैसे अचानक आग किसी घनी आबादी वाले शहर को अपनी चपेट में ले लेती है और घर-घर को अपनी चकाचौंध और आग की लपटों में जला देती है, जबकि तेज हवा के सामने लपटें गरजती हैं; यूनानियों के पीछे हटने पर घोड़ों और सशस्त्र पुरुषों की

खड़खड़ाहट ने इतनी ही भयंकर रूप से दबाव डाला। लेकिन जैसे खच्चर, अपनी अटूट शक्ति से, पहाड़ों से नीचे निर्जन रेगिस्तान में किसी विशाल लट्ठे या लकड़ी को घसीटते हुए ले जाते हैं। जहाज;
और परिश्रम और पसीने से थके हुए, अभी भी श्रम करते हैं
अडिग; इस प्रकार यूनानियों ने धैर्यपूर्वक परिश्रम किया
अपने मृतकों को ढोया; उनके पीछे अजेस ने युद्ध को रोक दिया, जैसे बाढ़ की शक्ति को रोकती है
कोई जंगली चट्टान, मैदान पर दूर तक फैली हुई;
शक्तिशाली नदी की तेज़ धारा को रोकते हुए,
और उसे मैदान पर फेंक देते हुए,
स्वयं बाढ़ की शक्ति से अविचलित:
इस प्रकार दृढ़ता से, पीछे से, अजेस ने रोका
ट्रोजन सेना; फिर भी वे आगे बढ़ते रहे, और अपने साथियों के बीच गर्व से आगे बढ़ते रहे, दो सरदार, ऐनेस, बूढ़े एंचीसेस का पुत्र, और गौरवशाली हेक्टर, सबसे आगे दिखाई दिए। फिर, जैसे सारस या कौवों का झुंड चीखता हुआ उड़ जाता है, जब वे बाज को आते देखते हैं, छोटे पक्षियों के लिए मृत्यु का संदेशवाहक; वैसे ही हेक्टर और ऐनेस के भागने से पहले, चीखते हुए, अपनी युद्ध प्रसिद्धि को भूलकर, ग्रीस के पुत्र भाग गए। और इधर-उधर बिखरे पड़े थे
खाई के चारों ओर अच्छे हथियारों का भंडार पड़ा था,
यूनानियों द्वारा अपनी जल्दबाजी में भागते समय छोड़ दिया गया था।
फिर भी, बिना रुके, युद्ध जारी था।

# तर्क।

**अकिलीज़ का शोक, और वल्कन द्वारा उसके लिए बनाया गया नया कवच।**

एंटिलोकस द्वारा अकिलीज़ को पेट्रोक्लस की मृत्यु का समाचार मिलता है। थेतिस उसका विलाप सुनकर अपनी सभी अप्सराओं के साथ उसे सांत्वना देने आती है। इस अवसर पर माता-पुत्र के भाषणों का वर्णन है। जूनो के आदेश पर आइरिस अकिलीज़ के सामने प्रकट होती है और उसे किलेबंदी के अग्रभाग पर प्रकट होने का आदेश

देती है। उसके प्रकट होने से उस दिन का भाग्य बदल जाता है और यूनानियों द्वारा पेट्रोक्लस का शव ले जाया जाता है। ट्रोजन एक सभा बुलाते हैं, जहाँ हेक्टर और पोलिडामस के विचारों में मतभेद होता है; लेकिन हेक्टर की सलाह मानी जाती है कि युद्धक्षेत्र में ही डेरा डाले रहें। पेट्रोक्लस के शव पर अकिलीज़ का शोक।
थेतिस अपने बेटे के लिए नए शस्त्र प्राप्त करने के लिए वल्कन के महल में जाती है। वल्कन के अद्भुत कार्यों का वर्णन; और अंत में, अकिलीज़ की ढाल का वह उत्कृष्ट वर्णन।
उन्नीसवें दिन का उत्तरार्ध और उसके बाद की रात इस पुस्तक का विषय है। दृश्य समुद्र तट पर स्थित अकिलीज़ के तंबू से शुरू होता है, जहाँ से यह वल्कन के महल में स्थानांतरित हो जाता है।

# पुस्तक 18वीं।

इस प्रकार, आग के प्रकोप के समान उग्र होकर, वे लड़े। इस बीच एंटिलोकस ने पेलेउस के पुत्र को, तेज कदमों से संदेशवाहक बनकर, अपनी खबर दी। ऊँची चोंच वाले जहाजों के पास उसने उसे पाया, उसका मन घटना की आशंका से चिंतित विचारों से भरा हुआ था, और इस प्रकार उसने अपने शक्तिशाली हृदय से संवाद किया:

हाय! इसका क्या मतलब है कि लंबे बालों वाले यूनानी, मैदान से खदेड़े जाने के बाद, जहाजों के चारों ओर जमा हो रहे हैं? हे देवताओं, मुझे अब वह दुःख न सहने दो जो मेरी माँ ने एक बार भविष्यवाणी की थी कि मैं जीवित रहूँगा और मर्मिडों के सबसे बहादुर को देखूँगा, जिसे ट्रोजन ने दिन के उजाले से काट दिया है। मेनोएटियस का महान पुत्र निश्चित रूप से गिर गया है; मूर्खतापूर्ण! फिर भी मैंने उसे चेतावनी दी थी और विनती की थी कि जैसे ही जहाज शत्रुतापूर्ण आग से सुरक्षित हो जाएँ, वापस लौट जाएँ, और हेक्टर के आक्रमण से बचें। मिलें।"

जब वह अपने मन और आत्मा में इस प्रकार विचार कर रहा था, तभी उसके बगल में महान नेस्टर का पुत्र खड़ा था, और रोते हुए उसने अपना शोक संदेश इस प्रकार दिया:

हाय! पेलेउस के महान पुत्र, दुखद समाचार, जो मैं स्वर्ग को भी न देना चाहता, मैं तुम्हें यह खबर दे रहा हूँ; पैट्रोक्लस मृत्यु को प्राप्त है; और अब उसके शरीर पर युद्ध छिड़ा हुआ है; उसका नग्न शरीर, क्योंकि उसकी भुजाएँ अब चमकते हेलमेट वाले हेक्टर की लूट का शिकार हैं।

उसने कहा; और शोक के सबसे काले बादल अकिलीज़ के माथे पर छा गए; उसने अपने दोनों हाथों से उसे पकड़ा और उसके सिर पर मैली धूल उड़ेल दी, जिससे उसका सुंदर चेहरा विकृत हो गया; और राख से उसके सभी कीमती वस्त्र दूषित हो गए। धूल में उसका विशाल शरीर पड़ा था, जैसे ही उसने अपने हाथों से अपने लहराते बालों को नोचा; महिलाओं का विलाप ज़ोर से गूंज रहा था, जो अकिलीज़ और पेट्रोक्लस की युद्ध की जीत थीं, जैसे ही वे अकिलीज़ के चारों ओर दरवाज़े से बाहर निकलीं, अपने सीने पीटते हुए, लड़खड़ाते अंगों से धक्का दिया। उसके बगल में आँसू बहाता हुआ एंटिलोकस खड़ा था, और उसने अपने अकिलीज़ का हाथ पकड़ रखा

था, मन ही मन कराहते हुए, इस डर से कि कहीं दुःख
उसे अपनी ही छाती में अपनी तलवार म्यान में रखनी चाहिए।
उसकी कराहें तेज़ थीं; उसकी देवी-माता ने सुना,
अपने बूढ़े पिता के पास जहाँ वह बैठी थी,
गहरे समुद्र की गुफाओं में; उसने सुना और रोई:
सभी नेरीड्स, जो समुद्र की गहराइयों में निवास करती हैं,
उसे चारों ओर से घेर लिया; साइमोडोसे, [5]
नेसाई, स्पियो और साइमोथो,
हिरण जैसी आँखों वाली हेलिया और एम्फिथो,
एक्टेया, लिम्नोरिया, मेलिटे,
डोरिस और गैलाटिया, पैनोप;
वहाँ ओरिथिया और क्लीमेन भी थीं,
और सुनहरे बालों वाली अमाथिया,
और समुद्र की गहराइयों के सभी निवासी।
काँच जैसी गुफा भर गई थी; एक साथ
उन्होंने अपनी छाती पीटी, जैसे थेतिस विलाप का नेतृत्व कर रही थी:
"मेरी सभी बहनों, ध्यान से सुनो और जानो कि मेरे हृदय में कितना गहरा दुःख है। मैं कितनी दुखी हूँ! मैं, सबसे श्रेष्ठ पुत्र की माँ! सबसे अभागी माँ! मैं, जिसने जन्म दिया, मेरे बहादुर, मेरे सुंदर, वीरों के सरदार! वह एक जवान पेड़ की तरह फला-फूला: मैंने उसकी देखभाल की, एक समृद्ध अंगूर के बाग में सबसे उत्तम पौधे की तरह; जब तक कि मैंने उसे चोंचदार जहाजों में ट्रॉय के साथ युद्ध के लिए नहीं भेज दिया; मैं उसे कभी नहीं देख पाऊँगी, घर लौटते हुए, बूढ़े पेलियस के घर में। जब तक वह जीवित है, और प्रकाश देख रहा है।" दिन भर वह दुःख में डूबा रहता है; और मेरी उपस्थिति उसके दुःख को कम नहीं कर सकती; फिर भी मैं जाऊँगी, ताकि मैं अपने प्रियतम बच्चे को देख सकूँ और जान सकूँ कि युद्ध से लौटने के बाद उसे किस दुःख ने घेर लिया है।
उसने कहा और गुफा से निकल गई; वे उसके साथ रोते हुए चले गए; उनके सामने समुद्र की लहरें अलग हो गईं। लेकिन जब वे ट्रॉय के उपजाऊ तट पर पहुँचे, तो वे

उचित क्रम में समुद्र तट पर उतरे, जहाँ तेज़ कदमों वाले अकिलीज़ के चारों ओर मर्मिडोंस के जहाज़ अक्सर लंगर डाले खड़े थे। वहाँ, जब वह ज़ोर से कराह रहा था, तो उसके पास उसकी देवी-माता खड़ी थी; रोते हुए, उसने अपने हाथों में उसका सिर थाम रखा था, और दया से इस प्रकार बोली:
"मेरे पुत्र, तुम क्यों रो रहे हो? और तुम्हारे दुःख का कारण क्या है? खुलकर बोलो, कुछ भी मत छुपाओ; क्योंकि तुमने जो प्रार्थना हाथ उठाकर बृहस्पति से की थी, उसने उसे पूरा किया है, ताकि पराजित यूनानी अपने जहाजों की ओर भागते हुए यह महसूस करें कि उन्हें तुम्हारी सहायता की कितनी आवश्यकता है, और वे अपने पिछले अपमान पर शोक मनाएं।"
जिस पर अकिलीज़ ने गहरी पीड़ा से कराहते हुए कहा: "माँ, यह सब तो ज़्यूस ने पूरा किया है; फिर भी इसका क्या लाभ, क्योंकि मेरा सबसे प्रिय मित्र पैट्रोक्लस मारा गया है? जिसे मैंने अपने सभी साथियों में सबसे अधिक सम्मान दिया, उसे अपनी आत्मा के समान प्यार किया। मैंने उसे खो दिया है: और हेक्टर ने उसके शव से उन भारी, सुंदर भुजाओं को छीन लिया है, जो देखने में अद्भुत थीं, जिन्हें देवताओं से पेलियस ने एक गौरवशाली उपहार के रूप में प्राप्त किया था, उस दिन जब उन्होंने तुझे एक नश्वर के हवाले किया था।" बिस्तर। कितना अच्छा होता, अगर तुम्हारा भाग्य सागर के देवताओं के बीच निवास करना होता, और पेलियस ने किसी नश्वर दुल्हन से विवाह किया होता! अब तुम्हारे लिए घोर दुःख इंतज़ार कर रहा है, अपने पुत्र के शोक में; जिसे तुम अपने घर लौट आए हो, तुम उसे फिर कभी नहीं देख पाओगे; और न ही मैं जीना और अपने साथियों के बीच घूमना चाहता हूँ, जब तक कि हेक्टर, मेरे भाले से पराजित होकर, अपना बलिदान न दे दे और पेट्रोक्लस के साथ किए गए घोर अपमान की कीमत न चुका दे।
आँसू बहाते हुए थेतिस ने उससे कहा: "जैसा कि तुम कहते हो, मेरे पुत्र, तुम्हारा समय अल्प है; और हेक्टर का भाग्य तुम्हारे भाग्य से पहले नहीं आएगा।"
अकिलीज़ ने उत्तर देते हुए गहरे शोक में कहा: "काश मैं इसी क्षण मर जाता, जो अपने मारे गए साथी को बचाने में असफल रहा! अपनी जन्मभूमि से दूर, वह मेरी रक्षा की सख्त ज़रूरत में मर गया; और मैं, जो अब कभी अपना घर नहीं देख पाऊंगा, न ही पेट्रोक्लस को, न ही उन अनेक यूनानियों को, जिन्हें हेक्टर के हाथों मार डाला गया;

लेकिन मैं यहाँ आलस्य से बैठा हूँ, ज़मीन पर घिसट रहा हूँ; मैं, जो यूनानियों के बीच लड़ाई में अतुलनीय हूँ; बहस में दूसरों से हार जाता हूँ।" देवताओं और मनुष्यों द्वारा शापित है घृणित कलह और क्रोध, जो संयमी आत्माओं को भी हिंसा के लिए उकसाता है: यद्यपि इसका स्वाद टपकते शहद से भी मीठा होता है, मनुष्य के हृदय में धुएँ की तरह उमड़ता है; ऐसा क्रोध मेरी आत्मा में मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन ने प्रज्वलित किया है। परन्तु हम इसे छोड़ दें; यद्यपि मेरा हृदय अभी भी दुखी है, फिर भी मैं अपने क्रोधित मन को शांत करूँगा। अब मैं हेक्टर की खोज में जाता हूँ, जिसने मेरे मित्र को मार डाला; अपनी मृत्यु का सामना करने के लिए तैयार, जब बृहस्पति चाहेगा, और... सभी अमर हैं। मृत्यु से हरक्यूलिस की शक्ति भी नहीं बच सकी, हालांकि वह शनि के पुत्र का प्रिय था, भाग्य और जूनो के कठोर क्रोध से वश में हो गया। मैं भी, क्योंकि यही मेरा भाग्य है, मृत्यु में लेटना होगा; फिर भी, मरने से पहले, अमर प्रसिद्धि प्राप्त करूँगा; और डार्डन और ट्रोजन की कोमल गालों से, गहरे सीने वाली स्त्रियाँ, कड़वे आँसू पोंछेंगी, और पीड़ा में कराहेंगी; तब सभी को पता चलेगा कि मैं कितने समय से युद्धक्षेत्र से अनुपस्थित रहा हूँ; तब, यद्यपि तुम मुझसे प्रेम करते हो, मुझे ढूँढ़ो। युद्ध से नहीं
मेरे कदमों को रोकने के लिए; क्योंकि तेरे वचन व्यर्थ थे।"
चांदी के पैरों वाली रानी ने इस प्रकार उत्तर दिया: "मेरे पुत्र, तुम्हारे शब्द सत्य हैं; और यह अच्छा है, और प्रशंसनीय है, मृत्यु के प्रहार से एक वीर साथी को बचाना; लेकिन तुम्हारे हथियार, तुम्हारे पीतल के, चमकते हथियार, ट्रोजन के पास हैं: उन्हें चमकते हेलमेट वाले हेक्टर स्वयं अपने सीने पर गर्व से धारण किए हुए हैं; फिर भी उसकी विजय अधिक समय तक नहीं रहेगी, क्योंकि उसका अंत निकट है। लेकिन तुम युद्ध के परिश्रम में तब तक संलग्न मत होना, जब तक तुम्हारी आँखें मुझे यहाँ फिर से न देख लें; क्योंकि मैं कल के सूरज में लौटूँगा, आकाशीय साँचे की भुजाओं के साथ, जिन्हें वल्कन ने गढ़ा है।
ऐसा कहकर वह अपने बेटे से मुँह मोड़कर, अपनी बहन नेरीड्स की ओर मुड़ी और बोली, "गहरे सागर की विशाल गोद में लौट आओ; और मेरे पिता के घर, हे वृद्ध सागर देवता, अपना संदेश लेकर जाओ; जबकि मैं ओलंपस की ओर चलूँगी, ताकि कुशल शिल्पकार वल्कन से अपने बेटे के लिए एक चमकदार कवच का वरदान माँग सकूँ।"

उसने कहा; और वे समुद्र की लहरों के नीचे उतरे, जबकि चांदी के पैरों वाली देवी, आशा में अपने बेटे के लिए चमकदार कवच ले जाने के लिए, ऊंचे ओलंपस की ओर दौड़ी। इस बीच यूनानी योद्धा-हत्यारे हेक्टर के सामने भाग गए, भयंकर शोर मचाते हुए, जब तक कि वे अपने जहाजों और हेलेस्पोंट के किनारे तक नहीं पहुँच गए। अच्छी तरह से कवचधारी यूनानियों ने अकिलीज़ के मित्र, पेट्रोक्लस को भी लड़ाई के बीच से नहीं हटाया था; क्योंकि उसके पीछे घोड़े और सैनिक, प्रियम का पुत्र हेक्टर, ज्वाला के समान भयंकर रूप से पीछा कर रहे थे; तीन गुना महान हेक्टर ने पीछे से पकड़कर, मृतकों को पैरों से घसीटकर ले जाने की कोशिश की, अपने दोस्तों का उत्साहवर्धन करते हुए। तीन बार, युद्ध जैसी शक्ति से सुसज्जित होकर, दोनों अजैस ने उसे उसके शिकार से खदेड़ दिया। फिर भी, अपनी शक्ति में निडर होकर, अब आगे बढ़ते हुए, वह युद्ध के बीच में घुस गया; अब, जोर से चिल्लाते हुए, वह दृढ़ खड़ा रहा; लेकिन एक कदम भी पीछे नहीं हटा। जैसे चरवाहे एक शव से भूखे-प्यासे भूरे शेर को डराने की व्यर्थ कोशिश करते हैं; वैसे ही कवचधारी योद्धा अजेस भी प्रियम के पुत्र को शव से डराने में असफल रहे। और अब वह शरीर को अनंत प्रसिद्धि के साथ ले गया; लेकिन ओलंपस की ऊँचाई से तेज-तर्रार आइरिस पेलियस के पुत्र के पास आई और उसे अपने शस्त्र धारण करने को कहा। जूनो द्वारा भेजा गया, बृहस्पति और सभी अमर देवताओं से अनजान। वह उसके बगल में खड़ी हुई और उससे इस प्रकार बोली:

"उठो, पेलेउस के पुत्र! उठो, हे मनुष्यों के राजकुमार! पैट्रोक्लस को बचाने के लिए जल्दी करो; जिसके चारों ओर, जहाजों के सामने, एक भयंकर युद्ध छिड़ा हुआ है, आपसी नरसंहार के साथ; ये मृतकों की रक्षा कर रहे हैं, और वे इलियम की हवादार ऊंचाइयों पर शव ले जाने के लिए उत्सुक हैं; महान हेक्टर प्रमुख, जो कोमल गर्दन से अलग करने के लिए तरस रहा है, और अपने साथी का सिर कीलों पर टांगने के लिए। तो उठो! अब और देर मत करो; इसे शर्म की बात समझो कि पैट्रोक्लस का शव ट्रॉय के कुत्तों को खिलाया जाए, अपमान करते हुए।" यदि किसी भी बात से उसका अपमान होता है तो वह तुम्हें दंडित करेगा।

इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "हे स्वर्गिक आइरिस, अमर देवताओं में से किसने तुम्हें मुझे खोजने और यह संदेश लाने का आदेश दिया?"

तेज गति से चलने वाली आइरिस ने इस प्रकार कहा: "मैं तुम्हारे पास आती हूँ, जुनो द्वारा भेजी गई, बृहस्पति की शाही पत्नी; शनि के पुत्र और उन सभी देवताओं से अनजान, जो ओलंपस के बर्फीले शिखर पर निवास करते हैं।"
फिर से, तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने कहा: "मैं युद्ध में कैसे भाग ले सकता हूँ? मेरे हथियार ट्रोजन के साथ हैं; और तो और, मेरी माँ ने मुझे चेतावनी दी थी कि मैं युद्ध के लिए हथियार न उठाऊँ, जब तक मैं उससे दोबारा न मिल लूँ; क्योंकि वह आशा करती थी कि वह मुझे वल्कन द्वारा निर्मित दिव्य हथियार लाएगी: और मुझे यह भी ठीक से नहीं पता कि मैं किसका कवच पहन सकता हूँ, सिवाय एजैक्स टेलमोन की विशाल ढाल के। और मुझे लगता है कि वह अभी भी सबसे आगे की पंक्तियों में पैट्रोक्लस के शव पर लड़ रहा है।"
तूफ़ान जैसी तेज़ आइरिस ने उत्तर दिया: "हम भली-भांति जानते हैं कि तुम्हारे गौरवशाली शस्त्र ट्रोजनों के हाथों में हैं; परन्तु तुम आगे बढ़ो, और खाई के ऊपर से उनके सामने प्रकट हो; तुम्हें देखकर भयभीत होकर, शायद ट्रोजन युद्धक्षेत्र छोड़ दें, और परिश्रम से थके हुए यूनानियों को विश्राम का समय दें; क्योंकि अभी तक उन्हें बहुत कम विश्राम मिला है।"
तेज आइरिस ने कहा और गायब हो गई; फिर बृहस्पति के प्रिय अकिलीज़ उठे; और पल्लास ने अपना झालरदार कवच उसके चौड़े कंधों पर डाल दिया; उसके सिर को सुनहरे बादल के मुकुट से घेर लिया, जिससे आग की लपटें चमक रही थीं। मानो किसी द्वीप शहर से स्वर्ग तक धुआँ उठता है, जिसे शत्रु सेनाएँ घेर लेती हैं और पूरे दिन क्रूर युद्ध से उसकी अपनी स्थिति से काट देती हैं; लेकिन जब सूरज डूब जाता है, तो मशालें बार-बार जल उठती हैं; लपटें ऊंची उठती हैं, और आसपास रहने वालों के लिए उनकी संकेत चमकती हैं, अगर संयोग से समुद्र के पार से कोई आवश्यक सहायता आ सके; इस प्रकार चमकीली रोशनी अकिलीज़ के सिर के चारों ओर चमकी। वह दीवार छोड़कर खाई के ऊपर खड़ा हो गया, लेकिन यूनानियों से अलग, अपनी माँ की समझदारी भरी सलाह को अच्छी तरह याद रखते हुए; वह वहाँ खड़ा रहा, और ज़ोर से चिल्लाया; पलास ने अपनी आवाज़ मिलाई, और सारे ट्रोजन सैनिकों में दहशत भर दी। तुरही की आवाज़ की तरह स्पष्ट, जो युद्ध के लिए बुलाती है। किसी शहर में, शत्रुतापूर्ण टोलियों से घिरे होने पर, महान एकाइड्स की आवाज़ गूंजी।

लेकिन जब उन्होंने एकिलीज़ की पीतल जैसी आवाज़ सुनी, तो वे डर से कांप उठे। चिकनी चमड़ी वाले घोड़े स्वयं, आने वाले बुरे समय से अवगत होकर, रथों को वापस ले गए: उनके रथचालकों ने भयभीत होकर उस ज्वाला को देखा जो नीली आँखों वाली देवी द्वारा प्रज्वलित होकर, पेलेउस के पुत्र के सिर के चारों ओर बुझती नहीं थी। खाई से देवतुल्य सरदार ने तीन बार पुकारा; तीन बार ट्रोजन और उनके सहयोगी दोनों भयभीत हो गए; और वहीं उनके रथों के पास उनके बारह सबसे बहादुर सैनिक गिर पड़े; जबकि यूनानी, बेहद प्रसन्न होकर, पैट्रोक्लस के शरीर को युद्धक्षेत्र से वापस ले गए, और एक पालकी पर लिटा दिया; उसके चारों ओर उसके साथी शोक मना रहे थे; उनके साथ, पेलियस का पुत्र, अपने मित्र को देखते हुए गर्म आँसू बहा रहा था, जिसे अर्थी पर लिटाया गया था, और घातक घावों से भेदा गया था: उसने उसे घोड़ों और रथों के साथ युद्ध में भेजा; लेकिन उसके लौटने का कभी स्वागत नहीं किया।
हिरण जैसी आँखों वाली जूनो द्वारा भेजा गया, अनिच्छा से डूब गया
अथक सूर्य सागर की लहरों के नीचे;
सूर्य अस्त हो गया था, और यूनानियों ने कुछ देर के लिए राहत की सांस ली
संतुलित मैदान के भयंकर परिश्रम से;
और न ही ट्रोजन ने, जिद्दी लड़ाई से,
पीछे हटते हुए, रथों से अपने घोड़ों को छोड़ दिया:
लेकिन इससे पहले कि वे शाम का भोजन साझा करते, वे मिले
परिषद में; सभी खड़े हो गए; कोई भी बैठने की हिम्मत नहीं कर रहा था; क्योंकि सब पर भय छा गया था, तभी अकिलीज़, जो लंबे समय से युद्ध से लौट आया था, फिर प्रकट हुआ। पैंथस के पहले पुत्र, ऋषि पॉलीडामस ने सभा को संबोधित किया; उनके बुद्धिमान मन ने अकेले ही भविष्य और अतीत को देखा; हेक्टर का मित्र, जो उसी रात पैदा हुआ था; एक वाद-विवाद में, दूसरा शस्त्र-यंत्र में; जिसने इस प्रकार विवेकपूर्ण भाषण से शुरुआत की और कहा:
मेरे मित्रों, अच्छी तरह से सलाह लें! मेरी सलाह यही है कि हम शहर को पुनः प्राप्त कर लें, न कि यहाँ मैदान में, जहाजों के पास, हमारी रक्षा दीवारों से इतनी दूर, सुबह का इंतज़ार करें। जब मैं एट्रीयस के देवतुल्य पुत्र के विरुद्ध भयंकर रूप से जल रहा था, उस शक्तिशाली योद्धा के क्रोध से, अन्य यूनानियों से निपटना कहीं अधिक

आसान था; और मुझे खुशी हुई जब हमने जहाजों के पास रात बिताई, इस उम्मीद में कि हम जल्द ही उन्हें अपना कह सकेंगे; लेकिन अब, मैं स्वीकार करता हूँ, तेज कदमों वाला अकिलीज़ मुझे भयभीत करता है। उसका अभिमानी, उग्र स्वभाव मैदान को ठुकरा देगा, जहाँ यूनानी और ट्रोजन अक्सर युद्ध में अपनी संतुलित शक्ति का प्रदर्शन करते थे; यदि वह प्रकट हुआ, तो हमारा संघर्ष अपने घरों और पत्नियों की रक्षा करना होगा। हम शहर पर विजय प्राप्त करेंगे; मेरा विश्वास करो, यही सर्वोत्तम होगा। अब, कुछ समय के लिए, अमृतमय रात पेलियस के पुत्र को रोके हुए है; लेकिन भोर होते ही, यदि वह हथियारों से लैस होकर हमें यहाँ पाता है, तो हम उसकी वीरता को जान लेंगे; और वह धन्य होगा जो भागकर सुरक्षित रूप से पवित्र दीवारों तक पहुँच जाएगा। ट्रॉय; क्योंकि कई ट्रोजन मारे गए हैं
गिद्धों का भोजन बनेंगे; हे ईश्वर, ऐसे भाग्य को टालो!
परन्तु यदि, यद्यपि अनिच्छुक हो, तुम मेरे द्वारा शासित होना चाहते हो,
तो आज रात हम परिषद में अपनी शक्ति का संचय करेंगे;
जबकि मीनारें, ऊँचे द्वार और तह करने वाले दरवाजे
कसकर जुड़े हुए, अच्छी तरह से फिट होकर, हमारे शहर की रक्षा करेंगे:
फिर सुबह तड़के हथियारों के साथ निकलकर
हम मीनारों पर सवार होंगे; उसका कार्य इतना कठिन होगा
यदि, आगे बढ़ते जहाजों से, दीवार के चारों ओर
वह युद्ध की पेशकश करे; व्यर्थ ही लौटना होगा,
उसका व्यर्थ परिश्रम से थके हुए, मजबूत गर्दन वाले घोड़े शहर के चारों ओर व्यर्थ ही इधर-उधर भटक रहे हैं। शहर में जबरन प्रवेश करना या उसे नष्ट करना उसका उद्देश्य नहीं है; और इससे पहले कि वह लक्ष्य प्राप्त हो, ट्रॉय के कुत्ते उसका मांस खा जाएंगे।
जिस पर चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने कठोर दृष्टि से कहा: "पॉलिडामास, तुम्हारे शब्द मेरे कानों को चुभते हैं, तुम हमें दीवारों के पीछे हटने के लिए मजबूर कर रहे हो। क्या? क्या तुम पहले से ही काफी समय से मीनारों के भीतर बंद नहीं रहे हो? ट्रॉय का धन, उसका पीतल, उसका सोना, कभी हर किसी की जुबान पर चर्चा का विषय हुआ करता था; अब हमारे संचित खजाने फ्रिगियन और मेओनियन तटों पर निर्यात

किए गए महंगे माल के रूप में चले गए हैं, क्योंकि हमारे शहर पर विपत्ति आई थी।"
बृहस्पति।
और अब, जब गहरे इरादे वाले शनि के पुत्र
मुझे ऐसा गौरव प्राप्त होता है कि मैं जहाजों पर कब्जा कर लेता हूँ,
और, समुद्र से घिरे हुए, यूनानियों को घेर लेता हूँ,
मूर्ख! तू ये कायरतापूर्ण सलाहें मत दो,
जिनका कोई पालन नहीं करेगा, और न ही मैं इसकी अनुमति दूँगा।
परन्तु तुम सब सुनो, और जैसा मैं सलाह देता हूँ वैसा करो:
अब भोजन को, पंक्तियों के अनुसार, पूरी सेना में बाँट लो;
फिर अपनी-अपनी निगरानी रखो, और प्रत्येक सावधानीपूर्वक पहरा दे;
और जिसे उसका लूट का माल अधिक हो, यदि ऐसा कोई हो,
तो उसे उसे सेना के साथ बाँटने दो। भीड़;
बेहतर है कि वे उन्हें यूनानियों से अधिक अपने पास रखें:
और सुबह के साथ, हथियारों से लैस होकर, जहाजों के पास,
हम फिर से भयंकर युद्ध को जगाएंगे।
लेकिन अगर वास्तव में अकिलीज़ जहाजों के पास फिर से प्रकट हुआ है, तो वह स्वयं, यदि वह चाहे,
पीड़ित होगा; मैं इस खतरनाक संघर्ष से पीछे नहीं हटूंगा, बल्कि उसका सामना करूंगा:
इस प्रकार वह, या मैं, अमर प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे;
निष्पक्ष मंगल ने अक्सर हत्यारे को मारा है।"
इस प्रकार हेक्टर बोला; ट्रोजन जोर से जयजयकार करने लगे:
मूर्ख, और पल्लास द्वारा अपनी बुद्धि खो बैठे,
जिन्होंने हेक्टर की बुरी सलाह की सराहना की,
किसी ने भी पोलिडामस की बुद्धिमानी भरी सलाह नहीं मानी!
फिर उन्होंने शिविर में शाम का भोजन साझा किया।
इस बीच, यूनानी लोग रात भर आँसू और कराहों के साथ पैट्रोक्लस के लिए विलाप करते रहे: उसके साथी की छाती पर अकिलीज़ ने अपने हत्यारे हाथ रखे, और कड़वी

कराहों के साथ ज़ोरदार विलाप का नेतृत्व किया। जैसे जब शिकारी जंगल की गहराई में, दाढ़ी वाले शेर से उसके शावकों को छीन लेते हैं; देर से पहुँचकर, वह क्रोध से भर जाता है; फिर पीछा करता है, मानो संयोग से उसे पकड़ सके, कई पहाड़ी घाटियों से होते हुए, दुख और रोष से भरे हुए; अतः पेलेउस के पुत्र,
कड़वी आहों के साथ, मर्मिडों ने संबोधित किया:
"अफ़सोस! मेरा वो वादा व्यर्थ गया, जो मैंने दिया था, बहादुर मेनोएटियस को सांत्वना देने के लिए, उसके वीर पुत्र को ओपस के पास वापस लाने के लिए, जो ट्रॉय के परास्त माल से समृद्ध था; परन्तु बृहस्पति मनुष्य की हर इच्छा पूरी नहीं करता: भाग्य ने हमारे लिए यही तय किया है कि यहीं ट्रॉय में हम दोनों एक ही मिट्टी को अपने खून से लाल करें; न तो मैं, अपनी जन्मभूमि लौटकर, बूढ़े पेलियस द्वारा अपने महलों में स्वागत किया जा सकेगा, न ही थेतिस द्वारा; यहीं धरती मेरी हड्डियों को समेटे रखेगी। परन्तु हे पैट्रोक्लस, मैं तो यहीं रहने के लिए अभिशप्त हूँ।" पृथ्वी, तेरे पीछे रहने के लिए, मैं तेरे अंतिम संस्कार तब तक नहीं मनाऊँगा, जब तक हेक्टर के हथियार, और तेरे अभिमानी हत्यारे का सिर, मैं यहाँ न ला दूँ; और तेरी चिता पर ट्रॉय के बारह महान पुत्र, तेरी मृत्यु का बदला लेने के लिए बलिदान देंगे। तब तक तुझे हमारे नुकीले जहाजों के पास पड़ा रहना होगा; और तेरे ऊपर गहरे हृदय वाली स्त्रियाँ, ट्रोजन और डार्डन, रात-दिन शोक मनाएँगी; हमारे परिश्रम के पुरस्कार, जब धनी नगर, हमारे शौर्य और हमारे भालों के सामने गिर गया।"
उसने कहा, और आग पर अपने साथियों को आदेश दिया: "बिना देरी किए एक बड़ा तिपाई लगाओ, पैट्रोक्लस को खून से लथपथ साफ करने के लिए।" उन्होंने जलती हुई आग पर तिपाई रखी, पानी से भर दी, और नीचे लकड़ी जला दी। फूलती हुई तिपाई के चारों ओर लपटें उठने लगीं, जिससे स्नानघर गर्म हो गया। चमकते पीतल के भीतर, जैसे ही पानी उबल गया, उन्होंने शव को धोया, कोमल तेलों से लेप किया, और घावों को सुगंधित मलहमों से भर दिया, जो नौ वर्ष का था; फिर उन्होंने शरीर को महीन लिनेन में लपेटा, सिर से पैर तक, और उसे पलंग पर लिटा दिया, और एक सुंदर सफेद चादर से ढक दिया। पूरी रात तेज कदमों वाले अकिलीज़ के चारों ओर, मर्मिडों ने आँसुओं के साथ पैट्रोक्लस का शोक मनाया।

फिर जूनो, उसकी बहन और उसकी पत्नी को, शनि के पुत्र ने कहा: "अंततः तुम्हारी इच्छा पूरी हुई, हे सम्राट जूनो, जिसने युद्ध के लिए प्रेरित किया, तेज कदमों वाले अकिलीज़; यह मानना उचित होगा कि इन लंबे बालों वाले यूनानियों का जन्म तुमसे हुआ है।"
हिरण जैसी आँखों वाली रानी ने उत्तर देते हुए कहा: "हे शनि के भयानक पुत्र, तुम क्या कह रहे हो? मनुष्य, यद्यपि नश्वर और बुद्धि में हमसे बहुत ही हीन है, फिर भी अपने साथी मनुष्य के विरुद्ध इतना प्रभाव डाल सकता है; तो मैं, देवियों की प्रधान होने के नाते, प्रथम अपने जन्म से और द्वितीय इसलिए कि मैं तुम्हारी पत्नी हूँ, समस्त देवताओं में सर्वोच्च होने का दावा करती हूँ, तो मैं ट्रोजन वंश पर अपना प्रतिशोध क्यों न लूँ?"
जब वे वल्कन के घर पर बातचीत कर रहे थे, तब वे वहाँ पहुँचे, जहाँ अमर, तारों की तरह चमकीला, देवताओं में सबसे उत्तम, पीतल का बना, स्वयं वल्कन द्वारा निर्मित, चांदी के पैरों वाली रानी तेज़ी से आगे बढ़ी। उसने उसे अपनी भट्टी में पसीना बहाते हुए पाया, जो बीस तिपाई बनाने में लगा हुआ था, जो उसके सुगठित घर की दीवार के चारों ओर खड़ी होनी थीं; उसने प्रत्येक तिपाई के नीचे सोने के पहिए लगाए, और देवताओं की सभा को सहज गति से चलने और वापस लौटने की शक्ति प्रदान की, जो देखने में अद्भुत थी! अब तक उनका काम पूरा हो चुका था; लेकिन अभी तक उन्होंने कीमती नक्काशी वाले हैंडल नहीं लगाए थे; अब उनका श्रम उन्हें फिट करने और कील ठोकने में लगा था। जब वे इस प्रकार अपने कुशल कौशल का प्रदर्शन कर रहे थे, तभी चांदी के पैरों वाली रानी घर के पास आईं। कुशल कलाकार की विवाहित पत्नी, चारिस ने उन्हें आते देखा और उनसे मिलने के लिए आगे बढ़ी; और जैसे ही उन्होंने उनका हाथ थामा, उन्होंने उनसे इस प्रकार कहा:
"हे बहते हुए वस्त्रों वाली थेतिस, प्रिय और सम्मानित, हमारे घर में यह अप्रत्याशित अतिथि क्यों आई हो? कृपया अंदर आओ, ताकि मैं तुम्हारा उचित सम्मान के साथ स्वागत कर सकूँ।"
इस प्रकार, जब वह बोल रही थी, देवी उसे अंदर ले गईं, और चांदी के जड़े हुए आसन पर, सुंदर और अलंकृत, उसके पैरों के पास एक पायदान रखकर, उन्होंने उसे बैठने को कहा; फिर वल्कन को इस प्रकार पुकारा: "जल्दी इधर आओ, वल्कन; थेतिस तुम्हारी सहायता मांग रही है।"

इस पर कुशल कारीगर ने उत्तर दिया: "हमारे घर में एक सम्मानित और पूजनीय अतिथि हैं; जिन्होंने मुझे एक बार विपत्ति से बचाया था, जब मेरी माँ के कारण मैं स्वर्ग से गिर गया था, और जिन्होंने मेरे अपंग होने के कारण मुझे छुपाने में कोई शर्म नहीं समझी: मेरा भाग्य कितना कठिन होता, यदि यूरिनोम और थेतिस ने मुझे अपनी गोद में न लिया होता; यूरिनोम, जिसने प्राचीन ओशनस से जन्म लिया था, जो सदा-चक्र में बहने वाली बाढ़ है। मैंने उनके साथ नौ वर्ष बिताए।" मैं निवास करता था, और मैंने वहाँ धातु से कई कलाकृतियाँ बनाईं, जैसे कि कुंडी और जंजीरें, सर्पिल कुंडल, समृद्ध प्याले और सुंदर हार, एक गहरी गुफा में छिपी हुई; जहाँ सागर की धारा निरंतर बड़बड़ाहट के साथ चारों ओर बहती और कराहती थी; ईश्वर या मनुष्य के लिए अज्ञात, केवल उन दो के लिए जिन्होंने मुझे बचाया, थेतिस और यूरिनोम। अब मेरे घर सुनहरे बालों वाली थेतिस आई है; मेरे जीवन को बचाने के लिए वह उसे श्रद्धांजलि अर्पित करती है: तो तुम आतिथ्य सत्कार करो। धौंकनी और मेरे औजार पास ही पड़े थे।

उसने कहा, और निहाई से उसकी विशाल शक्ति सीधी खड़ी हो गई; और जैसे-जैसे वह लंगड़ाता हुआ आगे बढ़ा, उसके लड़खड़ाते घुटने उसके भार के नीचे झुक गए। फिर उसने आग से धौंकनी हटाई, और अपने औजारों को एक चांदी के डिब्बे में रखा; फिर उसने एक स्पंज से अपने माथे और मजबूत भुजाओं को पोंछा, और अपनी मजबूत गर्दन और बालों वाले सीने को भी। उसने अपना वस्त्र पहना और अपनी भारी छड़ी उठाई; फिर लड़खड़ाते कदमों से दरवाजे से अंदर चला गया; वहाँ उनकी सेवा में दासियाँ खड़ी थीं; वे सजीव दासियों के रूप में थीं, लेकिन सोने से बनी थीं; चेतना, वाणी से परिपूर्ण, और स्वर्गीय गुरुओं से प्राप्त शक्ति और कौशल से युक्त, ये सभी कर्तव्यनिष्ठा से सम्राट की सेवा में तत्पर थे, उनके कदमों का सहारा देते हुए; वह लड़खड़ाते कदमों से, थेतिस के पास एक भव्य कुर्सी पर जा बैठा, और उसका हाथ थामते हुए उससे इस प्रकार कहा:

"हे बहते हुए वस्त्रों वाली थेतिस, प्रिय और आदरणीय, हमारे घर में इस यात्रा का कारण क्या है? एक अपरिचित अतिथि? अपनी इच्छा बताओ, और यदि मेरे बस में हो, तो उसे पूरा हुआ समझो।"

जिसके उत्तर में थेतिस रोते हुए बोली: "वल्कन, ऊंचे ओलंपस पर रहने वाली सभी देवियों में से, क्या वहां कोई ऐसी है जिसकी आत्मा ने इतना दुख और इतने दुःख सहे हैं, जितने शनि के पुत्र ने अकेले मुझ पर डाले हैं? मैं, जिसे उसने समुद्र में जन्मी सभी अप्सराओं में से चुना, और एएकस के पुत्र पेलियस को सौंप दिया, जो उसका सेवक था; मैंने नश्वर का बिस्तर सहा, हालांकि मेरी इच्छा के विरुद्ध; अब वह, बुढ़ापे के कारण झुका हुआ, अपने घर में असहाय पड़ा है।" और भी दुख; उसने मुझे एक ऐसे पुत्र को जन्म देने और पालने का वरदान दिया, जो वीरों का मुखिया था; वह एक युवा वृक्ष की तरह फला-फूला; मैंने उसकी देखभाल की, एक समृद्ध अंगूर के बाग में सबसे उत्तम पौधे की तरह: जब तक कि मैंने उसे चोंचदार जहाजों में ट्रॉय के साथ युद्ध के लिए नहीं भेज दिया; मैं उसे कभी भी घर लौटते हुए, बूढ़े पेलियस के घर में नहीं पाऊंगी। जब तक वह जीवित है और दिन का उजाला देखता है, वह दुख में रहता है; और उसके दुख को कम करने के लिए, मेरी उपस्थिति भी काम नहीं आती; एक लड़की, उसका पुरस्कार, जिसे उसके लिए चुना गया था। ग्रीस, महान एगामेम्नन ने उससे छीन लिया: दुःख और क्रोध में उसने अपनी आत्मा को त्याग दिया; फिर ट्रोजनों ने यूनानियों को घेर लिया; उनके जहाजों के पास, और उनके शिविर के भीतर से कोई रास्ता नहीं मिला; तब यूनानी बुजुर्गों ने उसकी सहायता की याचना की, और कीमती उपहारों का वादा किया। उसने अपने हाथों से उन्हें बचाने से इनकार कर दिया; लेकिन, कवच पहने हुए, उसने अपने मित्र पेट्रोक्लस को एक विशाल दल के साथ युद्ध में भेजा। वे सारा दिन स्केन के सामने लड़ते रहे। द्वार;
और उस दिन इलियम नष्ट हो गया था,
लेकिन सबसे आगे, मेनोएटियस का महान पुत्र था।
महान कर्म करने के बाद, अपोलो ने मारा,
और प्रियम के पुत्र हेक्टर को महिमा का ताज पहनाया।
इसलिए मैं तुम्हारे सामने घुटने टेककर विनती करता हूँ,
यदि मेरे पुत्र को, जिसे शीघ्र मृत्यु की निंदा की गई है,
तुम उसे ढाल और हेलमेट का वरदान दोगे,
और चांदी के क्लिप से सुसज्जित उत्तम निर्मित ग्रीव्स,
और सीने का कवच; उसके अपने, उसके वफादार मित्र के लिए,

ट्रोजन के हाथों। पराजित होकर, हार गया; और वह दुःख से व्याकुल होकर धरती पर पड़ा है।
इस पर कुशल कारीगर ने उत्तर दिया: "हिम्मत रखो, और इसे अपने मन को विचलित न करने दो; काश, जब उसका समय आएगा, मैं उसे मृत्यु के प्रहार से बचा सकूँ, ठीक वैसे ही जैसे मैं यह आश्वासन दे सकता हूँ कि उसके हथियार ऐसे होंगे जिन्हें देखकर लोग आश्चर्यचकित रह जाएँगे।"
वह उसे वहीं छोड़कर अपनी भट्टी में लौट गया; फिर उसने धौंकनी को आग की ओर निर्देशित किया और उन्हें काम करने का आदेश दिया; बीस पाइपों से एक साथ
उन्होंने तुरंत अपने विविध स्वभाव वाले विस्फोट बहाए;
कभी उसकी उत्सुकता का तेज़ी से समर्थन करते हुए,
कभी उसकी इच्छा से, और जैसे काम की आवश्यकता होती थी।
कठोर पीतल, टिन, कीमती सोना,
और चांदी को, पहले उसने आग में पिघलाया,
फिर उसके स्टैंड पर अपना भारी निहाई रखा;
और एक हाथ से हथौड़े का भारी वजन
उसने चलाया, जबकि दूसरे हाथ से उसने चिमटा पकड़ा।
और सबसे पहले उसने एक विशाल और मजबूत ढाल बनाई, जिस पर समृद्ध अलंकरण थे; एक तिहरी, चमकदार किनारी से घिरी हुई, जिससे एक चांदी की बेल्ट लटकी हुई थी; ढाल पांच परतों से बनी थी; और इसकी सतह पर कई दुर्लभ डिज़ाइन उकेरे गए थे, जो उसकी कुशल कारीगरी का अद्भुत नमूना थे।
उस पर पृथ्वी, आकाश और समुद्र की आकृतियाँ बनी थीं; सदा परिक्रमा करता सूर्य और पूर्ण चंद्रमा; और वे सभी चिन्ह जो आकाश को सुशोभित करते हैं; प्लीएड्स और हायड्स, और ओरियन की शक्ति; और आर्कटोस, जिसे बैल कहा जाता है, जो ऊँचाई पर चक्कर लगाता है; अपना परिक्रमा मार्ग पूरा करता है और ओरियन की प्रतीक्षा करता है; एकमात्र तारा जो कभी सागर की लहरों में नहीं नहाता।
और वहाँ दो सुंदर, घनी आबादी वाले शहर गढ़े गए थे; एक में विवाह की धूमधाम और उल्लास था। और दुल्हनें, अपने कमरों से जलती हुई मशालें लिए, गलियों से होकर जुलूस में गुजर रही थीं, जबकि विवाह गीत बार-बार गूंज रहा था। युवक बांसुरी

और वीणा की धुन पर आनंदमय नृत्य कर रहे थे; और अपने दरवाजों पर खड़ी महिलाएं इस भव्य दृश्य को निहार रही थीं।
इस बीच, मंच पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी:
वहाँ दो लोगों के बीच एक भयंकर विवाद छिड़ गया,
मृत्युदंड के जुर्माने को लेकर; जनता के समक्ष एक ने अपील की, यह दावा करते हुए कि उसने पूरी राशि का भुगतान कर दिया है;
जबकि दूसरे ने इनकार किया कि उसे कुछ भी प्राप्त हुआ है।
दोनों चाहते थे कि न्यायाधीश के समक्ष इस मामले की सुनवाई हो; शोरगुल के साथ उनके समर्थकों ने एक-दूसरे को प्रोत्साहित किया।
उद्घोषकों ने भीड़ के कोलाहल को शांत किया:
पॉलिश की हुई कुर्सियों पर, एक गंभीर घेरे में, आदरणीय बुजुर्ग बैठे थे; उनके हाथों में बुलंद आवाज वाले दूतों के राजदंड थे; उन्हें लहराते हुए, उन्होंने बारी-बारी से दलीलें सुनीं; बीच में सोने के दो टैलेंट रखे थे, जिन्हें वह ले सकता था जो उनके सामने अपना न्यायसंगत कारण साबित कर दे।
दूसरे शहर के सामने दो सेनाएँ खड़ी थीं, चमकते हथियारों से लैस; हमलावरों ने शहर को नष्ट करने की धमकी दी, या आपस में शहर के भीतर जमा सारी संपत्ति का आधा हिस्सा फिरौती के रूप में बाँट लिया। शर्तों को अस्वीकार करते हुए, रक्षकों ने एक गुप्त घात लगाई; दीवारों पर उन्होंने रक्षा के लिए महिलाओं और बच्चों को इकट्ठा किया, और उम्र से कमजोर पुरुषों को; वे आगे बढ़े, मार्स और पल्लास के नेतृत्व में; ये, सोने से गढ़े हुए, स्वर्णिम शस्त्रों से सुसज्जित, भीड़ के ऊपर, सौंदर्य और कद के लिए, देवताओं के योग्य, विशिष्ट रूप से चमक रहे थे; बाकी कम ऊँचाई के थे। लेकिन जब नियतिबद्ध घात तक पहुँचे गए, नदी के किनारे, जहाँ चरवाहे अपने झुंडों और मवेशियों को पानी पिलाने के लिए ले जाते थे, वे लेट गए, चमकीले शस्त्रों से सुसज्जित; और अलग से, उन्होंने दो जासूसों को तैनात किया, ताकि भेड़ों के झुंडों और रंभाते हुए पशुओं के आने की सूचना समय रहते मिल जाए। ये, दो चरवाहों की देखरेख में, जल्द ही प्रकट हुए, जो बिना किसी संदेह के आगे बढ़ते हुए, अपने देहाती बांसुरियों के संगीत का आनंद ले रहे थे। उन्होंने दूर से ही लूट का माल देखा और अपने घात से बाहर निकल आए; और झुंडों और ऊनी भेड़ों को काटकर, उनके रखवालों को मार

डाला। उनके साथियों ने कोलाहल सुना, जहाँ वे अपनी पवित्र वेदियों के सामने बैठे थे, और तुरंत अपने रथों पर सवार होकर, तेज कदमों वाले घोड़ों के साथ लुटेरों का पीछा किया और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया। नदी के किनारे वे हथियारों से लैस होकर मिले, और एक-दूसरे पर अपने पीतल के भाले फेंके। और वहाँ कलह, भयंकर कोलाहल, और घातक भाग्य का चित्रण हुआ, जिसने अपनी लोहे की पकड़ में एक को जकड़ लिया। एक घायल को, एक स्वस्थ व्यक्ति ढो रहा था, जबकि भीड़ से पैरों के सहारे वह दूसरे मृत व्यक्ति को घसीट रही थी: उसके कंधों पर पुरुषों के खून से सना हुआ वस्त्र लटका हुआ था। वे जीवित पुरुषों की तरह हिलते-डुलते, लड़ते हुए प्रतीत हो रहे थे, मृतकों के शवों को घसीटते हुए ले जा रहे थे।

और वहाँ एक विस्तृत मैदान खुदा हुआ था, परती भूमि का, समृद्ध, उपजाऊ, मृदु मिट्टी का, जिसे तीन बार जोता गया था; जहाँ कई हल चलाने वाले ऊपर और नीचे अपनी टीमें चला रहे थे; और जैसे ही प्रत्येक खेत की सीमा तक पहुँचता, एक आगे बढ़ता, और उसे उदारतापूर्वक एक प्याला शराब देता: फिर वह मुड़ता, और अंत तक फिर से हल चलाता। और उनके पीछे मिट्टी और भी गहरी दिखाई देती, एक नए जोते हुए खेत का सच्चा रूप, मानो सोने से गढ़ा गया हो; कला का एक चमत्कार।

वहाँ भी अनाज से भरपूर एक खेत खुदा हुआ था, जहाँ तेज हंसिया से कटाई करने वाले अपना काम कर रहे थे, और गठ्ठियाँ एक समान कतार में गिर रही थीं; उनके पीछे-पीछे बाँटने वाले बंडल बाँध रहे थे: तीन बाँटने वाले थे; और उनके पीछे लड़के, पास ही में प्रतीक्षा कर रहे थे, उनकी बाहों में, उन्होंने गठ्ठे इकट्ठा किए और क्रम से ढेर लगा दिए। उनके बीच, हाथ में लाठी लिए, चुपचाप खड़े थे राजा, भरपूर फसल देखकर प्रसन्न। थोड़ी दूर पर, दूतों ने एक बलिष्ठ बैल को मार डाला, और अब एक बलूत के पेड़ के नीचे दावत तैयार कर रहे थे; जबकि महिलाएं पास ही में मजदूरों के भोजन के लिए सफेद जौ का दलिया मिला रही थीं।

और, समृद्ध गुच्छों से लदे हुए, वहाँ उत्कीर्ण था: एक सुंदर अंगूर का बाग, सब कुछ सुनहरा; चमकदार काले रंग के गुच्छे, चांदी के खंभों पर टिके हुए थे; चारों ओर, एक अंधेरी खाई; उसके आगे, चमकदार टिन की एक बाड़ बनी हुई थी; और उसी से होकर एक ही रास्ता जाता था, जिससे फल ढोने वाले गुजरते थे, जो अंगूर के बाग के भरपूर भंडार को इकट्ठा करते थे। वहाँ युवतियाँ और युवक, हर्षोल्लास से भरे हुए,

बुनी हुई टोकरियों में रसीले फल लिए हुए थे। उनके बीच एक लड़का, मधुर स्वर वाले वीणा से सुरीली धुनें निकाल रहा था; उसकी सुरीली आवाज तारों के साथ संगत कर रही थी; वे सभी नृत्य और मधुर गीत में शामिल हो गए, और आनंदमय जयकारे लगा रहे थे, जैसे ही खुशहाल समूह हल्के कदमों से आगे बढ़ रहा था।
सीधे सींग वाले मवेशियों का भी एक झुंड गढ़ा गया था;
सभी बछिया सोने और टिन से बनी थीं:
वे मवेशी-बाड़े से चरागाह की ओर,
कोमल रंभाते हुए, एक कलकल बहती धारा के किनारे,
जहाँ सरसराते हुए नरकट के बिस्तर थे, धीरे-धीरे आगे बढ़ीं।
चार सुनहरे चरवाहे झुंड के साथ चल रहे थे,
नौ तेज कुत्तों द्वारा उनकी सेवा की जा रही थी; फिर सबसे आगे चल रही बछियों के बीच दो भयंकर शेर उस शानदार बैल पर झपटे: वह जोर से दहाड़ता हुआ, कुत्तों और पीछा करने वाले युवकों द्वारा घसीटा गया। उन्होंने बैल की सख्त खाल फाड़ दी और आंतें और काला खून चाट लिया; व्यर्थ प्रयास में चरवाहों ने हमले के लिए उनका पीछा किया; कुत्तों ने शेरों के जबड़ों से बचते हुए, उनके चारों ओर भौंकते हुए, दूरी बनाए रखी।
और वहाँ कुशल कलाकार के हाथों ने उकेरा था: एक चौड़ा पास्तारो, ऊनी भेड़ों से ढका हुआ, एक सुंदर मैदान में, बाड़ों, तंबुओं और पिंजरों के साथ।
वहाँ भी, कुशल कलाकार के हाथों ने अद्भुत कारीगरी से एक भूलभुलैयानुमा नृत्य रचा था, जैसा कि डेडलस ने पहले नोसस में सुंदर बालों वाली एरियाडने के आदेश पर रचा था। वहाँ, एक-दूसरे की कलाई पर हाथ रखकर, तेजस्वी युवक और अनेक प्रेमियों वाली युवतियाँ नृत्य कर रही थीं: ये सुंदर सफेद लिनेन में थीं; वे लोग सुशोभित वस्त्रों में थे, जो अच्छी तरह से बुने हुए थे और सुगंधित तेलों से कोमल चमक रहे थे; इन लोगों को सुंदर मुकुटों से सुशोभित किया गया था, जबकि अन्य लोग चांदी की बेल्ट से बंधी सोने की तलवारों से सजे थे। अब वे अपने फुर्तीले और अभ्यासित पैरों से गोल-गोल घूमने लगे, सहजता से, जैसे कोई कुम्हार बैठा हुआ, अपने कुशल हाथों से बनाए गए नए पहिये को घुमाता है, और यह जांचने के लिए उसे गोल-गोल घुमाता है कि वह सही चल रहा है या नहीं; अब वे सुंदर पंक्तियों में कुशलता से चलने लगे। चारों

ओर मौजूद असंख्य भीड़ ने इस सुंदर नृत्य को प्रसन्नतापूर्वक देखा। जब एक सम्मानित कवि गा रहा था, तभी उसने वीणा बजाई और धुन पर बीच में दो कलाबाज गोल-गोल घूम रहे थे।
विशाल ढाल के किनारे पर ही महासागरीय धारा की प्रचंड शक्ति का निर्माण हुआ था।
ढाल बनकर तैयार हुई, विशाल और मजबूत, उसने गढ़ी: आग की लौ की तरह चमकदार एक कवच; फिर, अपने सिर के लिए एक भारी हेलमेट, सुंदर, समृद्ध कारीगरी वाला, जिसके ऊपर सोने का मुकुट था; और अंत में, लचीले टिन के अच्छी तरह फिट होने वाले घुटने के कवच।
कुशल शिल्पकार ने अपनी रचनाएँ पूर्ण कीं
अकिलीज़ की देवी-माता के समक्ष:
वह, बाज़ की तरह, विशाल ओलंपस की बर्फ से ढकी ऊँचाइयों से, तेज़ी से नीचे उतरीं,
वल्कन द्वारा निर्मित चमकदार हथियारों से सुसज्जित।

# तर्क

**अकिलीज़ और एगामेम्नन का सुलह।**

थेतिस अपने पुत्र के लिए वल्कन द्वारा निर्मित कवच लाती है। वह अपने मित्र के शरीर को सड़ने से बचाती है और उसे सेना एकत्रित करने का आदेश देती है, ताकि वह अपने क्रोध का अंत कर सके। एगामेम्नन और अकिलीज़ का विधिवत मेल-मिलाप होता है: इस अवसर पर भाषण, उपहार और समारोह आयोजित किए जाते हैं। यूलिसिस की सलाह पर अकिलीज़ को बड़ी मुश्किल से इस बात के लिए राजी किया जाता है कि जब तक सेनाएं तरोताज़ा न हो जाएं, तब तक वह युद्ध न करे। उपहार अकिलीज़ के तंबू में पहुंचाए जाते हैं: जहां ब्रिसिस पेट्रोक्लस के शव पर विलाप करती है। नायक हठपूर्वक भोजन से इनकार कर देता है और अपने मित्र के लिए शोक मनाता है। बृहस्पति के आदेश पर मिनर्वा उसे शक्ति प्रदान करने के लिए अवतरित होती है। वह युद्ध के लिए तैयार हो जाता है; उसके रूप का वर्णन किया गया है। वह अपने घोड़ों को संबोधित करता है और पेट्रोक्लस की मृत्यु के लिए उन्हें फटकारता

है। उनमें से एक घोड़े को चमत्कारिक रूप से वाणी प्राप्त होती है और उसे उसके भाग्य की भविष्यवाणी करने की प्रेरणा मिलती है; लेकिन नायक उस चमत्कार से अचंभित हुए बिना, क्रोध से युद्ध के लिए दौड़ पड़ता है।
तीसवाँ दिन। दृश्य समुद्र तट का है।

# पुस्तक XIX.

अब केसरिया वस्त्र में शोक मनाओ, सागर की धारा से आरोही प्रकाश देवताओं और मनुष्यों पर फैल गया; जैसे थेतिस, लौटते जहाजों के लिए, वल्कन का उपहार लेकर आई; वहाँ उसे अपना पुत्र मिला, जो पैट्रोक्लस पर गहरे शोक में डूबा हुआ था; उसके चारों ओर उसके साथी शोक मना रहे थे; बीच में वह खड़ी थी, और उसका हाथ थामे हुए बोली:

"हे मेरे पुत्र, चाहे हमारा दुःख कितना भी गहरा हो, हम मृत को यहीं रहने देते हैं; उसे यहीं लेटने दो, क्योंकि स्वर्ग ने ही उसके पतन का निश्चय किया है; परन्तु तुम वल्कन द्वारा भेजे गए इन हथियारों को स्वीकार करो, जो किसी भी नश्वर हृदय पर धारण किए जाने से कहीं अधिक सुंदर हैं।" देवी ने बोलते ही एकिलिस के सामने हथियार रख दिए; उस अद्भुत रचना की गूँज उठी। मर्मिडों ने विस्मय से देखा; और न ही उन्होंने उस दृश्य का अपमान करने का साहस किया: परन्तु जैसे ही एकिलिस ने देखा, उसका क्रोध और भी उग्र हो गया; उसकी भौंहों के नीचे उसकी आँखें बिजली की तरह चमक उठीं; अत्यंत प्रसन्नता के साथ उसने उस शानदार उपहार को ग्रहण किया: और जब उसकी आत्मा ने कला के चमत्कार का आनंद लिया, तब उसने थेतिस को अपने पंखदार शब्दों में संबोधित किया:

"माँ, ईश्वर ने मुझे सचमुच शस्त्र दिए हैं, ईश्वर के योग्य, और ऐसे शस्त्र जिन्हें कोई नश्वर मनुष्य कभी गढ़ नहीं सकता; मैं तुरंत शस्त्र धारण करने जा रहा हूँ; फिर भी मुझे मेनोएटियस के महान पुत्र के लिए भय है, कहीं ऐसा न हो कि भाले से क्षत-विक्षत उसके घावों में मक्खियाँ कीड़े पैदा कर दें, और मृत शरीर को अपवित्र कर दें, और जीवन समाप्त होने पर, उसके शरीर में सड़न फैल जाए।"

इस पर चांदी के पैरों वाली रानी ने इस प्रकार उत्तर दिया: "मेरे पुत्र, ऐसे भय को अपने मन में मत आने दो: मैं स्वयं मक्खियों के झुंड को तितर-बितर कर दूंगी, जो वध किए गए योद्धाओं के मांस पर टूट पड़ती हैं: और यदि वह यहाँ एक वर्ष भी पूरा कर ले, तब भी उसका शरीर अब की तरह दृढ़ और ताजा रहे: परन्तु तुम यूनान के सरदारों को परिषद में बुलाओ; वहाँ के सम्राट एगामेम्नन के विरुद्ध, सेना के नेता, अपना क्रोध त्याग दो; फिर जल्दी से हथियार उठाओ और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करो।"

उसके निडर साहस भरे शब्दों ने उसके हृदय को भर दिया। उसने पैट्रोक्लस की नाक में, उसके शरीर को संरक्षित रखने के लिए, लाल अमृत और दिव्य रस उंडेल दिया।
समुद्र तट के किनारे-किनारे अकिलीज़ आगे बढ़ा, और ज़ोर से चिल्लाते हुए सभी सरदारों को पुकारा; फिर वे सभी जो अब तक जहाज़ पर थे, जहाज़ के पतवार संभालने वाले नाविक, रोज़ाना रोटी परोसने वाले प्रबंधक, सभी सभा में उमड़ पड़े, तभी अकिलीज़, जो लंबे समय से युद्ध से दूर था, फिर प्रकट हुआ। दो महान सरदार, मार्स के दो मंत्री, ऋषि यूलिसिस और वीर डायोमेड, अपने गंभीर आघातों से अपंग होकर प्रकट हुए। घावों से जूझते हुए, अपने भालों के सहारे लड़खड़ाते कदमों को संभालते हुए, वे आगे-आगे की सीटों पर बैठ गए। इसके बाद, मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन आए। उन्होंने भी घाव किए; क्योंकि एंटनोर के पुत्र, कून ने, उन्हें उस भयंकर लड़ाई में छुरा घोंपा था। जब सभी यूनानी चारों ओर घनी भीड़ जमा हो गई, तब अकिलीज़ तेज़ी से उठे और बोले:
"एट्रियस के महान पुत्र, तुम्हें या मुझे क्या लाभ हुआ, जब से हमारे बीच हृदयविदारक संघर्ष छिड़ा है, उस लड़की के लिए, जो उस दिन डायना के बाणों से मर जाना चाहती थी, जब मैं उसे लिरनेसस के कब्जे वाले शहर से ले गया था? कई यूनानियों ने भी शत्रुतापूर्ण हाथों से खूनी धूल चाटी है, जब मैं क्रोध में अलग खड़ा रहा। ट्रॉय को बहुत लाभ हुआ; लेकिन मुझे लगता है कि यूनानी हमारी इस घटना को लंबे समय तक याद रखेंगे।" फिर भी हम इसे भूल जाते हैं; और यद्यपि हमारे हृदय दुखी हैं, फिर भी हम अपने क्रोधित मन को शांत करें। मैं यहाँ अपने क्रोध का त्याग करता हूँ; यह उचित नहीं है कि यह सदा अनसुलझा रहे; तुम लंबे बालों वाले यूनानियों को तुरंत युद्ध के लिए एकत्रित करो; ताकि, एक बार फिर ट्रोजनों का सामना करते हुए, मैं यह परीक्षण कर सकूँ कि क्या वे आज रात जहाजों के पास रहने का साहस करते हैं; लेकिन मुझे विश्वास है, जो सुरक्षित रूप से भाग जाएगा, वह अपने अंगों को आराम देगा, मेरे भाले से बचकर। युद्धक्षेत्र।"
उन्होंने कहा: सुशोभित यूनानी यह सुनकर प्रसन्न हुए कि पेलेउस के देवतुल्य पुत्र ने उनके क्रोध को त्याग दिया है; और अपने स्थान से, बीच में खड़े न होकर, एगामेम्नन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा: “मित्रों, यूनानी वीरों, मार्स के सेवकों, जब कोई

बोलने के लिए खड़ा होता है, तो सभी के लिए यह उचित है कि वे धैर्यपूर्वक सुनें, और बीच में न टोकें; क्योंकि यह कार्य अनुभवी वक्ताओं के लिए भी कठिन है: लेकिन इस विशाल सभा में, कौन बोल सकता है कि सभी सुन सकें? सबसे स्पष्ट आवाज भी असफल हो जाएगी। पेलेउस के पुत्र, अकिलीज़, मैं अपने मन की बात खुलकर कहूँगा; तुम सब आपस में मेरे शब्दों को बाँट लो, ताकि सब जान सकें। यूनानियों ने इस विषय पर अक्सर चर्चा की है, और मुझे उनकी बार-बार निंदा का सामना करना पड़ा है: फिर भी मैं इसका कारण नहीं था; बल्कि बृहस्पति, भाग्य और अंधकारमयी एरिनिस ने मिलकर मेरे मन पर एक गहरा भ्रम डाल दिया, जिस दिन मैंने अकिलीज़ से उसका वैध पुरस्कार छीन लिया। मैं क्या कर सकता था? एक देवी अतिशासित,
बृहस्पति की पुत्री, भयानक एट, घातक शक्ति,
सबको गुमराह करती है; हल्के कदमों से चलती है,
पृथ्वी पर नहीं, बल्कि मनुष्यों के सिर के ऊपर,
विनाशकारी स्पर्श से; और कई लोगों को गुमराह किया है।
यहां तक कि बृहस्पति, जिसे देवताओं और मनुष्यों में सबसे बुद्धिमान माना जाता है,
को भी उसने भ्रम में डाल दिया, जब जूनो की कला,
स्त्री चाल से देवता को धोखा दिया,
जब अच्छी तरह से घिरे थेब्स में अल्केमेना लेटी थी,
उसकी शक्ति के प्रसव पीड़ा में। हरक्यूलिस ने देवताओं के बीच घमंड भरे स्वर में कहा: 'हे सभी देवताओं और देवियों, सुनो, मैं जो कह रहा हूँ, वह मेरी आत्मा की प्रेरणा है। आज लुसीना एक बच्चे को जन्म देगी, जो भविष्य में सबका स्वामी होगा, उन नश्वर मनुष्यों से, जिनका रक्त मुझसे जुड़ा है।' इस पर जूनो ने गहरे छल से उत्तर दिया: 'तुम केवल ढोंग कर रही हो, और अपना वचन पूरा नहीं करोगी। अब आओ, ओलंपियन, शपथ लो कि वह सबका स्वामी होगा।' उसके आस-पास, जो आज के दिन किसी स्त्री से जन्मी हो, नश्वर पुरुषों से, जिनका रक्त तुझसे जुड़ा हो। उसने कहा, और बृहस्पति, जाल को अनदेखा करते हुए, ने शपथ ली; परन्तु शीघ्र ही उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। वह ओलंपस की ऊँचाई से जल्दी से अचैया के आर्गोस की ओर दौड़ी; क्योंकि वहाँ पर्सियस के पुत्र स्टेनेलस की पत्नी, वह जानती थी, सात महीने की गर्भवती थी; जिसे, यद्यपि असमय जन्म हुआ, उसने दुनिया में लाया, और इस बीच अल्केमेना

के यहाँ रुकी। प्रसव पीड़ा से पीड़ित होकर, उसने स्वयं शनि के पुत्र को यह समाचार दिया, और उससे कहा: 'हे बृहस्पति, बिजली के स्वामी, मैं तुम्हें यह समाचार देती हूँ; आज एक पराक्रमी पुरुष, जिसे तुमने आर्गिव्स का राजा नियुक्त किया है, यूरिस्टियस, स्टेनेलस का पुत्र, पर्सियस का पुत्र, तुम्हारे रक्त से उत्पन्न हुआ है; वह आर्गिव्स का राजा बनने के योग्य है।' उसने कहा: तीव्र दुःख ने उसकी आत्मा को गहराई से भेद दिया; फिर उसने उसके चमकदार बालों को पकड़ लिया। भयंकर क्रोध में आकर, उसने एक गंभीर शपथ ली कि ओलंपस और तारामंडल के आकाश में वह कभी वापस नहीं लौटेगी, जो सबको गुमराह करती है। फिर उसने अपना हाथ घुमाते हुए, तारामंडल के आकाश से उसे नीचे फेंक दिया, ताकि मनुष्यों के मामलों में दखल दे। फिर भी, वह अक्सर उसके धोखे को कराहते हुए याद करता था, जब यूरिस्टियस के कठोर आदेशों से उसने अपने कुलीन पुत्र को दासतापूर्ण कार्यों के लिए निंदा करते देखा। इसलिए, जब भी चमकते हुए हेलमेट वाले हेक्टर ने यूनानियों के जहाजों को वध के लिए भेजा, तो वह अक्सर वापस लौट आया। मुझे अपनी पिछली गलती याद आ गई।

मैंने गलती की, क्योंकि बृहस्पति ने मेरा विवेक छीन लिया;
लेकिन अब मैं मैत्रीपूर्ण मेल-मिलाप चाहता हूँ,
और कीमती उपहार देता हूँ; फिर तुम खुद को जगाओ, और बाकी लोगों को हथियार उठाने के लिए प्रेरित करो।
जब तक मैं उपहार तैयार करता हूँ, जो कुछ भी हाल ही में [6]
ऋषि यूलिसिस ने तुम्हारे तम्बू में वादा किया था:
या, यदि तुम चाहो, यद्यपि युद्ध के लिए उत्सुक हो,
कुछ देर यहाँ रहो, जब तक मेरे जहाज से
मेरे अनुयायी उपहार न ले आएं; ताकि तुम देख सको
मैं अपना बिना कंजूसी के भेंट चढ़ाओ।

तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे परम शक्तिशाली अगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, जो उपहार आप उचित समझते हैं, उन्हें देना या रोकना आपका कर्तव्य है; परन्तु अब तुरंत युद्ध की तैयारी करें; तुच्छ बहाने बनाकर यहाँ समय बर्बाद करना या यूँ ही समय बर्बाद करना उचित नहीं है; अभी बहुत कुछ करना बाकी है:

अकिलीज़ को फिर से अग्रिम पंक्ति में देखा जाएगा, पीतल के भाले से ट्रोजन सेना को तितर-बितर करते हुए; और तुम, मनुष्य से मनुष्य की लड़ाई को मत भूलो।"
इसके उत्तर में ऋषि यूलिसिस ने इस प्रकार कहा: "हे अकिलीज़, हे देवतुल्य सरदार, तू कितना भी बहादुर क्यों न हो, उपवास करके यूनानियों को ट्रोजन से लड़ने के लिए मत ले जा; क्योंकि जब एक बार दोनों सेनाएँ आपस में भिड़ जाएँगी, तो यह संघर्ष थोड़े समय तक नहीं चलेगा, और देवता दोनों पक्षों को समान साहस प्रदान करेंगे। परन्तु उन्हें जहाजों के पास भोजन और शराब (जिसमें शक्ति और साहस है) का पहले सेवन करने का आदेश दे; क्योंकि सूर्यास्त तक दिनभर उपवास करने वाला कोई भी व्यक्ति ट्रोजन के परिश्रम को सहन नहीं कर सकता।" युद्ध; उसकी आत्मा अभी भी युद्ध के लिए उत्सुक हो सकती है; फिर भी उसके अंग धीरे-धीरे भार से दबते जा रहे हैं, प्यास और भूख से वह स्वयं कमजोर हो गया है, उसके घुटने चलते-फिरते उसका भार सहन करने में असमर्थ हैं। लेकिन जो पहले भोजन और शराब से तरोताजा होकर, सारा दिन शत्रु से लड़ता रहता है, उसकी आत्मा अविचलित रहती है, और उसके अंग तब तक अविचल रहते हैं जब तक दोनों सेनाएँ मैदान नहीं छोड़ देतीं। तो अब भीड़ को तितर-बितर कर दो, और सुबह का भोजन तैयार करने का आदेश दो; इस बीच जनता के सामने, मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन को, उसके बहुमूल्य उपहार प्रदर्शित करो; ताकि सभी यूनानी उन्हें देख सकें, और तुम्हारा हृदय आनंद से भर उठे: और वहाँ पूर्ण सभा में उसे शपथ दिलाओ कि उसने कभी भी सुंदर ब्रिसिस के बिस्तर के पास कदम नहीं रखा, और न ही उसके साथ ऐसा संबंध रखा जैसा पुरुष और स्त्री के बीच होता है। कृपा करके उसकी शपथ स्वीकार करो। फिर उसके तम्बू में एक भव्य भोज में, वह तुम्हारा स्वागत करे; ताकि तुम्हारा उचित सम्मान बना रहे; और इस प्रकार, एट्रीडेस, तुम सभी की दृष्टि में खड़े रहोगे। निर्दोष पुरुष; क्योंकि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अपमानजनक भाषण से राजदंडधारी राजा का क्रोध भड़क उठे।
इस प्रकार, मनुष्यों के राजा अगामेम्नन ने कहा: "लार्टेस के पुत्र, मैं तुम्हारा वचन सहर्ष स्वीकार करता हूँ: तुमने जो कुछ कहा है, वह सब अच्छा और बुद्धिमानी से कहा है; शपथ के लिए, मैं स्वेच्छा से शपथ लेने को तैयार हूँ; और स्वर्ग के समक्ष मैं अपनी शपथ नहीं तोड़ूँगा। इसलिए, अकिलीज़ यहाँ कुछ देर रहे, यद्यपि वह युद्ध के लिए

उत्सुक है; तुम भी यहीं रहो, जब तक मेरे तम्बू से उपहार न लाए जाएँ, और हम अपने गंभीर समझौते की पुष्टि न कर लें। फिर मैं तुम्हें यह आज्ञा देता हूँ।" "तुम यूनानियों में से सबसे श्रेष्ठ युवकों का चयन करो और उन्हें मेरे पोत से वे उपहार लाने का आदेश दो, जो हमने कल रात अकिलीज़ को देने का वादा किया था, और साथ में स्त्रियों को भी लाओ; और तल्थायबियस को सेना में से एक सूअर ढूंढने को कहो, जो बृहस्पति और सोल को बलि चढ़ाने के लिए हो।"
तेज़ कदमों वाले अकिलीज़ ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे परम शक्तिशाली अगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, इन मामलों को किसी भविष्य के लिए टाल देना ही बेहतर होता, युद्ध से कुछ समय का विराम मिलता, मेरे हृदय में क्रोध की आग कम होती; परन्तु अब वे मारे गए हैं, जिन्हें प्रियम के पुत्र, हेक्टर ने, बृहस्पति के नेतृत्व में विजय प्राप्त करने के बाद मार डाला। आप हमें भोजन करने के लिए कहते हैं; यदि मैं शासन कर सकता, तो मैं यूनान के पुत्रों को युद्ध में ले जाता, भूखे और उपवास की स्थिति में; और सूर्यास्त के समय, हमारी शर्मिंदगी को मिटाने के लिए।" बदला लिया गया, एक भव्य दावत तैयार करो; तब तक, न तो मेरे होठों से भोजन और न ही पेय गुजरेगा, मेरे मारे गए साथी के लिए; जो घातक घावों से छलनी हो गया, द्वार की ओर मुड़ा हुआ, मेरे तम्बू में पड़ा है, उसके शोक संतप्त मित्र उसके चारों ओर हैं; जब तक वह वहाँ पड़ा है, मुझे इनके या किसी और चीज़ के लिए कोई विचार नहीं है, सिवाय नरसंहार, रक्त और मरते हुए लोगों की कराहों के।
उस पर, ऋषि यूलिसिस ने परामर्श में इस प्रकार कहा: "हे पेलेउस के पुत्र, यूनानियों में श्रेष्ठ, मैं जानता हूँ कि अकिलीज़, तुम युद्ध कौशल में मुझसे कितने श्रेष्ठ हो: परन्तु तुम्हें परामर्श में मेरे सामने झुकना होगा, क्योंकि मेरी आयु अधिक है, और मेरा अनुभव तुमसे कहीं अधिक है: इसलिए मेरी बातों को ध्यान से सुनो। मनुष्य युद्ध से शीघ्र ही थक जाते हैं, जहाँ तलवार सबसे अधिक रक्तपात करती है; वध की सबसे कम फसल वहीं होती है जहाँ बृहस्पति तराजू झुकाता है, और अपनी इच्छा से मनुष्यों का वितरण करता है।" युद्ध। यूनानी उपवास करके अपने मृतकों का शोक नहीं मना सकते; क्योंकि दिन-प्रतिदिन संख्या घटती जा रही है; फिर निरंतर उपवास से राहत कहाँ थी? हमें अपने मृतकों को दृष्टि से ओझल कर दफनाना चाहिए, अपने हृदयों को कठोर बनाकर, और केवल एक दिन रोना चाहिए; और हम, शेष लोग, जिन्हें क्रूर युद्ध

ने बख्श दिया है, पहले भोजन और शराब से अपनी शक्ति जुटाएँ; फिर, अपने हथियार बांधकर, पूरे दिन बिना थके युद्ध जारी रखें; फिर किसी को भी युद्ध के मैदान में आगे बुलावे की आवश्यकता न हो; (और धिक्कार है) जो जहाजों के पास मंडरा रहा है, वह उस आह्वान को सुनता है; लेकिन एकजुट होकर ट्रोजन के विरुद्ध भयंकर युद्ध छेड़ देता है।
उसने कहा, और महान नेस्टर के पुत्रों को बुलाया, मेगेस, फाइलियस के पुत्र, मेरियोनेस, थोआस, और लाइकोमेडेस, क्रेओन के पुत्र, और मेलानिप्पस; वे सब मिलकर शक्तिशाली सम्राट एगामेम्नन के तम्बू की ओर चल पड़े। आदेश मिलते ही काम शुरू हो गया; वे सात तिपाई और वादा किए गए उपहार लेकर आए; बारह घोड़े, बीस चमकते हुए कड़ाहे; सात महिलाएं भी, जो घरेलू कामों में निपुण थीं; और आठवीं महिला, सुंदर ब्रिसिस, उनके साथ आई। यूलिसिस ने आगे-आगे नेतृत्व किया और अपने साथ दस प्रतिभाओं से भरा सोना लेकर आया। उपस्थित युवकों ने अन्य उपहार धारण किए और सभा के समक्ष प्रदर्शित किए: तब सम्राट अगामेम्नन उठे; उसके बगल में, दैवीय शक्ति की आवाज के साथ, तल्थिबियस खड़ा था, शिकार को पकड़े हुए: फिर एट्रीड्स ने अपनी कमर पर लटके हुए खंजर को, अपनी शक्तिशाली तलवार के म्यान के पास से निकाला, और शिकार के सिर से बाल काट डाले। फिर उसने हाथ उठाकर बृहस्पति से प्रार्थना की; जबकि चारों ओर यूनानी मौन खड़े थे, सम्राट के शब्दों को शालीनता से सुनते हुए, स्वर्ग की ओर देखते हुए उसने प्रार्थना की।
हे बृहस्पति, हे सर्वोच्च, हे देवताओं में प्रथम, साक्षी रहो! सूर्य, पृथ्वी और हे प्रभु, पृथ्वी के नीचे, उन मनुष्यों की आत्माओं पर प्रतिशोध लेने वाले क्रोधी देवों! कि न तो मैंने कभी किसी अपवित्र प्रेम के लिए, न ही आग्रह से, और न ही किसी अन्य कारण से, सुंदर ब्रिसिस को छुआ है; परन्तु मेरे तम्बू में वह अभी भी पवित्र और निर्मल बनी हुई है। और यदि इसमें मैं झूठा हूँ, तो स्वर्ग मुझे उन सभी विपत्तियों से पीड़ित करे जो उन लोगों के कारण हैं जिन्होंने झूठी शपथ लेकर पाप किया है। देवताओं।"
इस प्रकार जब वह बोल रहा था, उसने निर्दयी तलवार पीड़ित के गले पर चला दी; तब तल्थिबियस ने शव को बर्फीले सागर की गहराइयों में फेंक दिया, मछलियों के लिए

भोजन के रूप में; फिर अकिलीज़ उठा, और उसने एकत्रित यूनानियों के सामने कहा:
हे पिता बृहस्पति, तू हमारे मानवीय निर्णयों को कैसे गुमराह करता है! एट्रीयस के पुत्र ने कभी भी मेरे हृदय को क्रोध से भर नहीं दिया था, न ही मेरी बाहों से, मेरी इच्छा के विरुद्ध, अपने ही नुकसान के लिए, उस लड़की को छीन लिया था जिसे मैं प्यार करता था, लेकिन बृहस्पति की इच्छा ने अनेक वीर यूनानियों को मृत्यु के लिए पूर्वनियोजित कर दिया। अब भोजन का समय हो गया है; शीघ्र ही युद्ध पुनः शुरू होगा।
यह कहकर, उसने सभा को जल्दी से भंग कर दिया, भीड़ अपने-अपने जहाजों की ओर तितर-बितर हो गई; युद्धप्रिय मर्मिडोंस ने उपहारों की देखभाल की और उन्हें जहाजों तक ले गए; पेलियस के देवतुल्य पुत्र के; तंबू के भीतर उन्होंने उन्हें रख दिया और वहाँ महिलाओं को बिठाया, जबकि अनुयायी घोड़ों को झुंड की ओर ले गए।
सुनहरे वीनस के समान सुंदर ब्रिसिस ने देखा कि पैट्रोक्लस घातक घावों से क्षत-विक्षत होकर तंबू के भीतर पड़ा हुआ था; और एक कर्कश चीख के साथ, उसने खुद को शव पर पटक दिया, और उसके स्तन, उसकी कोमल गर्दन और सुंदर गालों को नोंच डाला; और रोते हुए, उस सुंदर स्त्री ने इस प्रकार विलाप किया:
"पैट्रोक्लस, इस दुखी हृदय के प्रियतम! जब मैंने आखिरी बार इस तम्बू को छोड़ा था, तब मैंने तुम्हें स्वस्थ जीवन से परिपूर्ण छोड़ा था; अब लौटकर मैं पाता हूँ कि हे मनुष्यों के राजकुमार, केवल तुम्हारा निर्जीव शव है! इसलिए मैं अभी भी दुःख पर दुःख सह रहा हूँ। मेरे यौवन के पति, जिन्हें मेरे पिता और आदरणीय माता ने मुझे दिया था, मैंने देखा कि वे शहर की दीवारों के सामने तलवार से मारे गए थे: तीन भाई, जिन्हें मेरी एक ही माँ ने जन्म दिया था, मेरे प्रियतम, सभी मृत्यु के भागी थे: और तुम भी नहीं, जब अकिलीज़, जो तेज़ कदमों से दौड़ता है, ने मेरे पति को मार डाला, और शाही माइन्स शहर को खंडहर में बदल दिया, मेरे आँसू बहने दो; परन्तु तू मुझे (तुम्हारा यही कहना था) पेलियस के देवतुल्य पुत्र की विवाहित पत्नी बनाना चाहता था: तू मुझे अपने जहाज में फथिया ले जाना चाहता था, और वहाँ, स्वयं, मर्मिडोंस के बीच, मेरा विवाह भोज देना चाहता था; तब, मैं सांत्वनाहीन होकर, तेरे मृत्यु पर रोती हूँ, मेरे सदा कोमल मित्र!
रोते हुए वह बोली; स्त्रियाँ भी उसके विलाप में शामिल हो गईं: पैट्रोक्लस की मृत्यु उनके आँसुओं का बहाना थी, परन्तु प्रत्येक ने गुप्त रूप से अपने निजी दुःखों का

विलाप किया।
अकिलीज़ के चारों ओर बुजुर्ग लोग जमा हो गए, खाने के लिए आग्रह करते हुए; लेकिन उसने कराहते हुए इनकार कर दिया: "हे प्रिय मित्रों, मैं आपसे विनती करता हूँ, कृपया अपना प्रेम दिखाएँ, अब मुझे भूख या प्यास बुझाने के लिए भोजन या पेय न दें; गहरे दुःख का बोझ मेरी आत्मा पर भारी है; सूर्यास्त तक मैं उपवास रखूँगा, और सहता रहूँगा।"
उसके कहने पर अन्य सम्राट पीछे हट गए: दो एट्रीडे और ऋषि यूलिसिस, नेस्टर और इडोमेनियस वहीं रहे, और वृद्ध फीनिक्स, उसके शोक को कम करने के लिए; लेकिन किसी को सांत्वना नहीं दी, सिवाय युद्ध के खूनी जबड़े में जाने के; स्मृति से प्रेरित होकर, उसने एक गहरी आह भरी, और इस प्रकार बोला:
हे मेरे प्रिय मित्र, अभागे, तू कितनी बार इस तम्बू में बड़ी उत्सुकता से स्वादिष्ट भोजन तैयार करता था, जब भी यूनान के पुत्र खूनी युद्ध के लिए जल्दी से हथियार उठाते थे! अब तू वहाँ लेटा है, जबकि मैं तेरे प्रेम के कारण, अपने सामने रखे भोजन और पेय से परहेज करता हूँ: क्योंकि मैं फिर कभी ऐसा दुःख नहीं सहूँगा, चाहे मुझे वृद्ध पेलेयस की मृत्यु की खबर ही क्यों न मिली हो, जो अब फथिया में कोमल आँसुओं के साथ अपने अनुपस्थित पुत्र का शोक मना रहा है; वह परदेस में है। उस घृणित हेलेन के पक्ष में युद्ध करते हुए: नहीं, न ही उसके बारे में, जो अब स्काइरोस द्वीप में पल रहा है, अगर वह अभी भी जीवित है, तो युवा नियोप्टोलेमस, मेरा देवतुल्य पुत्र। मेरी आशा वास्तव में यही थी कि यहाँ ट्रॉय में, आर्गोस के मैदानों से दूर, मैं अकेली ही मरने के लिए अभिशप्त थी; और तुम फथिया में, सुरक्षित लौटकर, मेरे पुत्र को स्काइरोस से घर ले जाओ, और उसे मेरी सारी संपत्ति दिखाओ, मेरा लूटा हुआ माल, मेरे दास, मेरा भव्य, विशाल घर। क्योंकि पेलियस या मुझे लगता है, मृत्यु ने अभी भी हार मान ली है, या मृत्यु से कुछ ही दूर है, दुःख में जी रही है, उदासी भरी उम्र से झुकी हुई है, दिन-प्रतिदिन उस दूत की प्रतीक्षा कर रही है जो मेरी मृत्यु का दुखद समाचार लेकर आएगा।
अकिलीज़ रोते हुए बोला; और उसके साथ-साथ बुजुर्ग भी रोए; हर कोई अपने घर में छोड़ी हुई हर चीज़ की प्यारी यादों में खो गया। शनि के पुत्र ने दयापूर्वक उनका शोक देखा, और पल्लास ने पंखदार शब्दों में कहा: "मेरे बच्चे, क्या तुम एक वीर के उद्देश्य

को त्याग रहे हो, या क्या अकिलीज़ को अब तुम्हारी देखभाल की ज़रूरत नहीं है, जो ऊँचे धनुष वाले जहाजों के किनारे शोक में बैठा है, अपने मारे गए साथी का शोक मना रहा है? बाकी सब भोजन में शामिल होते हैं, जबकि वह भोजन से परहेज करता है: तो जल्दी करो, और भूख से बेहोश न हो जाओ, इसलिए उसे गिरा दो।" उसके सीने पर अमृत और जन्नत।
उसके शब्दों ने पल्लास के उत्साह को नई ऊर्जा दी: लंबे पंखों वाले बाज़ की तरह, तीखी आवाज़ में, वह निर्मल आकाश में झपटी: और जब यूनानी युद्ध के लिए तैयार हो रहे थे, वह अकिलीज़ के पास पहुँची, और उसके सीने पर अमृत और रस बरसाया, ताकि भूख उसकी शक्ति को क्षीण न कर दे; अपने शक्तिशाली पिता के विशाल घर में लौटते हुए, मानो जहाजों से बर्फ़ के टुकड़े बह रहे हों। आकाश से गिरते बर्फ़ के टुकड़ों की तरह, आकाश से उत्पन्न बोरेस की ठंडी हवा के सामने। विस्फोट; जहाजों से उमड़ता हुआ, इतना घना, धारा, चमकीले पॉलिश किए हुए हेलमेटों की, और उभरी हुई ढालों की, और दृढ़ता से जकड़े हुए कवचों की, और राख जैसे भालों की: उनकी चमक स्वर्ग तक पहुँच गई; और पृथ्वी हँस पड़ी, पीतल की चकाचौंध के नीचे; सशस्त्र पुरुषों के कदमों की गूँज सुनाई दी: बीच में अकिलीज़, देवतुल्य सरदार, चकाचौंध भरे हथियारों से सुसज्जित। उसके दांत जोर से किटकिटा रहे थे; उसकी आँखें आग की रोशनी से चमक रही थीं; लेकिन उसके दिल में असहनीय दुःख था; भयंकर क्रोध से वह ट्रोजनों के विरुद्ध भड़क उठा, जैसे ही उसने वल्कन के हाथों से बने स्वर्गीय उपहार धारण किए। सबसे पहले उसने अपने पैरों पर सुगठित कवच पहना, जो चांदी के क्लिप से जकड़ा हुआ था; फिर उसने अपनी छाती पर कवच पहना। और उसने अपने कंधों पर अपनी चांदी जड़ी तलवार, पीतल की धार वाली, फेंक दी; फिर उसने अपनी विशाल और भारी ढाल उठाई, जिससे पूर्णिमा के चंद्रमा के समान एक प्रकाश चमक रहा था; या जैसे नाविकों को लहरों पर ले जाया जाता है, वैसे ही पहाड़ियों के बीच, कोई चरवाहा अपने एकांत बाड़े में जलाता है: जैसे वे तूफानी हवाओं से अनिच्छुक होकर अपने मित्रों से दूर पानी पर चले जाते हैं; वैसे ही अकिलीज़ की चमकदार, समृद्ध रूप से गढ़ी हुई ढाल से प्रकाश निकल रहा था। उसने भारी हेलमेट उठाया, और उसे अपने सिर पर रख लिया; पंखों वाला हेलमेट तारे की तरह चमक रहा था; और सुनहरे बालों को लहरा रहा था, जिन्हें वल्कन ने

चमकते मुकुट में जड़ा था। फिर अकिलीज़ ने अपने सभी हथियारों को परखा, यह जानने के लिए कि क्या वे उसके सुंदर अंगों पर ठीक से फिट होते हैं: पंखों की तरह, वे उसे ज़मीन से ऊपर उठाते हुए प्रतीत हुए। अंत में, उसने अपने पिता का भाला, लंबा, भारी और मजबूत, अपने खोल से निकाला। सभी यूनानियों में से कोई भी, अकिलीज़ के अलावा, उस भाले को संतुलित नहीं कर सकता था; पेलियन का वह प्रसिद्ध पेड़, जो उसके पिता को पेलियन की चोटी पर गिरा था, शक्तिशाली सरदारों का विनाशक बनने के लिए, सेंटॉर चिरोन ने दिया था। ऑटोमेडन और एल्किमस ने बड़ी सावधानी से घोड़ों को सुंदर कॉलर पहनाकर जोता: उनके मुंह में लगाम डाली और लगाम को अच्छी तरह से बने रथ में वापस डाल दिया: ऑटोमेडन चमकती हुई चाबुक के साथ रथ पर कूद पड़ा। पीछे से, अकिलीज़ युद्ध के लिए तैयार होकर आया, उसके हथियार शानदार सूर्य की तरह चमक रहे थे, और उसने अपने पिता के घोड़ों को ज़ोर से पुकारा: "ज़ैंथस और बालियस, महान संतान, तेज़ पोडार्ज की, जो अब दूसरे रूप में है, उसे यूनानियों की सेना में सुरक्षित वापस ले चलो, जब वह मैदान छोड़ेगा, तो मैं तुम्हारा सारथी बनूँगा; और उसे वैसे ही मत छोड़ना जैसे तुमने पेट्रोक्लस को मरा हुआ छोड़ा था।"

जुए के नीचे से उत्तर देते हुए, ज़ैंथस, महान घोड़ा, अपने फुर्तीले कदमों से: अपना सिर झुकाए हुए, जब तक कि उसकी पूरी अयाल, जुए की पट्टी से नीचे बहकर ज़मीन तक नहीं पहुँच गई; श्वेत भुजाओं वाली रानी जूनो द्वारा वाणी से संपन्न:

"हाँ, महान अकिलीज़, आज हम तुम्हें फिर से सुरक्षित ले जाएँगे; परन्तु तुम्हारा अंत निकट है; और हम तुम्हारी मृत्यु का कारण नहीं बनेंगे, बल्कि स्वर्ग की सर्वोच्च इच्छा और भाग्य की सर्वशक्तिमान शक्ति ही ऐसा करेगी। हमारी किसी गलती या गति की कमी के कारण नहीं, बल्कि ट्रोजनों ने पेट्रोक्लस के हथियार छीन लिए: सर्वशक्तिमान ईश्वर, सुनहरे बालों वाली लैटोना के पुत्र, ने अपनी मृत्यु प्राप्त की और हेक्टर की विजय सुनिश्चित की। हमारी पैदल गति ज़ेफिर की हवा से भी तेज़ हो सकती है।" सबसे तेज हवाओं में से भी तेज; परन्तु तू ईश्वर और मनुष्य के संयुक्त बल से मरने के लिए अभिशप्त है।

उसने कहा; उसके आगे के भाषण को फ्यूरीज़ ने रोक दिया। क्रोध में भरे अकिलीज़ ने तेज़ी से दौड़ते हुए कहा, "ज़ैंथस, तुम मेरे आने वाले भाग्य की भविष्यवाणी क्यों कर

रहे हो? यह तुम्हें शोभा नहीं देता! मैं भली-भांति जानता हूँ कि मेरी नियति ट्रॉय में मरने की है, अपने घर और माता-पिता से दूर; फिर भी मैं तब तक नहीं रुकूँगा, जब तक ये ट्रोजन मैदान से मेरे सामने से भाग न जाएँ।" उसने कहा और आगे की ओर, युद्ध घोष करते हुए, अपने उग्र घोड़ों को दौड़ाया।

# तर्क।

**देवताओं का युद्ध और अकिलीज़ के कारनामे।**

अकिलीज़ के युद्ध में लौटने पर बृहस्पति देवताओं की सभा बुलाता है और उन्हें दोनों पक्षों की सहायता करने की अनुमति देता है। देवताओं के युद्ध में शामिल होने पर भयंकर युद्ध का वर्णन किया गया है। अपोलो, ऐनियास को अकिलीज़ से मिलने के लिए प्रोत्साहित करता है। लंबी बातचीत के बाद, ये दोनों वीर आमने-सामने आते हैं; लेकिन नेपच्यून की सहायता से ऐनियास बच जाता है। अकिलीज़ शेष ट्रोजन सैनिकों पर आक्रमण करता है और हेक्टर को मारने ही वाला होता है, लेकिन अपोलो उसे एक बादल में ले जाता है। अकिलीज़ भारी नरसंहार करते हुए ट्रोजन सैनिकों का पीछा करता है।

दिन का वही दौर जारी रहता है। यह दृश्य ट्रॉय के सामने वाले मैदान का है।

# पुस्तक XX.

हे अकिलीज़, तुम्हारे चारों ओर, युद्ध के लिए उत्सुक, यूनान के पुत्र अपनी चोंचदार नौकाओं के साथ इस प्रकार सुसज्जित खड़े थे; ट्रोजन सेना, विपरीत दिशा में, मैदान के ढलान वाले किनारे पर खड़ी थी। तब बृहस्पति ने थेमिस को आदेश दिया कि वह देवताओं को ओलंपस की ऊँची चोटी से परिषद के लिए बुलाए; उसने उन्हें हर तरफ से बृहस्पति के घर बुलाया। फिर नदियों में से, ओशनस को छोड़कर, कोई भी अनुपस्थित नहीं था। न ही अप्सराओं का, जो निर्मल जलप्रपात, छायादार उपवन या घास के मैदान में विचरण करती हैं। वे बादल-संयोजक के घर पहुँचीं, पॉलिश किए हुए गलियारे में लेट गईं, जिसे वल्कन के कुशल हाथों ने बृहस्पति के लिए बनाया था। वे बृहस्पति के निवास में एकत्रित हुईं। पृथ्वी को कंपकंपाने वाले नेपच्यून ने भी इस आह्वान को अनदेखा नहीं किया, बल्कि सागर की गहराइयों से आया और बीच में बैठ गया, और इस प्रकार बृहस्पति की इच्छा का पता लगाया।

"हे बिजली के स्वामी, तुमने यहाँ देवताओं को सभा के लिए क्यों बुलाया है? क्या तुम यूनानियों और ट्रोजनों के बारे में कुछ योजना बना रहे हो? जो अभी-अभी, ऐसा लगता है, युद्ध की ज्वाला को फिर से भड़का रहे हैं।"

बादलों के कर्ता ने उत्तर देते हुए कहा: "हे नेपच्यून, तुम स्वयं वह उद्देश्य भली-भांति जानते हो जिसके लिए मैंने तुम्हें बुलाया है; यह सत्य है कि उन्हें मरना ही होगा, परन्तु वे मेरी देखरेख के पात्र हैं; फिर भी मैं ओलंपस की ऊँची चोटी पर रहूँगा, और शांतिपूर्वक युद्ध देखूँगा; तुम, शेष, अपनी इच्छा अनुसार ट्रोजन या यूनानियों के पास जाओ, और अपनी इच्छा से किसी भी पक्ष की सहायता करो। क्योंकि यदि हम अकिलीज़ को इस प्रकार अकेला छोड़ दें, तो ट्रोजन के विरुद्ध लड़ने के लिए, वे एक घंटे के भीतर ही सूर्य के सामने टिक पाएंगे।" पेलेउस के सामने खड़े रहो।

वे पहले उससे डरते थे; लेकिन अब, मुझे डर है,
अपने साथी की मृत्यु से क्रोधित होकर,
वह भाग्य की अवहेलना करते हुए भी दीवार पर धावा बोल सकता है।

इस प्रकार शनि के पुत्र ने एक अथाह युद्ध को जन्म दिया: देवता, विभाजित होकर, युद्ध के लिए दौड़े: जूनो और पल्लास ग्रीस के जहाजों पर सवार हुईं, उनके साथ पृथ्वी को हिलाने वाला और सहायक देवता, अद्वितीय चतुराई और सूक्ष्म कौशल वाले

हेमीज़ भी थे; और वल्कन भी अपनी शक्ति में आनंदित थे, फिर भी लंगड़ाते हुए और कमजोर अंगों पर चलते हुए। चमकते हेलमेट वाले मार्स ने ट्रॉय के साथ भाग लिया, और सुनहरे बालों वाले फोएबस ने भी, लैटोना और डायना भी। तीरंदाज-रानी, ज़ैंथस और वीनस, हँसी-मज़ाक पसंद करने वाली महिला।
जब देवता मनुष्यों के युद्ध से विमुख रहे, तब यूनानियों का घमंड बुलंद हुआ, क्योंकि लंबे समय बाद, अकिलीज़ फिर से युद्ध के मैदान में प्रकट हुआ: और प्रत्येक ट्रोजन के अंग भय से कांप उठे, कांपते हुए, जैसे उन्होंने पेलियस के देवतुल्य पुत्र को देखा, चमकते हथियारों में, रक्त से सने मंगल की तरह भयंकर। लेकिन जब अमर लोग भीड़ में शामिल हुए, तब आत्मा को झकझोर देने वाला संघर्ष भयंकर हो गया; तब पल्लास ने अपनी युद्ध-घोषणा की, अब खड़ी होकर। गहरी खोदी गई खाई के किनारे, दीवार के बाहर, अब गूंजते समुद्र तट पर ज़ोर से चिल्लाते हुए। दूसरी ओर, जैसे आंधी की गर्जना के साथ, मंगल ने ट्रोजनों को ज़ोर से पुकारा; एक बार फिर, इलियम की सबसे ऊँची चोटी से; फिर से, सिमोइस की धारा के ऊपर लटकती सुंदर पहाड़ी से। इस प्रकार, दोनों ओर लड़ाई को उत्तेजित करते हुए, अमर देवताओं ने क्रोधित युद्ध को खोल दिया। देवताओं और मनुष्यों के पिता ने ऊपर गर्जना की, भयानक शोर के साथ; जब नेपच्यून असीम पृथ्वी और ऊंचे पर्वतों के नीचे कांप रहा था, तब वसंत ऋतुओं से भरपूर इडा नदी अपने दृढ़ आधार से अपने सबसे ऊंचे शिखर तक कांप उठी और हिल गई, और ट्रॉय का गौरवशाली शहर और ग्रीस के जहाज भी। नरक के सम्राट प्लूटो ने घबराकर सुना और अपने सिंहासन से उछलकर डर से चिल्लाया, कहीं नेपच्यून ठोस पृथ्वी को चीरकर, मनुष्यों और अमर लोगों के सामने अपना अंधकारमय और उजाड़ निवास, जो देवताओं को भी घृणित लगता है, उजागर न कर दे। जब युद्ध में देवता मिले तो सदमा लगा; क्योंकि वहाँ राजसी नेपच्यून के सामने अपोलो अपने तीखे बाणों के साथ खड़ा था; नीली आँखों वाली पल्लास युद्ध के देवता के सामने; जूनो, डायना, स्वर्ग की धनुर्धारी, फोबस की बहन, सुनहरे बाणों वाली रानी; बलवान हेमीज़, सहायक देवता, लैटोना के सामने; जबकि वल्कन शक्तिशाली बहती धारा से टकराया, जिसे देवता ज़ैंथस कहते थे, मनुष्य स्कैमंडर कहते थे। इस प्रकार देवताओं का देवताओं से सामना हुआ: इस बीच अकिलीज़ की आत्मा जल रही थी। भीड़ के बीच प्रियम के पुत्र हेक्टर से मिलने के लिए, जिसके रक्त से वह युद्ध के

अतृप्त स्वामी को तृप्त करना चाहता था। फिर, आत्मा को प्रेरित करने वाले देवता अपोलो ने एनियास को अकिलीज़ का सामना करने के लिए उकसाया, और उच्च साहस से भर दिया; और इस प्रकार, प्रियम के पुत्र लाइकॉन की आवाज ने, बृहस्पति के पुत्र अपोलो को संबोधित किया:
"एनेस, ट्रॉय के राजकुमार और सलाहकार, वे शेखी कहाँ हैं जो तुमने हाल ही में ट्रॉय के एकत्रित सरदारों के बीच शराब के प्याले पर लगाई थीं, कि तुम अकिलीज़ से आमने-सामने मुकाबला करोगे?"
इस पर एनियास ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे प्रियम के पुत्र, मुझे मेरी इच्छा के विरुद्ध, पेलियस के शक्तिशाली पुत्र से लड़ने के लिए क्यों उकसा रहे हो? यह पहली बार नहीं है कि मैं अब अकिलीज़ से, जो बहुत तेज दौड़ता है, मुकाबला कर रहा हूँ: मैं उससे एक बार मिला था, और इडा की पहाड़ी पर उसके भाले के सामने भाग गया था, जब उसने हमारे झुंडों पर हमला किया था; तब उसने लिरनेसस और पेडसस को नष्ट कर दिया था; मुझे बृहस्पति ने अपनी शक्ति, सामर्थ्य और तेज दौड़ से बचाया था। अन्यथा मैं अकिलीज़ के हाथों मारा जाता, पल्लास द्वारा।" सहायता प्राप्त; जो उसके आगे चलता है, उसके जीवन का प्रकाश, और उसके पीतल के भाले का मार्गदर्शन करता है, ट्रोजन और लेलेगेस दोनों को समान रूप से मारने के लिए। किसी नश्वर मनुष्य के लिए उससे लड़ना संभव नहीं है, जिसकी कोई न कोई देवता देखभाल करता है और उसे हानि से बचाता है; और, बिना सहायता के भी, उसका भाला निशाने पर अचूक उड़ता है, बिना रुके तब तक जब तक वह किसी योद्धा की छाती को भेद न दे; फिर भी यदि देवता तराजू को निष्पक्ष रखते, तो पीतल से सुसज्जित होने के बावजूद, वह मुझ पर आसानी से विजय प्राप्त नहीं कर सकता।
जिनसे राजा अपोलो, बृहस्पति के पुत्र ने कहा: "हे वीर सरदार, तुम भी अमर देवताओं से प्रार्थना करो; लोग कहते हैं कि तुम शुक्र की संतान शुक्र से उत्पन्न हुए हो; तुम्हारी माता का जन्म साधारण है; एक बृहस्पति से, दूसरा वृद्ध सागर देवता से। इसलिए निडर भाले के साथ आगे बढ़ो, और उसकी ऊँची आवाज़ और घमंड भरी धमकियों से भयभीत मत हो।"
उनके शब्दों ने वीर के हृदय को साहस से भर दिया, और वह चमकीले शस्त्रों से सुसज्जित होकर आगे बढ़ा; लेकिन श्वेत शस्त्रों वाली जूनो बिना किसी चेतावनी के

आगे बढ़ी, और लोगों की भीड़ में से अकिलीज़ से मिलने के लिए आगे बढ़ी, जिसने इस प्रकार देवताओं को संबोधित किया, जिन्हें परिषद के लिए बुलाया गया था: नेपच्यून और पल्लास, दोनों अच्छी तरह सोचो कि अब हमें क्या करना चाहिए; ऐनेस आ रहा है, चमकदार हथियारों से सुसज्जित, पेलेउस के पुत्र से युद्ध करने के लिए; फोएबस उसे भेज रहा है। तो क्या हम, मुठभेड़ के बाद, पीछे हटकर उसे विवश करेंगे? या हममें से कोई एक अकिलीज़ के साथ खड़ा होकर उसे शक्ति देगा ताकि उसे किसी चीज की कमी न हो; और स्वयं को सभी अमर देवताओं का प्रिय और उन लोगों को कितना शक्तिहीन पाएगा जिनकी सहायता से ट्रोजन अभी भी जीवित हैं। रक्षात्मक युद्ध?
इसलिए, युद्ध में शामिल होने के लिए, हम सभी आए हैं
उच्च ओलंपस से, ताकि आज के युद्ध में
उसे कोई हानि न हो; यद्यपि वह समय आएगा
उसके लिए भाग्य द्वारा निर्धारित नियति का सामना करने का,
जब उसके जन्म के समय उसके जीवन का धागा काता गया था।
लेकिन यदि अकिलीज़ किसी दिव्य वाणी से
यह आश्वासन प्राप्त नहीं करता है, तो वह भयभीत हो सकता है, यदि संयोगवश किसी देवता के विरुद्ध वह स्वयं को पाता है: मनुष्य के लिए यह कठिन है
प्रत्यक्ष उपस्थिति में किसी ईश्वर से मिलना।"
जिस पर पृथ्वी को हिला देने वाले नेप्च्यून ने इस प्रकार उत्तर दिया: "जूनो, अपना क्रोध बहुत आगे मत बढ़ाओ; यह तुम्हें शोभा नहीं देता। मेरी सहमति के बिना हम, जो कहीं अधिक शक्तिशाली हैं, अन्य देवताओं को युद्ध के लिए उकसाएँगे नहीं; बल्कि युद्धक्षेत्र से पीछे हटकर, हम ऊपर से मनुष्यों के लिए छोड़े गए युद्ध के कोलाहल का अवलोकन करेंगे। यदि मंगल या फोएबस तब युद्ध शुरू कर दें, या अकिलीज़ को रोककर उसकी भुजा को जकड़ लें, तो हम भी इस संघर्ष में शामिल हो सकते हैं; और मुझे लगता है कि जल्द ही वे हार मान लेंगे।" शामिल हों, मैदान से खदेड़ दिए गए, देवताओं की सभा, हमारे विजयी हाथों द्वारा विवश कर ली गई।
काले बालों वाले सम्राट ने बात की; और रास्ता दिखाया
उस ऊँची दीवार की ओर, जिसे प्राचीन काल में ट्रोजनों ने बनाया था,

पल्लास की सहायता से, देवतुल्य हरक्यूलिस के लिए;
जिसके घेरे में वह सुरक्षा पा सकता था,
जब समुद्र तट से गहरे समुद्र का राक्षस
उसका मैदान की ओर पीछा कर सकता था; वहाँ नेप्च्यून बैठा था, और उसके साथ, अन्य देवता, बादलों के एक अभेद्य आवरण में, उनके कंधों के चारों ओर फैले हुए थे। दूसरी ओर, सुंदर पहाड़ी की चोटी पर, फोएबस, किला-नाशक मार्स के साथ बैठा था। वे दोनों ओर बैठे थे, एक दूसरे के सामने, शत्रुतापूर्ण सलाह के साथ; फिर भी दोनों अनिच्छुक थे, निर्दयी युद्ध की पहल करने के लिए; जब तक कि उच्च सिंहासन पर विराजमान बृहस्पति ने संकेत नहीं दिया। तब सारा मैदान, पुरुषों और घोड़ों से भरा हुआ, पीतल की चमक से जगमगा उठा; उनके पैरों तले धरती कांप उठी, मानो युद्ध के झटके से वे दौड़ पड़े हों; लेकिन बीच में, दोनों सेनाओं के बीच, युद्ध के लिए उत्सुक, दो साहसी योद्धा खड़े हो गए, गर्व से श्रेष्ठ; एंकीसेस का पुत्र एनेस, और अकिलीज़ की दैवीय शक्ति।
एनीस सबसे पहले धमकी भरे अंदाज़ में आगे बढ़ा, अपने भारी हेलमेट को हिलाते हुए; अपनी छाती के सामने उसने अपनी ढाल रखी और अपने पीतल के भाले को तैयार किया। विरोधी पंक्तियों से उसका सामना अकिलीज़ से हुआ; एक भूखे शेर की तरह भयंकर, जिसे मारने के लिए उत्तेजित गाँव के सभी बलवान युवक और एकजुट शक्ति उमड़ पड़ी; वह पहले तो अनसुना कर चला; परन्तु किसी साहसी युवक द्वारा फेंके गए भाले से घायल होकर, वह खुले जबड़े और झागदार नुकीले दांतों के साथ, छलांग लगाने के लिए तैयार होते हुए मुड़ता है, उसका सीना उसके शक्तिशाली हृदय के लिए बहुत संकरा है; और अपनी पूंछ से वह अपने दोनों किनारों और बगलों को कोड़े मारता है, मानो अपने चरम क्रोध को जगाने के लिए; फिर, शक्ति के अभिमान में, चमकती आँखों के साथ, वह आगे बढ़ता है, मानो किसी शिकारी को मार डाले, या स्वयं सबसे आगे की पंक्ति में मारा जाए। इस प्रकार उसके निडर मन ने पेलेउस के पुत्र ऐनेस को सामना करने के लिए प्रेरित किया; जब वे पास आए, तब सबसे पहले तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने चलना शुरू किया:
ऐनेस, तुम सेना से इतना आगे क्यों बढ़ गए? क्या तुम मुझसे लड़ने की हिम्मत कर रहे हो? शायद तुम यह उम्मीद कर रहे हो कि ट्रॉय का सिंहासन और प्रियम के शाही

सम्मान तुम्हारे होंगे। अगर तुम मुझे मार भी दो, तो प्रियम से ऐसा वरदान पाने की उम्मीद मत रखना; उसके वीर पुत्र हैं, और वह कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चयी है। या क्या ट्रोजनों ने तुम्हारे लिए कोई विशेष स्थान, देश का सबसे सुंदर स्थान, बाग या अनाज का खेत अलग रखा है, जहाँ तुम मेरी सेवा कर सको? मृत्यु;
जिसे तुम, मुझे विश्वास है, बहुत कठिन कार्य पाओगे?
तुम पहले ही मेरे भाले के सामने भाग चुके हो;
क्या तुम भूल गए हो कि तुम्हारे झुंडों के बीच
मैंने तुम्हें अकेला पाया, और भागते हुए कदमों से
इडा की पहाड़ी की ढलान से नीचे तुम्हारा पीछा किया?
न ही तुमने मुड़ने या भागते समय रुकने का साहस किया।
तुम लिरनेसस भाग गए; लिरनेसस पर मैंने,
पल्लास और बृहस्पति की सहायता से, आक्रमण किया और कब्जा कर लिया:
उनकी महिलाओं को, उनकी स्वतंत्रता के दिन खोकर,
मैं वहाँ से ले गया। मेरे बंदी; तुम्हें मृत्यु से बृहस्पति और अन्य देवताओं ने बचाया था; परन्तु अब वे तुम्हारी आशा होने पर भी सहायता नहीं देंगे; इसलिए मैं तुम्हें समय रहते चेतावनी देता हूँ, इससे पहले कि तुम्हारा कुछ बुरा हो, कि तुम आम लोगों से दूर हो जाओ और मेरा विरोध न करो: अंत में मूर्ख भी बुद्धिमान हो सकता है।
इसके उत्तर में ऐनेस ने इस प्रकार कहा: "अकिलीज़, मुझे मूर्ख मत समझो, जो तुम्हें ऊँची-ऊँची बातों से डरा सकूँ; मैं भी तुम्हें चुभने वाले शब्दों और अपमान से अच्छी तरह जवाब दे सकता हूँ। हम एक-दूसरे के वंश और माता-पिता को प्राचीन कथाओं से भली-भांति जानते हैं; हालाँकि न तो मेरे और न ही तुम्हारे मुझे। कहा जाता है कि तुम महान पेलियस के पुत्र थेतिस, समुद्र की सुंदर पुत्री, के पुत्र थे; और मैं गर्व से कहता हूँ कि तुम महान एंकीसेस, स्वर्ग से उतरे हुए सरदार, के पुत्र हो। शुक्र ग्रह से उत्पन्न, उसे जन्म दिया। इनमें से किसी न किसी को आज अपने पुत्र का शोक मनाने का अवसर मिलेगा; क्योंकि व्यर्थ शब्दों से नहीं, बल्कि नश्वर संघर्ष से तुम और मैं विदा होंगे। परन्तु यदि तुम और अधिक जानना चाहो, और उस वंश के बारे में जानो जिससे मैं उत्पन्न हुआ हूँ, जो मनुष्यों के लिए अज्ञात नहीं है, बादलों को विवश करने वाले बृहस्पति के पुत्र डारडानस द्वारा उत्पन्न, डारडानिया में सबसे पहले लोग बसे थे, इससे

पहले कि पवित्र इलियम, मनुष्यों का आबाद शहर, मैदान पर स्थापित हुआ; तब तक वे वसंत से भरपूर इडा के सबसे निचले हिस्से में रहते थे। एरिचथोनियस का जन्म डार्डनस के घर हुआ था, जो महान राजा और मनुष्यों में सबसे धनी था। उसके लिए तीन हजार घोड़ियां दलदली मैदान में चरती थीं, अपने बच्चों के साथ आनंद मनाती थीं। बोरियास ने उन्हें उस चरागाह में देखा जहाँ वे चर रही थीं, और वह उन पर मोहित हो गया। झुंड के बीच वह कोयले जैसे काले घोड़े के रूप में प्रकट हुआ। उसने बारह बच्चों को जन्म दिया। ये बच्चे जब अनाज के खेतों में चरने लगे तो उन्हें चरने लगे। उड़ते हुए, खड़े झरनों के ऊपर से सरकते हुए, न तो किनारे को तोड़ पाए; और विशाल सागर के सीने के ऊपर से उड़ते हुए, सफेद समुद्र की सबसे ऊँची लहरों के ऊपर से सरकते हुए; फिर, एरिकथोनियस ट्रॉस के यहाँ जन्म हुआ, ट्रॉय का राजा; उसके तीन महान पुत्र थे, इलस, असारकस और गैनीमेड; वह सभी मनुष्यों में सबसे सुंदर था; उसकी सुंदरता ने देवताओं को भी आकर्षित किया, उसे बृहस्पति के प्याले के सेवक के रूप में सेवा करने के लिए, और उनके बीच निवास करने के लिए। अमर: इलस ने एक महान पुत्र, लाओमेडोन को जन्म दिया; टिथोनस और प्रियम; क्लिटियस, लैम्पस और इस्टाओन, मार्स का पुत्र; कैपिस, असारकस का पुत्र, एंचीसेस को जन्म दिया, और एंचीसेस ने मुझे जन्म दिया: प्रियम के कारण हेक्टर का जन्म हुआ। यही मेरा वंश है, और यही मेरा रक्त है जिस पर मुझे गर्व है; लेकिन बृहस्पति, अपनी इच्छा से, मनुष्यों को वीरता प्रदान करता है या कम कर देता है; क्योंकि वह सबका स्वामी है। तो अब हम मूर्खों की तरह बड़बड़ाना बंद करते हैं। यहाँ आने वाले संघर्ष के केंद्र में, निंदा के ऐसे शब्द मिल सकते हैं जिनका भार सौ चप्पू वाली नाव को भी डुबो दे; क्योंकि जीभ बड़ी सहजता से चलती है और इच्छा अनुसार हर रज्जु में बात कह सकती है; भाषा का दायरा व्यापक है; और ऐसे शब्द जो एक बोलता है, दूसरा दोहरा सकता है। क्या आवश्यक है कि हम एक-दूसरे का अपमान करें? उन महिलाओं की तरह जो किसी तुच्छ झगड़े में सार्वजनिक सड़क पर गाली-गलौज और झगड़ा करती हैं, और अपमानजनक शब्दों में अपना क्रोध प्रकट करती हैं। कुछ सच, कुछ झूठ; क्योंकि उनका क्रोध यही दर्शाता है। शब्दों से तुम मुझे मैदान से नहीं हटा सकते, जब तक हम हथियारों से आमने-सामने न आ जाएँ; तब हम एक-दूसरे की वीरता को अपने पीतल के भालों से आजमाएँगे।

उसने कहा, और शक्तिशाली ढाल पर अपना पीतल का भाला फेंका; हथियार की नोक से ज़ोरदार आवाज़ हुई; और अकिलीज़ ने ढाल को अपने चौड़े हाथ से दूर रखा, इस डर से कि कहीं एनेस का भाला आसानी से उसके तहों से न निकल जाए; अंधे मूर्ख! भूल गए कि देवताओं द्वारा प्रदत्त गौरवशाली उपहार आसानी से पराजित नहीं होते, और न ही नश्वर मनुष्यों के हमलों के सामने झुकते हैं।
इसलिए ऐनेस का मजबूत भाला उसे भेद नहीं सका, स्वर्ग की देन, सोने की थाली ने उसे थाम लिया; फिर भी वह दो थालियों को पार कर गया, लेकिन तीन बची रहीं, क्योंकि वल्कन द्वारा निर्मित ढाल में पाँच थीं; दो पीतल की थीं, भीतरी दो टिन की, और एक सोने की, जिसने पीतल के भाले को थाम लिया।
अकिलीज़ ने बारी-बारी से अपना भारी भाला फेंका।
और एनेस की ढाल के घेरे पर प्रहार किया।
पहले किनारे के पास, जहाँ पीतल सबसे पतला था,
और ऊपर की चमड़ी भी सबसे पतली थी; पेलियन बाण ठीक आर-पार चला गया; ढाल में एक बड़ा छेद हो गया।
एनेस डर से दुबक गया, जैसे उसने अपने सिर के ऊपर अपनी ढाल पकड़ रखी हो; वह तीव्र हथियार उसकी विशाल ढाल के दोनों घेरों को भेदते हुए, उसके पीछे जमीन पर कांपता हुआ खड़ा था। भारी हथियार से बच निकला, उसकी आँखों में तेज दर्द कौंध गया, वह डर से खड़ा रहा, भाला उसके इतने करीब से गुजरा था; फिर आगे बढ़ते हुए, अपनी तीक्ष्ण तलवार निकालते हुए, अकिलीज़ भयानक चीख के साथ दौड़ा; फिर एनेस ने एक चट्टानी टुकड़े को उठाया, एक विशालकाय पिंड, जिसे आज के दो आदमियों के लिए भी मुश्किल से उठाया जा सकता था, लेकिन उसने बिना किसी सहायता के उसे आसानी से उठा लिया। फिर एनेस ने उस विशाल पत्थर से, या तो हेलमेट पर, या ढाल पर, अपनी मृत्यु को टालते हुए, अकिलीज़ पर प्रहार किया; और यदि वह स्वयं पेलेउस के पुत्र की तलवार से मारा गया होता, यदि पृथ्वी को हिला देने वाले ईश्वर ने उसका संकट न देखा होता, और अमर लोगों को इस प्रकार संबोधित किया होता: "हे महान ऐनेस के कारण मुझ पर धिक्कार है, जो अकिलीज़ द्वारा मारा गया है, और जिसे जल्द ही उन अदृश्य आत्माओं के पास जाना होगा; जो संवेदनहीन हैं, जिन्होंने फोएबस के शब्दों पर भरोसा किया था; फिर भी वह उसे मृत्यु

से नहीं बचा पाएगा। फिर भी, स्वयं निर्दोष होते हुए, वह दूसरों के अपराध पर क्यों पछताएगा? जो अब भी कृतज्ञ है।" बलिदान ने स्वर्ग में निवास करने वाले सभी देवताओं को अपना बलिदान दिया है। आइए हम उसके जीवन की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करें; कहीं ऐसा न हो कि यदि अकिलीज़ उसे मार डाले, तो शनि का पुत्र क्रोधित हो जाए; क्योंकि उसका भाग्य उसे जीवित रखना चाहता था; कहीं ऐसा न हो कि बिना संतान के, पृथ्वी से डार्डनस का पूरा वंश नष्ट हो जाए; शनि के पुत्र द्वारा, उसके सभी पुत्रों में सबसे प्रिय, जो नश्वर स्त्रियों से उत्पन्न हुए थे। क्योंकि बृहस्पति ने प्रियम के वंश से घृणा की है; परन्तु ट्रोजनों पर विजय प्राप्त करेगा। ऐनेस का शासन, और उसके पुत्रों के पुत्र, आने वाली पीढ़ियों तक।
इस पर स्वर्ग की हिरण जैसी आँखों वाली रानी ने इस प्रकार उत्तर दिया: "नेपच्यून, तू स्वयं निर्णय ले कि ऐनियास को पीछे हटना है या उसे गिरने देना है, चाहे वह कितना भी अच्छा क्यों न हो, अकिलीज़ की तलवार के नीचे; परन्तु हम अमर देवताओं के समक्ष बाध्य हैं, मैं और पल्लास, बार-बार शपथ लेकर, उसके विनाश से एक भी ट्रोजन जीवन को नहीं बचाएँगे, चाहे सारा ट्रॉय भयंकर ज्वालाओं का शिकार हो जाए, वीर यूनानियों द्वारा प्रज्वलित होकर जल रहा हो।"
पृथ्वी को हिला देने वाले ने सुना; और वह युद्ध के बीच से गुजरा, और भालों की भीड़ के बीच से, जब तक कि वह वहाँ नहीं पहुँचा जहाँ महान अकिलीज़ और ऐनेस खड़े थे। उसने पेलियस के पुत्र की आँखों के चारों ओर धुंध का पर्दा फैला दिया; फिर ऐनेस की ढाल से पीतल की नोक वाला भाला निकालकर, उसने उसे अकिलीज़ के पैरों के सामने रख दिया; और ऐनेस को उठाकर, उसे ज़मीन से बहुत ऊपर ले गए। अनेक योद्धाओं और रथों की पंक्तियों के ऊपर से ऐनेस ईश्वर के सहारे उड़ता हुआ गया; जब तक कि वह युद्धक्षेत्र के अंतिम छोर पर नहीं पहुँच गया, जहाँ कॉकन्स युद्ध के लिए हथियार उठा रहे थे। वहाँ ऐनेस के बगल में खड़े होकर, पृथ्वी को हिला देने वाले ने अपने पंखों वाले शब्दों से उसे संबोधित किया: "ऐनेस, बता क्या है ईश्वर ने तुझे इस प्रकार प्रेरित किया है? अकिलीज़ के विरुद्ध, जो तू बहुत शक्तिशाली और प्रिय है।" हे भगवान! यदि वह कभी तुम्हारे रास्ते में आए, तो पीछे हट जाना, कहीं ऐसा न हो कि भाग्य की अवहेलना करते हुए भी तुम्हारी मृत्यु हो जाए। परन्तु जब अकिलीज़ भाग्य

के आगे हार मान ले, तब निडर होकर सबसे आगे वालों के साथ युद्ध में शामिल हो जाना: कोई अन्य यूनानी तुम्हारा लूटा हुआ माल नहीं ले जा पाएगा।
इस प्रकार स्पष्ट रूप से चेतावनी मिलने पर, ऐनेस वहाँ से चला गया। फिर उसने अकिलीज़ की आँखों से पर्दा हटाया: आश्चर्यचकित होकर, उसने आँखें चौड़ी करके देखा, मानो वह अपने शक्तिशाली हृदय से संवाद कर रहा हो:
हे स्वर्ग, मेरी आँखें क्या आश्चर्य देख रही हैं? मेरा भाला मेरे सामने रखा था, और वह गायब हो गया जिस पर मैंने उसे मारने के इरादे से फेंका था! अमर देवताओं में से एक ऐनेस है, जो वास्तव में प्रिय है, हालाँकि मैंने उसके घमंड को व्यर्थ समझा। उस पर लानत हो! फिर भी मुझे नहीं लगता कि वह जल्द ही मेरी शक्ति को फिर से परखने का साहस करेगा, जो अब खुशी-खुशी मौत से भाग रहा है। तो, वीर यूनानियों को मेरा आदेश है। मुझे किसी अन्य ट्रोजन की वीरता को परखने दो। वह सैनिकों की ओर उछल पड़ा, प्रत्येक व्यक्ति उत्साहपूर्वक कह रहा था: "ट्रोजन से, वीर यूनानियों, अब अलग मत रहो; बल्कि आमने-सामने होकर शत्रु का सामना करो, और बहादुरी से युद्ध का सामना करो। मेरे लिए, चाहे मैं कितना भी बहादुर योद्धा क्यों न हूँ, इतनी बड़ी संख्या का सामना करना और पूरी ताकत से लड़ना कठिन होगा। न मंगल, न पल्लास, चाहे वे अमर देवता ही क्यों न हों, इतनी विशाल सेना का सामना कर सकते थे और उसे पराजित कर सकते थे। लेकिन मेरी अकेली भुजा, पैर और शक्ति से जो भी लाभ हो, मैं जरा भी ढिलाई नहीं बरतूँगा; सैनिकों की कतारों के बीच से होकर गुजरूँगा।" मैं अपना रास्ता खुद बनाऊंगा; और उस ट्रोजन के लिए खुशी का कोई कारण नहीं होगा, जो मेरे भाले की सीमा में आएगा।
इस प्रकार वह उपदेश देते हुए; हेक्टर उत्साह बढ़ाते हुए, इस बीच ट्रोजन ने आश्वासन दिया कि वह स्वयं अकिलीज़ का सामना करेगा।
"हे वीर ट्रोजनो, पेलियस के पुत्र से मत डरो; मैं भी शब्दों में देवताओं से प्रतिस्पर्धा कर सकता हूँ, यद्यपि शस्त्रों में नहीं; वे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। अकिलीज़ अपने सभी वचनों को पूरा नहीं कर पाएगा; कुछ में वह सफल होगा, कुछ में असफल, और उसका मार्ग बीच में ही रुक जाएगा। मैं उसका सामना करूँगा, चाहे उसके हाथ अग्नि के हों, और उसकी शक्ति चमकीले इस्पात के समान हो।"

इस प्रकार, उसने उपदेश देते हुए, भाले ऊपर उठाकर ट्रोजन सेना को आगे बढ़ाया;
भीड़ में से ज़ोरदार शोरगुल उठा; फिर हेक्टर के बगल में अपोलो खड़ा हुआ और
उसने सरदार को संबोधित करते हुए कहा: "हेक्टर, अकिलीज़ को चुनौती देने से
बचो; और भीड़ के बीच से युद्ध से हट जाओ; कहीं ऐसा न हो कि वह तुम्हें दूर से फेंके
गए भाले से मार डाले, या आमने-सामने की लड़ाई में तलवार से मार डाले।"
उसने कहा; और उस दिव्य वाणी से व्याकुल होकर, हेक्टर लोगों की भीड़ के बीच से
पीछे हट गया।
फिर, शक्ति से परिपूर्ण होकर, ट्रोजनों के बीच उछल पड़ा,
भयानक चीखों के साथ, अकिलीज़; सबसे पहले उसने मार डाला
ओट्रिंटेस के पुत्र, इफ़िटियन को, जो अनेक योद्धाओं का वीर सरदार था; उसे एक
जलपरी,
हाइड की उपजाऊ घाटी में, बर्फ से ढके टमोलस के चरणों के नीचे, ओट्रिंटेस के पास
ले आई;
जैसे ही वह उस पर झपटा, अकिलीज़ ने उस पर वार किया,
और उसके माथे में अपना चमकीला भाला घुसा दिया;
सिर दो भागों में फट गया; वह गर्जना करते हुए गिर पड़ा, और इस प्रकार अकिलीज़
ने उस पर अपना घमंड जताया:
"ओट्रिंटेस के पुत्र, तू वहाँ पड़ा रहे, हे सबसे अभिमानी मनुष्यों में; यहीं तुझे अपनी मृत्यु
मिलेगी, अपने जन्मस्थान से दूर, गाइगियन झील के किनारे; यहीं तुझे अपनी विरासत
मिली थी, प्राचीन काल में, मछलियों से भरी हाइलस की धारा के किनारे और हर्मस
की भंवरदार बाढ़ के पास।"
इस प्रकार वह उल्लास से भर उठा: इफ़िटियन की आँखों पर मृत्यु का साया छा गया;
उसका क्षत-विक्षत शव यूनानी रथ के पहियों के नीचे कुचल गया, पहले ही झटके में।
इसके बाद उसने डेमोलियन पर प्रहार किया, युद्ध में सहायक, एंटनोर के पुत्र,
कनपटी और पीतल से बंधे हेलमेट को भेदते हुए; भाले ने पीतल के हेलमेट को नहीं
रोका, जिसकी नोक हड्डी को चीरते हुए निकल गई, जिससे सारा मस्तिष्क चकनाचूर
हो गया; आगे बढ़ते हुए वह गिर पड़ा। फिर उसने दरियाई घोड़े की गर्दन पर प्रहार
किया, जो उसके रथ पर सवार होकर उसके सामने उड़ रहा था। गहरी कराह के

साथ उसने अपनी आत्मा को बाहर निकाल दिया, जैसे कोई बैल, जिसे बलवान युवक वेदी तक घसीटकर लाए हों, हेलिस के दिव्य राजा नेपच्यून की वेदी तक; पृथ्वी को कंपाने वाले देवता, प्रसन्न होकर, उपहार स्वीकार करते हैं; ऐसी ही कराहों के साथ उसकी महान आत्मा निकल पड़ी। इसके बाद उसने प्रियम के पुत्र, देवतुल्य पॉलीडोर पर हमला किया। उसके वृद्ध पिता उसे घर पर ही रखना चाहते थे, अपने सभी पुत्रों में से वह सबसे छोटा और सबसे प्रिय था; पैरों की गति में वह सबसे तेज था; जिसकी युवावस्था की नादानी ने, सबसे आगे की पंक्तियों में अपनी गति का प्रदर्शन करते हुए, उसे अपनी जान दे दी। जैसे ही वह तेजी से भागा, अकिलीज़ के भाले ने उसकी पीठ के बीचोंबीच वार किया, जहाँ सुनहरी पट्टियाँ उसकी चमकदार कमरबंद को थामे हुए थीं, और जहाँ कवच दोहरी सुरक्षा प्रदान करता था। कराहते हुए वह घुटनों के बल गिर पड़ा; उसकी आँखों के सामने काले बादल छा गए; अपने हाथों से अपनी घायल आंतों को सहारा देते हुए वह ज़मीन पर तड़पने लगा। जब हेक्टर ने अपने भाई पॉलीडोर को मृत्यु में तड़पते देखा, तो उसकी आँखों में भी उदासी छा गई। अब वह और अधिक देर तक अकेला खड़ा नहीं रह सका, बल्कि आग की लपटों की तरह चमकते हुए, अपने तीखे भाले को लहराते हुए, अकिलीज़ से मिलने के लिए कूद पड़ा; उसे देखते ही अकिलीज़ उछल पड़ा और खुशी से चिल्लाया:
"देखो, यहाँ वह व्यक्ति है जिसने मेरी आत्मा को सबसे अधिक पीड़ा पहुँचाई है, जिसने मेरे प्रिय साथी की हत्या की: अब, मुझे लगता है, युद्ध के इस दौर में हम अधिक समय तक अलग नहीं रहेंगे, न ही एक दूसरे से बचेंगे।"
फिर, कठोर दृष्टि से, देवतुल्य हेक्टर से इस प्रकार कहा: "निकट आओ, और शीघ्र ही अपनी मृत्यु के भाग्य को प्राप्त हो जाओ।"
इस प्रकार चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने निडर होकर कहा: "अकिलीज़, मुझे मूर्ख और युद्ध से अनभिज्ञ मत समझो, जिसे मैं ऊँची-ऊँची बातों से डरा सकूँ; मैं भी तुम्हें तीखे शब्दों और अपमान से जवाब दे सकता हूँ। मैं तुम्हें बलवान और वीर जानता हूँ; और मैं स्वयं को तुमसे हीन भी जानता हूँ; परन्तु अंत देवताओं के हाथ में है; और यदि उनकी यही इच्छा हो, तो मैं अपने भाले से तुम्हें मार डालूँगा; मेरे भाले की नोक भी अब तक अपनी तीक्ष्णता सिद्ध कर चुकी है।"

उसने कहा, और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका, जिसे अकिलीज़ से पल्लास ने बड़ी फुर्ती से मोड़ दिया; और हेक्टर की ओर वापस भेज दिया, और उसके पैरों के सामने रख दिया; मारने के इरादे से, अकिलीज़ भयानक चीख के साथ आगे बढ़ा; लेकिन फोएबस ने हेक्टर को मैदान से दूर कर दिया, (जैसा कि केवल देवता ही कर सकते हैं,) घने बादल में छिपाकर। तीन बार पेलियस के देवतुल्य पुत्र ने पीतल के भाले से आक्रमण किया; उसने तीन बार धुंधले बादल पर प्रहार किया; लेकिन जब उसने ईश्वर के समान शक्ति से अपना चौथा प्रयास किया, तो क्रोध में उसने इस प्रकार पुकारा:

"एक बार फिर, हे दुष्ट कुत्ते, तू बच निकला; तेरा अंत निकट था, परन्तु तेरे ईश्वर ने तुझे बचा लिया, फोएबस, भालों की खड़खड़ाहट के बीच, तू उससे प्रार्थना कर सकता है! हम फिर मिलेंगे; जब मैं तेरा अंत करूँगा, यदि मैं भी किसी संरक्षक ईश्वर का दावा कर सकूँ; तब तक, मैं तुझसे मुँह मोड़ लेता हूँ, और दूसरों की तलाश करता हूँ जिन पर मेरा भाग्य चमके।"

उसने कहा, और अपना भाला ड्रायोप्स की गर्दन में घुसा दिया, और उसे अपने पैरों पर गिरा दिया, और उसके पास से गुजर गया। फिर उसने अपने भाले से फिलीटोर के बेटे, डेमुकस, जो बलवान और लंबा था, के घुटने के नीचे वार किया, और उसके आगे बढ़ने की गति को रोक दिया; फिर तेजी से आगे बढ़ते हुए, उसने अपनी शक्तिशाली तलवार से घातक प्रहार किया। इसके बाद, उसने बियास के पुत्रों, लाओगोनस और डार्डनस को उनके रथ से नीचे फेंक दिया, एक को भाले से और दूसरे को तलवार के प्रहार से मार डाला। उसने एलास्टोर के पुत्र ट्रोस को भी मार डाला, जो उससे मिलने, घुटने टेकने और उसकी युवावस्था पर दया करके उसकी जान बख्शने की प्रार्थना करने आया था। उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसकी प्रार्थना कितनी व्यर्थ होगी; क्योंकि वह न तो कोमल स्वभाव का था और न ही शांत, बल्कि कठोर और क्रूर था। और जब वह घुटने टेककर अपने घुटनों को थामकर प्रार्थना करने लगा, तभी अकिलीज़ ने अपनी शक्तिशाली तलवार से उसे चीर डाला, उसके जिगर को चीरते हुए; जैसे ही घाव से उसका जिगर बाहर निकला, काला खून बहने लगा, उसका सीना भर गया, और उसकी आँखें अंधेरे में डूब गईं, जैसे ही उसका जीवन समाप्त हो गया। फिर मुलियस ने उसके कान में वार किया; दूसरे कान से पीतल की नोक निकली।

इसके बाद उसकी मुलाकात एजेनोर के पुत्र एचेक्लस से हुई, और उसकी मूठ वाली तलवार उसके सिर के ठीक बीचोंबीच जा गिरी। गर्म खून से तलवार रंग गई; मृत्यु और कठोर भाग्य की काली छाया उसकी आँखों पर छा गई। इसके बाद, जहाँ नसें कोहनी के जोड़ को बांधती हैं, वहाँ पीतल के भाले ने ड्यूकालियन की भुजा को भेद दिया; मृत्यु के मंडराते चेहरे और अपंग भुजा के साथ वह खड़ा रहा, जब तक कि उसकी गर्दन पर अकिलीज़ की तलवार नीचे नहीं आ गिरी, कटी और दूर जा गिरी, उसका सिर और हेलमेट दोनों। रीढ़ की हड्डी के विच्छेदित जोड़ों से मज्जा बह रहा था, जैसे वह धूल में पड़ा हो। इसके बाद उसने पीरियस के कुलीन पुत्र रिगमस को मार डाला, जो थ्रेसिया के उपजाऊ मैदानों से आया था; उसने उसकी कमर में वार किया, पीतल का भाला उसकी आंतों में घुस गया; वह रथ से गिर पड़ा; और जैसे ही उसके सारथी, एरीथस ने अपने घोड़ों को मोड़ा, अकिलीज़ ने उसकी गर्दन में अपना तीखा भाला घुसाकर उसे जमीन पर पटक दिया, चौंके हुए घोड़े बेकाबू होकर इधर-उधर भागने लगे।

जैसे किसी सूखे पहाड़ की ढलान पर, घने जंगलों वाली घाटी में आग भड़क उठती है, और सूखी झाड़ियों को भयंकर रूप से जला देती है, जबकि इधर-उधर घूमती हुई लपटें तेज़ हवा के सामने घूमती हैं; वैसे ही भयंकर रूप से अकिलीज़ हर तरफ गरजता हुआ पीछा करता, वध करता; धरती खून से लथपथ हो जाती। जैसे किसी अच्छी तरह से तैयार खलिहान पर, दो मजबूत सामने वाले बैल, एक साथ जुते हुए, सफेद जौ को रौंदते हैं; उनके पैरों के नीचे
भूसी से कुचला हुआ अनाज तेज़ी से उड़ता है;
इस प्रकार अकिलीज़ द्वारा चलाए गए, उसके उड़ते हुए घोड़े
उसका रथ, मारे गए लोगों के शवों पर से
और टूटी हुई ढालों को रौंदते हुए ले जाता है; नीचे सब कुछ
धुरा और रेलगाड़ी खून से लथपथ थी, रथ के चारों ओर, जैसे घोड़ों के पैरों से
और पहियों के किनारों से
खूनी छींटे पड़े थे; और वह आगे बढ़ता रहा, अतिरिक्त विजयों के लिए हांफता हुआ, उसके अजेय हाथ रक्तपात और नरसंहार से गहरे रंगे हुए थे।

# तर्क।

**स्कैमंडर नदी में युद्ध।**

ट्रोजन सेना अकिलीज़ के आगे भागती है, कुछ शहर की ओर, कुछ स्कैमंडर नदी की ओर; अकिलीज़ उन पर भीषण आक्रमण करता है और बारह कैदियों को जीवित पकड़ लेता है, जिन्हें वह पेट्रोक्लस की आत्मा को बलि चढ़ाने के लिए ले जाता है; और लाइकॉन और एस्टरोपियस को मार डालता है। स्कैमंडर सेना अपनी पूरी शक्ति से उस पर हमला करती है; नेपच्यून और पल्लास वीर की सहायता करते हैं; सिमोइस स्कैमंडर से मिल जाता है; अंत में, जूनो के उकसावे पर वल्कन नदी को लगभग सुखा देता है। यह युद्ध समाप्त होने पर, अन्य देवता आपस में भिड़ जाते हैं। इस बीच अकिलीज़ नरसंहार जारी रखता है और शेषों को ट्रॉय में खदेड़ देता है; केवल एजेनोर ही डटकर खड़ा रहता है और अपोलो उसे एक बादल में ले जाता है: अपोलो (अकिलीज़ को भ्रमित करने के लिए) एजेनोर का रूप धारण कर लेता है, और जब अकिलीज़ उस वेश में उसका पीछा करता है, तो ट्रोजन सेना को अपने शहर में लौटने का अवसर मिल जाता है।

वही दिन जारी रहता है। दृश्य स्कैमंडर नदी के तट और धारा में है।

# पुस्तक XXI.

लेकिन जब वे ज़ैंथस के भंवरदार घाट पर पहुँचे,
अमर बृहस्पति से उत्पन्न सुंदर बहने वाली धारा,
तो अकिलीज़ ने भागती हुई सेना को दो भागों में काट दिया;
एक भाग शहर की ओर, मैदान के ऊपर से भागा,
जहाँ पूर्व दिन पराजित यूनानी,
जब हेक्टर विजयी हुआ, तो तेजी से भागे।
आतंकित होकर वे आगे बढ़े; लेकिन जूनो फैल गई, उनके पीछे हटने को रोकने के लिए, उनके रास्ते में, बादल और घना अंधेरा छा गया: आधे भगोड़े गहरी नदी के चांदी जैसे भंवरों में डूब गए: वे जोर से शोर मचाते हुए गिरे: धारा दहाड़ उठी; चारों ओर किनारे गूंज उठे; इधर-उधर, वे भंवरों से जूझते हुए तैरते रहे। जैसे आग से पीछा किए जाने पर टिड्डियों का झुंड नदी की ओर उड़ता है, और जैसे ही अतृप्त ज्वालाएँ आगे बढ़ती हैं, वे पानी के बीच दुबक जाते हैं; वैसे ही, अकिलीज़ द्वारा भगाए गए पुरुषों और घोड़ों का एक मिश्रित समूह, ज़ैंथस की गहरी घूमती धारा में समा गया। किनारे पर टैमरिक्स के बीच अपना भाला छोड़कर नायक चला गया। क्रूर कृत्यों पर आमादा, अपनी तलवार से लैस, शक्ति में एक देवता, वह उफान पर कूद पड़ा; दाएं और बाएं, उसने प्रहार किया; फिर तलवार से मारे गए लोगों की भयानक कराहें उठीं; नदी खून से लाल हो गई। जैसे मछलियाँ, डॉल्फ़िन से भागकर, किसी खुली खाड़ी के उथले हिस्सों में जमा हो जाती हैं, डर से, जिसे वह पकड़ता है उसे खा जाता है; वैसे ही ट्रोजन शक्तिशाली नदी में, किनारों के नीचे दुबके हुए थे। और जब अंत में उसका हाथ, वध से थककर, नदी से जीवित, बारह युवकों को घसीटकर लाया, जिनकी जान की कुर्बानी मारे गए पेट्रोक्लस के खूनी जुर्माने के रूप में चुकाई जानी थी। भय से असहाय, हिरण के बच्चों की तरह, वह उन्हें बाहर लाया; उनके हाथ उनकी कमरबंद से पीछे बंधे हुए थे, जो उन्होंने अपनी मुड़ी हुई कवच की कमीजों के ऊपर पहनी हुई थी, और उसने अपने साथियों को उन्हें जहाजों तक ले जाने का आदेश दिया। फिर वह खून की प्यास में फिर से दौड़ पड़ा; और सबसे पहले नदी से भागते हुए, प्रियम के पुत्र लाइकॉन से उसका सामना हुआ। इससे पहले भी एक बार, उसने रात के हमले में उसे चौंका दिया था, और उसके पिता के अंगूर के बाग से उसे बंदी बनाकर ले जाया

गया था। वहाँ, जब वह अपने रथ की रेलिंग बनाने के लिए काट रहा था, तो एक अंजीर के पेड़ की कोमल शाखाएँ अप्रत्याशित रूप से पेलेउस के पुत्र के रूप में उस पर आ गिरीं। फिर वह उसे अपने जहाज में लेम्नोस के समृद्ध द्वीप पर ले गया, जहाँ जेसन के पुत्र ने उसे छुड़ाया था। उसके इम्ब्रियन सेनापति, एटियन ने उसे उदार उपहारों के साथ मुक्त कर दिया और अरिस्बा के पास भेज दिया। वहाँ से वह अपने पैतृक घर पहुँचा। बारह दिन, एक दिन छोड़कर, अपने मित्रों के साथ आनंद मनाते हुए उसने बिताए, लेम्नोस से लौटा: बारहवें दिन भाग्य ने उसे फिर से अकिलीज़ के हाथों सौंप दिया, अनिच्छुक होकर उसने अपनी मृत्यु स्वीकार की। जब अकिलीज़ ने, अपने तेज कदमों से, उसे देखा, तो उसके हाथ में भाला नहीं था, हेलमेट और ढाल भी नहीं थी, सब कुछ जल्दबाजी में नदी से दूर फेंक दिया गया था, पसीने से तर और परिश्रम से कमजोर होकर वह भागा। उसने क्रोधित होकर अपने शक्तिशाली साथी से बात की।
हृदय:
हे देवताओं, मेरी आँखें क्या आश्चर्य देख रही हैं! मुझे लगता है कि मेरे द्वारा मारे गए वीर ट्रोजन जल्द ही अंधकार के लोकों से उठेंगे; क्योंकि मृत्यु से बचकर, लेम्नोस द्वीप में गुलामी में बेचे जाने के बाद, यह व्यक्ति लौट आया है, उस बर्फीले समुद्र की बाधा के बावजूद, जिसे कई लोगों ने अपनी इच्छा के विरुद्ध रोक रखा है: अब वह मेरे भाले का स्वाद चखेगा, ताकि मैं देख सकूँ कि क्या वह वहाँ से भी लौटता है, या क्या पृथ्वी उसे सुरक्षित रख पाती है, जो सबसे मजबूत भी है।
इस प्रकार, जब वह खड़ा था, वह सोच रहा था; लेकिन पूरी तरह भयभीत होकर वह लाइकॉन के पास पहुँचा; और उस नायक के घुटनों को थामना चाहता था; क्योंकि वह कड़वी मृत्यु और बुरे भाग्य से बचने की लालसा रखता था। अकिलीज़ ने वार करने के लिए अपना भाला उठाया; वह झुककर नीचे भागा और उसके घुटनों को थाम लिया; उसकी पीठ के ऊपर से वह घातक हथियार गुजरा, और धरती में धंस गया: एक याचक हाथ ने अकिलीज़ के घुटनों को थाम लिया; दूसरे ने, अडिग पकड़ से, नुकीला भाला पकड़ रखा था; और वह जोशीले शब्दों में विनती करते हुए बोला:
"हे अकिलीज़! मैं तेरे घुटनों को थाम लेता हूँ! तो मेरी पीड़ाओं पर दया करो; और हे महानुभाव, एक याचक के पवित्र निवेदन को पहचानो: क्योंकि उस दिन मैंने तेरे तम्बू में ही पहली बार रोटी तोड़ी थी, जब अपने पिता के उपजाऊ अंगूर के बाग में मुझे

बंदी बना लिया गया था, और मैं तेरा बंदी बन गया था, गुलामी में बेच दिया गया था, अपने पिता और मित्रों से दूर, लेम्नोस द्वीप में। तब सौ बैल मेरी फिरौती थे; अब मैं अपनी जान तीन गुना ज़्यादा में खरीद लूँगा। आज बारहवाँ दिन है, जब से, लंबे कष्टों से गुज़रते हुए, मैं वापस ट्रॉय लौट आया। अब एक बार फिर मेरा क्रूर भाग्य मुझे तेरे हाथों में सौंपता है; निश्चय ही बृहस्पति के क्रोध से पीछा किया गया, जिसने मुझे फिर से तेरी शक्ति में दे दिया है। मुझे, शीघ्र मृत्यु के लिए अभिशप्त, मेरी माँ ने जन्म दिया, बूढ़े एल्ट्स की पुत्री, सुंदर लाओथो; एल्ट्स, जिसने युद्धप्रिय लेलेगेस पर शासन किया, ऊँचे पेदासस में, सैटनोइस नदी के किनारे। प्रियम की अनेक पत्नियों से उसका एक ही पुत्र था; उसने दो पुत्रों को जन्म दिया, और दोनों को तेरे द्वारा जन्म लेना होगा। मर जाओ।
पहले से ही एक, देवतुल्य पॉलीडोर,
सबसे आगे की पंक्तियों के बीच तेरे भाले ने मार डाला है;
और अब मेरा भाग्य मुझे मिल गया है; क्योंकि तुझसे,
जब से बुरे भाग्य ने मुझे तेरे हाथों में सौंप दिया है,
मैं भागने की आशा नहीं कर सकता; फिर भी बस इतना सुन,
और मेरे जीवन को बख्शने के बारे में अपने मन में विचार कर:
मैं उस गर्भ से नहीं आया हूँ जिसे हेक्टर ने जन्म दिया था,
जिसने तेरे साथी, सज्जन, दयालु और बहादुर को मार डाला था।"
इस प्रकार प्रियम के कुलीन पुत्र ने विनती करते हुए कहा; लेकिन कठोर उत्तर उसके कानों में पड़ा:
"अरे मूर्ख! मुझसे फिरौती की बातें मत करो! पैट्रोक्लस की मृत्यु से पहले, मेरा मन ट्रोजनों को बख्शने का था; और मैंने कई कैदियों को, जिन्हें मैंने जीवित पकड़ा था, बेच दिया; परन्तु अब से, ट्रॉय की दीवारों के सामने, देवताओं द्वारा मेरे हाथों में सौंपे गए सभी ट्रोजनों में से एक भी, और विशेष रूप से प्रियम का पुत्र, मृत्यु से नहीं बचेगा। मेरे मित्र, तुम्हें भी मरना होगा: व्यर्थ विलाप क्यों कर रहे हो? पैट्रोक्लस भी मर गया, वह तुमसे कहीं बेहतर था। तुम भी मरोगे।" देखो, मैं कितना बलवान, लंबा और सुंदर हूँ, मेरे पिता महान हैं और मेरी माता देवी हैं: फिर भी मुझे मृत्यु और निर्दयी भाग्य के

आगे झुकना होगा, जब भी सुबह हो, दोपहर हो या शाम, भाला या धनुष का तीर मेरे जीवन को भेद सकता है।
उसने कहा; और लाइकॉन के अंग और हृदय धंस गए; उसने भाला छोड़ दिया, और दोनों हाथ ऊपर उठाकर बैठ गया; लेकिन अकिलीज़ ने अपनी तलवार निकाली, और उसकी गर्दन पर कॉलरबोन के पास अपनी धारदार तलवार से वार किया; दोधारी तलवार गहरी धंस गई; वह धरती पर औंधा पड़ा रहा; लाल खून बह निकला, और ज़मीन को रंग दिया।
उसे पैरों से घसीटते हुए, अकिलीज़ ने उसे धारा के बीच में फेंक दिया, और इस प्रकार घमंड भरे शब्दों में कहा:
"मछलियों के बीच लेटे रहो, जो तुम्हारे रक्तरंजित घावों को साफ करेंगी, लेकिन दयालु विचारों से नहीं: तुम्हारे ऊपर, तुम्हारी अर्थी पर, कोई माँ का विलाप नहीं उठेगा; स्कैमंडर की भंवरदार धारा तुम्हें समुद्र की विशाल गोद में लुढ़का देगी; और, अंधेरी लहरों से उछलते हुए, मछलियाँ उठेंगी और तुम्हारे मांस पर भोज करेंगी। अब मृत्यु का कार्य शुरू! जब तक, तुम भागते हुए, और मैं वध करते हुए, शहर की दीवार तक न पहुँच जाएँ। न ही यह सुंदर बहने वाली, चांदी की तरह घूमती हुई धारा..." "क्या तुम्हें कुछ लाभ होगा, चाहे तुम उसे अनगिनत बैलों का खून बलिदान कर दो, और जीवित घोड़ों को उसके पानी में डुबो दो? तुम सब नष्ट हो जाओगे, जब तक पैट्रोक्लस की मृत्यु का पूरा बदला नहीं लिया जाता, और यूनानियों का वध नहीं किया जाता, जिन्हें तुमने मेरी अनुपस्थिति में जहाजों से मार डाला था?" उसने कहा: उसकी बातों पर शक्तिशाली नदी क्रोधित हुई और मन में सोचने लगी कि अकिलीज़ के युद्ध प्रयासों को कैसे रोका जाए, और ट्रोजन को विनाश से कैसे बचाया जाए। होस्ट.
इसी बीच, अकिलीज़ ने अपने भारी भाले से पेलेगॉन के पुत्र एस्टेरोपियस पर घातक इरादे से हमला किया; पेलेगॉन का जन्म व्यापक रूप से बहने वाली एक्सियस नदी में हुआ था, नदी-देवता का रक्त एसेसेमेनस की सबसे बड़ी पुत्री पेरिबोआ से मिला हुआ था: वह उस पर झपटा; नदी से उठकर वह दो भाले हाथ में लिए उसके सामने खड़ा हो गया; ज़ैंथस द्वारा उसका साहस जागृत हुआ, जो क्रोधित होकर अपनी नदी को क्रूर, निर्दयी, अकिलीज़ के हाथों मारे गए युवकों के रक्त से प्रदूषित देख रहा था। जब योद्धा एक-दूसरे के पास आए, तो फुर्तीले अकिलीज़ ने कहा, "तू कौन है और कहाँ से

आया है तू, जो मुझसे लड़ने का साहस करता है? अत्यंत दुर्भाग्यशाली वंश का है, उन्हीं के बच्चे हैं जो मुझसे भिड़ेंगे!"
पेलेगॉन के महान पुत्र ने कहा: "पेलियस के महान पुत्र, मेरे वंश के बारे में क्यों पूछते हो? मैं सुदूर पेओनिया के उपजाऊ मैदानों से आया हूँ, भाले से लैस पेओन सेना का नेता। इलियम आए हुए मुझे दस दिन हो गए हैं। मेरा वंश व्यापक रूप से बहने वाली एक्सियस नदी से है, एक्सियस, पृथ्वी पर बहने वाली सबसे शुद्ध धारा। भाले में प्रसिद्ध पेलेगॉन का पुत्र; मैं पेलेगॉन का वंशज होने पर गर्व करता हूँ; और अब, वीर अकिलीज़, युद्ध के लिए तैयार हो जाओ।"
धमकी भरे लहजे में उसने कहा: अकिलीज़ ने पेलियन भाला ऊँचा उठाया; लेकिन, दोनों हाथों से लड़ने की क्षमता के कारण, उसने एक साथ दोनों हाथों से भाले चलाए। एक भाला लगा, लेकिन उस शक्तिशाली ढाल को भेद नहीं पाया, जो स्वर्ग की देन, सोने की प्लेट से टिकी हुई थी; दूसरे भाले ने अकिलीज़ के दाहिने अग्रभाग को छू लिया: लाल रक्त बह निकला; लेकिन, एक नज़र डालते हुए, और मांस के स्वाद के लिए व्यर्थ ही तरसते हुए, उसके पीछे का बिंदु पृथ्वी में स्थिर हो गया। फिर एस्टरोपियस पर, पेलेउस के पुत्र ने घातक इरादे से अपना सीधा भाला फेंका; उसका निशाना चूक गया, लेकिन वह ऊंचे किनारे पर जा लगा, जहां पेलियन राख का पेड़ अपनी आधी लंबाई तक गहराई से धंसा हुआ था। फिर अकिलीज़ ने अपनी जांघ के पास से अपनी तीक्ष्ण तलवार निकाली और क्रोधित होकर आगे बढ़ा; जबकि एस्टरोपियस ने चट्टान से अपने मजबूत हाथ से भाले को छीनने की व्यर्थ कोशिश की। उसने तीन बार उसे ज़ोर से हिलाया, और तीन बार अपनी पकड़ ढीली की। उसने चौथे प्रयास में उस मजबूत शाफ्ट को मोड़ने और तोड़ने की कोशिश की; लेकिन उसे रोकते हुए, पेलियस के देवतुल्य पुत्र ने उसके पेट पर घातक प्रहार किया, और उसकी आंतें बाहर निकल आईं; जमीन पर, हांफते हुए, वह पड़ा रहा, और अंधेरा उसकी आँखों पर छा गया। फिर अकिलीज़ उसकी छाती पर कूद पड़ा, और उसका कवच उतार दिया, और इस प्रकार घमंड भरे शब्दों में बोला: "तो वहीं पड़े रहो! तुम्हारे लिए लड़ना कठिन है, यद्यपि तुम नदी में जन्मे हो, शक्तिशाली बृहस्पति की संतान के विरुद्ध; एक व्यापक रूप से बहने वाली धारा को तुम अपने वंश का स्रोत बताते हो; मैं स्वयं बृहस्पति से अपने उच्च वंश पर गर्व करता हूँ। मेरे पिता पेलियस, एकस के पुत्र,

असंख्य वंश पर शासन करते हैं।" मायर्मिडोंस;
स्वयं बृहस्पति का पुत्र एकस था।
सभी नदियों से ऊपर, जो सागर में बहती हैं,
बृहस्पति विराजमान है; और उसी प्रकार
उसकी जाति शक्ति में उनकी जाति से श्रेष्ठ है।
यहाँ तुम्हारे पास एक शक्तिशाली नदी है,
यदि वह तुम्हारे किसी काम आ सके; परन्तु उसकी शक्ति
शनि के पुत्र से प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ है।
उससे न तो नदियों का राजा अचेलस,
प्रतिस्पर्धा करने का साहस करता है; और न ही गहरी बहने वाली, चौड़ी नदियों की प्रचंड शक्ति
ओशनस;
जिससे सभी नदियाँ, सभी असीम समुद्र,
सभी झरने, सभी गहरे कुएँ अपना स्रोत प्राप्त करते हैं;
फिर भी उसे बृहस्पति की बिजली,
और आकाश के गुंबद से गड़गड़ाहट भी भयभीत करती है।"
उसने कहा, और चट्टान से अपना भाला वापस खींच लिया।
उसने उसे रेत पर बेजान छोड़ दिया।
फैला हुआ; उसके ऊपर से अंधेरा पानी बह रहा था, और ईल और मछलियाँ झुंड बनाकर उसका मांस कुतर रही थीं। फिर वह पैओन्स की पंखदार सेना के बीच दौड़ा, जो भंवरदार धारा के साथ भाग रहे थे, जब उन्होंने उसे देखा, जो उस भयंकर लड़ाई में उनका सबसे बहादुर था, पेलेउस के बेटे की तलवार और भुजा से मारा गया। फिर उसने थेर्सिलोचस और मायडोन को मार डाला, मनेसस और थ्रेसियस और एस्टिपिलस को, एनियस और ओफेलेस्टेस को; और भी अधिक
अकिलीज़ द्वारा किया गया नरसंहार था,
लेकिन अपनी भंवरदार गहराइयों से, मानव रूप में,
क्रोधित स्वर में शक्तिशाली नदी बोली:

"हे अकिलीज़, बल और शौर्य में तू समस्त मनुष्यों से श्रेष्ठ है; क्योंकि देवता स्वयं तेरी सेवा करते हैं और तुझे हानि से बचाते हैं; यदि शनि के पुत्र ने तुझे ट्रोजनों को पूरी तरह नष्ट करने का आदेश दिया है, तो भी, उन्हें मारने से पहले, उन्हें मेरे जल से दूर मैदान में भगा दे; क्योंकि अब मेरी सुंदर नदी मृतकों से भरी है; और मैं अपनी धारा समुद्र में नहीं बहा सकता, जो तैरते हुए शवों से भरा है, जबकि तू मृत्यु के अतृप्त कार्य को अंजाम दे रहा है: अपना हाथ रोक ले! भय से।" मैं तुम्हें देख रहा हूँ, पराक्रमी मुखिया!
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "जैसा तू चाहे, स्कैमंडर, स्वर्ग से उत्पन्न धारा; फिर भी मैं तब तक मारना बंद नहीं करूँगा जब तक मैं इन घमंडी ट्रोजनों को उनकी दीवारों तक खदेड़ न दूँ और हेक्टर की शक्ति को सिद्ध न कर दूँ, चाहे आमने-सामने की लड़ाई में मैं उसके द्वारा पराजित हो जाऊँ या वह मेरे द्वारा।"
उसने कहा, और उग्रता से ट्रोजन उस पर टूट पड़े,
एक सर्वशक्तिमान देवता! फिर उसने फोबस से कहा,
गहरे भंवर वाली नदी ने इस प्रकार संबोधित किया:
"चांदी के धनुष के देवता, बृहस्पति के महान पुत्र, क्या तुम शनि के पुत्र की इच्छा का इस प्रकार पालन करते हो, जिसने तुम्हें ट्रोजनों के सामने डटे रहने और उनकी सहायता करने का आदेश दिया है, जब तक कि शाम ढलने पर उपजाऊ धरती पर उसकी छाया न पड़ जाए?"
इस प्रकार जैसे ही उसने बात की, ऊँचे किनारे से अकिलीज़ बीच धारा में कूद पड़ा; फिर उफनती धारा, उग्र होकर, अपने पूरे प्रचंड प्रवाह में ऊपर उठी; और एक गर्जना के साथ, जैसे कोई दहाड़ता हुआ बैल, ज़मीन पर फेंक दिया गया, अकिलीज़ द्वारा मारे गए असंख्य शव; और कई जीवित, उसकी गुफा जैसी बिस्तर में, घूमते हुए पानी के पीछे छिपे हुए बचाए गए। भयंकर रूप से, अकिलीज़ के चारों ओर उबलती लहर उठी, और उसकी ढाल पर उतरकर उसे नीचे धकेल दिया; और वह अपना पैर जमाए नहीं रख सका। लेकिन उसने एक ऊंचे, अच्छी तरह से विकसित एल्म के पेड़ को पकड़ लिया, जिसे चट्टान से उखाड़कर, सारा किनारा तोड़ दिया, और अपनी उलझी हुई शाखाओं से सुंदर नदी के प्रवाह को रोक दिया, जिस पर उसने अपनी पूरी लंबाई में पुल बना रखा था; फिर, गहरे पानी से उछलकर, वह भय से मैदान में तेजी से भागा। शक्तिशाली नदी भी नहीं रुकी, बल्कि उसका पीछा करती रही, अपने काले लहराते

हुए मुकुट के साथ, अकिलीज़ के मार्ग को रोकने और ट्रोजन सेना को बचाने के इरादे से। भाले की उड़ान जितनी दूर तक वह दौड़ा, गति में, जैसे काला शिकारी बाज, सबसे शक्तिशाली माना जाता है, और सभी पंखों वाले जीवों में सबसे तेज। इस प्रकार वह आगे बढ़ता रहा; उसके सीने पर ज़ोर से खड़खड़ाहट हुई, मानो उसका पीतल का कवच, मानो भगवान के सामने हो, डरकर वह भाग गया; भगवान अभी भी उसके पीछे गरजती हुई आवाज़ के साथ उसका पीछा कर रहा था। जैसे कोई आदमी किसी गहरे पानी के झरने से खाइयों से होकर जाता है, पौधों और बगीचों के बीच से, सिंचाई करने वाली धारा तक, और हाथ में फावड़ा लेकर, निर्धारित मार्ग को साफ़ करता है: धारा तुरंत नीचे बहने लगती है, उसका कंकड़ वाला तल विचलित करता है; तेजी से बहती हुई, बुदबुदाती हुई ध्वनि के साथ, खड़ी ढलान से नीचे, आगे बढ़ने वाले को पीछे छोड़ते हुए। इस प्रकार अकिलीज़ ने बढ़ती लहर को पकड़ लिया, यद्यपि उसकी गति बहुत अधिक थी; लेकिन मनुष्य को देवताओं के आगे झुकना ही होगा। अक्सर जब अकिलीज़, अपने तेज कदमों से, मुड़ने और खड़े होने का प्रयास करता था, और यह जानने की कोशिश करता था कि क्या स्वर्ग में रहने वाले सभी देवता उसकी आत्मा को भयभीत करने के लिए एकजुट हैं, तो अक्सर स्वर्ग से उत्पन्न नदी की शक्तिशाली लहर उसके कंधों के ऊपर से टकराती थी; गहरे संकट में वह ऊपर उछल पड़ता था। फिर बाढ़ नीचे से उमड़ पड़ी, और उसे उसके पैरों से उखाड़कर बहा ले गई, और उसके पैरों के नीचे की मिट्टी को बहा ले गई; फिर, कराहते हुए, इस प्रकार, अकिलीज़ ने स्वर्ग की ओर देखते हुए पुकारा: "हे पिता बृहस्पति, क्या सभी देवताओं में से कोई भी दया करके मुझे इस क्रोधित बाढ़ से नहीं बचाएगा? इसके बाद, मैं संतुष्ट होकर अपने भाग्य का सामना करूँगा। स्वर्ग की सभी शक्तियों में से, मेरी माँ ने सबसे अधिक मुझे दंडित किया है, जिसने मुझे आशा से सहारा दिया था कि ट्रॉय की दीवारों के सामने, मैं फोएबस के तेज पंखों वाले तीरों से मारा जाऊँगा। काश, हेक्टर के हाथों मेरा हाथ होता।" मर जाऊँगा, अपने वीरों में सबसे बहादुर! एक योद्धा जो एक योद्धा द्वारा मारा गया! अब मैं यहाँ अपमानित होकर डूबने के लिए अभिशप्त हूँ, शक्तिशाली बाढ़ मुझे बहा ले जाएगी, जैसे कोई गरीब चरवाहा लड़का, सर्दियों की धारा में बहता हुआ।

उन्होंने कहा; और शीघ्र ही, नश्वर रूप धारण करके, नेपच्यून और पल्लास उनके साथ प्रकट हुए; उत्साहवर्धक शब्दों के साथ उन्होंने उनका हाथ पकड़ा, और इस प्रकार पृथ्वी को कंपाने वाले देवता ने अपना भाषण शुरू किया:
"अकिलीज़, डरो मत, और न ही विचलित हो; बृहस्पति की सहमति से, हम और पल्लास, स्वर्ग से ऐसी शक्तिशाली सहायता लाते हैं; यह तय नहीं है कि तुम नदी के किनारे डूब जाओगे; वह जल्द ही पीछे हट जाएगा, और तुम देखोगे; और यदि तुम सुनोगे, तो हम वचन देते हैं कि युद्ध से तुम्हारी भुजा नहीं रुकेगी, जब तक कि तुम ट्रॉय की दीवारों के नीचे भागते हुए ट्रोजनों की भीड़ को खदेड़ न दो; तुम स्वयं..." हेक्टर को मार डालो, और जहाजों को सुरक्षित वापस ले आओ:
हम तुम्हें ऐसी उच्च प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए देते हैं।"
यह कहकर वे अन्य देवताओं के पास लौट गए; दैवीय वाणी से अत्यधिक बल पाकर वह मैदान की ओर आगे बढ़ा; उसने पाया कि मैदान पूरी तरह से जलमग्न था; और सुंदर कवच तैर रहे थे, और युद्ध में मारे गए कई पुरुषों के शव भी थे; फिर भी, अपने पैर ऊँचे उठाकर वह धारा की ओर बढ़ता रहा; और शक्तिशाली धारा भी उसकी प्रगति को रोक नहीं सकी, क्योंकि पल्लास ने उसे इतनी शक्ति प्रदान की थी; और स्कैमंडर का क्रोध भी शांत नहीं हुआ, बल्कि उसका क्रोध और भी बढ़ गया। और ऊँची लहर उठाते हुए, उसने सिमोइस से इस प्रकार कहा:
प्रिय भाई, एकजुट होकर मेरी सहायता करो, इस नश्वर प्राणी के मार्ग को रोको; यह अनियंत्रित होकर, राजसी प्रियम के नगर को शीघ्र ही नष्ट कर देगा, और न ही ट्रोजन इसके आक्रमण को सहन कर पाएंगे। इसलिए शीघ्र ही बचाव के लिए आओ, और उनके स्रोत से अपनी सारी धारा भर दो, और अपने सभी चैनलों को उफान पर लाओ; अपनी विशाल लहरों को प्रज्वलित करो, और लकड़ियों और पत्थरों की एक धारा बहा दो, ताकि इस शक्तिशाली व्यक्ति को डुबो दो, जो अब विजयी है, और स्वयं को देवता के समान मानता है। तब उसकी शक्ति, सुंदरता, या वीर शस्त्र, जल के नीचे व्यर्थ हो जाएंगे। कीचड़ में गहराई से धंसा हुआ: मैं उसे रेत में गाड़ दूँगा, और उसके शव के ऊपर कंकड़-पत्थर का ढेर लगा दूँगा; और यूनानी उसकी हड्डियों को इकट्ठा नहीं कर पाएँगे, जो मेरे द्वारा कीचड़ में इतनी गहराई तक दबी हुई हैं। वे यहाँ उसका

स्मारक बना सकते हैं; लेकिन जब वे उसके अंतिम संस्कार करेंगे, तो उसे किसी टीले की आवश्यकता नहीं होगी।
उसने कहा; और ऊपर से अकिलीज़ पर उबलता हुआ, गड़गड़ाहट के साथ नीचे आता हुआ, झाग, खून और लाशों से लथपथ, तेज़ी से बहता हुआ। स्वर्ग से जन्मी नदी की काली लहर ऊँची उठी और अकिलीज़ को नीचे ले गई; फिर डर से कि कहीं भंवरदार धारा का विशाल जल उसे पूरी तरह से डुबो न दे, जूनो ज़ोर से चिल्लाई, और उसके बेटे वल्कन ने जल्दी से कहा:
"उठो, वल्कन; उठो, मेरे पुत्र; क्योंकि हमने यह माना था कि घूमता हुआ ज़ैंथस तुम्हारा विरोध कर रहा है: जल्दी से सहायता के लिए आओ; अपनी प्रचंड शक्ति का प्रदर्शन करो; जबकि मैं समुद्र से ज़ेफिर और फुर्तीले नोटस के तूफानी झोंकों को बुलाता हूँ, जो उग्र लपटों को आगे बढ़ाएंगे, और ट्रोजन और उनके हथियारों को एक समान जला देंगे: तुम इस बीच ज़ैंथस के किनारों पर पेड़ों को जला दो; उस पर आग से हमला करो, न उसके मीठे शब्दों से, न उसकी धमकियों से विचलित हो।" अलग; और जब तक तुम मेरी आवाज़ न सुनो, अपनी शक्ति को मत रोको;
तब भयंकर ज्वालाओं के अथक प्रवाह को रोक दो।"
इस प्रकार जूनो ने कहा; और वल्कन ने तुरंत स्वर्गीय अग्नि तैयार की; और सबसे पहले मैदान पर उसने लपटें प्रज्वलित कीं, और उन मृतकों को भस्म कर दिया, जो अकिलीज़ द्वारा मारे गए थे: मैदान सूख गया, और जलप्रलय रुक गया। जैसे बोरियास की सांस शरद ऋतु में नए सींचे हुए खेत को जल्दी सुखा देती है, किसान का दिल प्रसन्न हो जाता है: वैसे ही विशाल मैदान सूख गया; फिर उसने, मृतकों को भस्म कर दिया, नदी की ओर अग्निमय चमक मुड़ गई: विलो, एल्म और इमली की झाड़ियाँ जल उठीं, कमल, नरकट और गालिंगाल, जो सुंदर नदी के किनारे बहुतायत से उगते थे। ईल और मछलियाँ, भंवर के बीच, स्वच्छ लहरों के बीच इधर-उधर भाग रही थीं, वल्कन की अग्निमय साँस से भयंकर संकट में: लपटों से झुलसी हुई, शक्तिशाली नदी बोली:
"वल्कन, तेरी शक्ति के आगे कोई देवता नहीं टिक सकता, न ही मैं तेरी प्रचंड ज्वालाओं से मुकाबला करूँगा; अपना क्रोध रोक ले; भले ही पेलियस का देवतुल्य पुत्र ट्रोजनों को उनके शहर से खदेड़ दे, मुझे प्रतिद्वंद्वी पक्षों से क्या लेना-देना?"

सब झुलसा हुआ, उसने कहा; उसकी सुंदर धारा उबल रही थी, जैसे धधकती आग पर रखा कोई कड़ाही, अच्छी तरह से पाले गए सूअरों की पिघलती चर्बी से भरा हुआ, अंदर उबलता है और चारों ओर बुलबुले बनाता है, नीचे सूखी लकड़ी के साथ, इस तरह उबलता है, सुंदर नदी का पानी उबल रहा था: वह आगे नहीं बहेगा, बल्कि अपना रास्ता रोक लेगा, कुशल वल्कन की गर्म हवा और अग्नि शक्ति से। और इस प्रकार जूनो से विनती करते हुए, उसने अपने पंखदार शब्दों को संबोधित किया:
"जूनो, हे मेरी जलधारा, तेरे पुत्र को कौन सा कारण प्रेरित करता है कि वह बाकियों के विरुद्ध अपना क्रोध प्रकट करे? मैंने तो उन सभी से भी कम अपराध किया है जिनकी ट्रोजनों ने सहायता की है; फिर भी तेरे आदेश पर मैं पीछे हट जाऊँगा; परन्तु उसे भी रुकने का आदेश दूँगा; और मैं शपथ खाता हूँ कि अब किसी ट्रोजन को नहीं बचाऊँगा, चाहे सारा ट्रॉय जलती हुई लपटों का शिकार हो जाए, वीर यूनानियों द्वारा प्रज्वलित होकर।"
जब श्वेत भुजाओं वाली देवी जूनो ने यह सुना, तो उन्होंने तुरंत वल्कन से कहा:
"वल्कन, मेरे गौरवशाली पुत्र, अपना हाथ रोक लो: नश्वर मनुष्यों के हित में, एक अमर देवता पर इस प्रकार कठोर प्रहार करना उचित नहीं है।"
उसने कहा, और वल्कन ने अपनी उग्र शक्ति को रोक लिया, और लौटकर, अपने अभ्यस्त बिस्तर पर सुंदर नदी बहने लगी। इस प्रकार ज़ैंथस को वश में कर लिया गया, इन दोनों का युद्ध जूनो द्वारा रोके जाने पर समाप्त हो गया, उसके क्रोध के बावजूद; लेकिन अन्य देवताओं के बीच भयंकर विवाद और भयंकर कलह उत्पन्न हुई, दोनों पक्षों में उनके युद्धप्रिय भाव भड़क उठे। वे एक भयानक टक्कर के साथ मिले: विशाल पृथ्वी कराह उठी; स्वर्ग तुरही की ध्वनि के समान ज़ोर से गूंज उठा: ओलंपस की ऊँचाई पर स्थित बृहस्पति ने इस कोलाहल को सुना, और देवताओं को क्रोधित युद्ध में देखकर अपने हृदय में आनंदित होकर हँसा। वे अधिक देर तक अलग नहीं रहे, ढाल तोड़ने वाले मंगल के नेतृत्व में, जिसने सबसे पहले पल्लास पर हमला किया। उसका भाला, उसका कड़वा भाषण संबोधित था:
"हे अभिमानी स्त्री, तू यहाँ क्या कर रही है? देवताओं को उत्तेजित करने के लिए, अपने अहंकार से प्रेरित होकर, क्या तू युद्ध कर रही है? क्या तू भूल गई है कि तूने, टाइडियस के पुत्र डायोमेड को, मुझ पर आक्रमण करने के लिए उकसाया था, और

अपने भाले से उसका निशाना साधा था, और मेरे शरीर को घायल करने में मेरी सहायता की थी? उस समय मैंने जो कुछ भी सहा, अब तुझे उसका प्रायश्चित करना होगा।"
इस प्रकार बोलते हुए उसने झालरदार ढाल पर प्रहार किया, जो देखने में भयानक थी, जिसे स्वयं बृहस्पति की बिजली भी भेद नहीं सकती थी: रक्त से सना हुआ मंगल ने व्यर्थ ही अपना भारी भाला उस पर चलाया। देवी झुकीं और अपने विशाल हाथ में मैदान पर पड़े एक पत्थर को उठाया, जो गहरा, ऊबड़-खाबड़ और विशाल था, जिसे प्राचीन काल के मनुष्यों ने अपनी भूमि की सीमाएँ निर्धारित करने के लिए रखा था। देवी ने उस भारी पत्थर को मंगल की गर्दन पर फेंक दिया, जिससे उसके अंग शिथिल हो गए: वह सात सौ फीट से अधिक दूर तक औंधा पड़ा रहा। उसके बाल धूल से सने हुए थे:
उसका कवच ज़ोर से गूंजा; और तिरस्कारपूर्ण मुस्कान के साथ
पल्लास ने उसे इस प्रकार अभिमानपूर्ण भाषण दिया:
"मूर्ख, क्या तुझे अभी यह सीखना बाकी है कि मेरी शक्ति तेरी शक्ति से कहीं अधिक शक्तिशाली है, कि तू मुझसे भिड़ने का साहस करता है? इस प्रकार अपनी माता के श्राप का बोझ उठा, जिसने तुझे हानि पहुँचाई, इस क्रोध में कि तू यूनानियों को त्यागकर अभिमानी ट्रोजनों का समर्थन कर रहा है।"
उसने कहा और अपनी तीखी निगाहें फेर लीं: "उसे, गहरी कराह में, मुश्किल से जीवनदान मिला, बृहस्पति की पुत्री वीनस ने उसका हाथ पकड़कर उसे मैदान से बाहर ले गई; जब श्वेत भुजाओं वाली रानी ने उसे देखा, तो वह जल्दी से पल्लास के पास जाकर चिल्लाई: "हे स्वर्ग, कवच धारण करने वाले बृहस्पति के वीर पुत्र, निडर! देखो, यह उद्दंड योद्धा फिर से भीड़ के बीच, मनुष्यों का अभिशाप, मंगल को मैदान से बाहर ले जा रहा है; लेकिन तुम उसका पीछा करने में जल्दी करो।"
इस प्रकार जूनो: पल्लास प्रसन्न होकर उसका पीछा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ी; और वीनस ने अपने शक्तिशाली हाथ से हमला करते हुए उसकी छाती पर प्रहार किया; तुरंत ही देवी का साहस और उसके अंग जवाब दे गए। वहीं जमीन पर दोनों एक साथ पड़ी रहीं, जबकि पल्लास उन पर घमंड भरे शब्दों से बोल रही थी:

"काश, ट्रोजन के पक्ष में सभी ऐसे होते, जब भी युद्धप्रिय यूनानियों का सामना होता, वे वीनस की तरह वीर और बलवान होते, जो मार्स की सहायता के लिए मेरे सामने आती है; तब हमारे युद्ध के प्रयास बहुत पहले ही समाप्त हो गए होते, और इलियम का मजबूत किला ध्वस्त हो गया होता।"
इस प्रकार पल्लास ने कहा: श्वेत भुजाओं वाली देवी मुस्कुराई, और पृथ्वी को कंपकंपाने वाले अपोलो से इस प्रकार कहा:
"फोएबस, हम इस तरह निष्क्रिय क्यों खड़े हैं? दूसरों द्वारा शुरू किया गया युद्ध उचित नहीं है; और यह शर्म की बात होगी कि हम दोनों बिना किसी संघर्ष के ओलंपस की ऊँचाई और बृहस्पति के पीतल के फर्श वाले निवास स्थान पर लौट जाएँ। तो तुम एक युवा के रूप में शुरुआत करो: यह मेरे लिए अच्छा नहीं होगा, जो उम्र और अनुभव में अधिक उन्नत हूँ। आत्मा से कमजोर, तुम्हारा हृदय कितना संवेदनहीन है! क्या तुम उन सभी क्रूर अन्याय को भूल गए हो जो हम दोनों ने, सभी अमरों में से अकेले, सहे थे, जब यहाँ, एक वर्ष तक, हमने इलियम की सेवा की, बृहस्पति के आदेश से, अभिमानी लाओमेडोन की, वादा किए गए वेतन के लिए; और उसने ही हमें ये कार्य सौंपे? मैंने उसका किला और एक चौड़ी और सुंदर दीवार बनाई, जो शहर की अभेद्य रक्षा थी; जबकि तुम उसके मेहनती झुंडों की देखभाल करते थे, कई चोटियों वाले इडा के वन्य घाटियों में। लेकिन जब आनंदमय ऋतुओं ने हमारे श्रम की अवधि समाप्त कर दी, तो अभिमानी राजा ने हमारा इनाम देने से इनकार कर दिया और धमकियों के साथ हमें निकाल दिया। हाथ-पैर बांधकर, उसने तुम्हें दूर के द्वीपों में गुलामी में बेचने की धमकी दी, और तलवार से दोनों के कान काट डालने की भी धमकी दी। इसलिए हम क्रोधित और दुखी होकर लौट आए, क्योंकि हमें वह प्रतिफल नहीं मिला जिसका उसने वादा किया था, बल्कि देने से इनकार कर दिया था। इस कारण तुम ट्रॉय पर कृपा कर रहे हो; और इसके बजाय हमारी सेना में शामिल क्यों नहीं हो जाते, ताकि सभी ट्रोजन अपने बच्चों और पवित्र महिलाओं सहित घुटनों के बल मर जाएं।
इस पर उस विनाशकारी राजा ने उत्तर दिया: "हे पृथ्वी को कंपाने वाले ईश्वर, यदि मैं तुमसे युद्ध करूँ तो मुझे बुद्धिमानों का सम्मान प्राप्त नहीं होगा; क्योंकि नश्वर मनुष्य, जो पत्तों की तरह कुछ समय के लिए फलते-फूलते हैं और पृथ्वी के फल खाते हैं,

परन्तु रसहीन होकर शीघ्र ही नष्ट हो जाते हैं: तब हम युद्ध से विमुख हो जाते हैं और दूसरों को संघर्ष सौंप देते हैं।"
वह मुड़ा और इस प्रकार बोला: क्योंकि वह अपने पिता के भाई को शस्त्रों से हमला करना शर्मनाक समझता था; परन्तु उसकी बहन, शिकार की देवी, ने उसे फटकारा और इस प्रकार तिरस्कारपूर्ण शब्दों से संबोधित किया:
"क्या तू उड़ रहा है, अपोलो? और नेपच्यून को अपनी आसान जीत और निराधार प्रसिद्धि छोड़ रहा है? तेरे कंधे पर तेरा बेकार धनुष क्यों लटका है? क्या तू फिर कभी हमारे पिता के महलों में, पहले की तरह, अमरों के बीच, तुझे यह डींग मारते हुए नहीं सुनेगा कि तू नेपच्यून से युद्ध करेगा?"
इस प्रकार उसने; अपोलो ने एक शब्द भी उत्तर नहीं दिया; लेकिन बृहस्पति के शाही साथी, क्रोध से भरकर, धनुर्धर रानी पर कठोर शब्दों से आक्रमण किया।
"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई, हे धृष्ट स्त्री, मेरे सामने खड़े होने की, जबकि मैं तुम्हारे हमले के लिए बहुत शक्तिशाली हूँ, तुम्हारे धनुष के बावजूद? हालाँकि बृहस्पति ने तुम्हें शक्ति दी है, उन कमजोर स्त्रियों पर, जिन्हें तुम मारना चाहती हो, शेरनी की तरह; तुम्हारे लिए बेहतर होता कि वह पहाड़ी जानवरों और उड़ती हुई हिरणियों का पीछा करती, बजाय इसके कि वह अपने श्रेष्ठों से इस तरह हथियारों से मुकाबला करे। लेकिन चूंकि तुमने मुझसे मुकाबला करने की हिम्मत की है, तो तुम्हें पता चलेगा और महसूस होगा कि मेरी शक्ति तुम्हारी शक्ति से कितनी अधिक है।"
उसने कहा; और अपने बाएँ हाथ से डायन की दोनों कलाइयाँ पकड़कर, अपने विशाल दाहिने हाथ से उसके कंधों से धनुष और तरकश छीन लिया; और उनके साथ ही, जैसे ही उसने अपना सिर घुमाया, तिरस्कारपूर्ण हँसी उसके कानों में गूंजी: तीखे तीर ज़मीन पर बिखर गए: रोते हुए, देवी भाग गई; जैसे एक कबूतर बाज़ के पीछा से बचकर एक खोखली चट्टान में शरण पाता है, अभी तक शिकार होने से बचा हुआ; वैसे ही, रोते हुए, डायन भाग गई, और अपना धनुष वहीं छोड़ दिया।
तब हर्मेस ने लैटोना से इस प्रकार कहा: "मैं तुमसे संघर्ष नहीं करता; बादलों को वश में करने वाले बृहस्पति की संगिनी से युद्ध में मिलना शर्म की बात होगी। अमर लोगों के बीच स्वतंत्र रूप से यह दावा करो कि तुमने अपने पराक्रम से मुझे पराजित किया है।"

इस प्रकार उसने: लैटोना ने धनुष को इकट्ठा किया, और गिरे हुए तीर, इधर-उधर बिखरे हुए, घूमती हुई धूल के बीच; फिर, इन्हें पुनः प्राप्त करके, वह अपनी बेटी के पीछे-पीछे मैदान से चली गई। इसी बीच कन्या ऊँचे ओलंपस की ओर भागी, और बृहस्पति के पीतल के फर्श वाले निवास पर पहुँची। वहाँ, रोते हुए, वह अपने पिता की गोद में बैठी रही, और उसके शरीर के चारों ओर अमृतमय वस्त्र काँप रहा था। शनि के पुत्र ने अपनी संतान को अपनी ओर खींचा, और इस प्रकार, दयालु मुस्कान के साथ, पूछा: "किस स्वर्गीय शक्ति ने तुम्हारे साथ ऐसा अन्याय किया है? मेरी संतान, क्योंकि तुम किसी खुले अपराध की दोषी हो।" शर्म की बात है?"
शिकार की तेजस्वी मुकुटधारी देवी ने उनसे कहा: "हे मेरे पिता, तुम्हारी पत्नी, श्वेत भुजाओं वाली जूनो; उसने मेरे साथ इतना कठोर व्यवहार किया है; वह, जिससे देवताओं के बीच सभी कलह और झगड़े उत्पन्न होते हैं।"
जब वे इस तरह बातचीत कर रहे थे, तभी अपोलो ने ट्रॉय के द्वार खोल दिए, क्योंकि सुदृढ़ दीवार को देखकर उसे डर लग रहा था कि कहीं भाग्य के विरुद्ध भी यूनानी उसे उस दिन ध्वस्त न कर दें। अन्य देवता ओलंपस चले गए थे, विजयी देवता और क्रोधित देवता, और बादलों से घिरे देवता के सामने बैठ गए। लेकिन ट्रोजनों पर दबाव डालते हुए, पेलियस के पुत्र ने घोड़ों और मनुष्यों को एक समान मार डाला। मानो किसी शहर में, जिसे क्रोधित देवताओं ने नष्ट कर दिया हो। अग्नि, जिसका धुआँ स्वर्ग तक पहुँचता है, उसके सभी लोगों पर भारी परिश्रम पड़ता है, कई लोगों को हानि और नुकसान होता है; ऐसा परिश्रम, ऐसी हानि, अकिलीज़ ने ट्रोजन सेना के बीच की थी। देवताओं द्वारा निर्मित एक ऊंचे टॉवर पर, वृद्ध प्रियम खड़े थे, और वहां से उन्होंने भयंकर अकिलीज़ द्वारा पराजित होकर घबराए हुए, ट्रोजन सेना को देखा, जिनका साहस पूरी तरह से टूट चुका था। फिर, कराहते हुए, वे टॉवर से नीचे उतरे, और दीवार के सहारे खड़े पहरेदारों को पुकारा:
"द्वारों पर खड़े रहो और उन्हें चौड़ा खोलकर रखो, ताकि भगोड़ों की भीड़ में वे घुस सकें और शरण पा सकें; क्योंकि उनके भागने के ठीक पीछे अकिलीज़ लटका हुआ है; विपत्ति अब निकट है। लेकिन जब तक हमारे मित्र, दीवारों के भीतर शरण लेकर, फिर से सांस लेने का समय पाते हैं, जल्दी से कसकर बंद किए गए द्वारों को बंद कर दो; क्योंकि मुझे डर है कि कोई खूनी व्यक्ति शहर पर भी हमला कर सकता है।"

उसने कहा; द्वार खुल गए, और ठोस सलाखों को पीछे हटा लिया गया; द्वार चौड़े खुल गए, और प्रकाश अंदर आने दिया; लेकिन खाली जगह में अपोलो खड़ा था, ट्रोजन सेना को बचाने के लिए। प्यास से बेहाल और धूल से सने हुए सैनिक, सीधे शहर और मैदान से बनी ऊंची दीवार की ओर बढ़े; अकिलीज़, हाथ में भाला लिए, सबसे पीछे वाले पर ज़ोरदार हमला किया; उसकी आत्मा क्रोध से भर गई थी, और प्रसिद्धि की उन्मादी लालसा से। अब ऊँचे द्वारों वाले शहर ट्रॉय को ग्रीस के पुत्रों ने जीत लिया था; लेकिन फोएबस ने एजेनोर की आत्मा को जगाया, जो एक वीर और बलवान युवक था, एंटेनोर का पुत्र। उसने अपने हृदय को अदम्य साहस से भर लिया, और मृत्यु के भारी हाथ को दूर करने के लिए उसके बगल में खड़ा रहा, मानो बादलों में लिपटा हुआ वह बलूत के पेड़ से टिका हुआ था। जब उसने अकिलीज़ का भयानक रूप देखा, तब भी वह दृढ़ता से खड़ा रहा, यद्यपि उसका मन बहुत व्याकुल था, मानो वह अपने शक्तिशाली हृदय से इस प्रकार संवाद कर रहा हो:

"हे मुझ पर! क्या मुझे अकिलीज़ की शक्ति से पहले उड़ने का प्रयास करना चाहिए, जहाँ बाकी सब मैदान में तितर-बितर होकर भाग रहे हैं, वह जल्द ही मुझे पकड़ लेगा और भागते हुए ही मेरी नीच हत्या कर देगा। या मुझे दूसरों को उनके भाग्य पर छोड़ देना चाहिए, जिन्हें पेलियस के पुत्र ने तितर-बितर कर दिया है; और दीवार से ट्रॉय के मैदान के ऊपर से उड़कर इडा की पहाड़ी की तलहटी तक जाना चाहिए, और वहाँ घने आवरण में छिप जाना चाहिए; और शाम को ठंडे झरने में स्नान करके तरोताज़ा होकर, अपने शरीर को शुद्ध करना चाहिए।" पसीना बहाते हुए, क्या मैं ट्रॉय की ओर वापस लौटूँ? फिर भी, हे मेरी आत्मा, ऐसे विचार क्यों आने दूँ? क्योंकि यदि वह मुझे शहर से भागते हुए देख ले, और अपनी तेज़ चाल से मुझे पकड़ ले, तो मृत्यु से बचने की कोई आशा नहीं बचेगी। उसकी शक्ति मनुष्य की शक्ति से कहीं अधिक है। लेकिन अगर मैं यहाँ दीवार के सामने साहसपूर्वक उसका इंतज़ार करूँ तो क्या होगा? उसका शरीर घावों से अप्रभावित है: उसके पास केवल एक ही जीवन है। और वे कहते हैं कि वह नश्वर मनुष्य से अधिक नहीं है, भले ही बृहस्पति उसकी सहायता करे और उसकी विजय की इच्छा हो।

उसने कहा और संयमित होकर अकिलीज़ के आक्रमण की प्रतीक्षा करने लगा; और उसका वीर हृदय, साहस से भरा हुआ, युद्ध के लिए उत्सुक था। जैसे कोई पैंथर घनी

झाड़ियों की गहराई से निडर होकर शिकारी का सामना करने आता है, न तो कुत्तों के भौंकने से भागता है; न ही भाले या तलवार से घायल होकर, न ही भाले से भेदकर, अपना क्रोध शांत करता है, बल्कि तब तक लड़ता है जब तक वह अपने शत्रु तक न पहुँच जाए या मर न जाए; एजेनोर, एंटनोर का देवतुल्य पुत्र, अकिलीज़ की शक्ति को साबित करने से पहले भागने से विमुख हो गया। उसने अपनी ढाल का चौड़ा गोला धारण किया, और अपना भाला तना, और इस प्रकार जोर से पुकारा:
"हे प्रख्यात अकिलीज़, तेरी आशा आज के दिन वीर ट्रोजनों के नगर को नष्ट करने की थी; उन कष्टों और विपत्तियों से अनभिज्ञ, जो तू उसकी दीवारों के चारों ओर प्रतीक्षा कर रहा है! क्योंकि भीतर असंख्य वीर योद्धा हैं, जो उसके माता-पिता, बच्चों और पत्नियों के लिए उसकी रक्षा में लड़ेंगे। हे अकिलीज़, तू भी यहीं अपने भाग्य से मिलेगा, चाहे तू कितना भी शक्तिशाली और साहसी योद्धा क्यों न हो।"
उसने कहा, और बलिष्ठ हाथ से भाला फेंका;
उसने अकिलीज़ के पैर पर घुटने के नीचे प्रहार किया,
और उसका निशाना नहीं चूका; और नए बने टिन के कवच ज़ोर से बजे; लेकिन पीतल की नोक वापस उछल गई, और न ही दिव्य कवच को भेद पाई।
बदले में अकिलीज़ एजेनोर पर कूद पड़ा:
लेकिन फोएबस ने उससे उसका बहुप्रतीक्षित पुरस्कार छीन लिया,
जो घने बादल में छिपा हुआ, एजेनोर के पुत्र को ले गया, और युद्ध से शांति से विश्राम करने के लिए ले गया; जब उसने छल से पेलेउस के पुत्र को भागती हुई भीड़ से अलग किया: क्योंकि एजेनोर के ही रूप में, उसके सामने दूर-दूर तक विनाश करने वाला राजा खड़ा था: तब वह भाग गया, और अकिलीज़ उसका पीछा करने के लिए दौड़ा। उसने उपजाऊ मैदान पर दौड़ते हुए उसका पीछा किया; स्कैमंडर की घूमती धारा के किनारे, अपोलो मुड़ा, और उसके सामने उड़ता हुआ थोड़ा सा स्थान उसे सूक्ष्मता से लुभा रहा था, हर पल अपने पुरस्कार को प्राप्त करने की आशा में। इस बीच, आम भीड़ घबराकर भाग गई और उत्सुकता से शहर की शरण में पहुँच गई, और सारा शहर भगोड़ों से भर गया। न ही वे आपसी सहायता के लिए दीवारों के बाहर खड़े होने की हिम्मत कर पाए। न ही यह जानने के लिए रुके कि युद्ध के मैदान में छूटे हुए मित्र सुरक्षित हैं या नहीं; बल्कि फाटकों से होकर भागती हुई भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपने

सक्रिय अंगों को अपनी सुरक्षा का ऋणी मानती थी।

# तर्क।

**हेक्टर की मृत्यु।**

ट्रोजन सेना के किले की दीवारों के भीतर सुरक्षित होने के कारण, हेक्टर केवल अकिलीज़ का मुकाबला करने के लिए रुकता है। हेक्टर के आने से प्रियम भयभीत हो जाता है और अपने पुत्र को शहर में वापस जाने के लिए मनाने का प्रयास करता है। हेकुबा भी उससे विनती करती है, लेकिन व्यर्थ। हेक्टर मन ही मन विचार करता है कि क्या किया जाए; लेकिन अकिलीज़ के आगे बढ़ने पर उसका संकल्प टूट जाता है और वह भाग जाता है। अकिलीज़ ट्रॉय की दीवारों के चारों ओर तीन बार उसका पीछा करता है। देवता हेक्टर के भाग्य के बारे में चर्चा करते हैं; अंत में मिनर्वा अकिलीज़ की सहायता के लिए अवतरित होती है। वह हेक्टर को डेफोबस के रूप में भ्रमित करती है; हेक्टर युद्ध में डटा रहता है और मारा जाता है। प्रियम और हेकुबा के सामने अकिलीज़ शव को अपने रथ पर घसीटता है। वे विलाप करते हैं, रोते हैं और निराशा से भर जाते हैं। उनकी चीखें एंड्रोमाचे के कानों तक पहुँचती हैं, जो इस बात से अनभिज्ञ होकर महल के भीतरी भाग में थी; वह दीवारों पर चढ़ती है और अपने मृत पति को देखती है। वह यह दृश्य देखकर बेहोश हो जाती है। उसका अत्यधिक शोक और विलाप।

तीसवाँ दिन अभी भी जारी है। यह दृश्य ट्रॉय की दीवारों के नीचे और प्राचीरों पर घटित हो रहा है।

# पुस्तक XXII.

इस प्रकार वे भय से कांपते हिरण के बच्चों की तरह घबराकर भाग गए। दीवारों के भीतर छिपकर, उन्होंने अपना पसीना सुखाया, और पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई, और सुंदर प्राचीरों पर सुरक्षित रूप से लेट गए; लेकिन तिरछी ढालों के साथ यूनानी और करीब आ गए। फिर भी हेक्टर अभी भी इलियम और स्केयन द्वार के सामने, अपने बुरे भाग्य से बंधा हुआ, बाहर ही रहा; तब फोएबस ने पेलियस के देवतुल्य पुत्र से कहा: "अकिलीज़, तुम नश्वर, मुझे अमर, इतने फुर्ती से क्यों दौड़ा रहे हो? क्या तुम नहीं जानते कि मेरे देवत्व पर तुम्हारा क्रोध इतना तीव्र है? या क्या तुम्हें इस बात की परवाह नहीं है कि ट्रोजन सेना के सभी सैनिकों ने, जिन्हें तुमने यहाँ रहते हुए घायल किया है, दीवारों के भीतर सुरक्षित शरण ले ली है? तुम्हारी तलवार मुझ पर है।" व्यर्थ! मुझे मृत्यु का ज्ञान नहीं है!

क्रोधित होकर, तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "हे दूर तक तीर चलाने वाले राजा, हे देवताओं के सबसे शत्रु, तुम्हारे हाथों मुझे जो चोट लगी है, वह बहुत गहरी है। तुमने मुझे दीवारों से यहाँ तक झाँका है, जहाँ कई अन्य ट्रोजन पहुँचने में असफल रहे थे, इससे पहले कि मेरे हाथों वे खून से लथपथ हो जाएँ। तुमने मुझसे अमर सम्मान छीन लिया है और स्वयं को प्रतिशोध से बचाकर उन्हें सुरक्षित रखा है। काश मुझमें वह शक्ति होती, तो तुम प्रतिशोध का सामना करते।"

इस प्रकार कहते हुए, और महाशक्तिशाली कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वह प्रचंड गति से शहर की ओर मुड़ा; जैसे कोई घोड़ा पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, तेज रथ को घुमाता है और मैदान पर दौड़ता है, ठीक वैसे ही, फुर्तीले अंगों के साथ, अकिलीज़ दौड़ा।

वृद्ध प्रियम की आँखों ने सबसे पहले उसे देखा, जो मैदान में चमकते हुए, चकाचौंध कर देने वाले हथियारों से लैस होकर घूम रहा था, शरद ऋतु के तारे के समान, जिसकी चमकीली किरण रात के अंधेरे में चमकती है, जिसे मनुष्य ओरियन का डॉग-स्टार कहते हैं; वह सबसे चमकीला था, लेकिन नश्वर मनुष्य के लिए अशुभ संकेत और प्रचंड गर्मी का प्रतीक था: योद्धा की छाती पर पीतल इसी प्रकार चमक रहा था।

बूढ़ा आदमी जोर से कराह उठा, और अपने हाथ ऊपर उठाकर अपना सिर पीटने लगा, और ऊँची आवाज में अपने बेटे को पुकारते हुए विनती करने लगा; वह

अविचलित होकर द्वार के सामने खड़ा रहा, वहाँ अकिलीज़ के भयंकर मुकाबले की प्रतीक्षा करता रहा; उसके पिता ने हाथ फैलाकर और दयनीय स्वर में उससे कहा: हेक्टर, मेरे पुत्र, यहाँ अकेले उस योद्धा के आदेश की प्रतीक्षा मत करो, कहीं ऐसा न हो कि तुम अपने भाग्य के आगे हार मान लो, पेलिड्स की भुजाओं के नीचे, जो तुमसे कहीं बेहतर है! धिक्कार है उस पर! काश अमर देवता उसे भी मेरी तरह कृपा करते! तब उसका शव शीघ्र ही गिद्धों और कुत्तों को दे दिया जाता! (और इस प्रकार मेरा हृदय पीड़ा का बोझ हल्का हो जाता) जिसके कारण मैं अपने अनेक पुत्रों से वंचित हूँ, अनेक और वीर, जिन्हें उसने मार डाला या दूर-दराज के द्वीपों में गुलामी में बेच दिया; और यहाँ तक कि अब, शहर की दीवारों के भीतर मैं व्यर्थ ही अपने दो बेटों, बहादुर लाइकॉन और पॉलीडोर, जो सुंदर लाओथो के पुत्र थे, की तलाश कर रहा हूँ। अगर वे अभी भी जीवित हैं, तो पीतल और सोने से उनकी फिरौती अदा की जाएगी; हमारे पास इनकी अच्छी-खासी मात्रा है; क्योंकि अपनी सुंदर पुत्री के साथ बूढ़े एल्ट्स ने एक समृद्ध दहेज दिया था। लेकिन अगर वे अदृश्य छाया में चले गए होते, तो उनकी माँ और मेरा दुख गहरा होता; लेकिन आम जनता के बारे में मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि उनका दुख कहीं कम होता, अगर वे मर गए होते। मैंने सुना है कि तू अकिलीज़ के हाथों मारा गया है। तो अब, मेरे पुत्र, नगर के द्वारों में प्रवेश कर, और ट्रॉय के स्त्रियों और पुरुषों का रक्षक बना रह; और पेलियस के पुत्र को अपने प्राणों की आहुति दे। मुझ पर भी दया दृष्टि डाल; मुझ पर, जिस पर, मेरी उम्र के अंतिम पड़ाव पर ही, बृहस्पति ने एक कड़वा बोझ डाल दिया है, और मुझे यह देखने के लिए अभिशप्त किया है कि मेरे पुत्र मारे गए, मेरी पुत्रियाँ दासता के बंधनों में घसीटी गईं; हमारे कक्ष... पवित्रता पर आक्रमण किया गया; और हमारे शिशुओं को शत्रुतापूर्ण हाथों से जमीन पर पटक दिया गया; और क्रूर यूनानियों ने मेरे मारे गए बेटों की विधवाओं को गुलाम बना लिया। अंत में भूखे कुत्ते मुझ पर टूट पड़ेंगे, जब किसी शत्रु के हाथ से, तलवार या भाले से, मेरी आत्मा मेरे शरीर से अलग हो जाएगी; वही कुत्ते जिन्हें मैंने स्वयं पाला है, मेरी मेज पर भोजन करते थे, मेरे द्वार के रक्षक थे, मेरा खून चाटेंगे, और अत्यधिक खाकर मेरी दहलीज पर ही पड़े रहेंगे। पतन
मंगल ग्रह का शिकार, शत्रु के भाले के नीचे,
उसकी उम्र के अनुरूप हो सकता है; और यदि वह गिरता है

सम्मान के साथ, भले ही वह मरे, फिर भी वह गौरवशाली है!
लेकिन जब बूढ़ा सिर और बूढ़ी दाढ़ी,
और नग्न शव भूखे कुत्तों को सौंप दिए जाते हैं,
तो दुखी मनुष्यों के लिए इससे अधिक दुखद दृश्य कोई नहीं हो सकता।"
बूढ़े व्यक्ति ने बात की और अपने सिर से सफेद बाल नोच डाले; फिर भी हेक्टर दृढ़ रहा। फिर उसकी माँ आँसुओं में डूबी हुई आगे दौड़ी, अपने सीने को दोनों हाथों से थामे हुए, और आँसुओं से भरी आँखों से उसे इस प्रकार कहा: "हेक्टर, मेरे बच्चे, अपनी माँ के सीने का आदर करो; और इस सीने पर यदि तुम्हारे बचपन के दुख कभी शांत हुए हों, तो अब याद रखो, प्यारे बच्चे, जो ऋणी तुम हो; और दीवारों के भीतर से ही इस भयानक आदमी को दूर भगाओ, और मैदान में इसका सामना मत करो; शापित हो वह! यदि वह विजयी हुआ, मैं तुझे अंत्येष्टि शय्या पर नहीं मारूंगी, हे मेरे बच्चे, मेरे अपने, मेरी कोख की संतान, न तो मैं तेरा शोक मनाऊंगी, न तेरी विधवा पत्नी, बल्कि दूर, यूनानियों के जहाजों के पास, तेरा शव भूखे कुत्तों को सौंप दिया जाएगा।
इस प्रकार वे आँसुओं और गंभीर प्रार्थनाओं के साथ अपने पुत्र से विनती करते हुए, हेक्टर दृढ़ रहा, पेलेउस के देवतुल्य पुत्र के आगमन की प्रतीक्षा करता रहा। जैसे पहाड़ की ढलान पर एक साँप, घातक विष से लथपथ, अपने बिल के पास, यात्री की प्रतीक्षा करता है, और क्रोध से भरा हुआ, अपने बिल के चारों ओर कुंडली मारकर, अपनी अशुभ निगाहें झपटाता है; उसी प्रकार निडर साहस से भरा हुआ हेक्टर खड़ा रहा, पीछे हटने की अवहेलना करते हुए, अपनी चमकती ढाल को उभरे हुए टॉवर के सहारे टिकाए हुए। तब, अत्यंत भावुक होकर, उसने अपनी योद्धा आत्मा से इस प्रकार संवाद स्थापित किया:
"हाय, मुझ पर! अगर मैं अब शहर के द्वारों में प्रवेश करूँ, तो मुझे पोलिडामस के उस मुठभेड़ का उचित दंड भुगतना पड़ेगा, जिसने सबसे पहले उस घातक रात को, जब महान अकिलीज़ मैदान में प्रकट हुआ था, ट्रोजन सेनाओं का नेतृत्व करने के लिए दीवारों के भीतर अपनी सलाह दी थी। मैंने उसकी सलाह नहीं मानी; काश मैंने मानी होती! अब, चूंकि मेरी मूर्खता ने लोगों को मार डाला है, तो मुझे ट्रोजन पुरुषों और ट्रॉय की लंबे समय से लूटी गई महिलाओं से मिलने में शर्म आ सकती है, कहीं कोई यह न

कह दे, 'यह दुखद हेक्टर के अंधे आत्मविश्वास के कारण ही हमें यह हानि हुई। वे ऐसा कहेंगे; मेरे लिए यह कहीं बेहतर होता, या तो खुले युद्ध में मारे गए अकिलीज़ से विजय के साथ लौटना, या स्वयं अपने देश के लिए वीरतापूर्वक शहीद होना। क्या होगा यदि मैं अपनी ढाल, जिद्दी हेलमेट और भारी भाला दीवार के सहारे रखकर, उस बेजोड़ अकिलीज़ से लड़ने जाऊं? क्या होगा यदि मैं हेलेन और उसके साथ लूट का सारा माल, और सभी क्या पेरिस को उसके खोखले जहाजों में ट्रॉय लाया गया था, जहाँ से इस युद्ध की शुरुआत हुई थी? उसे बहाल किया जाना चाहिए; और यूनानियों को शहर के भंडारों से भरपूर भेंट दी जानी चाहिए, उसके गुप्त खजाने भी दिए जाने चाहिए; और इसके बाद ट्रोजन अपने पूर्वजों की गंभीर शपथों से बंधे होने चाहिए कि वे कुछ भी नहीं रोकेंगे, बल्कि हमारे प्रिय शहर की संपत्ति को निष्पक्ष रूप से बाँटेंगे? लेकिन हे मेरी आत्मा, ऐसे विचार क्यों? यदि मैं उससे मिलूँ, तो क्या होगा यदि वह दया या पश्चाताप न दिखाए, बल्कि मुझे मार डाले? वहाँ, क्या तुम स्त्री की तरह असहाय और निहत्थे हो? क्या यह समय नहीं है, और न ही वह पुरुष है जिसके साथ, जंगल के बलूत के पेड़ या चट्टान के किनारे, युवक और युवती की तरह, हल्की-फुल्की बातें करना, जैसे युवक और युवती करते हैं, बेहतर है कि लड़ाई का सामना करो, और तुरंत जान लो कि स्वर्ग ने विजय किसके लिए तय की है।
इस प्रकार, खड़े-खड़े वह सोचने लगा; लेकिन पंखों वाले मंगल ग्रह के समान भयानक अकिलीज़ निकट आ रहा था; अपने दाहिने कंधे से पेलियस का राख जैसा भाला लहराते हुए, जबकि उसके चारों ओर उसका चमकीला कवच जलती हुई आग या उगते सूरज की तरह चकाचौंध कर रहा था। हेक्टर ने यह सब देखा और कांप उठा; न तो वह वहाँ हमले का इंतज़ार करने की हिम्मत कर सका, बल्कि द्वार छोड़कर भयभीत होकर भाग गया। पेलिड्स तेज़ी से आगे बढ़ा, मानो कोई बाज़, सबसे तेज़ पक्षी हो। उड़ान,
किसी ऊँचे पर्वत शिखर से, डरपोक कबूतर पर
वह तेज़ी से नीचे झपट्टा मारता है; वह, नीचे से, डर में,
वार से बच निकलती है; वह, झाड़ियों से तेज़ी से गुज़रते हुए, चीखते हुए, अपने नियत शिकार पर झपट पड़ा; उसी प्रकार, हताश घृणा से पंख फैलाए, अकिलीज़ भागा; उसी प्रकार, हेक्टर, उसके तीव्र पीछा से भागते हुए, दीवारों के नीचे अपनी सक्रिय

मांसपेशियों का इस्तेमाल करता रहा। वे पहरेदार मीनार के पास और दीवार के नीचे, जहाँ हवा से झुकता हुआ अंजीर का पेड़ खड़ा था, सार्वजनिक सड़क पर तेज़ी से भागे, जब तक कि वे उस सुंदर बहते झरने तक नहीं पहुँच गए जहाँ से, दोहरे स्रोत से, स्कैमंडर का भंवर निकलता था। धाराएँ। एक गर्म धारा के साथ बहती है, और नीचे से, भट्टी की तरह, भाप के बादल उठते हैं; ग्रीष्म ऋतु की चिलचिलाती गर्मी में दूसरी ठंडी उठती है, जैसे ओले, बर्फ या क्रिस्टलीकृत पानी; फव्वारों के पास अच्छी तरह से गढ़े हुए पत्थर के कपड़े धोने के कुंड थे, जहाँ पहले ट्रॉय की पत्नियाँ और सुंदर बेटियाँ अपने उत्तम वस्त्र धोती थीं, शांति के समय में, यूनानियों के आने से पहले। वे भागे, एक भागा, दूसरा पीछा किया; भागने वाला अच्छा था, लेकिन पीछा करने वाला बेहतर था। पीछा किया गया, तेज गति से; क्योंकि उस दौड़ में दांव पर लगा था, कोई साधारण शिकार नहीं, कोई नीच बैल नहीं: दांव पर लगा पुरस्कार शक्तिशाली हेक्टर का जीवन था। जैसे जब मजबूत पैरों वाले घोड़े दौड़ते हैं, दौड़ के चारों ओर, पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, तिपाई, या अपने स्वामी से वंचित स्त्री; इस प्रकार वे ट्रॉय की दीवारों के चारों ओर तीन बार दौड़े, फुर्तीले पैरों से; और सभी देवताओं ने देखा। फिर देवताओं और मनुष्यों के पिता ने इस प्रकार कहना शुरू किया: "मेरी आँखें एक दुखद दृश्य देख रही हैं; एक आदमी जिसे मैं प्यार करता हूँ, दीवारों के चारों ओर भाग रहा है! मेरा दिल हेक्टर के लिए दुखी है, जिसने अब गहरी खाँचों वाली इडा के मुकुट पर, अब फिर से इलियम की ऊँचाइयों पर, उत्तम बैलों की चर्बी से मेरी वेदी को समेटा है; जिसका दीवारों के चारों ओर, अकिलीज़ अब तेज़ी से पीछा कर रहा है। हे देवताओं, मुझे अपनी सलाह दो और कहो, मृत्यु से क्या हम उसे बचा पाएँगे, या क्या उसे मरना ही होगा?" मरना, क्या वह इतना बहादुर है, पेलिड्स के हाथों मर जाएगा? नीली आँखों वाली देवी, पल्लास ने उनसे कहा: "हे पिता, बिजली की तरह चमकने वाले, बादलों से घिरे राजा, ये कैसे शब्द हैं? क्या तुम भाग्य द्वारा लंबे समय से शापित एक नश्वर मनुष्य को मृत्यु से बचाना चाहते हो? जैसा चाहो वैसा करो, लेकिन हमारी सहमति के बिना नहीं।"

जिस पर बादल-संयोजक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हिम्मत रखो, मेरे बच्चे! मैं अनिच्छा से ही सही, तुम्हारी दोनों इच्छाओं का विरोध कर रहा हूँ: तो अपनी इच्छा पूरी करो, और अपना हाथ पीछे मत खींचो।"

उसके शब्दों ने पलास के उत्साह को नई प्रेरणा दी, और वह ओलंपस की ऊंचाइयों से शीघ्रता से आगे बढ़ी।
इस बीच, हेक्टर पर अथक घृणा के साथ, तेजतर्रार अकिलीज़ ने दबाव बनाया: जैसे कोई शिकारी कुत्ता, घाटी और घनी झाड़ियों से होकर, पहाड़ की ढलान पर अपने मांद से निकले हिरण के बच्चे का पीछा करता है; और यदि वह कुछ समय के लिए पीछा करने से बच भी जाए, तो झाड़ियों में छिपकर, वह फिर भी उसका पीछा करता है, अथक खोजता रहता है, जब तक कि उसे उसका सुराग न मिल जाए; हेक्टर ने भी पेलेउस के फुर्तीले बेटे के तीव्र पीछा को नाकाम करने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ। वह अक्सर अच्छी तरह से बने हुए द्वारों के नीचे शरण लेता था। टावर, अगर संयोगवश वहाँ से उसके साथियों के हथियार कुछ सहायता प्रदान कर सकें; अक्सर उसका शत्रु, श्रेष्ठ गति से, उसे घेर लेता और मैदान की ओर मोड़ देता। वह शहर की ओर भागने का प्रयास करता रहा; और जैसे सपनों में, जब कोई व्यर्थ पीछा करता है, एक व्यर्थ भागने की कोशिश करता है, दूसरा व्यर्थ पीछा करने की कोशिश करता है; इसलिए अब न तो अकिलीज़ पहुँच सका, न ही हेक्टर अपने शत्रु को छोड़ सका। फिर भी हेक्टर अब मृत्यु के इस भाग्य से कैसे बच पाता, यदि अपोलो एक बार फिर, अंतिम बार, उसकी सहायता के लिए न आता, और उसे शक्ति और अंगों की लचीलता प्रदान न करता?
फिर अकिलीज़ ने भीड़ को सिर झुकाकर इशारा किया कि हेक्टर पर भाला चलाने का साहस न करे, कहीं ऐसा न हो कि कोई उसे घायल कर दे और इस प्रकार अधिक यश प्राप्त कर ले, जबकि उसे स्वयं दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़े। परन्तु जब वे अपनी तीव्र यात्रा में चौथी बार जलस्रोतों तक पहुँचे, तो परमपिता ने अपना सुनहरा तराजू ऊपर लटकाया और प्रत्येक में भाग्य के पर्चे रखे, एक महान अकिलीज़ के लिए, एक हेक्टर के लिए, और उन्हें बीच में पकड़े रखा: हेक्टर के भार से तौला नीचे डूब गया। मृत्यु,
छाया में नीचे, और फोएबस ने उसका साथ छोड़ दिया।
फिर नीली आँखों वाली कन्या पेलिड्स के पास आई, और उसके बगल में खड़ी होकर उससे इस प्रकार बोली: "हे स्वर्ग के प्रिय अकिलीज़, मुझे विश्वास है कि अब हेक्टर के पतन में, जो युद्ध से असंतुष्ट था, तुम्हें और मुझे महान गौरव प्राप्त होगा। अब वह बच

नहीं सकता, यद्यपि ढाल धारण करने वाले बृहस्पति के चरणों में, उसकी ओर से, अपोलो गंभीर प्रार्थना के साथ प्रणाम करे। लेकिन तुम यहीं ठहरो और अपनी साँस लो, जब तक मैं उसे वापस लौटने और युद्ध का सामना करने के लिए मनाती हूँ।"
तो पल्लास ने ऐसा कहा; और उसने प्रसन्नतापूर्वक आज्ञा मानते हुए, अपने पीतल के नुकीले राख के भाले पर झुककर खड़ा हो गया। देवी उसे वहीं छोड़कर (डेफोबस का रूप और स्वर धारण करके) देवतुल्य हेक्टर की खोज में चली गईं; उसे पाकर, पास खड़े होकर, उसने पंखयुक्त शब्दों से संबोधित किया:
"हे मेरे प्रिय भाई, भयंकर एकिलीज़ ने तुझे बुरी तरह हरा दिया है, जिसने दीवारों के चारों ओर तेरा तेज़ी से पीछा किया है; अब हम दोनों एक दूसरे की सहायता के लिए खड़े हैं और उसके आक्रमण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।"
चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर ने कहा: "डेफोबस, मेरे सभी भाइयों, हेकुबा और प्रियम के पुत्रों में से, तुम मेरे दिल के सबसे प्रिय रहे हो; और अब मैं तुम्हें और भी अधिक सम्मान देता हूँ, क्योंकि तुमने मेरी ओर से साहस दिखाया, मेरी जान को खतरे में देखकर, दीवारों के भीतर से बाहर निकले, जबकि दूसरे पीछे छिपे रहे।"
नीली आँखों वाली देवी ने इस प्रकार उत्तर दिया: "हे भाई, हमारे पिता, आदरणीय माता और हमारे सभी साथियों ने अनेक प्रार्थनाओं के साथ मुझसे रुकने का आग्रह किया; ऐसा भय सब पर छा गया है; परन्तु मेरे मन में तेरे कारण बहुत गहरा दुःख है। अब, साहसपूर्वक आगे बढ़ो! हम अपने भाले न छोड़ें; कोशिश करो कि क्या अकिलीज़ हम दोनों से हमारे रक्तरंजित लूट को सह सकता है, या फिर तेरे हाथों ही मारा जा सकता है।"
इस प्रकार पलास ने उसे कपटपूर्ण छल से लुभाया; लेकिन जब दोनों मिले और एक-दूसरे के करीब आ गए, तब सबसे पहले चमकते हेलमेट वाले महान हेक्टर ने बात की:
"अब मैं तेरे सामने नहीं भागूँगा, पेलेउस के पुत्र: मैं तीन बार दीवारों के चारों ओर भाग चुका हूँ, और तेरे आक्रमण की प्रतीक्षा करने का साहस नहीं किया; अब मेरी आत्मा जागृत हो गई है तेरे सामने खड़े होने के लिए, मारे जाने के लिए, या मारने के लिए। परन्तु पहले हम अमर देवताओं का आह्वान करें; वे प्रतिज्ञाओं के सबसे पुख्ता गवाह और संरक्षक हैं: मेरे हाथों तू कोई घिनौना अपमान सहन नहीं करेगा, यदि बृहस्पति

विजय के साथ मेरे दृढ़ धीरज को मुकुट पहनाए, और तेरा जीवन मेरे लिए कुर्बान हो जाए; तेरे कवच का।" मैं तुझसे वादा करता हूँ, अकिलीज़, कि मैं तेरा शरीर यूनानियों को लौटा दूँगा; तू भी ऐसा ही कर।"
अकिलीज़ ने भयंकर क्रोध से उत्तर दिया: "हेक्टर, तू मेरी घोर घृणा का पात्र है, मुझसे संधियों की बात मत कर; जैसे मनुष्यों और शेरों के बीच कोई दृढ़ एकता नहीं हो सकती, न ही भेड़िये और मेमने सामंजस्य में रह सकते हैं, बल्कि उनके बीच निरंतर शत्रुता बनी रहती है। इसलिए न तो तू और मैं मित्रतापूर्ण शर्तों पर, न ही किसी दृढ़ संधि पर एक हो सकते हैं, जब तक कि हम में से कोई एक कवचधारी योद्धा मार्स को अपने रक्त से तृप्त न कर दे। अपनी सारी सुरक्षा का ध्यान रख; अब तुझे एक कुशल भालाधारी और योद्धा साबित होना आवश्यक है।" वीर। तेरे लिए कोई बच निकलने का रास्ता नहीं है; अब, मेरे भाले से, पल्लास ने तेरी मृत्यु का फैसला कर दिया है; मेरे साथियों का खून, जो तूने बहाया है, अब उसका बदला लिया जाएगा।
उसने कहा, और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका; लेकिन हेक्टर ने देख लिया और वार से बच गया; वह झुक गया, और पीतल की नोक वाला भाला उसके कंधे के ऊपर से उड़ गया, और जमीन में धंस गया; लेकिन पल्लास ने हथियार को खींच लिया, और हेक्टर की नज़र से बचकर, उसे अकिलीज़ के हाथ में वापस दे दिया। तब हेक्टर ने पेलियस के अद्वितीय पुत्र से इस प्रकार कहा:
तेरा निशाना चूक गया; और सचमुच मेरा भाग्य भी, हे पेलेउस के देवतुल्य पुत्र, स्वर्ग से तुझे नहीं मिला; यही तेरा घमंड था; परन्तु तेरा वचन तुच्छ और चालाकी से गढ़ा गया था, मुझे बड़े-बड़े शब्दों से डराने के लिए, और मुझे मेरी जानी-मानी वीरता और यश के विरुद्ध सिद्ध करने के लिए। मैं तेरा भाला अपनी पीठ में नहीं, बल्कि सीने में खाऊंगा, तेरे सामने, यदि बृहस्पति ने सचमुच तेरी भुजा को ऐसी विजय दी हो। अब, यदि तू कर सकता है, तो मेरा भाला भी तुझ पर ही मार। बच निकलना; यह तेरे शरीर में गहराई से दब जाए! क्योंकि ट्रॉय के लिए युद्ध का बोझ हल्का होता, यदि तू, उसके सबसे बड़े शत्रु, मारा जाता।
उसने कहा, और संतुलन बनाकर अपना भारी भाला फेंका; और उसका निशाना नहीं चूका; ठीक बीचोंबीच उसने पेलिड्स की ढाल पर प्रहार किया; लेकिन ढाल से टकराकर भाला उछल गया। हेक्टर दुखी हुआ, कि इस प्रकार उसका भाला व्यर्थ ही

उसके हाथ से निकल गया। वह स्तब्ध खड़ा रहा; दूसरा भाला पास नहीं था: और उसने जोर से डेफोबस को पुकारा, भाला लाने के लिए; लेकिन वह बहुत दूर था। तब हेक्टर को पता चला कि उसे धोखा दिया गया है, और वह चिल्लाया, "हे भगवान! ऊपर के देवताओं ने मेरी मृत्यु तय कर दी है! मैंने सोचा था कि बहादुर डेफोबस पास ही होगा; लेकिन वह दीवारों के भीतर सुरक्षित है, और मैं पल्लास द्वारा धोखा खा गया हूँ। अब मेरी मृत्यु निकट है, दूर नहीं: बचने का कोई रास्ता नहीं है; क्योंकि बृहस्पति ने यही तय किया है, और बृहस्पति के दूर-दूर तक तीर चलाने वाले पुत्र, जो अब तक मेरे रक्षक रहे हैं; अब मेरा भाग्य मुझे मिल गया है। फिर भी बिना संघर्ष के नहीं।" मुझे मरने दो, न कि पूरी तरह से अपमान के साथ; बल्कि कोई महान कार्य हो, जिसके बारे में आने वाले दिनों में सुना जाए, जो मेरे पतन का प्रतीक हो।
जैसे ही उसने बात की, उसने अपनी धारदार तलवार निकाली, भारी और विशाल, उसकी कमर पर लटकी हुई; छलांग लगाने के लिए तैयार, और आगे की ओर झपटा: जैसे कोई चील, सबसे ऊँची उड़ान भरने वाला पक्षी, काले बादलों से नीचे मैदान पर झपट्टा मारता है, किसी कोमल मेमने या दुबके हुए खरगोश को पकड़ने के लिए; हेक्टर झपटा, और अपनी धारदार तलवार लहराई। अकिलीज़ का क्रोध भड़क उठा: भयंकर रोष से उसकी आत्मा भर गई: उसने अपनी छाती के सामने अपनी अच्छी तरह से गढ़ी हुई ढाल रखी; और उसके माथे पर उग्रता से लहराता हुआ चार पंखों वाला हेलमेट, मानो हवा में सुनहरे बाल तैर रहे हों, जिनसे मुकुट वल्कन के हाथों घनी तरह से गुंथा हुआ था; और मानो अनगिनत तारों के बीच, जब गोधूलि रात में बदल जाती है, एक तारा प्रकट होता है, हेस्पर, स्वर्ग में चमकने वाला सबसे चमकीला तारा, नुकीला भाला चमक रहा था, जिसे अकिलीज़ ने अपने दाहिने हाथ में थामे रखा था, ईश्वरीय हेक्टर के भाग्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए, और उत्सुकता से देखते हुए। देखो जहाँ से उसके शरीर को हमले से सबसे कम सुरक्षा मिली थी।
बाकी सब चमकदार कवच ने अच्छी तरह से सुरक्षित रखा था,
जिसे हेक्टर ने पेट्रोक्लस के शव से उतार लिया था;
एक दरार दिखाई दी, ठीक कॉलरबोन के पास,
गर्दन और कंधे के हिस्से, गले के पास,
जहाँ मृत्यु का सबसे तेज़ रास्ता खुला था।

वहाँ वह गिर पड़ा, जैसे ही हेक्टर आगे बढ़ा;
भाला उसकी कमजोर गर्दन के आर-पार चला गया,
लेकिन श्वास नली को नहीं काटा, और न ही उसकी बोलने की शक्ति को नष्ट किया;
वह धूल में औंधा गिर पड़ा; और उस पर घमंड करते हुए, अकिलीज़ ने इस प्रकार कहा:
हेक्टर, पैट्रोक्लस ने अपने हथियार छीन लिए, तेरी आशा थी कि तू स्वयं सुरक्षित है;
और मैं, जो उपस्थित नहीं था, तेरी आत्मा में कोई भय नहीं लाया: मूर्ख! खोखले जहाजों में मैं अभी भी मौजूद था, मैं, उसका बदला लेने वाला, उससे कहीं अधिक शक्तिशाली; मैं, जो अब तेरा विजेता हूँ। कुत्तों और गिद्धों द्वारा तेरे शव को बुरी तरह नोचा जाएगा, जबकि यूनानी लोग अंतिम संस्कार करके उसे सम्मानित करेंगे।
चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने असहाय और लाचार होकर उत्तर दिया: "हे अकिलीज़, मैं तुमसे विनती करता हूँ, अपनी आत्मा, अपने घुटनों और अपने माता-पिता के सिर की कसम, मेरे शव को यूनानी कुत्तों द्वारा नोचने न दो। पीतल और सोने के उन विशाल भंडारों को स्वीकार करो, जो मेरे आदरणीय पिता और माता द्वारा मेरे उद्धार के रूप में तुम्हें दिए जाएँगे; परन्तु मेरे शव को लौटा दो, ताकि ट्रॉय के पुरुष और पत्नियाँ मेरे अंतिम संस्कार की चिता को उचित सम्मान से सजा सकें।"
जिस पर, भयंकर रूप से, अकिलीज़ ने इस प्रकार कहा: "मुझे घुटने मत टेको, नीच कुत्ते! और मेरे सामने माता-पिता की बकवास मत करो! मेरी घृणा इतनी गहरी है कि मैं लगभग खुद को तेरा क्षत-विक्षत मांस नोंचकर खाने के लिए मना सकता था; मुझे ऐसे अन्याय का बदला लेना है, जो तुझे कुत्तों से बचा सके, वह जीवित नहीं है; चाहे वह यहाँ दस और बीस गुना फिरौती लेकर खड़ा हो और फिर भी अधिक का वादा करे, नहीं; नहीं, चाहे प्रियम का शाही रूप तुझे छुड़ाने के लिए सोने के बदले अनुमति मांगे, नहीं; नहीं, ऐसा भी नहीं, तेरी माँ..." तुम्हें पलंग पर लिटाकर, अपने बच्चे, तुम्हारे लिए शोक मनाना; परन्तु तुम्हारे सभी अंगों पर कुत्ते और गिद्ध दावत करेंगे।
चमकते हेलमेट वाले हेक्टर ने मरते हुए कहा: "मैं तुम्हें भली-भांति जानता हूँ; और न ही मैंने तुम्हारे इरादे बदलने की आशा की थी; तुम्हारी आत्मा लोहे की है। परन्तु ध्यान रखना कि मैं तुम्हारे सिर पर स्वर्ग का क्रोध न लाऊँ, जब स्केयन द्वार पर अपोलो की सहायता से पेरिस का हाथ, हे वीर योद्धा, तुम्हें मार गिराएगा।"

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उसकी आँखें मृत्यु के कारण बंद हो गईं; और उसकी आत्मा अदृश्य छाया में विलीन हो गई, अपने भाग्य, अपनी खोई हुई जवानी और जोश पर शोक मनाते हुए।
हालांकि वह मर चुका था, फिर भी अकिलीज़ ने उसे इस प्रकार उत्तर दिया: "तुम मर जाओ! मैं अपने भाग्य से तब मिलूंगा, जब भी बृहस्पति और अमर देवता ऐसा तय करेंगे।"
उसने कहा, और लाश से अपना भाला वापस खींच लिया, और एक तरफ रख दिया; फिर खून से सना हुआ कवच उतार दिया; उसके चारों ओर यूनानी जमा हो गए, हेक्टर के भव्य रूप और चेहरे को निहारते हुए, और कोई भी उसके पास नहीं गया जिसने उसे घायल न किया हो: और एक दूसरे की ओर देखकर कहा, "सच में, हेक्टर को अब संभालना कहीं आसान है, उस समय की तुलना में जब उसने हमारे जहाजों को आग में लपेट दिया था।" ऐसा कहकर वे फिर से मरे हुए को छुरा घोंप देते।
लेकिन जब पेलेउस के पुत्र ने, जो तेज कदमों से चल रहा था, शव से कवच उतार दिया, तो वह उठा, और खड़े होकर उसने एकत्रित यूनानियों को इस प्रकार संबोधित किया: "हे मित्रों, यूनान के सरदारों और सलाहकारों, क्योंकि स्वर्ग ने हमें इस व्यक्ति को मारने का अधिकार दिया है, जिसकी एक भुजा ने हम पर बाकी सभी भुजाओं से कहीं अधिक कहर बरपाया है, अब हम हथियारों से लैस होकर शहर के सामने आगे बढ़ें और यह जानने का प्रयास करें कि ट्रॉय का क्या इरादा है; क्या हेक्टर के मारे जाने के बाद, वे गढ़ से पीछे हटने का इरादा रखते हैं, या फिर भी, अपनी हानि के बावजूद, वे अपना स्थान बनाए रखते हैं। लेकिन हे मेरी आत्मा, ऐसे विचार क्यों आते हैं? जहाजों के पास, बिना रोए, बिना दफनाए, पेट्रोक्लस लेटा है: जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता, जब तक वह जीवितों में गिना जाता है, और मेरे अंगों में हिलने-डुलने की शक्ति है; हालांकि पाताल लोक में मृतकों को भुला दिया जा सकता है, फिर भी मैं वहां भी अपने प्रिय साथी की स्मृति को संजो कर रखूंगा। अब हम, यूनान के पुत्रों, जहाजों पर लौटते हैं, हर्षोल्लास के गीत गाते हुए! वह हमारे साथ जाएगा; महान गौरव हमारा है, देवतुल्य हेक्टर। मारा गया, ट्रॉय का गौरव, और एक पूजनीय देवता।
उसने कहा, और हेक्टर के शव का घिनौना दुरुपयोग किया; उसने दोनों पैरों की नसों को छेद दिया, जो टखने से एड़ी तक जाती हैं, और उसे चमड़े की पट्टियों से अपने रथ

से बांध दिया, और सिर को जमीन पर घसीटने के लिए छोड़ दिया; फिर उसने पकड़े गए हथियारों के साथ अपने रथ पर सवार होकर अपने घोड़ों को दौड़ाया; वे बिना किसी हिचकिचाहट के दौड़ पड़े। घिसटते हुए शरीर से धूल का बादल उठा: उसके चमकदार बाल लटक रहे थे; और धूल में
वह महान सिर, जो कभी इतना सुंदर था;
अब बृहस्पति के फरमान से घोर अपमान का शिकार,
अपने ही देश में, एक शत्रु के हाथों।
इस प्रकार हेक्टर का सिर पड़ा था; यह देखकर
उसकी बूढ़ी माँ ने अपने बाल नोंच लिए, और दूर से
अपने सिर से चमकता हुआ घूंघट फेंक दिया,
और जोर-जोर से रोते हुए अपने मारे गए बेटे का विलाप किया।
दयनीय रूप से, उसके पिता कराह उठे; और चारों ओर विलाप और शोक की आवाज सुनाई दे रही थी। ऐसा रोना था मानो इलियम की विशाल ऊँचाई आग में सुलग रही हो। भीड़ बड़ी मुश्किल से ही उस बूढ़े को दर्ददान के द्वार से बाहर निकलने से रोक पाई। वह धूल में लोटता हुआ सबसे विनती कर रहा था, और हर एक से उसका नाम लेकर विनती कर रहा था: "मेरे मित्रों, धैर्य रखें; यद्यपि मैं दुखी हूँ, मुझे मत रोकें; मुझे अकेले ही यूनानी जहाजों तक पहुँचने दें, और वहाँ इस व्यक्ति से विनती करें।" हिंसा, यह अभिमानी सरदार, यदि संयोगवश वह मेरी आयु का हो, तो मेरी उम्र पर दया करे और मेरा आदर करे। क्योंकि उसका भी एक पिता है, जो मेरी ही तरह है; पेलियस, जिससे उसका जन्म और पालन-पोषण हुआ, ट्रॉय का अभिशाप; और सबसे बढ़कर, मेरे लिए अंतहीन दुःख का कारण, जिसके हाथों मैंने अनेक वीर पुत्रों को खोया है। फिर भी, यद्यपि मैं सभी के लिए दुखी हूँ, मैं कम विलाप करता हूँ, जितना कि एक के लिए, जिसकी हानि मुझे मृत्यु तक ले जाएगी, हेक्टर! काश, मेरे पिता में वह होता। बाहों में
वह मर सकता था; तब शोक और आँसुओं के साथ
हम दोनों अपना शोक शांत कर सकते थे, वह
जिसने उसे जन्म दिया, अभागी माँ, और मैं भी।"

रोते हुए वह बोला; और उसके साथ भीड़ भी रोने लगी: फिर, स्त्रियों के बीच, हेकुबा ने अपना गहरा शोक व्यक्त किया: "मेरे बच्चे, अब मैं कहाँ जाऊँ, हृदयविदारित, तुमसे विमुख होकर, तुमसे, जो मेरे लिए रात-दिन गौरव और गर्व था; सभी की शक्ति, ट्रॉय के पुरुषों और महिलाओं की, एक देवता के समान, वे तुम्हारी पूजा करते थे: क्योंकि अपने जीवनकाल में तुम सभी का गौरव थे; परन्तु अब भाग्य ने तुम्हें पा लिया है।" रोते हुए वह बोली; परन्तु हेक्टर की पत्नी को अभी तक कुछ भी ज्ञात नहीं था; उसके पास कोई दूत यह समाचार नहीं लाया था कि दीवारों के बाहर उसका पति रह गया है; अपने घर में एकांत में उसने बैंगनी रंग का, दोहरी बुनाई वाला जाल बुना, जिसमें तरह-तरह के फूलों की सुंदर कढ़ाई थी, और अपनी सुडौल बालों वाली दासियों को आदेश दिया कि आग पर सबसे बड़े कड़ाहे रखें, ताकि लड़ाई से लौटने पर हेक्टर गर्म पानी से स्नान करके तरोताजा हो सके; वह बेहोश थी, और उसे पता चला कि अकिलीज़ के हाथों, पल्लास की सहायता से, स्नानघर से दूर, देवतुल्य हेक्टर मारा गया था। मीनार से विलाप की आवाज़ें उस तक पहुँचीं; उसके अंग लड़खड़ा गए, तकली उसके हाथ से छूट गई, और उसने अपनी सुडौल दासियों से कहा: "जल्दी करो, मेरे पीछे आओ, दो-दो, ताकि मैं जान सकूँ कि इन आवाज़ों का क्या अर्थ है; मैं अपनी आदरणीय माँ की आवाज़ सुन रही हूँ; और मेरे सीने में मेरा धड़कता दिल मेरे मुँह तक आ रहा है; मेरे अंग हिलने से इनकार कर रहे हैं; कोई बुराई ज़रूर है।" प्रियम के घर पर खतरा मंडरा रहा है। मेरे शब्द भले ही पूरे न हों! फिर भी मुझे बहुत डर है कि कहीं मेरा बहादुर हेक्टर अकेला ही मारा न जाए, महान अकिलीज़ द्वारा ट्रॉय की दीवारों से खदेड़कर मैदान में न गिरा दिया जाए, और उसका हताश साहस बुझा दिया जाए, जिसने उसे हमेशा सेना की पंक्तियों से आगे बढ़ाया और उसे किसी के सामने न झुकने का आदेश दिया।

फिर वो घर से पागलों की तरह भागी, धड़कते दिल के साथ; और उसकी दासियाँ उसके साथ गईं। लेकिन जब वह मीनार पर पहुँची, जहाँ भीड़ खड़ी थी, और दीवार पर चढ़कर उसने चारों ओर देखा, और उस शरीर को देखा जिसे अपमानजनक ढंग से दौड़ते हुए घोड़े जहाजों की ओर घसीट रहे थे; तभी अचानक उसकी आँखों में अंधेरा छा गया; वह पीछे की ओर गिर पड़ी और उसकी साँसें रुक गईं। उसके सिर के आभूषण दूर जा गिरे, जाल, पट्टी और बुनी हुई पट्टियाँ; सुनहरी वीनस द्वारा दिया

गया विवाह का घूंघट, उस दिन जब हेक्टर ने हेल्म
अपनी धनी दुल्हन को ईटियन के घर से ले गया।
उसके पति की बहनें उसके चारों ओर जमा हो गईं,
और उसे थामे रखा, जैसे वह जानलेवा बेहोशी में पड़ी हो।
लेकिन जब उसकी सांस और आत्मा वापस लौटी,
तो वह अचानक पीड़ा से भर उठी और इस प्रकार रोई:
"हेक्टर, हाय मुझ पर! हम दोनों एक ही तरह से पैदा हुए थे; तुम यहाँ ट्रॉय में
प्रियम के शाही महल में; मैं थेब्स में,
घने जंगलों वाले प्लाकोस के पास, ईटियन के घर में,
जिसने मेरा बचपन पाला; दुखी मैं कितना दुखी हूँ! काश मैं कभी पैदा ही न हुआ
होता! अब तुम धरती की गहराइयों में चले गए हो, अदृश्य छायाओं में चले गए हो;
और मुझे छोड़ गए हो, तुम्हारे घर में एक विधवा, गहरे दुख में; हमारा बच्चा, अभी
शिशु ही था, तुम्हारा और मेरा, दोनों अभागे माता-पिता! न तुम उसके, हेक्टर, रक्षक
बनोगे, न वह तुम्हारा: क्योंकि भले ही वह यूनान के साथ इस आँसुओं भरे युद्ध से बच
जाए, फिर भी उसके लिए निरंतर दुख के सिवा कुछ नहीं बचेगा, और अजनबी
उसकी विरासत पर आ पड़ेंगे। पकड़ो।
अनाथ लड़के का कोई युवा साथी नहीं है:
झुकी हुई आँखों और आँसुओं से भीगे गालों के साथ,
उसके पिता के दोस्त, अभाव से तंग आकर, उसके पास आते हैं,
वह एक के आँचल से लिपट जाता है,
वह लबादा खींचता है; शायद दया करके कोई
उसे अपनी मेजों पर एक घूँट पीने दे,
उसके होंठों को गीला करे, लेकिन उसके तालू को मुश्किल से ही छुए;
जबकि युवा, जिनके माता-पिता दोनों जीवित हैं,
उसे मार-पीट और ताने मारकर अपनी दावत से भगा देते हैं,
'चले जाओ! तुम्हारे पिता हमारी दावत में नहीं बैठते' बोर्ड: '
फिर रोते हुए, अपनी विधवा माँ की बाहों में
वह भागा, वह अनाथ लड़का, एस्टियानैक्स,

जिसे कुछ समय पहले उसके पिता की गोद में पाला गया था
उत्तम मज्जा और मेमनों की चर्बी से;
और, जब नींद में उसका बचपन का खेल शांत हुआ,
तो उसे उसकी नर्स की बाहों में सुला दिया गया
सबसे नरम पलंग पर, सभी सुखों से घिरा हुआ।
लेकिन अब उसके पिता के खोने का दुख उसका इंतजार कर रहा है,
एस्टियानैक्स, ट्रोजन का उपनाम,
क्योंकि तू ही अकेला ट्रॉय का रक्षक था और रक्षक।
परन्तु अब तुझ पर, चोंचदार जहाजों के पास,
तेरे माता-पिता से दूर, जब भूखे कुत्ते
अपना पेट भर लेंगे, रेंगते हुए कीड़े भोजन करेंगे;
तुझ पर, बिलकुल नग्न; जबकि तेरे घर में
वस्त्रों का भंडार है, कीमती और दुर्लभ, जो स्त्रियों के हाथों की कारीगरी है; मैं इन्हें आग में जला दूँगा;
तेरी आवश्यकता के लिए नहीं—तू इन्हें फिर कभी नहीं पहनेगी,—
परन्तु ट्रॉय की दृष्टि में तेरे सम्मान के लिए।"
वह रोते हुए बोली; अन्य महिलाएं भी उसके विलाप में शामिल हो गईं।

## तर्क।

**पैट्रोक्लस के सम्मान में आयोजित अंत्येष्टि खेल।**

अकिलीज़ और मायर्मिडोंस पैट्रोक्लस के पार्थिव शरीर को सम्मान देते हैं। अंत्येष्टि भोज के बाद वह समुद्र तट पर विश्राम करते हैं, जहाँ सोते समय उनके मित्र का भूत उन्हें दर्शन देता है और अंतिम संस्कार की रस्में निभाने का आदेश देता है। अगली सुबह सैनिकों को खच्चरों और गाड़ियों के साथ चिता के लिए लकड़ी लाने भेजा जाता है। अंत्येष्टि जुलूस निकलता है और लोग अपने बाल मृतक को अर्पित करते हैं। अकिलीज़ चिता पर कई जानवरों की बलि देते हैं और अंत में बारह ट्रोजन कैदियों की बलि देते हैं; फिर उसमें आग लगा देते हैं। वह हवाओं को आहुति देते हैं, जो (आइरिस के कहने पर) उठती हैं और आग की लपटों को और तेज़ कर देती हैं। जब चिता पूरी

रात जलती है, तो वे हड्डियों को इकट्ठा करते हैं, उन्हें सोने के कलश में रखते हैं और समाधि का निर्माण करते हैं। अकिलीज़ ने अंत्येष्टि खेलों की शुरुआत की: रथ दौड़, कैस्टस की लड़ाई, कुश्ती, पैदल दौड़, एकल मुकाबला, डिस्कस, तीरंदाजी, भाला फेंकना: जिनके विभिन्न विवरण और विभिन्न प्रतिद्वंद्वियों की अलग-अलग सफलताएँ पुस्तक का अधिकांश भाग बनाती हैं।

इस पुस्तक में तीसवाँ दिन समाप्त होता है: अगली रात, पैट्रोक्लस का भूत अकिलीज़ के सामने प्रकट होता है: इक्कीसवें दिन चिता के लिए लकड़ी काटने में, बत्तीसवें दिन उसे जलाने में और तैंतीसवें दिन खेलों में व्यतीत होता है। दृश्य आमतौर पर समुद्र तट पर घटित होता है।

# पुस्तक XXIII.

इस प्रकार वे पूरे शहर में विलाप करते रहे; लेकिन जब यूनानी उस स्थान पर पहुँचे जहाँ उनके जहाज थे, तो विशाल हेलेस्पोंट के किनारे, वे अपने-अपने रास्तों से उनका पीछा करते हुए तितर-बितर हो गए; फिर भी अकिलीज़ ने अपने मर्मिडोंस को इस प्रकार तितर-बितर नहीं होने दिया, बल्कि उसने अपने योद्धा साथियों को संबोधित किया:

"मेरे वफादार साथियों, वीर मर्मिडोंस, अभी तक हमने अपने घोड़ों को रथों से नहीं खोला है; लेकिन पैट्रोक्लस के लिए शोक मनाते हुए, पास आते हुए, घोड़े और रथ के साथ; मृतकों से ऐसी ही श्रद्धांजलि की मांग की जाती है; फिर, हमारे दुखों को दूर करने के लिए, हम घोड़ों को खोल देते हैं, और शाम का भोजन साझा करते हैं।"

उसने कहा; और वे सब मिलकर मधुर स्वरों में शोकगीत गाने लगे; अकिलीज़ ने गीत का नेतृत्व किया; उन्होंने अपने चिकने घोड़ों को तीन बार मृत शरीर के चारों ओर दौड़ाया, शोक मनाते हुए, थेतिस के शोक से प्रेरित हृदयों के साथ; आँसुओं से रेत, आँसुओं से योद्धाओं की भुजाएँ भीग गईं; वे जिस सरदार के लिए शोक मना रहे थे, वह इतना शक्तिशाली था। फिर अकिलीज़ ने अपने साथी की छाती पर अपने रक्तरंजित हाथ रखे, और इस प्रकार विलाप शुरू हुआ:

"प्लूटो के राज्य में रहते हुए भी, पेट्रोक्लस को नमस्कार; देखो, मैंने जो भी वादा किया था, अब मैं उसे पूरा कर रहा हूँ; कि हेक्टर के शव पर, जिसे यहाँ घसीटकर लाया गया है, हमारे कुत्ते चरेंगे; और ट्रॉय के बारह वीर युवकों को, तुम्हारी चिता के सामने, तुम्हारे मृत्यु का बदला लेने के लिए, मेरे हाथों से मार डाला जाएगा।"

उसने कहा, और हेक्टर के शव का घिनौना अपमान किया, उसे धूल में औंधा फेंक दिया, पलंग के पास जहाँ मेनोएटियस का पुत्र लेटा था। फिर उसके साथियों ने अपने चमकीले पीतल के कवच उतार दिए, और अपने हिनहिनाते घोड़ों को छोड़ दिया; फिर पेलेउस के पुत्र के जहाज के चारों ओर असंख्य संख्या में लोग बैठे थे, जबकि वह भव्य अंत्येष्टि भोज का वितरण कर रहा था। वहाँ कई बैल चाकू के नीचे पड़े थे, और कई भेड़ें, और कई मिमियाती बकरियाँ, और कई वसायुक्त सफेद दांतों वाले सूअर, आग पर झुलसते हुए पड़े थे; और शव के चारों ओर खून की धारा बह रही थी। फिर ग्रीस के राजा पेलेउस के तेज-तर्रार पुत्र, एगामेम्नन को वहाँ ले गए; फिर भी वे उस पर

मुश्किल से ही काबू पा सके; अपने साथी की मृत्यु पर उसका क्रोध इतना भयंकर था। लेकिन जब वे एगामेम्नन के तम्बू में पहुँचे, तो उसने स्पष्ट स्वर में दूतों को आदेश दिया कि आग पर एक बड़ा तिपाई रखें; और शायद वह पेलेउस के पुत्र को युद्ध के खूनी दागों को धोने के लिए मना ले। लेकिन उसने दृढ़ता से और शपथ लेकर इनकार कर दिया।
नहीं, महान बृहस्पति की कसम, सभी देवताओं में सर्वोच्च और सबसे शक्तिशाली, पानी मेरे इस सिर को तब तक नहीं छुएगा, जब तक मैं पेट्रोक्लस के शरीर को चिता पर रखा हुआ न देख लूँ, और उसकी कब्र न बना दूँ, और अपने मन्नत के बाल न काट लूँ; क्योंकि जब तक मैं जीवित हूँ और मनुष्यों के बीच घूमता रहूँगा, इस तरह का दूसरा दुख मेरी आत्मा को भेद नहीं सकता। अब हम शोकपूर्ण अंत्येष्टि भोज देखें; लेकिन हे महान एगामेम्नन, मनुष्यों के राजा, भोर होते ही शिविर में ईंधन और बाकी सब कुछ लेकर आ जाना। तैयारी करो, ताकि उचित भोजन के साथ मृत आत्माएं रात्रि के लोकों में जा सकें; इस प्रकार अग्नि हमारी दृष्टि से ओझल होकर हमारे महान मृतकों को भस्म कर देगी, और सैनिक अपने सामान्य कार्यों पर लौट लौटेंगे।
उसने कहा; उन्होंने सुना, और उसके शब्दों का पालन किया; फिर उन्होंने व्यस्तता से शाम का भोजन तैयार किया, और सामाजिक भोज में भाग लिया; और वहाँ किसी चीज़ की कमी नहीं हुई। प्यास और भूख शांत हुई, और बाकी सब अपने-अपने तंबुओं में चले गए; लेकिन लहरों से भरे समुद्र के किनारे पर, पेलिड्स अपने मर्मिडोंस के बीच, कड़वी आहों के साथ लेटा रहा; एक स्वच्छ स्थान में वह लेटा था, जहाँ लहरें लगातार किनारे पर टूट रही थीं। वहाँ, उसके चारों ओर कोमल नींद छाई हुई थी, उसके हृदय के दुखों को शांत करते हुए, उसकी इंद्रियों पर हावी हो गई; क्योंकि ट्रॉय की हवादार ऊँचाइयों पर हेक्टर के पीछा करने से उसके सक्रिय अंग थक गए थे:
जैसे ही वह सो रहा था, अचानक पेट्रोक्लस की शोकपूर्ण छाया प्रकट हुई, उसका साक्षात स्वरूप; उसकी ऊँचाई, और सुंदर आँखें, और आवाज; वही वस्त्र जो वह अक्सर पहना करता था:
यह उसके सिर के ऊपर खड़ा था, और इस प्रकार बोल रहा था:
"क्या तू सो रहा है, अकिलीज़, अपने मित्र को भूलकर, क्या तू जीवितों की नहीं, बल्कि मृतकों की उपेक्षा कर रहा है? मेरे अंतिम संस्कार की रस्में जल्दी पूरी कर, ताकि मैं

पाताल लोक के अंधकारमय द्वारों से होकर गुजर सकूँ; इससे पहले कि वे पूरी हों, मरे हुए लोगों की आत्माएँ और प्रेत मुझे उनसे दूर भगा देते हैं, और मुझे उस घृणित नदी को पार करने नहीं देते; बल्कि मैं अकेला और उदास होकर रात के विशाल क्षेत्र में भटकता हूँ। अब मुझे अपना हाथ दे, जिस पर मैं रो सकूँ; क्योंकि चिता पर रखे जाने के बाद, मैं फिर कभी नहीं रोऊँगा।" क्या मैं पाताल लोक से लौट आऊँगा; फिर कभी नहीं, क्या हम दोनों अपने सभी साथियों से अलग होकर, मित्रों की तरह, मीठी सलाह लेंगे; क्योंकि मेरे लिए, कठोर मृत्यु, मनुष्य के सामान्य भाग्य को स्वीकार करते हुए, अपना मुँह खोल चुकी है; हे अकिलीज़, देवताओं के प्रतिद्वंद्वी, तू भी ट्रॉय की दीवारों के नीचे यहीं नियत है, अपने भाग्य का सामना करने के लिए; फिर भी मुझे एक बात और जोड़नी है, और यदि तू इसे स्वीकार करे, तो एक निवेदन करना है। हे अकिलीज़, मेरी हड्डियाँ तेरी हड्डियों से अलग न रखी जाएँ, बल्कि साथ-साथ, जैसे हमारी जवानी तेरे पिता के साथ बीती थी। घर,
जब से मेरे पिता मेनोएटियस ने मुझे एक लड़के के रूप में लाया,
ओपस से, एक दुर्भाग्यपूर्ण हत्यारा,
जिसने एम्फिडामास के बेटे को, दुर्भाग्य से,
पासे पर विवाद करते हुए मार डाला था:
मुझे महान पेलियस ने अपने घर में स्वीकार किया,
और दयालुता से पाला-पोसा, और तुम्हारा परिचारक नियुक्त किया;
तो अब हमारी हड्डियाँ एक ही कलश में बंद हैं,
सोने का फूलदान, तुम्हारी देवी-माता का उपहार।"
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "हे प्रियतम, तुम यहाँ क्यों हो? मुझ पर ये अनेक आरोप क्यों लगा रहे हो? तुम जो भी कहोगे, मैं उसे पूरा करूँगा और तुम्हारी सभी इच्छाओं को साकार करूँगा; परन्तु मेरे निकट आओ; और एक संक्षिप्त आलिंगन में, जब तक संभव हो, हम अपने दुःख में डूब जाएँ।"
इस प्रकार बोलते हुए उसने अपनी तरसती बाहें फैला दीं, पर कुछ भी उसके हाथ नहीं लगा; और विलाप करते हुए, आत्मा धुएँ की तरह धरती के नीचे विलीन हो गई। अकिलीज़ अचंभित होकर उछल पड़ा और अपने हाथों को आपस में पटकते हुए विलाप करने लगा।

"हे स्वर्ग, तो फिर, नीचे के लोकों में, सभी निराकार आत्माएँ और प्रेत हैं; क्योंकि रात भर पैट्रोक्लस की परछाई मेरे पास खड़ी रही, रोती-बिलखती रही, और अपना आदेश देती रही; ऐसा लगा जैसे वह स्वयं का ही प्रतिबिंब हो।"
उसने कहा; उसके शब्दों ने सामान्य शोक को जगाया: जब वे दयनीय मृतकों के चारों ओर शोक मना रहे थे, तभी गुलाबी रंग की सुबह प्रकट हुई; और तुरंत, अगामेमन द्वारा भेजे गए पूरे शिविर से, ईंधन, आदमियों और खच्चरों की तलाश में निकले, एक वीर सरदार, मेरियोनेस के नेतृत्व में, जो प्रसिद्ध इडोमेनियस का अनुयायी था। वे अपने हाथों में कुल्हाड़ी और मुड़ी हुई रस्सियाँ लिए हुए थे; उनके खच्चर उनके आगे-आगे हांकते हुए; कभी ऊपर, कभी नीचे, कभी बगल में, कभी ढलान पर, वे यात्रा करते रहे; लेकिन जब वे वसंत से भरपूर इडा के तलहटी में पहुँचे, तो उन्होंने तेज कुल्हाड़ियों से ऊँचे बलूत के पेड़ों को काटना शुरू कर दिया; वे जोर से गिर पड़े: उन्होंने लकड़ी को चीरा, और उसे खच्चरों से बांध दिया; ये घनी झाड़ियों से होकर मैदान की ओर चल पड़े। प्रसिद्ध इडोमेनियस के अनुयायी मेरियोनेस के आदेशानुसार, कुल्हाड़ी चलाने वाले भी लट्ठों से लदे हुए थे, जिन्हें उन्होंने समुद्र तट पर क्रम से रखा, जहाँ अकिलीज़ ने पैट्रोक्लस और स्वयं की स्मृति में एक ऊँचा टीला बनाने की योजना बनाई थी। जब लकड़ी का सारा भंडार विधिवत रख दिया गया, तो शेष लकड़ी ढेर के रूप में पड़ी रही; लेकिन अकिलीज़ ने योद्धा मर्मिडों को अपने कवच पहनने और अपने-अपने घोड़ों को अपने रथों से जोड़ने का आदेश दिया; वे उठे और अपने हथियार धारण किए, और रथों पर योद्धाओं और रथ चालकों ने अपने-अपने स्थान ग्रहण किए।
पहले घोड़े आए, और फिर पैदल सैनिकों का एक समूह, असंख्य; बीच में पैट्रोक्लस आया, अपने साथियों द्वारा उठाया हुआ; सभी शवों को बालों से ढक दिया गया, जिन्हें उन्होंने अपने सिर से हटा दिया। पीछे, अकिलीज़ ने अपना सिर पकड़ रखा था और उस महान मित्र के लिए शोक मना रहा था जिसे वह कब्र तक ले जा रहा था। फिर पेलियस के पुत्र द्वारा नियुक्त स्थान पर, उन्होंने उसे लिटा दिया और लकड़ी को ऊपर ढेर कर दिया। तब अकिलीज़ के मन में एक नया विचार आया: अलग खड़े होकर, उसने अपने पीले बालों को संभाला, जिन्हें वह स्पर्चियस नदी को भेंट के रूप में भरपूर

मात्रा में संजो रहा था। दुःख से भरे हुए उसने गहरे नीले समुद्र की ओर देखा और इस प्रकार बोला:
"स्पेरचियस, मेरे पिता पेलेउस ने तुमसे जो प्रार्थना की थी, वह सब व्यर्थ थी, और उन्होंने प्रतिज्ञा की थी कि मैं, अपने वतन में सुरक्षित लौटकर, तुम्हें अपने बाल समर्पित करूँ और पचास निर्दोष मेढ़ों की बलि देकर एक पवित्र बलिदान अर्पित करूँ, उन झरनों को जहाँ तुम्हारी पवित्र भूमि पर तुम्हारा धूप से पूजित वेदी स्थापित है; उन्होंने प्रतिज्ञा की थी; परन्तु तुम यह वरदान रोक रहे हो; क्योंकि अब मैं अपने वतन को नहीं देख सकता, इसलिए वह बाल जो उन्होंने तुम्हें अर्पित किए थे, अब तुम्हारे लिए व्यर्थ हैं।" मैंने प्रतिज्ञा की, "मैं बहादुर पैट्रोक्लस को अपना संकल्प समर्पित करता हूँ।" उसने कहा, और अपने साथी के हाथ पर उसने अपने बाल रख दिए; उसके इस कृत्य से आम शोक की लहर दौड़ गई; और अब डूबते सूरज ने उन्हें अभी भी मृतकों के शोक में डूबे हुए पाया; लेकिन पेलियस का पुत्र पास आकर, एगामेम्नन से इस प्रकार बोला:
"अत्राइड्स, क्योंकि लोग तुम्हें पूरी तत्परता से आज्ञापालन करते हैं, अत्यधिक शोक उन्हें थका सकता है; इसलिए तुम चिता से शेष लोगों को तितर-बितर कर दो और सुबह का भोजन तैयार करने का आदेश दो; आगे का दायित्व हमारा है, जिनके लिए मृतक सबसे प्रिय था; फिर भी सरदारों को रहने दो।"
सम्राट एगामेम्नन ने यह सुना और तुरंत भीड़ को उनके अलग-अलग जहाजों में तितर-बितर कर दिया। नियुक्त दल वहीं रुका रहा और लकड़ियाँ इकट्ठा कीं। उन्होंने सौ-सौ फीट लंबी चिता बनाई और शोक में डूबे हुए शव को शिखर पर लिटा दिया। फिर उन्होंने कई भेड़ों और कई धीमी गति से चलने वाले बैलों की खाल उतारी और उन्हें चिता के चारों ओर सजाकर रखा; अकिलीज़ ने सभी जानवरों की चर्बी ली और उसे शव के सिर से पैर तक ढक दिया और वध किए गए शवों का ढेर लगा दिया। चारों ओर; फिर शहद के जार और सुगंधित तेल रखे, पलंग पर रखे; फिर, ज़ोर से कराहते हुए, उसने चार शक्तिशाली घोड़ों को चिता पर फेंक दिया; फिर, अपने स्वामी के भोजन पर भोजन करने वाले नौ कुत्तों में से, उसने दो को अपनी चिता पर मार डाला; अंत में, बुरी सलाह से प्रभावित होकर, उसने तलवार से ट्रॉय के बारह कुलीन युवकों

को मार डाला। फिर उसने आग की भस्म करने वाली शक्ति का प्रयोग किया, और कराहते हुए अपने प्रिय साथी को पुकारा:
"प्लूटो के राज्य में रहते हुए भी, पेट्रोक्लस को नमस्कार! मैंने जो भी वादा किया था, देखो! मैं उसे पूरा करता हूँ: ट्रोजन वंश के बारह वीर पुत्रों को, तुम्हारे साथ, आग की लपटें जलाएँगी; परन्तु प्रियम के पुत्र हेक्टर को, आग में नहीं, बल्कि कुत्तों को सौंपता हूँ।"
अकिलीज़ की धमकी ऐसी थी, लेकिन कुत्तों ने उसे परेशान नहीं किया; क्योंकि बृहस्पति की पुत्री वीनस ने दिन-रात हिंसक कुत्तों को रोके रखा; और शव को अमृतमय गुलाबी तेल से लपेट दिया, ताकि धरती पर घसीटे जाने पर भी उस महान मृत व्यक्ति को कोई घाव न लगे। अपोलो ने भी स्वर्ग से एक बादल का पर्दा मैदान पर फैला दिया, और उस पूरे स्थान को ढक लिया जहाँ मृत व्यक्ति पड़ा था, और जलते सूरज को उसके अंगों और मांसपेशियों को झुलसाने नहीं दिया।
फिर भी पैट्रोक्लस की चिता नहीं जली; फिर अकिलीज़ के मन में एक नया विचार आया: अलग खड़े होकर, उसने दोनों हवाओं, बोरियास और ज़ेफिरस को पुकारा, और महंगे बलिदान की मन्नतें मांगीं; और एक सुनहरे प्याले से आहुति देते हुए, उनकी उपस्थिति की प्रार्थना की, ताकि लकड़ी जल्दी जल जाए, और आग के साथ मृतकों को भस्म कर दे; उसकी प्रार्थना को तेज आइरिस ने सुना, और उसे हवाओं तक पहुँचा दिया। वे तूफानी ज़ेफिरस के हॉल में एकत्रित थे। भोज; जल्दी से प्रकट होते हुए, स्विफ्ट आइरिस पथरीली दहलीज पर खड़ी थी। उन्होंने उसे देखा, और सभी उठकर उससे विनती करने लगे कि वह उनके पास बैठे; उसने उनकी विनतियों को ठुकरा दिया और उनसे इस प्रकार कहा:
"मेरे लिए कोई स्थान नहीं; क्योंकि मैं सागर के उस पार यहाँ से इथियोपिया के तट की ओर जा रहा हूँ, पवित्र भोज और बलि चढ़ाने में भाग लेने के लिए, जो वहाँ अमर देवताओं को अर्पित किए जाते हैं; परन्तु, बोरियास, तुम और ऊँचे स्वर वाले ज़ेफिरस, बलिदान की प्रतिज्ञाओं के साथ, अकिलीज़ अंतिम संस्कार की चिता को हवा देने के लिए बुलाता है, जिस पर पैट्रोक्लस को रखा गया है, जिसके लिए ग्रीस की समस्त सेना शोक मना रही है।"

उसने कहा और गायब हो गई; वे तेज़ आवाज़ के साथ उठे, और अपने आगे भागते बादलों को धकेलते हुए आगे बढ़े: जल्दी ही वे समुद्र के ऊपर से गुज़रे; तेज़ हवा ने लहरों को हिला दिया; ट्रॉय के उपजाऊ तटों पर वे पहुँचे, और अंत्येष्टि की चिता पर गिरते हुए, चटकती लपटें ज़ोर से दहाड़ उठीं; सारी रात वे तेज़ धारा से आग को हवा देते रहे। सारी रात अकिलीज़ एक सुनहरे कटोरे से शराब निकालता रहा और अपने हाथ में दो प्याले लिए रहता था। शराब बहकर सारी धरती को भिगोती रही, और वह अपने खोए हुए पैट्रोक्लस की आत्मा को पुकारता रहा। जैसे एक पिता अपने जवान बेटे के लिए शोक मनाता है, जिसकी असमय मृत्यु ने उसके माता-पिता के दिलों को झकझोर दिया हो, वैसे ही अकिलीज़ अपने मित्र के अवशेषों पर शोक मनाता रहा, चिता के पास लेटकर ज़ोर-ज़ोर से कराहता रहा। लेकिन जब लूसिफ़र का तारा चमक उठा, प्रकट हुआ, प्रकाश का अग्रदूत, जिसके पीछे-पीछे चलते हुए, केसरिया वस्त्र पहने सुबह समुद्र पर फैल गई, फिर सुलगती आग धीमी पड़ गई और लौ बुझ गई; और थ्रेसियन समुद्र के ऊपर, जो कराह रहा था और हिल रहा था, उनके गुजरने के नीचे, हवाएँ घर लौट आईं; और थका हुआ, चिता से कुछ दूरी पर, अकिलीज़ कोमल नींद में डूब गया।

कुछ ही समय बाद, एट्रेस के शाही बेटे के पीछे चल रही भीड़ के शोर और कोलाहल से जागकर, वह सीधा बैठ गया और इस प्रकार अपना भाषण दिया:

हे अत्रेस के पुत्र, और हे यूनान के सरदारों, जहाँ तक लपटें फैली हैं, हम सबसे पहले चिता की राख को लाल शराब से बुझाएँ; और फिर मेनोएटियस के पुत्र, पैट्रोक्लस की हड्डियों को ध्यान से अलग-अलग करके इकट्ठा करें; और उन्हें पहचानना कठिन नहीं है; क्योंकि वह बीच में लेटा था, जबकि चिता के किनारों पर, घोड़े और मनुष्य मिले-जुले, बाकी सब जल गए थे। इन्हें वसा की दोहरी परत के बीच में रखकर, एक सुनहरे कलश में रखें, जब तक कि मैं स्वयं उसमें न चला जाऊँ। कब्र बनाई जाए; और उनके ऊपर एक टीला बनाया जाए, जो बहुत बड़ा न हो, परन्तु उचित अनुपात का हो; आने वाले दिनों में, हे यूनानियों, जो मेरे बाद यहाँ रहोगे, इस कार्य को पूरा करो, और इसे चौड़ा और ऊँचा बनाओ।

अकिलीज़ ने ऐसा कहा; उन्होंने उसके शब्दों का पालन किया: जहाँ तक लपटें पहुँची थीं, और जहाँ तक अंगारे घनी तरह से बिखरे हुए थे, उन्होंने उन्हें लाल शराब से बुझा

दिया; फिर आँसू बहाते हुए उन्होंने अपने सज्जन साथी की हड्डियों को इकट्ठा किया, और वसा की दोहरी परतों से ढककर एक सुनहरे कलश में रख दिया; फिर उन्होंने उन्हें तम्बू में रख दिया, और उस पर सुंदर लिनेन का पर्दा डाल दिया; फिर आवंटित स्थान को मापकर, चिता के चारों ओर गहरी नींव रखी गई और उस पर मिट्टी का ढेर लगा दिया गया। अपना कार्य पूरा करने के बाद, सभी लोग चले गए; लेकिन पेलियस का पुत्र विशाल सभा में रुका रहा और उन्हें बैठने का आदेश दिया; फिर वह खेलों के पुरस्कार, तंबुओं से तिपाई और कड़ाही लाया, और उत्तम घोड़े, खच्चर और मजबूत बैल, सुंदर आकृति वाली स्त्रियाँ और लोहे का सफेद रंग लाया।

सबसे पहले, उड़ने वाली कारों की प्रतियोगिता के लिए, उसने जो पुरस्कार प्रदर्शित किए: एक सुंदर स्त्री, घरेलू कामों में कुशल; एक विशाल तिपाई, दो मूठ वाली, बाईस माप गोल; ये दोनों विजेता के लिए थे: दूसरे के लिए, एक अशिक्षित घोड़ी, छह वर्ष की, गर्भवती खच्चर के बच्चे की; तीसरा, एक चमकदार कड़ाही, चार माप की, सफेद और शुद्ध, अभी तक आग से अछूती; चौथे के लिए, दो टैलेंट सोने की; पाँचवें के लिए, उसने एक फूलदान दिया, जिसमें दो प्याले थे, जो आग से अछूते थे। फिर, खड़े होकर, उसने यूनानियों को इस प्रकार संबोधित किया:

हे एट्रियस के पुत्र, और हे कवचधारी यूनानियों, तुम्हारे सामने वे पुरस्कार हैं जो तुम्हारा इंतज़ार कर रहे हैं: रथों की प्रतियोगिता; परन्तु हे यूनानियों, यदि किसी अन्य कारण से ये खेल आयोजित किए गए होते, तो मैं अपने तम्बू में सबसे बड़ा पुरस्कार लेकर जाता; क्योंकि तुम भली-भांति जानते हो कि मेरे घोड़े कितने श्रेष्ठ हैं, अमर जाति के घोड़े, जो नेपच्यून ने पेलेउस को दिए थे, और उसने उन्हें अपने पुत्र मुझे सौंप दिया। परन्तु वर्तमान संघर्ष से हम अलग खड़े हैं, मेरे घोड़े और मैं; अब उन्होंने अपना साहस खो दिया है। जिसने उन्हें चलाया, उसके कोमल हाथों ने उनके अयाल को शुद्ध जल से धोया और सुगंधित तेल से स्नान कराया। वे उसके लिए खड़े होकर शोक मनाते हैं, सिर झुकाकर, उनके हृदय दुःख से भरे हुए हैं; परन्तु तुम, जो अपने सुगठित रथों और घोड़ों की गति पर गर्व करते हो, अपने आप को व्यवस्थित करो।

उसने कहा: उत्सुक रथ चालक उछल पड़े; सबसे पहले, मनुष्यों का राजा यूमेलस, अद्मेतुस का पुत्र, अद्वितीय रथ चालक; उसके बाद, टाइडियस का पुत्र, वीर डायोमेड, ट्रोजन घोड़ों के साथ, एनियास से जीता, जब अपोलो की सहायता से वह स्वयं बच

निकला; फिर स्वर्ग में जन्मा मेनेलास, एट्रेस का पुत्र, अपने रथ में दो तेज दौड़ने वाले घोड़ों को जोतकर; उसका अपना घोड़ा, पोडार्गस, एगमेमन से उधार ली गई घोड़ी एथे के साथ सवार था: उसे, एचेपोलस ने एट्रीड्स को दे दिया, एंचीज़ के पुत्र को, ताकि उसे ट्रॉय के युद्धों में विवश न होना पड़े, बल्कि वह घर पर सुरक्षित रहकर आराम कर सके; क्योंकि बृहस्पति ने उसके भंडार को आशीर्वाद दिया था, सिक्योन के विशाल साम्राज्य में प्रचुर धन से। अब उसने उसे जोत दिया, युद्ध के लिए अधीर होकर। चौथे, एंटिलोकस, नेस्टर का वीर पुत्र, नीलियस का पुत्र, शक्तिशाली सरदार, ने अपने चिकने घोड़ों को जोता; पिलियन जाति के थे वे जो उसका रथ ढो रहे थे; उसके पिता ने उसे ज्ञानवर्धक सलाह दी:

"एंटीलोकस, यद्यपि तुम उम्र में छोटे हो, फिर भी बृहस्पति और नेपच्यून तुमसे प्रेम करते हैं, और उन्होंने तुम्हें घुड़सवारी में अच्छी तरह प्रशिक्षित किया है; मेरी सलाह की तुम्हें आवश्यकता नहीं है; तुम रथ को घुमाने में कुशल हो; परन्तु तुम्हारे पास सबसे धीमे घोड़े हैं: जिससे मुझे अपशगुन का आभास होता है। परन्तु यद्यपि उनके घोड़े तुम्हारे घोड़ों के बराबर गति रखते हैं, कौशल में उनमें से कोई भी तुमसे श्रेष्ठ नहीं है। इसलिए, हे प्रिय बालक, अपनी हर कला का प्रयोग करो, ताकि तुम विजय प्राप्त करने में असफल न हो सको।" पुरस्कार।

बल से कहीं अधिक कौशल से, लकड़हारा मजबूत ओक के पेड़ को काटता है;
कौशल से नाविक अपने उड़ते हुए जहाज को गहरे नीले समुद्र के पार ले जाता है, भले ही वह विस्फोट से चकनाचूर हो गया हो; सारथी और सारथी के बीच कौशल ही अंतर करता है।

एक, अपने घोड़ों की गति पर व्यर्थ भरोसा करते हुए, इधर-उधर लापरवाही से दौड़ता है; पूरे रास्ते पर,
उसके घोड़े, अनियंत्रित, बेतरतीब ढंग से दौड़ते हैं।
दूसरा, कमतर घोड़ों के साथ, लेकिन बेहतर कुशल, फिर भी लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करता है। लक्ष्य
उसकी आँख चारों ओर घूमती है, और लगाम खींचने के क्षण को नहीं चूकती; बल्कि अपने स्थिर मार्ग पर चलती है, और नेता की प्रतीक्षा करती है।

मैं तुम्हें अब एक निशान देता हूँ, जिसे तुम चूक नहीं सकते:

वहाँ एक सूखा तना खड़ा है, लगभग छह फीट ऊँचा,
ओक या चीड़ का, जो बारिश से सड़ा नहीं है;
दोनों ओर दो सफेद पत्थर रखे गए हैं,
जहाँ दो सड़कें मिलती हैं; और चारों ओर एक चिकना और समतल मार्ग है; यहाँ शायद
किसी ऐसे व्यक्ति की कब्र रही होगी जो कई साल पहले मर गया था;
या पिछली पीढ़ियों की। यहां रखा है, जैसा कि अब अकिलीज़ ने आदेश दिया है, एक गोल। वहां दौड़ाओ, बस इतना ध्यान रखो कि खंभे को न छुओ; और बेंत के शरीर पर झुककर, छोड़ दो, बाईं ओर पत्थरों के पास; अपने दाहिनी ओर के घोड़े को, फिर आवाज और चाबुक से प्रेरित करो, और उसकी लगाम ढीली करो, और पास वाले घोड़े को इतनी करीब से छूने दो, कि ऐसा लगे कि तुम्हारी नाभि गोल को छू रही है: लेकिन फिर भी सावधान रहो, कहीं पत्थर से टकराकर, अपने घोड़ों को चोट न पहुँचाओ, और अपने रथ को तोड़ न दो, जो विजय का स्रोत है। तेरे सभी प्रतिद्वंद्वी, तेरे लिए शर्म की बात है; परन्तु तू बुद्धिमानी से सावधानी बरते; क्योंकि यदि तू अनुसरण करते हुए सबसे पहले मोड़ ले, तो कोई भी तुझे पार नहीं कर पाएगा, न ही तुझे पीछे छोड़ पाएगा; चाहे एरियन स्वयं रथ में हो, एड्रास्टस का स्वर्गीय वंश का उड़ने वाला घोड़ा हो, या फिर वे घोड़े जो यहाँ लाओमेडोन के पास थे।
यह कहकर और अपने पुत्र को सलाह देने के बाद, वृद्ध नेस्टर अपनी सीट पर लौट गए। सूची में पाँचवें स्थान पर मेरियोनेस प्रकट हुए। वे अपने रथों पर सवार हुए और पर्ची निकाली: अकिलीज़ ने हेलमेट हिलाया; सबसे पहले नेस्टर के पुत्र एंटिलोकस की पर्ची निकली; उसके बाद राजा यूमेलस आए; उनके बाद एट्रेस के पुत्र वीर मेनेलास; चौथे स्थान पर मेरियोनेस; और अंत में, सबसे योग्य टाइडाइड्स का स्थान निकला। वे पंक्ति में खड़े हो गए; अकिलीज़ ने इंगित किया,
समतल मैदान पर, दूर का लक्ष्य;
और वहाँ देवतुल्य फीनिक्स को नियुक्त किया गया,
अपने पिता के प्राचीन अनुयायी को, निर्धारित मार्ग का निरीक्षण करने और सही रिपोर्ट देने के लिए।
फिर उन्होंने अचानक अपने चाबुक उठाए, और लगाम, हाथ और आवाज से अपने

उत्सुक घोड़ों को प्रेरित किया।
वे जहाजों से दूर मैदान के पार अपने तीव्र मार्ग पर चल पड़े; उनकी छाती के नीचे धूल बादल या बवंडर की तरह उठी; उनके घने बाल हवा में लहराते हुए लहराए; रथ अब उपजाऊ ज़मीन पर सरपट दौड़े, अब हवा में ऊँचाई पर उछले; रथ चालक ऊपर उठे, और हर सीना विजय की आशा से धड़क उठा; प्रत्येक उत्सुकता से चिल्लाते हुए अपने घोड़ों का उत्साहवर्धन कर रहा था, जो धूल भरे मैदान को चीरते हुए आगे बढ़ रहे थे। लेकिन जब, मार्ग की सबसे दूर की सीमाएँ पहुँचकर, वे बर्फीले समुद्र के किनारे मुड़े, तो अपनी पूरी गति से दौड़ते हुए, प्रत्येक के गुण स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। फिर सबसे आगे यूमेलस की उड़ने वाली घोड़ियां दिखाई दीं, और उसके बाद टाइडाइड्स के ट्रोजन घोड़े आए: ये भी पीछे नहीं थे, बल्कि करीब से पीछा करते हुए मानो रथ पर कूद पड़े हों। यूमेलस ने अपनी गर्दन और चौड़े कंधों पर उनकी गर्म सांस महसूस की; क्योंकि उनके ऊपर से उड़ते हुए उनके सिर नीचे की ओर झुके हुए थे; और अब, शायद, अगर वह आगे निकल जाता, या बराबरी की दौड़ लगा लेता, लेकिन वीर डायोमेड से क्रोधित होकर, अपोलो ने उसके हाथों से चाबुक छीन लिया। फिर क्रोध के आँसू उसकी पलकों से बहने लगे, जैसे-जैसे वह घोड़ियों को अपने करीब लाता गया, उसके घोड़े और भी धीमे हो गए। लेकिन पल्लास ने अपोलो की कपटपूर्ण चाल को भांप लिया; और मुखिया के पास जाकर, उसका चाबुक वापस कर दिया, और उसके घोड़ों को शक्ति और साहस प्रदान किया। तब देवी ने एडमेटस के पुत्र को पीछा किया गया, और उसने अपने रथ का जुआ तोड़ दिया; घोड़ियाँ, मुक्त होकर, पटरी से हट गईं; रथ से अलग होकर खंभा जमीन पर गिर पड़ा; और वह स्वयं रथ से उछलकर पहिये के पास जा गिरा। उसकी कोहनियों, मुँह और नाक से त्वचा फट गई थी; उसका माथा कुचलकर चूर-चूर हो गया था; उसकी आँखें आँसुओं से भर गई थीं, और उसकी हंसमुख आवाज खामोश हो गई थी। टाइडाइड्स एक तरफ मुड़ गया, और बाकी सभी से बहुत आगे निकल गया; क्योंकि पलास ने अपने घोड़ों को साहस दिया, और अपनी जीत की इच्छा रखी। उसके बाद, सुनहरे बालों वाला मेनेलास आया, एट्रेस का पुत्र; लेकिन एंटिलोकस ने अपने पिता के घोड़ों को इस प्रकार जोर से पुकारा:

आगे बढ़ो, और अपनी पूरी गति से दौड़ो; मैं तुमसे डायोमेड के लोगों के साथ व्यर्थ प्रयास करने के लिए नहीं कहता, जिन्हें पल्लास ने अतिरिक्त तेज़ी प्रदान की है, और अपनी जीत की इच्छा से; बल्कि जल्दी करो, और एट्रीड्स के रथ को पकड़ो, और एथे, एक घोड़ी द्वारा अपमानित मत हो। मेरे बहादुर घोड़ों, पीछे क्यों छूट रहे हो? मैं तुम्हें इसकी भी चेतावनी देता हूँ, और इसे पूरा करूँगा: नेस्टर के हाथ से अब तुम्हें अपना चारा नहीं मिलेगा, बल्कि तलवार से मारे जाओगे। तुम्हारी गलतियों का खामियाजा हमें भुगतना पड़ेगा; अब उठो और पूरी रफ्तार से आगे बढ़ो, और मैं ऐसा उपाय करूंगा कि संकरे रास्ते से उनके पास से निकल जाऊं।
उसने कहा; उसकी आवाज़ से भयभीत होकर घोड़े कुछ देर के लिए अपनी पूरी ताकत लगा बैठे; उनके सामने जल्द ही एंटिलोकस ने संकरा दर्रा देखा। यह एक खाई थी, जहाँ सर्दियों की बारिश जमा हो गई थी और सड़क के एक हिस्से को काटकर ज़मीन को खोखला कर दिया था। वहाँ मेनेलास ने सावधानी से अपना रास्ता बनाए रखा। टक्कर के डर से; लेकिन एंटिलोकस, अपने घोड़ों को रास्ते से थोड़ा हटाकर, उस पर बगल से झपटा: तब भयभीत होकर, एट्रेस के पुत्र ने एंटिलोकस से जोर से चिल्लाकर कहा, "एंटिलोकस, तुम पागलों की तरह घोड़े दौड़ा रहे हो; थोड़ी देर के लिए अपने घोड़ों को रोको; यहाँ जगह नहीं है; जहाँ सड़क चौड़ी होती है, वहाँ तुम जा सकते हो; लेकिन यहाँ, तुम हमारे रथों को टकराने का कारण बनोगे, और हम दोनों को नुकसान पहुँचाओगे।"
उसने कहा; लेकिन एंटिलोचस और भी गुस्से में पागल हो गया, जैसे उसने उसकी बात सुनी ही न हो, वह अंकुश चला रहा था।
किसी बलवान युवक द्वारा कंधे से फेंकी गई डिस्क की उड़ान जितनी दूर तक, जो उसकी शक्ति का परीक्षण करती है, उतनी दूर तक वे साथ-साथ दौड़े: फिर एट्रीड्स के घोड़े पीछे छूट गए, क्योंकि उसने स्वयं उनकी गति बढ़ाने से परहेज किया, कहीं ऐसा न हो कि संकरे दर्रे में मिलने पर रथ पलट जाएं और वे स्वयं विजय प्राप्त करने की हड़बड़ी में धूल में लोट जाएं। फिर उसने एंटिलोकस को फटकार लगाते हुए कहा:
"एंटीलोकस, हे सबसे कुटिल व्यक्ति! धिक्कार है तुम्हारे हृदय पर! हम यूनानी बहुत धोखे में हैं, जो तुम्हें बुद्धिमत्ता का नाम देते हैं! फिर भी अब भी तुम शपथ के बिना

पुरस्कार प्राप्त नहीं कर पाओगे।"
उसने कहा और अपने घोड़ों को ऊँचे स्वर में पुकारा: “अपनी गति धीमी मत करो, और पराजित होकर शोक मत मनाओ; उनके पैर तुम्हारे पैरों से जल्दी थक जाएँगे, क्योंकि दोनों अपनी जवानी की शक्ति खो चुके हैं।” ऐसा कहने पर, घोड़े उसकी आवाज़ से भयभीत होकर अपनी पूरी शक्ति लगा दी, और जल्द ही नेता पास आ गए। इस बीच, घेरे में बैठे सरदार धूल भरे मैदान में दौड़ते रथों की तलाश कर रहे थे। उन्हें सबसे पहले देखने वाला क्रीट का राजा इडोमेनियस था; क्योंकि वह घेरे के बाहर, ऊँचाई पर तैनात था; और दूर से ही उसने सबसे आगे वाले घुड़सवार की आवाज़ सुनी और पहचान ली; वह उस वीर घोड़े को भी अच्छी तरह पहचानता था जो आगे चल रहा था, बाकी सब उसके सामने थे, लेकिन उसके आगे केवल एक सफेद तारा था, चंद्रमा की तरह पूर्ण: फिर वह उठा, और यूनानियों को इस प्रकार संबोधित किया:
"हे ग्रीस के मित्रों और सलाहकारों, क्या आप भी रथ देख सकते हैं, या केवल मैं ही? मुझे सामने एक अलग रथ दिखाई दे रहा है, एक अलग सारथी; और जो पहले आगे चल रहे थे, उनका कोई दुर्भाग्य हो गया होगा। मैंने उन्हें गोल के चारों ओर मुड़ने से पहले ही देखा था, लेकिन अब वे मुझे दिखाई नहीं देते; हालाँकि मेरी आँखें ट्रॉय के विशाल मैदान को चारों ओर से देख रही हैं। शायद सारथी ने लगाम छोड़ दी हो, या वह घोड़ियों को गोल के चारों ओर नहीं संभाल सका हो; शायद वह चूक गया हो।"
मोड़ पर, और मैदान में
अब वह अपने टूटे हुए रथ के पास पड़ा है,
जबकि उसके साहसी घोड़े दौड़ के मैदान से भाग गए हैं।
उठो, और खुद देखो; मैं अच्छी तरह से नहीं
पहचान सकता हूँ; लेकिन मुझे यह एक सरदार लगता है,
जो यूनानियों पर राज करता है, हालांकि वह एटोलियन वंश का है,
टाइडियस का पुत्र, वीर डायोमेड।"
ओइलियस के फुर्तीले बेटे ने तेज़ी से जवाब दिया: "इडोमेनियस, समय से पहले इतनी जल्दबाज़ी क्यों कर रहे हो? जबकि ऊँचे-ऊँचे घोड़े दूर मैदान में अभी भी दौड़ रहे हैं। तुम्हारी आँखें शिविर में सबसे जवान नहीं हैं, न ही वे तुम्हारे सिर से सबसे तेज़ दिखती हैं; लेकिन तुम हमेशा अपनी बातों में जल्दबाज़ी करते हो, और यह जल्दबाज़ी तुम्हें

शोभा नहीं देती। क्योंकि यहाँ तुमसे कहीं बेहतर लोग भी हैं। वही अब आगे चल रहे हैं, जो पहले आगे चल रहे थे, यूमेलस की घोड़ियाँ; वही है जो उन्हें थामे हुए है।" लगाम।"

क्रोध में आकर क्रेटन सरदार ने उससे कहा: "अजाक्स, तुम वाद-विवाद में तो निपुण हो, पर न्याय करने में निरर्थक, और यूनान के सरदारों में तुम्हारा कोई महत्व नहीं है— तुम्हारा स्वभाव इतना हठी है; क्या तुम तिपाई या कड़ाही को खूंटे की तरह इस्तेमाल करोगे, और एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन को निर्णायक नियुक्त करोगे यह तय करने के लिए कि किसके घोड़े पहले आते हैं? इस प्रकार तुम अपना ज्ञान स्वयं ही अर्जित करोगे।"

उसने कहा; ओइलियस का फुर्तीला बेटा गुस्से में उठ खड़ा हुआ, जवाब देने के लिए; और झगड़ा और आगे बढ़ गया था, लेकिन अकिलीज़ खुद खड़ा हो गया, और इस प्रकार प्रतिद्वंद्वी सरदारों ने बात की:

"एजैक्स और इडोमेनियस, इस कड़वी शब्द-युद्ध की लड़ाई को रोको; यह उचित नहीं है; और मैं जानता हूँ कि जो कोई ऐसा बोलेगा, वह तुम्हारी निंदा करेगा। परन्तु तुम यहीं ठहरो और अखाड़े में बैठे रहो, उनके आने की प्रतीक्षा करो; वे लक्ष्य की ओर जल्दी से बढ़ते हुए शीघ्र ही यहाँ पहुँचेंगे; और तब प्रत्येक व्यक्ति जान जाएगा कि किसके घोड़े दूसरे हैं और किसके पहले।"

इस प्रकार वह; लेकिन टाइडियस का पुत्र पास आया, उसकी चाबुक अभी भी उसके घोड़ों के कंधों पर थी; जैसे ही वे हल्के कदमों से मैदान को चीरते हुए आगे बढ़े। धूल अभी भी सारथी पर उड़ रही थी; सोने और टिन से जड़ा रथ उन दौड़ते हुए घोड़ों के ठीक पीछे था; और जैसे ही वे आगे बढ़े, रेतीले मैदान पर पहियों के निशान हल्के से अंकित हो गए। वह बीच में खड़ा था, उसके घोड़ों के सिर और छाती से पसीना बह रहा था; चमकते रथ से नीचे वह धरती पर छलांग लगाई, और अपना चाबुक रथ के जुए पर टिका दिया; वीर स्टेनेलस ने देर नहीं की, बल्कि इनाम पाने के लिए तुरंत आगे बढ़ा; फिर अपने बहादुर साथियों को उस स्त्री को ले जाने और तिपाई उठाने का आदेश दिया, जबकि उसने स्वयं घोड़ों को जुए से मुक्त कर दिया।

फिर एंटिलोचस के घोड़े आए, जिन्होंने चालबाजी से, न कि गति से, मेनेलास पर विजय प्राप्त की थी; फिर भी एट्रीड्स के तेज दौड़ते घोड़ों ने उसे बुरी तरह से घेर लिया;

क्योंकि रथ के पहिये से बस उतनी ही दूर, जितना एक घोड़ा, जब शाही रथ से जुड़ा होता है; जिसकी पूंछ, पीछे की ओर लहराती हुई, घने बालों के साथ साथियों को छूती है; पहिये के ठीक आगे, थोड़ी सी जगह में, वह विस्तृत मैदान को पार करता है: मेनेलास नेस्टर के पुत्र से इतनी दूर पीछे था; पहले, उनके बीच एक डिस्क का कास्ट पड़ा था; लेकिन उसने जल्दी ही अपनी बढ़त बना ली—एथे, एगामेम्नन की सुंदर घोड़ी, की गति और साहस ने उसका बहुत साथ दिया; और थोड़ी ही दूर आगे जाकर, दौड़ उसे पीछे छोड़ गई, और जीत को लेकर कोई संदेह नहीं रहा। एट्रेस के महान पुत्र के पीछे, भाले की उड़ान जितनी दूरी पर, मेरियोनेस आया, जो इडोमेनियस का वफादार अनुयायी था: उसके घोड़े सबसे धीमे थे, और वह खुद तेज दौड़ में सबसे कम अनुभवी था। अपनी टूटी हुई गाड़ी को घसीटते हुए, वह सबसे पीछे आया। सभी,
अपने घोड़ों को आगे चलाते हुए, एडमेटस का पुत्र;
अकिलीज़ ने फुर्ती से दया भाव से देखा,
और यूनानियों को अपने पंखदार शब्द संबोधित किए:
"देखो, सबसे अच्छा अंत में कहाँ प्रकट होता है; लेकिन उसे उचित समझे तो दूसरा पुरस्कार लेने दो; पहला पुरस्कार तो टाइडियस के पुत्र का अधिकार है।"
इस प्रकार उसने; उन सभी ने उसकी बातों पर सहमति जताई; और, ग्रीस की आम सहमति से, घोड़ी अब उसकी हो गई थी; लेकिन महान नेस्टर के पुत्र, एंटिलोकस, अपने अधिकार का दावा करने के लिए खड़े हुए, और पेलियस के पुत्र, अकिलीज़ को उत्तर दिया: "अकिलीज़, यदि तू अपने वचन पूरे करता है, तो तू मेरे साथ घोर अन्याय करेगा; क्योंकि तू मेरा पुरस्कार छीन रहा है, क्योंकि उसके रथ और घोड़ों पर दुर्घटना घटी, जिसमें उसकी कोई गलती नहीं थी; यदि उसने देवताओं से प्रार्थना की होती, तो वह निश्चित रूप से सबसे अंत में नहीं होता। लेकिन, यदि तेरा मन दया करे, तो उस पर दया कर ले।" तेरे तम्बुओं में सोने, पीतल, भेड़ों, दासियों और उत्तम घोड़ों का अच्छा भंडार है; भविष्य में तू इनमें से किसी एक को उच्च मूल्य का पुरस्कार बना सकता है; या अभी भी, सबकी तालियों के साथ; लेकिन उस घोड़ी को मैं नहीं छोड़ूंगा; और जो चाहे आगे आए, मेरा दाहिना हाथ मेरे पुरस्कार की रक्षा करेगा।
उसने कहा; और तेज कदमों वाला अकिलीज़ मुस्कुराया, प्रसन्न होकर; क्योंकि वह उस महान युवक से प्रेम करता था, जिसे उसने अपने मधुर शब्दों से संबोधित किया:

"एंटीलोकस, यदि तुम्हारी यही विनती है कि मैं यूमेलस के लिए एक पुरस्कार जोड़ूँ, तो मैं यह भी तुम्हें देता हूँ; और उसे मैं अपना कवच देता हूँ, जो मैंने एस्टरोपियस से जीता था, पीतल का बना हुआ, जिसके किनारे पर चमकदार टिन की एक पतली परत चढ़ी हुई है; एक बहुमूल्य उपहार।"
उसने कहा, और अपने मित्र ऑटोमेडोन को आदेश दिया, "और साथी, अपने तम्बू से कवच लाओ।" वह गया और उसे ले आया; यूमेलस के हाथ में उसने उसे रखा; यूमेलस ने खुशी से उपहार स्वीकार किया। तब मेनेलास दुखी मन से उठा, एंटिलोकस के प्रति क्रोध से जलता हुआ; और जब सम्राट ने अपने हाथ में राजदंड रखा और यूनानियों को चुप रहने का आदेश दिया, तब उस देवतुल्य नायक ने कहा: "एंटीलोकस, जो अब तक बुद्धिमान माना जाता था, तुमने क्या किया है? तुमने मेरी कुशलता पर सवाल उठाया है, और मेरे घोड़ों को अपमानित किया है, जो अपने घोड़ों को, उनसे कहीं कमतर, लक्ष्य तक ले आए हैं। परन्तु आओ, हे यूनान के सरदारों और सलाहकारों, हमारे बीच न्याय करो, किसी का पक्ष न लो: ताकि कोई भी वीर योद्धा यह न कह सके कि मेनेलास ने झूठी खबरों से एंटीलोकस को पराजित किया है और उसका पुरस्कार छीन लिया है: उसके घोड़े पूरी तरह से हार गए हैं, और वह स्वयं भी।" केवल श्रेष्ठ शक्ति से ही विजयी। या अब आओ, मैं स्वयं न्याय करूंगा; और मुझे नहीं लगता कि मेरे निर्णय में कोई यूनानी दोषी होगा, क्योंकि यह निष्पक्ष और न्यायसंगत है। एंटिलोकस, आगे आओ, महान सरदार; और उचित रूप से रथ और घोड़ों के सामने खड़े होकर, अपने हाथ में वह पतला चाबुक लेकर जिससे तुम रथ चलाते थे, घोड़ों पर अपना हाथ रखो, और पृथ्वी को कंपा देने वाले नेपच्यून की कसम खाओ कि तुमने द्वेष से नहीं, बल्कि सुनियोजित तरीके से, धोखे से मेरे रथ को रोका। पाठ्यक्रम।"
जिस पर एंटिलोकस ने विवेकपूर्ण शब्दों में कहा: "मुझ पर धैर्य रखें; क्योंकि हे राजा, हे मेनेलास, मैं आपसे बहुत छोटा हूँ; मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं आपसे बड़ा और श्रेष्ठ हूँ। आप जानते हैं कि युवावस्था में कितना उतावलापन होता है, कितना जल्दी गुस्सा आता है और निर्णय लेने में कितना कमज़ोर होता है। तो अपने मन को शांत करें; जो घोड़ी मैंने जीती है, वह मैं आपको स्वेच्छा से देता हूँ; और यदि मेरी कोई और चीज़

आप चाहें, तो मैं वह सब कुछ दे दूँगा, हे महान राजा, अपने पूरे जीवन को नीचा दिखाने से बेहतर है।" सम्मान, और देवताओं के विरुद्ध पाप।"
इस प्रकार कहते हुए, महान नेस्टर के पुत्र ने घोड़ी को आगे बढ़ाया, और मेनेलास के हाथों में रख दिया: राजा का मन ओस की तरह पिघल गया, जो उगते हुए अनाज की बालियों पर चमकती है, जो मैदान पर फैली होती है; हे मेनेलास, तुम्हारी आत्मा भी ठीक वैसे ही पिघल गई; जिसे तुम्हारे पंखदार शब्द इस प्रकार संबोधित किए गए थे:
"एंटीलोकस, मैं तुरंत अपना क्रोध त्याग देता हूँ; तू बुद्धिमान है, और इस प्रकार बहकावे में आने वाला नहीं है; परन्तु अब तेरी युवावस्था ने तेरे विवेक को प्रबल कर दिया है; अब से छल-कपट से अपने बड़ों पर विजय पाने का प्रयास न कर। सभी यूनानियों में से किसी अन्य व्यक्ति के प्रति मैं शायद ही इतना झुकता; परन्तु तूने मेरे लिए बहुत परिश्रम किया है और बहुत सहन किया है, हे मेरे पिता और भाई: मैं तेरी प्रार्थनाओं को स्वीकार करता हूँ; और देता हूँ, बूट,
घोड़ी, हालांकि अधिकार से मेरी है; ताकि ये जान सकें कि
मैं कठोर, अडिग स्वभाव का नहीं हूँ।"
उसने कहा, और नोएमोन को ज़िम्मेदारी सौंप दी, एंटिलोकस के वफ़ादार साथी को, घोड़ी; उसने स्वयं चमकता हुआ कड़ाहा ले लिया। चौथे स्थान पर आने वाले को दो टैलेंट सोना दिया गया; दौड़ में चौथे स्थान पर आने वाले मेरियोनेस को मिला; पाँचवाँ पुरस्कार, दो प्यालों वाला एक फूलदान, शेष रहा; अकिलीज़ ने इसे नेस्टर को दे दिया, और एकत्रित यूनानियों के सामने इस प्रकार बोला:
"इसे लो, बूढ़े, और इसे विरासत के रूप में संभाल कर रखो, पैट्रोक्लस के अंतिम संस्कार के खेलों की याद में, जिसे तुम अब यूनानियों के बीच नहीं देख पाओगे। मैं इसे तुम्हें नि:शुल्क देता हूँ; क्योंकि तुम अब मुक्केबाजी, कुश्ती, भाला फेंकना या दौड़ लगाना नहीं कर सकते; क्योंकि बुढ़ापे ने तुम्हें भारी हाथों से झुका दिया है।"
उसने कहा और उसे उसके हाथ में रख दिया; बूढ़े व्यक्ति ने उपहार को खुशी से ग्रहण किया और इस प्रकार उत्तर दिया:
"मेरे पुत्र, तुमने जो कुछ कहा है, वह बिलकुल सत्य है: अब मेरे अंगों और पैरों में कोई दृढ़ता नहीं रही, न ही मेरी भुजाएँ पहले की तरह स्वतंत्र रूप से, कंधे से सीधे, दाएं और बाएं, प्रहार कर सकती हैं। काश, मुझमें अभी भी वैसी ही जवानी और शक्ति

होती, जैसी तब थी जब बुप्रैसियम में एपियन लोगों ने शाही अमरिनसियस के अंतिम संस्कार के खेल आयोजित किए थे, और जब राजा के पुत्रों ने अपने पुरस्कार दिए थे! तब एपियन जाति में से कोई भी, न तो पाइलियन, न ही एटोलियन, मुक्केबाजी में मुझसे मुकाबला कर सकता था।" मैंने ओएनॉप्स के पुत्र क्लिटोमेड्स को पराजित किया; फिर एंचियस, जो मुझसे कुश्ती करने के लिए खड़ा हुआ, उसे मैंने आसानी से हरा दिया; हालाँकि इफ़िक्लस तेज़ दौड़ता था, फिर भी मैं उससे आगे निकल गया; भाले से वार करने में मैंने फ़ाइलियस और पॉलीडोरस से मुकाबला किया और उन दोनों को भी मात दी। रथ दौड़ में एक्टर के पुत्र अकेले ही मुझसे आगे निकल गए; संख्या में अधिक होने के कारण, [8] मेरी जीत से और भी अधिक ईर्ष्या करते हुए, वे इस प्रतियोगिता को सबसे बड़ा पुरस्कार मानते रहे। जुड़वां भाई; एक लगाम थामे, लगातार चलाता रहा; दूसरा चाबुक चलाता रहा। मैं भी कभी ऐसा ही था; लेकिन अब नौजवानों को ऐसे काम करने पड़ते हैं; और मैं, जो कभी नायकों का सरदार था, अब बुढ़ापे के आगे झुकना पड़ता है। लेकिन तुम अपने साथी को उचित अंत्येष्टि खेलों से सम्मानित करो: मैं तुम्हारा उपहार सहर्ष स्वीकार करता हूँ, मेरा हृदय प्रसन्न है कि तुम अब भी मुझे एक प्यारी सी याद में रखते हो, और उस सम्मान के स्थान को अनदेखा नहीं करते, जो यूनानियों में मेरा है। ठीक है; इसके लिए देवता तुम्हें उचित प्रतिफल देंगे!

उसने कहा; अकिलीज़ ने नेलियस के पुत्र की प्रशंसा सुनी; फिर आम भीड़ में शामिल हो गया। इसके बाद, उसने बलवान मुक्केबाजों के परिश्रम को पुरस्कृत करने के लिए पुरस्कार घोषित किए; उसने अखाड़े में एक मजबूत खच्चर को बांधा, जो छह साल का था, जिसे वश में करना बेहद कठिन था; और पराजित व्यक्ति के लिए एक दोहरा प्याला; फिर उठा और यूनानियों से ज़ोर से घोषणा की:

"हे एट्रियस के पुत्र, और हे बल्लेधारी यूनानियों, इनके लिए हम दो वीर योद्धाओं को आगे आने का आदेश देते हैं। और मुक्केबाजी के वीर संघर्ष में मुकाबला करो; और वह योद्धा, जिसकी कठोर सहनशक्ति को फोबस विजय से नवाजेगा, जिसे सभी यूनानी मान्यता देंगे, वह अपने तंबू में उस बलवान खच्चर को ले जाएगा; और हारने वाले को दोहरा प्याला मिलेगा।"

उसने कहा; तभी लंबा और बलवान एपियस उछल पड़ा, जो एक कुशल मुक्केबाज था, पैनोपियस का पुत्र, जिसने खच्चर पर हाथ रखा और कहा:
"आगे आओ, अगर किसी को कप जीतने की परवाह है; मुझे लगता है, कोई भी यूनानी मुझे, जो चैंपियन के नाम पर गर्व करता हूँ, खच्चर को नहीं ले जा सकता। क्या यह काफी नहीं है कि युद्ध के मैदान में मैं किसी विशेष प्रशंसा का दावा नहीं करता? मनुष्य के लिए सभी चीजों में श्रेष्ठ होना संभव नहीं है; लेकिन मैं यह कहता हूँ, और जो भी मुझसे यहाँ मिलता है, मैं अपने शब्दों को पूरा करूँगा, मैं उसका मांस चूर-चूर कर दूँगा और उसकी हड्डियाँ तोड़ दूँगा। देखो कि उसके साथी तुरंत पहुँचें और उसे मेरे द्वारा पराजित करके अखाड़े से बाहर ले जाएँ।"
उसने कहा; वे सब चुपचाप उसका भाषण सुनते रहे: केवल यूरियलस, एक देवतुल्य सरदार, मेसिस्टियस का पुत्र, तालियन का पुत्र, विरोध में खड़ा हुआ; वह एक बार थेब्स में ओडिपस के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था, और वहाँ उसने कैडमियन जाति के सभी लोगों को पराजित किया था। वीर डायोमेड उसके साथ था, उत्साहवर्धक शब्दों और सफलता की शुभकामनाओं के साथ। उसने पहले उसकी कमर में बेल्ट बांधी, फिर उसके हाथों के लिए जंगली बैल की खाल से बने सुंदर दस्ताने दिए। जब दोनों इस प्रकार सुसज्जित हो गए, तो वे रिंग के केंद्र में आ गए: वहाँ, आमने-सामने, बलवान भुजाएँ ऊपर उठाए, वे कुछ देर खड़े रहे, फिर भिड़ गए; मजबूत हाथों से हाथ मिलाकर, तेजी से एक-दूसरे पर वार करते हुए। उनके जबड़ों की खड़खड़ाहट भयानक थी; पसीना हर अंग से बह रहा था; फिर एपियस आगे बढ़ा और गाल पर, आधा मुड़कर, एक जोरदार प्रहार किया; और यूरियलस भी खड़ा नहीं रह सका; लेकिन, उसके पैर और पंजे उखड़ गए, वह ज़मीन पर गिर पड़ा; और जैसे कोई मछली रेत पर तड़पती है, जैसे किसी कठोर बोरेस ने उसे घास-फूस वाले समुद्र तट पर फेंक दिया हो, और लौटती लहर उसे ढक ले; वैसे ही वह उस ज़ोरदार प्रहार के नीचे तड़पता रहा। लेकिन बहादुर एपियस ने उसका हाथ पकड़ा और उसे उठाया; उसके साथी उसके चारों ओर जमा हो गए और उसे घसीटते कदमों से मैदान से बाहर ले गए, खून के थक्के उगलते हुए, उसका भारी सिर इधर-उधर लुढ़क रहा था; अपने तम्बू के भीतर

उन्होंने उसे बेहोश हालत में लिटा दिया; अंगूठी तक
फिर लौटकर, प्याला ले गए।
इसके बाद अकिलीज़ ने यूनानियों के समक्ष अपने कौशल के पुरस्कार प्रदर्शित किए: विजेता का पुरस्कार एक विशाल, अग्निरोधी तिपाई थी, जिसकी कीमत यूनानियों द्वारा बारह बैलों के बराबर आंकी गई थी; और पराजित व्यक्ति के लिए एक दासी थी, जिसकी कीमत चार बैलों के बराबर थी और जो घरेलू कामों में कुशल थी। फिर वह उठा और यूनानियों से ज़ोर से बोला, "जो कोई भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है, आगे आओ।"
उसने कहा; और तुरंत एजैक्स टेलमोन का विशालकाय रूप प्रकट हुआ; उसके साथ ही यूलिसिस भी प्रकट हुआ, जो हर धूर्त चाल में निपुण था। कमरबंद से बंधे हुए, वे घेरे के भीतर खड़े थे, और प्रत्येक ने एक दूसरे को मजबूती से पकड़ रखा था; जैसे किसी ऊंचे घर के दो शहतीर एक दूसरे को सहारा देते हैं, कुशल वास्तुकार द्वारा तूफ़ान के प्रकोप को सहने के लिए डिज़ाइन किए गए। उन मजबूत भुजाओं के खिंचाव और तनाव के कारण उनकी रीढ़ की हड्डियां चरमरा उठीं। उनका पसीना बारिश की तरह बह रहा था; और उनके शरीर और कंधों पर गहरे बैंगनी रंग के खूनी निशान थे, क्योंकि वे विजय और सुगठित तिपाई के लिए दृढ़ता से संघर्ष कर रहे थे। न ही एजैक्स यूलिसिस को हरा सका, और न ही एजैक्स यूलिसिस को जमीन पर गिरा सका, क्योंकि वह इतनी हठपूर्वक खड़ा था; लेकिन जब यूनानी लोग लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष से थक गए, तब शक्तिशाली एजैक्स ने यूलिसिस से कहा: "हे ऋषि यूलिसिस, लेर्टेस के देवतुल्य पुत्र, या तो मुझे उठाओ, या मैं तुम्हें उठा लूँगा: हमारे संघर्ष का परिणाम बृहस्पति के हाथ में है।"
उसने कहा, और यूलिसिस को ज़मीन से उठा लिया; न ही उसे अपनी प्राचीन कला याद आई, बल्कि उसने अपना पैर उसके चारों ओर लपेट लिया, और घुटने के खोखले भाग पर ज़ोर से प्रहार किया, जिससे जोड़ टूट गया; विशालकाय एजैक्स पीछे की ओर गिर पड़ा, और यूलिसिस उसकी छाती पर आ गिरा; लोगों ने देखा, और आश्चर्यचकित रह गए। फिर बारी-बारी से यूलिसिस ने एजैक्स को उठाने का प्रयास किया; वह थोड़ा सा हिला, लेकिन उसे ज़मीन से पूरी तरह उठा नहीं पाया; फिर भी उसने अपना घुटना

मोड़ लिया, जिससे दोनों एक साथ गिर पड़े, और धूल से सने हुए, वे अगल-बगल पड़े रहे।
और अब उन्होंने तीसरी बार मुकाबला करने की कोशिश की थी, लेकिन अकिलीज़ उठ खड़ा हुआ और लड़ाई रुक गई।
"और अधिक संघर्ष में अपनी शक्ति व्यर्थ न करो; तुम दोनों विजयी हो; इसलिए तुम दोनों को समान सम्मान प्राप्त हो; और चले जाओ, ताकि अन्य यूनानी अन्य संघर्ष कर सकें।" अकिलीज़ ने ऐसा कहा: उन्होंने उसकी बात मानी, और धूल झाड़कर अपने वस्त्र पहन लिए।
तेज धावकों के पुरस्कार,
इसके बाद अकिलीज़ ने आगे रखे; एक चांदी का कटोरा,
जिसमें छह माप की सामग्री थी, कारीगरी के लिए
पृथ्वी पर बेजोड़, सिडोन की सबसे महंगी कला का
दुर्लभ उत्पाद; फिर धुंधले समुद्र के पार
फोनीशियनों द्वारा लाया गया, जो बंदरगाह पर पहुँचकर,
इसे थोआस को दे दिया; अंत में, जेसन के पुत्र यूनेयस ने पैट्रोक्लस को प्रियम के पुत्र लाइकॉन के फिरौती के रूप में यह राशि दी; जिसे अब अकिलीज़ ने अपने मित्र की ओर से, पुरस्कार के रूप में निर्धारित किया, जो भी दौड़ में सबसे फुर्तीला और सबसे तेज़ साबित होगा। दूसरा पुरस्कार एक अच्छी तरह से पाला-पोसा बैल था, और तीसरे पुरस्कार के लिए आधा टैलेंट सोना था। वह उठा और यूनानियों से ज़ोर से बोला, "जो भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहे, आगे आओ।" उसने कहा: ओइलियस का सक्रिय शरीर उठ खड़ा हुआ। पुत्र;
हर छल में निपुण यूलिसिस उठे,
और महान नेस्टर के पुत्र, एंटिलोचस,
जिन्होंने सभी युवकों को पैरों की गति में पीछे छोड़ दिया।
वे पंक्ति में खड़े हुए: अकिलीज़ ने
दौड़ की सीमाएँ बताईं; जैसे ही लक्ष्य से
उन्होंने दौड़ शुरू की, ओइलियस का पुत्र
सबसे पहले आगे निकल गया; यूलिसिस उसके पीछे-पीछे चल रहा था; किसी सुंदर

स्त्री के सीने से शटल की दूरी से भी कम नहीं, जब उसकी फैली हुई भुजा ने ताने को बाने में उलट दिया हो और उसे वापस अपने सीने की ओर खींच लिया हो; यूलिसिस इतनी ही नज़दीकी से एजैक्स पर दबाव बना रहा था, और उसके पैर धूल जमने से पहले ही उसके कदमों पर चल रहे थे। उसकी साँस उसके कंधों पर थी, जैसे वह मैदान को हल्के से पार कर रहा हो; यूनानी उत्साह से चिल्ला रहे थे, अभी भी जयकारे लगा रहे थे, क्योंकि वह पुरस्कार जीतने के लिए बेताब था। लेकिन जैसे ही वे लक्ष्य के करीब पहुँचे, यूलिसिस ने नीली आँखों वाली पल्लास से मन ही मन प्रार्थना की: "हे देवी, मेरी प्रार्थना सुनो और मेरे पैरों की मदद करो।" इस प्रकार जैसे ही उसने प्रार्थना की, देवी ने उसकी प्रार्थना सुन ली, और उसके सभी अंगों में जोश भर दिया; और जैसे ही उन्होंने पुरस्कार पाने के लिए अपने हाथ बढ़ाए, पल्लास द्वारा ठोकर लगने से, एजैक्स फिसल गया और गिर पड़ा, रंभाते हुए पक्षियों के अवशेषों के बीच। गायें जिन्हें पैट्रोक्लस पर पेलियस के बेटे ने मार डाला था।
उसका मुंह और नथुने अपशिष्ट पदार्थों से भरे हुए थे।
दौड़ में सबसे पहले, यूलिसिस चांदी का कटोरा ले गया। एजैक्स के पास बैल गिर पड़ा; और जैसे ही उसने सींग पर हाथ रखा, अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालते हुए, उसने जोर से पुकारा: "देखो, देवी ने मेरे कदमों को कैसे राह दिखाई है, जो यूलिसिस की माँ की तरह रक्षा करती है।" जैसे ही उसने यह कहा, प्रसन्न यूनानी जोर से हँस पड़े। एंटिलोकस, एकमात्र शेष पुरस्कार, प्राप्त हुआ, और हंसते हुए यूनानियों ने इस प्रकार कहा:
"मैं तुमसे कहता हूँ, मित्रों, लेकिन जो तुम स्वयं जानते हो, वह यह है कि अमर देवता वृद्ध पुरुषों का विशेष ध्यान रखते हैं; क्योंकि एजैक्स की आयु मेरी आयु से अधिक नहीं है; लेकिन यहाँ हम एक ऐसे व्यक्ति को देखते हैं, जो एक पूर्व युग और मानव जाति का है; हम उसे एक स्वस्थ वृद्ध कहते हैं; लेकिन गति में, अकिलीज़ के अलावा कोई भी उसका मुकाबला नहीं कर सकता।"
इस प्रकार उसने पेलेउस के पुत्र की प्रशंसा करते हुए कहा;
जिसके उत्तर में अकिलीज़ ने इस प्रकार कहा:
"एंटीलोकस, तुम मेरी नजरों से ओझल नहीं होगे, और तुम्हारी प्रशंसा व्यर्थ नहीं जाएगी: तुम्हारी आधी प्रतिभा में यह दूसरी आधी प्रतिभा जोड़ दो।"

ऐसा कहकर उसने अपने हाथ में सोना रख लिया; एंटिलोकस ने खुशी से उपहार ग्रहण किया।
इसके बाद, पेलेउस के पुत्र ने अखाड़े में एक भारी भाला, एक हेलमेट और एक ढाल रख दी; फिर वह उठा और यूनानियों से ऊँची आवाज़ में घोषणा की:
"इसके लिए हम दो वीर योद्धाओं को बुलाते हैं, जो अपने शस्त्र धारण करें, अपने धारदार हथियार उठाएँ, और अपनी वीरता का सार्वजनिक परीक्षण करें; और जो सबसे पहले अपने प्रतिद्वंद्वी के शरीर को चीर डाले, और उसके कवच को भेदकर सबसे पहले रक्त बहाए, उसे यह चांदी जड़ी तलवार मिलेगी, जो मैंने एस्टेरोपियस से जीती है, थ्रेसियन धातु से बनी हुई; लेकिन शस्त्र दोनों की साझा संपत्ति होंगे, और वे मेरे तम्बू में एक भव्य भोज में भाग लेंगे।"
उसने कहा; महान एजैक्स टेलमोन उठे, और टाइडियस का पुत्र, वीर डायोमेड। सबसे पहले, भीड़ से अलग होकर, उन्होंने अपने हथियार धारण किए; फिर, युद्ध के लिए उत्सुक होकर, अभिमानी निगाहों से बीच में खड़े हो गए; यूनानी प्रशंसा से देख रहे थे। जब, एक-दूसरे के करीब आते हुए, वे पास आए, तो उन्होंने तीन बार हमला किया, और तीन बार युद्ध में भिड़ गए। फिर डायोमेड की ढाल में से महान एजैक्स ने अपना भाला घुसा दिया; और न ही टाइडाइड्स के शरीर तक पहुँच सका, जो कवच से टिका हुआ था: जबकि, शक्तिशाली ढाल की रक्षा के ऊपर निशाना साधते हुए, उसका चमकता हुआ हथियार एजैक्स के गले पर चमका। एजैक्स डरकर चिल्लाया, तब यूनानियों ने लड़ाई रोकने और इनाम को बराबर बाँटने के लिए कहा; लेकिन अकिलीज़ के हाथ से शक्तिशाली तलवार, बेल्ट और म्यान सहित, डायोमेड ने प्राप्त कर ली।
इसके बाद रिंग में पेलेउस के पुत्र ने लोहे का एक भारी-भरकम पिंड रखा, जो कभी ईटियन की विशाल शक्ति से संचालित होता था। लेकिन अन्य पुरस्कारों के साथ जहाजों पर ले जाया जा रहा था, तभी अकिलीज़ के हाथों ईटियन मारा गया। फिर वह उठा और यूनानियों से ज़ोर से बोला, "जो भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहे, आगे आओ। जो भी इस पुरस्कार को जीतेगा, वह अपने उपजाऊ खेतों को पाँच वर्षों तक फैला सकता है, लेकिन इससे उसकी ज़रूरतें पूरी नहीं होंगी; और लोहे की कमी के

कारण शहर को इस पिंड से वंचित नहीं किया जा सकेगा।" स्टोर,
क्या उसे अपने चरवाहे या अपने हल चलाने वाले को भेजने की आवश्यकता है?"
उसने कहा; और वीर पॉलीपोएट्स उठे, एपेशियस, और लियोन्टियस की दैवीय
शक्ति, और टेलमोन के पुत्र शक्तिशाली एजैक्स। बारी-बारी से वे खड़े हुए; एपेशियस
ने सबसे पहले भारी द्रव्यमान को उठाया और यूनानियों की हंसी के बीच उसे हवा में
फेंक दिया। इसके बाद मार्स के सच्चे वंशज लियोन्टियस आए; तीसरे एजैक्स थे;
जिसके शक्तिशाली हाथ से, वह मिसाइल सबसे दूर तक जा गिरी। लेकिन जब वीर
पॉलीपोएट्स ने हाथ में क्वॉइट (एक प्रकार का डंडा) लिया, तो उसने उतनी ही दूर
तक डंडे को फेंका जितनी दूर तक एक चरवाहा अपना डंडा फेंकता है, जो घूमता
हुआ झुंड के बीच उड़ जाता है; उसने उस भारी-भरकम डंडे को घेरे की सबसे दूर
की सीमा से भी बहुत दूर फेंक दिया; जोर-जोर से जयकार हुई; और महान
पॉलीपोएट्स के साथी उठ खड़े हुए, और राजा का उपहार जहाजों तक पहुँचाया।
इसके बाद, तीरंदाजों के पुरस्कार के रूप में, लोहे के बने दस मजबूत दोधारी
कुल्हाड़े रखे गए, और दस एकल कुल्हाड़ी; फिर दूर रेत पर एक काले रंग के जहाज
का मस्तूल खड़ा था, जिस पर एक पतली डोरी से एक डरपोक कबूतर को पैर से बांधा
गया था, जो तीरंदाजों का निशाना था; ताकि जो कोई कबूतर को मारे, वह कुल्हाड़ियों
द्वारा उसके तम्बू तक ले जाया जा सके। परन्तु जो कोई भी डोरी को काट दे, परन्तु
पक्षी पर प्रहार करने में विफल रहे, उसे कम कुशल समझा जाएगा और कुल्हाड़ी से
वार किया जाएगा। अकिलीज़ ने ऐसा कहा; तभी शाही ट्यूसर और इडोमेनियस के
वफादार अनुयायी मेरियोनेस की शक्ति तुरंत उठ खड़ी हुई। उन्होंने पीतल से बंधे
हेलमेट में पर्ची निकाली। पहली पर्ची ट्यूसर की थी; उसने प्रचंड बल से तीर चलाया;
लेकिन उसने धनुर्धर राजा से प्रथम मेमनों की बलि देने की प्रतिज्ञा नहीं की। उसने
कबूतर पर प्रहार नहीं किया, क्योंकि धनुर्धर देवता ने उसकी सहायता रोक ली थी;
लेकिन उसके पैर के ठीक पास ही तीर ने डोरी को काट दिया। पक्षी मुक्त होकर
आकाश की ओर उड़ गया; जबकि डोरी मस्तूल से लटककर पृथ्वी की ओर गिर पड़ी,
और यूनानियों ने ज़ोर से जयजयकार की। फिर मेरियोनेस ने जल्दी से ट्यूसर के हाथ
से धनुष छीन लिया; उसका अपना पहले से ही था, उसका तीर सीधा निशाना साधे हुए
था; उसने कमान खींची, और दूर-दूर तक तबाही मचाने वाले राजा के लिए उसने

प्रतिज्ञा की, पहले मेमनों का एक गंभीर बलिदान। बादलों के बीच उसने कबूतर को देखा, और उड़ते हुए उसके पंख के नीचे तीर मारा; तीर आर-पार निकल गया; और धरती पर लौटकर मेरियोनेस के पास गिर पड़ा। अंधेरे जहाज के मस्तूल पर पक्षी कुछ देर के लिए रुका; कुछ ही पलों में, झुके हुए सिर के साथ, और व्यर्थ ही फड़फड़ाते पंखों के साथ, वह दूर गिर पड़ी, निर्जीव; भीड़ आश्चर्य से देखती रही। कुल्हाड़ियों ने मेरियोनेस को काट डाला, जबकि ट्यूसर को कुल्हाड़ियों ने जहाजों की ओर धकेल दिया।

अंत में, पेलेउस के पुत्र ने अखाड़े में एक भारी भाला और एक चमकीला कड़ाहा रखा, जिसकी कीमत एक बैल के बराबर थी, जो आग से अछूता था, उन लोगों के लिए जो भाले से लड़ेंगे। तब मनुष्यों का राजा, एट्रेस का पुत्र, अगामेम्नन और इडोमेनियस का वफादार अनुयायी, मेरियोनेस उठे: परन्तु पेलेउस के देवतुल्य पुत्र ने उनसे इस प्रकार कहा:

"एट्रीड्स, तुम हम सब से कितने श्रेष्ठ हो! भाले चलाने में तुम्हारी शक्ति और कौशल सर्वोत्कृष्ट है, यह हम जानते हैं; इस पुरस्कार को स्वीकार करो, और इसे अपने जहाजों पर ले जाओ; और हम बहादुर मेरियोनेस को पीतल का भाला देंगे; यदि तुम्हें यह पसंद हो, तो यही मेरी सलाह है।"

उसने कहा; और मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन ने सहमति जताते हुए, वीर मेरियोनेस को पीतल का भाला दिया; जबकि उसके दूत, तल्थिबियस की देखरेख में, राजा को उसका उत्तम पुरस्कार दिया गया।

## तर्क।

**हेक्टर के शरीर का उद्धार।**

देवता हेक्टर के शव को छुड़ाने के बारे में विचार-विमर्श करते हैं। बृहस्पति, थेतिस को अकिलीज़ के पास शव को छुड़ाने के लिए भेजते हैं, और आइरिस को प्रियम के पास भेजते हैं ताकि वह स्वयं जाकर शव के लिए बातचीत करें। अपनी रानी के विरोध के बावजूद, वृद्ध राजा बृहस्पति के एक शगुन से प्रेरित होकर यात्रा के लिए तैयार हो जाते हैं। वे अपने रथ में, उपहारों से लदी एक गाड़ी के साथ, दूत इडेयस की देखरेख में प्रस्थान करते हैं। मरकरी एक युवक के रूप में अवतरित होते हैं और उन्हें

अकिलीज़ के तंबू तक ले जाते हैं। रास्ते में उनकी बातचीत होती है। प्रियम अकिलीज़ को उनकी मेज पर पाते हैं, उनके चरणों में गिर पड़ते हैं और अपने पुत्र के शव की याचना करते हैं। अकिलीज़ करुणा से द्रवित होकर उनकी विनती मान लेते हैं, उन्हें एक रात अपने तंबू में ठहराते हैं और अगली सुबह शव के साथ उन्हें घर भेज देते हैं; ट्रोजन उनसे मिलने के लिए दौड़ पड़ते हैं। अंत्रोमाचे, हेकुबा और हेलेन का विलाप, और अंत्येष्टि की रस्में।

इस पुस्तक में बारह दिनों का वर्णन है, जब हेक्टर का शव अकिलीज़ के तंबू में पड़ा रहता है। उसके अंतिम संस्कार के लिए हुए युद्धविराम में भी उतने ही दिन व्यतीत होते हैं। दृश्य का कुछ भाग अकिलीज़ के शिविर में और कुछ भाग ट्रॉय में फिल्माया गया है।

# पुस्तक XXIV.

खेल समाप्त हो गए, और भीड़ जहाजों के बीच अपने-अपने रास्ते बिखर गई: कुछ अपने रात्रिभोज के लिए, कुछ सुखद नींद के लिए, प्रसन्नता से; लेकिन अकिलीज़ अभी भी अपने प्रिय साथी के लिए शोक मना रहा था; उस पर सर्वविजयी नींद नहीं छाई थी, बल्कि बेचैनी से करवटें बदल रहा था, और पेट्रोक्लस के बारे में सोच रहा था, उसकी शक्ति और साहस के बारे में; उन सभी कार्यों के बारे में जो उन दोनों ने मिलकर किए थे; उनकी कठिनाइयाँ, उनके द्वारा झेले गए खतरे, योद्धाओं के संघर्ष और उग्र लहरों के बीच। ऐसी यादों से व्याकुल होकर, उसने कड़वे आँसू बहाए; कभी करवट लेकर, कभी पीठ के बल; फिर मुँह के बल; फिर पैरों पर खड़े होकर, किनारे पर, बिना किसी उद्देश्य के, निराश होकर वह भटकता रहा; और सुबह, समुद्र के ऊपर प्रकट होकर, उसे देखे बिना ही उठी; अपने उड़ने वाले घोड़ों को वह जोतता, और रथ के पीछे धूल में घिसटते हेक्टर के शव को घसीटते हुए, पैट्रोक्लस की समाधि के तीन चक्कर लगाता; फिर वह विश्राम करने के लिए अपने तम्बू में चला जाता, धूल से सने हुए शव को वहीं छोड़कर; लेकिन अपोलो ने उस वीर मृत को अशोभनीय निशानों से बचाए रखा, जिसने दया भाव से उस वीर को, मृत्यु के बाद भी, देखा; और उसके चारों ओर अपना सुनहरा कवच डाल दिया; और घसीटे जाने के बावजूद, उसके शरीर को कोई घाव नहीं लगने दिया।

इस प्रकार क्रोध में आकर अकिलीज़ ने शक्तिशाली मृत शरीर का घोर दुरुपयोग किया; धन्य देवताओं ने करुणा और दुःख से यह दृश्य देखा और आग्रह किया कि हर्मेस चुपके से शव को हटा दे। यह सलाह शेष देवताओं को भी अच्छी लगी। लेकिन जूनो, नेपच्यून और नीली आँखों वाली कन्या ने अभी भी उस घृणा को बरकरार रखा था, जो प्राचीन काल से ट्रॉय, उसके राजा और प्रजा के प्रति अनसुलझी थी; क्योंकि पेरिस ने प्रतिद्वंद्वी देवियों को, जो उसके भेड़शाला में आया था, गहरा अपराध दिया था, क्योंकि उसने उसे प्राथमिकता दी थी जिसने उसे बदले में, अत्यधिक सफल प्रेम का घातक वरदान दिया था। लेकिन जब बारहवाँ दिन आया, अपोलो ने एकत्रित देवताओं को इस प्रकार संबोधित किया: "हे देवताओं, तुम कृतघ्न हो! क्या तुम नहीं, हेक्टर के हाथों, बैलों और उत्तम बकरियों से, क्या तुम्हें उचित भेंट मिली? और अब तुम डरते हो कि उसके मृत शरीर को भी बचाओ, और उसकी पत्नी, उसकी माँ,

उसके बच्चे, उसके वृद्ध पिता और लोगों को उसे देखने और उसकी चिता बनाने और उचित रीति-रिवाजों के साथ दफनाने की अनुमति दो? लेकिन अकिलीज़ तुम्हारी सारी सहायता का आदेश देता है; अधर्मी और कठोर मन का, उसका हठी हृदय; उसके सारे विचार रक्त से भरे हैं; एक शेर की तरह, जिसे उसका शक्तिशाली शक्ति और निडर साहस उसे झुंड से छलांग लगाने के लिए प्रेरित करते हैं, और कांपते हुए झुंडों के बीच से अपने शिकार को पकड़ने के लिए; ठीक वैसे ही जैसे अकिलीज़ ने दया और विवेक, अच्छे-बुरे के निर्णायक, को त्याग दिया है। एक व्यक्ति अपने सबसे प्रिय मित्र, एक बेटे, या अपनी माँ के बेटे, एक प्यारे भाई को खो सकता है: वह शोक करता है और रोता है, लेकिन समय उसके दुख को कम कर देता है, क्योंकि भाग्य ने मनुष्य को धैर्यवान मन दिया है: लेकिन मृत्यु के बाद, देवता समान हेक्टर के शरीर को, अकिलीज़, निर्दयी, बुरी तरह से घसीटते हुए, अपनी गाड़ी से बांधकर, अपने साथी की कब्र के चारों ओर। यह उसकी प्रशंसा के योग्य नहीं है; यद्यपि वह बहादुर है, फिर भी इस प्रकार वह हमारे क्रोध को उचित रूप से भड़का सकता है, जो अपने क्रोध में निर्जीव मिट्टी का अपमान करता है।

क्रोधित होकर श्वेत भुजाओं वाली जूनो ने इस प्रकार कहा: "यदि तुम्हारे वाणी में कुछ तर्क होता, हे चांदी के धनुष के देवता, तो हेक्टर पेलेउस के पुत्र के समान गरिमा का दावा कर सकता था। एक नश्वर पुत्र, जो स्त्री की गोद में पला-बढ़ा; दूसरा, एक देवी का पुत्र, जिसे मैंने पाला-पोसा और एक नश्वर पुत्र से विवाह कराया; पेलेउस को दिया, जो मनुष्य जाति के सभी अमर देवताओं का प्रिय था। हे देवताओं, तुम सब विवाह अनुष्ठानों में उपस्थित रहे; तुम भी, साथी।" बेस, झूठा दोस्त, वहाँ था, और वीणा बजाते हुए, दावत में शामिल हुआ।

जिस पर बादल-संयोजक ने इस प्रकार उत्तर दिया: "जूनो, अपना क्रोध रोको; वे दोनों एक समान सम्मान प्राप्त नहीं कर पाएंगे; फिर भी हेक्टर एक समय, इलियम में रहने वाले सभी मनुष्यों में, सभी देवताओं का प्रिय और मेरा विशेष प्रिय था; क्योंकि उसने कभी भी अपने उपहार लाने में कमी नहीं की। और जली हुई अंगूठियों और आहुतियों से मेरी वेदियों को सुशोभित किया; मुझे ऐसी पूजा प्राप्त हुई। फिर भी हेक्टर का साहसी शरीर, अकिलीज़ के ज्ञान के बिना नहीं हटाया जा सकेगा; क्योंकि दिन-रात उसकी देवी-माता वह निरंतर उसके पास पहरा देती रहती है। फिर, किसी देवता ने

थेतिस को मेरे पास जल्दी आने का आदेश दिया; और मैं उसे विवेकपूर्ण शब्दों से सलाह दूंगा, ताकि अकिलीज़ प्रियम के हाथों से बड़ी फिरौती ले सके और बहादुर हेक्टर को मुक्त कर सके।
उसने कहा; और तुरंत अपने काम पर निकल पड़ा तूफ़ान से भी तेज़ आइरिस; गहरे नीले समुद्र में, इम्ब्रोस के ऊबड़-खाबड़ तट और सामोस द्वीप के बीचोंबीच, वह गोता लगा गई; अलग होते जल की लहरें छलक उठीं। जैसे ही वह सागर की सबसे निचली गहराइयों में गिरी, वैसे ही जैसे मछुआरा जंगली बैल के सींग में लिपटे हुए, समुद्र की लालची जनजातियों के विनाश के लिए, उसे गिरा देता है। वहाँ उसने थेतिस को एक खोखली गुफा में पाया, उसके चारों ओर सागर देवियाँ थीं: वह बीच में अपने अद्वितीय पुत्र के भाग्य पर रो रही थी, जो अपने घर से दूर, ट्रॉय के उपजाऊ मैदानों में मरने के लिए अभिशप्त था। तेज कदमों वाली आइरिस उसके पास थी। एक तरफ से प्रकट होकर, उसने उससे कहा: "जल्दी करो, थेतिस; अमर परामर्श के स्वामी, बृहस्पति तुम्हें बुला रहे हैं।" जिस पर चांदी के पैरों वाली देवी ने कहा: "स्वर्ग के शक्तिशाली राजा मुझसे क्या चाहते हैं? मैं दुःख से भरी हुई हूँ, मुझे देवताओं के साथ मिलने में शर्म आती है; फिर भी मैं जाऊंगी: और उनके शब्द व्यर्थ नहीं जाएंगे, चाहे वे कुछ भी कहें।"
जैसे ही उसने बात की, देवी ने अपना घूंघट उठाया, जो पूरी तरह से काला था, जिससे गहरा काला कोई और नहीं मिल सकता था; वह जाने के लिए उठी; तूफान की तरह तेज आइरिस ने उसके आगे रास्ता दिखाया; सागर की अलग हुई लहरें उनके रास्ते के चारों ओर पीछे हट गईं; समुद्र तट पर, ऊपर की ओर सीधे स्वर्ग की ओर वे छलांग लगा गईं। वहाँ उन्हें शनि का सर्वज्ञ पुत्र मिला, और उसके चारों ओर सभी अमर देवता एकत्रित हो गए। पल्लास ने रास्ता बनाया; और बृहस्पति के सिंहासन के पास थेतिस बैठी थी, जूनो ने उसके हाथ में सोने का एक सुंदर प्याला भेंट किया और स्वागत के शब्द जोड़े; उसने प्याला ग्रहण किया और पी लिया। फिर देवताओं और मनुष्यों के पिता ने इस प्रकार बोलना शुरू किया: "हे थेतिस, शोक में डूबी हुई ओलंपस आई हो, निरंतर दुःख से व्याकुल; मैं इसे भली-भांति जानता हूँ; फिर भी उस कारण को सुनो जिसके लिए मैंने तुम्हें बुलाया है। अपने विजयी पुत्र अकिलीज़ और वीर हेक्टर के शरीर के बारे में नौ दिनों से स्वर्ग में विवाद चल रहा है; और कुछ लोगों ने आग्रह किया

है कि हर्मेस चुपके से शव को ले जाए। मैं इसे अकिलीज़ की प्रशंसा में बदलना चाहता हूँ, और इस प्रकार अपनी श्रद्धा और प्रेम को बनाए रखो। फिर शिविर में जल्दी जाओ और अपने पुत्र को मेरा संदेश पहुंचाओ; उसे बताओ कि सभी देवता क्रोध से भरे हुए हैं; और मैं सबसे अधिक क्रोधित हूँ, क्योंकि चोंचदार जहाजों के पास, वह क्रोध से पागल होकर हेक्टर के शव को रखे हुए है: इसलिए वह मुझसे डरे और मृत को वापस लौटा दे। इस बीच मैं आइरिस को प्रियम के पास भेजूँगा, और उससे कहूँगा कि वह यूनानी जहाजों की तलाश करे और वहाँ अपने पुत्र को छुड़ाए: और उसके साथ ऐसे उपहार लाए जो अकिलीज़ का दिल पिघला दें। हृदय।"
उसने कहा; चांदी के पैरों वाली रानी ने आज्ञा मानी;
वह ओलंपस की ऊंचाइयों से जल्दी से नीचे उतरी,
और अपने बेटे की तलाश में गई; उसने उसे अपने तम्बू में पाया, पीड़ा से कराहते हुए, जबकि उसके साथी चारों ओर, अपने-अपने काम में लगे हुए, सुबह का भोजन तैयार कर रहे थे। उनके लिए एक सुंदर, ऊन से लदी भेड़ का वध किया गया था। उसके पास ही उसकी देवी-माता खड़ी थी, और उसने धीरे से उसे अपने हाथ से छुआ और कहा, "हे मेरे पुत्र, तू कब तक अपनी आत्मा को दुःख और शोक में लीन रखेगा, न भोजन का ध्यान रखेगा, न नींद का? और न ही तू बुद्धिमानी से स्त्री प्रेम से दूर रहेगा; क्योंकि पृथ्वी पर तेरा समय अल्प है: मृत्यु।" और निर्दयी भाग्य निकट है।
तो मेरी बात सुनो; मैं तुम्हारे पास आया हूँ, तुम्हें यह बताने के लिए कि देवता क्रोध से भरे हुए हैं, और वह सबसे अधिक क्रोधित है, कि चोंचदार जहाजों के पास तू क्रोध से पागल होकर हेक्टर के शव को रखे हुए है।
तो फिरौती लो, और मृतकों को मुक्त करो।
इस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "ऐसा ही हो; वह फिरौती लाए और उसके मृत शरीर को ले जाए, यदि यही बृहस्पति की इच्छा है।"
इस प्रकार, जहाजों के समूह में, वे दोनों, माता और पुत्र, अपनी लंबी बातचीत करते रहे।
तब शनि के पुत्र ने आइरिस को आदेश दिया: "हे तेज आइरिस, ओलंपस की ऊँचाई से जल्दी आओ, ट्रॉय जाओ और राजसी प्रियम को मेरी बात बताओ; और उसे यूनानी जहाजों को खोजने का आदेश दो, और वहाँ से अपने पुत्र को छुड़ाओ; और उसके

साथ ऐसे उपहार ले जाओ जो अकिलीज़ का दिल पिघला दें। उसे अकेले जाना होगा, उसके साथ कोई ट्रोजन नहीं होगा; फिर भी उसके कदमों पर एक दूत हो, कोई वृद्ध व्यक्ति, उसका सुचारु रथ और खच्चर हों; और वापस शहर जाओ, अपने मृत व्यक्ति को लाने के लिए, जिसे महान अकिलीज़ ने मार डाला। न ही मृत्यु का भय उसके मन को विचलित करे: हर्मेस उसके साथ उसके अंगरक्षक के रूप में जाएगा, और उसे सुरक्षित रूप से अकिलीज़ के समक्ष लाएगा। तंबू में पहुँचने पर, न तो वह स्वयं उसे मारेगा, बल्कि दूसरों से उसकी रक्षा करेगा। वह अज्ञानी नहीं है, न ही बुद्धिहीन है, न ही देवताओं के आदेश का उल्लंघन करता है, बल्कि दया भरी निगाहों से उसकी याचनापूर्ण दृष्टि को देखेगा।
उसने कहा; और अपने काम के लिए जल्दी से निकल पड़ा
तूफ़ान की तरह तेज़ आइरिस; जब वह प्रियम के घर पहुँची, तो विलाप की आवाज़ें उसके कानों में पड़ीं। आँगन में, अपने पिता के चारों ओर, उनके पुत्र बैठे थे, उनके वस्त्र आँसुओं से भीगे हुए थे; और बीच में, अपने वस्त्र से ढके हुए, उनके पिता, जिनका सिर और गर्दन मिट्टी से सना हुआ था, जिसे उन्होंने स्वयं धरती पर लोटते हुए अपने हाथों से अपने सफेद बालों वाले सिर पर डाला था। पूरे घर में उनकी बेटियाँ ज़ोर-ज़ोर से विलाप कर रही थीं, उन अनेक और वीरों की याद में, जो यूनानी योद्धाओं द्वारा मारे गए थे। मारे गए। उसके बगल में ज़्यूस का दूत खड़ा था, और भय से कांपते हुए उसके अंगों के बीच फुसफुसाया: "प्रियम, डार्डनस के पुत्र, डरो मत, और अपने मन को विचलित मत होने दो; किसी बुरी बात के लिए नहीं, बल्कि एक नेक काम से मैं यहाँ आया हूँ: मैं तुम्हारे पास ज़्यूस का दूत बनकर आया हूँ, जो ऊपर से दया भरी नज़रों से तुम्हें देख रहा है; वह तुम्हें देवतुल्य हेक्टर के शव को छुड़ाने का आदेश देता है; और अपने साथ ऐसे उपहार ले जाने को कहता है जो अकिलीज़ को भी पिघला दें।" हृदय।
अकेले, तुम्हारे साथ कोई ट्रोजन नहीं, तुम्हें जाना होगा;
फिर भी एक दूत तुम्हारे कदमों पर चल सकता है,
कोई वृद्ध व्यक्ति, तुम्हारा सुचारू रूप से चलने वाला रथ,
और खच्चरों को चलाकर, और शहर वापस लाने के लिए,
तुम्हारे मृत शरीर को, जिसे महान अकिलीज़ ने मारा था।

और मृत्यु के भय को अपने मन को विचलित न करने दो:
हर्मेस तुम्हारे साथ, तुम्हारे अंगरक्षक के रूप में जाएगा,
और उसे सुरक्षित रूप से अकिलीज़ के समक्ष लाएगा।
तंबू के भीतर पहुँचने पर, न तो वह स्वयं,
तुम्हें मारेगा, बल्कि दूसरों से बचाएगा। रक्षा करना; वह अज्ञानी नहीं है, न ही बुद्धिहीन है, न ही देवताओं के आदेश का उल्लंघन करता है, बल्कि दया भरी निगाहों से उसकी याचनापूर्ण दृष्टि रखेगा।
तेज कदमों वाली आइरिस ने कहा और तुरंत गायब हो गई:
उसने अपने बेटों को आदेश दिया, खच्चरों को
सुचारू रूप से चलने वाली गाड़ी के नीचे जोतने के लिए,
और धुरी पर बेंत की सीट लगाने के लिए।
उसने स्वयं ऊंचे देवदार के कमरे की तलाश की,
सुगंधित, ऊंची छत वाला, अनगिनत खजानों से भरा हुआ;
और अपनी पत्नी हेकुबा को बुलाया, और कहा,
"अच्छी पत्नी, बृहस्पति का एक दूत आया है,
जो मुझे यूनानी जहाजों को खोजने और वहां से
मेरे बेटे को छुड़ाने और मेरे साथ ऐसे उपहार ले जाने के लिए कहता है।" जैसे कि अकिलीज़ का दिल पिघल जाए।
तो कहो, तुम क्या सोचते हो? क्योंकि मेरा मन यूनानी शिविर के भीतर जहाजों को खोजने की ओर झुकता है।
तो उसने ऐसा किया; लेकिन हेकुबा विलाप करते हुए रोई, “हाय, हाय! तेरी बुद्धि कहाँ चली गई? और वह बुद्धि कहाँ गई, जो कभी अजनबियों के बीच और उन लोगों के बीच, जिन पर तू राज करता है? तू अकेले ही जहाजों की तलाश कैसे कर सकता है, उसके सामने जाकर, जिसने तेरे कई बहादुर बेटों को मार डाला है? तेरा हृदय तो पत्थर का है! उस रक्तपिपासु और विश्वासघाती व्यक्ति के, अगर तू उसकी दृष्टि और पहुँच में आ भी जाए, तो उसे तुझ पर कोई दया नहीं आएगी, कोई आदर नहीं होगा।”
दिखाएँ:
बल्कि हम यहाँ अलग रहकर शोक मनाएँ;

उसके लिए, जब उसके जन्म के समय भाग्य ने उसके जीवन का धागा बुना था, यह नियत था कि दूर,
घर और माता-पिता से दूर, वह उस कठोर योद्धा के तम्बू के पास भूखे कुत्तों का पेट भरे,
जिसका अंतर्मन मैं खा जाना चाहता हूँ:
मेरे बेटे के लिए यही पर्याप्त बदला होगा,
जिसे उसने अपमानजनक पलायन में नहीं मारा;
बल्कि खड़े-खड़े, भागने या पलायन की परवाह किए बिना,
ट्रोजन पुरुषों और ट्रॉय के गहरे हृदय के लिए महिलाओं।"
हे देवतुल्य प्रियम ने उत्तर देते हुए कहा: “मुझे रोकने का प्रयास न करो; और न ही मेरे घर में अपशगुन का पक्षी बनो; क्योंकि तुम मुझे मना नहीं पाओगे। यदि वास्तव में यह संदेश किसी नश्वर मनुष्य, किसी पैगंबर, या द्रष्टा, या बलि देने वाले पुजारी द्वारा लाया गया होता, तो मैं इसे झूठा मानता और इस व्यर्थ कहानी का उपहास करता; परन्तु अब (क्योंकि मैंने स्वयं देवी को देखा और सुना है) मुझे जाना ही होगा; और मेरे शब्द व्यर्थ नहीं जाएंगे: और यदि वास्तव में यही मेरा भाग्य है तो...” मरना
पीतल से ढके यूनानियों के पात्रों के पास,
मैं संतुष्ट हूँ! भयंकर अकिलीज़ के हाथों से,
मुझे मार डाला जाए, ताकि एक बार फिर मेरी बाहों में,
मैं अपने बेटे को थाम सकूँ, और अपने दुख को व्यक्त कर सकूँ।"
फिर संदूक का चमकीला ढक्कन उठाकर,
उसने बारह शानदार शॉल, बारह एकल लबादे चुने।
उतने ही गलीचे, उतने ही शानदार वस्त्र,
उतने ही कुर्ते; फिर उसने सोने से,
दस प्रतिभाएँ भर लीं; दो तिपाई, चमकीली,
चार कड़ाही; फिर एक दुर्लभ और सुंदर प्याला, एक अनमोल धरोहर, जो थ्रेस के लोगों ने उन्हें तब दी थी जब वे वहाँ राजदूत बनकर गए थे; यहाँ तक कि उन्होंने इसे भी नहीं छोड़ा, क्योंकि उनकी तीव्र इच्छा थी कि वे अपने बेटे को छुड़ा लें। उन्होंने गुस्से भरे शब्दों से सभी ट्रोजनों को गलियारे से बाहर निकाल दिया।

"निकल जाओ, निकम्मे बदमाशो, आवारा! क्या तुम्हें घर पर कोई दुख नहीं है कि तुम यहाँ आकर मुझे परेशान कर रहे हो? या क्या यह काफी नहीं है कि बृहस्पति मुझे गहरे दुख से पीड़ित कर रहा है, मेरे सबसे बहादुर बेटे को मारकर? तुम्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा: क्योंकि अब जब वह चला गया है, तो यूनानियों के लिए तुम्हें मारना कहीं ज्यादा आसान होगा। लेकिन मेरी आँखें मृत्यु में बंद हो जाएँ, इससे पहले कि मैं शहर को लूटा हुआ और पूरी तरह से नष्ट हुआ देखूँ।"
उसने कहा, और अपनी लाठी से भीड़ को भगा दिया; बूढ़े आदमी का क्रोध शांत होने से पहले ही वे सब भाग गए; फिर उसने अपने बेटों को धमकी भरे लहजे में पुकारा; पेरिस, हेलेनस और अगाथॉन को, पैमोन, एंटीफोनस, बहादुर पोलिट्स को, डेफोबस और साहसी हिप्पोथस को, और देवतुल्य डायस को; इन नौ लोगों ने धमकियों और क्रोधित ताने मारते हुए वृद्ध पिता पर हमला किया: "जल्दी करो, निकम्मे पुत्रों, मेरी बदनामी और मेरी शर्म! काश तुम सब यूनानी जहाजों के पास हेक्टर की जगह मर गए होते! हाय, मुझ पर क्या बीत रही है, जिसने इस सारी भूमि में सर्वश्रेष्ठ और वीर पुत्रों को जन्म दिया; अब एक भी नहीं बचा; मेस्टर, और निडर सारथी ट्रॉयलस, और हेक्टर, जो मनुष्यों के बीच एक देवता के समान प्रकट हुआ, किसी नश्वर संतान की तरह नहीं, बल्कि एक देवता की संतान की तरह: इन सभी को मार्स ने मार डाला है।"
चले गए; और मुझे कुछ नहीं छोड़ा, सिवाय नीच और निकम्मों के; सब झूठे, व्यर्थ के घमंडी, केवल नाच में ही प्रसिद्ध, और किसी और चीज़ में नहीं; नीच लुटेरे, अपने ही देशवासियों से मेमनों और बकरियों को लूटने वाले। हे आलसी, कब तुम मुझे रथ जोतोगे, रास्ते के लिए आवश्यक सभी चीजों से सुसज्जित?
उन्होंने कहा; वे अपने पिता के क्रोध के आगे कांप गए, और सुचारू रूप से चलने वाली खच्चर गाड़ी को बाहर ले आए, अच्छी तरह से निर्मित, नई बनी हुई; और उस पर बेंत की सीट लगा दी; फिर खूंटी से उन्होंने खच्चर का जुआ उतारा, बॉक्सवुड से बना हुआ, जिसमें उभार और छल्ले पूरे थे; और जुए के साथ, वे जुए की पट्टी भी ले आए, नौ क्यूबिट लंबी; और उसे दूर के सिरे पर पॉलिश किए हुए खंभे से जोड़ दिया; फिर छाती के छल्ले
खंभे से बांध दिए गए: और दोनों ओर
घुंडी के चारों ओर चमड़े की पट्टी को तीन बार लपेटा गया।

और उसे कसकर बांध दिया गया, और जीभ को अंदर की ओर मोड़ दिया गया।
फिर कमरों से लाई गई भारी फिरौती,
हेक्टर के सिर की, गाड़ी पर लाद दी गई;
और मजबूत खुर वाले खच्चरों को जोत दिया गया,
राजा को मिसियनों का शानदार उपहार:
फिर प्रियम के रथ में घोड़ों को जोता गया,
जिसे उसने स्वयं चमकीली चरनी में रखा था। fed.
ऊँचे महलों में गहरे विचार घूम रहे थे, तभी दूत और वृद्ध राजा मिले, जब हेकुबा व्याकुल मन से पास आई; उसके दाहिने हाथ में एक सोने का प्याला था, जिसमें स्वादिष्ट मदिरा भरी थी, ताकि वे जाने से पहले देवताओं को अर्पण कर सकें; रथ के सामने खड़ी होकर उसने कहा: "लो, और पिता बृहस्पति को अपना अर्पण करो, और प्रार्थना करो कि वह तुम्हें तुम्हारे सभी शत्रुओं से सुरक्षित घर ले आए; क्योंकि मेरी इच्छा के विरुद्ध तुम जहाजों पर सवार होने का साहस करोगे।" ग्रीस। फिर, शनि के बादल से घिरे पुत्र, इडियन बृहस्पति से, जो ट्रॉय के विशाल क्षेत्र का सर्वेक्षण करता है, प्रार्थना करो और उससे विनती करो कि वह तुम्हारे दाहिने हाथ पर एक पंख वाला दूत भेजे, वह पक्षी जिसे वह सबसे प्रिय मानता है और जो सबसे तेज़ उड़ता है; ताकि तुम स्वयं संकेत देख सको और जान सको, और दृढ़ विश्वास के साथ ग्रीस के जहाजों के पास पहुँच सको। लेकिन यदि सर्वज्ञ बृहस्पति संकेत न दे, तो मेरी सहमति के बिना प्रयास मत करना, चाहे तुम्हारी इच्छा कुछ भी हो, ग्रीस तक पहुँचने का। जहाज।" उत्तर में, देवतुल्य प्रियम ने इस प्रकार कहा: "हे स्त्री, मैं तेरी सलाह मानने से इनकार नहीं करता; स्वर्ग से प्रार्थना करने और बृहस्पति की शरण लेने में ही भलाई है।" बूढ़े ने कहा; और सेवक को अपने हाथों पर शुद्ध जल डालने का आदेश दिया; वह सुराही और पात्र लेकर उसके पास खड़ी थी; अपनी पत्नी से विधिपूर्वक स्नान करने के बाद उसने प्याला लिया; फिर वह आँगन के बीच में खड़ा हुआ और जैसे ही उसने मदिरा डाली, उसने स्वर्ग की ओर देखा और ऊँची आवाज़ में प्रार्थना की: "हे पिता बृहस्पति, जो इडा की ऊँचाई पर शासन करते हैं, हे महान, हे महिमावान! कृपा करके मुझे अकिलीज़ के हृदय में कुछ दया दिलाइए; और मेरे दाहिने हाथ पर एक पंख वाला दूत भेजिए, वह पक्षी जिसे आप प्रिय करते हैं..." सर्वश्रेष्ठ, सबसे शक्तिशाली उड़ान,

ताकि मैं स्वयं संकेत देख और जान सकूँ,
और, दृढ़ विश्वास के साथ, ग्रीस के जहाजों के पास पहुँच सकूँ।"
इस प्रकार जब उसने प्रार्थना की, तो परामर्श के स्वामी ने सुना; और तुरंत एक चील, पंखों का राजा, भेजा, जो शिकार का काला पक्षी था और जिसका उपनाम डस्की था: किसी धनी सम्राट के ऊंचे महल की रक्षा करने वाले, बोल्ट से अच्छी तरह सुरक्षित द्वारों के समान चौड़ा, उसके विशाल पंख दोनों ओर फैले हुए थे। वह दाहिनी ओर प्रकट हुआ, शहर से बहुत ऊपर उड़ता हुआ; उन्होंने अनुकूल संकेत देखा, और हर दिल खुश हो गया। वृद्ध राजा ने जल्दी से अपने रथ पर सवार होकर प्रांगण और गूंजते हुए बरामदे से होते हुए आगे बढ़े। ऋषि इडेयस द्वारा चलाए जा रहे खच्चर आगे चार पहियों वाली गाड़ी खींच रहे थे। उनके पीछे शहर की खड़ी ढलान से नीचे घोड़े आ रहे थे, जिन्हें बूढ़े व्यक्ति ने गति बढ़ाने के लिए प्रेरित किया था। दोस्तों की भीड़ जो उसके पीछे-पीछे चल रही थी, उसके लिए शोक मना रही थी, मानो उसे मृत्युदंड दिया गया हो। शहर से मैदान में उतरकर, उसके बेटे और दामाद इलियम की ओर चल पड़े; मैदान पर आगे बढ़ते हुए, वे दोनों बृहस्पति की सर्वव्यापी दृष्टि से बच नहीं पाए; दया से उसने बूढ़े पिता को देखा; और इस प्रकार, अपने प्रिय पुत्र हर्मेस से तुरंत बोला: "हर्मेस, क्योंकि तुम्हें सामाजिक संवाद में लोगों से मिलना-जुलना और जिसकी चाहे उसकी बात सुनना पसंद है; जल्दी करो और प्रियम को यूनानी जहाजों की ओर ले चलो, ताकि कोई भी यूनानी उसे अकिलीज़ के पास पहुँचने से पहले न देख पाए।" उन्होंने कहा; न ही उन्होंने स्वर्गीय मार्गदर्शक की अवज्ञा की; उन्होंने अपने पैरों में अपने सुनहरे सैंडल बांधे, अमृतमय कार्य; जो उसे लहरों के ऊपर से ले गया, हवा की तरह तेज़, और विशाल पृथ्वी पर; फिर उसने अपनी छड़ी ली, जिससे वह इच्छा से मनुष्यों की आँखों को बंद कर देता है, और नींद से जाग जाता है। इसे हाथ में लेकर वह उड़ गया। जल्द ही वह विशाल हेलेस्पोंट और ट्रॉय पहुँच गया, और एक राजकुमार के रूप में गुजरा, जवानी की शुरुआत में, जीवन का सबसे सुंदर समय। दोनों इलस के ऊंचे मकबरे के पास से गुजरे, और वहां नदी के किनारे पानी पीने के लिए घोड़े और खच्चर रुक गए; क्योंकि अब अंधेरा धरती पर छा रहा था: तभी अंधकार में दूत हेर्मेस ने पास आते हुए देखा, और प्रियम से इस प्रकार कहा: "हे डारडानस के पुत्र, अच्छी तरह सोचो; अब हमें विवेकपूर्ण सलाह की बहुत

आवश्यकता है। मुझे एक आदमी दिखाई दे रहा है, और मुझे डर है कि वह हमारा बुरा चाहता है। कहो, क्या हम घोड़ों के साथ तुरंत भाग जाएं, या उसके घुटनों को थामकर उसकी दया की भीख मांगें।" मुकदमा? बूढ़े आदमी ने सुना, उसका मन भय से व्याकुल हो गया; वह इतना भयभीत हुआ कि उसके झुके हुए अंगों के हर बाल खड़े हो गए; वह अचंभित खड़ा था; लेकिन संरक्षक-देवता ने पास आकर उसका हाथ पकड़ लिया और कहा: "हे पिता, इस शांत रात में, जब मनुष्य नींद में डूबे हुए हैं, तुम घोड़े और खच्चर के साथ कहाँ जा रहे हो? क्या तुम्हें अपने निर्दयी शत्रुओं, उन खूनी यूनानियों से डर नहीं लगता, जो तुम्हारे इतने करीब हैं? यदि उनमें से कोई तुम्हें अब देख ले, रात के अंधेरे में इतने लदे हुए, तो तुम्हें कैसा लगेगा? तुम स्वयं भी जवान नहीं हो, और यह बूढ़ा आदमी, तुम्हारा साथी, तुम्हारे काम आएगा।" मैं तुम्हें हमले से बचाने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता। मैं तुम्हें हानि नहीं पहुँचाऊँगा, बल्कि हानि से बचाऊँगा। क्योंकि मुझे लगता है तुम्हारा चेहरा मेरे पिता के चेहरे जैसा है।
प्रियम, हे ईश्वरीय पिता, ने उत्तर देते हुए कहा: "हे प्रियम, जैसा तू कहता है, वैसा ही है; फिर भी किसी ईश्वर ने मुझ पर अपना रक्षा कवच फैलाया है, जो मुझे ऐसा मार्गदर्शक भेजता है, जो इतना उपयुक्त है। तेरे माता-पिता धन्य हैं, जिन्हें ऐसा कृपालु पुत्र मिला है, जो चेहरे और आभा में, और बुद्धिमान मन से परिपूर्ण है।"
जिसके उत्तर में संरक्षक देवता ने इस प्रकार कहा: "हे पिता, तुम अच्छी और बुद्धिमानी से बोल रहे हो; परन्तु मुझे यह सत्य बताओ: क्या तुम इन बहुमूल्य खजानों को किसी परदेस ले जा रहे हो, ताकि वे तुम्हारे लिए सुरक्षित रखे जा सकें? या तुम सबने भय से ट्रॉय से भागने का निश्चय कर लिया है, अपने सबसे वीर शहीद, अपने वीर पुत्र के साथ, जो यूनानियों के मुठभेड़ से कभी नहीं हिचका?"
प्रियम, हे देवतुल्य पिता, ने उत्तर देते हुए कहा: "हे महानुभाव, आप कौन हैं और आपका वंश क्या है, जो मेरे अभागे पुत्र के बारे में इतनी अच्छी बातें कह रहे हैं?"
जिसके उत्तर में संरक्षक-देवता ने इस प्रकार कहा: "हे वृद्ध, मेरी परीक्षा लो; देवतुल्य हेक्टर के विषय में पूछो; क्योंकि महिमापूर्ण युद्ध में अक्सर इन आँखों ने उसे देखा है; मुख्य रूप से, जब उसने यूनानियों को जहाजों की ओर खदेड़ दिया और तलवार से उनका नाश कर दिया। हम आश्चर्य से देखते रहे; पेलेउस के पुत्र द्वारा, जो एगामेम्नन से क्रोधित था, युद्ध से रोके जाने पर, मैं उसका अनुयायी था; एक ही जहाज में हम दोनों

यात्रा कर रहे थे; मैं मर्मिडों में से एक हूँ; मेरे पिता पॉलीक्टर थे, धनी, परन्तु वृद्ध,
तुम्हारी ही तरह। उनके छह पुत्र थे।" मेरे अलावा, उसके पास सातवाँ है;
और मुझे लॉटरी द्वारा युद्ध के लिए चुना गया।
मैं जहाजों से मैदान में आ गया हूँ;
क्योंकि भोर होते ही तेज निगाहों वाले यूनानी
शहर के चारों ओर अपनी सेना तैनात कर लेंगे।
वे आलस्य में चिढ़ते हैं; सरदार व्यर्थ ही
युद्ध के लिए अपने उत्साह को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।
हे ईश्वरीय स्वामी प्रियम ने उत्तर देते हुए कहा: "यदि तुम वास्तव में पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के अनुयायी हो, तो मुझे सारी सच्चाई बताओ; क्या मेरा पुत्र अभी भी यूनानियों के जहाजों के पास पड़ा है, या क्या अकिलीज़ ने उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं, और उसके क्षत-विक्षत शव को अपने कुत्तों को दे दिया है?"
जिसके उत्तर में संरक्षक-देव ने इस प्रकार कहा: "हे बूढ़े, न तो कुत्तों ने और न ही पक्षियों ने उसे खाया है, बल्कि वह पेलेउस के पुत्र के जहाज के पास तम्बू में पड़ा है; बारह दिन से वह वहीं पड़ा है, न तो उसके शरीर को सड़न ने छुआ है, न ही कीड़ों ने, जो युद्ध में मारे गए लोगों को खाते हैं। वास्तव में, हर सुबह, अकिलीज़ उसके शव को उसके साथी की कब्र के चारों ओर घसीटता है, फिर भी उसे अक्षुब्ध छोड़ देता है; तुम स्वयं देख सकते हो कि वह कितना ताजा है, ओस से भीगा हुआ। झूठ, रक्त के धब्बों से साफ किया गया, और उसके अनेक घावों को भरा गया, क्योंकि अनेक भाले उसके शव में धंसे हुए थे। इसलिए, मृत्यु में भी, हे परम पूज्य देवताओं, जिन्होंने उसे बहुत प्यार किया, अपने महान पुत्र की रक्षा करो।
उसने कहा; उसके शब्दों को सुनकर बूढ़ा व्यक्ति प्रसन्न हुआ, और उत्तर दिया, "देखो, मेरे पुत्र, अमर देवताओं को उनका उचित सम्मान देना कितना अच्छा है; क्योंकि मेरे पुत्र ने अपने जीवनकाल में कभी भी ओलंपस में निवास करने वाले देवताओं की उपेक्षा नहीं की; और इसीलिए उन्होंने मृत्यु के बाद भी उसे याद रखा है। मैं प्रार्थना करता हूँ, इस अलंकृत प्याले को स्वीकार करो; तुम मेरे रक्षक बनो, और स्वर्ग के नीचे मेरे मार्गदर्शक बनो, जब तक मैं पेलियस के पुत्र के तम्बू तक न पहुँच जाऊँ।"

जिसके उत्तर में संरक्षक-देव ने इस प्रकार कहा: "हे वृद्ध पिता, तू मुझे, अपने छोटे भाई को, व्यर्थ ही परीक्षा में डालना चाहता है; तू मुझे अपने हाथों से तेरे द्वारा दिए गए उपहार स्वीकार करने के लिए कहता है, जो अकिलीज़ के विरुद्ध हैं। मैं उसके क्रोध से भयभीत हूँ; और भविष्य में होने वाले बुरे भय से उसे लूटना मेरे लिए शर्म की बात होगी। परन्तु तेरे मार्गदर्शक के रूप में, मैं तुझे सुरक्षित रूप से आर्गोस तक ले जा सकता हूँ, तेरे साथ यात्रा करते हुए, चाहे जहाज पर सवार होकर या पैदल; और तेरे मार्गदर्शक की गलती से तुझे कोई हानि नहीं होगी।"
इस प्रकार संरक्षक-देवता ने कहा, और रथ पर शीघ्रता से सवार होकर, उसने चाबुक और लगाम ली, और नए जोश से खच्चरों और घोड़ों को भर दिया। जब वे जहाज-टावरों और खाई में पहुँचे, तो पहरेदार अपने भोजन में व्यस्त थे; और स्वर्गीय मार्गदर्शक ने गहरी नींद से सभी की आँखों को ढक लिया। फिर उन्होंने द्वार चौड़े खोल दिए, और कुंडी हटा दी, और प्रियम और खजाने से लदी गाड़ी दोनों को अंदर ले गए। लेकिन जब वे अकिलीज़ के ऊँचे तम्बू में पहुँचे, (जिसे उनके राजा के लिए मर्मिडों ने बनाया था) देवदार के पेड़ों से, और छत को पास के मैदान से काटी गई सरकंडों से ढका था; और चारों ओर एक विशाल आँगन क्रॉस-सेट बाड़ से घिरा हुआ था; देवदार की एक अकेली छड़ द्वार की रक्षा कर रही थी, जिसे बंद करने के लिए तीन आदमी थे। अन्य, मुश्किल से पर्याप्त थे, और तीन खोलने के लिए; लेकिन अकिलीज़ के हाथ ने बिना किसी सहायता के आसानी से विशाल बार को बंद कर दिया) फिर बूढ़े हेमीज़ ने द्वार खोला, और पेलियस के देवतुल्य पुत्र के लिए अभिप्रेत उपहारों को प्रांगण में लाया; फिर कार से कूदकर वह जमीन पर आ गिरा और प्रियम से बोला: "हे बूढ़े, एक देवता ने तेरा मार्गदर्शन किया है; मैं हेर्मेस हूँ, और समस्त पिता बृहस्पति ने तुझे यहाँ सुरक्षित लाने के लिए भेजा है। अब मैं लौट रहा हूँ, और न ही अकिलीज़ की आँखों के सामने प्रकट होऊंगा; एक देवता के लिए यह उचित नहीं है कि वह सबके सामने किसी नश्वर प्राणी का अभिवादन करे। परन्तु तुम अंदर जाओ, और अकिलीज़ के घुटनों को थाम लो, और उसके पिता, उसकी सुडौल माँ और उसके लिए उससे विनती करो।" बच्चे के दिल में, ताकि तुम्हारे शब्द उसके दिल में एक प्रतिक्रिया जगा सकें।

इस प्रकार कहते हुए, हर्मेस ओलंपस की ऊँचाइयों पर लौट आया; और प्रियम अपने रथ से कूद गया, और इडेयस को वहाँ घोड़ों और खच्चरों की रखवाली का जिम्मा सौंपकर छोड़ गया, जबकि वह स्वयं सीधे उस निवास में प्रवेश कर गया जहाँ स्वर्ग का प्रिय अकिलीज़ बैठा करता था। उसने मुखिया को भीतर पाया, उसके अनुयायी अलग-अलग बैठे थे; केवल दो ही उसकी उपस्थिति में सेवा कर रहे थे, वीर ऑटोमेडन और एक साहसी योद्धा एल्किमस; भोजन और शराब का भोज अभी समाप्त ही हुआ था; मेज अभी भी सजी हुई थी। महान प्रियम ने सबकी नजरों से बचकर प्रवेश किया; और अकिलीज़ के पास खड़े होकर, अपनी बाहों से उसके घुटनों को गले लगाया और उन भयानक हाथों को चूमा, जो खून से सने थे, जिन्हें उसके कई बेटों ने मार डाला था। जैसे कोई व्यक्ति, क्रूर भाग्य द्वारा सताया गया, अपने ही देश में किसी दूसरे का खून बहाता है, और भागकर किसी धनी घर के नीचे शरण लेता है; सभी आश्चर्यचकित होकर देखते हैं: देवतुल्य प्रियम को अकिलीज़ ने आश्चर्य से देखा; सभी परिचारकों के चेहरे पर आश्चर्य छा गया, और वे एक-दूसरे की ओर देखने लगे; तब प्रियम ने पेलेउस के पुत्र से विनती भरे शब्दों में कहा: "हे महान अकिलीज़, देवताओं के प्रतिद्वंद्वी, अपने पिता के बारे में सोचो, ठीक वैसे ही जैसे मैं स्वयं दुखमय वृद्धावस्था की दहलीज पर हूँ: और शायद उसे आसपास रहने वालों से अन्याय सहना पड़े, और उसकी सहायता करने वाला कोई रक्षक पास न हो; फिर भी वह प्रसन्न होकर जानता है कि तुम अभी जीवित हो; और प्रतिदिन आशा करता है कि उसका पुत्र ट्रॉय से सुरक्षित लौट आएगा; जबकि मैं, अत्यंत अभागा, जिसके पास बहुत कुछ है मेरे पुत्रों, ट्रॉय के सभी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ और सबसे बहादुर, मेरे द्वारा उत्पन्न, अब उनमें से कोई भी मेरे पास नहीं बचा है। जब यूनान के पुत्र आए, तब पचास थे; एक ही गर्भ से उन्नीस संतानें; शेष को मेरे घर की महिलाओं ने जन्म दिया। इनमें से कई निर्दयी मंगल ग्रह द्वारा धूल में मिला दिए गए; लेकिन वह, मेरा एकमात्र पुत्र, शहर और अपने भाइयों का एकमात्र रक्षक, अपने देश के लिए बहादुरी से लड़ता हुआ, हेक्टर, जिसे हाल ही में तुम्हारे हाथों से मारा गया है। गिर गया:
उसकी ओर से मैं यूनानी जहाजों के पास जाने का साहस करता हूँ; उसकी रिहाई के लिए तुझसे प्रार्थना करता हूँ, और अमूल्य फिरौती चुकाता हूँ।
तो हे अकिलीज़, देवताओं का आदर करो;

और अपने पिता के खातिर, मुझ पर दया दृष्टि डालो, क्योंकि मुझे दया की अधिक आवश्यकता है; क्योंकि मैं ऐसा दुःख सह रहा हूँ जैसा पृथ्वी पर किसी मनुष्य ने नहीं सहा।
जो मेरे पुत्र के वध करने वाले हाथ को चूमने के लिए झुकता है।"
इस प्रकार जब वह बोल रहा था, अकिलीज़ के हृदय में अपने पिता की प्यारी स्मृति जागृत हुई; उसने बूढ़े व्यक्ति का हाथ छुआ और धीरे से उसे अलग रख दिया; फिर वे दोनों विभिन्न स्मृतियों से प्रेरित होकर रोने लगे: एक, अकिलीज़ के चरणों में नतमस्तक होकर, अपने योद्धा पुत्र के लिए विलाप करने लगा; अकिलीज़ अपने पिता के लिए रोया, और अपने प्रिय साथी पेट्रोक्लस के लिए भी; और पूरे घर में उनके रोने की आवाज़ गूंज उठी। लेकिन जब अकिलीज़ ने अपने शोक को शांत कर लिया, और अपने हृदय और अंगों की तड़प को कम कर लिया, तो उसने अपने हाथ से बूढ़े पिता को उठाया, उनके सफ़ेद बालों और दाढ़ी पर दया करते हुए, और कोमल शब्दों में उनसे कहा:
हाय, हे बूढ़े, तेरे कितने दुख हैं! तूने यूनानियों के जहाजों पर अकेले जाने का साहस कैसे किया, और उस व्यक्ति के समक्ष जाने का साहस कैसे किया, जिसने तेरे अनेक और वीर पुत्रों को मार डाला? तेरा हृदय तो पत्थर का है! परन्तु तू इस आसन पर बैठ जा; और अपने हृदयों में, यद्यपि दुःख से भरे हों, तो भी उस दुःख को दबा दे; क्योंकि विलाप व्यर्थ है। ऐसा ही धागा देवता मनुष्यों के लिए बुनते हैं, ताकि वे दुःख में जीएँ, जबकि वे चिंताओं से मुक्त हैं। दो संदूक पड़े हैं। बृहस्पति के द्वार के पास, मनुष्य के लिए उपहारों के साथ: एक अच्छा, दूसरा बुरा; जिसे बिजली का स्वामी प्रत्येक से देता है, कभी बुराई, कभी भलाई उस पर आती है; केवल बुराई ही उस पर आती है, उसे घोर अपमान मिलता है और पृथ्वी पर दुख का प्रकोप फैलाता है: ईश्वर और मनुष्य दोनों द्वारा समान रूप से तिरस्कृत वह भटकता है। इस प्रकार जन्म से ही देवताओं ने पेलियस को उत्कृष्ट उपहार दिए; धन और संपत्ति से धन्य, अपने साथियों से ऊपर; मर्मिडोंस पर उसने संप्रभु शासन किया; और स्वर्ग ने उसे एक नश्वर को अमर दुल्हन प्रदान की। फिर भी उसके भाग्य में यह दुर्भाग्य भी निहित था कि उसके घर में भावी राजाओं का कोई उदय नहीं हुआ; उसका एक ही पुत्र था, जो शीघ्र मृत्यु का शिकार हुआ; और न ही यह मेरा कर्तव्य है कि मैं अपने पिता की देखभाल करूँ; बल्कि घर से

दूर, ट्रॉय में मैं तुझे और तेरे पुत्रों को युद्ध से सताता हूँ। हमने तेरे पूर्व धन के बारे में भी बहुत कुछ सुना है; लेस्बोस के उत्तर में, मैकर की सीट, ऊपरी फ्रिगिया और उससे भी अधिक धन था। असीम हेलेस्पोंट के तटों पर, ऐसा कहा जाता है कि तुम धन और पुत्रों की संख्या में धन्य थे। परन्तु जब से देवताओं ने तुम पर यह अभिशाप डाला है, तब से तुम्हारे नगर के चारों ओर युद्ध और हत्या का प्रकोप जारी है। सहन करो, इस प्रकार निरंतर शोक मत करो; अपने वीर पुत्र के लिए तुम्हारा शोक व्यर्थ है; तुम उसे पुनर्जीवित नहीं कर सकते, और शायद और भी कष्ट सहोगे।
हे ईश्वरीय स्वामी, प्रियम ने उत्तर देते हुए कहा, “हे महानुभाव, मुझे अभी बैठने के लिए मत कहिए, जबकि हेक्टर तम्बू में उपेक्षित पड़ा है; परन्तु मुझे शीघ्र जाने दीजिए, ताकि मैं अपनी आँखों से अपने पुत्र को देख सकूँ; और आप हमारे द्वारा अर्पित किए गए विशाल खजाने को स्वीकार कीजिए: आप उनका आनंद लें और सुरक्षित रूप से अपनी जन्मभूमि पहुँचें, क्योंकि आपने मेरा जीवन बख्श दिया है, और मुझे स्वर्ग के प्रकाश को देखते रहने का आदेश दिया है।”
जिस पर अकिलीज़ ने कठोर दृष्टि से कहा: "हे बूढ़े, मुझे क्रोधित मत करो; मेरा मतलब स्वयं तुम्हें तुम्हारा पुत्र लौटाने से है; क्योंकि हाल ही में यहाँ बृहस्पति द्वारा भेजी गई मेरी देवी-माता आई थीं, जो वृद्ध सागर-देवता की पुत्री हैं: और प्रियम, मैं भली-भांति जानता हूँ कि किसी देवता ने (मैं गलत नहीं हो सकता) तुम्हें हमारे जहाजों तक पहुँचाया है। कोई भी नश्वर प्राणी, चाहे वह साहसी युवावस्था में ही क्यों न हो, हमारे शिविर में प्रवेश करने का साहस नहीं करेगा; न ही पहरेदारों की नजरों से बचकर निकलने की आशा कर सकता है, और न ही आसानी से उस भारी अवरोध को हटा सकता है जो हमारे शिविर की रक्षा करता है।" द्वार।
परन्तु मेरे दुःख में मेरा क्रोध मत भड़काओ;
ऐसा न हो कि तुम याचना करते हुए भी मेरे तम्बू में हो,
मैं तुम्हें सहन न करूँ, और बृहस्पति के आदेश का उल्लंघन करूँ।"
उसने कहा; बूढ़ा आदमी कांप उठा और आज्ञा मान ली; फिर शेर की छलांग के साथ, अकिलीज़ द्वार की ओर दौड़ा; वह अकेला नहीं था; उसके साथ ऑटोमेडन और एलेमस भी थे, उसके दो सेवक, जो उसके अनुयायियों में से थे, खोए हुए पैट्रोक्लस के बाद सबसे सम्मानित थे; उन्होंने खच्चरों और घोड़ों को जुए से मुक्त कर दिया; फिर

बूढ़े आदमी के दूत को अंदर ले गए, और उसे बैठने के लिए कहा; और पॉलिश की हुई गाड़ी से हेक्टर का सिर कीमती फिरौती के रूप में निकाला गया। उन्होंने दो वस्त्र और एक अच्छी तरह से बुनी हुई बनियान छोड़ी, ताकि शव को पहनाकर सम्मानपूर्वक घर भेजा जा सके। फिर उसने दासियों को आदेश दिया कि वे शव को धोएँ और तेल से अभिषेक करें, ताकि प्रियम अपने पुत्र को न देख सके; कहीं ऐसा न हो कि उसका दुखी हृदय अनियंत्रित होकर कुछ कह दे और अकिलीज़ क्रोधित होकर अपने याचक को मार डाले और बृहस्पति के आदेश का उल्लंघन करे। जब उन्होंने शव धो लिया, शरीर को तेल से अभिषेक करके, और उसके चारों ओर वस्त्र और बनियान लपेटकर, अकिलीज़ ने मृत शरीर को अपने हाथों से उठाया और पलंग पर लिटाया; जिसे उसके अनुयायियों ने पॉलिश किए हुए वाहन तक पहुँचाया। फिर कराहते हुए, उसने अपने मित्र को नाम लेकर पुकारा: "क्षमा करो, पेट्रोक्लस! मुझ पर क्रोधित मत हो, यदि अंधकार के लोक में तुम सुनो कि देवतुल्य हेक्टर को उसके पिता की बाहों में, एक बड़ी फिरौती के बदले, मैं लौटाता हूँ; जिसमें से मैं तुम्हारे लिए एक उचित हिस्सा निर्धारित करता हूँ।" इसके अलावा।"

यह कहकर, अकिलीज़ तम्बू में लौट आया; वह नक्काशीदार पलंग पर, जहाँ से वह उठा था, दीवार के पास बैठ गया; और प्रियम से इस प्रकार बोला:

"हे बूढ़े, तेरी प्रार्थना के अनुसार तेरा पुत्र तुझे लौटा दिया गया है; वह पलंग पर लेटा है; तू उसे भोर में देखेगा। इस बीच शाम के भोजन की तैयारी जारी है। सुनहरे बालों वाली नायोब ने भी भोजन नहीं छोड़ा, जब उसके बच्चे घर में मृत्यु की अवस्था में थे, छह सुंदर पुत्रियाँ और छह बलवान पुत्र। उन युवकों को अपोलो ने अपने चांदी के धनुष से मार डाला, दासियों को धनुर्धर रानी डायना ने मार डाला, नायोब क्रोध से भर उठी।" उसने स्वयं की तुलना सुंदर लैटोना से की, अपने अनेक बच्चों की तुलना अपनी प्रतिद्वंद्वी के दो बच्चों से की; इस प्रकार उन दो के द्वारा ही अनेकों की हत्या कर दी गई। नौ दिन तक वे मृत्यु के विश्राम में रहे; और कोई भी उनके अंतिम संस्कार के लिए उपस्थित नहीं था; क्योंकि शनि के पुत्र ने सभी लोगों के हृदय पत्थर के बना दिए थे। अंत में अमर देवताओं ने मृतकों को दफनाया। और जब नायोब का दुःख आँसुओं में बह निकला, तब भी उसने भोजन से परहेज नहीं किया। और अब सिपिलस में, चट्टानों के बीच, और एकांत पहाड़ों में, जहाँ देवी अप्सराएँ, जो अचेलस की धारा के

किनारे नृत्य करना पसंद करती हैं, ऐसा कहा जाता है कि उन्हें पालने में रखा गया था, हालाँकि वह पत्थर की बन गई है, देवताओं द्वारा किए गए अन्याय पर चिंतन करती है। इसलिए, हे देवतुल्य पिता, हम भी भोजन में भाग ले सकते हैं; और बाद में, तुम अपने महान पुत्र के लिए शोक मना सकते हो, जो ट्रॉय में वापस लौट आया है—वह तुम्हारे आँसुओं के योग्य है।
यह कहते हुए, उसने तुरंत एक सफेद ऊन वाली भेड़ का वध किया; फिर उसके साथियों ने शव की खाल उतारी और उसे तैयार किया: मांस तैयार किया गया और सीखों पर लगाया गया; सावधानी से भुना गया और आग से उतार लिया गया।
ऑटोमेडोन ने सुंदर टोकरियों से रोटी निकाली; मांस को अकिलीज़ ने बाँटा। वे अपने सामने रखे भोजन पर टूट पड़े। प्यास और भूख से तृप्त होकर, प्रियम आश्चर्य से अकिलीज़ को देखता रहा, उसकी आकृति और कद-काठी को। वह मानो किसी देवता के समान प्रतीत हो रहे थे; और उन्होंने भी प्रियम की ओर देखा और उनके आदरणीय चेहरे और मधुर वाणी की प्रशंसा की। दोनों एक-दूसरे को प्रसन्नतापूर्वक निहारते रहे, जब तक कि देवदूत प्रियम ने अपने मेज़बान को संबोधित नहीं किया।
"हे महानुभाव, अब मुझे विश्राम करने दीजिए; और हम कोमल नींद में लीन होकर लेट जाएँ; क्योंकि जब से मेरे वीर पुत्र को तेरे हाथों मारा गया है, तब से मेरी आँखें कभी नींद में बंद नहीं हुई हैं; परन्तु कराहते हुए मैं अपने दुःखों पर चिंतन करता हूँ, और अपने दरबार में धूल से अपना सिर मढ़ता हूँ। अब मैंने रोटी का स्वाद चखा है, अब लाल शराब मेरे तालू से गुज़री है; परन्तु अभी तक नहीं।"
इस प्रकार उसने; उसके साथियों और परिचारिकाओं ने अकिलीज़ को गलियारे में आदेश दिया कि दो गद्दे बिछाए जाएँ, जिन पर बैंगनी ऊन के सुंदर कंबल ओढ़े हों; और ऊपर
ऊपरी आवरण के लिए कालीन और मुलायम चादरें बिछाई गईं।
वे कमरे से मशाल हाथ में लेकर निकले,
और आज्ञाकारी होकर जल्दी से दो पलंग तैयार किए।
तब अकिलीज़ ने मज़ाकिया लहजे में कहा:
"मेरे प्यारे पुराने दोस्त, तुम्हें बाहर ही सोना होगा;
कहीं ऐसा न हो कि यूनानियों का कोई नेता आ जाए,

जैसा कि उनकी प्रथा है, मुझसे परामर्श करने के लिए;
उनमें से जो कोई भी तुम्हें रात में यहाँ पाए,
वह तुरंत एगामेम्नन को सूचना देगा,
और हेक्टर इतनी जल्दी न आ पाए।" पुनर्स्थापित। लेकिन मुझे सच-सच बताओ;
हेक्टर के अंतिम संस्कार के लिए तुम्हें कितने दिन चाहिए? ताकि मैं स्वयं युद्ध से दूर रह सकूँ और लोग भी शांत रहें।
हे ईश्वरीय स्वामी प्रियम ने उत्तर देते हुए कहा: “यदि आपकी अनुमति से हम उनके अंतिम संस्कार कर सकें, तो हे अकिलीज़, हम आपके प्रति अत्यंत आभारी होंगे, यदि आप यह अनुमति दें। आप जानते हैं कि नगर चारों ओर से कितना घिरा हुआ है; और पर्वत से, जो दूर है, ट्रोजन लकड़ी खींचने से डर सकते हैं। हम नौ दिन सार्वजनिक शोक मनाएंगे; दसवां दिन अंतिम संस्कार और भोज के लिए होगा; फिर ग्यारहवें दिन हम उनका मकबरा बनाएंगे; बारहवें दिन उसका नवीनीकरण करेंगे।” जरूरत पड़ने पर हमें युद्ध करना ही होगा।
जिस पर तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने उत्तर दिया: "ऐसा ही होगा, बूढ़े प्रियम; मैं युद्ध को आवश्यक समय तक रोकने का वचन देता हूँ।"
इस प्रकार बोलते हुए, उसने अपने हाथ से बूढ़े व्यक्ति की कलाई पकड़ ली, यह दर्शाते हुए कि उसे डरने की आवश्यकता नहीं है। फिर गलियारे में बूढ़े प्रियम और दूत, ऋषि बुजुर्गों ने आराम करने के लिए लेट गए; जबकि अपने तम्बू के एकांत में अकिलीज़ सो रहा था, सुंदर ब्रिसिस उसके बगल में आराम कर रही थी।
अन्य देवता और प्रमुख, रात भर गहरी नींद में सो रहे थे, कोमल नींद से वश में थे; परन्तु संरक्षक देवता हर्मेस की आँखों पर कोई नींद नहीं थी, वे अपने मन में गहराई से विचार कर रहे थे कि कैसे जहाजों से राजसी प्रियम और रक्षक दल को सुरक्षित रूप से उतारा जाए। सोए हुए व्यक्ति के सिर के ऊपर खड़े होकर वे बोले: "हे बूढ़े, तू बुराई करने की ज़रा भी परवाह नहीं करता, जो जब अकिलीज़ तुझे जाने की अनुमति देता है, तो तू अपने चारों ओर निश्चिंत होकर सो जाता है।" शत्रुओं। तुम्हारा पुत्र पुनर्जीवित हो गया है, और तुमने उदार मूल्य चुकाया है; परन्तु अपने जीवन को छुड़ाने के लिए, यदि एगामेम्नन और अन्य यूनानियों को पता चल जाए कि तुम यहाँ हो, तो तुम्हारे बचे हुए पुत्रों को तीन गुना अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

उसने कहा; बूढ़ा आदमी कांप उठा, और दूत को जगाया; जबकि घोड़ों और खच्चरों को हर्मेस ने जोता, जो चुपचाप तेज़ी से शिविर से होकर गुज़रा, सबकी नज़रों से बच गया। लेकिन जब वे घूमते हुए ज़ैंथस के घाट पर पहुँचे, अमर ज़्यूस से जन्मी सुंदर धारा, हर्मेस ऊँचे ओलंपस की ओर उड़ गया, जैसे सुबह केसरिया वस्त्र में सारी पृथ्वी पर प्रकाश फैला रही थी; वे अंतिम संस्कार के विलाप के साथ घोड़ों को शहर की ओर ले गए; उनके पीछे-पीछे वे खच्चर आए जो मृतकों की पालकी खींच रहे थे। वे मैदान पार कर रहे थे, किसी ने भी उन पर ध्यान नहीं दिया, न किसी पुरुष ने, न किसी स्त्री ने, जब तक कि सुनहरे वीनस के समान सुंदर कैसेंड्रा ने पेरगामस की सबसे ऊँची चोटी से अपने पिता को रथ में खड़े देखा, उनके बगल में दूत भी था। उसने उसे भी देखा, जो पालकी पर लेटा था; फिर उसने अपनी आवाज उठाई और पूरे शहर को जोर से पुकारा, "यहाँ आओ, ट्रोजनो, पुरुष और स्त्री दोनों, हेक्टर को पुनर्जीवित देखो;" यदि तुम उसे उसके जीवनकाल में, युद्ध से लौटते समय, हमेशा आनंदित पाते, जो वास्तव में पूरे शहर का सबसे बड़ा आनंद और गौरव था।

उसने कहा; तब शहर में न कोई पुरुष बचा था न कोई स्त्री; सभी के मन पर शोक छा गया, असहनीय; भीड़ में लोग द्वारों पर उमड़ पड़े, उस व्यक्ति के चारों ओर जो शव लेकर आया था। शव को सबसे पहले गले लगाने वाली उसकी पत्नी और आदरणीय माता थीं; वे उत्सुकता से सुचारू रूप से चलने वाली गाड़ी पर चढ़ गईं, हेक्टर के सिर को छूने के लिए; उनके चारों ओर, रोती हुई भीड़ खड़ी थी। सूर्यास्त तक, पूरे दिन वे रोते रहे। यदि वे हेक्टर के लिए द्वार के सामने शोक मनाते; यदि बूढ़े प्रियम ने रथ से भीड़ को संबोधित न किया होता: "रास्ता दो, ताकि खच्चर गुजर सकें; जब मैं अपने मृतकों को अपने घर ले आऊंगा, तब तुम वहाँ अपनी इच्छा अनुसार शोक व्यक्त कर सकते हो।"

इस प्रकार जैसे ही उसने कहा, उसके वचन का पालन करते हुए, वे एक तरफ हट गए और रथ के लिए रास्ता बना दिया: लेकिन जब वे प्रियम के आलीशान घर पहुँचे, तो उन्होंने उसे एक कीमती पलंग पर लिटाया और गायकों को बुलाया, जो नायक के पलंग के पास उदास गायन का नेतृत्व करेंगे; उन्होंने शोकगीत की धुनें बजाईं, जबकि स्त्रियों की आवाजें भी ऊँची विलाप में शामिल हो गईं। श्वेत भुजाओं वाली एंड्रोमाचे ने विलाप शुरू किया, हेक्टर का सिर अपने हाथों में थामे हुए: "मेरे पति, तुम जवानी के

घमंड में चले गए, और मुझे अपने घर में अकेला छोड़ गए; तुम्हारा बच्चा अभी शिशु ही है, तुम्हारा और मेरा, हम दोनों दुखी माता-पिता हैं! और मैं आशा भी नहीं कर सकती कि वह जवानी की चरम सीमा तक पहुँच पाएगा; क्योंकि उस दिन से पहले ही ट्रॉय खंडहर हो जाएगा।" गिरो, जब से तुम चले गए हो, उसके रक्षक! तुम जिसकी भुजा ने उसकी, उसकी पत्नियों और असहाय बच्चों की रक्षा की! अब वे शीघ्र ही समुद्र पार ले जाए जाएँगे, और मैं उनके साथ जाऊँगा; तुम भी, मेरे बच्चे, मेरे पीछे आना, दासतापूर्ण श्रम के लिए अभिशप्त, एक अत्याचारी स्वामी के पीड़ित शिकार; जब तक कि संयोगवश कोई क्रोधित यूनानी तुम्हें पकड़कर मीनार से नीचे न फेंक दे—एक दुखद मृत्यु! जिसका भाई, या जिसका पिता, या जिसका पुत्र हेक्टर द्वारा मारा गया है मारे गए; क्योंकि कई यूनानी हेक्टर के हाथों खून से सनी धूल चाट चुके हैं; युद्ध में तेरे पिता का हाथ हल्का नहीं था! इसलिए पूरा शहर उसके लिए शोक मना रहा है; तूने अपने माता-पिता को घोर दुःख दिया है, हेक्टर! परन्तु सबसे बड़ा दुःख तूने मुझे दिया है! क्योंकि मुझे तेरे मरते हुए बिस्तर से बढ़ा हुआ हाथ थामने का अवसर नहीं मिला, न ही ज्ञान के शब्द, जिन्हें मैं रात-दिन आँसुओं के साथ अपने हृदय में संजो सकता था। रोते हुए वह बोली—महिलाएँ भी विलाप में शामिल हो गईं। फिर हेकुबा ने ऊँचे स्वर में विलाप करते हुए कहा: “हेक्टर, मेरे सभी बच्चों में तुम सबसे प्यारे हो! जीवन में भी तुम अमरों के प्रिय थे, और मृत्यु के बाद भी वे तुम्हें याद करते हैं; मेरे दूसरे पुत्र, जिसे उसने बंदी बना लिया, जलमग्न रेगिस्तान के पार, सामोस द्वीप तक, या इम्ब्रोस तक, या लेम्नोस के दुर्गम तट तक, तेज कदमों वाले अकिलीज़ ने तुम्हें गुलामी में बेच दिया; जब उसके तेज धार वाले भाले ने सचमुच तुझसे तेरा जीवन छीन लिया था, उसने तुझे घसीटा था पैट्रोक्लस की कब्र के चारों ओर, उसके प्रिय साथी को, जिसे तूने मार डाला था; फिर भी उसने इलिस को मृत से पुनर्जीवित नहीं किया; अब तू यहाँ लेटा है, बिल्कुल ताजा और सुंदर, ओस से भीगा हुआ; मानो किसी ऐसे व्यक्ति की तरह जिसे तेजस्वी अपोलो ने अपने तीक्ष्ण तीरों से, चांदी के धनुष के देवता ने, अभी-अभी मारा हो।

रोते हुए उसने कहा; और इससे आम शोक जागृत हो गया। फिर हेलेन, तीसरी, ने शोकगीत को दोहराया: "हेक्टर, मेरे सभी भाइयों में तुम सबसे प्यारे हो! सच है, ईश्वर तुल्य पेरिस मुझे अपनी पत्नी मानता है, जिसने मुझे यहाँ जन्म दिया - काश मैं तब मर

गई होती! लेकिन यहाँ आए हुए बीस साल बीत चुके हैं, और मैंने अपनी जन्मभूमि छोड़ दी है; फिर भी तुमसे मैंने कभी एक भी अपमानजनक, एक भी नीचा दिखाने वाला शब्द नहीं सुना; और जब दूसरों से मुझे निंदा सहनी पड़ी, तुम्हारे भाइयों, बहनों, या तुम्हारे भाइयों की पत्नियों से, या माँ से, (क्योंकि तेरे पिता सदा दयालु थे (एक पिता के समान)। तूने उन्हें कोमल भावों और मीठे शब्दों से अभी भी नियंत्रित किया है। मैं तेरे लिए रोता हूँ, और अपने लिए भी कम नहीं: क्योंकि ट्रॉय के कोने-कोने में अब कोई मुझसे प्रेम नहीं करता। कोई भी मुझ पर दया दृष्टि नहीं रखता, बल्कि सब घृणा करते हैं।

रोते हुए वह बोली, और उसके साथ भीड़ भी रोने लगी। अंत में वृद्ध प्रियम ने आदेश दिया: "जल्दी करो, हे ट्रोजनो, शहर में ईंधन का अच्छा भंडार लेकर आओ; किसी भी कपटपूर्ण चाल से मत डरो; क्योंकि जब उसने मुझे गहरे रंग के जहाजों से भेजा था, तब अकिलीज़ ने वादा किया था कि बारहवीं सुबह तक शत्रुतापूर्ण हथियारों से हमें कोई नुकसान नहीं होगा।"

उसने कहा; और उन्होंने बैलों और खच्चरों को गाड़ियों में जोता, और शहर से निकल पड़े: नौ दिन उन्होंने परिश्रम किया, और ट्रॉय में लकड़ी का अच्छा भंडार वापस लाए; लेकिन जब दसवें दिन का प्रकाश पृथ्वी पर दिखाई दिया, तो रोते हुए, उन्होंने बहादुर हेक्टर को बाहर निकाला; और अंत्येष्टि चिता पर, जहाँ गौरवशाली मृतकों को रखा गया था, मशाल जलाई।

जब सुबह की सुनहरी किरणें अभी जवान ही थीं, तब महान हेक्टर की चिता के चारों ओर लोग उमड़ पड़े: जब सब लोग इकट्ठा हो गए और घनी भीड़ जमा हो गई, तब सबसे पहले जलते हुए ढेर पर, जहाँ तक आग फैली थी, उन्होंने लाल रंग की शराब डाली और लपटों को बुझा दिया: फिर उनके भाई और दोस्त रोते हुए, गर्म आँसू उनके गालों से बह रहे थे, उन्होंने ढेर से सफेद हड्डियाँ इकट्ठा कीं; उन्हें एक सुनहरे ताबूत में रखा और उस पर बैंगनी रंग के मुलायम शॉल फैला दिए। रंगा; फिर उन्होंने उसे एक कब्र में रखा, और जल्दी से भारी पत्थरों से ढक दिया; और एक टीला बनाया, और हर तरफ पहरा दिया, यूनानियों के अचानक आक्रमण से बचाव के लिए। टीला बनने के बाद, वे पीछे मुड़ गए; और सभी विधिवत एकत्रित हुए, और स्वर्ग से अवतरित राजा प्रियम के महल में भव्य भोज में भाग लिया।

इस प्रकार, गौरवशाली हेक्टर को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती थी।

**खंड II का अंत।**

**समाप्त।**

# फ़ुटनोट

[1]

मूल पाठ से यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि यूनानियों का क्रोध थेरसाइट्स के विरुद्ध था या एगामेम्नन के विरुद्ध। मेरा मानना है कि प्राचीन और आधुनिक दोनों ही प्राधिकारियों का मत है कि पहला मत सही है; परन्तु कुछ प्रख्यात विद्वानों का समर्थन दूसरे मत में भी है, और बहुत विचार-विमर्श के बाद मैंने इसे ही स्वीकार किया है। मूल पाठ में यूनानियों को किसी के विरुद्ध क्रोध और आक्रोश से भरा हुआ दर्शाया गया है। थेरसाइट्स सर्वत्र तिरस्कार का पात्र था, परन्तु उसने ऐसा कुछ नहीं किया था जिससे ये भावनाएँ भड़क उठें: वास्तव में, उसके लहजे की अभद्रता को छोड़कर, जनता की सहानुभूति उसके साथ थी; क्योंकि सेना अत्यंत असंतुष्ट थी और अकिलीज़ के विरुद्ध एगामेम्नन के आचरण से नाराज़ थी, संभवतः मुख्यतः इसलिए कि उन्हें अकिलीज़ के सफल आक्रमणों से लूटी गई संपत्ति अब नहीं मिल रही थी (देखें i. 202, और ix. 387)। इस असंतोष और आक्रोश का उल्लेख नेपच्यून (xiii. 126) और स्वयं एगामेम्नन (xiv. 55) ने किया है। हाल ही में, पूरी सेना ने युद्ध छोड़ने के कपटपूर्ण सुझाव को बड़ी तत्परता से स्वीकार कर लिया था, जिससे यह बात स्पष्ट हो गई थी। दूसरी सभा से ठीक पहले, थेरसाइट्स ने जनभावना का लाभ उठाते हुए, स्वयं को जन असंतोष का प्रतिनिधि बनाकर, एगामेम्नन के विरुद्ध अपना व्यक्तिगत द्वेष प्रकट किया। यूलिसिस ने देखा कि ऐसे समय में ऐसा प्रदर्शन कितना खतरनाक हो सकता है; और चतुराई से यह मानकर (पंक्ति 281) कि यह भावना केवल थेरसाइट्स तक ही सीमित है (हालाँकि अपने बाद के भाषण, पंक्ति 335 में, वह जन असंतोष को स्वीकार करता है और उसका औचित्य सिद्ध करता है), उसने संक्षिप्त दंड देकर इसे समाप्त कर दिया। इसके बाद, चंचल भीड़, "अपने क्रोध के बावजूद" (एगामेम्नन के विरुद्ध), अपने स्व-घोषित नायक की इस स्पष्ट पराजय पर हँसे बिना नहीं रह सकी। यह दृष्टिकोण श्री बार्टर द्वारा 1859 में प्रकाशित इलियड के अनुवाद के साथ संलग्न एक टिप्पणी में बहुत विस्तार से बताया गया है, लेकिन जिसे मैंने इस कृति के प्रकाशन

के बाद ही देखा है।

[2]

पुस्तक XXII, L. 252 भी देखें। मिल्टन, 'पैराडाइज़ लॉस्ट' की चौथी पुस्तक के अंत में इसी प्रकार के अंश में, चिन्ह को उलट देते हैं और पराजित के तराजू को "ऊपर उड़ते हुए" और "बीम को लात मारते हुए" दर्शाते हैं। "शैतान ने ऊपर देखा, और अपने तराजू को ऊपर उठते हुए देखा; बस इतना ही, बल्कि बड़बड़ाते हुए भाग गया, और उसके साथ रात के अंधेरे में गायब हो गया।"

[3]

यह तुलना "बीच में मौजूद स्थान" का सटीक मापदंड प्रदान नहीं करती है, जिसका अनुमान तब तक नहीं लगाया जा सकता जब तक कि उस कुल दूरी का पता न हो जिसके भीतर तेज दौड़ने वाली टीम को धीमी दौड़ने वाली टीम को पीछे छोड़ना था।

[4]

यह अंश कवि की ओर से हुई एक चूक का परिणाम प्रतीत होता है; जो स्पष्ट रूप से भूल गया था कि पाफ्लेगोनियन प्रमुख पाइलैस्मेन्स को उसके बेटे की मृत्यु से कुछ समय पहले मेनेलास ने मार डाला था। पुस्तक V, पंक्ति 656 देखें।

[5]

पंक्ति 45 इत्यादि। मुझे आशा है कि इन महिलाओं की सूची को कुछ हद तक संक्षिप्त करने के लिए मुझे क्षमा कर दिया जाएगा, जो मूल पाठ में केवल दस पंक्तियों में ही नामों से भरी है। ऐसा करने में, मैंने वर्जिल के उदाहरण का अनुसरण किया है, जिन्होंने इन्हीं महिलाओं [जी. 4. 336] को साइरीन की सेवा में दर्शाया है; और उन्होंने न केवल सूची को छोटा किया है, बल्कि उनके व्यवसायों और निजी इतिहास को दर्शाने वाले कुछ सूक्ष्म विवरण भी जोड़े हैं: यह स्वतंत्रता एक अनुकरणकर्ता को तो दी जा सकती है, लेकिन एक अनुवादक को नहीं।

[6]

पंक्ति 151. च्थिज़ोस, कल। लेकिन या तो इस शब्द का अर्थ सामान्य से अधिक व्यापक होना चाहिए, या होमर से यहाँ कोई त्रुटि हुई होगी; क्योंकि अयाक्स और यूलिसिस के अकिलीज़ के तंबू में आने के बाद से दो पूरी रातें और एक दिन बीत चुका था, जिस दिन पैट्रोक्लस की मृत्यु हुई थी। पंक्ति 215 भी देखें।

[7]
पंक्ति 547. इस पंक्ति और 481 में प्रयुक्त शब्द, एक देवी द्वारा दूसरी देवी को संबोधित किए जाने के कारण कुछ अभद्र प्रतीत हो सकते हैं; लेकिन मैं अंग्रेजी पाठकों को आश्वस्त करता हूँ कि विशेष रूप से इस अंश में मैंने मूल पाठ की अभिव्यक्ति को काफी नरम कर दिया है; जिसका शाब्दिक अनुवाद, चाहे कितना भी कठोर क्यों न हो, सबसे कम संवेदनशील आलोचक को भी चौंका देगा। यह स्वीकार करना होगा कि जिस शैली में "श्वेत भुजाओं वाली देवी" अपनी धमकी को अंजाम देती है, वह उस भाषा की तुलना में शायद ही अधिक गरिमामय है जिसमें इसे व्यक्त किया गया है।

[8]
पंक्ति 737.—वे दो थे, जबकि मैं अकेला था। मेरा मानना है कि इस अंश का यही सही अर्थ है, हालांकि यह व्याख्या थोड़ी जटिल है। हमारी आधुनिक धारणाओं के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि रथ में दो व्यक्तियों के होने से एक व्यक्ति के होने की तुलना में क्या लाभ होगा; और न ही उस श्रम विभाजन से क्या लाभ होगा जिसमें लगाम एक को और चाबुक दूसरे को सौंपी गई हो; लेकिन पंक्ति 740-741 से ऐसा प्रतीत होता है कि होमर का यही दृष्टिकोण था।

होमर द्वारा रचित और एडवर्ड, अर्ल ऑफ डर्बी द्वारा अनुवादित इलियड की प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग ईबुक का समापन।

*** गुटेनबर्ग की ईबुक 'द इलियड' परियोजना का समापन ***

इस फ़ाइल का नाम iliad10b.txt या iliad10b.zip होना चाहिए। हमारी ई-पुस्तकों के संशोधित संस्करणों को एक नया नंबर दिया जाता है, जैसे iliad11b.txt। अलग-अलग स्रोतों पर आधारित संस्करणों को एक नया अक्षर दिया जाता है, जैसे iliad10c.txt।

ऐनी सोलार्ड, चार्ल्स फ्रैंक्स और ऑनलाइन डिस्ट्रीब्यूटेड प्रूफरीडिंग टीम द्वारा निर्मित।

प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग की ई-पुस्तकें अक्सर कई मुद्रित संस्करणों से बनाई जाती हैं, जिनमें से सभी को अमेरिका में सार्वजनिक डोमेन के रूप में मान्यता प्राप्त है, जब तक कि उनमें कॉपीराइट नोटिस शामिल न हो। इसलिए, हम आमतौर पर ई-पुस्तकों को किसी विशेष कागजी संस्करण के अनुरूप नहीं रखते हैं।

हम अब अपनी सभी ई-पुस्तकों को आधिकारिक प्रकाशन तिथियों से एक वर्ष पहले प्रकाशित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि संपादन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। कृपया आधिकारिक प्रकाशन तिथि के कई वर्ष बाद भी किसी भी त्रुटि या सुधार के बारे में हमें बताने के लिए स्वतंत्र महसूस करें।
कृपया ध्यान दें कि यह सूची या इसकी सामग्री किसी भी घोषणा के महीने के अंतिम दिन की आधी रात तक अंतिम नहीं है। प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग की सभी ई-पुस्तकों की आधिकारिक विमोचन तिथि संबंधित महीने के अंतिम दिन मध्यरात्रि (सेंट्रल टाइम) है। सुझाव, टिप्पणी और संपादन के लिए अक्सर एक प्रारंभिक संस्करण पोस्ट किया जा सकता है।
अधिकांश लोग हमारी वेबसाइट http://gutenberg.net या http://promo.net/pg से शुरुआत करते हैं।
इन वेबसाइटों में प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग के बारे में पुरस्कार विजेता जानकारी शामिल है, जिसमें दान कैसे करें, हमारी नई ई-पुस्तकों के निर्माण में मदद कैसे करें और हमारे ईमेल न्यूज़लेटर की सदस्यता कैसे लें (निःशुल्क!) जैसी जानकारी शामिल है।
जो लोग घोषणा से पहले कोई ईबुक डाउनलोड करना चाहते हैं, वे निम्न तरीके से डाउनलोड कर सकते हैं और तिथि के अनुसार डाउनलोड कर सकते हैं। घोषणा होते ही तुरंत ईबुक प्राप्त करने का यह एक अच्छा तरीका है, क्योंकि प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग न्यूज़लेटर में घोषणा प्रकाशित होने के बाद हमारे कैटलॉगरों द्वारा तैयार किए गए इंडेक्स में कुछ समय लगता है।
http://www.ibiblio.org/gutenberg/etext03 or
ftp://ftp.ibiblio.org/pub/docs/books/gutenberg/etext03
या /etext02, 01, 00, 99, 98, 97, 96, 95, 94, 93, 92, 92, 91 या 90
बस उस फ़ाइल के नाम के पहले पाँच अक्षरों से खोजें, जैसा कि हमारे न्यूज़लेटर में दिखाई देता है।
प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग के बारे में जानकारी (एक पृष्ठ)
हम अपने काम के प्रत्येक घंटे के लिए लगभग दो मिलियन डॉलर कमाते हैं। किसी भी ई-बुक का चयन, प्रविष्टि, प्रूफरीडिंग, संपादन, कॉपीराइट की खोज और विश्लेषण, कॉपीराइट संबंधी पत्र लेखन आदि में हमें लगभग पचास घंटे लगते हैं (यह

एक अपेक्षाकृत रूढ़िवादी अनुमान है)। हमारे लक्षित पाठक एक सौ मिलियन हैं। यदि प्रति पाठ का मूल्य नाममात्र एक डॉलर आंका जाए, तो हम 2002 में प्रति घंटे 2 मिलियन डॉलर कमाते हैं, क्योंकि हम प्रति माह 100 से अधिक नई पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करते हैं: 2001 में 1240 और ई-बुक्स, कुल मिलाकर 4000 से अधिक। हम पहले से ही 2002 में 2000 और ई-बुक्स प्रकाशित करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि ये विश्व की जनसंख्या के केवल 1-2% तक भी पहुँचती हैं, तो वर्ष के अंत तक कुल मिलाकर आधा ट्रिलियन से अधिक ई-बुक्स मुफ्त में वितरित की जाएंगी। प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग का लक्ष्य 1 ट्रिलियन ई-पुस्तकें मुफ्त में वितरित करना है! इसका अर्थ है कि प्रत्येक पाठक को दस हजार पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी, जो कि वर्तमान कंप्यूटर उपयोगकर्ताओं की संख्या का लगभग 4% ही है।

हमारी प्रगति का संक्षिप्त विवरण यहाँ दिया गया है (* का अर्थ है अनुमानित):

ई-पुस्तकें वर्ष माह

1 1971 जुलाई

10 1991 जनवरी

100 1994 जनवरी

1000 1997 अगस्त

1500 1998 अक्टूबर

2000 1999 दिसंबर

2500 2000 दिसंबर

3000 2001 नवंबर

4000 2001 अक्टूबर/नवंबर

6000 2002 दिसंबर*

9000 2003 नवंबर*

10000 जनवरी 2004*

प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन की स्थापना प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग के भविष्य को अगली सहस्राब्दी में सुरक्षित करने के लिए की गई है।

हमें आपके अनुदान पहले से अधिक चाहिए!

फरवरी 2002 तक, अलाबामा, अलास्का, अर्कांसस, कनेक्टिकट, डेलावेयर, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, फ्लोरिडा, जॉर्जिया, हवाई, इलिनोइस, इंडियाना, आयोवा, कंसास, केंटकी, लुइसियाना, मेन, मैसाचुसेट्स, मिशिगन, मिसिसिपी, मिसौरी, मोंटाना, नेब्रास्का, नेवादा, न्यू हैम्पशायर, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, उत्तरी कैरोलिना, ओहियो, ओक्लाहोमा, ओरेगन, पेंसिल्वेनिया, रोड आइलैंड, दक्षिण कैरोलिना, दक्षिण डकोटा, टेनेसी, टेक्सास, उटाह, वर्मोंट, वर्जीनिया, वाशिंगटन, पश्चिम वर्जीनिया, विस्कॉन्सिन और व्योमिंग में लोगों और संगठनों से योगदान का अनुरोध किया जा रहा है।

हमने अब तक सभी 50 राज्यों में आवेदन कर दिया है, लेकिन केवल इन्हीं राज्यों ने जवाब दिया है।

जैसे-जैसे अन्य राज्यों की आवश्यकताएं पूरी होती जाएंगी, इस सूची में और राज्य जोड़े जाएंगे और उन राज्यों में धन जुटाने का काम शुरू हो जाएगा। कृपया अपने राज्य की स्थिति जानने के लिए बेझिझक संपर्क करें।

इस विषय पर हमें प्राप्त हुए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर में:

हम सभी 50 राज्यों में कानूनी रूप से दान मांगने के लिए आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने में लगातार लगे हुए हैं। यदि आपका राज्य सूची में नहीं है और आप यह जानना चाहते हैं कि क्या हमने आपकी मौजूदा सूची के बाद उसे जोड़ दिया है, तो कृपया पूछें।

हालांकि हम उन राज्यों के लोगों से दान का अनुरोध नहीं कर सकते जहां हम अभी तक पंजीकृत नहीं हैं, लेकिन हमें इन राज्यों के उन दानदाताओं से दान स्वीकार करने पर किसी भी प्रकार की रोक की जानकारी नहीं है जो दान देने की पेशकश के साथ हमसे संपर्क करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दान स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन हमें इस बारे में कुछ भी नहीं पता कि उन्हें कर-कटौती योग्य कैसे बनाया जाए, या यह भी कि क्या उन्हें कर-कटौती योग्य बनाया जा सकता है, और अगर तरीके मौजूद भी हों तो भी हमारे पास इसे संभालने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं।

चेक या मनी ऑर्डर द्वारा दान निम्न पते पर भेजा जा सकता है:

प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग साहित्यिक अभिलेखागार फाउंडेशन
पीएमबी 113
1739 यूनिवर्सिटी एवेन्यू.
ऑक्सफोर्ड, एमएस 38655-4109
यदि आप वायर ट्रांसफर या चेक या मनी ऑर्डर के अलावा किसी अन्य भुगतान विधि की व्यवस्था करना चाहते हैं तो हमसे संपर्क करें।
प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन को अमेरिकी आंतरिक राजस्व सेवा द्वारा 501(c)(3) संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिसका EIN [कर्मचारी पहचान संख्या] 64-622154 है। दान कानून द्वारा अनुमत अधिकतम सीमा तक कर-कटौती योग्य हैं। जैसे ही अन्य राज्यों के लिए धन जुटाने की आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी, इस सूची में और राज्य जोड़े जाएंगे और उन राज्यों में भी धन जुटाना शुरू हो जाएगा। हमें आपके अनुदान पहले से अधिक चाहिए!
आप दान संबंधी नवीनतम जानकारी ऑनलाइन यहां प्राप्त कर सकते हैं:
http://www.gutenberg.net/donation.html
***
यदि आप प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं, तो आप सीधे इस पते पर ईमेल कर सकते हैं:
माइकल एस. हार्ट <hart@pobox.com>
प्रोफेसर हार्ट आपके संदेश का उत्तर देंगे या उसे आगे अग्रेषित करेंगे।
हम आपको ईमेल से सूचना भेजने को वरीयता देंगे।
**कानूनी बारीक अक्षर**
(तीन पृष्ठ)
***शुरू करें** छोटे अक्षरों में लिखी जानकारी!** सार्वजनिक डोमेन ईबुक्स के लिए **शुरू करें*** यह "छोटे अक्षरों में लिखी जानकारी!" कथन यहाँ क्यों है? आप जानते हैं: वकील। वे हमें बताते हैं कि यदि इस ईबुक की आपकी प्रति में कुछ भी गलत है, तो आप हम पर मुकदमा कर सकते हैं, भले ही आपने इसे हमसे अलग किसी से मुफ्त में प्राप्त किया हो, और भले ही गलती हमारी न हो। इसलिए, अन्य बातों के अलावा, यह "छोटे अक्षरों में लिखी जानकारी!" कथन आपके प्रति हमारी अधिकांश

जिम्मेदारी से आपको मुक्त करता है। यह आपको यह भी बताता है कि यदि आप चाहें तो इस ईबुक की प्रतियां कैसे वितरित कर सकते हैं।
*इस ईबुक का उपयोग या पढ़ने से पहले!* इस प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-टीएम ईबुक के किसी भी भाग का उपयोग या पढ़ने से, आप यह स्वीकार करते हैं कि आप इस "छोटे अक्षरों में लिखी शर्तों!" को समझते हैं, इससे सहमत हैं और इसे स्वीकार करते हैं। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप इस ईबुक के लिए भुगतान की गई राशि (यदि कोई हो) की वापसी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए आपको ईबुक प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर उस व्यक्ति को अनुरोध भेजना होगा जिससे आपने इसे प्राप्त किया था। यदि आपको यह ईबुक किसी भौतिक माध्यम (जैसे डिस्क) पर प्राप्त हुई है, तो आपको इसे अपने अनुरोध के साथ वापस करना होगा।
प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-टीएम ईबुक्स के बारे में: यह प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-टीएम ईबुक, अन्य अधिकांश ईबुक्स की तरह, एक "सार्वजनिक डोमेन" कृति है जिसे प्रोफेसर माइकल एस. हार्ट द्वारा प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग एसोसिएशन ("प्रोजेक्ट") के माध्यम से वितरित किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस कृति पर किसी का भी कॉपीराइट नहीं है, इसलिए प्रोजेक्ट (और आप!) इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में बिना अनुमति और बिना कॉपीराइट रॉयल्टी का भुगतान किए कॉपी और वितरित कर सकते हैं। यदि आप इस ईबुक को "प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग" ट्रेडमार्क के तहत कॉपी और वितरित करना चाहते हैं, तो नीचे दिए गए विशेष नियम लागू होते हैं।
कृपया बिना अनुमति के किसी भी व्यावसायिक उत्पाद के विपणन के लिए "प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग" ट्रेडमार्क का उपयोग न करें।
इन ई-पुस्तकों को बनाने के लिए, परियोजना सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध रचनाओं की पहचान करने, उन्हें लिखने और उनकी प्रूफरीडिंग करने में काफी प्रयास करती है। इन प्रयासों के बावजूद, परियोजना की ई-पुस्तकों और उनके माध्यमों में कुछ कमियां हो सकती हैं। इन कमियों में अपूर्ण, गलत या दूषित डेटा, लिखने में त्रुटियां, कॉपीराइट या अन्य बौद्धिक संपदा का उल्लंघन, खराब या क्षतिग्रस्त डिस्क या अन्य ई-पुस्तक माध्यम, कंप्यूटर वायरस, या ऐसे कंप्यूटर कोड शामिल हो सकते हैं जो आपके उपकरण को नुकसान पहुंचाते हैं या आपके उपकरण द्वारा पढ़े नहीं जा सकते।

सीमित वारंटी; क्षतिपूर्ति का अस्वीकरण लेकिन नीचे वर्णित "प्रतिस्थापन या धनवापसी के अधिकार" के लिए, [1] माइकल हार्ट और फाउंडेशन (और कोई भी अन्य पक्ष जिससे आपको यह ईबुक प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-टीएम ईबुक के रूप में प्राप्त हो सकती है) कानूनी शुल्क सहित क्षति, लागत और खर्चों के लिए आपके प्रति सभी दायित्वों को अस्वीकार करता है, और [2] आपके पास लापरवाही या सख्त दायित्व के तहत, या वारंटी या अनुबंध के उल्लंघन के लिए कोई उपाय नहीं है, जिसमें अप्रत्यक्ष, परिणामी, दंडात्मक या आकस्मिक क्षति शामिल है, लेकिन सीमित नहीं है, भले ही आप ऐसी क्षति की संभावना की सूचना दें।
यदि आपको यह ईबुक प्राप्त होने के 90 दिनों के भीतर इसमें कोई खराबी मिलती है, तो आप उस व्यक्ति को स्पष्टीकरण पत्र भेजकर भुगतान की गई राशि (यदि कोई हो) वापस प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपने इसे प्राप्त किया था। यदि आपने इसे भौतिक रूप में प्राप्त किया है, तो आपको इसे अपने स्पष्टीकरण के साथ वापस करना होगा, और वह व्यक्ति आपको इसके बदले एक नई प्रति दे सकता है। यदि आपने इसे इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त किया है, तो वह व्यक्ति आपको इसे इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त करने का दूसरा अवसर दे सकता है।
यह ईबुक आपको "जैसी है वैसी ही" प्रदान की जाती है। इस ईबुक या इसके किसी भी माध्यम के संबंध में, जिसमें व्यापारिकता या किसी विशेष उद्देश्य के लिए उपयुक्तता की गारंटी शामिल है, किसी भी प्रकार की कोई अन्य वारंटी, चाहे वह व्यक्त हो या निहित, आपको नहीं दी जाती है।
कुछ राज्य निहित वारंटियों के अस्वीकरण या परिणामी क्षति के अपवर्जन या सीमा को अनुमति नहीं देते हैं, इसलिए उपरोक्त अस्वीकरण और अपवर्जन आप पर लागू नहीं हो सकते हैं, और आपके पास अन्य कानूनी अधिकार हो सकते हैं।
क्षतिपूर्ति आप माइकल हार्ट, फाउंडेशन, और उसके न्यासी और एजेंट, और प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-टीएम ग्रंथों के उत्पादन और वितरण से जुड़े किसी भी स्वयंसेवक को सभी दायित्व, लागत और व्यय, जिसमें कानूनी शुल्क भी शामिल है, से हानिरहित रखेंगे, जो आपके द्वारा किए गए या करवाए गए निम्नलिखित में से किसी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पन्न होते हैं: [1] इस ईबुक का वितरण, [2] ईबुक में परिवर्तन, संशोधन या जोड़, या [3] कोई दोष।

"प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग-टीएम" के अंतर्गत वितरण: आप इस ईबुक की प्रतियां इलेक्ट्रॉनिक रूप से, डिस्क द्वारा, पुस्तक द्वारा या किसी अन्य माध्यम से वितरित कर सकते हैं, बशर्ते आप या तो इस "छोटे अक्षरों में लिखी चेतावनी!" और प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग के सभी अन्य संदर्भों को हटा दें, या:
[1] इसकी केवल सटीक प्रतियां ही दें। अन्य बातों के अलावा, इसके लिए यह आवश्यक है कि आप ईबुक या इस "छोटे अक्षरों में लिखी गई!" कथन को हटाएं, बदलें या संशोधित न करें। हालांकि, यदि आप चाहें, तो आप इस ईबुक को मशीन-पठनीय बाइनरी, संपीड़ित, मार्क-अप या मालिकाना रूप में वितरित कर सकते हैं, जिसमें वर्ड प्रोसेसिंग या हाइपरटेक्स्ट सॉफ़्टवेयर द्वारा रूपांतरण से प्राप्त कोई भी रूप शामिल है, लेकिन केवल तभी जब *या तो*:
[*] प्रदर्शित होने पर ईबुक स्पष्ट रूप से पठनीय है, और इसमें लेखक द्वारा इच्छित वर्णों के अलावा कोई अन्य वर्ण नहीं हैं, हालांकि लेखक द्वारा इच्छित विराम चिह्नों को दर्शाने के लिए टिल्ड (~), तारांकन (*) और अंडरलाइन (_) वर्णों का उपयोग किया जा सकता है, और हाइपरटेक्स्ट लिंक को इंगित करने के लिए अतिरिक्त वर्णों का उपयोग किया जा सकता है; या
[*] पाठक द्वारा ईबुक को प्रदर्शित करने वाले प्रोग्राम द्वारा बिना किसी अतिरिक्त लागत के आसानी से सादे ASCII, EBCDIC या समकक्ष प्रारूप में परिवर्तित किया जा सकता है (जैसा कि उदाहरण के लिए, अधिकांश वर्ड प्रोसेसर के मामले में होता है); या
[*] आप अनुरोध पर बिना किसी अतिरिक्त लागत, शुल्क या व्यय के ईबुक की एक प्रति उसके मूल सादे ASCII रूप में (या EBCDIC या अन्य समकक्ष मालिकाना रूप में) प्रदान करते हैं, या प्रदान करने के लिए सहमत होते हैं।
[2] इस "छोटे अक्षरों में लिखी गई!" कथन के ईबुक वापसी और प्रतिस्थापन प्रावधानों का सम्मान करें।
[3] अपने लागू करों की गणना के लिए आप जिस विधि का उपयोग करते हैं, उसी विधि से प्राप्त सकल लाभ का 20% ट्रेडमार्क लाइसेंस शुल्क के रूप में फाउंडेशन को भुगतान करें। यदि आपको लाभ प्राप्त नहीं होता है, तो कोई रॉयल्टी देय नहीं है। रॉयल्टी "प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन" को आपके वार्षिक (या

समकक्ष आवधिक) कर रिटर्न तैयार करने (या कानूनी रूप से तैयार करने के लिए आवश्यक) की प्रत्येक तिथि के 60 दिनों के भीतर देय है। कृपया हमें अपनी योजनाओं के बारे में पहले से सूचित करें और विवरण पर चर्चा करें।

अगर आप बिना मजबूरी के भी पैसे भेजना चाहते हैं तो क्या करें? प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग सार्वजनिक डोमेन और लाइसेंस प्राप्त रचनाओं की संख्या बढ़ाने के लिए समर्पित है जिन्हें मशीन-पठनीय रूप में स्वतंत्र रूप से वितरित किया जा सकता है।

यह परियोजना धन, समय, सार्वजनिक डोमेन सामग्री या रॉयल्टी मुक्त कॉपीराइट लाइसेंस के रूप में दिए गए योगदान को सहर्ष स्वीकार करती है। धन का भुगतान "प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग लिटरेरी आर्काइव फाउंडेशन" को किया जाना चाहिए।

यदि आप स्कैनिंग उपकरण, सॉफ़्टवेयर या अन्य वस्तुओं का योगदान करने में रुचि रखते हैं, तो कृपया माइकल हार्ट से hart@pobox.com पर संपर्क करें।

इस ईबुक के शीर्षक और ट्रेलर के कुछ अंशों को केवल निःशुल्क वितरण के साथ ही पुनर्मुद्रित किया जा सकता है। कॉपीराइट (सी) 2001, 2002 माइकल एस. हार्ट द्वारा। प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग एक ट्रेडमार्क है और प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग ईबुक या अन्य सामग्री, चाहे वह हार्डवेयर हो, सॉफ्टवेयर हो या कोई अन्य संबंधित उत्पाद हो, की बिक्री में स्पष्ट अनुमति के बिना इसका उपयोग नहीं किया जा सकता है।

*छोटे अक्षरों में लिखी जानकारी को समाप्त करें! सार्वजनिक डोमेन ई-पुस्तकों के लिए* संस्करण 02/11/02

*******समाप्त*******

sjeet